भा र ती य कु ण्ड ली वि ज्ञा न

कुण्डली विज्ञान पर प्रामाणिक हिन्दी ज्यौतिषशास्त्र

वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, बडौदा विश्वविद्यालय, बडौदा, हिन्दी विश्वविद्यालय, प्रयाग, लालबहादुर संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली, भारतीय विद्या भवन बम्बई, त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडु नेपाल, प्रभृति शिक्षा संस्थाओं की आचार्यादि परीक्षाओं के लिए स्वीकृत

लेखक

स्व० (श्री) मीठालाल हिंमतराम ओझा

सिद्धान्त एवं फलित ज्यौतिषाचार्य, साहित्यरत्न गणकरत्न, पुराणतीर्थ, काव्यतीर्थ, ज्योतिषतीर्थ (सम्मान में) पोस्टाचार्य (रीसर्च स्कालर) एम. ए. संस्कृत

भू. पू. प्राध्यापक

वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

मुद्रण संपादक

मुकुन्द जोशी, बी. काम., सिद्धान्तफलितज्यौतिषाचार्य

प्रकाशक व पुस्तक प्राप्तिस्थान
देवर्षि ओझा
डी. ३/४०, मीरघाट
वाराणसी–२२१००१, उ. प्र.

संवत् २०३९
ई सन् १९८२

तृतीयावृत्ति

मूल्य अजिल्द ३५.००
„ सजिल्द ५०.००

मुद्रक :—
डीलक्स आफसेट प्रिंटर्स
न्यू दिल्ली–११००३५

नो संक्षिप्तं न च बहु वृथा विस्तरं शास्त्रतत्त्वम्

भूतल के मेरे ईश्वर

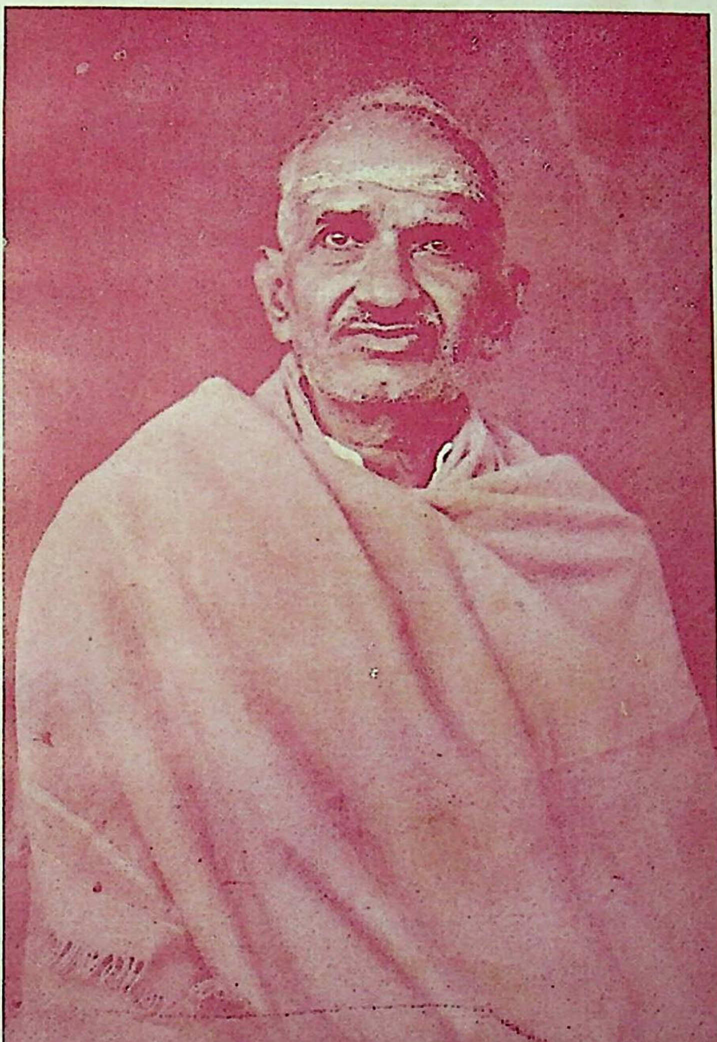
पूज्य पिता

के पुनीत चरणों में

जिनके तपःपूत जीवनादर्श ने

मुझे सरस्वती की आराधना के लिये प्रस्तुत किया।

स्व० पू० पिता



दैवज्ञ वर्य

श्री हिंमतराम नंदराम ओझा

अनुक्रमणिका

भारतीय कुण्डली विज्ञान भाग १

पञ्चाङ्ग प्रकरण

कुण्डली विधान प्रकरण

१—इस श्लोक की टीका की प्रथम पंक्ति में नीच शब्द के स्थान पर शत्रु शब्द का प्रयोग करें।

विदेश की कुण्डली का गणित

भारतीय कुण्डली विज्ञान भाग ३

वर्ष गणित साधन प्रकरण

भारतीय कुण्डली विज्ञान भाग ४



लेखक

स्व० मीठालाल हिंमतराम ओझा

* श्रीः *

भारतीय कुण्डली विज्ञान

भाग—१

पञ्चांग प्रकरण

पञ्चांग

चतुरंगबलो राजा जगतीं वशमानयेत् ।
अहं पंचांगबलवानाकाशं वशमानये ॥

इस प्रकरण में केवल जन्मादि कुंडलियों के उपयुक्त सामग्री का विवेचन किया जायगा। विस्तार के भय से विशेष विवेचन नहीं दिया गया है।

तिथिर्वासरनक्षत्रे योगः करणमेव च ।
इति पञ्चाङ्गमाख्यातं व्रतपर्वनिदर्शकम् ॥

पंचांग के तिथि, वार, नक्षत्र, योग तथा करण ये पांच अंग मुख्य होते हैं।

तिथि

तिथियां १५ होती हैं। जिनका नाम, प्रतिपद् १, द्वितीया २, तृतीया ३, चतुर्थी ४, पंचमी ५, षष्ठी ६, सप्तमी ७, अष्टमी ८, नवमी ९, दशमी १०, एकादशी ११, द्वादशी १२, त्रयोदशी १३, चतुर्दशी १४, पूर्णिमा १५। शुक्ल पक्ष की ये तिथियां हैं। और कृष्णपक्ष में भी यही नाम रहता है। केवल अन्तिम तिथि का नाम अमावास्या रहता है। जिसका संकेत पंचांग में ३० इससे किया जाता है।

तिथि का क्षय तथा वृद्धि

सूर्योदय के बाद किसी तिथि का प्रारंभ हो तथा दूसरे सूर्योदय के पहले उसका अन्त हो जाय, उसे क्षयतिथि कहते हैं। जैसे आगे दिए हुए पञ्चाङ्ग में

श्रावणकृष्ण ६ शनि घ. $\frac{१।२५}{५४।४४}$ इस प्रकार है। यहाँ यह ध्यान रखना चाहिये कि घ. १।२५ तक ६ तिथि है। और उसके बाद अर्थात् घ. १।२५ के बाद घ. ५४।४४ तक सप्तमी उसी दिन रही। सप्तमी सूर्योदय से कितने समय तक रही इसका ज्ञान अभीष्ट हो तो उस दिन के दोनों $\frac{१।२५}{५४।४४}$ मानों का योग करने से घ. ५६।९ तक सप्तमी समाप्त होगी। और उसके बाद उसी दिन अष्टमी का प्रारंभ घ. ५६।९ पर हुआ। अतः सप्तमी में सूर्योदय न होने के कारण सप्तमी क्षयतिथि हुई। वृद्धितिथि का उदाहरण पुस्तक में दिये हुए पञ्चाङ्ग में नहीं है। अतः कल्पना कर लिखा गया है। जैसे तिथि का क्षय तथा वृद्धि होती है वैसे ही नक्षत्र तथा योग का भी क्षय एवं वृद्धि होती है। पुस्तक में दिये हुए पञ्चाङ्ग में श्रावण कृष्ण १० मंगलवार के दिन भरणी $\frac{०।२१}{५५।४७}$ है। इसका अर्थ हुआ कि उस दिन भरणी सूर्योदय से घ. ०।२१ तक रहेगी। और कृत्तिका दोनों $\frac{०।२१}{५५।४७}$ मानों के योग ५६।८ तक रहेगी। इसके बाद रोहिणी का प्रारंभ उसी दिन हो जाता है। अतः कृत्तिका का क्षय माना जायगा। और नक्षत्र वृद्धि की कल्पना तिथिवृद्धि की तरह मान लेनी चाहिये।

इसी प्रकार योग का क्षय नवमी सोमवार के दिन हुआ है। उस दिन धृति योग घ. $\frac{०।३५}{५२।२७}$ है। अतः शूलयोग का क्षय पूर्ववत् जानना चाहिए। नक्षत्र एवं योग का विवेचन आगे दिया गया है।

दो सूर्योदय में एक तिथि रहे तो वह तिथि वृद्धितिथि कहलाती है। जैसे सोम के सूर्योदय के समय प्रतिपदा तथा मंगल के सूर्योदय में भी यदि प्रतिपदा ही हो तो उसे वृद्धितिथि कहते हैं।

नक्षत्र

नक्षत्र २७ होते हैं जिनके नाम तथा योनि इत्यादि कोष्टक में दिये गये हैं। सत्ताईस के अतिरिक्त अभिजित् नाम का नक्षत्र एक और रहता है। वह उत्तराषाढा की अन्तिम १५ घटी तथा श्रवण के आरंभ की ४ घटी के योग १९ घटी भोग का माना जाता है।

योग

योग २७ होते हैं। जिनका नाम नीचे दिया गया है।

१ विष्कुंभ	२ प्रीति	३ आयुष्मान्	४ सौभाग्य
५ शोभन	६ अतिगण्ड	७ सुकर्मा	८ धृति
९ शूल	१० गंड	११ वृद्धि	१२ ध्रुव

१३ व्याघात	१४ हर्षण	१५ वज्र	१६ सिद्धि
१७ व्यतिपात	१८ वरीयान्	१९ परिघ	२० शिव
२१ सिद्ध	२२ साध्य	२३ शुभ	२४ शुक्ल
२५ ब्रह्म	२६ ऐन्द्र	२७ वैधृति	

करण

एक तिथि में दो करण रहते हैं। करण चर तथा स्थिर दो प्रकार के होते हैं। चर करण सात हैं बव १, बालव २, कौलव ३, तैतिल ४, गर ५, वणिज ६, विष्टि ७। इनका प्रारंभ शुक्ल प्रतिपदा के उत्तरार्द्ध से होता है। और एक मास में इनकी ८ आवृत्तियां होती हैं। शकुनी, चतुष्पाद, नाग तथा किंस्तुघ्न ये चार स्थिर करण हैं। इनका प्रारंभ कृष्णपक्ष की १४ के उत्तरार्ध से होता है। अर्थात् चतुर्दशी के उत्तरार्ध में शकुनी, अमावास्या के पूर्वार्ध में चतुष्पाद, उत्तरार्ध में नाग तथा शुक्लपक्ष की प्रतिपदा के पूर्वार्ध में किंस्तुघ्न करण सदा नियत रहते हैं। अतः इनकी स्थिर संज्ञा है।

करण जानने के लिये कोष्टक

तिथि	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	३०
शुक्लपक्ष पूर्वार्ध	कि.	बा.	तै.	व.	ब.	कौ.	ग.	वि.	बा.	तै.	व.	ब.	कौ.	ग.	वि.	०
शुक्लपक्ष उत्तरार्ध	ब.	कौ.	ग.	वि.	बा.	तै.	व.	ब.	कौ.	ग.	वि.	बा.	तै.	व.	ब.	०
कृष्णपक्ष पूर्वार्ध	बा.	तै.	व.	ब.	कौ.	ग.	वि.	बा.	तै.	व.	ब.	कौ.	ग.	वि.	०	च.
कृष्णपक्ष उत्तरार्ध	कौ.	ग.	वि.	बा.	तै.	व.	ब.	कौ.	ग.	वि.	बा.	तै.	व.	श.	०	ना.

भद्राविचार

इस कोष्टक में जहाँ जहाँ विष्टि शब्द आया है। उससे उस तिथि के निर्दिष्ट भाग को भद्रा कहते हैं। जैसे शुक्ल पक्ष में ४, ११ और कृष्णपक्ष में ३, १० तिथियों के उत्तरार्द्ध में भद्रा रहती है। और शुक्लपक्ष में ८, १५ कृष्ण पक्ष में ७, १४ तिथियों के पूर्वार्ध में भद्रा रहती है। चन्द्रस्पष्टीकरण में भयात भभोग साधन का जैसा क्रम दिखाया है वैसे ही तिथि का मान भी निकाला जा सकता है। जैसे पुस्तक में दिये हुए पञ्चाङ्ग में कृष्णपक्ष की तृतीया के उत्तरार्ध में भद्रा रहती है। उसका प्रारंभ कब होगा? उसे जानना है। अतः द्वितीया के मान

घ. १४।४ को ६० में घटाकर शेष घ. ४५।५६ को तृतीया के मान घ. १२।३१ में जोड़ने से तृतीया का भोगकाल घ. ५८।२७ हुआ। इसके आधे घ. २९। १३।३० को द्वितीया के मान घ. १४।४ में जोड़ने से तृतीया का उत्तरार्ध घ. ४३।१७ के बाद प्रारंभ होता है। और उसी समय से भद्रा प्रारंभ होकर तृतीया की समाप्ति पर्यन्त रहेगी। इसी प्रकार अन्य भद्राओं को भी समझना चाहिये।

राशि

मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धन, मकर, कुंभ, मीन ये १२ राशियाँ होती हैं। प्रत्येक नक्षत्र के चार चरण होते हैं। वैसे ९ चरणों की एक राशि मानी जाती है। तदनुसार कोष्टक में निर्देश किया गया है।

जन्मनाम का विचार

नक्षत्र के चरणों के अक्षर कोष्ठक में दिये गये हैं। जातक का जन्म, नक्षत्र के जिस चरण में हो उस चरण का अक्षर जातक के नाम का प्रथम अक्षर मानकर नाम रक्खा जाता है। नक्षत्र के चरण का विचार चन्द्रस्पष्टीकरण में दिये गये भयात भभोग पर से समझना चाहिये। भभोग के चार भाग करने से एक चरण का मान होगा। उस पर से जन्म समय के नक्षत्र के चरण का ज्ञान हो जायगा। भयात में भभोग का चतुर्थांश जितनी बार घट जाय उतने चरण व्यतीत हुए। शेष से वर्तमान चरण समझना चाहिये। यथा प्रकृत उदाहरण में मृगशिर भोग घ. ५६।२० है। भयात घ. २५।४५ इसमें भभोग घ. ५६।२० का चतुर्थांश घ. १४।५ एक बार घटा। अतः मृगशिर नक्षत्र के दूसरे चरण में जन्म हुआ। मृगशिर नक्षत्र के दूसरे चरण का अक्षर 'वो' आता है। अतः जन्मनाम 'वो' अक्षर पर रखना चाहिये।

यदि किसी के जन्मनक्षत्रानुसार नाम का आदि अक्षर ङ, ञ, ण आता हो तो उनके स्थान पर क्रमशः ग, ज, ड अक्षर मानकर नाम रखना चाहिये। जैसे आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में ङ अक्षर आता है। अतः आर्द्रा के तृतीय चरण में जन्म लेने वाले का नाम गणेश रखा जा सकता है।

जन्म नक्षत्र के अनुसार योनि गणादि का कोष्टक

चरणानुसार नक्षत्र के अक्षर	नक्षत्र	योनि	गण	युंजा	नाडी	राशि	स्वामी
चु.चे.चो.ला.	अश्विनी	अश्व	देव	पूर्व	आद्य	मेष	मं.
ली.लू.ले.लो.	भरणी	गज	मनुष्य	पूर्व	मध्य	मेष	मं.
आ.इ.उ.ए.	कृत्तिका	मेष	राक्षस	पूर्व	अंत्य	मेष१ वृ.३	मं.१ शु३
ओ.वा.वि.वु.	रोहिणी	सर्प	मनुष्य	पूर्व	अंत्य	वृषभ	शु.
वे.वो.का.की.	मृगशीर्ष	सर्प	देव	पूर्व	मध्य	वृ.२ मिथुन२	शु.२ बु.२
कु. घ. ङ. छ.	आर्द्रा	श्वान	मनुष्य	मध्य	आद्य	मिथुन	बु.
के.को.हा.ही.	पुनर्वसु	मार्जार	देव	मध्य	आद्य	मि. ३ क. १	बु.३चं.१
हु.हे.हो.डा.	पुष्य	मेष	देव	मध्य	मध्य	कर्क	चन्द्र
डी. डू.डे. डो.	आश्लेषा	मार्जार	राक्षस	मध्य	अंत्य	कर्क	चन्द्र
मा. मी.मु. मे.	मघा	मूषक	राक्षस	मध्य	अंत्य	सिंह	सूर्य
मो.टा.टी.टु.	पू. फा.	मूषक	मनुष्य	मध्य	मध्य	सिंह	सूर्य
टे.टो.पा.पी.	उ. फा.	गौ	मनुष्य	मध्य	आद्य	सिं.१कन्या३	सू.१ बु. ३
पू. ष. ण. ठ.	हस्त	महिषी	देव	मध्य	आद्य	कन्या	बु.
पे. पो. रा. री.	चित्रा	व्याघ्र	राक्षस	मध्य	मध्य	क.२ तुला.२	बु.२ शु.२
रु. रे. रो. ता.	स्वाती	महिषी	देव	मध्य	अंत्य	तुला	शुक्र
ती.तू. ते. तो.	विशाखा	व्याघ्र	राक्षस	मध्य	अंत्य	तु.३वृश्चिक१	शुक्र३ मं.१
ना.नी. नू. ने.	अनुराधा	मृग	देव	मध्य	मध्य	वृश्चिक	मंगल
नो.या. यी.यु.	ज्येष्ठा	मृग	राक्षस	अंत्य	आद्य	वृश्चिक	मंगल
ये.यो.भा.भी.	मूल	श्वान	राक्षस	अंत्य	आद्य	धन	गुरु
भू.धा.फा.ढा.	पू. षा.	कपि	मनुष्य	अंत्य	मध्य	धन	गुरु
भे.भो.जा.जी.	उ. षा.	नकुल	मनुष्य	अंत्य	अंत्य	धन१ मकर३	गुरु१श.३
जू.जे.जो.खा.	अभिजित	नकुल	मनुष्य	अंत्य	अंत्य		
खी.खू.खे.खो.	श्रवण	कपि	देव	अंत्य	अंत्य	मकर	शनि
गा.गी.गू.गे.	धनिष्ठा	सिंह	राक्षस	अंत्य	मध्य	म. २कुं.२	शनि
गो.सा.सी.सू.	शतभिषा	अश्व	राक्षस	अंत्य	आद्य	कुंभ	शनि
से.सो.दा.दि.	पू. भा.	सिंह	मनुष्य	अंत्य	आद्य	कुं.३ मी.१	श.३गु.१
दु. थ. झ.ञ.	उ. भा.	गौ	मनुष्य	अंत्य	मध्य	मीन	गुरु
दे.दो.चा.ची.	रेवती	गज	देव	पूर्व	अंत्य	मीन	गुरु

मेषादि राशियों के वर्णादि के साथ घातचक्र

राशि	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धन	मकर	कुंभ	मीन
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र	विप्र	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र	विप्र	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र	विप्र
वश्य	चतुष्पद	चतुष्पद	मानव	जलचर कीट	चतुष्पद	मानव	मानव	कीट सरीसृप	मानव. १५ चतु. १५	चतु १५ जल. १५	मनुष्य	जलचर
हंसक (तत्त्व)	अग्नि	भूमि	वायु	वारि	अग्नि	भूमि	वायु	वारि	अग्नि	भूमि	वायु	वारि
मास	कार्तिक	मार्ग	आषाढ़	पौष	ज्येष्ठ	भाद्रपद	माघ	आश्विन	श्रावण	वैशाख	चैत्र	फाल्गुन
तिथि	१-६-११	५-१०-१५	२-७-१२	२-७-१२	३-८-१३	५-१०-१५	४-९-१४	१-६-११	३-८-१३	४-९-१४	३-८-१३	५-१०-१५
वार	रवि	शनि	सोम	बुध	शनि	शनि	गुरु	शुक्र	शुक्र	भौम	गुरु	शुक्र
नक्षत्र	मघा	हस्त	स्वाति	अनु.	मूल	श्रवण	शतभिषा	रेवती	भरणी	रोहि.	आर्द्रा	आश्लेषा
योग	विष्कुम्भ	सुकर्मा	परिघ	व्याघात	धृति	शुभ	शुक्ल	व्यति.	वज्र	वैधृति	गंड	वज्र

मेषादि राशियों के वर्णादि के साथ घातचक्र

करण	बव	शकुनी	चतुष्पाद	नाग	बव	कौल्व	तैतिल	गर	तैतिल	शकुनी	वणिज	विष्टि
प्रहर	१	४	३	१	१	१	४	१	१	४	३	४
पु. घा. चं.	१	५	९	२	६	१०	३	७	४	८	११	१२
स्त्री. घ. चं.	१	८	७	९	४	३	६	२	१०	११	५	१२
संज्ञा	चर	स्थिर	द्वि स्व.	चर	स्थिर	द्विस्व.	चर	स्थिर	द्विस्व	चर	स्थिर	द्विस्व
पुं. स्त्री	पुं.	स्त्री	पुं	स्त्री	पुं	स्त्री	पुं	स्त्री	पुं	स्त्री	पुं	स्त्री

अ	क	च	ट	त	प	य	श	वर्गाक्षर
गरुड	मार्जार	सिंह	श्वान	सर्प	मूषक	मृग	मेष	वर्गस्वामी

वर्गविचार

जन्म का अक्षर जिस अकारादि वर्ग में पड़े उस पर से उसका स्वामी समझना चाहिए। यदि च अक्षर पर जन्म नाम है तो वर्गस्वामी सिंह होगा। 'र' अक्षर पर नाम रहने से उसका स्वामी मृग होगा। इसी प्रकार अन्यत्र भी समझना चाहिए। अपने से पंचम का वैर होता है यथा गरुड सर्प का, मार्जार मूषक का इत्यादि। और अपने से तीसरा सम होता है। यथा गरुड का सिंह सम हैं। तथा चतुर्थ मित्र होता है। यथा गरुड का श्वान मित्र है।

संवत्सर[1]

जन्म कुंडली के प्रारंभ में संवत्सर का निर्देश रहता है। एक संवत्सर एक वर्ष का माना जाता है। संहिता के विद्वान् गुरु की मध्यम राशि के भोग काल को संवत्सर कहते हैं। यह काल भी एक वर्ष का माना जाता है। संवत्सर ६० रहते हैं। जिनका नामोल्लेख नीचे किया गया है।

१ प्रभव	१६ चित्रभानु	३१ हेमलंबी	४६ परिधावी
२ विभव	१७ सुभानु	३२ विलंबी	४७ प्रमादी
३ शुक्ल	१८ तारण	३३ विकारी	४८ आनंद
४ प्रमोद	१९ पार्थिव	३४ शार्वरी	४९ राक्षस
५ प्रजापति	२० व्यय	३५ प्लव	५० अनल
६ अंगिरा	२१ सर्वजित्	३६ शुभकृत्	५१ पिंगल
७ श्रीमुख	२२ सर्वधारी	३७ शोभकृत्	५२ काल
८ भाव	२३ विरोधी	३८ क्रोधी	५३ सिद्धार्थी
९ युव	२४ विकृति	३९ विश्वावसु	५४ रौद्र
१० धाता	२५ खर	४० पराभव	५५ दुर्मति
११ ईश्वर	२६ नंदन	४१ प्लवंग	५६ दुंदुभी
१२ बहुधान्य	२७ विजय	४२ कीलक	५७ रुधिरोद्गारी
१३ प्रभाथि	२८ जय	४३ सौम्य	५८ रक्ताक्षी
१४ विक्रम	२९ मन्मथ	४४ साधारण	५९ क्रोधन
१५ वृष	३० दुर्मुख	४५ विरोधकृत्	६० क्षय

---

१ संवत्कालस्त्वङ्कयुतः कृत्वा शून्यरसैर्हृतः।
शेषः संवत्सरो ज्ञेयः प्रभवादिर्बुधैः क्रमात् ॥

विक्रम संवत् में ९ जोड़कर ६० से भाग दें। शेष में एक जोड़ने पर प्रभवादि संवत्सर होगा।

यथा वर्तमान संवत् १९७६ में ९ जोड़कर योग १९८५ में ६० का भाग देने से शेष ५ रहें। इनमें १ जोड़ने से प्रभवादि छठवाँ संवत्सर अङ्गिरा वर्तमान संवत्सर हुआ।

अयन

उत्तरायण तथा दक्षिणायन ये दो अयन होते हैं। मकरादि छ राशि में सूर्य उत्तरायण तथा कर्कादि छ राशि में सूर्य दक्षिणायन रहता है। अर्थात् मकरादि ६ राशि उत्तरायण तथा कर्कादि ६ राशि दक्षिणायन कहलाती हैं।

गोल

सूर्य के मेषादि ६ राशि में रहने से उत्तर गोल एवं तुलादि ६ राशि में रहने से दक्षिण गोल कहलाता है।

ऋतु

वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद्, हेमन्त तथा शिशिर ये ६ ऋतुएँ हैं। मीनादि दो २ राशि की ऋतु मानी जाती है। यथा मीन, मेष=वसंत। वृषभ, मिथुन=ग्रीष्म। कर्क, सिंह=वर्षा। कन्या, तुला=शरद्। वृश्चिक, धन=हेमन्त। मकर, कुम्भ=शिशिर।

मास

मास दो प्रकार के व्यवहार में आते हैं। सौर तथा चान्द्र। उनमें चान्द्र मास ही विशेष प्रचलित हैं। सूर्य की एक राशि के भोग काल को सौर मास कहते हैं। और अमावास्या से अमावास्या पर्यन्त के काल को चान्द्रमास कहते हैं। चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक मार्गशीर्ष, पौष, माघ, फाल्गुन ये १२ चान्द्रमास प्रसिद्ध हैं। सौर मास बङ्गाल, पंजाब, नेपाल आदि में प्रचलित हैं। और उनकी गणना मेषादि संक्रान्ति से वैशाखादि १२ मास के रूप में होती है। यथा मेष संक्रान्ति वैशाख मास, वृषभ संक्रान्ति ज्येष्ठमास इत्यादि।

पक्ष

पक्ष दो हैं। शुक्ल तथा कृष्ण। विंध्योत्तर प्रदेश में तथा राजस्थान में

कृष्ण पहले तथा बाद में शुक्ल पक्ष रहता है। इनसे भिन्न देशों में पहले शुक्ल और तदनन्तर कृष्ण पक्ष रहता है। अतः कृष्ण पक्ष में दोनों विभाग वालों के मास भिन्न रहते हैं। कृष्ण पक्ष पहले मानने वालों का मासारम्भ पहले होता है। और शुक्ल पक्ष पहले मानने वालों का मासारम्भ बाद में होता है।

शक, संबत्

भारत में विक्रम संवत् तथा शालीवाहन शक का विशेष प्रचार है। विक्रमादित्य राजा ने विक्रम संवत् का प्रारम्भ किया। और शालीवाहन ने शक का प्रारम्भ किया। इस समय संवत् २०११ तथा शक १८७६ है। शक से संवत् १३५ वर्ष पुराना है। व्यापारियों का संवत् दीपावली से प्रारम्भ होता है। दक्षिण भारत में प्रायः संवत् का प्रारम्भ कार्तिक से होता है। और शेष भारत में प्रायः चैत्र से संवत् का प्रारम्भ होता है। शक का प्रारम्भ सर्वत्र चैत्र से ही होता है। एक वर्ष के सावन दिन ३६५।१५।३०।२२।३० ये हैं।

भारत में विदेशी खिष्टीय सन्, हिजरी सन्, एजदी जर्द इत्यादि अनेक शक प्रचलित हैं।

खिष्टीय सन्:—

ईशु खिष्ट के जन्म से यह सन् प्रारम्भ होता है। यह संवत् से ५७ वर्ष बाद तथा शक से ७८ वर्ष पहले प्रारम्भ हुआ था। इसका प्रथम मास जनवरी से आरंभ होता है। इसके मास तथा दिन इस प्रकार है।

जनवरी ३१	अप्रैल ३०	जुलाई ३१	अक्तूबर ३१
फरवरी २८	मई ३१	अगस्त ३१	नवम्बर ३०
मार्च ३१	जून ३०	सितंबर ३०	दिसंबर ३१

जिस वर्ष सन् की संख्या में ४ का पूरा भाग लग जाय उस वर्ष फरवरी के २९ दिन रहते हैं। और उस वर्ष को लीप इयर कहते हैं।

हिजरी सन्—

मुहम्मद पैगम्बर ईस्वी सन् ६२२ जुलाई ता० १५ के दिन मक्के से मदीना भाग गये थे। उस दिन से इस सन् का प्रारम्भ हुआ। इसका प्रारम्भ मोहर्रम मास की पहली तारीख से होता है। इनका वर्ष चांद्रमास का माना जाता है। अमावास्या के बाद जिस दिन प्रथम चन्द्रदर्शन होता है। उस दिन को मास का प्रथम दिन माना जाता है। चन्द्रदर्शन रात को होता है। अतः वार का प्रारम्भ रात को होता है। अर्थात् हमारी सोम की रात्रि उनकी भौम की रात्रि मानी जाती है। दिन का व्यवहार प्रथम चन्द्र द्वितीय चन्द्र इत्यादि रूप से अथवा तारीख के नाम से किया जाता है। तिथियों के न्यूनाधिक होने पर मास के दिन न्यूनाधिक होते हैं। इनका वर्ष ३५४ दिन का होता है। यह वर्ष चान्द्र दिन का होने के कारण हर तीसरे वर्ष इनका मोहर्रम हमारे मास से एक मास पहले होता है। इस तरह ३२ वा ३३ वर्ष पर इनके सन् का एक अंक बढ़ता जाता है। इनके मासों के नामः—

१ मोहर्रम	४ रबिलाखर	७ रज्जब	१० सवाल
२ सफ्फर	५ जमादिलावर	८ सावान	११ जिल्काद
३ रबिलावल	६ जमादिलाखर	९ रमजान	१२ जिल्हेज

पारसी सन्—

एजदी अर्द (पारसी सन्) का प्रारम्भ ईस्वी सन् ६३० के अनन्तर आरंभ हुआ। इनके मास ३० सावन दिन के रहते हैं। अतः सौर वर्ष से सम्बन्ध रखने के लिये प्रति वर्ष के अन्त में ५ दिन अधिक मानते हैं। उन को गाथा-गंबर नाम से व्यवहार मे लेते हैं। मासों के नामः—

१ फरपर्दिन	४ तीर	७ मेहर	१० दय
२ आर्दीबेस्त	५ अमरदाद	८ आबान	११ बहमन
३ खोरदाद	६ शेहरेवर	९ आजूर	१२ इस्पिंदाद

राशियों के विदेशी भाषा में नाम

हिन्दी	अंग्रेजी	फारसी	अरबी	अंग्रेजी चिह्न
मेष	एरीस	बरे	हमल	♈
वृषभ	टॉर्स	गत्व	सौर	♉
मिथुन	जिमीनी	दोपेकर	ब्रोवझ	♊
कर्क	कॅनसर	खरचंग	सरतान	♋
सिंह	लीओ	शीर	अशद	♌
कन्या	वीर्गो	खुशे	सोमबोल	♍
तुला	लीब्रा	त्राजु	मीजान	♎
वृश्चिक	स्कॉरपीओ	कझदुम	अकरब	♏
धन	सॅगीटेरीस	कमान	कौश	♐
मकर	कॅपीकॉर्न	बोझ	जध्य	♑
कुंभ	एकवॉर्स	दुल	दल्व	♒
मीन	पीसीस	माही	हुत	♓

ग्रहों के विभिन्न भाषा में नाम

हिन्दी	अंग्रेजी चिह्न	अंग्रेजी नाम	फारसी	अरबी
सूर्य	☉	सन्	खोरशेद	शम्स
चन्द्र	☾	मुन	माह	कमर
मंगल	♂	मार्स	बेहराम	मरीक
बुध	☿	मरक्युरी	तीर	ओतारद
गुरु	♃	ज्युपीटर	अहुरमझद	मोशतरी
शुक्र	♀	वीनस	नाहीद	झोहरे
शनि	♄	सॅटर्न	केयवान	झोहल
राहु	☊	मुन्सनॉड		
केतु	☋	मुन्सटेल		
वरुण	♆	नेपच्युन		
प्रजापति	♅	हर्शल		
प्लुटो	P	प्लुटो		

दिनम्	श्रीसंवत् १९७६ शकः १८४१ श्रावण मास कृष्णपक्ष वर्षा ऋतु											सू.	इ.	पा.	फ.	सू. घं.	उ. मि.	सू. घं.	अ. मि.	चन्द्र	
३३ ४८	१	चं	१४	२३	उ	१५	२९	वि	३६	१७	कौ	१४	२३	३०	१४	१५	१	५	१४।	६	४५।।।		
४७	२	मं	१४	४	श्र	१६	५७	प्री	३६	१०	ग	१४	४	३१	१५	१६	२	५	१४।।	६	४५।।	कुं	४७।४ उ
४५	३	बु	१२	३१	ध	१७	११	आ	३२	३	वि	१२	३१	३२	१६	१७	३	५	१५	६	४५		
४३	४	गु	९	४५	श	१६	१७	सौ	२७	४	त्रा	९	४५	१	१७	१८	४	५	१५।	६	४४।।।	मी	५९।५३ उ
४२	५	शु	६	२	पू	१४	२५	शो	२१	२०	तै	६	२	२	१८	१९	५	५	१५।।	६	४४।।		
४०	६	श	१ ५४	२५ ४४	उ	११	४१	अगं	१४	५५	व	१	२५	३	१९	२०	६	५	१६	६	४४		
३८	८	सू	५०	२२	रे	८	१८	सु	७	५५	त्रा	२३	१५	४	२०	२१	७	५	१६।	६	४३।।।	मे	८।१८ उ
३६	९	चं	४४	१४	अ	४	२७	धृ	० ५२	५६ २७	तै	१७	१८	५	२१	२२	८	५	१६।।।	६	४३।		
३४	१०	मं	३७	५८	भ	० ५५	२१ ४७	गं	४५	२१	व	११	६	६	२२	२३	९	५	१७।	६	४२।।।	वृ	१४।१८ उ
३१	११	बु	३१	५३	रो	५२	५	वृ	३७	४९	बव	४	५५	७	२३	२४	१०	५	१७।।।	६	४२।		
२९	१२	गु	२६	१	मृ	४८	२५	ध्रु	३०	३२	तै	२६	१	८	२४	२५	११	५	१८।	६	४१।।।	मि	२०।१५ उ
२७	१३	शु	२०	४०	आ	४५	१६	व्या	२३	३५	व	२०	४०	९	२५	२६	१२	५	१८।।।	६	४१।		
२४	१४	श	१५	५७	पु	४२	५६	ह	१७	१४	श	१५	५७	१०	२६	२७	१३	५	१९।	६	४०।।।	क	२८।३१ उ
३३ २२	३०	सू	१२	४	पु	४१	२३	व	११	३३	ना	१२	४	११	२७	२८	१४	५	१९।।।	६	४०।		

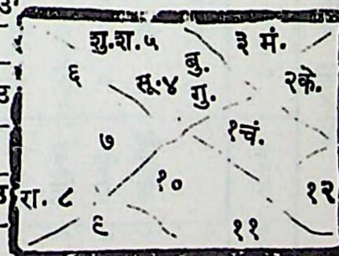
जुलाई १९१९.

१५ पं० ८ रवौ मिश्रमानं ४७।२८

दिनमानम् ३३।३८

सू.	मं	बु	गु	शु	श	रा	के
३	२	३	३	४	४	७	१
३	१४	२८	४	१८	६	१०	१०
५९	५१	४८	५६	४	१७	२०	२०
५८	१६	३१	३९	५७	४१	२८	२८
५९	४०	३०	१३	४४	६	३	३
५८	२६	२२	५७	५२	५५	११	११

अस्त



अश्विनी आदि नक्षत्रों के चरणान्त में स्पष्ट चन्द्र

क्रम	नक्षत्र	१ चरण			२ चरण			३ चरण			४ चरण		
		रा.	अं.	क.	रा.	अं.	क.	रा.	अं.	क.	रा.	अं.	क.
१	अश्विनी	०	३	२०	०	६	४०	०	१०	०	०	१३	२०
२	भरणी	०	१६	४०	०	२०	०	०	२३	२०	०	२६	४०
३	कृतिका	१	०	०	१	३	२०	१	६	४०	१	१०	०
४	रोहिणी	१	१३	२०	१	१६	४०	१	२०	०	१	२३	२०
५	मृगशीर्ष	१	२६	४०	२	०	०	२	३	२०	२	६	४०
६	आर्द्रा	२	१०	०	२	१३	२०	२	१६	४०	२	२०	०
७	पुनर्वसु	२	२३	२०	२	२६	४०	३	०	०	३	३	२०
८	पुष्य	३	६	४०	३	१०	०	३	१३	२०	३	१६	४०
९	आश्लेषा	३	२०	०	३	२३	२०	३	२६	४०	४	०	०
१०	मघा	४	३	२०	४	६	४०	४	१०	०	४	१३	२०
११	पू. फा.	४	१६	४०	४	२०	०	४	२३	२०	४	२६	४०
१२	उ. फा.	५	०	०	५	३	२०	५	६	४०	५	१०	०
१३	हस्त	५	१३	२०	५	१६	४०	५	२०	०	५	२३	२०
१४	चित्रा	५	२६	४०	६	०	०	६	३	२०	६	६	४०
१५	स्वाति	६	१०	०	६	१३	२०	६	१६	४०	६	२०	०
१६	विशाखा	६	२३	२०	६	२६	४०	७	०	०	७	३	२०
१७	अनुराधा	७	६	४०	७	१०	०	७	१३	२०	७	१६	४०
१८	ज्येष्ठा	७	२०	०	७	२३	२०	७	२६	४०	८	०	०
१९	मूल	८	३	२०	८	६	४०	८	१०	०	८	१३	२०
२०	पू. षा.	८	१६	४०	८	२०	०	८	२३	२०	८	२६	४०
२१	उ. षा.	९	०	०	९	३	२०	९	६	४०	९	१०	०
२२	श्रवण	९	१३	२०	९	१६	४०	९	२०	०	९	२३	२०
२३	धनिष्ठा	९	२६	४०	१०	०	०	१०	३	२०	१०	६	४०
२४	शतभिषा	१०	१०	०	१०	१३	२०	१०	१६	४०	१०	२०	०
२५	पू. भा.	१०	२३	२०	१०	२६	४०	११	०	०	११	३	२०
२६	उ. भा.	११	६	४०	११	१०	०	११	१३	२०	११	१६	४०
२७	रेवती	११	२०	०	११	२३	२०	११	२६	४०	१२	०	०

कुंडली विधान प्रकरण

अथ स्पष्टग्रहप्रयोजनम् :—

ज्योतिःशास्त्रफलं पुराणगणकैरादेश इत्युच्यते ।
नूनं लग्नबलाश्रितः पुनरयं तत्स्पष्टखेटाश्रयम् ॥ १ ॥

पुराण के विद्वान् ज्योतिः शास्त्र के फल को आदेश मानते हैं। यह आदेश स्पष्ट ग्रहों से संसाधित तथा सम्मिलित लग्न पर निर्भर है। अतः स्पष्ट ग्रह इस शास्त्र के मूलाधार हैं।

तत्रादौ चालनमाह

पंक्तिः स्वेष्टाद् भवेदग्रे पंक्त्यामिष्टं विशोधयेत् ।
तच्चालनमृणं ज्ञेयं व्यत्यये व्यत्ययं विदुः ॥ २ ॥

पंचाङ्ग के स्पष्ट ग्रहों को पंक्ति कहते हैं। जन्म समय से पंक्ति आगे हो तो पंक्ति के दिनादि (दिन, घटी, पल) में जन्म समय के दिनादि घटाने से शेष ऋण चालन होगा। और जन्म समय के दिनादि में पंक्ति के दिनादि घटाने से शेष धन चालन होगा।

वर्तमान समय में अधिकतर पंचांगों में दैनिक स्पष्ट ग्रह रहते हैं। ये सूर्योदय-कालिक वा मिश्रमान (अर्ध रात्रि के आसन्न) कालिक होते हैं। जन्मकाल जिस दिन की पंक्ति के समीप हो उस दिन की पंक्ति इष्ट काल के ग्रहसाधन में ग्रहण करनी चाहिये। इष्ट काल में पंक्ति का काल घटाने से धनचालन और पंक्ति के काल में इष्ट काल घटाने से ऋणचालन होता है (जन्म समय से पंक्ति के समय तक के काल को चालन कहते हैं।) यदि पंक्ति के ग्रह साप्ताहिक वा पाक्षिक हैं तो रव्यादि क्रम से पंक्ति के वार की संख्या तुल्य दिन होंगे। उदयकालिक पंक्ति के लिये यही दिनादि होगा। अन्यथा मिश्रमान के घटी पल, वार संख्या में जोड़ने से पंक्ति का दिनादि होगा। इसमें जन्म समय का दिनादि घटे तो ऋणचालन और जन्म के दिनादि में पंक्ति का दिनादि घटाने से धनचालन होगा।

उदाहरणः—श्रीसंवत् १९७६ शक १८४१ श्रावणमासे कृष्णपक्षे १२ तिथौ गुरुवासरे मध्याह्नसमये स्टॉ. टा. १६ अर्बुदारण्यस्थग्रामे श्रीमतां जन्म ।

इष्टकाल साधन[1]

जन्मपत्रिका का गणित करने के पूर्व भारतीय परंपरा में इष्टकाल की प्रथम आवश्यकता पड़ती है। अतः इष्टकाल साधनक्रम प्रथम दिखाया जा रहा है। जन्मस्थान का सूर्योदय एवं जिस नगर का पञ्चाङ्ग है वहाँ से जन्मस्थान तक के स्पष्ट देशान्तर का साधन दूसरे भाग में यथास्थान दिखाया जायगा। यहाँ केवल सूर्योदय पर से इष्टकाल का साधन किया जायगा।

सूर्योदय से लेकर जन्म समय तक के घटी पलात्मक समय को इष्टकाल कहते हैं। अतः सूर्योदय से लेकर जन्म समय तक के घण्टे मिनट को २॥ से गुणने पर इष्टकाल बनता है। इसके साधन की सरलता के लिये नीचे लिखे कुछ विशेष नियम ध्यान में रखने चाहिये। सूर्योदय का समय स्टा. टा. में जान लेना चाहिये। क्योंकि आजकल घड़ियों में स्टॅण्डर्ड समय (रेल्वे) चलता है। और लोग उसी समय का प्रयोग करते हैं।

(१) दिन में घं. १२।५९ तक में जन्म हो तो जन्म समय में सूर्योदय का समय घटायें।

१—इष्टकाल साधन एवं ग्रहस्पष्टीकरण के पूर्व इनसे सम्बन्धित परिभाषा जानना आवश्यक है। अतः उनकी परिभाषायें नीचे दी जाती हैं।

समय परिभाषा	राशि अंशादि परिभाषा
६० विपल = १ पल	१ राशि = ३० अंश
६० पल = १ घटी	१ अंश = ६० कला
६० घटी = १ दिन	१ कला = ६० विकला
२४ घंटे = १ दिन	१ विकला = ६० प्रतिविकला
२४ घंटे = ६० घटी	यदि राशि स्थान में १२ से अधिक हो तो
१ घंटा = २॥ घटी	उसमें १२ घटाकर शेष को राशि समझें।
१ मिनिट = २॥ पल	१२ राशि का भगण होता है। उसका
१ सेकंड = २॥ विपल	उपयोग व्यवहार में नहीं होता है।

(२) दिन के १ बजे से रात के घं. १२।५९ तक में जन्म हों तो जन्म समय में १२ घण्टे और रात के १ बजे से दूसरे दिन के सूर्योदय के पहले जन्म हो तो २४ घण्टे जोड़कर योग में सूर्योदय घटाकर शेष घण्टे मिनिट् को २॥ से गुणने पर इष्टकाल होगा। यहाँ सूर्योदय तथा जन्म समय दोनों स्टॉ. टा. में हों अथवा स्थानीय (लोकल) समय के होने चाहिये।

उदाहरणः—हमारा जन्म समय मध्याह्न में स्टॉ. टा. १।६ है। अतः उपर लिखे (२) नियमानुसार

घं. १।६	घं. १३।६ ज, स.	घं. ६।३६
+घं. १२	—घं. ६।३० सूर्योदय	× २॥
घं. १३।६	घं. ६।३६ शेष	घटी १६।३० इष्टकाल

यदि जन्म समय प्रातः ११।२० माना जाय तब (१) नियमानुसार—

११।२० ज. स	घं ४ ।५०
६।३० सू. उ	× २॥
४।५० शेष	१२ ।५ इष्टकाल

यदि जन्म समय रात्रि में ६।४५ माना जाय तब (२) नियमानुसार—

६।४५	२१।४५ ज. स.	१५।१५
+१२। ०	— ६।३० सू. उ.	× २॥
२१।४५	१५।१५ शेष	३८।७। ३० इष्टकाल

यदि जन्म समय रात्रि में १।२५ माना जाय तो (२) नियमानुसारः—

१।२५	२५।२५ ज. स.	१८।५५
+२४।०	— ६।३० सू. उ.	× २॥
२५।२५	१८।५५ शेप	४७।१७।३० इष्टकाल

अथ इष्टकालिकग्रहसाधनम्

गतैष्यदिवसाद्येन गतिर्निघ्नी खषड्हृता।
लब्धमंशादिना शोध्यं योज्यं स्पष्टो भवेद्ग्रहः ॥

पूर्वोक्त चालन को दैनिक ग्रहगति से गुणा कर ६० का भाग देने से लब्ध फल अंश कला विकलादि होगा। चालन के दिनादि रहने से लब्ध फल अंशादि होगा। अन्यथा केवल घटी पल रहने से लब्ध फल कला, विकलादि रहेगा। इस लब्ध फल को ऋण चालन हो तो पंक्ति के ग्रह में घटाने से और धन चालन हो तो जोड़ने से इष्ट काल का स्पष्टग्रह होता है। यह फल संस्कार का क्रम मार्गी

ग्रह के लिए है। वक्री ग्रह तथा राहु केतु के लिए पूर्वोक्त फल संस्कार विपरीत करना चाहिये। अर्थात् धन चालन हो तो फल घटाने से तथा ऋण चालन हो तो फल जोड़ने से इष्ट काल के ग्रह स्पष्ट होंगे। राहु से केतु सदा ६ राशि के अन्तर पर रहता है। अतः स्पष्ट राहु में ६ राशि जोड़ने से केतु होता है। चन्द्रसाधन का प्रकार भिन्न है। वह आगे दिया जायगा।

ग्रहस्पष्टीकरण

इसके लिये पहले चालन का साधन करना आवश्यक रहता है जिसके साधन का प्रकार पहले दिया गया है। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि ग्रहसाधन के लिये इष्टकाल पञ्चाङ्ग जिस नगर का है उसी नगर का लेना होगा। इसका विवेचन द्वितीय भाग में किया गया है। यदि पंचाङ्ग जन्म स्थान का ही है तब इष्टकाल में कोई संस्कार नहीं करना पड़ता। पंचाङ्ग एवं जन्म स्थान भिन्न भिन्न स्थान के हों तो जन्म स्थान के इष्टकाल को पंचाङ्ग के नगर का (संस्कार द्वारा) बना लेना चाहिये। संस्कार का विवेचन भाग २ में देखें। पूर्वदर्शित नियमानुसार चालन तथा स्पष्टग्रह साधनः—

चालनसाधन

१६।३० जन्म स्थान का इष्टकाल	५।१७।५० जन्मकाल के वारादि
+ १।२० काशी से जन्मस्थान का स्पष्ट देशान्तर	−१।४७।२८ पंक्तिके वारादि
१७।५० काशी का इष्टकाल	३।३०।२२ चालन दिनादि

अथ सूर्यसाधन

३।३०।२२ चालन	१८४८	२९१२	६०)१२३२(२०
×५६।५६ रविगति	+४८	+२०	१२००
१६८।१६८०।१२३२।	६०)१८९६(३१	६०)२९३२(४८	३२
१६८।१६८०।१२३२	१८०	२४०	
१६८।१८४८।२९१२।१२३२	९६	५३२	
+३१	६०	४८०	
६०)१९९(३	३६	५२	
१८०			
१९			

लब्धफल अंशादि ३।१९।३६ यहां चौथा अंक ५२ है। यह ३० से अधिक होने से "अर्धाधिके रूपं ग्राह्यं" नियमानुसार १ अंक लेने से लब्धि ४८ के बदले ४९ लेनी चाहिये। तदनुसार

लब्ध फल अंशादि ३।१९।३७ को चालन धन रहने से पंक्तिस्थ-सूर्य में जोड़ा गया तब स्पष्टसूर्य हुआ।

३।३।५९।५८ पंक्ति का सूर्य
+ ३।१९।३७ धन चालन फल
३।७।१९।३५ स्पष्ट सूर्य

भौमस्पष्टीकरण

३।३०।२२ चालन	१२७८	१६६०	६०)५७२(९
× ४०।२६ भौमगति	+२८	+९	५४०
१२०।१२००। ८८०।	६०)१३०६(२१	३०)१६६९(२७	३२
७८। ७८०।५७२	१२०	१२०	
१२०।१२७८।१६६०।५७२	१०६	४६९	
५१	६०	४२०	
६०)१४१(२	४६	४९	
१२८		२।१४।५१।१४ पंक्तिस्थ मंगल	
२१		+ २।२१।४६ चालन फल	
२।२१।४६ चालनफल अंशादि		२।१७।१३। ० स्पष्ट भौम	

बुधस्पष्टीकरण

३।३०।२२ चालन दिनादि	९६६	१३२०	६०)४८४(८
× ३०।२२ बुधगति	+२२	+८	४८०
९०।९००।६६०।	६०)९८८(१६	६०)१३२८(२२	४
६६।६६०।४८४	६०	१२०	
९०।९६६।१३२०।४८४	३८८	१२८	
१६	३६०	१२०	
६०)१०६(१	२८	८	
६०	१।४६।२८ अंशादि चालन फल	३।२९।४८।३१ पंक्तिस्थ बुध	
४६		+ १।४६।२८ चालन फल	
		४। १।३४।५९ स्पष्ट बुध	

गुरुस्पष्टीकरण

३।३०।२२ चालन
+ १३।५७ गुरुगति

३६।३६०। २८६। ११४
१७१।१७१०।११४×

३६।५६१।१९९६।१२५४
+६
६०)४८(०
४८

अंशादि चालन ०।४८।५८

५६१
+३४
६०)५९५(९
५४०
५५

१९९६
+२१
६०)२०१७(३३
१८०
२१७
१८०
३७

६०)१२५४(२१
१२०
५४

३।४।५६।३९ पंक्तिस्थ गुरु
+ ०।४८।५५ चालन फल
३।५।४५।३४ स्पष्ट गुरु

शुक्रस्पष्टीकरण

३।३०।२२ चालन
+ ४४।५२ शुक्रगति

१३२।१३२०। ९६८। ४४
१५६।१५६०।११०×

१३२।१४७६।२५२८।११४४
+२५
६०)१५७(२
१२०
३७

अंशादि चालन २।३७।१८

१४७६
+४२
६०)१५१८(२५
१२०
३१८
३००
१८

२५२८
+१९
६०)२५४७(४२
२४०
१४७
१२०
२७

६०)११४४(१९
६०
५४४
५४०
४

४।१८।४।५७ पंक्तिस्थ शुक्र
+ २।३७।१८ चालन फल
४।२०।४२।१५ स्पष्टशुक्र

शनिस्पष्टीकरण

३।३०।२२ चालन
× ६।५५ शनिगति

१८।१८०। १३२
१६५।१६५०।१२१०

१८।३४५।१७८२।१२१०
+६
६०)२४(०
२४

अंशादि चालन ०।२४।१५

३४५
+३०
६०)३७५(६
३६०
१५

१७८२
+२०
६०)१८०२(३०
१८०
२

६०)१२१०(२०
१२०
१०

४।६।१७।४१ पंक्तिस्थ शनि
+ ०।२४।१५ चालन फल
४।६।४१।५६ स्पष्ट शनि

राहुस्पष्टीकरण

३।३०।२२ चालन   १२३   ३६६   ६०)२४२(४
× ३।११ राहुगति   +७   +४   २४०
९।९०। ६६| ६०) १३०(२   ६०)४००(६   २
३३।३३०|२४२   १२०   ३६०
९।१२३।३६६।२४२   १०   ४०
+२
६०)११(०   अंशादि चालन ०।११।१०   ७।१०।२०।२८ पंक्तिस्थ राहु
११   ग्रहों से विपरी राहु में   – ०।११।१० चालन फल
संस्कार किया जाता है।   ७।१०। ९।१८ स्पष्ट राहु

राहु में ६ राशि जोड़ने से सदा केतु स्पष्ट माना जाता है। राशि स्थान १२ से अधिक होने पर उसमें से १२ राशि घटा देने पर शेष को उस ग्रह की राशि माननी चाहिये।

७।१०।९।१८ स्पस्ट राहु
+६।
१३।१०।९।१८ स्पष्ट केतु
–१२।
१।१०।९।१८ स्पष्ट केतु

यह धन चालन का ग्रहस्पष्टीकरण का उदाहरण दिखाया गया है। अब ऋण चालन का एक उदाहरण दिखाया जाता है। कल्पना किया कि किसी का जन्म श्रावण कृष्ण ५ गुरुवार के दिन सूर्योदयात् इष्टघटी २७।१८ पर है। पहले लिखे हुए नियमानुसार चालन तथा ग्रह साधन।

१।४७।२८ पंक्ति के वारादि
—५।२७।१८ जन्म के वारादि
३।२०।१० चालन दिनादि

३।२०।१० चालन दिनादि   १२८८   १६८०   ६०)५६०(९
×५९।५६ रवि गति   +२८   +९   ५४०
१६८।११२०। ५६०| ६०)१३१६(२१   ६०)१६८९(२८   २०
१६८।११२०|५६०   १२०   १२०
१६८।१२८८।१६८०।५६०   ११६   ४८९
+२१   ६०   ४८०
६०)१८९(३   अंशादिचालन ३।९।५६   ५६   ९
१८०   ३।३।५९।५८ पंक्ति का रवि
९   —३। ९।५६ ऋण चालन फल
३।०।५०। २ स्पष्ट रवि

इस प्रकार अन्यग्रहों का साधन करना चाहिये। अर्थात् पंक्तिस्थ ग्रह में चाल्न फल घटाने से स्पष्ट ग्रह होगा। राहु में चाल्नफल जोड़ने से स्पष्ट राहु होगा।

आजकल प्रतिदिन के स्पष्टग्रह पञ्चाङ्गों में दिए जाते हैं। वे सूर्योदयकालिक, मिश्रमान कालिक एवं प्रातःकाल स्टॉ. टा. ५।३० के दिए जाते हैं। इनके साधन का एक एक कल्पित उदाहरण नीचे दिया जाता है। कल्पना किया कि श्रावण कृष्णपक्ष ८ रविवार के दिन किसी का जन्म सूर्योदय से इष्टघटी १७।१८ पर है। सूर्योदय कालिक पंक्ति पर से ग्रहस्पष्टीकरण में इसी को चाल्न मानकर गणित किया। यहाँ यह ध्यान रखना चाहिए कि चालन घट्यादि होने से चाल्न फल कलादि होगा। पहले चाल्न वारादि (दिनादि) था। अब घट्यादि है। अतः चाल्नफल कलादि होगा।

१७।१८ चाल्न घटी	९५२	१९६०	६०)१००८(१६
×५६।५६ रविगति	+३३	+१७	६०
९५२।१००८।	६०)९८५(१६	६०)१९७७(३२	४०८
९५२।१००८	६०	१८०	३६०
९५२।१९६०।१००८	३८५	१७७	४८
१६।२५ कलादिचाल्नफल	३६०	१२०	
	२५	५७	

३।३।१३।३० सूर्योदय कालिक कल्पित रवि
+ १६।२५ चाल्न फल
३।३।२९।५५ स्पष्ट रवि

इसी प्रकार अन्य ग्रहों को स्पष्ट करना चाहिए। राहु में फल ऋण होगा।

मिश्रमान कालिक ग्रह स्पष्टीकरण का उदाहरण :—

४७।२८ मिश्रमान घटी
−१७।१८ इष्ट घटी
३०।१० चाल्न घटी

३०।१० चाल्न घटी	१६८०	२२४०	६०)५६०(९
×५६।५६ रवि गति	+३७	+९	५४०
१६८०। ५६०।	६०)१७१७(२८	६०)२२४९(३७	२०
१६८०।५६०	१२०	१८०	
१६८०।२२४०।५६०	५१७	४४९	
	४८०	४२०	
	३७	२९	

३।३।५९।५८ मिश्रमानकालिकरवि
– २८।३७ चालन फल कलादि
३।३।३१।२१ स्पष्ट रवि

यहाँ इष्टकाल मिश्रमानकाल से पूर्व का है। अतः ऋणचालन हुआ। यदि इष्टकाल मिश्रमान काल के बाद का हो तो धनचालन होगा। जैसे इष्टघटी ५०।३०। इसमें मिश्रमान ४७।२८ घटाने से चालन घटी ३।२ हुई। इस पर से ग्रह स्पष्टीकरण पहले के जैसा किया :—

३।२ चालन घटी
×५९।५९ रविगति
१६८।११२
१६८।११२
१६८।२८०।११२

१६८ +५ ६०)१७३(२ १२० ५३

२८० +२ ६०)२८२(४ २४० ४२

६०)११२(१ ६० ५२

२।५३ चालन फल कलादि

३।३।५९।५८ मिश्रमान कालिक रवि
+ २।५३ चालन फल
३।४। २।५१ स्पष्ट रवि

यदि प्रतिदिन के ग्रह प्रातःकाल स्टॉ. टा. ५।३० के हैं तो जन्म समय में ५।३० घटा कर शेष को २॥ से गुणकर घटी पल बना लें। और उसे चालन घटी मानकर ग्रहस्पष्ट करना चाहिए। जन्म समय दिन में स्टॉ. टा. १।६ है। इसमें ५।३० घटाने से शेष इष्टकाल बनाने के (२) नियमानुसार लिया :—

१।६
+१२
१३।६ जन्म समय
–५।३०
७।३६

७।३६
×२।३०
१४ | ७२ |
  | २१० | १०८०
१४|२८२|१०८०
+५
१९

२८२ +१८ ६०)३००(५ ३०० ०

६०)१०८०(१८ ६० ४८० ४८० ०

चालन घटी १९।० हुई।

१९।० चालन घटी
×५९।५९ रविगति
११४ | ० |
९५× | ११४ | ०
  | ९५× |
१०६४|१०६४ |०

१०६४ +१८ ६०)१०८२(१८ ६० ४८२ ४८० २

६०)१०६४(१७ १०२० ४४

१८।२ चालनफल कलादि

कल्पना किया कि प्रातः स्टॉ. टा. ५।३० का स्पष्ट सूर्य ३।३।६।४० है। इसमें चालन फल जोड़ने से इष्टकालिक स्पष्ट रवि होगा। जैसे :—

३।३।६।४० प्रातः काल का रवि
+ १८।२ चालनफल
३।३।२७।४२ स्पष्ट रवि

ग्रह स्पष्टीकरण में अनेक भिन्न भिन्न परिस्थितियाँ रहती हैं। परन्तु चन्द्र के स्पष्ट करने में विशेष भेद नहीं है। दो प्रकार इस पुस्तक में दिये जायेंगे। परिस्थिति के अनुसार ग्रह स्पष्ट करना चाहिये।

इसी प्रकार परिस्थिति के अनुसार अन्य ग्रहों को स्पष्ट करना चाहिये। यदि **हर्षल नेप्च्यून** तथा **प्लुटो** आदि आधुनिकग्रहों का साधन करना अभीष्ट हो तो भौमादि ग्रहों की तरह करना चाहिये।

चन्द्रसाधनार्थं भयातभभोगानयनमाह :—

/ गतर्क्षनाडी खरसेषु शुद्ध्वा सूर्योदयादिष्टघटीषु युक्ता।
भयातसंज्ञा भवतीह तस्य निजर्क्षनाड्यासहितो भभोगः ॥ ४ ॥

गत नक्षत्र की घटी पल को ६० में घटा कर शेष में इष्ट घटी जोड़ने से भयात [1]होता है। और शेष में जन्म नक्षत्र की घटी फल जोड़ने से भभोग होता है।

१—भयात और भभोग साधन में विशेष—

जिस नक्षत्र में जन्म होता है उसे जन्मनक्षत्र कहते हैं।

जन्म नक्षत्र के आरम्भ काल से जन्म काल तक की गत घटीपल को भयात कहते हैं। और जन्म नक्षत्र के आरंभ काल से अन्त तक की घटीपल को भभोग कहते हैं। यदि सूर्योदय में भिन्न नक्षत्र हो और जन्म समय में भिन्न नक्षत्र हो तब इष्ट काल में सूर्योदय कालिक नक्षत्र की घटी पल घटाने से शेष भयात होगा। और सूर्योदय कालिक नक्षत्र को ६० में घटा कर शेष को दूसरे दिन के नक्षत्र की घटी पल में जोड़ने से भभोग होगा।

यदि इसी दिन इष्ट घ. ५०।० मानी जाय तब उस दिन के मृगशिर भोग ४८।२५ को नये इष्ट में घटाने से आर्द्रा जन्म का भयात १।३५ हुआ। और आर्द्रा जन्म नक्षत्र माना जायगा। भभोग साधन के लिये मृगशिर के मान घ. ४८।२५ को घ. ६० में घटाकर शेष घ. ११।३५ को दूसरे दिन के आर्द्रा के मान घ. ४५।१६ में जोड़ने से आर्द्रा का भभोग घ. ५६।५१ होगा। नक्षत्र आदि का मान १३ पृष्ठस्थ पञ्चाङ्ग में देखें।

क्रमांक १ चन्द्र स्पष्ट सारिणी

सर्वर्क्ष	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४
	०	६	९	१३	१६	२०	२३	२७	३०	३४	३८	४१	४५	४८	५२	५६	५९	३	७	१०
गति	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४
	५	४	३	२	१	०	५९	५८	५७	५६	५५	५४	५३	५२	५१	५०	४९	४८	४७	४६
सर्वर्क्ष	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५
	१४	१८	२१	२५	२९	३२	३७	४०	४४	४८	५१	५५	५९	३	६	११	१४	१७	२१	२५
गति	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४
	४५	४४	४३	४२	४१	४०	३९	३८	३७	३६	३५	३४	३३	३२	३१	३०	२९	२८	२७	२६
सर्वर्क्ष	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६
	२९	३३	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४
गति	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४
	२५	२४	२३	२२	२१	२०	१९	१८	१७	१६	१५	१४	१३	१२	११	१०	९	८	७	६
सर्वर्क्ष	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८
	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४१	४५	५०	५४	५८	२	६
गति	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३
	५	४	३	२	१	०	५९	५८	५७	५६	५५	५४	५३	५२	५१	५०	४९	४८	४७	४६
सर्वर्क्ष	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९
	११	१५	१९	२३	२८	३२	३६	४०	४५	४९	५४	५८	३	७	११	१६	२०	२४	२९	३३
गति	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३
	४५	४४	४३	४२	४१	४०	३९	३८	३७	३६	३५	३४	३३	३२	३१	३०	२९	२८	२७	२६
सर्वर्क्ष	५९	५९	५९	५९	५९	६०	६०	६०	६०	६०	६०	६०	६०	६०	६०	६०	६०	६०	६०	६१
	३८	४२	४७	५१	५५	०	४	९	१३	१८	२२	२७	३१	३६	४१	४६	५०	५५	५९	४
गति	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३
	२५	२४	२३	२२	२१	२०	१९	१८	१७	१६	१५	१४	१३	१२	११	१०	९	८	७	६
सर्वर्क्ष	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६१	६२	६२	६२	६२	६२	६२	६२	६२	६२
	८	१३	१७	२२	२७	३२	३७	४१	४६	५१	५६	१	६	१०	१५	२०	२५	३०	३५	३९
गति	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२
	५	४	३	२	१	०	५९	५८	५७	५६	५५	५४	५३	५२	५१	५०	४९	४८	४७	४६
सर्वर्क्ष	६२	६२	६२	६२	६३	६३	६३	६३	६३	६३	६३	६३	६३	६३	६३	६४	६४	६४	६४	६४
	४४	४९	५४	५९	४	९	१४	१९	२४	२९	३४	३९	४४	४९	५४	०	५	१०	१५	२०
गति	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२
	४५	४४	४३	४२	४१	४०	३९	३८	३७	३६	३५	३४	३३	३२	३१	३०	२९	२८	२७	२६
सर्वर्क्ष	६४	६४	६४	६४	६४	६४	६४	६५	६५	६५	६५	६५	६५	६५	६५	६५	६५	६५	६६	६६
	२६	३१	३६	४१	४६	५२	५७	३	८	१३	१८	२४	२९	३४	४०	४५	५१	५६	१	७
गति	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	+
	२५	२४	२३	२२	२१	२०	१९	१८	१७	१६	१५	१४	१३	१२	११	१०	९	८	७	६
सर्वर्क्ष	६६	६६	६६	६६	६६	६६	६६	६६	६६	६७	६७	६७	६७	६७	६७	६७	६७	६७	६८	+
	१२	१८	२३	२९	३४	४०	४६	५२	५९	५	११	१८	२३	३०	३७	४३	५०	५७	३	+
गति	१२	१२	१२	१२	१२	१२	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	+
	५	४	३	२	१	०	५९	५८	५७	५६	५५	५४	५३	५२	५१	५०	४९	४८	४७	

क्रमांक २ चन्द्र स्पष्ट साधक सारिणी

अ	भ	कृ	रो	मृ	आ	पु	पु	श्ले	म	पू	उ	ह	चि	स्वा	वि	अ	ज्ये	मू	पू	उ	श्र	ध	श	पू	उ	रे
०	०	१	१	२	२	३	३	४	४	४	५	५	६	६	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	११	११	११
०	१३	२६	१०	२३	६	२०	३	१६	०	१३	२६	१०	२३	६	२०	३	१६	०	१३	२६।१०	१०	२३	६	२०	३	१६
०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४००	०	२०	४०	०	२०	४०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

चन्द्र स्पष्ट सारणी विधि — भयात भभोगकर्तव्यता– ६०।० में से गत नक्षत्र के घटीपल घटा देवें तथा वर्त्तमान नक्षत्र के घटी पल जोड़ देवें, यह भभोग होगा, तथा ६०।० में से घटाये अंकों के घटीपलों में इष्ट घटिका जोड़ें तो भयात होगा। भभोग के घटीपल अंकों को चन्द्र स्पष्ट सारिणी क्रम १ में देखें, उसमें भभोग घटी पल अङ्क तुल्य या समकक्ष अङ्क के नीचे जो गति है, उससे भयात घटीपलों में गुणा करें, ६० के भाग से अंशात्मक ३ अङ्क लेवें, इनको गत नक्षत्र सारणी (चन्द्र स्पष्ट सारणी क्रम २) के अङ्कों में जोड़ देवें तो स्पष्ट चन्द्रमा होगा। गति स्पष्ट विधि– चन्द्र स्पष्ट सारणी क्रम १ से प्राप्त जो गति है उसकी केवल कला को ६० से गुणा कर गुणनफल में गति के विकलाङ्क जोड़ देवें, यह चन्द्र स्पष्ट गति मध्यम मानेन स्पष्ट रहेगी। उदाहरण यथा– भयात ११।३ भभोग ६५।५२ समीपस्थ कोष्टाङ्क ६५।५२ के नीचे गति १२।९ को और भयात को गुणा किया गुणनफल ६० से भाग देकर ३।४८।२७ मिले, इनको गत नक्षत्र विशाखा के कोष्ठाङ्क में जोड़ा ७।३।२०।० में युक्त किया तो ७।७।८।२७ स्पष्ट चन्द्र आया। गति १२–९ केवल कला १२ को ६० से गुणित कर ७२० हुआ विकला ९ युक्त किया तो ७२९।० हेतु गति आ गई। गणितागत एवं सारणी सिद्ध में विशेष अन्तरांश नहीं होने से जन्मपत्रादि हेतु यह सामग्री बहुत उपयुक्त तथा शीघ्र ही कार्य करने में सक्षम है, अब चन्द्र स्पष्टता हेतु श्रम [illegible] की आवश्यकता नहीं। हमारे निर्णयसागरीय पंचांग अनुग्राहकों हेतु यह सुलभ गणित चमत्कार प्रस्तुत है, समय-समय पर अन्य भाग भी उपस्थित होंगे।

कल्पना किया कि प्रातः स्टॉ. टा. ५।३० का स्पष्ट सूर्य ३।३।६।४० है। इसमें चालन फल जोड़ने से इष्टकालिक स्पष्ट रवि होगा। जैसे :—

३।३।६।४० प्रातः काल का रवि
+ १८।२ चालनफल
३।३।२७।४२ स्पष्ट रवि

ग्रह स्पष्टीकरण में अनेक भिन्न भिन्न परिस्थितियाँ रहती हैं। परन्तु चन्द्र के स्पष्ट करने में विशेष भेद नहीं है। दो प्रकार इस पुस्तक में दिये जायेंगे। परिस्थिति के अनुसार ग्रह स्पष्ट करना चाहिये।

इसी प्रकार परिस्थिति के अनुसार अन्य ग्रहों को स्पष्ट करना चाहिये। यदि हर्षल नेप्च्यून तथा प्लुटो आदि आधुनिकग्रहों का साधन करना अभीष्ट हो तो भौमादि ग्रहों की तरह करना चाहिये।

चन्द्रसाधनार्थं भयातभभोगानयनमाह :—

/ गतर्क्षनाडी खरसेषु शुद्ध्वा सूर्योदयादिष्टघटीषु युक्ता।
भयातसंज्ञा भवतीह तस्य निजर्क्षनाड्यासहितो भभोगः ॥ ४ ॥

गत नक्षत्र की घटी पल को ६० में घटा कर शेष में इष्ट घटी जोड़ने से भयात होता है। और शेष में जन्म नक्षत्र की घटी फल जोड़ने से भभोग होता है।

१—भयात और भभोग साधन में विशेष—

जिस नक्षत्र में जन्म होता है उसे जन्मनक्षत्र कहते हैं।

जन्म नक्षत्र के आरम्भ काल से जन्म काल तक की गत घटीपल को भयात कहते हैं। और जन्म नक्षत्र के आरंभ काल से अन्त तक की घटीपल को भभोग कहते हैं। यदि सूर्योदय में भिन्न नक्षत्र हो और जन्म समय में भिन्न नक्षत्र हो तब इष्ट काल में सूर्योदय कालिक नक्षत्र की घटी पल घटाने से शेष भयात होगा। और सूर्योदय कालिक नक्षत्र को ६० में घटा कर शेष को दूसरे दिन के नक्षत्र की घटी पल में जोड़ने से भभोग होगा।

यदि इसी दिन इष्ट घ. ५०।० मानी जाय तब उस दिन के मृगशिर भोग ४८।२५ को नये इष्ट में घटाने से आर्द्रा जन्म का भयात १।३५ हुआ। और आर्द्रा जन्म नक्षत्र माना जायगा। भभोग साधन के लिये मृगशिर के मान घ. ४८।२५ को घ. ६० में घटाकर शेष घ. ११।३५ को दूसरे दिन के आर्द्रा के मान घ. ४५।१६ में जोड़ने से आर्द्रा का भभोग घ. ५६।५१ होगा। नक्षत्र आदि का मान १२ पृष्ठस्थ पञ्चाङ्ग में देखें।

जन्म नक्षत्र मृगशीर्ष घ. ४८।२५ गत नक्षत्र रोहिणी घ. ५२।५ ॥६०—(५२।५) = ७।५५ । इष्ट घटी (१७।५०) + (७।५५) = २५।४५ भयात हुआ । (७।५५) + (४८।२५) = ५६।२० भभोग हुआ ।

अथ चन्द्रसाधनम् :—

खषड्घ्नं भयातं भभोगोद्धृतं तत्खतर्कघ्नधिष्ण्येषु युक्तं द्विनिघ्नम् ।
नवाप्तं शशी भागपूर्वस्तु भुक्तिः खखाभ्राष्टवेदा भभोगेन भक्ताः ॥

भयात को ६० से गुणा कर भभोग का भाग देने से लब्ध फल को ६० से गुणित गत नक्षत्र संख्या में जोड़ दें। और योगफल को २ से गुणकर ९ से भाग देने पर लब्ध फल अंशादि स्पष्टचन्द्र होगा। अंश में ३० का भाग देने से लब्ध राशि होगी और शेष अंश रहेंगे। ४८००० में भभोग का भाग देने से चन्द्र की स्पष्टा गति होगी।

भयात २५।४५ इसके पल=२५×६०+४५=१५४५॥१५४५×६०= ९२७०० । भभोग ५६।२० के पल=५६×६०+२०=३३६०+२०=३३८० ॥ ९२७०० इसमें ३३८० का भाग देने से लब्ध फल = २७।२५। अश्विनी से गत नक्षत्र संख्या=४॥४×६०=२४०॥२४०+(२७।२५)=२६७।२५॥ (२६७।२५) ×२=५३४।५०। इसमें ९ का भाग देने से अंशादि चन्द्र = ५९।२५।३३ अतः १।२९।२५।३३ यह स्पष्ट चन्द्र[1] हुआ।

१—चन्द्रस्पष्ट करने की भिन्न रीति :—

जन्मकालिक नक्षत्र के जितने चरण बीते हों उस पर से १४ पृष्ठस्थ कोष्टक से चन्द्र रख लें। वर्तमान चरण के पलों को २०० से गुणा कर भभोग पल के चतुर्थांश से भाग दें। फल कला विकला को कोष्टक से प्राप्त चन्द्र में जोड़ देने से चन्द्र होगा। मृगशिर भयात पल १५४५ भभोग पल चतुर्थांश= $\frac{३३८०}{४}$= ८४५। १५४५ – ८४५ = ७००। ७००×२०० = १४०००० इसमें ८४५ भभोगचतुर्थांश का भाग देने से फल कला १६५।४१ अतः अंशादि फल २।४५।४१ हुआ। यहाँ मृगशिर के भयात पल में भभोग चतुर्थांश एक बार घटने से जन्म नक्षत्र का १ चरण बीता। दूसरे चरण के अंशादि फल २।४५।४१ को मृगशिर के १ चरण से प्राप्त कोष्ठस्थ चन्द्र १।२६।४०।० में जोड़ने से स्पष्ट चन्द्र १।२९।२५।४१ हुआ।

भभोग पलात्मक है। अतः ४८००० संख्या को भी पलात्मक बनाकर भाग देना चाहिये। इसलिये ४८०००×६० = २८८०००० इसमें भभोग का भाग देने से चन्द्र की स्पष्टगति होती है। अतः २८०००० इसमें ३३८० का भाग देने पर लब्ध कलादि स्पष्टचन्द्रगति कला ८५२।४

जन्म समय के स्पष्ट ग्रहः—

र.	चं.	मं	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.
३	१	२	४	३	४	४	७	१
७	२९	१७	१	५	२०	६	१०	१०
१९	२५	१३	३४	४५	४२	४१	९	९
३५	४१	०	५९	३४	१५	५६	१८	१८
५६	८५२	४०	३०	१३	४४	६	३	३
५६	४	२६	२२	५७	५२	५६	११	११

अयनांश

लग्न के स्पष्टीकरण में अयनांश तथा स्वदेशीय उदयमान की आवश्यकता रहती है। अतः प्रथम अयनांश साधन किया जाता है।

ग्रह 'लाघवोक्तायनांशानयनम् :—

वेदाब्ध्यब्ध्यूनः स्वरसहृतः शकोऽयनांशाः।

१—अयनांश साधन में मतभेद है। नवीन विद्वानों के मतानुसार अयनांश साधन का एक प्रकार यह है। वर्तमान शक में १८०० घटाकर शेष में एक जगह ७० से और दूसरी जगह ५० से भाग देकर अंशादि तथा कलादि क्रमशः दो फलों के अन्तर में २२।८।३३ अंशादि जोड़ने से वर्षारम्भ कालिक अयनांश होंगे। अयनांश की वार्षिक गति ५० विकला है। अतः स्पष्टसूर्य के राश्यादि से अनुपात द्वारा लब्ध फल को उसमें जोड़ने से इष्टकालिक अयनांश होंगे।

जन्म शक १८४१ − १८०० = ४१ इसमें ७० का भाग देने पर लब्ध अंशादि ०।३५।८ और ५० का भाग देने से लब्ध फल कलादि ०।४९।१२। (०।३५।८)−(०।०।४९) = ०।३४।१९ ॥ २२।८।३३ + ०।३४।१९=२२।४२।५२ वर्षारम्भ कालिक स्पष्टायनांश हुए। सरलता के लिये कोष्टक दिया गया है।

(१) मेषादिसंक्रान्ति के आरंभ में अयनांशचालन विकलादि

मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	मास गति
०	४	८	१२	१६	२०	२५	३०	३४	३८	४२	४६	४
०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	१०

(२) अथ वर्षारम्भकालिका अयनांशाः

शक	अयनांश			शक	अयनांश			शक	अयनांश		
१८००	२२	८	३३	१८७४	२३	१०	३०	१८९५	२३	२८	६
१८१०	२२	१६	५५	१८७५	२३	११	२०	१८९६	२३	२८	५६
१८२०	२२	२५	१७	१८७६	२३	१२	१०	१८९७	२३	२९	४६
१८३०	२२	३३	४१	१८७७	२३	१३	०	१८९८	२३	३०	३७
१८३५	२२	३७	५०	१८७८	२३	१३	५०	१८९९	२३	३१	२७
१८४०	२२	४२	२	१८७९	२३	१४	५१	१९००	२३	३२	१७
१८४५	२२	४६	१३	१८८०	२३	१५	३१	१९०१	२३	३३	७
१८५०	२२	५०	२५	१८८१	२३	१६	२२	१९०२	२३	३३	५७
१८५२	२२	५२	५	१८८२	२३	१७	१२	१९०३	२३	३४	४७
१८५४	२२	५३	४६	१८८३	२३	१८	२	१९०४	२३	३५	३८
१८५६	२२	५५	२६	१८८४	२३	१८	५३	१९०५	२३	३६	२८
१८५८	२२	५७	६	१८८५	२३	१९	४३	१९०६	२३	३७	१८
१८६०	२२	५८	४७	१८८६	२३	२०	३३	१९०७	२३	३८	८
१८६२	२३	०	२७	१८८७	२३	२१	२३	१९०८	२३	३८	५९
१८६४	२३	२	८	१८८८	२३	२२	१३	१९०९	२३	३९	४९
१८६६	२३	३	४८	१८८९	२३	२३	४	१९१०	२३	४०	३९
१८६८	२३	५	२८	१८९०	२३	२३	५४	१९११	२३	४१	२९
१८७०	२३	७	९	१८९१	२३	२४	४४	१९१२	२३	४२	१९
१८७१	२३	७	५९	१८९२	२३	२५	३५	१९१३	२३	४३	१०
१८७२	२३	८	४९	१८९३	२३	२६	२५	१९१४	२३	४४	०
१८७३	२३	९	३९	१८९४	२३	२७	१५	१९१५	२३	४४	५०

(३) अभीष्ट शक के अयनांश लाने के लिये एकादि वर्षों की कलादि अयन गति :—

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	२०	३०	४०
०	१	२	३	४	५	५	६	७	८	१६	२५	३३
५०	४०	३१	२१	११	१	५२	४२	३२	२२	४५	७	२९

वर्तमान शक में ४४४ घटाकर ६० का भाग देने से लब्ध फल अयनांश होते हैं। इस अयनांश की वार्षिक गति ६० विकला मानी जाती है। अतः प्रति राशि में ५ विकला के हिसाब से इष्ट सूर्य की गत राशि अंश से लब्ध विकलादि फल को वर्षारम्भकालिक अयनांश में जोड़ने से इष्टकाल के स्पष्टायनांश होंगे।

जन्म शक १८४१ − ४४४ = १३९७ शेष में ६० का भाग देने से लब्ध अंशादि २३।१७। स्पष्ट सूर्य ३।७।।३×५=१५।। $\frac{५\times७}{३०}$ अंश से $\frac{७}{६}$=१|१ + १५ =१६ विकला प्राप्त हुई। अतः स्पष्टायनांश[1] २३।१७।१६ हुए हैं।

चरखण्डानयनम् :—

मेषादिगे सायनभागसूर्यं
दिनार्धभा या [1]पलभा भवेत् सा।
त्रिष्ठा हता स्युर्दशभिर्भुजंगै-
र्दिग्भिश्चराधनि गुणोद्धृताऽन्त्या॥

१—आधुनिक मत से स्पष्टायनांश साधन :—

कोष्टक (२) से शक १८४० के अयनांश २२।४२।२ एक वर्ष की गति कोष्टक (३) से विकला ५०। स्पष्ट सूर्य ३।७।१९।३५ है। अतः कर्क के आरंभ कालिक चालन कोष्टक (१) से विकला १२।३०। अनुपात से $\frac{(४।१०)(७।१९।३५)}{३०}$ = अंशादिसंबंधि फल विकला १। सब फलों का योग स्पष्टायनांश=(२२।४२।२) +(०।०।५०)+(०।०।१२)+(०।०।१)=२२।४३।३ हुए।

१—पलभा साधन सर्वानन्द करण में :—

अक्षांशस्पर्शरेखा को ३ से गुणकर २५०० का भाग देने से पलभा आती है। स्पर्शरेखा की सारिणी उसी ग्रंथ में दी हुई है। उसके अनुसार सिद्ध प्रत्येक अक्षांश की पलभा लग्नसारिणी के साथ दी गई है।

सायन मेष या तुला के प्रारम्भ के दिन मध्याह्न में १२ अंगुल शंकु की छाया को पलभा कहते हैं। उसे तीन स्थान में रखकर क्रमशः १०, ८, १० से गुणकर अन्त्य गुणनफल में ३ का भाग देने से इष्ट चरखण्ड होंगे।

स्वदेशीय पलभा ५।३० ॥ (५।३०) × १० = ५५।० = प्रथम चरखंड। (५।३०)×८=४०।२४०=४४ द्वितीय चरखण्ड। ५५ में ३ का भाग देने से १८ तृतीय चरखण्ड हुआ। अतः ५५।४४।१८ ये चरखंड सिद्ध हुए।

लंकोदयमानानि तथा तेभ्यः स्वोदयसाधनम्।

लंकोदया विघटिका गजभामि गोङ्क—
दस्ताग्निपक्षदहना क्रमगोत्क्रमस्थाः।
हीनान्विताश्चरदलैः क्रमगोत्क्रमस्थै—
र्मेषादितो घटत उत्क्रमतस्त्विमे स्युः॥

मेषादि १२ राशियों के लंकोदयमान[1] २७८।२९९।३२३।३२३।२९९।२७८ २७८।२९९।३२३।२९९।२७८ ये हैं।

इष्ट स्थान की पलभा साधन के लिये आगे पीछे के अक्षांशों की पलभा का अन्तर कर उसको अक्षांश कला से गुणकर ६० से भाग देने पर फल व्यंगुलादि आयेगा। उसे गत अक्षांश की पलभा में जोड़ने से इष्ट अक्षांश की पलभा होगी।

इष्ट अक्षांश २४।४० हैं। २४ अक्षांश की पलभा ५।२०। अक्षांश २५ की पलभा ५।३५ अतः (५।३५)—(५।२०)=०।१५ ॥ १५ इसको अक्षांश कला ४० से गुणने पर १५ × ४०=६०० । इसमें ६० का भाग देने से लब्ध व्यंगुल= १०। अतः ५।२० + ०।१०=५।३० इष्ट पलभा हुई।

१—सर्वानन्दकरण के मत से लंकोदयमान

२७९।२९९।३२२।३२२।२९९।२७९

२७९।२९९।३२२।३२२।२९९।२७९

पूर्वसाधित चरखंड मेषादि तीन राशि में ऋण तथा कर्कादि तीन राशि में उत्क्रम से धन करने पर स्वदेशीय मेषादि ६ राशियों का उदयमान होगा। ये ही ६ राशियाँ विलोम से तुलादि ६ राशियाँ होंगी। यथा

लंकोदयमान	चरखंड	स्वदेशीय उदयमान
२७८ −	५५ =	मे २२३ मी
२९९ −	४४ =	वृ २५५ कुं
३२३ −	१८ =	मि ३०५ म
३२३ +	१८ =	क ३४१ ध
२९९ +	४४ =	सिं ३४३ वृ
२७८ +	५५ =	क ३३३ तु

लग्नानयनम्—

तत्कालार्कः सायनः स्वोदयघ्ना भोग्यांशाः
स्वत्र्यु ३० द्धृता भोग्यकालः।
एवं यातांशै र्भवेद्यातकालो
भोग्यः शोध्योऽभीष्टनाडीपलेभ्यः॥
तदनु जहीहि ग्रहोदयांश्च शेषं
गगनगुणघ्नमशुद्धहृल्लवाद्यम्।
सहितमजादिग्रहैरशुद्धपूर्वैर्भवति
विलग्नमदोऽयनांशहीनम्॥

इष्ट काल के सायनसूर्य के भोग्यांश वा भुक्तांश को स्वोदयमान से गुणकर ३० का भाग देने से भोग्यकाल वा भुक्तकाल होगा। इष्ट घटी के पल में भोग्यकाल घटाकर यथा संभव अग्रीमराशियों के स्वोदयमान घटाने चाहिये। शेष को ३० से गुणकर अशुद्धराशि (जो राशि इष्ट घटी के पल में नहीं घट सकी वह राशि) के स्वोदयमान से भाग देने पर लब्ध अंशादि फल होगा। उसे शुद्ध राशि (इष्ट घटी पल में जो राशि घट चुकी है उस राशि) में जोड़कर अयनांश घटा देने से निरयन लग्न होगा। इसको भोग्य प्रकार कहते हैं।

सूर्य ३।७।१६।३५ ३० इष्ट घ. १६।३०

अयनांश + २३।१७।१६ − ०।३६।५१ × ६०

सायन सूर्यः ४।०।३६।५१ २६।२३।६ भोग्यांश ९६०

× ३४३ सिंह उदय + ३०

८९४७।७८८९।३०८७ ९९० इष्टपल

१३२। ५१।३०० − ३३५।५८।४१ भोग्यपल

३०)१००७९।२०।२७ १००७९।७९४०।८७ ६५४। १।१९

९० ६० ६० − ३३३ कन्या उदय

१०७ (३३५ १९४ २७ ३२१। १।१९

९० १८० × ३०

१७९ २० १४० ९६३०।३०। ५७०

१५० × ६० १२० + ९ ।−५४०

२९ १२०० २० तुलोदय ३३३)९६३०।३९। ३०(२८

× ६० + २७ ६६६

१७४० ३०)१२२७(४१ २९७०

+ २० १२० २६६४

३०)१७६०(५८ २७ ३०६

१५० × ६०

२६० १८३६०

२४० + ३९

२० ३३३)१८३९९(५५

६ अशुद्ध पूर्व राशि १६६५

+ २८।५५।१५ १७४९

६।२८।५५।१५ १६६५

− २३।१७।१६ अयनांश ८४ ३३३)५०७०(१५

६। ५।३७।५९ लग्नम् × ६० ३३३

५०४० १७४०

+ ३० १६६५

५०७० ७५

लग्न साधन में विशेषता :—

१ पूर्वसाधित भोग्यकाल से इष्टकाल अल्प हो तो इष्टपल को ३० से गुणकर स्वोदय (सायनसूर्य जिस राशि पर है उस राशि के स्वदेशीय उदयमान) मान से भाग देकर लब्ध अंशादि फल सूर्य में जोड़ने से लग्न होता है।

२ मध्य रात्रि के पहले लग्नसाधन करना हो तो इष्टकाल में दिनमान घटाकर शेष को इष्टकाल और सूर्य में ६ राशि जोड़ कर उसे सूर्य मानकर पूर्व रीति (भोग्यप्रकार) से लग्न साधन करने से लग्न सिद्ध होगा।

३ मध्यरात्रि के बाद के इष्ट काल को ६० में घटाकर शेष को रात्रि शेष का इष्ट मानकर सूर्य के भुक्तांश द्वारा लग्न साधन करना चाहिये। अर्थात् रात्रिशेष घटी पल के पल में सूर्य का भुक्तकाल घटाकर शेष में गत राशियों (सायन सूर्य जिस राशि पर है उससे पिछली राशि) के स्वोदयमान को घटाने पर शेष को ३० से गुणकर अशुद्ध राशि के स्वोदय मान का भाग दें। लब्ध अंशादि मान को अशुद्ध राशि की संख्या में घटाने से सायन लग्न होगा। और उसमें अयनांश घटाने से निरयन लग्न होगा। इसको भुक्तप्रकार कहते हैं।

क्रमशः तीनों स्थितियों के उदाहरण :—

(१) यदि इष्टघटी २।५ है। और सूर्यः ३।७।१९।३५ है। अतः सायन सूर्यः ४।०।२६।५१। पूर्व साधित भोग्यकालः ३३५।५८।४१। इष्टघटी के पल २×६०+५=१२५ में भोग्य काल नहीं घटता। अतः इष्ट पल १२५ को ३० से गुणकर स्वोदयमान ३४३ का भाग दिया:—

१२५	३४३)३७५०(१०	३३५	सूर्य ३।७।१९।३५
×३०	३४३	×६०	+१०।५५।५८
३७५०	३२०	३४३)२०१००(५८	३।१८।१५।३३=
	×६०	१७१५	लग्न हुआ
	३४३)१९२००(५५	२९५०	
	१७१५	२७४४	
	२०५०	२०६	
	१७१५		
	३३५		

(२) यदि इष्ट काल ३५।२० है तब उसमें दिनमान घ ३३।१६ घटाने पर शेष घ. २।४ रात्रिगत इष्टकाल होगा। इसको (२।४) इष्टघटी मानकर और सूर्य ३।७।१६।३५ में छ राशि मिलाकर उसे सूर्य ६।७।१६।३५ मान कर भोग्य प्रकार से लग्न साधन करना चाहिये। यथा—

सूर्य ६।७।१६।३५ ३०
अयनांश + २३।१७।१६ −० ।३६।५१ इष्ट घटी के पल २ × ६० + ४=
सा. सू १०।०।३६।५१ २६।२३।६ भोग्यांश १२० + ४=१२४ इनमें सूर्य के

भोग्यांश पर से साधित काल नहीं घटेगा। अतः उसका साधन यहाँ पर नहीं किया गया है। अब यहाँ प्रथम विशेष नियम के आधार पर इष्ट पल को ३० से गुणकर २५५ कुंभ के स्वोदयमान का भाग देकर लब्ध अंशादि फल सूर्य में जोड़ने से लग्न हो जायगा।

(३) भुक्त प्रकार से लग्न साधन का उदाहरणः—

कल्पना किया कि इष्टघटी ५५।१० तथा सायन सूर्य ४।०।३६।५१ पर से भुक्तांश ०।३६।५१ हैं।

०।३६।५१ भुक्तांश ६०
× ३४३ सिं. उ. −५५।१० इष्ट घटी
०।१२३४८।१७४६३ ४।५० रा.शे.इ.
२१०। २६१।१२० ३०)२१०।३६।३३(७।१।१६ भुक्तकाल × ६०
२१०।१२६३६।५४६ २१० २४०
१२० ५४० ३०)३६(१ + ५०
६३ ९३ ३० २६० इष्ट पल
६० ६० ६ २९० इष्टपल
३६ ३३ × ६० −७।१।१६ भुक्तकाल
५४० २८२।५८।४१
+ ३३
३०)५७३(१६
३०
२७३
२७०
३

इष्टपल में सूर्य का भुक्तकाल घटाने पर शेष में पिछली राशि का स्वोदयमान नहीं घटता। अतः आगे प्रक्रिया की जाती है।

२८२।५८।४१   क. उ. ३४१) ८४८९।२०।३० (२४

			१४८२०
×३०	६८२		
८४६०।१७४०।१२३०	१६६६	३४१)१८३२०(५३	+३०
२६। २०।१२०	१३६४	१७०५	३४१)१४८५०(४३
८४८९।१७६०।३०	३०५	१२७०	१३६४
१२०	×६०	१०२३	१२१०
५६०	१८३००	२४७	१०२३
५४०	२०	×६०	१८७
२०	१८३२०	१४८२०	२४।५३।४३=
			लब्धफल

४।० अशुद्धराशि

—।२४।५३।४३ लब्धफल

३। ५। ६।१७

–२३।१७।१६ अयनांश

२।११।४९।१ निरयनलग्न

इस तरह परिस्थितिवश अभीष्ट विधि से लग्न साधन करना चाहिये।

दशमलग्नसाधने नतानयनम् :—

मध्याह्न के पूर्व इष्टकाल को दिनार्ध में घटाने से पूर्वनत तथा मध्याह्न के बाद के इष्टकाल में दिनार्ध घटाने से पश्चिमनत होगा। और मध्यरात्रि के पूर्व इष्टकाल में दिनार्ध घटाने से पश्चिमनत तथा मध्यरात्रि के बाद के इष्ट को ६० में घटाकर शेष को दिनार्ध में जोड़ने से पूर्वनत होगा।

अथ दशमलग्नानयनमाह :—

एवं लंकोदयैर्भुक्तं भोग्यं शोध्यं पलीकृतात्।
पूर्वपश्चान्नताद्न्यद् प्रागवत्सद्दशमं भवेत्॥

पूर्वनतकाल को इष्ट घटी मानकर लंकोदय के द्वारा भुक्तप्रकार से साधितलग्न दशमलग्न होगा। और पश्चिमनतकाल को इष्ट काल मानकर लंकोदयद्वारा भोग्यप्रकार से साधितलग्न दशमलग्न होगा। साधनविधि लग्न की तरह समझनी चाहिये।

उदाहरण—स्वदेशीय इष्टघटी १६।३० । दिनमान का अर्ध घ. १६।३८ । (१६।३८)–(१६।३०)=०।८ पूर्वनत हुआ । यहाँ पर भुक्तप्रकार से दशम लग्न साधन करना चाहिये । परन्तु यहाँ पर पूर्वनत घ. ०।८ है । अर्थात् केवल प. ८ होने से सूर्य का भुक्त काल इसमें नहीं घट सकेगा । अतः ८ पल को ३० से गुण कर सायन सूर्य के लंकोदय मान से भागने पर लब्ध अंशादि मान को सूर्य में घटाने से दशम लग्न होगा ।

```
        ८
      ×३०
२९९) २४० (०
      ×६०
२९९)१४४००(४८
     ११९६
      २४४०
      २३९२
        ४८
       ×६०
२९९)२८८०(९
     २६९१
      १८९
```

सायन सूर्य ४।०।३६।५१ है । अतः ५ राशि का लंकोदय मान २९९ होगा ।

सूर्यः ३।७।१९।३५
—०।४८।१० लब्धफल अंशादि
३।६।३१।२५ दशम लग्नम्

लग्न में ६ राशि मिलाने से सप्तम भाव होता है । और दशम में ६ राशि मिलने से चतुर्थ भाव होता है । अतः लग्न (६।५।३७।५९) + (६।०।०।०)=०।५।३७।५९ सप्तम भाव हुआ ।

(३।६।३१।२५) + ६।०।०।०=९।६।३१।२५ चतुर्थ भाव हुआ ।

चतुर्थ भाव में लग्न घटाकर शेष में ६ का भाग देने से लब्ध को लग्न में जोड़ने पर लग्न संधि होगी । और संधि में लब्ध को जोड़ने से द्वितीय भाव होगा । ऐसे ही आगे जोड़ने पर चतुर्थ पर्यन्त ससंधिभाव होंगे ।

पूर्वोक्त लब्ध को १ में घटा कर शेष को चतुर्थभावादि में जोड़ने से ससंधि चतुर्थ से सप्तम भाव तक भाव होंगे । और लग्नादि ससंधि ६ भावों में ६ राशि जोड़ने पर सप्तम भाव से द्वादश भाव ससंधि सिद्ध होंगे ।

चतुर्थ भाव ९।६।३१।२५

लग्न − ६।५।३७।५९

३।०।५३।२६

×३०

६)९०।५३।२६(१५

९०

६)५३(८

४८

५

×६०

३००

+२६

६)३२६(५४

३०

२६ लब्ध अंशादि १५।८।५४।२०

२४

२

२

×६०

६)१२०(२०

१२०

×

लग्न ६।५।३७।५९

+१५।८।५४।२०

संधि ६।२०।४६।५३।२०

+१५। ८।५४।२०

द्वि.भा. ७। ५।५५।४७।४०

+१५। ८।५४।२०

संधि ७।२१। ४।४२। ०

+१५। ८।५४।२०

तृ.भा ८। ६।१३।३६।२०

+१५। ८।५४।२०

संधि ८।२१।२८।३०।४०

+१५। ८।५४।२०

च.भा. ९। ६।३१।२५। ०

१।

—।१५। ८।५४।२०

०।१४।५१।५ ।४०

च. भा. ९। ६।३१।२५

+१४।५१। ५।४०

सं. +९।२१।२२।३०।४०

१४।५१। ५।४०

पं. भा. १०। ६।१३।३६।२०

+१४।५१। ५।४०

सं १०।२१। ४।४२। ०

+१४।५१। ५।४०

ष. भा. ११। ५।५५।४७।४०

+१४।५१। ५।४०

सं. ११।२०।४६।५३।२०

+१४।५१। ५।४०

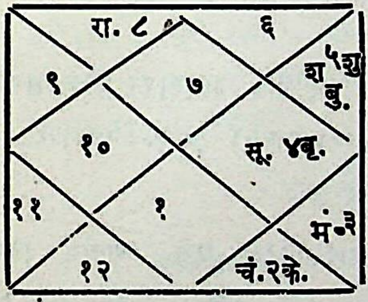
स. भा. ०। ५।३७।५९। ०

ससंधयो द्वादश भावाः

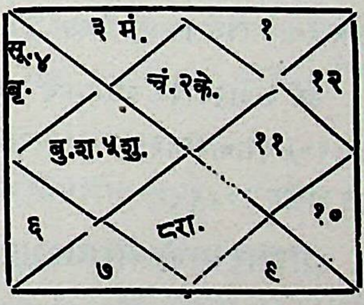
१	०	२	०	३	०	४	०	५	०	६	०
६	६	७	७	८	८	९	९	१०	१०	११	११
५	२०	५	२१	६	२१	६	२१	६	२१	५	२०
३७	४६	५५	४	१३	२२	३१	२२	१३	४	५५	४६
५९	५३	४७	४२	३६	३०	२५	३०	३६	४२	४७	५३
०	२०	४०	०	२०	४०	०	४०	२०	०	४०	२०
७	०	८	०	९	०	१०	०	११	०	१२	०
०	०	१	१	२	२	३	३	४	४	५	५
५	२०	५	२१	६	२१	६	२१	६	२१	५	२०
३७	४६	५५	४	१३	२२	३१	२२	१३	४	५५	४६
५९	५३	४७	४२	३६	३०	२५	३०	३६	४२	४७	५३
०	२०	४०	०	२०	४०	०	४०	२०	०	४०	२०

लग्न को कुंडली में प्रथम स्थान में रखकर तदनन्तर आगे की राशियों को क्रमशः रखकर ग्रहों को तत्तद् राशि में रखने से जन्म कुण्डली बनती है।

अथ जन्माङ्गचक्रम्



अथ राशिचक्रम्



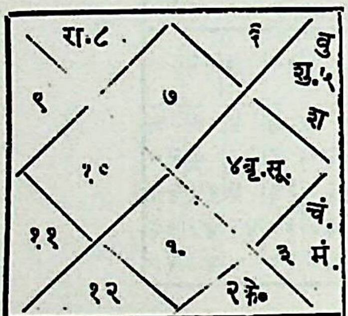
अथ राशिचक्रज्ञानम्—जन्म राशि को लग्न मानकर जन्म कुण्डली की तरह १२ भाव तथा तत्तद् भाव में ग्रह का विन्यास करने से चन्द्र कुण्डली बनती है।

अथ चलितचक्रविचारः—

ग्रह अपने भाव की गत संधि से अधिक तथा एष्य संधि से अल्प हो तो उसी भाव में रहेगा। यदि गत संधि से अल्प हो तो पिछले भाव में ग्रह

जायगा। और एष्य संधि से अधिक हो तो अगले भाव में ग्रह जायगा। इस तरह ग्रहों का विन्यास करने पर चलित कुण्डली बनती है। यथा सूर्य १० भाव में है। सूर्य ३।७।१६।३५ तथा दशम भाव ३।६।३१।२५ है।[1] सूर्य दोनों (गत तथा एष्य) संधियों के मध्य में है। अतः उसी भाव में रहेगा।

अथ चलितचक्रम्



चन्द्र १।२६।२५।४१ अष्टमभाव १।५५।५।४७।४० अष्टमाव की एष्य संधि १।२१।४।४२ यहाँ चन्द्र अष्टम भाव की एष्य संधि से अधिक है। अतः नवम भाव में जायगा। इस प्रकार अन्य ग्रहों का भी विचार करना चाहिए।

विंशोपकबलानयनम्:—

ग्रह तथा संधि के अन्तर को २० से गुणकर भाव तथा संधि के अन्तर से भाग देने से विंशोपक बल मिलता है।

सूर्य ३।७।१६।३५ दशमभाव ३।६।३१।२५ संधि ३।२१।२२ ३०॥(३।२१। २२।३०)–(३।७।१६।३५)=०।१४।२।५५॥ (१४।२।५५) × २०=२८०।५८।२० एक जातीय १०११५००।

(३।२१।२२।३०)–(३।६।३१।२५)=०।१४।५१।५ एक जातीय किया तब ५३४६५ इतना हुआ। पूर्वसाधित एक जातीय राशि में इसका भाग देने से लब्ध १८।५४ सूर्य का विंशोपक हुआ। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का भी साधन करना चाहिये।

१—भाव के समान ग्रह रहने से पूर्ण फल होगा। और संधि के समान रहने से ग्रह निष्फल रहेगा। भाव तथा संधि के बीच में रहने से अनुपात द्वारा उसका विंशोपक बल लाया जाता है।

अथ षड्वर्गविचारः—

गृहं होरा च द्रेष्काणो नवांशो द्वादशांशकः।
त्रिंशांशश्चेति [1]षड्वर्गास्ते सौम्यग्रहजाः शुभाः॥

गृह, होरा, द्रेष्काण, नवमांश, द्वादशांश तथा त्रिंशांश का षड्वर्ग में समावेश होता है। सप्तक वर्ग के लिये सप्तमांश विशेष रहता है।

अथादौ होराविचारः—

त्रिंशद्भागात्मकं लग्नं होरा तस्यार्धमुच्यते।
मार्तण्डेन्द्वोरयुजि समभे चन्द्रभान्वोश्च होरे॥

एक राशि में दो होरा पंद्रह पंद्रह अंश की होती है। विषम राशि में प्रथम सूर्य तथा द्वितीय चंद्र की होरा रहती है। समराशि में प्रथम चंद्र तथा द्वितीय सूर्य की होरा रहती है।

तुला जन्म लग्न राशि विषम है और १५ अंशसे स्वल्प है। अतः लग्नमें सूर्य की होरा रहेगी। होरा चक्र में केवल दो ही राशि रहती हैं सिंह तथा कर्क। अतः सिंह राशि लग्न होगी तब कर्क उसके संमुख रहेगी।

सूर्य कर्क राशि के १५ अंश से अल्प है। अतः समराशि की पहली होरा कर्क राशि में सूर्य रहेगा। और चन्द्र वृषभ राशि के उत्तरार्ध में है अतः समराशि की दूसरी होरा सिंह में चन्द्र रहेगा। इस तरह अन्य ग्रहों का भी विन्यास करना चाहिये।

अथ द्रेष्काणविचारः—

दृक्काणाः स्युः स्वभवनसुतत्रित्रिकोणाधिपानाम्॥

एक राशि के तृतीयांश को द्रेष्काण कहते हैं। अर्थात् एक राशि में ३ द्रेष्काण रहते हैं। एक एक द्रेष्काण दस दस अंश का रहेगा। उनमें प्रथम द्रेष्काण उसी राशि का दूसरा उससे पंचम राशि का तथा तीसरा दूसरे से पंचम राशि का रहता है। अर्थात् तीनों द्रेष्काण एक से पंचम राशि के रहते हैं।

१—षड्वर्गसाधक कोष्ठक तथा तदनुसार प्रकृत उदाहरण की कुंडलियां आगे दी गई हैं।

जन्म लग्न तुला राशि के प्रथम दस अंश में है। अतः लग्न का द्रेष्काण तुला राशि रहेगी।

सूर्य ३।७।१६।३५ है यह प्रथम में है। अतः ४ राशि के द्रेष्काण में सूर्य रहेगा। चन्द्र १।२६।२५।४१ वृषभ के तीसरे द्रेष्काण (वृषभ से नवम राशि) में १० राशि का रहेगा। इसी प्रकार और ग्रहों का भी साधन करना चाहिये।

अथ सप्तमांशविचारः—

ओजे नगांशाः निजराशितः स्युः युग्मे ततो द्यूनगृहाद्भवन्ति।

३० अंश में ७ का भाग देने से अंशादि ४।१७।८। फल प्राप्त होता है। अतः ४।१७ का एक एक भाग मानकर सात खण्ड किये उनमें विषमराशि में प्रथमादि खण्ड अपनी राशि से प्रारंभ होता है। और समराशि में प्रथमादि खंड अपनी राशि से सप्तम राशि से प्रारंभ होता है।

लग्न ६।५।३७।५६ है। तुला के दूसरे सप्तमांश में आता है। अतः लग्न का सप्तमांश वृश्चिक हुआ। सूर्यः ३।७।१६।३५ है। यह कर्क के दूसरे सप्तमांश में है। अतः सूर्य का सप्तमांश (कर्क से सप्तम मकर राशि और इससे दूसरा सप्तमांश) ११ राशि हुआ। चन्द्र १।२६।२५।४१ है। अतः चन्द्र का सप्तमांश (वृषभ से सप्तम वृश्चिक राशि और उससे सातवा सप्तमांश) वृषभ का अन्तिम वृषभ ही हुआ। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का भी जान लेना चाहिये।

अथ नवांशविचारः—

मेषादिध्वजनक्रतौलिककुलीराद्या नवांशाः क्रमात्।

३० अंश में ९ का भाग देने से अंशादि ३।२० फल प्राप्त होता है। इसी फल तुल्य एक राशि में ९ खण्ड होंगे। मेष, सिंह, धन राशि में नवमांश का प्रारंभ मेष से होगा। वृषभ, कन्या, मकर राशि में नवमांश का प्रारंभ मकर से मिथुन, तुला, कुंभ, राशि में नवमांश का प्रारंभ तुला से तथा कर्क, वृश्चिक, मीन राशि में नवमांश का प्रारंभ कर्क से होगा।

लग्न ६।५।३७।५९ है। यह तुला के २ नवमांश में पड़ा। अतः लग्न का नवमांश वृश्चिक हुआ। सूर्य ३।७।१९।३५ है। यह कर्क के ३ नवमांश में पड़ा। अतः कन्या के नवमांश में सूर्य है। तथा चन्द्र १।२९।२५।४१ है।

यह वृषभ के अन्तिम नवमांश में है। अतः चन्द्र वृषभ में मकरादि से गिनने पर नवम कन्या के नवमांश में है। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का भी समझ लेना चाहिये।

अथ द्वादशांशसाधनम्ः—

स्युर्द्वादशांशा निजभाद्विचिन्त्याः।

३० अंशों में १२ का भाग देने से अंशादि २।३० फल प्राप्त होता है। अर्थात् एक राशि में २।३० अंशादिफलतुल्य १२ विभाग रहेंगे। उनमें अपनी राशि से ही द्वादशांश का प्रारंभ होता है।

लग्न ६।५।२७।५९ है। यह तुला राशि के ३ रे द्वादशांश में धन राशि का हुआ। अतः लग्न का द्वादशांश धन राशि हुई। सूर्य ३।७।१९।३५ कर्कराशि के ३ रे द्वादशांश में कन्या राशि का है। अतः सूर्य कन्या के द्वादशांश का हुआ। चंद्र १।२९।२५।४१ वृषम राशि के अन्तिम द्वादशांश मेष का है। अतः चंद्र मेष राशि के द्वादशांश में रहेगा। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का भी समझना चाहिये।

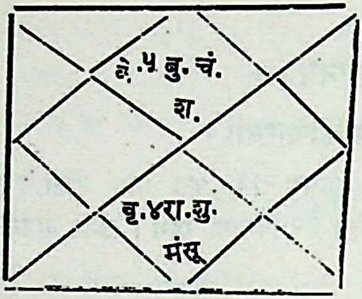
अथ त्रिंशांशविचारः—

कुजयमजीवज्ञसिताः पंचेन्द्रियवसुमुनीन्द्रियांशानाम।
अयुजि युजि तु भे विपर्ययस्थाः॥

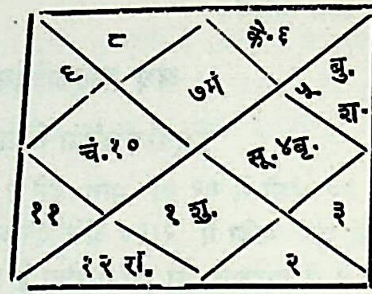
विषमराशि में ५, ५, ८, ७, ५ इन अंशों के पांच खण्ड त्रिशांश में होते हैं। इन खण्डों के स्वामी क्रमशः मंगल, शनि, गुरु, बुध तथा शुक्र हैं। और सम राशि में इनके विपरीत खण्ड तथा स्वामी रहते हैं। अर्थात् ५।७।८।५।५ इन खण्डों के क्रमशः शुक्र, बुध, गुरु, शनि तथा मंगल स्वामी होते हैं। खण्ड स्वामीयों की दो दो राशियां होती हैं। अतः विषम राशि में उस ग्रह की विषम राशि का त्रिंशांश होगा। और सम राशि में उस ग्रह की समराशि का त्रिंशांश होगा।

लग्न ६।५।२७।५९ विषम राशि के दूसरे खण्ड (शनि) में है। अतः शनि की विषम राशि ११ लग्न की त्रिशांश हुई। सूर्य ३।७।१९।३५ समराशि के दूसरे खण्ड (बुध) में है। अतः बुध की समराशि ६ सूर्य त्रिंशांश हुई। तथा चन्द्र १।२९।२५।४१ सम राशि के अन्तिम खण्ड (मंगल) के त्रिशांश में है। अतः मंगल की समराशि ८ चन्द्र की त्रिंशांश हुई। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का भी त्रिशांश होगा।

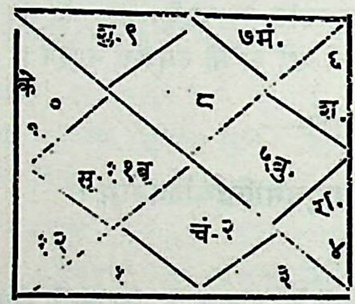
अथ हाराचक्रम्



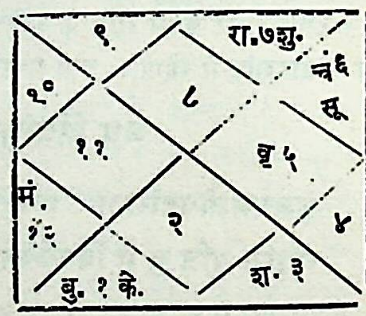
अथ द्रेष्काणचक्रम्



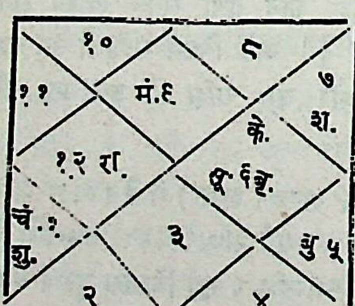
अथ सप्तमांशचक्रम्



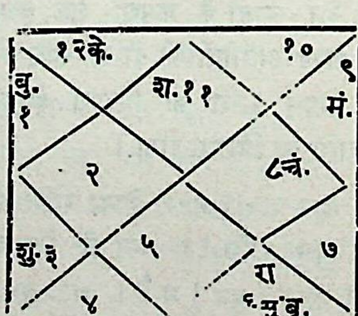
अथ नवमांशचक्रम्



अथ द्वादशांशचक्रम्



अथ त्रिंशांशचक्रम्



अथ षड्वर्गसाधनकोष्ठकाः

	अंश	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
होराचक्रम्	१–१५	५ र.	४ चं.	५ र.	४ चं.	५ र.	४ चं.	५ र.	४ चं.	५ र.	४ चं.	५ र.	४ चं.
	१६–३०	४ चं.	५ र.	४ चं.	५ र.	४ चं.	५ र.	४ चं.	५ र.	४ चं.	५ र.	४ चं.	५ र.
द्रेष्काण चक्रम्	१–१०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
	११–२०	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४
	२१–३०	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८
सप्तमांश चक्रम्	४–१७	१ मं.	८ मं.	३ बु.	१० श.	५ र.	१२ बृ.	७ शु.	२ शु.	९ बृ.	४ चं.	११ श.	६ बु.
	८–३४	२ शु.	९ बृ.	४ चं.	११ श.	६ बु.	१ मं	८ मं.	३ बु.	१० श.	५ र	१२ बृ.	७ शु.
	१२–५१	३ बु.	१० श.	५ र.	१२ बृ.	७ शु.	२ शु.	९ बृ.	४ चं.	११ श.	६ बु.	१ मं.	८ मं.
	१७–९	४ चं.	११ श.	६ बु.	१ मं.	८ मं	३ बु.	१० श.	५ र.	१२ बृ.	७ शु	२ शु.	९ बृ.
	२१–२६	५ र.	१२ बृ.	७ शु	२ शु.	९ बृ.	४ चं.	११ श.	६ बु.	१ मं.	८ मं.	३ बु.	१० श.
	२५–४३	६ बु.	१ मं.	८ मं.	३ बु.	१० श.	५ र.	१२ बृ.	७ शु.	२ शु.	९ बृ.	४ चं.	११ श.
	३०–०	७ शु.	२ शु.	९ बृ.	४ चं.	११ श.	६ बु.	१ मं.	८ मं.	३ बु.	१० श.	५ र.	१२ बृ.

नवमांशचक्रम्

राशि	३-२०	६-४०	१०	१३-२०	१६-४०	२०	२३-२०	२६-४०	३०
मेष, सिंह. धन	१	२	३	४	५	६	७	८	९
वृषभ, कन्या. मकर	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६
मिथुन, तुला, कुंभ	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३
कर्क. वृश्चिक, मीन	४	५	६	७	८	९	१०	१२	१२

ओज त्रिंशांश **युग्म त्रिंशांश**

त्रिंशांश चक्रम्	ओज	५	५	८	७	५	युग्म	५	७	८	५	५
	अं.	५	१०	१८	२५	३०	अं.	५	१२	२०	२५	३०
	ग्र.	मं.	श.	बृ.	बु.	शु.	ग्र.	शु.	बु.	बृ.	श.	मं.
	रा.	१	११	९	३	७	रा.	२	६	१२	१०	८

द्वादशांशचक्रम्

२-३०	१ मं.	२ शु	३ बु.	४ चं.	५ र.	६ बु.	७ शु.	८ मं.	९ बृ.	१० श.	११ श.	१२ बृ.
५-०	२ शु	३ बु.	४ चं.	५ र.	६ बु.	७ शु.	८ मं.	९ बृ.	१० श.	११ श.	१२ बृ.	१ मं.
७-३०	३ बु.	४ चं.	५ र.	६ बु.	७ शु.	८ मं.	९ बृ.	१० श.	११ श.	१२ बृ.	१ मं.	२ शु.
१०-०	४ चं.	५ र.	६ बु.	७ शु.	८ मं.	९ बृ.	१० श.	११ श.	१२ बृ.	१ मं.	२ शु.	३ बु.
१२-३०	५ सू.	६ बु.	७ शु.	८ मं.	९ बृ.	१० श.	११ श.	१२ बृ.	१ मं.	२ शु.	३ बु.	४ चं.
१५-०	६ बु.	७ शु.	८ मं.	९ बृ.	१० श.	११ श.	१२ बृ.	१ मं.	२ शु.	३ बु.	४ चं.	५ र.
१७-३०	७ शु	८ मं.	९ बृ.	१० श.	११ श.	१२ बृ.	१ मं.	२ शु.	३ बु.	४ चं.	५ र.	६ बु.
२०-०	८ मं	९ बृ.	१० श.	११ श.	१२ बृ	१ मं.	२ शु.	३ बु.	४ चं.	५ र.	६ बु.	७ शु.
२२-३०	९ बृ.	१० श.	११ श.	१२ बृ.	१ मं.	२ शु	३ बु.	४ चं.	५ र.	६ बु.	७ शु	८ मं.
२५-०	१० श.	११ श.	१२ बृ.	१ मं.	२ शु.	३ बु.	४ चं.	५ र.	६ बु.	७ शु.	८ मं	९ बृ.
२७-३०	११ श.	१२ बृ.	१ मं	२ शु.	३ बु	४ चं.	५ र.	६ बु.	७ शु.	८ मं.	९ बृ.	१० श.
३०-०	१२ बृ.	१ मं.	२ शु.	३ बु	४ चं.	५ र	६ बु.	७ शु.	८ मं.	९ बृ.	१० श.	११ श.

दशवर्ग साधन

सप्तक वर्ग में दशांश, षोडशांश तथा षष्ट्यंश जोड़ने से दस वर्ग बनते हैं।

दशांश साधन

विषम राशि में अपनी राशि से तथा सम राशि में अपने से नवमी राशि से दशांश के स्वामी समझना चाहिये। एक दशांश में ३ अंश रहते हैं।

सूर्य ३।७।१६।३५ है। अतः यह कर्क के तीसरे वृषभ के दशांश में है।

षोडशांश

चर राशि में मेष से, स्थिर राशि में सिंह से तथा द्विस्वभाव राशि में धन से षोडशांश का प्रारंभ होता है। एक षोडशांश १ अंश ५२ कला १६ विकला का रहता है। कोष्ठकानुसार सूर्य ३।७।१९।३५ कर्क के षोडशांश में है।

षष्ट्यंश

३० कला का एक षष्ट्यंश रहता है। अतः ग्रह की राशि को छोड़कर अंश को द्विगुणित करके कला में ३० का भाग देकर लब्धि को उसमें मिला दें। यह लब्ध संख्या गत षष्ट्यंश होगी। उसमें एक मिलाने से वर्तमान षष्ट्यंश होता है। षष्ट्यंश के ६० देवता पठित हैं। विषम राशि के देवता के क्रम को उलट देने से सम राशि के षष्ट्यंश के देवता होते हैं।

अभीष्ट षष्ट्यंश की राशि जानने के लिये १२ से भाग देकर शेष राशि अभीष्ट षष्ट्यंश की होगी। राशि गणना का प्रारंभ स्वराशि से ही होता है।

सूर्य ३।७।१९।३५।।७×२=१४। कला ३० से कम है। अतः १४ गत षष्ट्यंश हुआ। उसमें १ जोड़ने से वर्तमान १५ वां मृदंश षष्ट्यंश तथा राशि वृषभ हुई। इसके ज्ञान के लिये कोष्ठक दिया गया है। इसी प्रकार अन्य ग्रहों को समझना चाहिये।

दशांशचक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	अंश
१	१०	३	१२	५	२	७	४	९	६	११	८	३
२	११	४	१	६	३	८	५	१०	७	१२	९	६
३	१२	५	२	७	४	९	६	११	८	१	१०	९
४	१	६	३	८	५	१०	७	१२	९	२	११	१२
५	२	७	४	९	६	११	८	१	१०	३	१२	१५
६	३	८	५	१०	७	१२	९	२	११	४	१	१८
७	४	९	६	११	८	१	१०	३	१२	५	२	२१
८	५	१०	७	१२	९	२	११	४	१	६	३	२४
९	६	११	८	१	१०	३	१२	५	२	७	४	२७
१०	७	१२	९	२	११	४	१	६	३	८	५	३०

षोडशांशचक्रम्

	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
	ब्र.	वि.	ह.	सू.	ब्र.	वि.	ह.	सू.	ब्र.	वि.	ह.	सू.	ब्र.	वि.	ह.	सू.
	१	३	५	७	९	११	१३	१५	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०
	५२	४५	३७	३०	२२	१५	७	०	५२	४५	३७	३०	२२	१५	७	०
	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
मे.	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४
वृ.	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८
मि.	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
क.	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४
सिं.	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८
क.	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
तु.	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४
वृ.	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८
ध.	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
म.	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४
कुं.	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८
मी.	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२

अथ षष्ट्यंशचक्रम्

	मे.	मि.	सिं.	तु.	ध.	कु.	वृ.	क.	क.	वृ.	म.	मी.	
१ घोरांश	१	३	५	७	९	११	२	४	६	८	१०	१२	इन्दुरेखांश
२ राक्षसांश	२	४	६	८	१०	१२	१	३	५	७	९	११	भ्रमणांश
३ देवांश	३	५	७	९	११	१	१२	२	४	६	८	१०	पयोध्यंश
४ कुबेरांश	४	६	८	१०	१२	२	११	१	३	५	७	९	सुधांश
५ यक्षोगणांश	५	७	९	११	१	३	१०	१२	२	४	६	८	शीतलांश
६ किन्नरांश	६	८	१०	१२	२	४	९	११	१	३	५	७	अशोभनांश
७ भ्रष्टांश	७	९	११	१	३	५	८	१०	१२	२	४	१	शुभाकरांश
८ कुलघ्नांश	८	१०	१२	२	४	३	७	९	११	१	३	५	निर्मलांश
९ गरलांश	९	११	१	३	५	७	६	८	१०	१२	२	४	दंडायुधांश
१० अग्न्यांश	१०	१२	२	४	६	८	५	७	९	११	१	६	कालाग्न्यंश
११ मायांश	११	१	३	५	७	९	४	६	८	१०	१२	२	प्रवीणांश
१२ प्रेतपुरीशांश	१२	२	४	६	८	१०	३	५	७	९	११	१	इन्दुमुखांश
१३ वरुणांश	१	३	५	७	९	११	२	४	६	८	१०	१२	दंष्ट्राकरालांश
१४ देवगणेशांश	२	४	६	८	१०	१२	१	३	५	७	९	११	शीतलांश
१५ कालांश	३	५	७	९	११	१	१२	२	४	३	८	१०	मृद्वंश
१६ अहिभागांश	४	६	८	१०	१२	२	११	१	३	५	७	९	सौम्यांश
१७ अमृतांश	५	७	९	११	१	३	१०	१२	२	४	६	८	कालांश
१८ चन्द्रांश	६	८	१०	१२	२	४	९	११	१	३	५	७	पातकांश
१९ मृद्वंश	७	९	११	१	३	५	८	१०	१२	२	४	६	वंशक्षयांश
२० कोमलांश	८	१०	१२	२	४	६	७	९	११	१	३	५	कुलघ्नांश
२१ पद्मभागांश	९	११	१	३	५	७	६	८	१०	१२	२	४	विषयप्रदग्धांश
२२ लक्ष्मीशांश	१०	१२	२	४	६	८	५	७	९	११	१	६	परिपूर्णचंद्रांश
२३ वागीशांश	११	१	३	५	७	९	४	६	८	१०	१२	२	अमृतांश
२४ दिगम्बरांश	१२	२	४	६	८	१०	३	५	७	९	११	१	सुधांश
२५ देवांश	१	३	५	७	९	११	२	४	६	८	१०	१२	कंटकांश
२६ आर्द्रांश	२	४	६	८	१०	१२	१	३	५	७	९	११	आमयांश
२७ कलिनाशांश	३	५	७	९	११	१	१२	२	४	६	८	१०	घोरांश
२८ क्षितीश्वरांश	४	६	८	१०	१२	२	११	१	३	५	७	९	दावाग्न्यंश
२९ कमलाकरांश	५	७	९	११	१	३	१०	१२	२	४	६	८	कालांश

अथ षष्ट्यंशचक्रम्

	मे.	मि.	सिं.	तु.	ध.	कु.	वृ.	क.	क.	वृ.	म.	मी.	
३० मंदात्मजांश	६	८	१०	१२	२	४	९	११	१	३	५	७	मृत्युकरांश
३१ मृत्युकरांश	७	९	११	१	३	५	८	१०	१२	२	४	६	मंदात्मजांश
३२ कालांश	८	१०	१२	२	४	६	७	९	११	१	३	५	कमलाकरांश
३३ दावाग्न्यंश	९	११	१	३	५	७	६	८	१०	१२	२	४	क्षितीश्वरांश
३४ घोरांश	१०	१२	२	४	६	८	५	७	९	११	१	३	कलिनाशांश
३५ आमयांश	११	१	३	५	७	९	४	६	८	१०	१२	२	आर्द्रांश
३६ कंटकांश	१२	२	४	६	८	१०	३	५	७	९	११	१	देवांश
३७ सुधांश	१	३	५	७	९	११	२	४	६	८	१०	१२	दिग्वरांश
३८ अमृतांश	२	४	६	८	१०	१२	१	३	५	७	९	११	वागीशांश
३९ परिपूर्णचंद्रांश	३	५	७	९	११	१	१२	२	४	६	८	१०	लक्ष्मीशांश
४० विषप्रदग्धांश	४	६	८	१०	१२	२	११	१	३	५	७	९	पद्मभागांश
४१ कुलघ्नांश	५	७	९	११	१	३	१०	१२	२	४	६	८	कोमलांश
४२ वंशक्षयांश	६	८	१०	१२	२	४	९	११	१	३	५	७	मृद्वंश
४३ पातकांश	७	९	११	१	३	५	८	१०	१२	२	४	६	चन्द्रांश
४४ कालांश	८	१०	१२	२	४	६	७	९	११	१	३	५	अमृतांश
४५ सौम्यांश	९	११	१	३	५	७	६	८	१०	१२	२	४	अहिभागांश
४६ मृद्वंश	१०	१२	२	४	६	८	५	७	९	११	१	३	कालांश
४७ शीतलांश	११	२	३	५	७	९	४	६	८	१०	१२	२	देवगणेशांश
४८ दंष्ट्राकरालांश	१२	२	४	६	८	१०	३	५	७	९	११	१	वरुणांश
४९ इन्दुमुखांश	१	३	५	७	९	११	२	४	६	८	१०	१२	प्रेतपुरीशांश
५० प्रवीणांश	२	४	६	८	१०	१२	१	३	५	७	९	११	मायांश
५१ कालाग्न्यंश	३	५	७	९	११	१	१२	२	४	६	८	१०	अग्न्यंश
५२ दंडायुधांश	४	६	८	१०	१२	२	११	१	३	५	७	९	गरलांश
५३ निर्मलांश	५	७	९	११	१	३	१०	१२	२	४	६	८	कुलघ्नांश
५४ शुभाकरांश	६	८	१०	१२	२	४	९	११	१	३	५	७	भ्रष्टांश
५५ अशोभनांश	७	९	११	१	३	५	८	१०	१२	२	४	६	किन्नरांश
५६ शीतलांश	८	१०	१२	२	४	६	७	९	११	१	३	५	यक्षोगणांश
५७ सुधांश	९	११	१	३	५	७	६	८	१०	१२	२	४	कुबेरांश
५८ पयोध्यंश	१०	१२	२	४	६	८	५	७	९	११	१	३	देवांश
५९ भ्रमणांश	११	१	३	५	७	९	४	६	८	१०	१२	२	राक्षसांश
६० इन्दुरेखांश	१२	२	४	६	८	१०	३	५	७	९	११	१	घोरांश

षड्वर्गकोष्ठकः

	अंश	२	३	४	५	६	७	८	१०	१२	१२	१२	१३	१५	१६	१७	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२५	२५	२६	२७	३०
	कला	३०	३०	१७	०	४०	३०	३४	०	०	३०	५१	२०	०	४०	८	३०	०	०	२५	३०	२०	०	४२	४०	३०	०
	विकला	०	०	८	०	०	०	१७	०	०	०	२५	०	०	०	३४	०	०	०	४२	०	०	०	५१	०	०	०
० मेष	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	१	१	१	१	१	१	१	१	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	९	९	९	९	९	९	९	९
	स.	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७
	न.	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
	द्वा.	१	२	२	२	३	३	४	४	५	५	६	६	६	७	७	७	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२
	त्रि.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
१ वृषभ	हो.	४	४	४	४	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	२	२	२	२	२	२	२	२	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०
	स.	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२
	न.	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
	द्वा.	२	३	३	३	४	४	५	५	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१
	त्रि.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
२ मिथुन	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	३	३	३	३	३	३	३	३	७	७	७	७	७	७	७	७	७	७	११	११	११	११	११	११	११	११
	स.	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९
	न.	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	द्वा.	३	४	४	४	५	५	६	६	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	१	२
	त्रि.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७

षड्वर्गकोष्ठकः

	अंश	२	३	४	५	६	७	८	१०	१२	१२	१२	१३	१५	१६	१७	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२५	२५	२६	२७	३०
	कला	३०	२०	१७	०	४०	३०	३४	०	०	३०	५१	२०	०	४०	८	३०	०	०	२५	३०	२०	०	४२	४०	३०	०
	विकला	०	०	८	०	०	०	१७	०	०	०	२५	०	०	०	३४	०	०	०	४२	०	०	०	५१	०	०	०
३ कर्क	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	४	४	४	४	४	४	४	४	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२
	स.	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४
	न.	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	द्वा.	४	५	५	५	६	६	७	७	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	२	२	२	३
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
४ सिंह	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	५	५	५	५	५	५	५	५	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	१	१	१	१	१	१	१	१
	म.	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११
	न.	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
	द्वा.	५	६	६	६	७	७	८	८	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१	१	२	२	३	३	३	४
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
५ कन्या	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	६	६	६	६	६	६	६	६	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२	२	२	२	२	२	२	२
	स.	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६
	न.	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
	द्वा.	६	७	७	७	८	८	९	९	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	२	२	३	३	४	४	४	५
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८

षड्वर्गकोष्ठकः

	अंश	२	३	४	५	६	७	८	१०	१२	१२	१२	१३	१५	१६	१७	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२५	२५	२६	२७	३०
	कला	३०	२०	१७	०	४०	३०	३४	०	०	३०	५१	२०	०	४०	८	३०	०	०	२५	३०	२०	०	४२	४०	३०	०
	विकला	०	०	८	०	०	०	१७	०	०	०	२५	०	०	०	३४	०	०	०	४२	०	०	०	५१	०	०	०
६ तुला	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	७	७	७	७	७	७	७	७	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	३	३	३	३	३	३	३	३
	स.	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१
	न.	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	द्वा.	७	८	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	३	३	४	४	५	५	५	६
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
७ वृश्चिक	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	८	८	८	८	८	८	८	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	४	४	४	४	४	४	४	४
	स.	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८
	न.	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	द्वा.	८	९	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३	४	४	५	५	६	६	६	७
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
८ धन	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	९	९	९	९	९	९	९	९	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	५	५	५	५	५	५	५	५
	स.	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३
	न.	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
	द्वा.	९	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	५	५	६	६	७	७	७	८
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७

षड्वर्ग कोष्ठकः

राशि																											
	अंश	२	३	४	५	६	७	८	१०	१२	१२	१२	१३	१५	१६	१७	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२५	२५	२६	२७	३०
	कला	३०	२०	१७	०	४०	३०	३४	०	०	३०	५१	२०	०	४०	८	३०	०	०	२५	३०	२०	०	४२	४०	३०	०
	विकला	०	०	८	०	०	०	१७	०	०	०	२५	०	०	०	३४	०	०	०	४२	०	०	०	५१	०	०	०
९ मकर	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	६	६	६	६	६	६	६	६
	स.	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०
	न.	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
	द्वा.	१०	११	११	११	१२	१२	१	१	२	२	३	३	३	४	४	४	५	५	६	६	७	७	८	८	८	९
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
१० कुंभ	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	११	११	११	११	११	११	११	११	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	७	७	७	७	७	७	७	७
	स.	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५
	न.	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	द्वा.	११	१२	१२	१२	१	१	२	२	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६	७	७	८	८	९	९	९	१०
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
११ मीन	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	८	८	८	८	८	८	८	८
	स.	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२
	न.	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	द्वा.	१२	१	१	१	२	२	३	३	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	८	८	९	९	१०	१०	१०	११
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८

अथ नैसर्गिकमित्रामित्रादिकमाह—

शत्रू मन्दसितौ समश्च शशिजो मित्राणि शेषा रवेः
तीक्ष्णांशुर्हिमरश्मिजश्च सुहृदौ शेषाः समाः शीतगोः।
जीवेन्दूष्णकराः कुजस्य सुहृदो ज्ञोऽरिः सितार्कीसमौ
मित्रे सूर्यसितौ बुधस्य हिमगुः शत्रुः समाश्चापरे॥
सूरेः सौम्यसितावरी रविसुतो मध्योऽपरेत्वन्यथा
सौम्यार्की सुहृदौ समौ कुजगुरू शुक्रस्य शेषावरी।
शुक्रज्ञौ सुहृदौ समः सुरगुरुः सौरस्य चान्येऽरयः
तत्काले च दशायबन्धुसहजस्वान्त्येषु मित्रं स्थिताः॥

मित्र	शत्रु	सम
रवि—गुरु, मंगल, चन्द्र,	शनि, शुक्र,	बुध,
चन्द्र—सूर्य, बुध,	राहु,	मंगल, गुरु, शुक्र, शनि,
मंगल—रवि, चन्द्र, गुरु,	बुध,	शुक्र, शनि,
बुध—रवि, शुक्र,	चन्द्र,	मंगल, गुरु, शनि,
गुरु—रवि, चन्द्र, मंगल,	बुध, शुक्र,	शनि,
शुक्र—शनि, बुध,	रवि, चन्द्र,	मंगल, गुरु,
शनि—शुक्र, बुध,	रवि, चन्द्र, मंगल,	गुरु,
राहु—शनि, बुध, शुक्र,	रवि, चन्द्र, मंगल,	गुरु,

केतु के मित्र शत्रु राहु की तरह समझना चाहिये।

नैसर्गिक मैत्री के अतिरिक्त तात्कालिक मैत्री भी होती है। तात्कालिक मैत्री में अपने (ग्रह जिस स्थान में है) स्थान से २, ३, ४, १०, ११, १२ इन स्थान में रहने वाला ग्रह मित्र होता है। और १, ५, ६, ७, ८, ९, इन स्थान में रहनेवाला ग्रह शत्रु होता है।

पंचधा मैत्री विचारः :—

नैसर्गिक तथा तात्कालिक मैत्री के संमिश्रण से पंचधा मैत्री बनती है। वह इस प्रकार होगी—

नैसर्गिक	तात्कालिक	पञ्चधामैत्री
मित्र	मित्र	अधिमित्र
सम	मित्र	मित्र
मित्र वा शत्रु	शत्रु वा मित्र	सम
शत्रु	शत्रु	अधिशत्रु
सम	शत्रु	शत्रु

प्रकृत उदाहरण के अनुसार पञ्चधा मैत्री इस प्रकार होगी।

अथ पञ्चधामैत्रीचक्रम्—

र.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	
मं. चं.	र. बु.	र. चं. बृ.	र. रा.	चं. मं.	रा.	रा.	श. बु. शु.	अधिमित्र
बु.	मं. बृ. शु. श.	शु. श.	मं. बृ.	श.	मं. बृ.	बृ.		मित्र
बृ. शु. श.		बु.	शु. चं.	र. बु. शु.	श. बु. र. चं.	शु. बु. र. चं. मं.		सम
			श.				बृ.	शत्रु
रा.	रा.	रा.		रा.			र. चं. मं.	अधिशत्रु

अथ सप्तवर्गबलविचारः—

अथोच्यते सप्तकवर्गचक्रं खगामिनां तद्बलसाधनार्थम्।
बलं विना खेटफलं न वक्तुं भावादिजातं च नरः क्षमः स्यात्॥

सप्तकवर्ग के बल ज्ञान के विना ग्रहजनित शुभाशुभ फल का विवेक नहीं हो सकता। अतः उस बल का साधन किया जाता है।

सप्तकवर्ग के बल साधन के लिये आगे दिये गये प्रकृत उदाहरण के कोष्ठक से सप्तकवर्गबलसाधन का ज्ञान हो जायगा। पहले कोष्ठक में सप्तक वर्ग गृह, होरा, द्रेष्काण, सप्तमांश, नवमांश, द्वादशांश तथा त्रिंशांश रहेगा। दूसरे में उनकी राशियाँ रहेंगी, तीसरे में राशियों के स्वामी रहेंगे, चौथे में मित्रामित्र आदि रहेगा, और पांचवें में उससे प्राप्त बल रहेगा। बलज्ञान के लिये कोष्ठक दिया जाता है।

सप्तकवर्गबलम्					
अधिमित्र	मित्र	सम	शत्रु	अधिशत्रु	स्वगृही
०	०	०	०	०	०
२२	१५	७	३	१	३०
३०	०	३०	४५	५२	०
०	०	०	०	३०	०

अथ सूर्यसप्तकवर्गम्

गृ.	हो.	द्रे.	स.	न.	द्वा.	त्रिं.	वर्ग
४	४	४	११	६	६	६	राशि
चं.	चं.	चं.	श.	बु.	बु.	बु.	स्वामी
अमि	अमि.	अमि.	सम.	मित्र.	मित्र.	मित्र.	मित्रादि
० २२ ३० ०	० २२ ३० ०	० २२ ३० ०	० ७ ३० ०	० १५ ० ०	० १५ ० ०	० १५ ० ०	२ ० ० ० कल्याण

अथ चन्द्रसप्तकवर्गम्

गृ.	हो.	द्रे.	स.	न.	द्वा.	त्रिं.	वर्ग
२	५	१०	२	६	१	८	राशि
शु.	सू.	श.	शु.	बु.	मं.	मं.	स्वामी
मित्र.	अमि	मित्र	मित्र	अमि	मित्र	मित्र	मित्रादि
० १५ ० ०	० २२ ३० ०	० १५ ० ०	० १५ ० ०	० २२ ३० ०	० १५ ० ०	० १५ ० ०	२ ० ० ० कल्याण

अथ भौमसप्तकवर्गम्

गृ.	हो.	द्रे.	स.	न.	द्वा.	त्रिं.	वर्ग
३	४	७	७	१२	९	९	राशि
बु.	चं.	शु.	शु.	बृ.	बृ.	बृ.	स्वामी
सम	अमि.	मित्र	मित्र	अमि.	अमि.	अमि.	मित्रादि
० ७ ३० ०	० २२ ३० ०	० १५ ० ०	० १५ ० ०	० २२ ३० ०	० २२ २० ०	० २२ ३० ०	२ ७ ३० ० कल्याण

अथ बुधसप्तकवर्गम्

गृ.	हो.	द्रे.	स.	न.	द्वा.	त्रिं.	वर्ग
५	५	५	५	१	५	१	राशि
र.	र.	र.	र.	मं.	र.	मं.	स्वामी
अमि	अमि	अमि	अमि	मित्र	अमि	मित्र	मित्रादि
० २२ ३० ०	० २२ ३० ०	० २२ ३० ०	० २२ ३० ०	० १५ ० ०	० २२ ३० ०	० १५ ० ०	२ २२ ३० ० कल्याण

अथ गुरुसप्तकवर्गम्

ग्र.	हो.	द्रे.	स.	न.	द्वा.	त्रिं.	वर्ग
४	४	४	११	५	६	६	राशि
चं.	चं.	चं.	श.	र.	बु.	बु.	स्वामी
अमि	अमि	अमि	मित्र	सम	सम	सम	मित्रादि
०	०	०	०	०	०	०	१ बलयोग
२२	२२	२२	१५	७	७	७	४५
३०	३०	३०	०	३०	३०	३०	०
०	०	०	०	०	०	०	०

अथ शुक्रसप्तकवर्गम्

ग्र.	हो.	द्रे.	स.	न.	द्वा.	त्रिं.	वर्ग
५	४	१	६	७	१	३	राशि
र.	चं.	मं.	बृ.	शु.	मं.	बु.	स्वामी
सम	सम	मित्र	मित्र	स्व	मित्र	सम	मित्रादि
०	०	०	०	०	०	०	१ बलयोग
७	७	१५	१५	३०	१५	७	३७
३०	३०	०	०	०	०	३०	३०
०	०	०	०	०	०	०	०

अथ शनिसप्तकवर्गम्

ग्र.	हो.	द्रे.	स.	न.	द्वा.	त्रिं.	वर्ग
५	५	५	६	३	७	११	राशि
सू.	सू.	सू.	बु.	बु.	शु.	श.	स्वामी
स	स	स	स	स	स	स्व	मित्रादि
०	०	०	०	०	०	०	१ बलयोग
७	७	७	७	७	७	३०	१५
३०	३०	३०	३०	३०	३०	०	०
०	०	०	०	०	०	०	०

अथ राहुसप्तकवर्गम्

ग्र.	हो.	द्रे.	स.	न.	द्वा.	त्रिं.	वर्ग
८	४	१२	४	७	१२	६	राशि
मं.	चं.	बृ.	चं.	शु.	बृ.	बु.	स्वामी
अश	अश	शत्रु	अश	अमि	शत्रु	अमि	मित्रादि
०	०	०	०	०	०	०	० बलयोग
१	१	३	१	२२	३	२२	५८
५२	५२	४५	५२	३०	४५	३०	७
३०	३०	०	३०	०	०	०	३०

अथ सप्तकवर्गबलैक्यम्—

सू.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	ग्रहाः
२	२	२	२	१	१	१	०	भुक्तांशम्
०	०	७	२२	४५	३७	१५	५८	
०	०	३०	३०	०	३०	०	७	
०	०	०	०	०	०	०	३०	
१	४	०	७	२	३	४	१	पा० यो०
६	३	७	०	५	४	३	६	शु. यो०
श्रे०	म०	श्रे०	म०	म०	म०	नेष्ट	म०	फल

अथ रेखाष्टकविचारः—

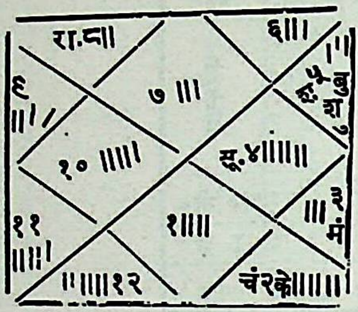
अष्टवर्गेण ये शुद्धास्ते शुद्धाः सर्वकर्मसु।
सूक्ष्माष्टवर्गसंशुद्धिः स्थूला शुद्धिस्तु गोचरे॥

प्रत्येक ग्रह का कोष्ठक अलग २ आगे दिया है। प्रत्येक ग्रह की रेखाष्टक कुंडली अलग अलग बनेगी। रेखाष्टक के कोष्ठक में ग्रह के नीचे अंको का विन्यास किया गया है। अतः तत् तत् ग्रह को लग्न मान कर उन २ स्थानों में रेखा का विन्यास करने से प्रत्येक ग्रह की एक २ कुंडली बनेगी। सूर्य के रेखाष्टक कोष्ठक में सूर्य के नीचे १, २. ४, ७, ८, ९, १०, ११, ये अंक हैं। अतः सूर्य जिस राशि पर है उस राशि से इन स्थानों में एक २ रेखा रखनी चाहिये। वैसे चन्द्र से ३, ६, १०, ११, इन स्थानों में रेखा का विन्यास करना चाहिये इस तरह मंगल प्रभृति ग्रहों से रेखाओं का विन्यास करने से सूर्य की रेखाष्टक कुंडली बनेगी। इसी प्रकार चन्द्रादि की बनाकर अन्त में सूर्यादि आठों कुण्डलियों के लग्नादि १२ भावों की रेखाओं का योग अलग २ बारहों भावों में रखने से सर्वरेखैक्य की कुण्डली बनेगी। उस पर से शुभाशुभ का विचार किया जाता है। रेखाष्टक कुण्डली में १, २, ३, ४, ५, ६, ७, वा ८ रेखा ग्रह की मिलने से क्लेश भय, अर्थ हानि, प्रवास कष्ट, समलाभ, शश्वत्सुख, धन प्राप्ति, परमानन्द प्राप्ति तथा सर्वकार्यसिद्धि होती है।

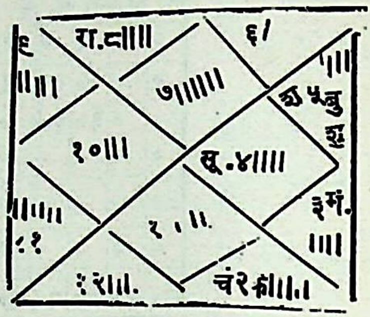
अथ अवस्थात्रयविचारः—

सर्वरेखैक्य कुण्डली में चारों केन्द्रों (१, ४, ७, १०) की रेखाओं का योग प्रथमावस्था, पणफरस्थ (२,५,८,११) रेखाओं का योग द्वितीयावस्था, तथा आपोक्लिमस्थ (३,६,९,१२) रेखाओं का योग तीसरी अवस्था होती है। जिस अवस्था में रेखायोग अधिक होगा वह अवस्था सुखद रहेगी।

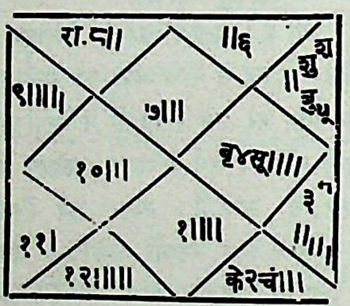
अथ सूर्याष्टकवर्गः—४८



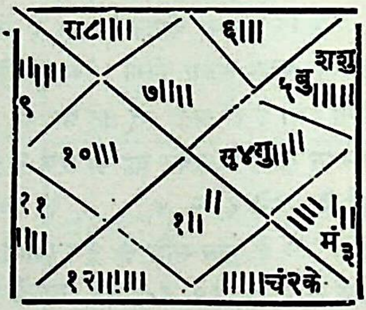
अथ चन्द्राष्टकवर्गः—४९



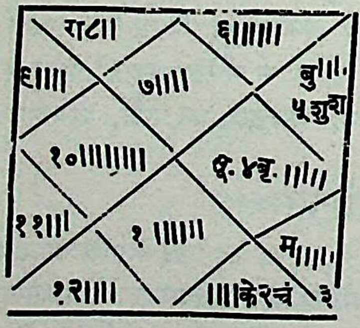
अथ भौमाष्टकवर्गः—३९



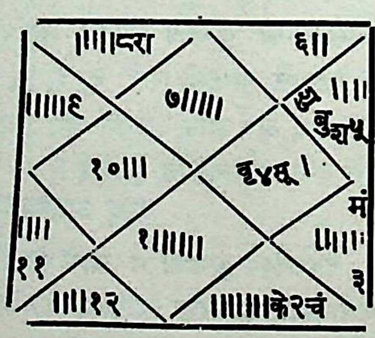
अथ बुधाष्टकवर्गः—५४



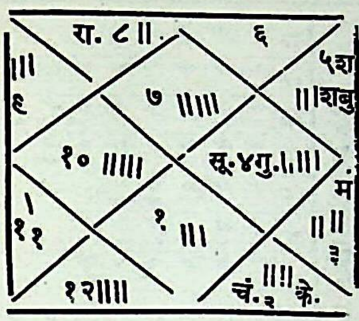
अथ गुर्वष्टकवर्गः—५६



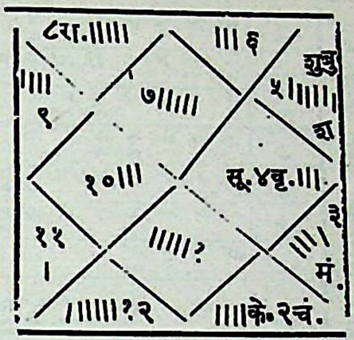
अथ शुक्राष्टकवर्गः—५२



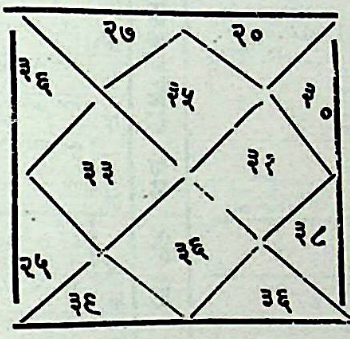
अथ शन्यष्टकवर्गः—३९

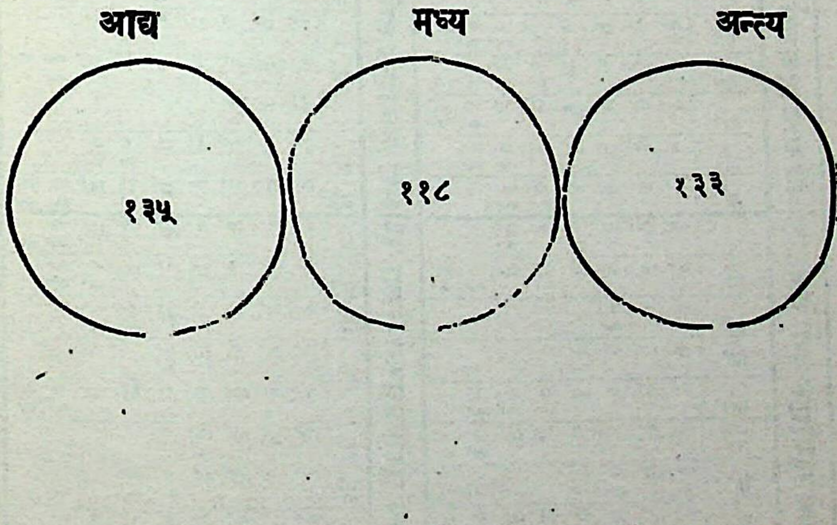


अथ लग्नाष्टकवर्गः—४९



अथ सर्वरेखैक्यचक्रम्





अथ प्रत्येकग्रहस्य रेखाष्टकज्ञानाय सारिणीचक्रमिदम्

अथ सूर्याष्टक वर्गः रेखा ४८

र.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	ल.
१	३	१	३	५	६	१	३
२	६	२	५	६	७	२	४
४	१०	४	६	९	१२	४	६
७	११	७	९	११		७	१०
८		८	१०			८	११
९		९	११			९	१२
१०		१०	१२			१०	
११		११				११	

अथ चन्द्राष्टक वर्गः रेखा ४९

चं.	मं.	बु.	बृ.	शु	श.	र	ल.
१	२	१	१	३	३	३	३
३	३	३	४	४	५	६	६
६	५	४	७	५	६	७	१०
७	६	५	८	७	११	८	११
१०	९	७	१०	९		१०	
११	१०	८	११	१०		११	
	११	१०	१२	११			
		११					

अथ भौमाष्टक वर्गः रेखा ३९

मं.	बु.	बृ.	शु.	श	र.	चं.	ल.
१	३	६	६	१	३	३	१
२	५	१०	८	४	५	६	३
४	६	११	११	७	६	११	६
७	११	१२	१२	८	१०		१०
८				९	११		११
१०				१०			
११				११			

अथ बुधाष्टक वर्गः रेखा ५४

बु.	बृ.	शु.	श.	र.	चं,	मं.	ल.
१	६	१	१	५	२	१	१
३	८	२	२	६	४	२	२
५	११	३	४	९	६	४	४
६	१२	४	७	११	८	७	६
९		५	८	१२	१०	८	८
१०		८	९		११	९	१०
११		९	१०			१०	११
१२		११	११			११	

अथ गुरोरष्टवकर्गः रेखा ५६

बृ.	शु.	श.	र.	चं.	मं.	बु.	ल.
१	२	३	१	२	१	१	१
२	५	५	२	५	२	२	२
३	६	६	३	७	४	४	४
४	९	१२	४	९	७	५	५
७	१०		७	११	८	६	६
८	११		८		१०	९	७
१०			९		११	१०	९
११			१०			११	१०
			११				११

अथ शुक्राष्टक वर्ग रेखा ५२

शु.	श.	र.	चं.	मं	बु.	बृ.	ल.
१	३	८	१	३	३	५	१
२	४	११	२	५	५	८	२
३	५	१२	३	६	६	९	३
४	८		४	९	९	१०	४
५	९		५	११	११	११	५
८	१०		८	१२			८
९	११		९				९
१०			११				११
११			१२				

अथ शनेरष्टकवर्ग रेखा ३९

श.	र.	चं.	म.	बु.	बृ.	शु.	ल.
३	१	३	३	६	५	६	१
५	२	६	५	८	६	११	३
६	४	११	६	९	११	१२	४
११	७		१०	१०	१२		६
	८		११	११			१०
	१०		१२	१२			११
	११						

अथ लग्नाष्टक वर्ग रेखा ४९

ल.	र.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.
३	३	३	१	१	१	१	१
६	४	६	३	२	२	२	३
१०	६	१०	६	४	४	३	४
११	१०	११	१०	६	५	४	६
	११	१२	११	८	६	५	१०
	१२			१०	७	८	११
				११	९	९	
					१०		
					११		

अथ मध्यमायुःसाधनम्—

गजाभ्रभूमिर्निहता ग्रहाणां राश्यंशलिप्ताः खरसैस्तु नष्टाः।
लिप्ता विलिप्तास्तुलवाः खरामैस्तष्टाः फलंचोपरियोजनीयम् ॥
ये राशयो. भास्करशेषिताश्च भवन्त्यवाप्तं भगणाः पुनस्ते।
अर्काविशिष्टास्तु समाद्यमायुः स्फुटं विधेयं तु भचक्रहान्या ॥

ग्रह की राशि. अंश, कला तथा विकला को १०८ से गुण कर विकला तथा कला के गुणन फल को ६० से भागकर ऊपर २ चढ़ाना चाहिये। अंश स्थानीय फल को ३० से भागकर राशि स्थानीय में मिलावे और राशि स्थानीय फल में १२ से भाग कर शेष को मास तथा लब्ध को वर्ष मानना चाहिये। यदि वर्ष स्थान में १२ से अधिक हो तो १२ से भाग कर शेष को वर्ष मानना चाहिये। इसी तरह वर्ष मासदिवसादि मध्यमायु होगा। यह मध्यमायु सूर्यादि सात ग्रह तथा लग्न का ही साधना चाहिये। राहु केतु का साधन नहीं करना चाहिये।

लग्न ६।५।३७।५६
X१०८

६४८।५४०।३९९६।६३७२
२०। ६८। १०६।६००

४।५५।६६८।६०८।४१०२। ३७२
।४८।६६०।६००।३६० । ३६०

७। ८। ८।५०२ । १२
। । ।४८० ।

२२

लग्न का मध्यमायु ७।८।८।२२।१२ वर्ष, मास, दिवस. घटी तथा पलात्मक आया। इस तरह अन्य ग्रहों का भी जानना चाहिये।

आयु साधन की सुगमता के लिये मध्यमायु की सारिणी दी गई है। उस पर से मध्यमायु का साधन इस प्रकार करना चाहिये।

ग्रह को राशि संख्या को ३० से गुण कर उसमें अंश मिला दें, बाद में ४० का भाग देकर शेष अंश तुल्य कोष्ठक से वर्षादि फल ग्रहण करें। तदनन्तर कला के कोष्ठक से वर्षादि फल एवं विकला के कोष्ठक से भी वर्षादि फल लेकर सबका योग करने से उस ग्रह का मध्यमायु होगा।

लग्न ६।५।३७।५९ है। ६×३०=१८०।१८०+५=१८५ अंश में ४० का भाग देकर शेष २५ रहा। अंश के २५ वे कोष्ठक का वर्षादि फल =७।६।०। ०।०

कला कोष्ठक से ३७ कला का फल =०।२।६।३६।०

विकला कोष्ठक से ५९ विकला का फल =०।०।१।४८।१२

सर्वयोग वर्षादिलग्नायु =७।८।८।२२।१२

अथ मध्यमायुचक्रम्

र.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	ल.	यो.	
५	५	११	०	४	६	२	७	४३	व
२	९	१	५	८	२	०	८	३	मा.
११	२८	२९	२०	२२	१६	३	८	१९	दि.
१५	१३	२४	५८	१	३	३	२२	२१	घ.
०	४८	०	१२	१२	०	३६	१२	०	प.

अथ मध्यमायु कोष्ठक अंशादि

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
०	०	०	१	१	१	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६
३	७	१०	२	६	९	१	४	८	०	३	७	१०	२	६	९	१	४	८	०
१८	६	२४	१२	०	१८	६	२४	१२	०	१८	६	२४	१२	०	१८	६	२४	१२	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२
३	७	१०	२	६	९	१	४	८	०	३	७	१०	२	६	९	१	४	८	०
१८	६	२४	१२	०	१८	६	२४	१२	०	१८	६	२४	१२	०	१८	६	२४	१२	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०					
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०					

अथ मध्यमायु कोष्ठक कलादि

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१
१	३	५	७	९	१०	१२	१४	१६	१८	१९	२१	२३	२५	२७	२८	०	२	४	६
४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
७	९	११	१३	१५	१६	१८	२०	२२	२४	२५	२७	२९	१	३	४	६	८	१०	१२
४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३
१३	१५	१७	१९	२१	२२	२४	२६	२८	०	१	३	५	७	९	१०	१२	१४	१६	१८
४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ मध्यमायु कोष्ठक विकलादि

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१	३	५	७	९	१०	१२	१४	१६	१८	१९	२१	२३	२५	२७	२८	३०	३२	३४	३६
४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०

२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१
३७	३९	४१	४३	४५	४६	४८	५०	५२	५४	५५	५७	५९	१	३	४	६	८	१०	१२
४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०

४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१
१३	१५	१७	१९	२१	२२	२४	२६	२८	३०	३१	३३	३५	३७	३९	४०	४२	४४	४६	४८
४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०

अथ स्पष्टायुर्दायसाधनम्

तत्रादौ लग्नायुःसाधनम्—

किन्त्वत्र भांशप्रमितं ददाति वीर्यान्विता राशिसमं च होरा।

"होरा स्वामिगुरुज्ञवीक्षितयुता नान्यैः" यह लक्षण शास्त्र में बलवान् लग्न का मिलता है। अर्थात् लग्न अपने स्वामी, गुरु तथा बुध से दृष्ट अथवा युत हो और अन्य ग्रहों से युत अथवा दृष्ट न हो तो बलवान् माना जाता है। यदि लग्न बलवान् हो तो उसके मध्यमायु में लग्न की राशि संख्या तुल्य वर्ष जोड़ना चाहिये। और अंशादि को १२ से गुणकर ३० से भाग दें। लब्धफल को पूर्व के योग में जोड़ने से लग्न का स्पष्टायु होगा। यदि लग्न बलवान् न हो तो पूर्वसाधितमध्यमायु को ही स्पष्टायु मान लेना चाहिये।

अथ स्वराशिस्वोच्चादिस्थे ग्रहे विशेषः—

स्वतुङ्गवक्रोपगतैस्त्रिसंगुणं द्विरुत्तमस्वांशकभत्रिभागगैः।

ग्रह उच्च अथवा वक्री हो तो पूर्वसाधितमध्यमायु को त्रिगुणित करना चाहिये। एवं ग्रह वर्गोत्तम (जन्मसमय ग्रह जिस राशि में हो और नवमांश कुण्डली में भी उसी राशि का हो तो उसे वर्गोत्तमी ग्रह कहते हैं) स्वनवमांश, स्वराशि, अथवा स्वद्रेष्काण में हो तो पूर्वसाधितमध्यमायु को द्विगुणित करना चाहिये। यदि एक ही ग्रह का द्विगुण तथा त्रिगुण दोनों प्राप्त हो तो केवल त्रिगुणित ही करना चाहिये।

अथ शत्रुनीचास्तंगतग्रहस्यायुर्दायहानिः

क्षोणीपुत्रं वर्जयित्वा रिपुस्थास्त्र्यंशं नीचस्थानगास्ते तदर्धम्।
अस्तं याताः सर्व एवार्धहानिं कुर्युर्हित्वा शुक्रमार्तण्डपुत्रौ॥

मंगल को छोड़कर अन्य सभी ग्रह यदि नीच राशि में हो तो अपने आयुर्दाय के तृतीयांश को कम करते हैं। यदि सूर्यादि सभी ग्रह अपनी-अपनी नीच राशि में हो तो स्वायुर्दाय का आधा कम करते हैं। और शुक्र शनि को छोड़कर यदि अन्य ग्रह अस्तंगत हों तो स्वायुर्दाय के आधे को कम कर देते हैं।

अथायुर्दायसाधने चक्रार्धहानिः—

सर्वार्धत्रिचतुर्थेन्द्रियर्तुभागान् व्ययाद्धरन्त्यशुभाः।
सन्तोऽर्धमतो वामं बलवानेकर्क्षगेष्वेकः॥

पापग्रह यदि लग्न से द्वादशभाव में हो तो अपने समस्त आयु को, एकादश में हो तो आधे को, दशम में तृतीयांश, नवम में चतुर्थांश, अष्टम में पञ्चमांश और सप्तमभाव में हो तो आयुर्दाय के षष्ठांश को नष्ट करते हैं। इन्हीं स्थानों में शुभग्रह हों तो पापग्रह की अपेक्षा आधा नाश करते हैं। अर्थात् १२ भाव में अर्धांश, ११ भाव में चतुर्थांश, १० भाव में षष्ठांश इत्यादि आगे के स्थानों में भी समझना चाहिये। तथा एक ही स्थान में दो या अधिक ग्रह हों तो उनमें सबसे बली जो ग्रह होगा वही एक अपने आयुर्दाय के उक्त भाग को नष्ट करता है, सब नहीं।

प्रकृत उदाहरण में जन्म लग्न तुला पर स्वामी वा गुरु वा बुध की पूर्ण दृष्टि नहीं है। और उनसे युक्त भी नहीं है। अतः लग्न बलवान् न होने से लग्न का मध्यमायु ही स्पष्टायु माना जायगा।

ग्रहों के स्पष्टायुर्दायसाधन में उपर लिखे नियम विशेष रूप से ध्यान में रखने चाहिये। अब उन नियमों के अनुसार ग्रहों का स्पष्टायुर्दायसाधन किया जाता है।

सूर्य जन्मलग्न से १० भाव में है। अतः पूर्वसाधित मध्यमायु के तृतीयांश का ह्रास होगा। सूर्य के मध्यमायुवर्षादि ५।२।११।१५ का तृतीयांश वर्षादि १।८।२३।४५ मध्यमायु में घटाने से सूर्य का स्पष्टायुर्दाय वर्षादि ३।५।१७।३० हुआ।

चन्द्र उच्चराशि में है। अतः साधित आयुर्दाय को त्रिगुणित करना होगा। और अष्टम भाव में रहने से दशमांश की हानि भी होगी।

चन्द्र का साधित आयुर्दाय वर्षादि ५।९।२८।१३।४८ के त्रिगुणित १७।५।२४।४१।२४ में इसके दशमांश १।८।२६।२८।८ को घटाने से चन्द्र का स्पष्टायु वर्षादि १५।८।२५।१३।१६ हुआ।

मंगल के लिए ऊपर लिखे नियमों में केवल चक्रार्धहानि नियम काम में आयेगा। नवमभाव में चतुर्थांश का ह्रास होता है। अतः मंगल के मध्यमायु

वर्षादि ११।१।२६।२४ में इसके चतुर्थांश वर्षादि २।६।१४।५१ का घटाने से मंगल का स्पष्टायु वर्षादि ८।४।१४।३३ हुआ।

बुध के स्पष्टायुसाधन में चक्रार्धहानि वाला एक नियम क्रम प्राप्त है। यहाँ बुध पाप युक्त होने से पाप है। तदनुसार ११ भावस्थ बुध के मध्यमायु वर्षादि ०।५।२०।५८।१२ का आधा बुध का स्पष्टायु वर्षादि ०।२।२५।२६।६ हुआ।

यहाँ यह ज्ञातव्य है कि इस भाव में बुध, शुक्र, शनि ये तीन ग्रह हैं, परन्तु उनमें बुध का सप्तकवर्ग बल अधिक होने से केवल बुध के आयुर्दाय में चक्रार्ध हानि की गई है।

गुरु अपनी उच्चराशि में है। अतः इसके मध्यमायु वर्षादि ४।८।२२।१।१२ को त्रिगुणित करने से वर्षादि १४।२।६।३।३६ हुआ, परन्तु अस्तंगत होने से आधा आयु नष्ट करता है। तदनुसार गुरु का स्पष्टायु वर्षादि ७।१।३।१।४८ हुआ।

दशमभाव में सूर्य गुरु दो ग्रह हैं। इनमें सूर्य का सप्तकवर्ग बल अधिक होने से उसी के आयुर्दाय में चक्रार्ध हानि की गई है।

शुक्र शनि सहज मैत्रीचक्र, से शत्रुक्षेत्री होते हुए भी तात्कालिक मैत्री में शत्रुक्षेत्री नहीं हैं। अतः शुक्र शनि का साधित आयु ही स्पष्टायु माना जायगा, परन्तु शुक्र नवांश में स्वराशि का होने से उसके साधित आयु वर्षादि ६।२।१६।३ के द्विगुणित वर्षादि १२।५।२।६ को शुक्र का स्पष्टायु मानना चाहिये।

अथ स्पष्टायुचक्रम्—

ल.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	योग
७	३	१५	८	०	७	१२	२	५७
८	५	८	४	२	१	५	०	०
८	१७	२५	१४	२५	३	२	३	८
२२	३	१३	३३	२९	१	६	३	५१
०	०	१६	०	६	४८	०	३६	४६

स्पष्टायु के सम्बन्ध में यह अवश्य ज्ञातव्य है कि जातक इतने ही वर्षादि पर्यन्त जीवित रहेगा ऐसी बात नहीं है। गणित से इसका निर्णय करना कठिन है। अतः श्रीकेशवाचार्य[1] ने लिखा है कि जो मनुष्य स्वधर्म एवं सत्कर्म में तत्पर

१—स्याद्धर्मिष्ठसुशीलपथ्यभुजां न स्यादिदं पापिनाम्

के. जा. श्लो. २६

रहता हो, जितेन्द्रिय, पथ्य भोजन करने वाला, सत्यवक्ता, देव ब्राह्मण में श्रद्धावान् एवं सद्गुणी हो उसी के लिये यह है। अन्य के लिए नहीं है। मनुष्य में ये सभी गुण कम पाये जाते हैं। अतः गणित से साधित आयु कम घटित होती है। मैंने केवल जिज्ञासुओं के लिए गणित का क्रम दिखाया है।

अथ ग्रहाणामुच्चनीचविभागः—

अजवृषमृगाङ्गनाकर्किमीनवणिजांशकेष्विनाद्युच्चाः।
दशशिख्यष्टाविंशतितिथीन्द्रियत्रिनवविंशेषु॥

उच्चनीच विभाग कोष्ठक

सू.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.	के.	ग्रह
मे. १०	वृ. ३	म. २८	कं. १५	क. ५	मी. २७	तु. २०	वृ. षभ	वृ. श्चि	उच्चराशि परमोच्चांश
तु. १०	वृ. ३	क. २८	मी. १५	म. १५	कं. २७	मे. २०	वृ. श्चि	वृ. षभ	नीचराशि परमनीचांश

इसका अर्थ कोष्टक से स्पष्ट है। सूर्य मेषराशि के दस अंश तक परमोच्च रहता है। उसके बाद केवल उच्च रहता है। और तुला के दस अंश तक परम नीच रहेगा। उसके बाद केवल नीच रहेगा। इसी तरह अन्य ग्रहों का भी समझना चाहिए।

अथ गृहाणामुच्चरश्मिसाधनम्—

नीचोनखेटो रसतोऽधिकश्चेत् चक्राद्विशोध्योऽस्य च भे सरूपे।
लवादिका ये द्विगुणा भवेयुरुच्चाभिधाना ग्रहरश्मयस्ते॥

ग्रह में उसका नीच घटा कर यदि शेष ६ से अधिक हो तो १२ में उसे घटाकर राशि संख्या में १ जोड़ दें। शेष अंशादि को द्विगुण करने से प्रत्येक ग्रह की उच्चरश्मि होती है।

अथ उच्चरश्मिचक्रम्—

र.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	यो.
४	६	२	५	६	२	४	३१
५	७	२१	३३	५८	१२	३३	२१
२६	८	३४	६	२८	३५	२३	४७
५०	३८	०	५८	५२	३०	२४	१२

सूर्य ३। ७।१६।३५–(६।१०)=

८।२७।१९।३५॥१२–(८।२७।१६।३५)

=३।२।४०।२५॥३ + १=४

(२।४०।२५) × २=५।२०।५०

सूर्य की उच्चरश्मि=४।५।२०।५०।

इसी प्रकार अन्य ग्रहों की भी साधन करें।

दशा साधन—

गत, वर्तमान तथा भविष्य का शुभाशुभ जानने के लिए ऋषियों ने दशा का निर्माण किया है। दशा अनेक प्रकार की होती हैं। उनमें अष्टोत्तरी, विंशोत्तरी तथा योगिनी का प्रचार विशेष है। वर्तमान समय में देश के पूर्वोत्तर प्रदेश तथा राजस्थान में प्रायः विंशोत्तरी दशा का उपयोग विशेष करते हैं। सिंध पंजाबादि में योगिनी दशा तथा दक्षिण मध्यभारत तथा गुजरात में अष्टोत्तरी दशा को व्यवहार में विशेष लेते हैं। परन्तु शास्त्र के वचन इस विषय में कुछ भिन्न एवं अनेक हैं।

"दशाप्यष्टोत्तरी शुक्ले कृष्णे विंशोत्तरी मता।" (मानसागरी)

शुक्ल पक्ष में जन्म हो तो अष्टोत्तरी दशा तथा कृष्ण पक्ष में जन्म हो तो विंशोत्तरी दशा लेनी चाहिए।

"दशा विंशोत्तरी चात्र ग्राह्या नाष्टोत्तरी मता।" (लघुपाराशरी)

नक्षत्र पर से साधित दशा विंशोत्तरी ही लेनी चाहिए। अष्टोत्तरी दशा नहीं लेनी चाहिए। इसी श्लोक का पाठान्तर प्राचीन विद्वानों के घर में हस्त लिखित ग्रन्थों में निम्न लिखित मिलता है। दशा विंशोत्तरी ग्राह्या मता चाष्टोत्तरी तथा। अर्थात् अष्टोत्तरी तथा विंशोत्तरी दोनों दशाएँ फलाफल के विचार के लिए उपयुक्त हैं।

कृष्णपक्षे दिवाजातः शुक्लपक्षे यदा निशि।
विंशोत्तरी दशा प्रोक्ताऽन्यथाप्यष्टोत्तरी स्मृता॥

कृष्ण पक्ष में दिन में तथा शुक्ल पक्ष में रात्रि में जन्म हो तो विंशोत्तरी दशा ग्रहण करनी चाहिए। इसके विपरीत हो तो अष्टोत्तरी दशा ग्रहण करनी चाहिए।

गुर्जरे कच्छसौराष्ट्रे पांचाले सिंधुपर्वते।
एतेष्वष्टोत्तरी श्रेष्ठाऽन्यत्र विंशोत्तरी मता ॥

गुजरात, कच्छ, काठियावाड (सौराष्ट्र). पांचाल (पंजाब) तथा सिंधु पर्वत में अष्टोत्तरी दशा ग्रहण करनी चाहिए। अन्यत्र विंशोत्तरी दशा को ग्रहण करें। प्रायः यही नियम वर्तमान में प्रचलित है।

विंशोत्तरी दशा १२० वर्ष की रहती है। इसमें सूर्य, चन्द्र, मंगल, राहु, गुरु, शनि, बुध, केतु तथा शुक्र इनकी क्रमशः दशा रहती है। इन्हीं वारों के क्रम से कृत्तिकादि २७ नक्षत्रों की तीन आवृत्ति हो जाने से एक एक ग्रह में तीन तीन नक्षत्र रहते हैं। किस ग्रह में कौन कौन नक्षत्र तथा उस ग्रह की दशा के वर्ष आदि का विचार दशा कोष्ठक से स्पष्ट हो जायगा।

जातक का जन्म नक्षत्र जिस ग्रह के कोष्ठक में पड़े वह उसकी जन्म दशा होगी। उस दशा का जन्म समय में व्यतीत काल नक्षत्र के भयात पर से निकाला जाता है। अर्थात् भभोग काल में दशा के पूरे वर्ष मिलते हैं तो भयात काल में कितने ? इस अनुपात द्वारा व्यतीत वर्षादि का मान आ जायगा। उसको दशा वर्ष में घटाने से दशा का भोग्य मान शेष रहेगा। जन्म के बाद दशा का भोग्य मान भोग लेने के अनन्तर दूसरे ग्रह की (जो पूर्वोक्त क्रम से प्राप्त हो) दशा प्रारंभ होगी। उसके बाद अन्य-ग्रहों की दशा चलती रहेगी।

दशा का भुक्त तथा भोग्य काल साधन—

भयात (चन्द्र साधन में जो साधित है) के घटी पल के पल बनाकर उन्हें जन्म नक्षत्र से प्राप्त दशा वर्ष संख्या से गुणा करें। और गुणनफल में भभोग के घटी पलों के पलों से भाग देने से लब्ध संख्या वर्ष होगी। शेष को १२ से गुणकर भभोग पलों का भाग देने से लब्ध मास होंगे। शेष को ३० से गुणकर भभोग पल का भाग देने पर लब्ध संख्या दिन होंगे। पुनः शेष को ६० से गुणकर भभोग पल का भाग देने पर लब्ध संख्या घटी होगी इसी प्रकार पल भी आयेंगे। यह वर्षादि संख्या दशा का भुक्त मान होगा। उसे दशा वर्ष में घटाने से शेष दशा का भोग्य मान होगा।

जन्म नक्षत्र मृगशिर है। भयात २५।४५ भभोग ५६।२० कृत्तिकादि नक्षत्र क्रम से मङ्गल की दशा में जन्म है। उसके दशा वर्ष ७ हैं।

२५
×६०
१५००
+४५
१५४५ भयातपल

५६
×६०
३३६०
+२०
३३८० भभोगपल

७
भुक्त ३।२।११।५३।३६
भोग्य ३।९।१८। ६।२४

१५४५
×७
३३८०)१०८१५(३ वर्ष
१०१४०
६७५
×१२
३३८०)८१००(२ मास
६७६०
१३४०
×३०
३३८०)४०२००(११ दिन
३३८०
६४००
३३८०
३०२०
×६०
३३८०)१८१२००(५३ घटी
१६९००
१२२००
१०१४०
२०६०
×६०
३३८०)१२३६००(३६ पल
१०१४०
२२२००
२०२८०
१९२०

जन्म के समय मङ्गल की दशा वर्षादि ३।२।११।५३।३६ इतनी भुक्त हो चुकी थी। और ३।९।१८।६।२४ इतनी वर्षादि दशा शेष थी। इसके बाद १८ वर्ष राहु की दशा रहेगी। एवं क्रमशः गु. श. बु. के इत्यादि की दशा चलेगी।

अन्तर्दशा का साधन—

दशा दशाहता कार्या दशभि-
र्भागमाहरेत्।
यल्लब्धं सो भवेन्मासस्त्रि-
शन्निघ्नं दिनं भवेत्॥

जिस ग्रह की महादशा में जिस ग्रह की अन्तर्दशा अपेक्षित हो उन दोनों के दशा वर्षों को गुणकर दस का भाग देने से लब्धि मास होंगे। शेष को ३० से गुणकर दस का भाग देने से लब्धि दिन होंगे। इसी प्रकार घट्यादि फल का भी साधन करना चाहिये। प्रत्येक ग्रह में अन्तर्दशा का साधन कर रख दिया गया है। महादशा लिखने का क्रम इस प्रकार है। दशा के भोग्य वर्षादि को जन्म के संवत् तथा सूर्य के राश्यादि में जोड़कर भोग्य वर्षादि के नीचे लिखना चाहिए। और उसके नीचे पुनः भोग्य वर्षादि लिखें। उसके बाद

भोग्यदशा के संवत् में आगे की दशा के वर्ष जोड़कर उनके नीचे २ रक्खें। एवं सबसे नीचे रक्खे वर्षादि में भी आगे की दशा के वर्ष जोड़ते जायँ।

भोग्य दशा वर्षादि	३		।९।१८। ६।२४
जन्म संवत्	१९७६	सूर्य	३। ७।१९।३५
संवत्	१९८०	सूर्य	०।२५।२५।५९
राहु दशा वर्ष	१८		
संवत्	१९९८	सूर्य	०।२५।२५।५९

अथ विंशोत्तरी महादशा संकलिता—

	भो. भु.	भो. भो	रा.	बृ.	श.	बु.
व.	३	३	१८	१६	१९	१७
मा.	२	९				
दि.	११	१८				
घ.	५३	६				
प.	३६	२४				
संवत्	१९७६	१९८०	१९९८	२०१४	२०३३	२०५०
सूर्य	३ ७ १९ ३५	० २५ २५ ५९	० २५ २५ ५९	० २५ २५ ५९	० २५ २५ ५९	० २५ २५ ५९
व.		३	२१	३७	५६	७२
मा.		९	९	९	९	९
दि.		१८	१८	१८	१८	१८
घ.		६	६	६	६	६
प.		२४	२४	२४	२४	२४

इसका अर्थ यह है कि संवत् १९८० सूर्य ०।२५।२५।५९ तक मङ्गल की महादशा रहेगी उसके बाद सं० १९९८ सूर्य ०।२५।२५।५९ तक राहु की महादशा रहेगी। एवमेव गुरु की। ऊपर में अन्तिम कोष्ठक का उपयोग यह है। कि ३।९।१८।६।२४ वर्षादि तक मङ्गल की महादशा उसके बाद २१।९।१८।६।२४ वर्षादि तक राहु की महादशा रहेगी। इसी प्रकार आगे भी।

अन्तर्दशा चक्र लिखने का क्रम महादशा के समान ही है केवल ग्रह के दशा वर्ष के स्थान में उसके अन्तर्दशा के वर्षादि लिखने चाहिए। और सब क्रम पूर्ववत् ही है। जैसे राहु की अन्तर्दशा को लिखते हैं।

अथ ग्रहाणां विंशोत्तरीमहादशान्तर्दशादिज्ञानाय चक्रमिदम्—

सूर्यदशा वर्ष ६
कृ. उ. फा. उषा.

ग्र.	व	मा.	दि.
सू.	०	३	१८
चं.	०	६	०
मं.	०	४	६
रा.	०	१०	२४
बृ.	०	९	१८
श.	०	११	१२
बु.	०	१०	६
के.	०	४	६
शु.	१	०	०

चंद्रदशावर्ष १०
रोहि. ह. श्रवण

ग्र.	व	मा.	दि
चं.	०	१०	०
मं.	०	७	०
रा.	१	६	०
बृ.	१	४	०
श.	१	७	०
बु.	१	५	०
के.	०	७	०
शु.	१	८	०
र.	०	६	०

भौमदशा वर्ष ७
मृ. चि. ध.

ग्र.	व	मा.	दि.
मं.	०	४	२७
रा.	१	०	१८
बृ.	०	११	६
श.	१	१	९
बु.	०	११	२७
के.	०	४	२७
शु.	१	२	०
र.	०	४	६
चं.	०	७	०

राहुदशा वर्ष १८
आर्द्रा. स्वा. शत.

ग्र.	व	मा.	दि.
रा.	२	८	१२
बृ.	२	४	२४
श.	२	१०	६
बु.	२	६	१८
के.	१	०	१८
शु.	३	०	०
र.	०	१०	२४
चं	१	६	०
मं.	१	०	१८

गुरुदशा वर्ष १६
पुन. वि. पू. भा.

ग्र.	व	मा.	दि.
बृ.	२	१	१८
श.	२	६	१२
बु.	२	३	६
के.	०	११	६
शु.	२	८	०
र.	०	९	१८
चं.	१	४	०
मं.	०	११	६
रा.	२	४	२४

शनिदशा वर्ष १९
पुष्य अनु. उ. भा.

ग्र.	व.	मा.	दि.
श.	३	०	३
बु.	२	८	९
के.	१	१	९
शु.	३	२	०
र.	०	११	१२
चं.	१	७	०
मं.	१	१	९
रा.	२	१०	६
बृ.	२	६	१२

बुधदशा वर्ष १७
आश्ले. ज्ये. रेवती

ग्र.	व	मा.	दि.
बु.	२	४	२७
के.	०	११	२७
शु.	२	१०	०
र.	०	१०	६
चं.	१	५	०
मं.	०	११	२७
रा.	२	६	१८
बृ.	२	३	६
श.	२	८	९

केतुदशा वष ७
मघा. मू. अश्वि.

ग्र.	व	मा.	दि.
के.	०	४	२७
शु.	१	२	०
र.	०	४	६
चं.	०	७	०
मं.	०	४	२७
रा.	१	०	१८
बृ.	०	११	६
श.	१	१	९
बु.	०	११	२७

शुक्रदशा वर्ष २०
पू. फा. पू. षा. भ.

ग्र.	व	मा.	दि.
शु.	३	४	०
र.	१	०	०
चं.	१	८	०
मं.	१	२	०
रा.	३	०	०
बृ.	२	८	०
श.	३	२	०
बु.	२	१०	०
के.	१	२	०

अन्तर्दशा के लिए प्रथम गत दशा के संवत् सूर्य में आगामी ग्रह की महादशा में जो प्रथम ग्रह की अन्तर्दशा हो उसके वर्ष मासादि जोड़ने चाहिये। इसके बाद महादशा की तरह आगे जोड़ते जाने से अन्तर्दशा कोष्ठक बनेगा। यथा राहु की महादशा में अन्तर्दशाओं के संवत् सूर्य जानने हैं। अतः भौम महादशा समाप्ति के संवत् सूर्य में राहु की महादशा में प्रथम राहु के अन्तर्दशावर्ष-मासादि जोड़ने चाहिए। उसके बाद अन्य ग्रहों के अन्तर्दशा के वर्षमासादि जोड़े। जैसे—

भौम महादशा समाप्ति का संवत्	१९८०	सूर्य	०।२५।२५।५६
राहु अन्तर्दशा वर्षादि	२।		८।१२
राहु अन्तर्दशा समाप्ति का संवत्	१९८२	सूर्य	६। ७।२५।५६

इस प्रकार आगे भी जोड़ने से अन्य ग्रहों की अन्तर्दशा की समाप्ति के संवत् सूर्य आदि आयेंगे। लिखने का क्रम नीचे दिया जाता है।

अथ राहुमहादशायां सर्वेषामन्तराणि—

	रा.	गु.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.
	२	२	२	२	१	३	०	१	१
	८	४	१०	६	०	०	१०	६	०
	१२	२४	६	१८	१८	०	२४	०	१८
	०	०	०	०	०	०	०	०	०
	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१९८०	१९८२	१९८५	१९८८	१९९०	१९९१	१९९४	१९९५	१९९७	१९९८
०	६	२	०	६	७	७	६	०	०
२५	७	१	७	२५	१३	१३	७	७	२५
२५	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२५
५६	५६	५६	५६	५९	५६	५९	५९	५६	५६
३	६	८	११	१४	१५	१८	१६	२०	२१
६	६	१०	९	३	४	४	३	६	६
१८	०	२४	०	१८	६	६	०	०	१८
६	६	६	६	६	६	६	६	६	६
२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४

अष्टोत्तरी दशा साधन—

अष्टोत्तरी दशा में १०८ वर्ष रहते हैं। इसका क्रम विंशोत्तरी दशा से भिन्न है। इसमें सू. चं. मं. बु. श. गु. रा. शु. इन आठ ग्रहों की दशा रहती है। केतु की नहीं रहती। इन ग्रहों के दशा नक्षत्र विंशोत्तरी से भिन्न हैं जो कि महादशा कोष्ठक में वर्ष संख्या के साथ दिये गये हैं। इस महादशा में ग्रहों के दशावर्ष नक्षत्रों में विभाजित रहते हैं। यथा सूर्य महादशा वर्ष ६ हैं। और इस दशा के नक्षत्र आर्द्रा. पुनर्वसु, पुष्य तथा आश्लेषा ये चार हैं। ६ में ४ का भाग देने से एक नक्षत्र का वर्षादिदशामान १।६ यह होगा। दशा का भुक्त भोग्य लाने के लिए यह क्रम है कि नक्षत्र के भयात भभोग पर से उस नक्षत्र का भुक्त भोग्य वर्षादि साधन करें। यदि वह नक्षत्र बीच में पड़े तब गत नक्षत्रों के वर्षादियोग में वर्तमान दशा नक्षत्र के भुक्तवर्षादि जोड़ने से उस ग्रह की भुक्त-दशा होगी। और उसको ग्रह दशा वर्ष में घटाने से उस ग्रह की भोग्य दशा शेष रहेगी। यथा जातक का जन्म मृगशिर नक्षत्र में है। यह शुक्र महादशा में तृतीय नक्षत्र है। और एक नक्षत्र के वर्ष ७ हैं। इस पर से भयात भभोग द्वारा भुक्त वर्ष (विंशोत्तरी दशा की तरह) साधन करने से लब्ध ३।२।११।५३।२७ हुआ। इसको गत दो नक्षत्रों के वर्षमान १४ में जोड़ा तब शुक्र की महादशा के भुक्त वर्ष १७।२।११।५३।२७ हुए। अर्थात् लब्ध में इस दशा के गत दो नक्षत्रों के सात-सात वर्ष जोड़ने से शुक्र की भुक्तदशा वर्षादि १७।२।११। ५३।५७ हुई। इनको २१ वर्ष में घटाने से शेष ३।९।१८।६।२३ ये भोग्य वर्ष हुए। इस प्रकार इस दशा का साधन किया जाता है। और लेखनादि क्रम विंशोत्तरी दशा के समान ही है।

अष्टोत्तरी अन्तर्दशा का साधन—

इसकी अन्तर्दशा का साधन भी विंशोत्तरी के समान ही है। वहाँ पर जिस ग्रह की दशा में जिस ग्रह की अन्तर्दशा का साधन करना रहता है उन दोनों के दशा वर्षों का गुणा कर दस का भाग देते हैं। यहाँ पर ९ का और शेष विधि सब उसी प्रकार है।

अभिजित् दशा साधन—

अष्टोत्तरी शनि की महादशा में चार नक्षत्र (पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, अभिजित् तथा श्रवण) गृहीत हैं। इनमें अभिजित् का मान और नक्षत्रों की अपेक्षा भिन्न

है। उत्तराषाढ़ा की अन्तिम १५ घटी तथा श्रवण की आदि की ४ मिलाकर १९ घटी अभिजित् का भोग हुआ। परन्तु यह मान नक्षत्रों का भोग ६० घटी मान कर लाया गया है। यदि उनका भोग काल न्यूनाधिक हो तो उस अनुपात से अभिजित् का भी भोग काल रहेगा। अतः इसका साधन भिन्न प्रकार से करने में सरलता रहेगी।

नक्षत्र	श्र.अं.	अ. अं.	उ.अं.	पू. अं.
चन्द्र	चं.	चं.	चं.	चं.
रा. अं. क. वि.	९ २३ २० ०	९ १० ५३ २०	९ ६ ४० ०	८ २६ ४० ०
भाजक	७४६ २०	२५३ २०	६०० ०	८०० ०
मास	३०	३०	३०	३०

शनि की महादशा में पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र की दशा का साधन पूर्व रीति से करना चाहिए। शेष की दशा का साधन इस प्रकार करने में सरलता रहेगी। यहाँ पर नक्षत्रों के भोग मान न्यूनाधिक होने पर भी दशा वर्षादि मान समान ही रहेगा। अर्थात् प्रत्येक नक्षत्र की दशा का मान २॥ वर्ष रहेगा। दशा साधन करते समय जन्म के स्पष्टचन्द्र को देख कर किसकी दशा में जन्म है यह समझ लेना चाहिए। अर्थात् जन्म का चन्द्र यदि ८।२६।४०।० से अधिक तथा ९।६।४०।० से कम हो तो उत्तराषाढ़ा की दशा रहेगी। (इसकी समझ के लिए कोष्ठक दिया गया है) और जन्म का चन्द्र ९।६।४०।० से अधिक तथा ९।१०।५३।२० से कम हो तो अभिजित् दशा रहेगी। एवं ९।१०।५३।२० से जन्म का चन्द्र अधिक हो तथा ९।२३।२०।० इससे कम हो तो श्रवण की दशा रहेगी। दशा का निर्णय करके जन्म के चन्द्र में गत नक्षत्र के चन्द्र को घटाने से वर्तमान नक्षत्र का राश्यादि शेष रहेगा। उसकी विकला बनाकर तथा ३० से गुणकर अपनी भोग कला (कोष्ठक में दी गई हैं) का भाग देने से उस नक्षत्र का भुक्त मासादि फल आयेगा।

यथा चन्द्र ९।६।५०।१० है। इसमें उत्तराषाढ़ा का चन्द्र घटाया (९।६।५०।१०)—(९।६।४०।०)=०।०।१०।१० शेष अभिजित् का राश्यादि मान रहा। इसकी विकला ६१० को ३० से गुणने पर १८३०० हुआ। अभिजित् की भोग कला २५३।२० की विकला २५३×६०+२०=१५१८०+२०=१५२०० का भाग दिया। लब्ध मासादि १।६।७ हुआ। इसको गत दो नक्षत्रों के भोग वर्षादि में जोड़ा (५।०।०।०)+(०।१।६।७) = ५।१।६।७ तब यह शनि की भुक्त दशा हुई। १०—(५।१।६।७)=४।१०।२३।५३ यह भोग्य दशा होगी। इस प्रकार उत्तराषाढ़ा तथा श्रवण की दशा साधन करें।

अथाष्टोत्तरीमहादशाऽन्तर्दशाचक्रमिदम्—

			सूर्य दशा वर्ष ६					चंद्र दशा वर्ष १५			
ग्र.	नक्षत्राणि	अं.	व.	मा.	दि.	घ.	अं	व	मा.	दि.	घ.
र.	आर्द्रा. पुन पुष्य. आश्लेष	र.	०	४	०	०	चं.	२	१	०	०
चं.	मघा. पूर्वाफा. उत्तराफा	चं.	०	१०	०	०	मं.	१	१	१०	०
मं	हस्त. चित्रा. स्वाति. विशा	मं.	०	५	१०	०	बु.	२	४	१०	०
बु.	अनुराधा. ज्येष्ठा. मूल	बु.	०	११	१०	०	श.	१	४	२०	०
श.	पूषा. उषा. अभि. श्रवण	श.	०	६	२०	०	बृ.	२	७	२०	०
बृ.	धनिष्ठा. शतभिषा. पूर्वाभा	बृ.	१	०	२०	०	रा.	१	८	०	०
रा.	उ. भा. रेवती. अश्वि. भर	रा.	०	८	०	०	शु	२	११	०	०
शु.	कृत्तिका. रोहिणी. मृग.	शु.	१	२	०	०	र	०	१०	०	०

	भौम दशा वर्ष ८					बुध दशा वर्ष १७					शनि दशा वर्ष १०			
अं.	व	मा.	दि.	घ.	अं.	व.	मा.	दि.	घ.	अं.	व	मा.	दि.	घ.
मं.	०	७	३	२०	बु.	२	८	३	२०	श.	०	११	३	२०
बु.	१	३	३	२०	श.	१	६	२६	४०	बृ.	१	९	३	२०
श.	०	८	२६	४०	बृ.	२	११	२६	४०	रा.	१	१	१०	०
बृ.	१	४	२६	४०	रा.	१	१०	२०	०	शु.	१	११	१०	०
रा.	०	१०	२०	०	शु.	३	३	२०	०	र.	०	६	२०	०
शु.	१	६	२०	०	र.	०	११	१०	०	चं.	१	४	२०	०
र.	०	५	१०	०	चं.	२	४	१०	०	मं.	०	८	२६	४०
चं.	१	१	१०	०	मं.	१	३	३	२०	बु.	१	६	२६	४०

	गुरु दशा वर्ष १९					राहु दशा वर्ष १२					शुक्र दशा वर्ष २१			
अं.	व	मा.	दि.	घ.	अं.	व	मा.	दि.	घ.	अं.	व	मा.	दि.	घ.
बृ.	३	४	३	२०	रा.	१	४	०	०	शु.	४	१	०	०
रा.	२	१	१०	०	शु.	२	४	०	०	र.	१	२	०	०
शु.	३	८	१०	०	र.	०	८	०	०	चं.	२	११	०	०
र.	१	०	२०	०	चं.	१	८	०	०	मं.	१	६	२०	०
चं.	२	७	२०	०	मं.	०	१०	२०	०	बु.	३	३	२०	०
मं.	१	४	२६	४०	बु.	१	१०	२०	०	श.	१	११	१०	०
बु.	२	११	२६	४०	श.	१	१	१०	०	बृ.	३	८	१०	०
श.	१	९	३	२०	बृ.	२	१	१०	०	रा.	२	४	०	०

अथ योगिनी दशा साधन—मंगला पिंगला धन्या भ्रामरी भद्रिका तथा।
उल्का सिद्धा संकटा च फलमासां स्वनामवत्॥

श्लोक में प्रदर्शित मङ्गला, पिंगला, धन्या, भ्रामरी, भद्रिका, उल्का, सिद्धा तथा संकटा ये आठ दशायें योगिनी दशा में रहती हैं। और इनके वर्ष क्रमशः १, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८ ये हैं। जन्म नक्षत्र संख्या (अश्विनी से) में ३ जोड़कर ८ का भाग देने से शेष संख्यक योगिनी दशा[1] होगी।

१—स्वर्क्षं पिनाकिनयनयुक्तं च वसुभिर्हरेत्। शेषेण योगिनी ज्ञेया शून्यपातेन संकटा॥

जातक का जन्म नक्षत्र मृगशीर्ष है। यह पंचम है। इसमें ३ मिलाया तब ८ हुआ। इसमें ८ का भाग देने से यही शेष माना जायगा। अतः जन्म संकटा में हुआ। इसका भुक्त भोग्य भी विंशोत्तरी दशा की तरह लाना चाहिये और लिखने आदि का क्रम विंशोत्तरी की तरह रहेगा। योगिनी की पूरी वर्ष संख्या ३६ ही है। अतः इस दशा की पुनरावृत्ति करनी चाहिये। जिससे जीवन पर्यन्त की दशा का विचार हो सके।

॥ अथ योगिनीदशान्तर्दशाज्ञानार्थं चक्रमिदम् ॥

मङ्गला १ चं.			पिङ्गला २ सू.			धान्या ३ गु.			भ्रामरी ४ मं.			भद्रिका ५ बु.			उल्का ६ श.			सिद्धा ७ शु			संकटा ८ के.		
आर्द्रा. चित्रा श्रवण			पुनर्वसु. स्वाती धनिष्ठा			पुष्य विशाखा शतभिषा			अश्विनी, आश्लेषा अनुराधा, पूर्वाभाद्रपदा			भरणी, मघा, ज्येष्ठा उत्तराभाद्रपदा			कृतिका, पूर्वाफाल्गुनी मूल, रेवती			रोहिणी, उत्तराफाल्गुनी, पूर्वाषाढा			मृगशीर्ष, हस्त उत्तराषाढा		
	मा.	दि.		मा.	दि.		मा.	दि.		मा.	दि.		मा.	दि.		मा.	दि.		मा.	दि.		मा.	दि.
मं.	०	१०	पिं.	१	१०	धा.	३	०	भ्रा.	५	१०	भ.	८	१०	उ.	१२	०	सि.	१६	१०	सं.	२१	१०
पिं.	०	२०	धा.	२	०	भ्रा	४	०	भ.	६	२०	उ.	१०	०	सि.	१४	०	सं.	१८	२०	मं.	२	२०
धा.	१	०	भ्रा.	२	२०	भ.	५	०	उ.	८	०	सि.	११	२०	सं.	१६	०	मं.	२	१०	पिं.	५	१०
भ्रा.	१	१०	भ.	३	१०	उ.	६	०	सि.	९	१०	सं.	१३	१०	मं.	२	०	पिं.	४	२०	धा.	८	०
भ.	१	२०	उ.	४	०	सि.	७	०	सं.	१०	२०	मं.	१	२०	पिं.	४	०	धा.	७	०	भ्रा.	१०	२०
उ.	२	०	सि.	४	२०	सं.	८	०	मं.	१	१०	पिं.	३	१०	धा.	६	०	भ्रा.	९	१०	भ.	१३	१०
सि.	२	१०	सं.	५	१०	मं.	१	०	पिं.	२	२०	धा.	५	०	भ्रा.	८	०	भ.	११	२०	उ.	१६	०
सं.	२	२०	मं.	०	२०	पिं.	२	०	धा.	४	०	भ्रा.	६	२०	भ.	१०	०	उ.	१४	०	सि.	१८	२०

अथ विंशोत्तरीसूर्यमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
र.	०	०	५	२४
चं.	०	०	९	०
मं.	०	०	६	१८
रा.	०	०	१६	१२
बृ.	०	०	१४	२४
श.	०	०	१७	६
बु.	०	०	१५	१८
के.	०	०	६	१८
शु.	०	०	१८	०

अथ चंद्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
चं.	०	०	१५	०
मं.	०	०	१०	३०
रा.	०	०	२७	०
बृ.	०	०	२४	०
श.	०	०	२८	३०
बु.	०	०	२५	३०
के.	०	०	१०	३०
शु.	०	१	०	०
र.	०	०	९	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
मं.	०	०	७	२१
रा.	०	०	१८	५४
बृ.	०	०	१६	४८
श.	०	०	१९	५७
बु.	०	०	१७	५१
के.	०	०	७	२१
शु.	०	०	२१	०
र.	०	०	६	१८
चं.	०	०	१०	३०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	०	१	१८	३६
बृ.	०	१	१३	१२
श.	०	१	२१	१८
बु.	०	१	१५	५४
के.	०	०	१८	५४
शु.	०	१	२४	०
र.	०	०	१६	१२
चं.	०	०	२७	०
मं.	०	०	१८	५४

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
बृ.	०	१	८	२४
श.	०	१	१५	३६
बु.	०	१	१०	४८
के.	०	०	१६	४८
शु.	०	१	१८	०
र.	०	०	१४	२४
चं.	०	०	२४	०
मं.	०	०	१६	४८
रा.	०	१	१३	१२

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
श.	०	१	२४	६
बु.	०	१	१८	२७
के.	०	०	१९	५७
शु.	०	१	२७	०
र.	०	०	१७	६
चं.	०	०	२८	३०
मं.	०	०	१९	५७
रा.	०	१	२१	१८
बृ.	०	१	१५	३६

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
बु.	०	१	१३	२१
के.	०	०	१७	५१
शु.	०	१	२१	०
र.	०	०	१५	१८
चं.	०	०	२५	३०
मं.	०	०	१७	५१
रा.	०	१	१५	५४
बृ.	०	१	१०	४८
श.	०	१	१८	२७

अथ केत्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
के.	०	०	७	२१
शु.	०	०	२१	०
र.	०	०	६	१८
चं.	०	०	१०	३०
मं.	०	०	७	२१
रा.	०	०	१८	५४
बृ.	०	०	१६	४८
श.	०	०	१९	५७
बु.	०	०	१७	५१

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
शु.	०	२	०	०
र.	०	०	१८	०
चं.	०	१	०	०
मं.	०	०	२१	०
रा.	०	१	२४	०
बृ.	०	१	१८	०
श.	०	१	२७	०
बु.	०	१	२१	०
के.	०	०	२१	०

अथ विंशोत्तरीचन्द्रमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
चं.	०	०	२५	०
मं.	०	०	१७	३०
रा.	०	१	१५	०
बृ.	०	१	१०	०
श.	०	१	१७	३०
बु.	०	१	१२	३०
के.	०	०	१७	३०
शु.	०	१	२०	०
र.	०	०	१५	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
मं.	०	०	१२	१५
रा.	०	१	१	३०
बृ.	०	०	२८	०
श.	०	१	३	१५
बु.	०	०	२९	४५
के.	०	०	१२	१५
शु.	०	१	५	०
र.	०	०	१०	३०
चं.	०	०	१७	३०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	०	२	२१	०
बृ.	०	२	१२	०
श.	०	२	२५	३०
बु.	०	२	१६	३०
के.	०	१	१	३०
शु.	०	३	०	०
र.	०	०	२७	०
चं.	०	१	१५	०
मं.	०	१	१	३०

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ
बृ.	०	२	४	०
श.	०	२	१६	०
बु.	०	२	८	०
के.	०	०	२८	०
शु.	०	२	२०	०
र.	०	०	२४	०
चं.	०	१	१०	०
मं.	०	०	२८	०
रा.	०	२	१२	०

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ
श.	०	३	०	१५
बु.	०	२	२०	४५
के.	०	१	३	१५
शु.	०	३	५	०
र.	०	०	२८	३०
चं.	०	१	१७	३०
मं.	०	१	३	१५
रा.	०	२	२५	३०
बृ.	०	२	१६	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
बु.	०	२	१२	१५
के.	०	०	२९	४५
शु.	०	२	२५	०
र.	०	०	२५	३०
चं.	०	१	१२	३०
मं.	०	०	२९	४५
रा.	०	२	१६	३०
बृ.	०	२	८	०
श.	०	२	२०	४५

अथ केत्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ
के.	०	०	१२	१५
शु.	०	१	५	०
र.	०	०	१०	३०
चं.	०	०	१७	३०
मं.	०	०	१२	१५
रा.	०	१	१	३०
बृ.	०	०	२८	०
श.	०	१	३	१५
बु.	०	०	२९	४५

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि	घ
शु.	०	३	१०	०
र.	०	१	०	०
चं.	०	१	२०	०
मं.	०	१	५	०
रा.	०	३	०	०
बृ.	०	२	२०	०
श.	०	३	५	०
बु.	०	२	२५	०
के.	०	१	५	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
र.	०	०	६	०
चं.	०	०	१५	०
मं.	०	०	१०	३०
रा.	०	०	२७	०
बृ.	०	०	२४	०
श.	०	०	२८	३०
बु.	०	०	२५	३०
के.	०	०	१०	३०
शु.	०	१	०	०

अथ विंशोत्तरीभौममहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
मं.	०	०	८	३५
रा.	०	०	२२	३
बृ.	०	०	१९	३६
श.	०	०	२३	१६
बु.	०	०	२०	५०
के.	०	०	८	३४
शु.	०	०	२४	३०
र.	०	०	७	२१
चं.	०	०	१२	१५

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	०	१	२६	४२
बृ.	०	१	२०	२४
श.	०	१	२६	५१
बु.	०	१	२३	३३
के.	०	०	२२	३
शु.	०	२	३	०
र.	०	०	१८	५४
चं.	०	१	१	३०
मं.	०	०	२२	३

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
बृ.	०	१	१४	४८
श.	०	१	२३	१२
बु	०	१	१७	३६
के.	०	०	१९	३६
शु.	०	१	२६	०
र.	०	०	१६	४८
चं.	०	०	२८	०
मं.	०	०	१९	३६
रा.	०	१	२०	२४

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

	मा.	दि.	घ.	प
श.	२	३	१०	३०
बु.	१	२६	३१	३०
के.	०	२३	१६	३०
शु.	२	६	३०	०
र.	०	१९	५७	०
चं.	१	३	१५	०
मं.	०	२३	१६	०
रा.	१	२९	५१	०
बृ	१	२३	१२	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

	मा.	दि.	घ.	प.
बु.	१	२०	३४	३०
के.	०	२०	४९	३०
शु.	१	२६	३०	०
र.	०	१७	५१	०
चं.	०	२८	४५	०
मं.	०	२०	४९	३०
रा.	१	२३	३३	०
बृ.	१	१७	३६	०
श.	१	२६	३१	३०

अथ केत्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	मा.	दि.	घ.	प.
के.	०	८	३४	३०
शु.	०	२४	३०	०
र.	०	७	२१	०
चं.	०	१२	१५	०
मं.	०	८	३४	३०
रा.	०	२२	३	०
बृ.	०	१९	३६	०
श.	०	२३	१६	३०
बु.	०	२०	४९	३०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
शु.	०	२	१०	०
र.	०	०	२१	०
चं.	०	१	५	०
मं.	०	०	२४	३०
रा.	०	२	३	०
बृ.	०	१	२६	०
श.	०	२	६	३०
बु.	०	१	२९	३०
के.	०	०	२४	३०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
र.	०	०	६	१८
चं.	०	०	१०	३०
मं.	०	०	७	२१
रा.	०	०	१८	५४
बृ.	०	०	१६	४८
श.	०	०	१९	५७
बु.	०	०	१७	५१
के.	०	०	७	२१
शु.	०	०	२१	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
चं.	०	०	१७	३०
मं.	०	०	१२	१५
रा.	०	१	१	३०
बृ.	०	०	२८	०
श.	०	१	३	१५
बु.	०	०	२९	४५
के.	०	०	१२	१५
शु.	०	१	५	०
र.	०	०	१०	३०

अथ विंशोत्तरीराहुमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	०	४	२५	४८
बृ.	०	४	९	३६
श.	०	५	३	५४
बु.	०	४	१७	४२
के.	०	१	२६	४२
शु.	०	५	१२	०
र.	०	१	१८	३६
चं.	०	२	२१	०
मं.	०	१	२६	४२

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
बृ.	०	३	२५	१२
श.	०	४	१६	४८
बु.	०	४	२	२४
के.	०	१	२०	२४
शु.	०	४	२४	०
र.	०	१	१३	१२
चं.	०	२	१२	०
मं.	०	१	२०	२४
रा.	०	४	९	३६

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
श.	०	५	१२	२७
बु.	०	४	२५	२१
के.	०	१	२९	५१
शु.	०	५	२१	०
र.	०	१	२१	१८
चं.	०	२	२५	३०
मं.	०	१	२९	५१
रा.	०	५	३	५४
बृ.	०	४	१६	४८

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
बु.	०	४	१०	३
के.	०	१	२३	३३
शु.	०	५	३	०
र.	०	१	१५	५४
चं.	०	२	१६	३०
मं.	०	१	२३	३३
रा.	०	४	१७	४२
बृ.	०	४	२	२४
श.	०	४	२५	२१

अथ केत्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
के.	०	०	२२	३
शु.	०	२	३	०
र.	०	०	१८	५४
चं.	०	१	१	३०
मं.	०	०	२२	३
रा.	०	१	२६	४२
बृ.	०	१	२०	२४
श.	०	१	२९	५१
बु.	०	१	२३	३३

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
शु.	०	६	०	०
र.	०	१	२४	०
चं.	०	३	०	०
मं.	०	२	३	०
रा.	०	५	१२	०
बृ.	०	४	२४	०
श.	०	५	२१	०
बु.	०	५	३	०
के.	०	२	३	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
र.	०	०	१६	१२
चं.	०	०	२७	०
मं.	०	०	१८	५४
रा.	०	१	१८	३६
बृ.	०	१	१३	१२
श.	०	१	२१	१८
बु.	०	१	१५	५४
के.	०	०	१८	५४
शु.	०	१	२४	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
चं.	०	१	१५	०
मं.	०	१	१	३०
रा.	०	२	२१	०
बृ.	०	२	१२	०
श.	०	२	२५	३०
बु.	०	२	१६	३०
के.	०	१	१	३०
शु.	०	३	०	०
र.	०	०	२७	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
मं.	०	०	२२	३
रा.	०	१	२६	४२
बृ.	०	१	२०	२४
श.	०	१	२९	५१
बु.	०	१	२३	३३
के.	०	०	२२	३
शु.	०	२	३	०
र.	०	०	१८	५४
चं.	०	१	१	३०

अथ विंशोत्तरीगुरुमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
बृ.	०	३	१२	२४
श.	०	४	१	३६
बु.	०	३	१८	४८
के.	०	१	१४	४८
शु.	०	४	८	०
र.	०	१	८	२४
चं.	०	२	४	०
मं.	०	१	१४	४८
रा.	०	३	२५	१२

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
श.	०	४	२४	२४
बु.	०	४	९	१२
के.	०	१	२३	१२
शु.	०	५	२	०
र.	०	१	१५	३६
चं.	०	२	१६	०
मं.	०	१	२३	१२
रा.	०	४	१६	४८
बृ.	०	४	१	३६

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
बु.	०	३	२५	३६
के.	०	१	१७	३६
शु.	०	४	१६	०
र.	०	१	१०	४६
चं.	०	२	८	०
मं.	०	१	१७	३६
रा.	०	४	२	२४
बृ.	०	३	१८	४८
श.	०	४	९	१२

अथ केत्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
के.	०	०	१९	३६
शु.	०	१	२६	०
र.	०	०	१६	४८
चं.	०	०	२८	०
मं.	०	०	१९	३६
रा.	०	१	२०	२४
बृ.	०	१	१४	४८
श.	०	१	२३	१२
बु.	०	१	१७	३६

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
शु.	०	५	१०	०
र.	०	१	१८	०
चं.	०	२	२०	०
मं.	०	१	२६	०
रा.	०	४	२४	०
बृ.	०	४	८	०
श.	०	५	२	०
बु.	०	४	१६	०
के.	०	१	२६	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
र.	०	०	१४	२४
चं.	०	०	२४	०
मं.	०	०	१६	४८
रा.	०	१	१३	१२
बृ.	०	१	८	२४
श.	०	१	१५	३६
बु.	०	१	१०	४८
के.	०	०	१६	४८
शु.	०	१	१८	०

अथ चंद्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
चं.	०	१	१०	०
मं.	०	०	२८	०
रा.	०	२	१२	०
बृ.	०	२	४	०
श.	०	२	१६	०
बु.	०	२	८	०
के.	०	०	२८	०
शु.	०	२	२०	०
र.	०	०	२४	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
मं.	०	०	१९	३६
रा.	०	१	२०	२४
बृ.	०	१	१४	४८
श.	०	१	२३	१२
बु.	०	१	१७	३६
के.	०	०	१९	३६
शु.	०	१	२६	०
र.	०	०	१६	४८
चं.	०	०	२८	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	०	४	९	३६
बृ.	०	३	२५	१२
श.	०	४	१६	४८
बु.	०	४	२	२४
के.	०	१	२०	२४
शु.	०	४	२४	०
र.	०	१	१३	१२
चं.	०	२	१२	०
मं.	०	१	२०	२४

अथ विंशोत्तरीशनिमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
श.	०	५	२१	२८	३०
बु.	०	५	३	२५	३०
के.	०	२	३	१०	३०
शु.	०	६	०	३०	०
र.	०	१	२४	९	०
चं.	०	३	०	१५	०
मं.	०	२	३	१०	३०
रा.	०	५	१२	२७	०
बृ.	०	४	२४	२४	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
बु.	०	४	१७	१६	३०
के.	०	१	२६	३१	३०
शु.	०	५	११	३०	०
र.	०	१	१८	२७	०
चं.	०	२	२०	४५	०
मं.	०	१	२६	३१	३०
रा.	०	४	२५	३१	०
बृ.	०	४	९	१२	०
श.	०	५	३	२५	३०

अथ केत्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प
के.	०	०	२३	१६	३०
शु.	०	२	६	३०	०
र.	०	०	१९	५७	०
चं.	०	१	३	१५	०
मं.	०	०	२३	१६	३०
रा.	०	१	२९	५१	०
बृ.	०	१	२३	१२	०
श.	०	२	३	१०	३०
बु.	०	१	२६	३१	३०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ
शु.	०	६	१०	०
र.	०	१	२७	०
चं.	०	३	५	०
मं.	०	२	६	३०
रा.	०	५	२१	०
बृ.	०	५	२	०
श.	०	६	०	३०
बु.	०	५	११	३०
के.	०	२	६	३०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
र.	०	०	१७	६
चं.	०	०	२८	३०
मं.	०	०	१९	५७
रा.	०	१	२१	१८
बृ.	०	१	१५	३६
श.	०	१	२४	९
बु.	०	१	१८	२७
के.	०	०	१९	५७
शु.	०	१	२७	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
चं.	०	१	१७	३०
मं.	०	१	३	१५
रा.	०	२	२५	३०
बृ.	०	२	१६	०
श.	०	३	०	१५
बु.	०	२	२०	४५
के.	०	१	३	१५
शु.	०	३	५	०
र.	०	०	२८	३०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
मं.	०	०	२३	१६	३०
रा.	०	१	२९	५१	०
बृ.	०	१	२३	१२	०
श.	०	२	३	१०	०
बु.	०	१	२६	३१	३०
के.	०	०	२३	१६	३०
शु.	०	२	६	३०	०
र.	०	०	१९	५७	०
चं.	०	१	३	१५	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	०	५	३	५४
बृ.	०	४	१६	४८
श.	०	५	१२	२७
बु.	०	४	२५	२१
के.	०	१	२९	५१
शु.	०	५	२१	०
र.	०	१	२१	१८
चं.	०	२	२५	३०
मं.	०	१	२९	५१

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
बृ.	०	४	१	३६
श.	०	४	२४	२४
बु.	०	४	९	१२
के.	०	१	२३	१२
शु.	०	५	२	०
र.	०	१	१५	३६
चं.	०	२	१६	०
मं.	०	१	२३	१२
रा.	०	४	१६	४८

अथ विंशोत्तरीबुधमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
बु.	०	४	२	४९	३०
के.	०	१	२०	३४	३०
शु.	०	४	२४	३०	०
र.	०	१	१३	२१	०
चं.	०	२	१२	१५	०
मं.	०	१	२०	३४	३०
रा.	०	४	१०	३	०
बृ.	०	३	२५	३६	०
श.	०	४	१७	१६	३०

अथ केत्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
के.	०	०	२०	४६	३०
शु.	०	१	२९	३०	०
र.	०	०	१७	५१	०
चं.	०	०	२६	४५	०
मं.	०	०	२०	४६	३०
रा.	०	१	२३	३३	०
बृ.	०	१	१७	३६	०
श.	०	१	२६	३१	३०
बु.	०	१	२०	३४	३०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
शु.	०	५	२०	०
र.	०	१	२१	०
चं.	०	२	२५	०
मं.	०	१	२६	३०
रा.	०	५	३	०
बृ.	०	४	१६	०
श.	०	५	११	३०
बु.	०	४	२४	३०
के.	०	१	२६	३०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
र.	०	०	१५	१८
चं.	०	०	२५	३०
मं.	०	०	१७	५१
रा.	०	१	१५	५४
बृ.	०	१	१०	४८
श.	०	१	१८	२७
बु.	०	१	१३	२१
के.	०	०	१७	५१
शु.	०	१	२१	०

अथ-चंद्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
चं.	०	१	१२	३०
मं.	०	०	२६	४५
रा.	०	२	१६	३०
बृ.	०	२	८	०
श.	०	२	२०	४५
बु.	०	२	१२	१५
के.	०	०	२६	४५
शु.	०	२	२५	०
र.	०	०	२५	३०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
मं.	०	०	२०	४६	३०
रा.	०	१	२३	३३	०
बृ.	०	१	१७	३६	०
श.	०	१	२६	३१	३०
बु.	०	१	२०	३४	३०
के.	०	०	२०	४६	३०
शु.	०	१	२९	३०	०
र.	०	०	१७	५१	०
चं.	०	०	२६	४५	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	०	४	१७	४२
बृ.	०	४	२	२४
श.	०	४	२५	२१
बु.	०	४	१०	३
के.	०	१	२३	३३
शु.	०	५	३	०
र.	०	१	१५	५४
चं.	०	२	१६	३०
मं.	०	१	२३	३३

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
बृ.	०	३	१८	४८
श.	०	४	६	१२
बु.	०	३	२५	३६
के.	०	१	१७	३६
शु.	०	४	१६	०
र.	०	१	१०	४८
चं.	०	२	८	०
मं.	०	१	१७	३६
रा.	०	४	२	२४

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
श.	०	५	३	२५	३०
बु.	०	४	१७	१६	३०
के.	०	१	२६	३१	३०
शु.	०	५	११	३०	०
र.	०	१	१८	२७	०
चं.	०	२	२०	४५	०
मं.	०	१	२६	३१	३०
रा.	०	४	२५	२१	०
बृ.	०	४	६	१२	०

अथ विंशोत्तरीकेतुमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ केत्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
के.	०	०	८	३४	३०
शु.	०	०	२४	३०	०
र.	०	०	७	२१	०
चं.	०	०	१२	१५	०
मं.	०	०	८	३४	३०
रा.	०	०	२२	३	०
बृ.	०	०	१९	३६	०
श.	०	०	२३	१६	३०
बु.	०	०	२०	४९	३०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
शु.	०	२	१०	०
र.	०	०	२१	०
चं.	०	१	५	०
मं.	०	०	२४	३०
रा.	०	२	३	०
बृ.	०	१	२६	०
श.	०	२	६	३०
बु.	०	१	२९	३०
के.	०	०	२४	३०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
र.	०	०	६	१८
चं.	०	०	१०	३०
मं.	०	०	७	२१
रा.	०	०	१८	५४
बृ.	०	०	१६	४८
श.	०	०	१९	५७
बु.	०	०	१७	५१
के.	०	०	७	२१
शु.	०	०	२१	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
चं.	०	०	१७	३०
मं.	०	०	१२	१५
रा.	०	१	१	३०
बृ	०	०	२८	०
श.	०	१	३	१५
बु.	०	०	२९	४५
के.	०	०	१२	१५
शु.	०	१	५	०
र.	०	०	१०	३०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
मं.	०	०	८	३४	३०
रा.	०	०	२२	३	०
बृ.	०	०	१९	३६	०
श.	०	०	२३	१६	३०
बु.	०	०	२०	४९	३०
के.	०	०	८	३४	३०
शु.	०	०	२४	३०	०
र.	०	०	७	२१	०
चं.	०	०	१२	१५	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	०	१	२६	४२
बृ.	०	१	२०	२४
श.	०	१	२९	५१
बु.	०	१	२३	३३
के.	०	०	२२	३
शु.	०	२	३	०
र.	०	०	१८	५४
चं.	०	१	१	३०
मं.	०	०	२२	३

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
बृ.		१	१४	४८
श.	०		३	१२
बु.	०	१	१७	३६
के.	०	०	१९	३६
शु.	०	१	२६	०
र.	०	०	१६	४८
चं.	०	०	२८	०
मं.	०	०	१९	३६
रा.	०	१	२०	२४

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
श.	०	२	३	१०	३०
बु.	०	१	२६	३१	३०
के.	०	०	२३	१६	३०
शु.	०	२	६	३०	०
र.	०	०	१९	५७	०
चं.	०	१	३	१५	०
मं.	०	०	२३	१६	३०
रा.	०	१	२९	५१	०
बृ.	०	१	२३	१२	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.	प.
बु.	०	१	२०	३४	३०
के.	०	०	२०	४९	३०
शु.	०	१	२९	३०	०
र.	०	०	१७	५१	०
चं.	०	०	२९	४५	०
मं.	०	०	२०	४९	३०
रा.	०	१	२३	३३	०
बृ.	०	१	१७	३६	०
श.	०	१	२६	३१	३०

अथ विंशोत्तरीशुक्रमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
शु.	०	६	२०	०
र.	०	२	०	०
चं.	०	३	१०	०
मं.	०	२	१०	०
रा.	०	६	०	०
बृ.	०	५	१०	०
श.	०	६	१०	०
बु.	०	५	२०	०
के.	०	२	१०	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
र.	०	०	१८	०
चं.	०	१	०	०
मं.	०	०	२१	०
रा.	०	१	२४	०
बृ.	०	१	१८	०
श.	०	१	२७	०
बु.	०	१	२१	०
के.	०	०	२१	०
शु.	०	२	०	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
चं.	०	१	२०	०
मं.	०	१	५	०
रा.	०	३	०	०
बृ.	०	२	२०	०
श.	०	३	५	०
बु.	०	२	२५	०
के.	०	१	५	०
शु.	०	३	१०	०
र.	०	१	०	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
मं.	०	०	२४	३०
रा.	०	२	३	०
बृ.	०	१	२६	०
श.	०	२	६	३०
बु.	०	१	२९	३०
के.	०	०	२४	३०
शु.	०	२	१०	०
र.	०	०	२१	०
चं.	०	१	५	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
रा.	०	५	१२	०
बृ.	०	४	२४	०
श.	०	५	२१	०
बु.	०	५	३	०
के.	०	२	३	०
शु.	०	६	०	०
र.	०	१	२४	०
चं.	०	३	०	०
मं.	०	२	३	०

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
बृ.	०	४	८	०
श.	०	५	२	०
बु.	०	४	१६	०
के.	०	१	२६	०
शु.	०	५	१०	०
र.	०	१	१८	०
चं.	०	२	२०	०
मं.	०	१	२६	०
रा.	०	४	२४	०

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
श.	०	६	०	३०
बु.	०	५	११	३०
के.	०	२	६	३०
शु.	०	६	१०	०
र.	०	१	२७	०
चं.	०	३	५	०
मं.	०	२	६	३०
रा.	०	५	२१	०
बृ.	०	५	२	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
बु.	०	४	२४	३०
के.	०	१	२९	३०
शु.	०	५	२०	०
र.	०	१	२१	०
चं.	०	२	२५	०
मं.	०	१	२९	३०
रा.	०	५	३	०
बृ.	०	४	१६	०
श.	०	५	११	३०

अथ केत्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

	व.	मा.	दि.	घ.
के.	०	०	२४	३०
शु.	०	२	१०	०
र.	०	०	२१	०
चं.	०	१	५	०
मं.	०	०	२४	३०
रा.	०	२	३	०
बृ.	०	१	२६	०
श.	०	२	६	३०
बु.	०	१	२९	३०

अथाष्टोत्तरी सूर्यमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	०	०	०	०	०	०	०	४
दि.	६	१६	८	१८	११	२१	१३	२३	०
घ.	४०	४०	५३	५३	६	६	२०	२०	०
प.	०	०	२०	२०	४०	४०	०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	१	०	१	०	१	१	१	०	१०
दि.	११	२२	१७	२७	२२	३	२८	१६	०
घ.	४०	१३	१३	४६	४६	२०	२०	४०	०
प.	०	२०	२०	४०	४०	०	०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	०	०	०	०	१	०	०	५
दि.	११	२५	१४	२८	१७	१	८	२२	१०
घ.	५१	११	४८	८	४६	६	५३	१३	०
प.	६	६	५३	५३	४०	४०	२०	२०	०
वि.	४०	४०	२०	२०	०	०	०	०	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	१	१	१	१	२	०	१	०	११
दि.	२३	१	२९	७	६	१८	१७	२५	१०
घ.	३१	२८	४८	४६	६	५३	१३	११	०
प.	६	५३	५३	४०	४०	२०	२०	६	०
वि.	४०	२०	२०	०	०	०	०	४०	०

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	१	०	१	०	०	०	१	६
दि.	१८	५	२२	८	११	२७	१४	१	२०
घ.	३१	११	१३	५३	६	४६	४८	२८	०
प.	६	६	२०	२०	४०	४०	५३	५३	०
वि.	४०	४०	०	०	०	०	२०	२०	०

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	२	१	२	०	१	०	१	१	०
दि.	६	१२	१३	२१	२२	२८	२६	५	२०
घ.	५१	१३	५३	६	४६	८	४०	११	०
प.	६	२०	२०	४०	४०	५३	५३	६	०
वि.	४०	०	०	०	०	२०	२०	४०	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	१	०	१	०	१	०	१	८
दि.	२६	१६	१३	३	१७	७	२२	१२	०
घ.	४०	४०	२०	२०	४६	४६	१३	१३	०
प.	०	०	०	०	४०	४०	२०	२०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	२	०	१	१	२	१	२	१	२
दि.	२१	२३	२८	१	६	८	१३	१६	०
घ.	४०	२०	२०	६	६	५३	५३	४०	०
प.	०	०	०	४०	४०	२०	२०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथाष्टोत्तरी चन्द्रमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	३	१	३	२	४	२	४	१	१
दि.	१४	२५	२८	९	११	२३	२५	११	०
घ.	१०	३३	३	२६	५६	२०	५०	४०	०
प.	०	२०	२०	४०	४०	०	०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा	शु.	र.	चं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	०	२	१	२	१	२	०	१	१
दि.	२९	२	७	१०	१४	१७	२२	२५	१०
घ.	३७	५७	२	२२	२६	४६	१३	३३	०
प.	४६	४६	१३	१३	४०	४०	२०	२०	०
वि.	४०	४०	२०	२०	०	०	०	०	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	४	२	४	३	५	१	३	२	४
दि.	१३	१८	२९	४	१५	१७	२८	२	१०
घ.	४७	४२	३२	२६	१६	१३	३	५७	०
प.	४६	१३	१३	४०	४०	२०	२०	४६	०
वि.	४०	२०	२०	०	०	०	०	४०	०

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	१	२	१	३	०	२	१	२	४
दि.	१६	२७	२५	३	२७	९	७	१८	२०
घ	१७	५७	३३	१३	४६	२६	२	४२	०
प.	४६	४६	२०	२०	४०	४०	१३	१३	०
वि.	४०	४०	०	०	०	०	२०	२०	०

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	बृ.	रा	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	५	३	६	१	४	२	४	२	७
दि.	१७	१५	४	२२	११	१०	२९	२७	२०
घ.	७	३३	४३	४६	२६	२२	३२	५७	०
प.	४६	२०	२०	४०	४०	१३	१३	४६	०
वि.	४०	०	०	०	०	२०	२०	४०	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	रा.	शु	र.	च.	मं.	बु.	श.	बृ.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	२	३	१	२	१	३	१	३	८
दि.	६	२६	३	२३	१४	४	१५	१५	०
घ.	४०	४०	२०	२०	२६	२६	३३	३३	०
प.	०	०	०	०	४०	४०	२०	२०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	६	१	४	२	५	३	६	३	११
दि.	४०	२८	२५	१७	१५	७	४	२६	०
घ.	१०	२०	५०	४६	१६	१३	४३	४०	०
प.	०	०	०	४०	४०	२०	२०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	यो.
व	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	१	०	१	०	१	१	१	१०
दि.	१६	११	२२	१७	२७	२२	३	२८	०
घं.	४०	४०	१३	१३	४६	४६	२०	२०	०
प.	०	०	२०	२०	४०	४०	०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथाष्टोत्तरी भौममहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

प्र.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु	र.	चं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	१	०	१	०	१	०	०	७
दि.	१५	३	१९	७	२३	११	११	२६	३
घ.	४८	३४	४५	३१	४२	२८	५१	३७	२०
प.	८	४८	११	५१	१३	५३	६	४६	०
वि.	५३	५३	७	७	२०	२०	४०	४०	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

प्र.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	२	१	२	१	२	०	२	१	३
दि.	११	११	१९	२०	२८	२५	२	३	३
घ.	२१	५८	४५	२२	८	११	५७	३४	२०
प.	५८	३१	११	१३	५३	६	४६	४८	०
वि.	५३	७	७	२०	२०	४०	४०	५३	०

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

प्र.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	१	०	१	०	१	०	१	८
दि.	२४	१६	२६	२१	१४	७	१९	१९	२६
घ.	४१	५४	३७	११	४८	२	४५	५८	४०
प.	२८	४८	४६	६	५३	१३	११	३१	०
वि.	५३	५३	४०	४०	२०	२०	७	७	०

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

प्र.	बृ.	रा.	शु.	र.	च.	मं.	बु.	श.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	२	१	३	०	२	१	२	१	४
दि.	२६	२६	८	२८	१०	७	१९	१६	२६
घ.	८	१७	३१	८	२२	३१	४५	५४	४०
प.	८	४६	६	५३	१३	५१	११	४८	०
वि.	५३	४०	४०	२०	२०	७	७	५३	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

प्र.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	१	२	०	१	१	१	०	१	१०
दि.	५	२	१७	१४	२३	२०	२९	२६	२०
घ.	३३	१३	४६	२६	४२	२२	३७	१७	०
प.	२०	२०	४०	४०	१३	१३	४६	४६	०
वि.	०	०	०	०	२०	२०	४०	४०	०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

प्र.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	३	१	२	१	२	१	३	२	६
दि.	१८	१	१७	११	२८	२१	८	२	२०
घ.	५३	६	४६	२८	८	५१	३१	१३	०
प.	२०	४०	४०	५३	५३	६	६	२०	०
वि.	०	०	०	२०	२०	४०	४०	०	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

प्र.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	०	०	०	०	०	०	१	५
दि.	८	२२	११	२५	१४	२८	१७	१	१०
घ.	५३	१३	५१	११	४८	८	४६	६	०
प.	२०	२०	६	६	५३	५३	४०	४०	०
वि.	०	०	४०	४०	२०	२०	०	०	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

प्र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	१	०	२	१	२	१	०	०	१
दि.	२५	२९	२	७	१०	१४	१७	२२	१०
घ.	३३	३७	५७	२	२२	२६	४६	१३	०
प.	२०	४६	४६	१३	१३	४०	४०	२०	०
वि.	०	४०	४०	२०	२०	०	०	०	०

अथाष्टोत्तरी बुधमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	५	२	५	३	६	१	४	२	८
दि.	१	२९	१९	१७	७	२३	१३	११	३
घ.	३८	११	२८	२	१८	३१	४७	२१	२०
प.	८	५१	३१	१३	५३	६	१६	२८	०
वि.	५३	७	८	२०	२०	४०	४०	५३	०

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	१	३	२	३	१	२	१	२	६
दि.	२२	९	२	२०	१	१८	११	२९	२६
घ.	२८	४१	५७	११	२८	४२	५८	११	४०
प.	८	२८	४६	६	५३	१३	३१	५१	०
वि.	५३	५३	४०	४०	२०	२०	७	७	०

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	६	३	६	१	४	२	५	३	११
दि.	९	२९	२९	२९	२९	१९	१९	९	२६
घ.	२४	३९	२१	४८	३२	४५	२८	४१	४०
प.	४८	४६	६	५३	१३	११	३१	२८	०
वि.	५३	४०	४०	२०	२०	७	७	५३	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	२	४	१	३	१	३	२	३	१०
दि.	१५	१२	७	४	२०	१७	२	२९	२०
घ.	३३	१३	४६	२६	२२	२	५७	३७	०
प.	२०	२०	४०	४०	१३	१३	४६	४६	०
वि.	०	०	०	०	२०	२०	४०	४०	०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	३
मा.	७	२	५	२	६	३	६	४	३
दि.	२१	६	१५	२८	७	२०	२९	१२	२०
घ.	२३	६	१६	८	१८	११	२१	१३	०
प.	२०	४०	४३	५३	५३	६	६	२०	०
वि.	०	०	०	२०	२०	४०	४०	०	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	१	०	१	१	१	१	२	११
दि.	१८	१७	२५	२३	१	२९	७	६	१०
घ.	५३	१३	११	३१	२८	४८	४६	६	०
प.	२०	२०	६	६	५३	५३	४०	४०	०
वि.	०	०	४०	४०	२०	२०	०	०	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	३	२	४	२	४	३	५	१	४
दि.	२८	२	१३	२८	२९	४	१५	१७	२०
घ.	३	५७	१७	४२	३२	२६	१६	१३	०
प.	२०	४६	४६	१३	१३	४०	४०	२०	०
वि.	०	४०	४०	२०	२०	०	०	०	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	म.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	१	२	१	२	१	२	०	२	३
दि.	३	११	११	९	२०	२८	२५	२	३
व.	३४	२१	५८	४५	२२	८	११	५७	२०
प.	४८	२८	३१	११	१३	५३	६	६	०
व्रि.	५३	५३	७	७	२०	२०	४०	४०	०

अथाष्टोत्तरी शनिमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	१	१	१	२	०	१	०	१	११
दि.	०	२८	७	४	१८	१६	२४	२२	३
घ.	५१	३८	२	४८	३१	१७	४१	[illegible]	२०
प.	५१	३१	१३	५३	६	४६	२८	८	०
वि.	७	७	२०	२०	४०	४०	५३	५३	०

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	३	२	४	१	२	१	३	१	९
दि.	२१	१०	३	[illegible]	२७	१६	९	२८	३
घ.	२५	२२	८	११	५७	५४	४१	३८	२०
प.	११	१३	५३	[illegible]	४६	४८	२८	३१	०
वि.	७	२०	२०	४०	४०	५३	५३	७	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	१	२	०	१	०	२	१	२	१
दि.	१४	१७	२२	२५	२९	२	७	१०	१०
घ.	२६	४६	१३	३३	३७	५७	२	२२	०
प.	४०	४०	२०	२०	४६	४६	१३	१३	०
वि.	०	०	०	०	४०	४०	२०	२०	०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	१	३	१	३	२	४	२	११
दि.	४	८	७	२१	२०	४	३	१७	१०
घ.	१६	५३	१३	५०	११	४८	८	४६	०
प.	६	२०	२०	६	६	५३	५३	४०	०
वि.	४०	०	०	४०	४०	२०	२०	०	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	०	०	१	०	१	०	१	६
दि.	११	२७	१४	१	२८	५	२२	८	२०
घ.	६	४६	४८	२८	३१	११	१३	५३	०
प.	४०	४०	५३	५३	६	६	२०	२०	०
वि.	०	०	२०	२०	४०	४०	०	०	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	२	१	२	१	२	१	३	०	४
दि.	९	७	१८	१६	२७	२५	७	२७	२०
घ.	२६	२	४२	१७	५७	३३	१३	४६	०
प.	४०	१३	१३	४६	४६	२०	२०	४०	०
वि.	०	२०	२०	४०	४०	०	०	०	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	१	०	१	०	१	०	१	८
दि.	१९	११	२४	१६	२९	२१	१४	७	२६
घ.	४५	५८	४१	५४	३७	५१	४८	२	४०
प.	११	३१	२८	४८	४६	६	५३	१३	०
वि.	७	७	५३	५३	४०	४०	२०	२०	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	२	१	३	२	३	१	२	१	६
दि.	२९	२२	९	२	२०	१	१८	[illegible]	२६
घ.	[illegible]	२८	४१	५७	११	२८	४२	५८	४०
प.	२१	८	२८	४६	६	५३	१३	३१	०
वि.	७	५३	५३	४०	४०	२०	२०	७	०

अथाष्टोत्तरी गुरुमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	३
मा	७	४	७	२	५	२	६	३	४
दि	१	१३	२३	६	१७	२९	३	२१	३
घ.	४१	४२	५८	११	७	८	२४	२५	२०
प.	५१	१३	५३	६	४६	८	४८	११	०
वि.	७	२०	२०	४०	४०	५३	५३	७	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा	२	४	१	३	१	३	२	४	१
दि	२४	२७	१२	१५	२६	२९	१०	१३	१०
घ.	२६	४६	१३	३३	१७	३७	२२	४२	०
प.	४०	४०	२०	२०	४६	४६	१३	१३	०
वि.	०	०	०	०	४०	४०	२०	२०	०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	३
मा.	८	२	[illegible]	३	६	४	७	४	८
दि.	१८	१३	४	८	२९	३	२३	२७	१०
घ.	३६	५३	४३	३१	२१	८	५३	४६	०
प.	४०	२०	२०	६	६	५३	५८	४०	०
वि.	०	०	०	४०	४०	२०	२०	०	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	०	१	०	१	१	२	१	२	०
दि.	२१	२२	२८	२९	५	६	१२	१३	२०
घ.	६	४६	८	४८	११	५१	१३	५३	०
प.	४०	४०	५३	५३	६	६	२०	२०	०
वि.	०	०	२०	२०	४०	४०	०	०	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	चं.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा	शु.	र.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	४	२	४	२	२	३	६	१	७
दि.	११	१०	२९	२७	१७	१५	४	२२	२०
घ.	५६	२२	३२	५७	७	३३	४३	४६	०
प.	४०	१३	१३	४६	४६	२०	२०	४०	०
वि.	०	२०	२०	४०	४०	०	०	०	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	मं.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु.	र.	चं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	१	२	१	२	१	३	०	२	४
दि.	७	१९	१६	२९	२६	८	२८	१०	२६
घ.	३१	४५	५४	८	१७	३१	८	२२	४०
प.	५३	११	४८	८	४६	६	५३	१३	०
वि.	७	७	५३	५३	४०	४०	२०	२०	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	बु.	श.	वृ.	रा.	शु	र.	चं.	मं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	५	३	६	३	६	१	४	२	११
दि.	१९	९	९	२९	२९	२९	२९	१९	२६
घ.	२८	४१	२४	३७	२१	४८	३२	४५	४०
प.	३१	२८	४८	४६	६	५३	१३	११	०
वि.	७	५३	५३	४०	४०	२०	२०	७	०

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	श.	वृ.	रा.	शु	र.	चं.	मं.	बु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	१	३	२	४	१	२	१	३	९
दि.	२८	२१	१०	३	५	२७	१९	९	३
घ.	३८	२५	२२	८	११	५७	५४	४१	२०
प.	३१	११	१३	५३	६	४६	४८	२८	०
वि.	७	७	२०	२०	४०	४०	५३	५३	०

अथाष्टोत्तरी राहुमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	१	३	०	२	१	२	१	२	४
दि.	२३	३	२६	६	५	१५	१४	२४	०
घ.	२०	२०	४०	४०	३३	३३	२६	२६	०
प.	०	०	०	०	२०	२०	४०	४०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	५	१	३	२	४	२	४	३	४
दि.	१३	१६	२६	२	१२	१७	२७	३	०
घ.	२०	४०	४०	१३	१३	४६	४६	२०	०
प.	०	०	०	२०	२०	४०	४०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	१	०	१	२	१	०	१	८
दि.	१३	३	१७	७	२२	१२	२६	१६	०
घ.	१०	२०	४६	४६	१३	१३	४०	४०	०
प.	०	०	४०	४०	२०	२०	०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ चन्द्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	२	१	३	१	३	२	३	१	८
दि.	२३	१४	४	१५	१५	६	२६	३	०
घ.	२०	२६	२६	३३	३३	४०	४०	२०	०
प.	०	४०	४०	२०	२०	०	०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मा.	०	१	०	१	१	२	०	१	१०
दि.	२३	२०	२९	२६	५	२	१७	१४	२०
घ.	४२	२२	३७	१७	३३	१३	४६	२६	०
प.	१३	१३	४६	४६	२०	२०	४०	४०	०
वि.	२०	२०	४०	४०	०	०	०	०	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	३	२	३	२	४	१	३	१	१०
दि.	१७	२	२९	१५	१२	७	४	२०	२०
घ.	२	५७	३७	३३	१३	४६	२६	२२	०
प.	१३	४६	४६	२०	२०	४०	४०	१३	०
वि.	२०	४०	४०	०	०	०	०	२०	०

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	१	२	१	२	०	१	०	२	१
दि.	७	१०	१४	१७	२२	२५	२९	२	१०
घ.	२	२२	२६	४६	१३	३३	३७	५७	०
पं.	१३	१३	४०	४०	२०	२०	४६	४६	०
वि.	२०	२०	०	०	०	०	४०	४०	०

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	बृ.	रा.	शु	र.	चं.	मं.	बु.	श.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	४	२	४	१	३	१	३	२	१
दि.	१३	२४	२७	१२	१५	२६	२९	१०	१०
घ.	४२	२६	४६	१३	३३	१७	३७	२२	०
प.	१३	४०	४०	२०	२०	४६	४६	१३	०
वि.	२०	०	०	०	०	४०	४०	२०	०

अथाष्टोत्तरी शुक्रमहादशायामन्तरेषु सर्वेषां प्रत्यन्तराणि

अथ शुक्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	४
मा.	३	२	३	३	७	४	८	५	१
दि.	१५	२१	२४	१८	२१	१६	१६	१३	०
घ.	५०	४०	१०	५३	२३	६	३८	२०	०
प.	०	०	०	२०	२०	४०	४०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ सूर्यान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	र.	चं	मं	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	०	१	१	२	१	२	१	२	२
दि.	२३	२८	१	६	८	१३	१६	२१	०
घ.	२०	२०	६	६	५३	५३	४०	४०	०
प.	०	०	४०	४०	२०	२०	०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ चंद्रान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ	रा.	शु.	र.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	४	२	५	३	६	३	६	१	११
दि.	२५	१७	१५	७	४	२६	२४	२८	०
घ.	५०	४६	१६	१३	४३	४०	१०	२०	०
प.	०	४०	४०	२०	२०	०	०	०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ भौमान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	मं.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	१	२	१	३	२	३	१	२	६
दि.	११	२८	२१	८	२	१८	१	१७	२०
घ.	२८	८	५१	३१	१३	५३	६	४६	०
प.	५३	५३	६	६	२०	२०	४०	४०	०
वि	२०	२०	४०	४०	०	०	०	०	०

अथ बुधान्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	बु.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	३
मा.	६	३	६	३	७	२	५	२	३
दि.	१७	२०	२९	१२	२१	६	१५	२८	२०
घ.	१८	११	२१	१३	२३	३	१६	८	०
प.	५३	६	६	२०	२०	४०	४०	५३	०
वि.	२०	४०	४०	०	०	०	०	२०	०

अथ शन्यन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	श.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा.	२	४	२	४	१	३	१	३	११
दि.	४	३	१७	१६	८	७	२१	२०	१०
घ.	४८	८	४६	६	५३	५३	५१	११	०
प.	५३	५३	४०	४०	२०	२०	६	६	०
वि.	२०	२०	०	०	०	०	४०	४०	०

अथ गुर्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	बृ.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	३
मा.	७	४	८	२	६	३	६	४	८
दि.	२३	२७	१८	१३	४	८	२९	३	१०
घ.	५८	४६	३६	५३	४३	४१	२१	८	०
प.	५३	४०	४०	२०	२०	६	६	५३	०
वि.	२०	०	०	०	०	४०	४०	२०	०

अथ राह्वन्तरे प्रत्यन्तराणि

ग्र.	रा.	शु.	र.	चं.	मं.	बु.	श.	बृ.	यो.
व.	०	०	०	०	०	०	०	०	२
मा.	३	५	१	३	२	४	२	४	४
दि.	३	१३	१६	२६	२	१२	१७	२७	०
घ.	२०	२०	४०	४०	१३	१३	४६	४६	०
प.	०	०	०	०	२०	२०	४०	४०	०
वि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अथ मिश्रप्रकरणम्

तत्र प्राणपदसाधनप्रकारः—

घटी चतुर्गुणा कार्या तिथ्याप्तैश्च पलैर्युता।
शेषं पलाद्यं द्विगुणं स्पष्टभास्करसंयुतम्॥
सूर्ये चरादिराशिस्थे शून्यनागाब्धिसंयुतम्।
स्पष्टं प्राणपदं ज्ञेयमोजभावेऽङ्गशुद्धता॥

इष्ट काल की घटी को ४ से गुण कर १५ से विभाजित इष्टपल की लब्धि को गुणनफल में जोड़ दें। शेष पल को द्विगुण कर उसमें सूर्य की राशि तथा अंश क्रमशः जोड़ दें। तदनन्तर यदि सूर्य चर, स्थिर वा द्विस्वभाव राशि का हो तो क्रमशः ०,८,४ जोड़ देने से स्पष्ट प्राणपद होगा। यह प्राणपद यदि लग्न से विषम भाव में हो तो जन्मसमय शुद्ध समझना चाहिये।

जन्म लग्न के अंश तथा प्राणपद के अंश समान रहने से जन्मलग्न को शुद्ध माना जाता है। अतः यदि प्राणपद तथा लग्न के अंश समान न हों तो दोनों का अन्तर कर अंश का आधा इष्टकाल में (लग्न के अंश से प्राणपद के अंश अधिक या कम हो तो) घटाना या जोड़ना चाहिये। इस संस्कृत इष्टकाल पर से पुनः सूर्य, लग्न तथा प्राणपद बनाना चाहिये। नये इष्ट से साधित जन्मलग्न तथा प्राणपद के अंश समान आजाय, तब तो यह जन्मलग्न ठीक है। अन्यथा पुनः पूर्वप्रकार से अन्तर (लग्नांश तथा प्राणांशका) कर इष्टकाल में संस्कार कर उस पर से सूर्य लग्न तथा प्राणपद का साधन करें। इस प्रकार बार २ करने से प्राणपदांश तथा लग्नांश समान होंगे।

इष्टघटी १६।३० सूर्यः ३।७।१९।३५ लग्न ६।५।३७।५९ इष्ट घ. १६।३०॥ १६ × ४=६४ एवं ३० में १५ से भाग देने पर लब्ध २॥६४ + २=६६॥६६ + सूर्य= ६६ + ३।७।१९।३५=६९।७।१९।३५ सूर्य चरराशि का है अतः और कुछ नहीं जोड़ा गया। राशि स्थान में १२ से अधिक हैं। अतः १२ का भाग देने पर शेष राश्यादि ९।७।१९।३५ स्पष्ट प्राणपद हुआ।

लग्न तथा प्राणपद के अंश की समता के लिये पूर्वोक्त नियमानुसार गणित किया जाता है।

प्राणपद के अंशादि ७।१९।३५। लग्न के अंशादि ५।३७।५९। (७।१९।३५)-(५।३७।५९)=१।४१।३६ इसका आधा ०।५०।४८ पलादि हुआ। इष्ट घ. १६।३०—०।०।५०।४८=१६।२९।९।१२ नूतन इष्ट हुआ। इस पर से लग्न

६।५।३३।२५ सूर्य ३।७।१९।३५ प्राणपद ६।५।३७।५६।।(५।३७।५६)–(५।३३।२५)=०।४।३४ इसका आधा ०।२।१७ पलादि १६।२६।६।१२–०।०।२।१७=१६।२६।६।५५ नूतन इष्ट। इस पर से पुनः लग्नादि। लग्न ६।५।३३।१३ सूर्य ३।७।१६।३५ प्राणपद ६।५।३३।२५।।(५।३३।२५)–(५।३३।१३)=०।०।१२ इसका आधा ०।०।६ पलादि।

१६।२६।६।५५–०।०।०।६=१६।२६।६।४९ नूतन इष्ट। लग्न ६।५।३३।१३ सूर्य ३।७।१६।३५ प्राणपद ९।५।३३।१३ लग्न तथा प्राणपद के अंशादि समान बनने से यह १६।२६।६।४९ घट्यादि स्पष्ट इष्टकाल सिद्ध हुआ।

प्राणपद लग्न वा चन्द्र से त्रिकोण[1] में रहने से मनुष्य का जन्म माना जाता है, परन्तु यहाँ वैसा नहीं है। तथापि मनुष्य जन्म का इष्टकाल है।

प्राचीनाचार्योंने लग्न तथा प्राणपद में नवमांश की समता मानी है। उस: स्थिति में अंशादि समान रहे या न भी रहे तो भी उसे शुद्ध माना जाता है।

प्रकारान्तर से जन्मलग्न का विचार—

चन्द्रराश्याधिपो यत्र तत्त्रिकोणमथापि वा।
तत्सप्तमे त्रिकोणे वा संशये लग्ननिर्णयः॥

जन्म राशि का स्वामी जिस राशि पर हो वह राशि अथवा उससे त्रिकोण (५।९) राशि जन्म लग्न होगी। अथवा जन्मराशीश से सप्तम वा सप्तम से नवम पंचम राशि जन्म लग्न हो सकती है।

गुलिकेष्टसाधनः—

दिन में सूर्य से तथा रात्रि में गुरु से ७,६,५,४,३,२,१ क्रम से गुलिक के खण्ड समझना चाहिये।

दिन में गुलिक खण्ड							रात्रि में गुलिक खण्ड						
सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
७	६	५	४	३	२	१	३	२	१	७	६	५	४

दिन में दिनमान को दिन के गुलिक खण्ड से तथा रात्रि में रात्रिमान को रात्रि के गुलिक खण्ड से गुणकर आठ का भाग देने से गुलिक का इष्टकाल होगा। उस पर से लग्न साधन की रीति से लग्न साधन करने पर गुलिक होगा। गुरुवार के दिन इष्ट १६।३० दिनमान ३३।१६ सूर्य ३।७।। (३३।१६)×३=

1 त्रिकोण पद से नवम पंचम लिया जाता है, परन्तु पाराशरी में लग्न भी त्रिकोण माना गया है।

६६।४८॥ (६६।४८) को ८ से भाग देने पर लब्ध १२।२८ गुलिकेष्ट हुआ। इस पर से लग्न ५।१३ यह गुलिक सिद्ध हुआ।

होरा लग्न साधनः—

द्विघ्नेष्टनाड्यः पंचाप्ता भं शेषञ्च पलीकृतम्।
दशाप्तमंशास्ते युक्ता रवौ होरोदयो[1] भवेत् ॥

इष्ट घटी को २ से गुणकर ५ का भाग देने से लब्ध राशि होगी। शेष को पलात्मक कर उसमें १० का भाग देने से अंशादि फल होगा। इस राशि अंश को सूर्य में जोड़ने से होरालग्न सिद्ध होता है।

इष्ट घटी १६।३०॥(१६।३०)×२=३३॥३३ इसमें ५ का भाग देने से लब्ध ६ राशि शेष ३ के पल १८० में १० का भाग देने से अंश १८।

(६।१८)+३।७।१६।३५।=६।२५।१६।३५। होरालग्न हुआ।

अथ स्थिर कारकः—

लग्नादि द्वादश भावों के स्थिर कारक क्रमशः सूर्य[1]। गुरु[2]। मंगल[3]। चन्द्र[4] तथा बुध। गुरु[5]। शनि[6] तथा मंगल। शुक्र[7]। शनि[8]। सूर्य[9] तथा गुरु। सूर्य गुरु[10] तथा शनि। गुरु[11]। शनि[12]।

अथ चर कारकः—

स्पष्टग्रहों में जिस ग्रह के अंश (राशि रहित) सर्वाधिक होंगे वह आत्मा कारक, इसके बाद उत्तरोत्तर अल्प अंशवाले ग्रह क्रमशः अमात्य, भ्राता, माता तथा पिता, पुत्र, ज्ञाति तथा स्त्री के चरकारक होंगे।

कारकांश कुंडली



अथ कारकांशलग्न विचार

आत्मा कारक ग्रह जिस नवमांश पर हो वह कारकांश कुण्डली में लग्न होगा। तदनन्तर सर्व ग्रह अपनी-अपनी राशि में रखने से कारकांश कुण्डली तैयार होगी।

---

१ विषमेऽङ्के रवौ योज्यं समऽङ्के लग्नभादिषु।

कुछ आचार्यों का मत है कि ऊपर लिखे श्लोक से प्राप्तफल लग्नविषम-राशि का हो तो रवि में जोड़ना और लग्न समराशि का हो तो लब्धफल लग्न के राशि अंशादि में जोड़ने से होरा लग्न होगा।

प्रकृत उदाहरण में चरकारकग्रह का चक्र :—

आत्मा,	अमात्य,	भ्राता,	(माता तथा पिता),	पुत्र,	ज्ञाति	स्त्री
चंद्र,	शुक्र,	मंगल,	सूर्य,	शनि,	गुरु,	बुध

चन्द्र कन्या के नवमांश में है अतः कारकांश लग्न कन्या रहेगा।

ग्रहों की बालादि अवस्था :—

एक राशि के ३० अंश में बाल, कुमार, युवा, वृद्ध, मृत ये ५ अवस्थाएँ विषम राशि में रहती हैं। अर्थात् एक अवस्था में ६ अंश रहते हैं। आरंभ से ६ अंश तक बाल, उसके बाद के ६ अंश तक कुमार इत्यादि अवस्था रहती है। इससे विपरीत समराशि में रहती है। समराशि में मृत, वृद्ध युवा, कुमार, बाल ये ५ अवस्थाएँ आरंभ से रहती हैं। अंशादि गणना विषम राशि की तरह ही करनी चाहिये। इसका स्पष्टीकरण नीचे कोष्ठक में दिया गया है।

अवस्था संबंधी कोष्ठक :—

बाल	कुमार	युवा	वृद्ध	मृत	विषम राशि
१–६	७–१२	१३–१८	१६–२४	२५–३०	अंश
मृत	वृद्ध	युवा	कुमार	बाल	सम राशि

दीप्तादि अवस्था :—

दीप्त, स्वस्थ, हास्ययुक्त, शान्त, शक्त, लुप्त, दीन, पीड़ित ये आठ अवस्थाएँ ग्रहों की रहती हैं। अपनी उच्च राशि में रहा हुआ ग्रह दीप्त १, अपनी राशि में स्वस्थ २, मित्र राशि में हास्य युक्त ३, शुभ ग्रहों के वर्ग में रहा हुआ ग्रह शांत ४, बलवान् हो तो शक्त ५, अस्त हो तो लुप्त ६, नीच राशि में हो तो दीन ७, शत्रु राशि अथवा पाप ग्रह की राशि में हो तो पीड़ित ८ कहलाता है।

पारिजातादि वर्ग :—

पारिजात, उत्तम, गोपुर, सिंहासन, पारावत, देवलोक, अमर लोक, ऐरावत, वैशेषिक ये ग्रहों के ९ वर्ग होते हैं। दशवर्ग साधन में जो ग्रह मूल त्रिकोण, स्वराशि, उच्चराशि तथा वर्गोत्तम इत्यादि शुभ वर्ग में हो और उन शुभ वर्गों का योग २ हो तो पारिजात, ३ हो तो उत्तम, ४ गोपुर, ५ सिंहासन, ६ पारावत,

७ देवलोक, ८ अमरलोक, ९ ऐरावत तथा १० हो तो वैशेषिकांश वर्गसंज्ञा होती है।

दक्षिण गोलार्ध का लग्न साधन :—

दक्षिण अक्षांश वाले देश के लग्न साधन के लिए सूर्य में ६ राशि जोड़कर उसे सूर्य समझना चाहिये। और इस सूर्य तथा इष्ट घटी पर से द्वितीय भाग में दी हुई अपने अभीष्ट स्थान के अक्षांश की लग्न सारिणी द्वारा लग्न साधन करना चाहिये। वह ७ लग्न होगा। उसमें ६ राशि मिलाने से लग्न होगा।

उदाहरण :—डरबन दक्षिण अक्षांश २९।५२ हैं। यदि इष्टकाल १०।५ तथा सूर्य २।१५ माना जाय तो सूर्य में ६ राशि मिलने से सूर्य ८।१५ हुआ। इस सूर्य का ३० अक्षांश की सारिणी से फल ४८।५० मिला। इसमें इष्ट घ. १०।५ जोड़ने से लग्न फल ५८।५५ हुआ। इस पर से लग्न १०।२७ है। इसमें ६ राशि घटाने से स्पष्ट लग्न ४।२७ सिद्ध हुआ। सारिणी पर से लग्न साधन का क्रम द्वितीय भाग में देंगे।

सारिणी द्वारा स्पष्ट लग्न साधन :—

भारत के कतिपय नगरों की सायनलग्नसारिणीयां आगे दी जा रही हैं। उनके द्वारा स्पष्ट लग्न का साधन अति सरलता से हो सकेगा। सारिणी के दो भाग हैं एक से राशि अंश द्वारा फल लिया जाता है। और दूसरे भाग से कला विकला सम्बन्धी फल मिलता है। सायन सूर्य की राशि अंश द्वारा लब्ध फल घट्यादि कला सम्बन्धी फल पलादि तथा कला सारिणी से ही विकला द्वारा लब्ध फल विपलादि रहता है। इन तीनों फलों के योग में इष्ट घटी पल जोड़कर वह फल जिस कोष्ठक में मिले उसके संमुख की राशि के अंश अलग रख देने चाहिये। योग फल के बराबर वा अल्प घटी पल वाला कोष्ठक लेना चाहिये। योगफल में कोष्ठक की घटी पल घटाकर शेष पल पूर्व लब्ध राशि की कला विकला सारिणी में जिस कोष्ठक में मिले वह कला तथा पूर्ववत् शेषफल में कोष्ठक के पल घटाकर शेष विपल होंगे। वह विपल उसी कला सारिणी में जहाँ मिले वह विकला होगी। इस प्रकार राशि अंश कला विकला सायन स्पष्ट लग्न होगा। इसमें अयनांश घटाने से निरयन लग्न होगा।

उदाहरण :—सायन सूर्य ४।०।२६।५१ इष्ट घटी १६।३० पलभा ५।३० की सारिणी से पूर्वोक्त नियमानुसार गणित किया जाता है। सायन सूर्य सिंह राशि के ० अंश पर है।

अतः फल घट्यादि		१८।४४।०
	३६ कला संबंधी पलादि	६।५१।३६
	५१ विकला संबंधी विपलादि	९।४३।६
तीनों फलों का योग =		१८।५१। १।१९।६
इष्ट घटी पल		+ १६।३०
		३५।२१। १।१९।६

३५।२१।१।१९।६ यह योग फल ५।३० पलभा की लग्न सारिणी में तुला राशि के २८ अंश के फल ३५।१०।४८ से अधिक है। अतः इसी को योगफल में घटाया तब शेष पलादि १०।१३।१९।६ इसमें तुला राशि की कला विकला सारिणी की ५५ कला के पलादि १०।१०।३० को घटाया तब शेष विपलादि २।४९।६ से उसी सारिणी द्वारा १५ विकला लब्ध हुई। अतः सायनलग्न ६।२८।५५।१५ हुआ। इसमें अयनांश २३।१७।१६ घटाने से निरयनलग्न ६।५।३७।५९ प्राप्त हुआ।

सारिणी द्वारा स्पष्ट दशम लग्न साधन :—

दशम लग्न का साधन लग्न की तरह ही किया जाता है। इसमें इष्ट की जगह पूर्व वा पश्चिम नत लिया जाता है। सायन सूर्य के राशि अंश कला तथा विकला द्वारा लब्ध फल में पूर्व नत घटी घटानी चाहिये तथा पश्चिम नत घटी जोड़नी चाहिये। तदनन्तर शेष क्रिया लग्न साधन की तरह करनी चाहिये।

उदाहरण :—सायनसूर्य ४।०।३६।५१ पूर्वनत घटी ०।८ दशम लग्न सारिणी द्वारा सायन सूर्य से लब्ध फल इस प्रकार है।

२०।२३।०	सायन सूर्य की राशि अंश से लब्ध फल घट्यादि।
५।५८।४८	कला ३६ संबंधी फल
८।२८।१८	विकला ५१ संबंधी फल
२०।२९। ७।१६।१८	= तीनों फलों का योग
—। ८।	= पूर्वनत पल

२०।२१ ७।१६।१८ = यह पूर्व नत घटाने से शेष बचा। इसमें कर्क राशि के २९ अंश का फल २०।१२।१४ घटाने से शेष पलादि ८।५३।१६।१८ कर्क राशि की कला सारिणी से ४९ कला सम्बन्धी फल ८।४७।३४ घटाने से शेष विपलादि ५।४२।१८ उसी सारिणी से शेष विपलादि सम्बन्धी विकला ३२ प्राप्त हुई। अतः सायन स्पष्ट दशम लग्न ३।२९।४९।३२ हुआ। इसमें २३।१७।१६ अयनांश घटाने से निरयन स्पष्ट दशम लग्न ३।६।३२।१६ सिद्ध हुआ।

अक्षांश २४।४० पलभा ५।३० आबू, उदयपुर, गया, करांची । स्पष्ट लग्न साधक सारिणी

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग-
० मेष	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	०
	७	७	१४	२२	२९	३७	४४	५२	५९	६	१४	२१	२९	३६	४४	५१	५८	६	१३	२१	२८	३६	४३	५०	५८	५	१३	२०	२८	३५	७
	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	२६
१ वृषभ	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	०
	४३	५१	०	८	१७	२५	३४	४२	५१	५९	८	१६	२५	३३	४२	५०	५९	७	१६	२४	३३	४१	५०	५८	७	१५	२४	३२	४१	४९	८
	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	३०
२ मिथुन	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	०
	५८	८	१८	२८	३८	४८	५९	९	१९	२९	३९	४९	०	१०	२०	३०	४०	५०	१	११	२१	३१	४१	५१	२	१२	२२	३२	४२	५२	१०
	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	१०
३ कर्क	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	०
	३	१४	२५	३७	४८	५९	११	२२	३३	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	४	१६	२७	३८	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	९	२१	३२	११
	०	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	२२
४ सिंह	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	०
	४४	५५	६	१८	२९	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९	१	१२	२४	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	६	१८	२९	४१	५२	४	१५	११
	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	२६
५ कन्या	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	०
	२७	३८	४९	०	११	[illegible]	३३	४४	५५	६	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	११
	०	६	१२	[illegible]	[illegible]	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	६

अक्षांश २४।४० पलमा ५।३० आबू, उदयपुर, गया, करांची । स्पष्ट लग्न साधक सारिणी

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	०
	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	११
	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	६
७ वृश्चिक	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	२७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	०
	३३	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	११
	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	२६
८ धन	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	०
	१६	२७	३८	५०	१	१२	२४	३५	४६	५८	९	२१	३२	४३	५५	६	१७	२९	४०	५१	३	१४	२६	३७	४८	०	११	२२	३३	४५	११
	०	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	२२
९ मकर	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	०
	५७	७	१७	२७	३७	४७	५८	८	१८	२८	३८	४८	४९	९	१९	२९	३९	४९	०	१०	२०	३०	४०	५०	१	११	२१	३१	४१	५१	१०
	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	१०
१० कुंभ	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	०
	२	१०	१९	२७	३६	४४	५३	१	१०	१८	२७	३५	४४	५२	१	९	१८	२६	३५	४३	५२	०	९	१७	२६	३४	४३	५१	०	८	८
	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	३०
११ मीन	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५४	०
	१७	२४	३१	३९	४६	५४	१	९	१६	२३	३१	३८	४६	५३	१	८	१५	२३	३०	३८	४५	५३	०	७	१५	२२	३०	३७	४५	५२	७
	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	२६

आयु कला विकला साधक सारिणी

कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	०
मेष	७	१४	२२	२९	३७	४४	५२	५९	६	१४	२१	२९	३६	४४	५१	५८	६	१३	२१	२८	३६	४३	५०	५८	५	१३	२०	२८	३५	४३	७
	२६	५२	१८	२४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
११	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	०
मीन	५०	५७	५	१२	२०	२७	३५	४२	४९	५७	४	१२	१९	२७	३४	४१	४९	५६	४	११	१९	२६	३३	४१	४८	५६	३	११	१८	२६	७
	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६

कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
१	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	०
वृषभ	८	१७	२५	३४	४२	५१	५९	८	१६	२५	३३	४२	५०	५९	७	१६	२४	३३	४१	५०	५८	७	१५	२४	३२	४१	४९	५८	६	१५	८
	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	३०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
१०	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	०
कुम्भ	२३	३२	४०	४९	५७	६	१४	२३	३१	४०	४८	५७	५	१४	२२	३१	३९	४८	५६	५	१३	२२	३०	३९	४७	५६	५	१३	२१	३०	८
	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०

कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
२	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	०
मिथुन	१०	२०	३०	४०	५०	१	११	२१	३१	४१	५१	२	१२	२२	३२	४२	५२	३	१३	२३	३३	४३	५३	४	१४	२४	३४	४५	५५	५	१०
	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
९	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	०
मकर	१५	२५	३५	४५	५५	६	१६	२६	३६	४६	५६	७	१७	२७	३७	४७	५७	८	१८	२८	३८	४८	५८	९	१९	२९	३९	४९	५९	१०	१०
	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०

आबू कला विकला साधक सारिणी

कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
३	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	४	०
कर्क	११	२२	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३२	४४	५५	६	१८	२९	४१	११
	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	०	२२
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
८	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	०
धन	५२	३	१८	२६	३७	४९	१	११	२३	३४	४६	५७	८	१०	३१	४२	५४	५	१६	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२२	११
	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	०	२२
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
४	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
सिंह	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१	२	१४	२५	३७	४८	०	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	११
	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
७	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	०
वृश्चिक	५४	५	१७	२८	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	४०	५१	३	१४	२६	११
	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
५	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	०
कन्या	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३३	११
	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
६	५	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	०
तुला	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	६	११
	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	५८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६

अक्षांश १८।५७ पलभा ४।७ बम्बई, पनवेल, अहमदनगर स्पष्ट लग्न साधक सारिणी

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	०
	०	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	७
	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	५४
१ वृषभ	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	०
	५७	५	१४	२३	३२	४१	५०	५९	७	१६	२५	३४	५३	५२	१	१०	१९	२७	३६	४५	५४	२	१२	२०	२९	३८	४७	५६	५	१४	८
	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	२०	३१	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	५२
२ मिथुन	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	०
	२३	३३	४३	५३	४	१४	२४	३५	४५	५५	६	१६	२६	३६	४७	५७	७	१८	२८	३८	४९	५९	९	१९	३०	४०	५०	१	११	२१	१०
	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	१८
३ कर्क	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	०
	३२	४३	५४	५	१६	२८	३९	५०	१	१३	२४	३५	४६	५८	९	२०	३१	४२	५४	५	१६	२७	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	११
	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	१४
४ सिंह	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	०
	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	११
	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	४
५ कन्या	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	०
	४१	५१	२	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३७	४८	५९	९	२०	३१	४१	५२	३	१३	२४	३४	४५	५६	६	१७	२९	३८	४९	१०
	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	४४	२२	३८

अक्षांश १८।५७ पलभा ४।७ बम्बई, पनवेल, अहमदनगर स्पष्ट लग्न साधक सारिणी

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग-
६ तुला	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	०
	०	१०	२१	३१	४२	५३	३	१४	२५	३५	४६	५६	७	१८	२८	३९	५०	०	११	२२	३२	४३	५३	४	१५	२५	३६	४७	५७	८	१०
	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	४४	२२	३८
७ वृश्चिक	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	०
	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	५	१६	२७	३८	४९	०	११	१२	२३	४४	५५	६	१७	२८	३९	११
	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	४
८ धन	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	०
	५१	२०	१३	२४	३५	४७	५८	९	२०	३२	४३	५४	५	१७	२८	३९	५०	१	१३	२४	३५	४६	५८	९	२०	३१	४३	५४	५	१६	११
	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	१४
९ मकर	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	०
	२८	३८	४८	५८	९	१९	२९	४०	५०	०	११	२१	३१	४१	५२	२	१२	२३	३३	४३	५४	४	१४	२४	३५	४५	५५	६	१६	२६	१०
	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	१८
१० कुम्भ	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	०
	३७	४५	५४	३	१२	२१	३०	३९	४७	५६	५	१४	२३	३२	४१	५०	५८	७	१६	२५	३४	४३	५२	०	९	१८	२७	३६	४५	५४	८
	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	५२
११ मीन	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
	३	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	२४	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	७
	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	५४

बम्बई की कला विकला साधक सारिणी

कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	४	०
	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	७
मेष	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	४२	३६	२४	३०	१८	१२	६	०	५४
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
११	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	०
	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२७	३५	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	७
मीन	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	०
	८	१७	२६	३५	४४	५३	२	१०	१९	२८	३७	४६	५५	४	१३	२१	३०	३९	४८	५७	६	१५	२३	३२	४१	५०	५९	८	१७	२६	८
वृषभ	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	०	५२
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
१०	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	०
	३४	४३	५२	१	१०	१९	२८	३६	४५	५४	३	१२	२१	३०	३९	४७	५६	५	१४	२३	३२	४१	४९	५८	७	१६	२५	३४	४३	५२	८
कुम्भ	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	०	५२
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
२	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	०
	१०	२०	३०	४१	५१	१	१२	२२	३२	४३	५३	३	१३	२४	३४	४४	५५	५	१५	२६	३६	४६	५६	७	१७	२७	३८	४८	५८	९	१०
मिथुन	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
०	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	०
	१९	२९	३९	५०	०	१०	२१	३१	४१	५२	२	१२	२२	३३	४३	५३	४	१४	२४	३५	४५	५५	५	१६	२६	३६	४७	५७	७	१८	१०
मकर	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४७	६	२४	४२	०	१८

बम्बई की कला विकला साधक सारिणी

कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
३	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
कर्क	११	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९	४१	५२	३	१४	२६	३७	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५२	३	१४	२५	३७	११
	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
८	५	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	०
धन	४८	५९	१०	२१	३३	४४	५५	६	१८	२९	४०	५१	३	१४	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३२	४४	५५	६	१७	२९	४०	५१	२	१४	११
	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
४	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	०
सिंह	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३२	११
	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
७	५	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	१
वृश्चिक	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	४	११
	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
५	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	०
कन्या	१०	२१	३१	४२	५३	३	१४	२५	३५	४६	५६	७	१८	२८	३९	५०	०	११	२२	३२	४३	५३	४	१५	२५	३६	४७	५७	८	१९	१०
	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	४४	२२	०	३८
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
६	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	०
तुला	२९	४०	५०	१	१२	२२	३३	४४	५४	५	१५	२६	३७	४७	५८	९	१९	३०	४१	५१	२	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३८	१०
	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	४४	२२	०	३८

अक्षांश २३।२ पलभा ५।६ अमदाबाद स्पष्ट लग्न साधक सारिणी
उज्जैन, इन्दौर, विरमगाम, मोरवी, मांडवी, अंजार (कच्छ) कलकत्ता, जबलपुर, अकोर, दाहोद, धांगध्रा, नडीआद, भोपाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	०	०	०	०	७	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	०
	०	७	१५	२२	३०	३७	४५	५२	०	८	१५	२३	३०	३८	४५	५३	१	८	१६	२३	३१	३८	४६	५४	१	९	१६	२४	३१	३९	७
	०	३४	८	४२	१६	५०	२४	५८	३२	६	४०	१४	४८	२२	५६	३०	४	३८	१२	४६	२०	५४	२८	२	३६	१०	४४	१८	५२	१६	३४
१ वृषभ	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	०
	४७	५५	४	१२	२१	३०	३८	४७	५५	४	१३	२१	३०	३८	४७	५६	४	१३	२१	३०	३८	४७	५६	४	१३	२२	३०	३९	४७	५६	८
	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	३६
२ मिथुन	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	७
	५	१५	२५	३५	४५	५६	६	१६	२६	३६	४७	५७	७	१७	२७	३८	४८	५८	८	१८	२९	३९	४९	५९	९	२०	३०	४०	५०	०	१०
	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	१२
३ कर्क	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	०
	११	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४१	५३	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२३	३५	४६	५७	९	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	३९	११
	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	२०
४ सिंह	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	०
	५१	२	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	२९	४१	५२	३	१५	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४५	५७	८	१९	११
	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	२०
५ कन्या	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	०
	३१	४१	५२	६	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	३९	१०
	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	५८

अक्षांश २३।२ पलभा ५।६ अमदाबाद स्पष्ट लग्न साधक सारिणी

उज्जैन, इन्दौर, विरमगाम, राजकोट, मोरबी, मांडवी, अंजार (कच्छ) कलकत्ता, जबलपुर, डाकोर, दाहोद, धांगध्रा, नडीआद, भोपाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	२४	३४	३५	३५	०
	०	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	१०
	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३६	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	५८
७ वृश्चिक	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	०
	२९	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	५९	११	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४१	५३	४	१५	२६	३७	४८	१	१२	२३	३५	४६	५७	११
	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	२०
८ धन	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	०
	९	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	२९	४१	५२	३	१५	२६	३७	११
	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	२०
९ मकर	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	०
	४९	५९	९	१९	२९	४०	५०	०	१०	२०	३१	४१	५१	१	११	२२	३२	४२	५२	२	१३	२३	३३	४३	५३	४	१४	२४	३४	४४	१०
	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	१२
१० कुम्भ	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	०
	५५	३	१२	२०	२९	३८	४६	५५	३	१२	२१	२९	३८	४६	५५	४	१२	२१	२९	३८	४७	५५	४	१२	२१	३०	३८	४७	५५	४	८
	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	३६
११ मीन	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
	१३	२०	२८	३५	४३	५०	५८	५	१३	२१	२८	३६	४३	५१	५८	६	१४	२१	२९	३६	४४	५१	५९	७	१४	२२	२९	३७	४४	५२	७
	०	३४	८	४२	१६	५०	२४	५८	३२	६	४०	१४	४८	२२	५६	३०	४	३८	१२	४६	२०	५४	२८	२	३६	१०	४४	१८	५२	२६	३४

अमदाबाद कला विकला साधक सारिणी

कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	२	०
मेष	७	१५	२२	३०	३७	४५	५२	०	८	१५	२३	३०	३८	४५	५३	१	८	१६	२३	३१	३८	४६	५४	१	९	१६	२४	३१	३९	४७	७
	३४	८	४२	१६	५०	२४	५८	३२	६	४०	१४	४८	२२	५६	३०	४	३८	१२	४६	२०	५४	२८	२	३६	१०	४४	१८	५२	२६	०	३४
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
११	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	०
मीन	५४	२	९	१७	२४	३२	३९	४७	५५	२	१०	१७	२५	३२	४०	४८	५५	३	१०	१८	२५	३३	४१	४८	५६	३	११	१८	२६	३४	७
	३४	८	४२	१६	५०	२४	३८	३२	६	४०	१४	४८	२२	५६	३०	४	३८	१२	४६	२०	२४	२८	२	३६	१०	४४	१८	५२	२६	०	३४
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	०
वृषभ	८	१७	२५	३४	४३	५१	०	८	१७	२६	३४	४३	५१	०	९	१७	२६	३४	४३	५२	०	९	१७	२६	३५	४३	५२	०	९	१८	८
	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
१०	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	०
कुम्भ	२६	३५	४३	५२	१	९	१८	२६	४५	४४	५२	१	९	१८	२७	३५	४४	५२	१	१०	१८	२७	३५	४४	५३	१	१०	१८	२७	३६	८
	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
२	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	०	०
मिथुन	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२१	३१	४२	५२	२	१२	२२	३३	४३	५३	३	१३	२४	३४	४४	५४	४	१५	२५	३५	४५	५५	६	१०
	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	५	१२
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
९	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	०
मकर	१६	२६	३६	४६	५७	७	१७	२७	३७	४८	५८	८	१८	२८	३९	४९	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	१०	२१	३१	४१	५१	१	१२	१०
	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२

अमदाबाद कला विकला साधक सारिणी

कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
३	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
कर्क	११	२२	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	४	१६	२७	३८	५०	१	१२	२४	३५	४६	५८	९	२०	३२	४३	५४	६	१७	२८	४०	११
	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
८	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	०
धन	५१	२	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५६	७	१८	३०	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९	०	१२	२३	३४	४६	५७	८	२०	११
	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०

कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
४	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
सिंह	११	२२	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	४	१६	२७	३८	५०	१	१२	२४	३५	४६	५८	९	२०	३२	४३	५४	६	१७	२८	४०	११
	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
७	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	०
वृश्चिक	५१	२	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५६	७	१८	३०	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९	०	१२	२३	३४	४६	५७	८	२०	११
	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०

कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
५	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	०
कन्या	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	१०
	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
६	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	०
तुला	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	१०
	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८

सूरत अक्षांश २१।१२ पलभा ४।३९ स्पष्ट लग्न साधक सारिणी

नागपुर, भुसावल, प्रभासपाटण, जलगाँव, जूनागढ़, अमरावती, नंदरबार, एलीचपुर, वाँसदा

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	०
	०	७	१५	२३	३०	३८	४६	५३	१	९	१७	२४	३२	४०	४७	५५	३	१०	१८	२६	३४	४१	४९	५७	४	१२	२०	२७	३५	४३	७
	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	४२
१ वृषभ	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	०
	५१	५९	८	१७	२५	३४	४३	५२	०	९	१८	२७	३५	४४	५३	२	१०	१९	२८	३६	४५	५४	३	११	२०	२९	३८	४६	५५	४	८
	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	४४
२ मिथुन	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	०
	१३	२०	३३	४३	५३	४	१४	२४	३४	४५	५५	५	१५	२६	३६	४६	५६	६	१७	२७	३७	४७	५८	८	१८	२८	३९	४९	५९	९	१०
	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	१४
३ कर्क	१३	१३	१३	१३	१४	१२	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	०
	२०	३१	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३५	४३	५८	९	२०	३२	४३	५४	६	१७	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	११
	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	५	२४	४२	१८
४ सिंह	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	०
	५९	१०	२१	३२	४३	५५	६	२७	२८	३९	५१	२	१३	२४	३५	४७	५८	९	२०	३१	४३	५४	५	१६	२७	३९	५०	१	१२	२३	११
	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	१२
५ कन्या	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	०
	३५	४५	५६	७	२८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३४	४५	५५	६	१७	२८	३९	५०	०	११	२२	३३	४४	५५	५	१६	२७	३८	४९	१०
	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	५०

सूरत अक्षांश २१।१२ पलभा ४।३९ स्पष्ट लग्न साधक सारिणी

नागपुर, भुसावल, प्रभासपाटण, जलगांव, जूनागढ़, अमरावती नंदरबार, एलीचपुर, वासदा

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	०
	०	१०	२१	३२	४३	५४	५	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२०	३१	४२	५३	४	१५	२५	३६	४७	५८	९	२०	३०	४१	५२	३	१४	१०
	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	५०
७ वृश्चिक	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	०
	२५	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	५	१७	२८	३९	५०	१	१३	२४	३५	४६	५७	९	२०	३१	४२	५३	५	१६	२७	३८	४९	११
	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	१२
८ धन	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	०
	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	२०	३१	४२	५४	५	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	९	२०	३२	४३	५४	६	१७	२८	११
	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	१८
९ मकर	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	०
	४०	५०	०	१०	२०	३१	४१	५१	१	१२	२२	३२	४२	५३	३	१३	२३	३३	४४	५४	४	१४	२५	३५	४५	५५	६	१६	२६	३६	१०
	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	१४
१० कुम्भ	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	०
	४७	५५	४	१३	२१	३०	३९	४८	५६	५	१४	२३	३१	४०	४९	५८	६	१५	२४	३२	४१	५०	५९	७	१६	२५	३४	४२	५१	०	८
	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	४४
११ मीन	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
	९	१६	२४	३२	३९	४७	५५	२	१०	१८	२६	३३	४१	४९	५६	४	१२	१९	२७	३५	४३	५०	५८	६	१३	२१	२९	३६	४४	५२	७
	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	४२

सूरत की कला विकला साधक सारिणी

कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	०
मेष	७	१५	२३	३०	३८	४६	५३	१	९	१७	२४	३२	४०	४७	५५	३	१०	१८	२६	३४	४१	४९	५७	४	१२	२०	२७	३५	४३	५१	७
	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
११	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	०
मीन	५८	६	१४	२१	२९	३७	४४	५२	०	८	१५	२३	३१	३८	४६	५४	१	९	१७	२५	३२	४०	४८	५५	३	११	१८	२६	६४	४२	७
	४	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	०
वृषभ	८	१७	२६	३४	४३	५२	१	९	१८	२७	३६	४४	५३	२	११	१९	२८	३७	४५	५४	३	१२	२०	२९	३८	४७	५५	४	१३	२२	८
	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
१०	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	०
कुम्भ	३०	३९	४८	५६	५	१४	२३	३१	४०	४९	५८	६	१५	२४	३३	४१	५०	५९	७	१६	२५	३४	४२	५१	०	९	१७	२६	३५	४४	८
	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
२	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	०
मिथुन	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२१	३२	४२	५२	२	१३	२३	३३	४३	५३	४	१४	२४	३४	४५	५५	५	१५	२६	३६	४६	५६	७	१०
	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
९	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	०
मकर	१७	२७	३७	४७	५८	८	१८	२८	३९	४९	५९	९	२०	३०	४०	५०	०	११	२१	३१	४१	५२	२	१२	२२	३३	४३	५३	४	१४	१०
	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४

सूरत की कला विकला साधक सारिणी

कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
३	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
कर्क	११	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४१	५३	४	१५	२६	३८	४९	०	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	३	४२	५३	५	१६	२	३९	११
	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४	०	१८
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
८	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	०
धन	५०	१	१२	२४	३५	४६	५८	९	२०	३२	४३	५४	५	१७	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४४	५५	६	१८	११
	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
४	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
सिंह	११	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९	४०	५२	३	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२१	३२	४४	५५	६	१७	२८	४०	५१	२	१३	२४	३६	११
	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
७	५	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	०
वृश्चिक	४७	५८	९	२०	३२	४३	५४	५	१६	२८	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	८	२०	३१	४२	५३	४	१६	२७	३८	४९	०	१२	११
	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
५	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	०
कन्या	१०	२१	३२	४३	५४	५	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	२०	३०	४१	५२	३	१४	२५	१०
	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
६	५	५	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	०
तुला	३५	४६	५७	८	१९	३०	४०	५१	२	१३	२४	३५	४५	५६	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३४	४५	५५	६	१७	२८	३९	५०	१०
	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०

काशी अक्षांश २५।२० पलभा ५।४० स्पष्ट लग्न साधक सारिणी

मुंगेर, मोकामा, मालदा, कोटा, जालोर, बुंदी, इलाहाबाद, झाँसी, मिर्जापुर, जमालपुर, पटना, बक्सर

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	०
मेष	०	७	१४	२२	२९	३६	४४	५१	५८	६	१३	२१	२८	३५	४३	५०	५७	५	१२	१९	२७	३४	४२	४९	५६	४	११	१८	२६	३३	७
	०	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	२२
१	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	०
वृषभ	४१	४९	५७	६	१४	२३	३१	४०	४८	५६	५	१३	२२	३०	३९	४७	५५	४	१२	२१	२९	३८	४६	५४	३	११	२०	२८	३७	४५	८
	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	२६
२	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	०
मिथुन	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५७	७	१७	२७	३७	४७	१०
	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	२२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	८
३	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	०
कर्क	५८	९	२०	३२	४३	५५	६	१७	२९	४०	५२	३	१४	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४६	५७	८	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	११
	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	२४
४	१८	१८	१९	१९	२९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	०
सिंह	४०	५१	३	१४	२६	३७	४९	०	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	२	१३	११
	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	३०
५	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	०
कन्या	२५	३६	४७	५८	९	२०	३२	४३	५४	५	१६	२७	३९	५०	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	३०	४१	५३	४	१५	२६	३७	४८	११
	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२७	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	१०

काशी अक्षांश २५।२० पलभा ५।४० स्पष्ट लग्न साधक सारिणी

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग-
६	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	०
तुला	०	११	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५१	२	१४	२५	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	५	१६	२८	३९	५०	१	१२	२२	११
	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१२	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	१०
७	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	०
वृश्चिक	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	२	१३	२५	३६	४८	५९	११	२२	३४	४५	५७	८	११
	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	३०
८	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	०
धन	२०	३१	४२	५४	५	१७	२८	३९	५१	२	१४	२५	३६	४८	५९	११	२२	३३	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	११
	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	२४
९	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	०
मकर	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	१०
	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	८
१०	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	०
कुम्भ	६	१४	२२	३१	३९	४८	५६	५	१३	२१	३०	३८	४७	५५	४	१२	२०	२९	३७	४६	५४	३	११	१९	२८	३६	४५	५३	२	१०	८
	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	२६
११	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
मीन	१९	२६	३३	४१	४८	५५	३	१०	१७	२५	३२	४०	४७	५४	२	९	१६	२४	३१	३८	४६	५३	१	८	१५	२३	३०	३७	४५	५२	७
	०	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	२२

काशी की कला विकला साधक सारिणी

कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	०
मेष	७	१४	२२	२९	३६	४४	५१	५८	६	१३	२१	२८	३५	४३	५०	५७	५	१२	१९	२७	३४	४२	४९	५६	४	११	१८	२६	३३	४१	७
	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	०	२२
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
११	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	०
मीन	४८	५५	३	१०	१७	२५	३२	३९	४७	५४	२	९	१६	२४	३१	३८	४६	५३	०	८	१५	२३	३०	३७	४५	५२	५९	७	१४	२२	७
	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	०	२२
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
१	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	०
वृषभ	८	१६	२५	३३	४२	५०	५९	७	१५	२४	३२	४१	४९	५८	६	१४	२३	३१	४०	४८	५७	५	१३	२२	३०	३९	४९	४७	४	१३	८
	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
१०	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	०
कुम्भ	२१	२९	३८	४६	५५	३	१२	२०	२८	३७	४५	५४	२	११	१९	२७	३६	४४	५३	१	१०	१८	२६	३५	४३	५२	०	९	१७	२६	८
	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
२	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	०
मिथुन	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	४	१०
	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
९	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	०
मकर	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	८	१०
	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८

काशी की कला विकला साधक सारिणी

कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
३ कर्क	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
	११	२२	३४	४५	५७	८	१९	३१	४२	५४	५	१६	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४८	५९	१०	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४२	११
	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
८ धन	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	०
	५३	४	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३६	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	३०	४१	५२	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२४	११
	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
४ सिंह	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
	११	२३	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	२९	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४५	११
	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
७ वृश्चिक	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	०
	५६	८	१९	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१	३	१४	२६	३७	४९	०	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	११
	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
५ कन्या	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
	११	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५१	२	१४	२५	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	५	१६	२८	३९	५०	१	१२	२३	३५	११
	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
६ तुला	५	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	०
	४६	५७	८	१९	३०	४२	५३	४	१५	२६	३७	४९	०	११	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९	४०	५१	३	१४	२५	३६	४७	५८	१०	११
	१०	२०	३०	४०	५०	२०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०

जयपुर अक्षांश २६।५५ पलभा ६।६ स्पष्ट लग्न साधक सारिणी

इटावा, उन्नाव, कन्नौज, अयोध्या, आगरा, गोरखपुर, लखनऊ, मोतीहारी, सिलिगुरी, जेसलमेर, धौलपुर

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग-
० मेष	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	०
	०	७	१४	२१	२८	३६	४३	५०	५७	५	१२	१९	२६	३४	४१	४८	५५	२	१०	१७	२४	३१	३९	४६	५३	०	८	१५	२२	२९	७
	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	१४
१ वृषभ	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	०
	३७	४५	५३	२	१०	१८	२७	३५	४३	५२	०	८	१७	२५	३३	४२	५०	५८	७	१५	२३	३२	४०	४८	५७	५	१३	२२	३०	३८	८
	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४८	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	२०
२ मिथुन	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	०
	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५८	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	१०
	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	६
३ कर्क	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	०
	५०	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	३१	४२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२१	११
	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	२६
४ सिंह	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	०
	३३	४४	५६	७	१९	३१	४२	५४	५	१७	२९	४०	५२	३	१५	२७	३८	५०	३	१३	२५	३६	४८	५९	११	२३	३४	४६	५७	९	११
	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	३६
५ कन्या	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	०
	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	४०	५१	२	१४	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५२	२	१४	२६	३७	४८	११
	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	१८

जयपुर, अक्षांश २६।५५ पलभा ६।८ स्पष्ट लग्न साधक सारणी

इटावा, उन्नाव, कन्नौज, अयोध्या, आगरा, गोरखपुर, लखनऊ, मोतीहारी, सिलिगुरी, जेसलमेर, धौलपुर

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग
६ तुला	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	०
	०	११	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४१	५३	४	१५	२६	३८	४९	०	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	३१	४२	५३	५	१६	२७	११
	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	२४	३०	४८	६	२४	४२	१८
७ वृश्चिक	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	०
	३९	५०	२	१३	२५	३७	४८	०	११	२३	३५	४६	५८	९	२१	३३	४४	५६	७	१९	३१	४२	५४	५	१७	२९	४०	५२	३	१५	११
	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	३६
८ धनु	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	०
	२७	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	२९	४१	५२	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	११
	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	२६
९ मकर	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	०
	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१०
	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	६
१० कुंभ	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	०
	१३	२१	२९	३८	४६	५४	३	११	१९	२८	३६	४४	५३	१	९	१८	२६	३४	४३	५१	५९	८	१६	२४	३३	४१	४९	५८	६	१४	८
	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	२०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	२०
११ मीन	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
	२३	३०	३७	४४	५१	५९	६	१३	२०	२८	३५	४२	४९	५७	४	११	१८	२५	३३	४०	४७	५४	२	९	१६	२३	३१	३८	४५	५२	७
	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	१४

जयपुर की कला विकला साधक सारिणी

कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	०
	७	१४	२१	२८	३६	४३	५०	५७	५	१२	१९	२६	३४	४१	४८	५५	२	१०	१७	२४	३१	३९	४६	५३	०	८	१५	२२	२९	३७	७
मेष	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
११	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	०
	४४	५१	५८	५	१३	२०	२७	३४	४२	४९	५६	३	११	१८	२५	३२	३९	४७	५४	१	८	१६	२३	३०	३७	४५	५२	५९	६	१४	७
मीन	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
१	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	०
	८	१६	२५	३३	४१	५०	५८	६	१५	२३	३१	४०	४८	५६	५	१३	२१	३०	३८	४६	५५	३	११	२०	२८	३६	४५	५३	१	१०	८
वृषभ	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	१२	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
१०	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	०
	१८	२६	३५	४३	५१	०	८	१६	२५	३३	४१	५०	५८	६	१५	२३	३१	४०	४८	५६	५	१३	२१	३०	३८	४६	५५	३	११	२०	८
कुम्भ	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
२	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	०
	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	३	१०
मिथुन	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
९	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	०
	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	६	१०
मकर	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	२२	१८	२४	३०	३६	४८	४८	५४	०	६

जयपुर की कला विकला साधक सारिणी

कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
३	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
कर्क	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१	२	१४	२४	३६	४८	०	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	११
	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	३	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
८	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	०
धन	५४	५	१७	२८	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	५	१७	३८	४०	५१	३	१४	२६	११
	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	४८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	३६
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
४	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	०
सिंह	११	२३	३४	४६	५८	९	२१	३२	४४	५६	७	१९	३०	४२	५४	५	१७	२८	४०	५२	३	१५	२६	३८	५०	१	१३	२४	३६	४८	११
	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
९	५	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	०
वृश्चिक	५९	११	२२	३४	४६	५७	९	२०	३२	४४	५५	७	१८	३०	४२	५३	५	१६	२८	४०	५१	३	१४	२६	३८	४९	१	१२	२४	३६	११
	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
५	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	०
कन्या	११	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४१	५३	४	१५	२६	३८	४९	०	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	३१	४२	५३	५	१६	२७	३९	११
	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
६	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	०
तुला	५०	१	१२	२४	३५	४६	५८	९	२०	३२	४३	५४	५	१७	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४४	५५	६	१८	११
	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८

मद्रास अक्षांश १३।६ पलभा २।४७।३० स्पष्ट लग्न साधक सारणी उदयमानानि २५२।२७७।३१३।३३१।३२१।३०६

बङ्गलूर, चिकमगालूर, अरकोणम्, उडीपी, कांजीवरम्, तिरूवलूर, महाबलीपुरम्, मेंगलोर, बल्लोर,

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	४	०
	०	८	१६	२५	३३	४२	५०	५८	७	१५	२४	३२	४०	४९	५७	६	१४	२२	३१	३९	४८	५६	४	१३	२१	३०	३८	४६	५५	३	८
	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	२४
१ वृषभ	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	०
	१२	२१	३०	३९	४८	५८	७	१६	२५	३५	४४	५३	२	१२	२१	३०	३९	४८	५८	७	१६	२५	३५	४४	५३	२	१२	२१	३०	३९	९
	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	१४
२ मिथुन	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	०
	४९	५९	९	२०	३०	४१	५१	२	१२	२२	३३	४३	५४	४	१५	२५	३५	४६	५६	७	१७	२८	३८	४८	५९	९	२०	३०	४१	५१	१०
	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	१८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	२६
३ कर्क	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	०
	२	१३	२४	३५	३६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	२७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	११
	०	२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६	५८	२
४ सिंह	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	०
	३३	४३	५४	५	१५	२६	३७	४७	५८	९	२०	३०	४१	५२	२	१३	२४	३४	४५	५६	७	१७	२८	३९	४९	०	११	२१	३२	४३	१०
	०	४२	१४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	१४	२६	२८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	४२
५ कन्या	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	०
	५४	४	१४	२४	३४	४५	५५	५	१५	२५	३६	४६	५६	६	१६	२७	३७	४७	५७	७	१८	२८	३८	४८	५८	१९	१९	२९	३९	४९	१०
	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	१२

मद्रास अक्षांश १३।६ पलभा २।४७।३० स्पष्ट लग्न साधक सारणी उदयमानानि २५२।२७७।३१३।३३१।३२१।३०६
बङ्गलूर, चिकमगालूर, अरकोणम्, उडीपी, कांजीवरम्, तिरुवलूर, महाबलीपुरम्, मैंगलोर, वल्लोर,

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	०
तुला	०	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२१	३१	४२	५२	२	१२	२२	३३	४३	५३	३	१३	२४	३४	४४	५३	४	१५	२५	३५	४५	५५	१०
	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	१२
७	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	०
वृश्चिक	६	१६	२७	३८	४८	५९	१०	२०	३१	४२	५३	३	१४	२५	३५	४६	५७	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२२	३३	४४	५४	५	१६	१०
	०	४२	२४	६	४८	३३	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	४२
८	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	०
धन	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	११
	०	२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६	५८	२
९	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५१	०
मकर	५८	८	१८	२९	३९	५०	०	११	२१	३१	४२	५२	३	१३	२४	३४	४४	५५	५	१६	२६	३७	४७	५७	८	१८	२९	३९	५०	०	१०
	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	२६
१०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	०
कुंभ	११	२०	२९	३८	४७	५७	६	१५	२४	३४	४३	५२	१	२१	२०	२९	३८	४७	५७	६	१५	४४	३४	४३	५२	१	११	२०	२९	३८	९
	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	१४
११	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
मीन	४८	५६	४	१३	२१	३०	३८	४६	५५	३	१२	२०	२८	३७	४५	५४	२	१०	१९	२७	३६	४४	५२	१	९	१८	२६	३४	४३	५१	८
	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	४४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	२४

मद्रास की कला विकला साधक सारिणी

कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग
०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	०
मेष	८	१६	२५	३३	४२	५०	५८	७	१५	२४	३२	४०	४९	५७	६	१४	२२	३१	३९	४८	५६	४	१३	२१	३०	३८	४६	५५	३	१२	८
	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
११	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	०
मीन	२०	२८	३७	४५	५४	२	१०	१९	२७	३६	४४	५२	१	९	१८	२६	३४	४३	५१	०	८	१६	२५	३३	४२	५०	५८	७	१५	२४	८
	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	२६	०	३४	४८	१२	३६	०	२४	४८	४२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४	४८	१२	३६	०	२४
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
१	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	०
वृषभ	९	१८	२७	३६	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	५०	०	९	१८	२७	३६	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	५०	०	९	१८	२७	३७	९
	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
१०	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	०
कुम्भ	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	५०	०	९	१८	२७	३७	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	५०	०	९	१८	२७	३७	४६	५५	४	१४	९
	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
२	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	०
मिथुन	१०	२०	३१	४१	५२	२	१३	२३	३३	४४	५४	५	१५	२६	३६	४६	५७	७	१८	२८	३९	४९	५९	१०	२०	३१	४१	५२	२	१३	१०
	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
९	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	०
मकर	२३	३३	४४	५४	५	१५	२६	३६	४६	५७	७	१८	२८	३९	४९	५८	१०	२०	३१	४१	५२	२	१२	२३	३३	४४	५४	५	१५	२६	१०
	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६

मद्रास की कला विकला साधक सारिणी

कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
३ कर्क	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	४	४	४	०	४	४	५	५	५	०
	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३१	११
	२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६	५८	०	२
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
८ धन	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	०
	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	२	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	२०	२	११
	२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६	५८	०	२
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
४ सिंह	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	०
	१०	२१	३२	४२	५३	४	१४	२५	३६	४७	५७	८	१९	२९	४०	५१	१	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३८	४८	५९	१०	२१	१०
	४२	१४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
७ वृश्चिक	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	०
	३१	४२	५३	३	१४	२५	३५	४६	५७	८	१८	२९	४०	५०	१	१२	२२	३३	४४	५५	५	१६	२७	३७	४८	५९	९	२०	३१	४२	१०
	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
५ कन्या	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	०
	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२१	३१	४२	५२	२	१२	२२	३३	४३	५३	३	१३	२४	३४	४४	५४	४	१५	२६	३५	४५	५४	६	१०
	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	४८	३६	०	१२
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
६ तुला	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	०
	१६	२६	३६	४६	५७	७	१७	२७	३७	४८	५८	८	१८	२८	३९	४९	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	१०	२१	३१	४१	५१	१	१२	१०
	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२

सब देशों की स्पष्ट दशम लग्न साधक सारिणी

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	०
	०	९	१८	२७	३७	४६	५५	४	१४	२३	३२	४१	५१	०	९	१९	२८	३७	४६	५६	५	१४	२३	३३	४२	५१	०	१०	१९	२८	९
	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	१६
१ वृषभ	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	०
	३८	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	९
	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	५८
२ मिथुन	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	०
	३७	४७	५८	९	२०	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५६	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३३	४४	५५	६	१६	२७	३८	४९	१०
	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	४६
३ कर्क	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	०
	०	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	१९	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५६	७	१८	२९	३९	५०	१	१२	१०
	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	४६
४ सिंह	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	०
	२३	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	९
	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	५८
५ कन्या	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	०
	२२	३१	४०	४९	५९	८	१७	२६	३६	४५	५४	३	१३	२२	३१	४१	५०	५९	८	१८	२७	३६	४५	५५	४	१३	२२	३२	४१	५०	९
	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	१६

सब देशों की स्पष्ट दशम लग्न साधक सारिणी

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	०
	०	९	१८	२७	३७	४६	५५	४	१४	२३	३२	४१	५१	०	९	९	२८	३७	४६	५६	५	१४	२३	३३	४२	५१	०	१०	१९	२८	९
	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	१६
७ वृश्चिक	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	०
	३८	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	९
	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	५८
८ धन	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	०
	३७	४७	५८	९	२०	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५६	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३३	४४	५५	६	१६	२७	३८	४९	१०
	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	४६
९ मकर	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	०
	०	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	१९	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५६	७	१८	२९	३९	५०	१	१२	१०
	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	४६
१० कुंभ	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	०
	२३	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	९
	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	५८
११ मीन	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
	२२	३१	४०	४९	५९	८	१७	२६	३६	४५	५४	३	१३	२२	३१	४१	५०	५९	८	१८	२७	३६	४५	५५	४	१३	२२	३२	४१	५०	९
	०	१६	३२	४८	४	२०	२६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	१६

सब देश की स्पष्ट दशमलग्न साधक कला विकला सारिणी

कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	ग.
मेष	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	०
	९	१८	२७	३७	४६	५५	४	१४	२३	३२	४१	५१	०	९	१९	२८	३७	४६	५६	५	१४	२३	३३	४२	५१	०	१०	१९	२८	३८	९
कन्या	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
तुला	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	०
	४७	५६	५	१५	२४	३३	४२	५२	१	१०	१९	२९	३८	४६	५७	६	१५	२४	३४	४३	५२	१	११	२०	२९	३८	४८	५७	६	१६	९
मीन	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१
कला विकला	१	२	२	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
वृषभ	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	०
	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९
सिंह	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
वृश्चिक	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	०
	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५८	९
कुम्भ	५८	५६	५४	५२	५०	५८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८
कला विकला	१	२	३	४	५	६	७	८	९	०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	
मिथुन	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	०
	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	१९	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५६	७	१८	२९	४९	५०	१	१२	२३	१०
कर्क	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	४६
	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	
धन	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	०
	३३	४४	५५	६	६	२७	३८	४९	५९	१०	२१	३२	४२	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	१९	३०	४१	५२	२	१३	२४	३५	४६	१०
मकर	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	४६

तारीख से वार साधनः—

ईस्वी सन् के शतक स्थान में रहने वाले अंकों को सवा पाँच ५$\frac{1}{4}$ से गुणकर और दश तथा एक स्थानीय संख्या में अपना चतुर्थांश मिलाकर दोनों के योग में जनवरी से वर्तमान दिन तक की संख्या को मिलाने पर सात से भाग कर शेष से रवि प्रभृति वार होते हैं।

उदाहरण:—रविवार ता० २१–११–१९५४ के दिन वार साधन करना है। सन् १९५४ के शतांक स्थानीय अंक १९ एक तथा दश स्थानीय संख्या ५४ है। १९×५$\frac{1}{4}$=९९$\frac{3}{4}$ यहाँ पर पूरी ९९ संख्या लेकर शेष $\frac{3}{4}$ अवयव छोड़ देना चाहिये। और ५४ का चतुर्थांश १३$\frac{1}{2}$ को ५४ में मिलाने से ६७$\frac{1}{2}$ हुए। ९९+६७ = १६६। जनवरी से गत दिन संख्या ३२५ को १६६ में मिलाने से ४९१ हुए। इनमें सात का भाग देने पर शेष १ बचा। अतः १ से रविवार लेना चाहिये।

तारीख पर से तिथि साधनः—

ईस्वी सन् के वर्ष में ७८ घटाने से शेष शक होता है और ईस्वी सन् में ५७ जोड़ने से संवत् आता है। जनवरी से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तक शकसाधन के लिये ७९ घटाना चाहिये। और संवत् लाने के लिये ५६ जोड़ना चाहिए।

ईस्वी सन् के वर्ष संख्या में १९ से भाग कर शेष को ११ से गुणा करें। उस गुणन फल में ३० का भाग देने से शेष को शुभ कहते हैं। शुभ में मार्च से लेकर वर्तमान मास तक की संख्या को मिलाकर उसमें वर्तमान मास की अभीष्ट तारीख तक के दिन भी मिलाने चाहिए। इस योग में ३० का भाग देने से शेष संख्या से शेष संख्या शुक्लादि पक्ष से वर्तमान तिथि की होगी।

उदाहरण:—शक १८७६, संवत् २०११ मार्गशीर्ष कृष्ण (उत्तरी भारत का) ११ रविवार ता० २१–११–५४ के दिन तिथि साधन करना अभीष्ट है। १९५४–७८= १८७६ वर्तमान शक हुआ। तथा १९५४+५७=२०११ वर्तमान संवत् प्राप्त हुआ। सन् १९५४ को १९ से भागने पर शेष १६ को ११ से गुणा किया तब १७६ हुए। इसमें ३० का भाग देने पर शेष २६ यह शुभ कहलाता है। मार्च से नवम्बर

सहित ९ मास होते हैं। २६ + ९ = ३५। नवम्बर की ता० २१ के दिन तिथि साधन अभीष्ट है। अतः ३५ + २१ = ५६। इस योग में ३० से भागने पर शेष २६ से शुक्लादि तिथि क्रम से एकादशी वर्तमान तिथि सिद्ध हुई।

तिथि से तारीख साधनः—

सायनमेष संक्रान्ति जिस चान्द्रमास में पड़े उसे चैत्र मानना चाहिये। और उस चैत्र से वर्तमान मास सहित गत मास संख्या को पूर्व साधित शुभ में जोड़कर उसे वर्तमान मास की गततिथि संख्या में घटाने से शेष वर्तमान तारीख होती है।

उदाहरण:—पूर्व प्रदर्शित अभीष्ट दिन में तारीख का साधन करना है। और पूर्व उदाहरण में शुभ २६ प्राप्त हुआ है। सायनमेष संक्राति संवत् २०१० के चैत्रकृष्ण (दक्षिण भारत में फाल्गुन कृष्ण) में हुई थी। अतः फाल्गुन से कार्तिक कृष्ण (यही उत्तरी भारत का मार्गशीर्ष कृष्ण) तक की मास संख्या ९ हुई। २६ + ९=३५। यह योग ३० से अधिक है। अतः ३० से भागने पर शेष ५ को शुक्लादि गत तिथि २६ में घटाने से शेष २१ वर्तमान तारीख हुई।

* श्री *

भारतीय कुण्डली विज्ञान

भाग २

* श्री *

भारतीय कुण्डली विज्ञान

भाग २

इस २ भाग में अक्षांश ० से ६० तक की लग्नसारिणीयां प्रथम दी गई हैं। ये सभी निरयन एवं २३।। अयनांश संबंधि हैं। अतः यहाँ अयनांश का उपयोग नहीं रहेगा। इन सारिणीयों के द्वारा लग्न तथा दशम लग्न बनाने का प्रकार दिया जाता है।

सारिणी द्वारा लग्न साधन का प्रकार—

सूर्यराश्यंशकोष्ठाङ्कं स्वेष्टकालेन संयुतम्।
यत्र तत्तिर्यगूर्ध्वाङ्कं लग्नं राश्यादिकं मतम्॥

इष्ट कालीन स्पष्ट सूर्य की राशि के सामने और अंश के नीचे के कोष्ठक में जो घटी पल हों उनमें इष्ट घटी पल जोड दें। योगफल के समान या उससे कम घटी पल वाले कोष्ठक के सामने जो राशि तथा ऊपर की ओर जितने अंश होंगे। वे ही इष्ट लग्न के राशि अंश माने जायेंगे।

यहाँ यह ध्यान रखना चाहिये कि अपने अभीष्ट स्थान के अक्षांश अंश कला में हों तो इस सारिणी प्रकरण में जो अक्षांश अभीष्ट अक्षांश के समीप पड़ते हों उस अक्षांश की सारिणी उपयोग में लेनी चाहिये। जैसे अभीष्ट स्थान काशी के अक्षांश २५।२० हैं। ये २५ अक्षांश के समीप पड़ने से २५ अक्षांश वाली लग्नसारिणी काम में लेनी चाहिये। इसी प्रकार अन्य स्थान के लिये भी समझना चाहिये।

अब ऊपर लिखे नियमानुसार लग्न साधन का प्रकार लिखते हैं। इष्ट काल १०।३० एवं सूर्य ५।५।२०।४० हैं।

१०।३०	इष्टकाल
+ २९।४१।२६	सूर्य रा. ५ अं. ५ फल
४०।११।२६	लग्नफल

लग्नफल से कम घटी पल वाले (४०।२।१२) कोष्ठक के सामने ७ राशि और ऊपर ० अंश हैं। अतः अभीष्ट लग्न ७।० हुआ। यह स्थूल है। इससे सूक्ष्म जानना हो तो सूर्य की कला विकला पर से भी फल लेकर लग्नफल में जोड़ना चाहिये। तब वास्तव लग्नफल होगा। और उस वास्तव लग्नफल पर से भी अनुपात द्वारा लग्न की कला विकला का साधन करना चाहिये।

सूर्य की कला विकला पर से फलसाधन का प्रकार—

सूर्य की राशि अंश से प्राप्त कोष्ठक के घटी पलादि को उसके आगे के कोष्ठकस्थ घटी पलादि में घटा दें। शेष पल विपल से सूर्य की कला विकला को गुणकर ६० का भाग देने से लब्धि पल विपल आयेगी। इसको लग्नफल में जोड़ देने से वास्तव लग्नफल होगा।

२९।५२।३४	रा. ५ अं. ६ से प्राप्तफल
२९।४१।२६	रा. ५ अं. ५ से ,, ,,
०।११। ८	अन्तर पल विपल

$$\frac{(११।८)\ (२०।४०)}{६०} = \text{लब्ध प. ३।५०}$$

४० । ११ । २६	लग्नफल
+ ३ । ५०	लब्धफल
४० । १५ । १६	वास्तव लग्नफल
−४० । १३ । ४२	रा. ७ अं. १ से प्राप्तफल
० । १ । ३४	शेष

अर्थात् लग्न रा. ७ अं. १ प्राप्त हुआ। शेष प. १।३४ से लग्न की कला विकला का साधन करना है। इसके लिये ७ राशि २ अंश के फल में ७ राशि १ अंश के फल को घटा कर उस अन्तर से ६० गुणित शेष में भाग दें। लब्ध लग्न की कला विकला होगी। इसी प्रकार अन्यत्र भी समझना चाहिये।

८०।२५।१२ रा. ७ अं. २ से प्राप्तफल	शेष तथा अन्तर के पल
–४०।१३।४२ रा. ७ अं. १ से ,,	विपल के विपल बनाकर गुणा तथा
०।११।३० अन्तर	भाग करना चाहिये।

$$\frac{\text{६० (१।३४)}}{\text{११।२०}} = \frac{\text{६०} \times \text{९४}}{\text{६८०}}$$ = लब्ध क. ५।४२ अतः स्पष्ट लग्न ७।१।५।४२ हुआ।

अथ दशम लग्न साधन—

इस लग्न के साधन के लिये केवल ० अक्षांश वाली सारिणी काम मे लेनी चाहिये। और इष्ट काल की जगह नतकाल[१] का उपयोग करना चाहिये। यदि पूर्वनत हो तो इसे सूर्य के फल में घटा दें। और पश्चिम नत हो तो सूर्य के फल में जोड़ दें। अन्तर या योग फल दशमलग्न का फल होगा। उस पर से लग्न साधन की तरह दशमलग्न करना चाहिये।

यदि पूर्वनत घ. ६।७ और स्पष्ट सूर्य ५।५।२०।४० है। इस पर से पूर्वदर्शित नियमानुसार दशम लग्न साधन करना है।

२९।४६।६ रा. ५ अं. ५ से प्राप्तफल	यह शेष राशि ३ के २६ अंश के
– ६। ७।० पूर्वनत घटी	फल से अधिक है और २७ अंश के फल से
२३।३९।६ शेष	कम है। अतः दशम लग्न ३।२६ हुआ।

इसकी सूक्ष्मता का साधन करना अभीष्ट हो तो लग्न की तरह साधन करना चाहिये।

विशेष :—अपने अक्षांश के आसन्न अक्षांश वाली सारिणी का उपयोग लग्नसाधन के लिये एवं दशम लग्न साधन के लिये ० अक्षांश की सारिणी का उपयोग करना चाहिये।

१—नत काल के साधन की रीति दशम लग्न साधन के प्रसङ्ग में बता दी गई है।

अक्षांशाः ० | अथ दशम लग्नसारिणी चक्रमिदम् । कंपाला, जबा, निकुस, (पूर्व आफ्रिका)

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	९
	३७	४७	५६	५	१४	२४	३३	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	१	११	२१	६
	४६	२	१८	३४	५०	६	२२	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८	५६	५४	५८
१ वृषभ	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	०
	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५७	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२	३८	१०
	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	४६
२ मिथुन	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	०
	४९	०	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	२०	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५६	७	२९	१७	३९	५०	१	१०
	१६	२	४८	२४	२०	६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	४०
३ कर्क	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४	०
	१२	२३	३३	४४	५५	६	१६	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४६	५६	६	६
	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८	५६	५४	५८
४ सिंह	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	०
	२६	३६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३५	४५	५४	३	१२	२२	३१	४०	५०	५९	८	१७	२७	३६	४५	५४	४	१३	२२	३१	४१	५०	६
	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	५४	१०	२६	४२	५८	१४	३०	४६	२	१८	३४	५०	६	२२	३८	५४	१०	२६	४२	५८	१४	३०	१६
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	०
	५९	९	१८	२७	३६	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	५०	०	९	१८	२८	३७	४६	५५	५	१४	२३	३२	४२	५१	०	९	१९	२८	९
	४६	२	१८	३४	५०	६	२३	३८	५४	१०	२६	४२	५८	१४	३०	४६	२	१८	३४	५०	६	२२	३८	५४	१०	२६	४२	१४	५८	३०	२

अक्षांशाः ०	लंकोदयमानानि—२७८।२९९।३२३।३२३।२९९।२७८																														
अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	०
तुला	३७	४७	५६	५	१४	२४	३३	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	१	११	२१	९
	४६	२	१८	३४	५०	६	२२	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८	५६	५४	५८
७	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	०
वृश्चिक	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५७	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३३	४४	५५	६	१६	२७	३८	१०
	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	४६
८	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	०
धन	४९	०	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	२०	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५६	७	१८	२९	३९	५०	१	१०
	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	४६
९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	०
मकर	१२	२३	३३	४४	५५	६	१६	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	·७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४६	५६	६	९
	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८	५६	५४	५८
१०	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
कुम्भ	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३५	४५	५४	३	१२	२२	३१	४०	५०	५९	८	१७	२७	३६	४५	५४	४	१३	२२	३१	४१	५०	९
	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	५४	१०	२६	४२	५८	१४	३०	४६	२	१८	३४	५०	६	२२	३८	५४	१०	२६	४२	५८	१४	३०	१६
११	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	०
मीन	५९	९	१८	२७	३६	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	५०	०	९	१८	२८	३७	४६	५५	५	१४	२३	३२	४२	५१	०	९	१९	२८	९
	४६	२	१८	३४	५०	६	२२	३८	५४	१०	२६	४२	५८	१४	३०	४६	२	१८	३४	५०	६	२२	३८	५४	१०	२६	४२	५८	१४	३०	१६

अक्षांशः १ — **सिंगापुर (द० एशिया) नैरोबी (केनिया)**

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	०
	३६	४५	५४	३	१३	२२	३१	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	२९	३९	४९	५९	९	१९	२	२९	४९	५९	९	१९	९
	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	५६
१ वृषभ	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	०
	२६	३६	४६	५८	८	१८	२८	३८	४९	०	१०	२१	३२	४२	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	८	१९	३०	४१	५१	२	१३	२४	३४	१०
	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८	२	४६	३०	१४	५८	४२	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	४४
२ मिथुन	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	०
	४५	५६	७	१७	२८	३९	४९	०	११	२२	३३	४३	५४	५	१६	२७	३७	४८	५९	१०	२१	३१	४२	५३	४	१५	२५	३६	४७	५८	१०
	३४	१८	२	४६	३०	१४	५८	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	४८
३ कर्क	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४	०
	९	१९	३०	४१	५२	३	१३	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१०
	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	०
४ सिंह	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	०
	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४३	५२	२	११	२०	३०	३९	४८	५८	७	१६	२६	३५	४४	५४	३	१२	२२	३१	४०	५०	९
	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२०
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	२१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	०
	५९	८	१८	२७	३६	४६	५५	४	१४	२३	३२	४२	५१	०	१०	१९	४८	३८	४७	५६	६	१५	२४	३४	४३	५२	२	११	२०	३०	९
	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	५२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	२	२०

अक्षांशाः १ पलभा ०।१२।२४ उदयमानानि २७६।२९८।३२२।३२४।३००।२८०

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२		२९	ग.
६ तुला	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	०
	३६	४८	५८	७	१६	२६	३५	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	१०
	२२	४२	२	२२	४२	२	२२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	०
७ वृश्चिक	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	०
	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५५	६	१७	२७	३८	४९	०	११	२१	३२	४३	५४	५	१५	२६	३८	४८	५९	९	२०	३१	४२	१०
	४२	१२	४२	४२	४२	४२	४२	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	४८
८ धन	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	५४	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	०
	५३	३	१४	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४०	५१	२	१३	२३	३४	४५	५६	६	१७	२८	३८	४९	०	११	२१	३२	४३	५४	४	१०
	६	५४	४२	३०	१८	६	१४	४२	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८	२	४६	३०	१४	५८	४९	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	४४
९ मकर	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	२१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	०
	१५	२६	३७	४७	५८	९	१९	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	३१	२९	३१	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	९
	३४	१८	२	४६	३०	१४	५८	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	५६
१० कुंभ	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
	१९	२९	३९	४८	५८	८	१८	२८	३७	४७	५६	५	१४	२३	३३	४२	५१	०	९	१९	२८	३७	४६	५५	५	१४	३२	३२	४१	५१	९
	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१२
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	०
	०	९	१८	२७	३७	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	५०	५९	९	१८	२७	३६	४५	५५	४	१३	२२	३१	४१	५०	५९	८	१७	२७	२
	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१२

अक्षांशाः २	बुगोण्डो, लामूबन्दर, मलाका, म्वान्झा (पू. आ.)																													
अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	०
	३४	४३	५२	२	११	२०	२९	३८	४८	५८	८	१८	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५५	५	१५	९
	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	५२
१ वृषभ	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	०
	२५	३५	४५	५५	४	१४	२४	३४	४५	५६	६	१७	२८	३८	४९	०	११	२१	३२	४३	५४	४	१५	२६	३७	४७	५८	९	१९	३०	१०
	३०	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	१८	२	४६	३०	१४	५८	४२	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८	२	४६	३०	१४	५८	४२	४४
२ मिथुन	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	०
	४१	५२	२	१३	२४	३५	४५	५६	७	१८	२८	३९	५०	१	१२	२२	३३	४४	५५	६	१६	२७	३८	४९	०	१०	२१	३२	४३	५४	१०
	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	४८
३ कर्क	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४	०
	४	१५	२६	३७	४८	५८	९	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	२	१०
	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	४
४ सिंह	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	०
	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३१	४१	५०	०	९	१८	२८	३७	४७	५६	५	१५	२४	३४	४३	५२	२	११	२१	३०	३९	४९	९
	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	२४
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	०
	५८	८	१७	२६	३६	४५	५५	४	१३	२३	३२	४२	५१	०	१०	१९	२९	३८	४७	५७	६	१६	२५	३४	४४	५३	३	१२	२१	३१	९
	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	२४

अक्षांशाः २ पलभा ०।२५।९ उदयमानानि २७४।२९६।३२२।३०२।२८२

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	०
	४०	५०	५९	८	१८	२७	३७	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५७	७	१७	१७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	३७	५७	७	१७	२८	१०
	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५४	२	६	१०	१०	१८	२२	२	३०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	४
७ वृश्चिक	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	०
	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५९	१०	२०	३१	४२	५३	४	१४	२५	३६	४७	५८	८	१९	३०	४१	५२	२	१३	२४	३५	४६	१०
	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	४८
८ धन	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	०
	५६	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२३	३४	४४	५५	६	४६	२७	३८	४९	५९	१०	२१	३२	४२	५३	४	१५	२५	३६	४७	५७	८	१०
	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	१८	२	४६	३०	१४	५८	४२	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८	२	४६	३०	१४	५८	४२	४४
९ मकर	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	०
	१९	३०	४०	५१	२	१३	२३	३४	४४	५४	४	१४	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५१	१	११	९
	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	२२	२२	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	५२
१० कुम्भ	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
	२१	३१	४१	५१	०	१०	२०	३०	३९	४८	५७	७	१६	२५	३४	४३	५२	१	११	२०	२९	३८	४७	५६	५	१४	२४	३३	४२	५१	९
	३०	२२	१४	६	५८	५०	५२	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	४६	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	८
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	०
	०	९	१८	२८	३७	४६	५५	४	१३	२२	३१	४१	५०	५९	८	१७	२६	३५	४५	५४	३	१२	२१	३०	३९	४८	५८	७	१६	२५	९
	३८	४२	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	८

अक्षांशः ३ कुआलिलुम्पुर (मलाया) मालीन्डी (पू. आ.), मोशी (पू. आ.)

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	०
मेष	३३	४२	५१	०	९	१८	२७	३६	४६	५६	५	१५	२५	३५	४५	५४	४	१४	२४	२४	४३	५३	३	१३	२३	३२	४२	५२	२	१२	९
	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	२०	८	५६	४४	३२	२०	८	५६	४४	३२	२०	८	५६	४४	३२	२०	८	५६	४४	३२	२०	८	४८
१	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	०
वृषभ	२१	३१	१४	५१	१	१०	२०	३०	४१	५१	२	१३	२४	३४	४५	५६	६	१७	२८	३८	४९	०	११	२१	३२	४३	५३	४	१५	२५	१०
	१६	४४	३२	२०	८	५६	४४	३२	१४	५६	३८	२०	२	४४	२६	८	५०	३२	१४	५६	३८	२	२	४४	२६	८	५०	३२	१४	५६	४२
२	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	०
मिथुन	३६	४७	५८	८	१९	३०	४०	५१	२	१३	२४	३४	४५	५६	७	१८	२९	३९	५०	१	१२	२३	३४	४४	५५	६	१७	२८	३९	४९	१०
	३८	२०	२	४४	२६	८	५०	३२	२२	१२	२	५२	४२	३२	२२	१२	२	५२	४२	३२	२२	१२	२	५२	४२	३२	२२	१२	२	५२	५०
३	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०
कर्क	०	११	२२	३३	४४	५४	५	१६	२६	३६	४६	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२९	३९	४९	५९	१०
	४२	३२	२२	१२	२	५२	४२	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	८
४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	४२	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	९	१९	२९	४०	५०	०	१०	२०	३०	३९	४८	५८	७	१७	२६	३६	४५	५५	४	१४	२३	३३	४२	५२	१	१०	२०	२९	३९	४८	९
	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	०	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	८	३६	४	३२	०	२८	५६	२४	५२	२०	४८	२८
५	२८	२९	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	५८	७	१६	२६	३६	४५	५५	४	१४	२३	३२	४२	५१	१	१०	२०	२९	३९	४८	५८	७	१७	२६	३६	४५	५४	४	१३	२३	३२	९
	१६	४४	१२	४०	८	३६	४	३२	०	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	८	३६	४	३२	०	२८	५६	२४	५२	२	४८	८

अक्षांशाः ३ पलभा ०।३।७।४४ उदयमानानि २७२।२९४।३२१।३२५।३०४।२८४

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३३ ४२ १६	३३ ५१ ४४	३४ १ १२	३४ १० ४०	३४ २० ८	३४ २९ ३६	९४ ३९ ४	३४ ४८ ३२	३४ ५८ ४०	३५ ८ ४८	३५ १८ ५६	३५ २९ ४	३५ ३९ १२	३५ ४९ २०	३५ ५९ २८	३६ ९ ३६	३६ १९ ४४	३६ २९ ५२	३६ ४० ०	३६ ५० ८	३७ ० १६	३७ १० २४	३७ २० ३२	३७ ३० ४०	३७ ४० ४८	३७ ५० ५६	३८ १ ४	३८ ११ १२	३८ २१ २०	३८ ३१ २८	० १० ८
७ वृश्चिक	३८ ४१ ३६	३८ ५१ ४४	३९ १ ५२	३९ १२ ०	३९ २२ ८	३९ ३२ १६	३९ ४२ २४	३९ ५२ ३२	४० ३ २२	४० १४ १२	४० २५ २	४० ३५ ५२	४० ४६ ४२	४० ५७ ३२	४१ ८ २२	४१ १९ १२	४१ ३० २	४१ ४० ५२	४१ ५१ ४२	४२ २ ३२	४२ १३ २२	४२ २४ १२	४२ ३५ २	४२ ४५ ५२	४२ ५६ ४२	४३ ७ ३२	४३ १८ २२	४३ २९ १२	४३ ४० २	४३ ५० ५२	० १० ५०
८ धन	४४ १ ४२	४४ १२ ३२	४४ २३ २२	४४ ३४ १२	४४ ४५ २	४४ ५५ ५२	४५ ६ ४२	४५ १७ ३२	४५ २८ १४	४५ ३८ ५६	४५ ४९ ३८	४६ ० २०	४६ ११ २	४६ २१ ४४	४६ ३२ २६	४६ ४३ ८	४६ ५३ ५०	४७ ४ ३२	४७ १५ १४	४७ २५ ५६	४७ ३६ ३८	४७ ४७ २०	४७ ५८ २	४८ ८ ४४	४८ १९ २६	४८ ३० ८	४८ ४० ५०	४८ ५१ ३२	४९ २ १४	४९ १२ ५६	० १० ४२
९ मकर	४९ २३ ३८	४९ ३४ २०	४९ ४५ २	४९ ५५ ४४	५० ६ २६	५० १७ ८	५० २७ ५०	५० ३८ ३२	५० ४८ २०	५० ५८ ८	५१ ७ ५६	५१ १७ ४४	५१ २७ ३२	५१ ३७ २०	५१ ४७ ८	५१ ५६ ५६	५२ ६ ४४	५२ १६ ३२	५२ २६ २०	५२ ३६ ८	५२ ४५ ५६	५२ ५५ ४४	५३ ५ ३२	५३ १५ २०	५३ २५ ८	५३ ३४ ५६	५३ ४४ ४४	५३ ५४ ३२	५४ ४ २०	५४ १४ ८	० ९ ४८
१० कुम्भ	५४ २३ ५६	५४ ३३ ४४	५४ ४३ ३२	५४ ५३ २०	५५ ३ ८	५५ १२ ५६	५५ २२ ४४	५५ ३२ ३२	५५ ४१ ३६	५५ ५० ४०	५५ ५९ ४४	५६ ८ ४८	५६ १७ ५२	५६ २६ ५६	५६ ३६ ०	५६ ४५ ४	५६ ५४ ८	५७ ३ १२	५७ १२ १६	५७ २१ २०	५७ ३० २४	५७ ३९ २८	५७ ४८ ३२	५७ ५७ ३६	५८ ६ ४०	५८ १५ ४४	५८ २४ ४८	५८ ३३ ५२	५८ ४२ ५६	५८ ५२ ०	० ९ ४
११ मीन	५९ १ ४	५९ १० ८	५९ १९ १२	५९ २८ १६	५९ ३७ २०	५९ ४६ २४	५९ ५५ २८	० ४ ३२	० १३ ३६	० २२ ४०	० ३१ ४४	० ४० ४८	० ४९ ५२	० ५८ ५६	१ ८ ०	१ १७ ४	१ २६ ८	१ ३५ १२	१ ४४ १६	१ ५३ २०	२ २ २४	२ ११ २८	२ २० ३२	२ २९ ३६	२ ३८ ४०	२ ४७ ४४	२ ५६ ४८	३ ५ ५२	३ १४ ५६	३ २४ ०	० ९ ४

अक्षांशः ४ मोम्बासा (पू. आ.) लीयोपोल्डवील (द. आ.)

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	०
	३१	४०	४९	५८	७	१६	२५	३४	४४	५४	३	१३	३२	३३	४२	५२	२	१२	२१	३१	४१	५१	१	१०	२०	३०	४०	४९	५९	९	९
	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	४६
१ वृषभ	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	०
	१९	२८	३८	४८	५८	७	१७	२७	३८	४८	५९	१०	२१	३१	४२	५३	३	४	२५	३५	४६	५७	८	१८	२९	४०	५०	१	१२	२२	१०
	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	४२
२ मिथुन	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	०
	३३	४४	५५	५	१६	२७	३७	४८	५९	१०	२१	३१	४२	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	२०	३१	४१	५२	३	१४	२५	३६	४६	१०
	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	५०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	५०
३ कर्क	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०
	५७	८	१९	३०	४१	५१	२	१३	३२	३३	४४	५४	४	१४	२४	३४	४५	५५	५	१५	२५	३५	४६	५६	६	१६	२६	२६	४७	५७	१०
	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	१०
४ सिंह	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	०
	७	१७	२७	३७	४८	५८	८	१८	२८	३७	४७	५६	६	१५	२५	३४	४४	५३	३	१२	२२	३१	४१	५१	०	१०	१९	२९	३८	४८	९
	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	२	३४	६	३८	१०	४२	१४	४६	१८	५०	२२	५४	२६	५८	३०	२	३४	६	३८	१०	४२	१४	३२
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	०
	५७	७	१६	२६	३५	४६	५४	४	१४	२३	३३	४२	५२	१	११	२०	३०	३९	४९	५८	८	१७	२७	३७	४६	५६	५	१५	२४	३४	९
	४६	१८	५०	२२	५४	२६	५८	३०	२	३४	६	३८	१०	४२	१४	४६	१८	५०	२२	५४	२६	५८	३०	२	३४	६	३८	१०	४२	१४	३२

अक्षांशाः ४ पलभा ०।५०।२१ उदयमानानि २७०।२९३।३२१।३२५।३०५।२८६

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	०
	४३	५३	२	१२	२१	३१	४०	५०	०	१०	२१	३१	४१	५१	१	११	२२	३२	४२	५२	२	१२	२३	३३	४३	५३	३	१३	२४	३४	१०
तुला	४६	१८	५०	२२	५४	२६	५८	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	१०
७	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	०
	४४	५४	४	१४	२५	३५	४५	५५	६	१७	२८	३८	४९	०	११	२२	३३	४३	५४	५	१६	२७	३८	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५३	१०
वृश्चिक	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	२०	१०	०	५०	५०
८	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४८	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	०
	४	३५	२६	३७	४८	५८	९	२०	३१	४१	५२	३	१४	२४	३५	४६	५६	७	१८	२८	३९	५०	१	११	२२	३३	४३	५४	५	१५	१०
धन	४०	३०	२०	१०	०	५०	४०	३०	१२	५४	३६	१८	१०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१२	५४	४२
९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	०
	२६	३७	४८	५८	९	२०	३०	४१	५१	१	१०	२०	३०	४०	४९	५९	९	१९	२८	३८	४८	५८	८	१७	२७	३७	४७	५६	६	१६	९
मकर	३६	१८	०	४२	२४	६	४८	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	४६
१०	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
	२६	३५	४५	५५	५	१४	२४	३४	४३	५२	१	१०	१९	२८	३७	४६	५५	४	१३	३१	२८	४०	४९	५८	७	१६	२५	३४	४३	५२	९
कुंभ	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	१८	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	०
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	०
	१	१०	१९	२८	३७	४६	५५	४	१३	२२	३१	४०	४९	५८	७	१६	२५	३४	४३	५२	१	१०	१९	२८	३७	४६	५५	४	१३	२२	९
मीन	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	०

अक्षांश: ५	सोमालीया, जंजीबार, केमरून (द. आ.) टांगा (पू. आ.)																													
अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	०
	२९	३८	४७	५६	५	१४	२३	३२	४२	५१	१	११	२०	३०	४०	५०	५९	९	१९	२८	३८	४८	५७	७	१७	२७	३६	४६	५६	५	९
	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	४२
१ वृषभ	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	०
	१५	२५	३४	४४	५४	४	१३	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३८	४८	५९	१०	२०	३१	४२	५२	३	१४	२४	३५	४६	५६	७	१८	१०
	३४	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४०
२ मिथुन	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	०
	२८	३९	५०	०	११	२२	३२	४३	५४	५	१६	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	९	२०	३१	४२	१०
	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	५२
३ कर्क	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०
	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	९	१९	२९	४०	५०	०	१०	२१	३१	४१	५१	२	१२	२२	३२	४२	५३	३	१३	२३	३४	४४	५४	१०
	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	१४
४ सिंह	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	०
	४	२५	२५	३५	४५	५६	६	१६	२६	३५	४५	५४	४	१४	२३	३३	४२	५२	२	११	२१	३०	४०	५०	५९	९	१८	२८	३८	४७	९
	५०	४	१८	३२	४६	०	१४	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	३६
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	०
	५७	९	१६	२६	३५	४५	५४	४	१४	२३	३३	४२	५२	२	११	२१	३०	४०	५०	५९	९	१८	२८	३८	४७	५७	६	१६	२६	३५	९
	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	३६

अक्षांशाः ५ पलभा १।३।० उदयमानानि—२६८।२९१।३२०।३२६।३०७।२८८

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	०
	४५	५४	४	१४	२३	३३	४२	५२	२	१२	२३	३३	४३	५३	४	१४	१४	२४	४५	५५	५	१५	२५	३६	४६	५६	६	१७	२७	३७	१०
	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	१४
७ वृश्चिक	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	०
	४७	५८	८	१८	२८	३९	४९	५९	१०	२१	३२	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३६	४७	५८	१०
	५०	४	१८	३२	४६	०	१४	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	५२
८ धन	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	०
	९	२०	३१	४२	५२	३	१४	२५	३६	४६	५७	८	१८	२९	४०	५०	१	१२	२२	३३	४४	५४	५	१६	२६	३७	४८	५८	९	२०	१०
	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	८	४०
९ मकर	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	०
	३०	४१	५२	२	१३	२४	३४	४५	५५	४	१४	२४	३३	४३	५३	३	१२	२२	३२	४१	५१	१	१०	२०	३०	४०	४९	५९	९	१८	९
	४८	२८	८	४८	२८	८	४८	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	४२
१० कुम्भ	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
	२८	३८	४७	५७	७	१७	२६	३६	४५	५४	३	१२	२१	३०	३९	४७	५६	५	१४	२३	३२	४१	५०	५९	८	१७	२६	३५	४४	५३	८
	३४	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	०
	१	१०	१९	२८	३५	४६	५५	४	१३	२२	३१	४०	४९	५८	७	१५	२४	३३	४२	५१	०	९	१८	२७	३६	४५	५४	३	१२	२१	८
	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६

अक्षांशः ६ — **गोल्ड कोस्ट (प. आ.), जेसल्टन (उ. बोर्नियो)**

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	०
	२८	३७	४६	५४	३	१२	२१	३०	४०	४९	५९	८	१८	२८	३७	४७	५७	६	१६	२६	३५	४५	५४	४	१४	२३	३३	४३	५२	२	९
	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	४४	२२	३८
१ वृषभ	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	०
	१२	२१	३१	४०	५०	०	९	१९	३०	४०	५१	१	१२	२३	३३	४४	५५	५	१६	२७	३७	४०	५८	९	२०	३०	४१	५२	२	१३	१०
	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	४४	२२	३८
२ मिथुन	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	०
	२४	३४	४५	५५	६	१७	२७	३८	४९	०	११	२२	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	१०
	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	२०	१४	८	२	५६	५०	४४	३८	३२	२६	२०	१४	८	२	५६	५०	४४	३८	३२	२६	२०	१४	५४
३ कर्क	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०
	४९	०	१०	२१	३२	४३	५४	५	१५	२६	३६	४६	५६	७	१७	२७	३८	४८	५८	९	१९	२९	३९	५०	०	१०	२१	३१	४१	५२	१०
	८	२	५६	५०	४४	३८	३२	२६	४४	२	२०	३८	५६	१४	३२	५०	८	२६	४४	२	२०	३८	५६	१४	३२	५०	८	२६	४४	२	१८
४ सिंह	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	०
	२	१२	२२	३३	४३	५३	४	१४	२४	३३	४३	५३	२	१२	२२	३१	४१	५१	०	१०	२०	२९	३९	४९	५८	८	१८	२७	३७	४७	९
	२०	३८	५६	१४	३२	५०	८	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४०
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	०
	५६	६	१६	२५	३५	४५	५४	४	१४	२३	३३	४३	५२	२	१२	२१	३१	४१	५०	०	१०	१९	२९	३९	४८	५८	८	१७	२७	३७	९
	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	६	४०

अक्षांशाः ६ पलभा १।१५।४० उदयमानानि २६६।२८९।३१९।३२७।३०९।२९०

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३९	३८	०
	४६	५६	६	१५	२५	३५	४४	५४	४	१५	२५	३५	४५	५६	६	१६	२७	३७	४७	५८	८	१८	२८	३९	४९	५९	१०	२०	३०	४१	१०
	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	४४	२	२०	३८	५६	१४	३२	५०	८	२६	४४	२	२०	३८	५६	१४	३२	५०	८	२६	४४	२	१८
७ वृश्चिक	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	०
	५१	१	११	२२	३२	४२	५३	३	१४	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४१	५२	[illegible]	१४	२५	३६	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१०
	२०	३८	५६	१४	३२	५०	८	२६	२०	१४	८	२	५६	५०	४४	३८	३२	२६	२०	१४	८	२	५६	५०	४४	१०	३२	२६	२०	१४	५४
८ धन	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	०
	१४	२५	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५१	२	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३८	४८	५९	९	२०	३१	४१	५२	३	१३	२४	१०
	८	२	५६	५०	४४	३८	३२	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	४४	२२	३८
९ मकर	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	०
	३५	४५	५६	६	१७	२८	३८	४९	५९	८	१८	२७	३७	४७	५६	६	१६	२५	३५	४५	५४	४	१३	२३	३३	४२	५२	२	११	२१	९
	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	४४	२२	३८
१० कुम्भ	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
	३१	४०	५०	५९	९	१९	२८	३८	४७	५६	५	१३	२२	३१	४०	४९	५८	७	१५	२४	३३	४२	५१	०	९	१८	२६	३५	४४	५३	८
	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	५२
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	०
	२	११	२०	२८	३७	४६	५५	४	१३	२२	३१	३९	४८	५७	६	१५	२४	३३	४१	५०	५९	८	१७	२६	३५	४४	५२	१	१०	१९	८
	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	३६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	५२

अक्षांशः ७ वांदरावेला, रत्नपुरा, कोलम्बो (लंका)। दारेसलाम (पू. आं), टांगानिका, बेल्जियनकोंगो (पू. आ.)। जावा, बाडुंग

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	०
	२६	३५	४४	५३	२	१०	१९	२८	३८	४७	५७	६	१६	२६	३५	४५	५४	४	१४	२३	३३	४२	५२	२	११	२१	३०	४०	५०	५९	९
	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	३६
१ वृषभ	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	०
	९	१८	२८	३८	४७	५७	६	१६	२७	३७	४८	५८	९	२०	३०	४१	५२	२	१३	२४	३४	४५	५५	६	१७	२७	३८	४९	५९	१०	१०
	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	१२	४०	१८	५६	२४	१२	५०	२८	६	४४	२२	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	३८
२ मिथुन	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	०
	२०	३१	४२	५२	३	१४	२४	३५	४६	५७	८	१९	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	१०
	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	२	३६	३०	२४	१८	१२	५४
३ कर्क	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	०
	४६	५७	७	१८	२९	४०	५१	२	१२	२३	३३	४३	५४	४	१४	२५	३५	४५	५६	६	१६	२७	३७	४७	५८	८	१८	२९	३९	४९	१०
	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	२०
४ सिंह	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	०
	०	१०	२०	३१	४१	५१	२	१२	२२	३१	४१	५१	१	१०	२०	३०	४०	४९	५९	९	१८	२८	३८	४८	५७	७	१७	२७	३६	४६	९
	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	४४
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	०
	५६	६	१५	२५	३५	४४	५४	४	१४	२३	३३	४३	५३	२	१२	२२	३२	४१	५१	१	१०	२०	३०	४०	४९	५९	९	१९	२८	३८	९
	२६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	४४

अक्षांशाः ७ पलभा १।२८।२३ उदयमानानि २६४।२८८।३१९।३२७।३१०।२९२

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	०
तुला	४८	५८	७	१७	२७	३६	४६	५६	६	१७	२७	३७	४८	५८	८	१९	२९	३९	५०	०	१०	२१	३१	४१	५२	२	१२	२३	३३	४३	१०
	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	४४	२०
७	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	०
वृश्चिक	५४	४	१४	२५	३५	४५	५६	६	१७	२८	३९	५०	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१०
	४	२४	४४	४	२४	४४	४	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	५४
८	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	०
धन	१७	२८	३	४९	०	११	२२	३३	४४	५४	५	१५	२६	३७	४७	५८	९	१९	३०	४१	५१	२	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	१०
	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	४४	२२	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	३८
९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	०
मकर	३७	४८	५९	९	२०	३१	४१	५२	२	११	२१	३०	४०	५०	५९	९	१८	२८	३८	४७	५७	६	१६	२६	३५	४५	५४	४	१४	२३	९
	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	३६
१०	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
कुंभ	३३	४२	५२	२	११	२१	३०	४०	४९	५८	६	१५	२४	३३	४२	५०	५९	८	१७	२६	३४	४३	५२	१	१०	१८	२७	३६	४५	५४	८
	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	०
मीन	२	११	२०	२९	३८	४६	५५	४	१३	२२	३०	३९	४८	५७	६	१४	२३	३२	४१	५०	५८	७	१६	२५	३४	४२	५१	०	९	१८	८
	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८

अक्षांश: ८ अनुराधापुर (लंका) जंगबार (पू. आ.) फ्रिटाउन (द. आ.)
जोगजाकर्ता त्रिवेन्द्रम नागरकोईल.

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	०
	२५	३३	४२	५१	०	८	१७	२६	३५	४५	५४	४	१४	२३	३३	४२	५२	१	११	२०	३०	३९	४९	५८	८	१७	२७	३७	४६	५६	६
	१४	५८	४२	२६	१०	५४	३८	२२	५४	२६	५८	३०	२	३४	६	३८	१०	४२	१४	४६	१८	५०	२२	५४	२६	५८	३०	२	३४	६	३२
१ वृषभ	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	०
	५	१५	२४	३४	४३	५३	२	१२	२२	३३	४४	५४	५	१५	२६	३७	४७	५८	८	१९	३०	४०	५१	१	१२	२३	३३	४४	५४	५	१०
	३८	१०	४२	१४	४६	१८	५०	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	३६
२ मिथुन	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	०
	१६	२६	३७	४७	५८	९	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	१९	३०	१०
	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	१०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५६
३ कर्क	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	०
	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	८	१९	२९	३९	५०	०	११	२१	३१	४२	५२	३	१३	२३	३४	४४	५५	५	१५	२६	३६	४७	१०
	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	२४
४ सिंह	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	०
	५७	७	१८	२८	३९	४९	५९	१०	२०	२९	३९	४९	५९	९	१८	२८	३८	४८	५८	७	१७	२७	३७	४७	५६	६	१६	२६	३६	४५	९
	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४८
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	०
	५५	५	१५	२५	३४	४४	५४	४	१४	२३	३३	४३	५३	३	१२	२२	३२	४२	५२	१	११	२१	३१	४१	५०	०	१०	२०	३०	३९	९
	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४८

अक्षांशाः ८ पलभा १।४१।१० उदयमानानि २६२।२८६।३१८।३२८।३१२।२९४

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	०
	४९	५९	९	१९	२८	३८	४८	५८	८	१९	२९	३९	५०	०	११	२१	३१	४२	५२	३	१३	२३	३४	४४	५५	५	१५	२६	३६	४७	१०
	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	२४
७ वृश्चिक	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	०
	५७	७	१८	२८	३९	४९	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	५९	१०	१०
	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५६
८ धन	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	०
	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४८	५९	१०	२०	३१	४१	५२	३	१३	२४	३४	४५	५६	६	१७	२७	३८	४९	५९	१०	२०	३१	१०
	५०	४	४२	३८	३४	३०	२६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	३६
९ मकर	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	०
	४२	५२	३	१३	२४	३५	४५	५६	५	१५	२४	३४	४४	५३	३	१२	२२	३१	४१	५०	०	९	१९	२८	३८	४७	५७	७	१६	२६	९
	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५४	२६	५८	३०	२	३४	६	३८	१०	४२	१४	४६	१८	५०	२२	५४	२६	५८	३०	२	३४	६	३२
१० कुम्भ	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
	३५	४५	५४	४	१३	२३	३२	४२	५१	५९	८	१७	२६	३४	४३	५२	०	९	१८	२७	३५	४४	५३	२	१०	१९	२८	३७	४५	५४	८
	३८	१०	४२	१४	४६	१८	५०	२२	६	५०	३४	१८	२	४६	३०	१४	५८	४२	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८	२	४६	३०	४४
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	०
	३	११	२०	२९	३८	४६	५५	४	१३	२१	३०	३९	४८	५६	५	१४	२२	३१	४०	४९	५७	६	१५	२४	३२	४१	५०	५९	७	१६	८
	४	५८	४२	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८	२	४६	३०	१४	५८	४२	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८	२	४६	३०	४४

अक्षांशः ९ — त्रिकोमाली (लंका), तूतीकोरिन, तिनेवल्ली, धनुष्कोटि, पालमकोट्टा, पीरमोड, रामेश्वरम्

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	०
	२२	३१	४०	४८	५७	६	१४	२३	३२	४२	५१	१	१०	२०	२९	३९	४८	५७	७	१६	२६	३५	४५	५५	५	१४	२४	३३	४३	५२	९
	५३	३१	९	४७	२५	३	४१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	२८
१ वृषभ	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	०
	२	११	२०	३०	३९	४९	५८	७	१७	२८	३९	४९	०	१०	२१	३१	४२	५२	३	१४	२४	३५	४५	५६	६	१७	२८	३८	४९	५९	१०
	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	५३	१७	१	३५	९	४३	१७	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	४९	२३	५७	३१	५	३९	१३	४७	३४
२ मिथुन	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	०
	१०	२०	३१	४२	५२	३	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	१०
	२१	५५	२९	३	३७	११	४५	१९	१७	१५	१३	११	९	७	५	३	१	५९	५७	५५	५३	५१	४९	४७	४५	४३	४१	३९	३७	३५	५८
३ कर्क	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	०
	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	३	१४	२४	३५	४५	५६	६	१७	२७	३७	४८	५८	९	१९	३०	४०	५१	१	१२	२२	३३	४३	१०
	३३	३१	२९	२७	२५	२३	२१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	२८
४ सिंह	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	०
	५४	४	१४	२५	३५	४६	५६	७	१७	२७	३७	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	६
	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	१३	७	१	५५	५९	४३	३७	३१	२५	१९	१३	७	१	५५	४९	४३	३७	३१	२५	१९	१३	७	५४
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	०
	५५	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	९
	१	५५	४९	४३	३७	३१	२५	१९	१३	७	१	५५	४९	४३	३७	३१	२५	१९	१३	७	१	५५	४९	४३	३७	३१	२५	१९	१३	७	५४

अक्षांशाः ९ पलभा १।५४ उदयमानानि २५९।२८४।३१७।३२९।३१४।२९७

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग
६ तुला	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	०
	५२	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२२	३२	४३	५३	४	१४	२५	३५	४५	५६	६	१७	२७	३८	४८	५९	९	२०	३०	४१	५१	१०
	१	५५	४९	४३	३७	३१	२५	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	२८
७ वृश्चिक	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	०
	२	१२	२२	३३	४३	५४	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	१०
	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	१७	१५	१३	११	९	७	५	३	१	५९	५७	५५	५३	५१	४९	४७	४५	४३	४१	३९	३७	३५	५८
८ धन	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	०
	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५४	५	१६	२६	३७	४७	५८	८	१९	२९	४०	५१	१	१२	२२	३३	४३	५४	५	१५	२६	३६	१०
	३३	३१	२९	२७	२५	२३	२१	१९	५३	२७	१	३५	९	४३	१७	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	४९	२३	५७	३१	५	३९	१३	४७	३४
९ मकर	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	०
	४७	५७	८	१९	२९	४०	५०	१	१०	२०	२९	३९	४८	५८	७	१७	२६	३५	४५	५४	४	१३	२२	३१	४१	५०	०	९	१९	२८	९
	२१	५५	२९	३	३७	११	४५	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	२९
१० कुम्भ	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
	३८	४७	५६	६	१५	२५	३५	४५	५३	२	११	१९	२८	३७	४५	५४	३	११	२०	२८	३७	४६	५४	३	१२	२०	२९	३७	४६	५५	८
	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	५७	३५	१३	५१	२९	७	४५	२३	१	३९	१७	५५	३३	११	४९	२७	५	४३	२१	५९	३७	१५	३८
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	०
	३	१२	२१	२९	३८	४७	५५	४	१२	२१	३०	३८	४७	५६	४	१३	२२	३०	३९	४७	५६	४	१२	२१	३०	३८	४७	५६	५	१४	८
	५३	३१	९	४७	२५	३	४१	१९	५७	३५	१३	५१	२९	७	४५	२३	१	३९	१७	५५	३३	११	४९	२७	५	४३	२१	५९	३७	१५	२८

अक्षांशः १० — कोडैकानाल, तिरूमंगलम्, पलनी, कोचीन, मदुरा, कंकेशन्तुराई (लंका) एरनाकुलम्, कोट्टयम्

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	३ २१ १९	३ २९ ५३	३ ३८ २७	३ ४६ १	३ ५५ ३५	४ ४ ९	४ १२ ४३	४ २१ १७	४ ३० ४३	४ ४० ९	४ ४९ ३५	४ ५९ १	५ ८ २७	५ १७ ५३	५ २७ १९	५ ३६ ४५	५ ४६ ११	५ ५५ ३७	६ ५ ३	६ १४ २९	६ २३ ५५	६ ३३ २१	६ ४२ ४७	६ ५२ १३	७ १ ३९	७ ११ ५	७ २० ३१	७ २९ ५७	७ ३९ २३	७ ४८ ४९	० ९ २६
१ वृषभ	७ ५८ १५	८ ७ ४१	८ १७ ७	८ २६ ३३	८ ३५ ५९	८ ४५ २५	८ ५४ ५१	९ ४ १७	९ १४ ४९	९ २५ २१	९ ३५ ५३	९ ४६ २५	९ ५६ ५७	१० ७ २९	१० १८ १	१० २८ ३३	१० ३९ ५	१० ४९ ३७	११ ० ९	११ १० ४१	११ २१ १३	११ ३१ ४५	११ ४२ १७	११ ५२ ४९	१२ ३ २१	१२ १३ ५३	१२ २४ २५	१२ ३४ ५७	१२ ४५ २९	१२ ५६ १	० १० ३२
२ मिथुन	१३ ६ ३३	१३ १७ ५	१३ २७ ३७	१३ ३८ ९	१३ ४८ ४१	१३ ५९ १३	१४ ९ ४५	१४ २० १७	१४ ३१ १७	१४ ४२ १७	१४ ५३ १७	१५ ४ १७	१५ १५ १७	१५ २६ १७	१५ ३७ १७	१५ ४८ १७	१५ ५९ १७	१६ १० १७	१६ २१ १७	१६ ३२ १७	१६ ४३ १७	१६ ५४ १७	१७ ५ १७	१७ १६ १७	१७ २७ १७	१७ ३८ १७	१७ ४९ १७	१८ ० १७	१८ ११ १७	१८ २२ १७	० ११ ०
३ कर्क	१८ ३३ १७	१८ ४४ १७	१८ ५५ १७	१९ ६ १७	१९ १७ १७	१९ २८ १७	१९ ३९ १७	१९ ५० १७	२० ० ४७	२० ११ १७	२० २१ ४७	२० ३२ १७	२० ४२ ४७	२० ५३ १७	२१ ३ ४७	२१ १४ १७	२१ २४ ४७	२१ ३५ १७	२१ ४५ ४७	२१ ५६ १७	२२ ६ ४७	२२ १७ १७	२२ २७ ४७	२२ ३८ १७	२२ ४८ ४७	२२ ५९ १७	२३ ९ ४७	२३ २० १७	२३ ३० ४७	२३ ४१ १७	० १० ३०
४ सिंह	२३ ५१ ४७	२४ २ १७	२४ १२ ४७	२४ २३ १७	२४ ३३ ४७	२४ ४४ १७	२४ ५४ ४७	२५ ५ १७	२५ १५ १५	२५ २५ १३	२५ ३५ ११	२५ ४५ ९	२५ ५५ ७	२६ ५ ५	२६ १५ ३	२६ २५ १	२६ ३४ ५९	२६ ४४ ५७	२६ ५४ ५५	२७ ४ ५३	२७ १४ ५१	२७ २४ ४९	२७ ३४ ४७	२७ ४४ ४५	२७ ५४ ४३	२८ ४ ४१	२८ १४ ३९	२८ २४ ३७	२८ ३४ ३५	२८ ४४ ३३	० ९ ५८
५ कन्या	२८ ५४ ३१	२९ ४ २९	२९ १४ २७	२९ २४ २५	२९ ३४ २३	२९ ४४ २१	२९ ५४ १९	३० ४ १७	३० १४ १५	३० २४ १३	३० ३४ ११	३० ४४ ९	३० ५४ ७	३१ ४ ५	३१ १४ ३	३१ २४ १	३१ ३३ ५९	३१ ४३ ५७	३१ ५३ ५५	३२ ३ ५३	३२ १३ ५१	३२ २३ ४९	३२ ३३ ४७	३२ ४३ ४५	३२ ५३ ४३	३३ ३ ४१	३३ १३ ३९	३३ २३ ३७	३३ ३३ ३५	३३ ४३ ३३	० ९ ५८

अक्षांशः १० पलभा २।६।५० उदयमानानि २५७।२८३।३१६।३२०।३१५।२९९

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	५	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	०
	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२४	३४	४५	५५	६	१६	२७	३७	४८	५८	९	१९	३०	४०	५१	१	१२	२२	३३	४३	५४	१०
	३१	२९	२७	२५	२३	२१	१९	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	३०
७ वृश्चिक	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४·	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	०
	४	१५	२५	३६	४६	५७	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	११
	४७	१७	४७	१७	४७	१७	४७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	०
८ धन	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	०
	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५८	९	१९	३०	४०	५१	२	१२	२३	३३	४४	५४	५	१५	२६	३६	४७	५७	८	१८	२९	४०	११
	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	४९	२१	५३	२५	५७	२९	१	३३	५	३७	९	४१	१३	४५	·७	४९	२१	५३	२५	५७	२९	१	३२
९ मकर	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	०
	५०	१	११	२२	३२	४३	५३	४	१३	२३	३२	४२	५१	०	१०	१९	२९	३८	४८	५७	६	१६	२५	३५	४४	५४	३	१२	२२	३१	९
	३३	५	३७	९	४१	१३	४५	१७	४३	९	३५	१	२७	५३	१९	४५	११	३७	३	२९	५५	२१	४७	१३	३९	५	३१	५७	२३	४९	२६
१० कुम्भ	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
	४१	५०	०	९	१८	२८	३७	४७	५५	४	१२	२१	३०	३८	४७	५५	४	१२	२१	३०	३८	४७	५५	४	१२	२१	३०	३८	४७	५५	८
	१५	४१	७	३३	५९	२५	५१	१७	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	४९	२३	५७	३१	५	३९	१३	४७	२१	५५	२९	३	३७	११	४५	३४
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	·	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	०
	४	१२	२१	३०	३८	४७	५५	४	१२	२१	२९	३८	४७	५५	४	१२	२१	२९	३८	४७	५५	४	१२	२१	२९	३९	४७	५५	४	१२	८
	१९	५३	२७	१	३५	९	४३	१७	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	४९	२३	५७	३१	५	३९	१३	४७	२१	५५	२९	३	३७	११	४५	३४

अक्षांशः ११ उटकमंड, उडमलपेट, कारेकाल, कुंभकोणम्, कुन्नूर, कोयम्बतूर, चिदम्बरम्, तिरुचिरापल्ली तंजाउर, शंकरपाद, नागपट्टणम्, नीलगिरि, मन्नारगुडी, श्रीरङ्गम्।

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	०
	१६	२८	३६	४५	[illegible]	२	१०	१९	२८	३७	४७	५६	६	१५	२४	३४	४३	५२	२	११	२१	३०	३९	४९	५८	७	१७	२६	३५	४५	९
	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	४५	२७	५६	२१	४६	५	२७	४९	११	३३	५५	१७	३९	१	२३	४५	७	२९	५१	१३	३५	५७	१९	२२
१ वृषभ	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१३	०
	५४	४	१३	२२	३२	४१	५०	०	१०	२१	३१	४२	५२	३	१३	२४	३५	४५	५६	६	१७	२७	३८	४८	५९	९	२०	३०	४१	५१	१०
	४१	३	२५	४७	९	३१	५३	१५	४७	१९	५१	२३	५५	२७	५९	३१	३	३५	७	३९	११	४३	१५	४७	१९	५१	२३	५५	२७	५९	३२
२ मिथुन	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	०
	२	१३	२३	३४	४४	५५	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	११
	३१	३	३५	७	३९	११	४३	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	०
३ कर्क	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	०
	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५६	७	१७	२८	३९	४९	०	१०	२१	३१	४२	५३	३	१४	२४	३५	४५	५६	७	१७	२८	३८	१०
	२५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	४९	२३	५७	३१	५	३९	१३	४७	२१	५५	२९	३	३७	११	४५	१९	५३	२७	१	३५	९	४३	३४
४ सिंह	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	०
	४९	५९	१०	२०	३१	४२	५२	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	१०
	१७	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५१	५३	५५	५७	५९	२
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	२३	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	०
	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	१०
	१	३	५	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५१	५३	५५	५७	५९	२

अक्षांशाः ११ पलभा २।२० उदयमानानि २५५।२८१।३१६।३३०।३१७।३०१

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	०
तुला	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	२६	३६	४७	५८	८	१९	२९	४०	५०	१	१२	२२	३३	४३	५४	४	१५	२६	३६	४७	५७	१०
	१	३	५	७	९	११	१३	१५	४९	२३	५७	३१	५	३९	१३	४७	२१	५५	२९	३	३७	११	४५	१९	५३	२७	१	३५	९	४३	३४
७	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	०
वृश्चिक	८	१८	२९	३९	५०	१	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	११
	१७	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	०
८	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	०
धन	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	२	१३	२३	३४	४४	५५	५	१६	२७	३७	४८	५८	९	१९	३०	४०	५१	१	१२	२२	३३	४३	१०
	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	४७	१९	५१	२३	५५	२७	५९	३१	३	३५	७	३९	११	४३	१५	४७	१९	५१	२३	५५	२७	५९	३३
९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	०
मकर	५४	५	१५	२६	३६	४७	५७	८	१७	२६	३६	४५	५५	४	१३	२३	३२	४१	५१	०	१०	१९	२८	३८	४७	५६	६	१५	२४	३४	९
	३१	३	३५	७	३९	११	४३	१५	३७	५९	२१	४३	५	२७	४९	११	३३	५५	१७	३९	१	२३	४५	७	२९	५१	१३	३५	५७	१९	२२
१०	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
कुम्भ	४३	५३	२	११	२१	३०	३९	४९	५७	६	१४	२३	३१	४०	४८	५७	५	१४	२२	३१	३९	४८	५६	५	१३	२२	३०	३९	४७	५६	८
	४१	३	२५	४७	९	३१	५३	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	३०
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	०
मीन	४	१३	२१	३०	३८	४७	५५	४	१२	२१	२९	३८	४६	५५	३	१२	२०	२९	३७	४६	५४	३	११	२०	२८	३७	४५	५४	२	११	८
	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	४५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	३०

अक्षांशः १२ — कृष्णराजपेठ, मैसूर, श्रीरङ्गपट्टम्, कंणनूर, कर्णाटिक्, तिरुवन्नामलाई, तेल्लाचेरी, पांडिचेरा, माहे, सेलम

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	०
	१८	२६	३५	४३	५१	०	८	१७	२६	३५	४५	५४	३	१३	२२	३१	४०	५०	५९	८	१८	२७	३६	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	६
	११	३७	३	२९	५५	२१	४७	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	१८
१ वृषभ	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	०
	५१	०	९	१९	२८	३७	४६	५६	६	१७	२७	३८	४८	५९	९	२०	३०	४१	५१	२	१२	२३	३३	४४	५४	५	१५	२६	३	४७	१०
	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	३०
२ मिथुन	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	०
	५७	८	१८	२९	३९	५०	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	११
	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५१	५३	५५	५७	२
३ कर्क	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	०
	२४	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५	३	१४	२४	३५	४६	५६	७	१७	२८	३९	४९	०	११	२१	३२	४२	५३	४	१४	२५	३६	१०
	५९	१	३	५	७	९	११	१३	५१	२९	७	४५	२३	१	३९	१७	५५	३३	११	४९	२७	५	४३	२१	५९	३७	१५	५३	३१	९	३८
४ सिंह	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	०
	४६	५७	८	१८	२९	३९	५०	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	३	१३	२३	३३	४३	१०
	४७	२५	३	४१	१९	५७	३५	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	३·	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२·	६
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	०
	५३	३	१३	२३	३३	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	६	१६	२६	३६	४६	१०
	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	६

अक्षांशाः १२ पलभा २।३३ उदयमानानि २५३।२७९।३१५।३३१।३१९।३०३

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	०
	५६	६	१६	२६	३६	४७	५७	७	१७	२८	३९	४९	०	११	२१	३२	४२	५३	४	१४	२५	३६	४६	५७	७	१८	२९	३९	५०	१	१०
	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	२१	२९	७	४५	२३	१	३९	१७	५५	३३	११	४९	२७	५	४३	२१	५९	३७	१५	५३	३१	९	३८
७ वृश्चिक	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	०
	११	२२	३३	४३	५४	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	११
	४७	२५	३	४१	१९	५७	३५	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५१	५३	५५	५७	२
८ धन	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	०
	३९	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	७	१८	२८	३९	४९	०	१०	२१	३१	४२	५२	३	१३	२४	३४	४५	५५	६	१६	२७	३७	४८	१०
	५९	१	३	५	७	९	११	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	३०
९ मकर	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	०
	५८	९	१९	३०	४०	५१	१	१२	२१	३०	४०	४९	५८	८	१७	२	३१	४१	५४	३	१३	२२	३१	४१	५०	५९	८	१८	२७	३६	९
	४३	१३	४३	१३	४३	१३	४३	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	१८
१० कुम्भ	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
	४६	५५	४	१४	२३	३२	४१	५१	५९	८	१६	२४	३३	४१	५०	५८	७	१५	२३	३२	४०	४९	५७	६	१४	२३	३१	३९	४८	५६	८
	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३९	५	३१	५७	२३	४९	१५	४१	७	३३	५९	२५	५१	१७	४३	९	३५	१	२७	५३	१९	४५	२६
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	३	०
	५	१३	२२	३०	३८	४७	५५	४	१२	२१	२९	३७	४६	५४	३	११	२०	२८	३६	४५	५३	२	१०	१९	२७	३६	४४	५२	१	९	८
	११	३७	३	२९	५५	२१	४७	१३	३९	५	३१	५७	२३	४९	१५	४१	७	३३	५९	२५	५१	१७	४३	९	३५	१	२७	५३	१९	४५	२६

अक्षांशः १३ कोलार, टूमकूर, बेंगलोर, हासन, चिकमगालुर, अरकोणम्, अर्काट, उडीपी, पन्नूर, कांजीवरम्, चिकलूपट, तिरूवल्लूर, पल्लावरम्, पूलीकट, मद्रास, महावलीपुरम, मेंगलोर, बेल्लोर.

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	०
	१६	२४	३३	४२	५०	५८	६	१५	२४	३३	४२	५२	१	१०	१९	२९	३८	४७	५६	५	१५	२४	३३	४२	५२	१	१०	१९	२९	३८	९
	३७	५९	२१	४३	५	२७	४९	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	५१	५	१९	१४
१ वृषभ	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	०
	४७	५६	६	१५	२४	३३	४२	५२	२	१३	२३	३४	४४	५४	५	१५	२६	३६	४७	५७	८	१८	२९	३९	५०	०	११	२१	३१	४२	१०
	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	२८
२ मिथुन	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	०
	५२	३	१३	२४	३४	४५	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	११
	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४
३ कर्क	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	०
	२०	३१	४२	५३	४	१६	२७	३८	४८	५९	१०	२०	३१	४२	५३	३	१४	२५	३५	४६	५७	७	१८	२९	४०	५०	१	१२	२२	३३	१०
	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	११	५३	३५	१७	५९	४१	२३	५	४७	२९	१९	५३	३५	१७	५९	४१	२३	५	४७	२९	११	५३	३५	४२
४ सिंह	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	०
	४४	५४	५	१६	२७	३७	४८	५९	९	१९	२९	३९	५०	०	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२१	३१	४१	५२	२	१२	२२	३२	४२	१०
	१७	५९	४१	२३	५	४७	२९	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१०
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	०
	५३	३	१३	२३	३३	४३	५४	४	१४	२४	३४	४४	५५	५	१५	२५	३५	४५	५६	६	१६	२६	३६	४६	५७	७	१७	२७	३७	४७	१०
	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१०

अक्षांशाः १३ पलभा २।४६।१२ उदयमानानि २५१।२७७।३१४।३३२।३२१।३०५

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	०
	५८	८	१८	२८	३८	४८	५९	९	१९	३०	४१	५१	२	१३	२४	३४	४५	५६	६	१७	२८	३८	४९	०	११	२१	३२	४३	५३	४	१७
	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	५३	३५	१७	५९	४१	२३	५	४७	२९	११	५३	३५	१७	५९	४१	२३	५	४७	२९	११	५३	३५	४२
७ वृश्चिक	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	०
	१५	२५	३६	४७	५८	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	११
	१७	५९	४१	२३	५	४७	२९	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४
८ धन	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	०
	४४	५५	६	१७	२८	४०	५१	२	१३	२३	३३	४४	५४	४	१५	२५	३६	४६	५७	७	१८	२८	३९	४९	०	१०	२१	३१	४१	५२	१०
	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	२८
९ मकर	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	०
	२	१३	२३	३४	४४	५५	५	१६	२५	३४	४३	५३	२	११	२०	३०	३९	४८	५७	६	१५	२५	३४	४३	५३	२	११	२०	३०	३९	९
	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	५१	५	१९	१४
१० कुंभ	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
	४८	५७	७	१६	२५	३४	४३	५३	१	९	१८	२६	३५	४३	५१	०	८	१६	२५	३३	४१	५०	५८	७	१५	२३	३२	४०	४४	५७	८
	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	३३	५५	१७	३९	१	२३	४५	७	२९	५१	१३	३५	५७	१९	४१	३	२५	४७	९	३१	५३	१५	२२
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	०
	५	१३	२२	३०	३९	४७	५५	४	१२	२०	२९	३७	४६	५४	२	११	१९	२७	३६	४४	५२	१	९	१८	२६	३४	४३	५१	५९	८	८
	३७	५९	२१	४३	५	२७	४९	११	३३	५५	१७	३९	१	२३	४५	७	२९	५१	१३	३५	५७	१९	४१	३	२५	४७	९	३१	५३	१५	२२

अक्षांशः १४ शिकारपुर, शिमोगा, गिरसप्पा, कोल्लुर।

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	०
	१५	२३	३१	३९	४८	५६	४	१३	२२	३१	४०	४९	५९	८	१७	२६	३५	४५	५४	३	१२	२१	३१	४०	४९	५८	७	१७	२६	३५	९
	३	२१	३९	५७	१५	३३	५१	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	१२
१ वृषभ	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	०
	४४	५३	३	१२	२१	३०	३९	४९	५९	१०	२०	३१	४१	५१	२	१२	२३	३३	४४	५४	५	१५	२६	३६	४७	५७	८	१८	२८	३९	१०
	४५	५७	९	२	३३	४५	१७	९	३७	५	३३	१	२९	५७	२५	५३	२१	४९	१७	४५	१३	४१	९	३७	५	३३	१	२९	५७	२५	२८
२ मिथुन	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	०
	४९	०	१०	२१	३१	४२	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	११
	५३	२१	४९	१७	४५	१३	४१	९	१३	१७	२१	२५	२९	३३	३७	४१	४५	४९	५३	५७	१	५	९	१३	१७	२१	२५	२९	३३	३७	४
३ कर्क	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	०
	१७	२८	३९	५०	१	१३	२४	३५	४५	५६	७	१८	२८	३९	५०	१	११	२२	३३	४३	५४	५	१६	२६	३७	४८	५९	९	२०	३१	१०
	४१	४५	४९	५३	५७	१	५	९	५३	३७	२१	५	४९	३३	१७	१	४५	२९	१३	५७	४१	२५	९	५३	३७	२१	५	४९	३३	१७	४४
४ सिंह	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	०
	४२	५२	३	१४	२४	३५	४६	५७	७	१७	२७	३८	४८	५८	८	१९	२९	३९	४९	५९	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२१	३२	४२	१०
	१	४५	२९	१३	५७	४१	२५	९	२३	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	१४
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	२३	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	०
	५२	२	१२	२३	३३	४३	५३	४	१४	२४	३४	४५	५५	५	१५	२६	३६	४६	५६	६	१७	२७	३७	४७	५८	८	१८	२८	३९	४९	१०
	३१	४५	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	१४

अक्षांशाः १४   पलभा २।५९।२८   उदयमानानि—२४९।२७६।३१४।३३२।३२२।३०७

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५
६ तुला	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६
	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	११	२१	३२	४३	५४	४	१५	२६	३८
	३१	४५	५९	१३	२७	४१	५५	९	५३	३७	२१	५	४९	३३	१७	१
७ वृश्चिक	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२
	१८	२८	३९	५०	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१
	१	४५	२९	१३	५७	४१	२५	९	१३	१७	२१	२५	२९	३३	३७	४१
८ धन	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७
	४७	५८	९	२०	३१	४३	५४	५	१५	२६	३६	४७	५७	७	८	२८
	४१	४५	४९	५३	५७	१	५	९	३७	५	३३	१	२९	५७	२५	५३
९ मकर	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२
	५	१	२६	३७	४७	५८	८	१९	२८	३७	४६	५५	५	१४	२३	३२
	५३	२१	४९	१७	४५	१३	४१	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५
१० कुम्भ	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७
	५०	५९	९	१८	२७	३६	४५	५५	३	११	२०	२८	३६	४४	५३	[illegible]
	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२७	४५	३	२१	३९	५७	१५	३३
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१
	६	१४	२२	३०	३९	४७	५५	४	१२	२०	२९	३७	४५	५३	२	१०
	३	२१	३९	५७	१५	३३	५१	९	२७	४५	३	२१	३९	५७	१५	३३

अंश	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	T.
६ तुला	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	०
	४७	५८	९	१९	३०	४१	५२	२	१३	२४	३५	४५	५६	७	१०
	४५	२९	१३	५७	४१	२५	९	५३	३७	२१	५	४९	३३	१७	४४
७ वृश्चिक	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	०
	१२	२३	३४	४५	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	११
	४५	४९	५३	५७	१	५	९	१३	१७	२१	२५	२९	३३	३७	४
८ धन	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	०
	३९	४९	०	१०	२१	३१	४२	५२	२	१३	२४	३४	४४	५५	१०
	२१	४९	१७	४५	१३	४१	९	३७	५	३३	१	२९	५७	२५	२८
९ मकर	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	०
	४१	५१	०	९	१८	२७	३७	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	९
	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	१२
१० कुम्भ	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
	९	१८	२६	३४	४३	५१	५९	७	१६	२४	३३	४१	४९	५७	८
	५१	९	२७	४५	३	२१	३९	५७	१५	३३	५१	९	२७	४५	१८
११ मीन	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	३	०
	१८	२७	३५	४३	५२	०	८	१६	२५	३३	४१	५०	५८	६	८
	५१	९	२७	४५	३	२१	३९	५७	१५	३३	५१	९	२७	४५	१८

अक्षांश: १५ अनन्तपुर, रायदुर्ग, विजयनगर, हरिहर, सान्दूर, गोवा, बेल्लारी, गदग, उदयगिरि, धारवार

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	०
मेष	१२	२०	२९	३७	४५	५३	१	१०	१९	२८	३७	४६	५५	४	१४	२३	३२	४१	५०	५९	८	१७	२७	३६	४५	५४	३	१२	२१	३१	९
	४२	५४	५	१८	३०	४२	५४	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	८
१	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	०
वृषभ	४०	४९	५८	७	१६	२५	३४	४४	५४	४	१५	२५	३६	४६	५७	७	१८	२८	३८	४९	५९	१०	२०	३१	४१	५१	२	१२	२३	३३	१०
	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	२६
२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	०
मिथुन	४४	५४	४	१५	२५	३६	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२८	३९	५०	१	११
	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	६
३	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	०
कर्क	१२	२३	३४	४५	५६	७	१९	३०	४०	५१	२	१३	२४	३४	४५	५६	७	१८	२८	३९	५०	१	१२	२२	३३	४४	५५	६	१७	२७	१०
	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	५४	४२	४[illegible]
४	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	३८	४९	०	१०	२१	३२	४३	५४	४	१४	२५	३५	४५	५५	६	१६	२७	३७	४७	५८	८	१८	२८	३९	४९	०	१०	२०	३१	४१	१०
	३०	१८	६	५४	४२	३०	१८	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	२०
५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	५१	२	१२	२२	३३	४३	५३	४	१४	२४	३५	४५	५५	६	१६	२६	३७	४७	५७	८	१८	२८	३९	४९	५९	१०	२०	३०	४१	५१	१०
	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	४६	६	२६	२०

अक्षांशाः १५ पलभा ३।१२।५४ उदयमानानि २४६।२७४।३१३।३३३।३२४।३१०

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३४ १ ४६	३४ १२ ६	३४ २२ २६	३४ ३२ ४६	३४ ४३ ६	३४ ५३ २६	३५ ३ ४६	३५ १४ ६	३५ २४ ५४	३५ ३५ ४२	३५ ४६ ३०	३५ ५७ १८	३६ ८ ६	३६ १८ ५४	३६ २९ ४२	३६ ४० ३०	३६ ५१ १८	३७ २ ६	३७ १२ ५४	३७ २३ ४२	३७ ३४ ३०	३७ ४५ १८	३७ ५ ६	३८ ६ ५४	३८ १७ ४२	३८ २८ ३०	३८ ३९ १८	३८ ५० ६	३९ ० ५४	३९ ११ ४२	० १० ४८
७ वृश्चिक	३९ २२ ३०	३९ ३३ १८	३९ ४४ ६	३९ ५४ ५४	४० ५ ४२	४० १६ ३०	४० २७ १८	४० ३८ ६	४० ४९ १२	४१ ० १८	४१ ११ २४	४१ २२ ३०	४१ ३३ ३६	४१ ४४ ४२	४१ ५५ ४८	४२ ६ ५४	४२ १८ ०	४२ २९ ६	४२ ४० १२	४२ ५१ १८	४३ २ २४	४३ १३ ३०	४३ २४ ३६	४३ ३५ ४२	४३ ४६ ४८	४३ ५७ ५४	४४ ९ ०	४४ २० ६	४४ ३१ १२	४४ ४२ १८	० ११ ६
८ धन	४४ ५४ २४	४५ ४ ३०	४५ १५ ३६	४५ २६ ४२	४५ ३७ ४८	४५ ४८ ५४	४६ ० ०	४६ ११ ६	४६ २१ ३२	४६ ३१ ५८	४६ ४२ २४	४६ ५२ ५०	४७ ३ १६	४७ १३ ४२	४७ २४ ८	४७ ३४ ३४	४७ ४५ ०	४७ ५५ २६	४८ ५ ५२	४८ १६ १८	४८ २६ ४४	४८ ३७ १०	४८ ४७ ३६	४८ ५८ २	४९ ८ २८	४९ १८ ५४	४९ २९ २०	४९ ३९ ४६	४९ ५० १२	५० ० ३८	० १० २६
९ मकर	५० ११ ४	५० २१ ३०	५० ३१ ५६	५० ४२ २२	५० ५२ ४८	५१ ३ १४	५१ १३ ४०	५१ २४ ६	५१ ३३ १४	५१ ४२ २२	५१ ५१ ३०	५२ ० ३८	५२ ९ ३६	५२ १८ ५४	५२ २८ २	५२ ३७ १०	५२ ४६ १८	५२ ५५ २६	५३ ४ ३४	५३ १३ ४२	५३ २२ ५०	५३ ३१ ५८	५३ ४१ ६	५३ ५० १४	५३ ५९ २२	५४ ८ ३०	५४ १७ ३८	५४ २६ ४६	५४ ३५ ५४	५४ ४५ २	० ९ ८
१० कुम्भ	५४ ५४ १०	५५ ३ १८	५५ १२ २६	५५ २१ ३४	५५ ३० ४२	५५ ३९ ५०	५५ ४८ ५८	५५ ५८ ६	५६ ६ १८	५६ १४ ३०	५६ २२ ४२	५६ ३० ५४	५६ ३९ ६	५६ ४७ १८	५६ ५५ ३०	५७ ३ ४२	५७ ११ ५४	५७ २० ६	५७ २८ १८	५७ ३६ ३०	५७ ४४ ४२	५७ ५२ ५४	५८ १ ६	५८ ९ १८	५८ १७ ३०	५८ २५ ४२	५८ ३३ ५४	५८ ४२ ६	५८ ५० १८	५८ ५८ ३०	० ८ १२
११ मीन	५९ ६ ४२	५९ १४ ५४	५९ २३ ६	५९ ३१ १८	५९ ३९ ३०	५९ ४७ ४२	५९ ५५ ५४	० ४ ६	० १२ १८	० २० ३०	० २८ ४२	० ३६ ५४	० ४५ ६	० ५३ १८	१ १ ३०	१ ९ ४२	१ १८ ५४	१ २६ ६	१ ३४ १८	१ ४२ ३०	१ ५० ४२	१ ५८ ५४	२ ७ ६	२ १५ १८	२ २३ ३०	२ ३१ ४२	२ ३९ ५४	२ ४८ ६	२ ५६ १८	३ ४ ३०	० ८ १२

अक्षांशः १६ — कर्णूल, गुंटूर, बागलकोट, मछलीपट्टम्, रायचूर बेलगांव,

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
मेष	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	०
	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	८	१७	२६	३५	४४	५३	२	११	२०	२९	३८	४७	५६	५	१५	२४	३३	४२	५१	०	९	१८	२७	९
	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	१२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	४
१ वृषभ	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	०
	३६	४५	५४	३	१२	२१	३१	४०	५०	०	११	२१	३२	४२	५२	३	१३	२४	३४	४४	५५	५	१६	२६	३६	४७	५७	८	१८	२८	१०
	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	१२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	२४
२ मिथुन	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	०
	३९	४	०	१०	२०	३१	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	११
	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८
३ कर्क	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	०
	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२६	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	१०
	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	५२
४ सिंह	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
	३६	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	२	१२	२३	३३	४४	५४	४	१५	२५	३६	४६	५६	७	१७	२८	३८	४८	५९	९	२०	३०	४०	१०
	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	२४
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	०
	५१	१	१२	२२	३२	४३	५३	४	१४	२४	३५	४५	५६	६	१६	२७	३७	४८	५८	८	१९	२९	४०	५[illegible]	०	११	२२	३२	४३	५३	१०
	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	२४

अक्षांशः १६ पलभा ३।२६।२४ उदयमानानि २४५।२७२।३११।३३४।३२६।३१२

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	०
	३	१३	२४	३४	४४	५५	५	१६	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	१०
	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	५२
७ वृश्चिक	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	०
	२६	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१७	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४७	११
	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८
८ धन	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	०
	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१६	२६	३६	४७	५७	८	१८	२८	३९	४९	०	१०	२०	३१	४१	५२	२	१२	२३	३३	४४	५४	४	१०
	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	१२	१६	४०	४	२८	५२	२४
९ मकर	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	०
	१५	२५	३६	४६	५६	७	१७	२८	३७	४६	५५	४	१३	२२	३१	४०	४९	५८	७	१६	२५	३५	४४	५३	२	११	२०	२९	३८	४७	६
	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	४
१० कुम्भ	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
	५६	५	१४	२३	३२	४१	५१	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५७	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५९	८
	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	०
	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	३	८
	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	२६	४४	५२	०	८

अक्षांशः १७ — विजयवाडा, गुलबर्गा, नलगौंडा, नारायनपटे, महबूबनगर, सिकन्दराबाद, हैदराबाद, रत्नागिरि, मिरज, सांगली.

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	०
	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	६	१५	२४	३३	४२	५१	०	९	१८	२७	३६	४५	५४	३	१२	२१	३०	३९	४८	५७	६	१५	२४	९
	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	०
१ वृषभ	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	०
	३३	४२	५१	०	९	१८	२७	३६	४६	५६	७	१७	२७	३८	४८	५८	९	१९	३०	४०	५०	१	११	२१	३२	४२	५३	३	१३	२४	१०
	२	२	२	२	२	२	२	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	०	२२	४४	६	२२
२ मिथुन	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	०
	३४	४४	५५	५	१५	२६	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५४	५	१६	२७	३८	४९	१	१२	२३	३४	४५	५६	८	१९	३०	४१	५२	११
	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	१०
३ कर्क	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	०
	३	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२२	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	१०
	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	५६
४ सिंह	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	०	१०	२१	३१	४२	५२	३	१३	२४	३४	४५	५५	६	१६	२७	३७	४७	५८	८	१९	२९	४०	१०
	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	३०	५८	२६	५४	२२	५०	१८	४६	१४	४२	१०	३८	६	३४	२	३०	५८	२६	५४	२२	५०	१८	२८
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	०
	५०	१	११	२२	३२	४३	५३	४	१४	२४	३५	४५	५६	६	१७	२७	३८	४८	५९	९	२०	३०	४१	५१	१	१२	२२	३३	४३	५४	१०
	४६	१४	४२	१०	३८	६	३४	२	३०	५८	२६	५४	२२	५०	१८	४६	१४	४२	१०	३८	६	३४	२	३०	५८	२६	५४	२२	५०	१८	२८

अक्षांशाः १७ पलभा ३।४० उदयमानानि २४२।२७०।३११।३३५।३२८।३१४

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	०
	४	१५	२५	३६	४६	५७	७	१८	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	१०
	४६	१४	४२	१०	३८	६	३४	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	५६
७ वृश्चिक	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	०
	९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५३	४	१५	२६	३७	४८	०	११	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५१	११
	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	१०
८ धन	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	०
	२	१४	२५	३६	४७	५८	९	२१	३१	४१	५२	२	१२	२३	३३	४३	५४	४	१५	२५	३५	४६	५६	६	१७	२७	३८	४८	५८	९	१०
	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	०	२२	४४	६	२२
९ मकर	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	०
	१९	२९	४०	५०	०	११	२१	३२	४१	५०	५९	८	१७	२६	३५	४४	५३	२	११	२०	२९	३८	४७	५६	५	१४	२३	३२	४१	५०	९
	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	०
१० कुंभ	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५[illegible]	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	०
	५९	८	१७	२६	३५	४४	५३	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	८
	२	२	२	२	२	२	२	२	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	४
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	०
	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	८
	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	३८	४२	४	५०	५४	५८	२	६	१०	१४	१८	२२	२[illegible]	३०	४

अक्षांशः १८	उस्मानाबाद, विजयानगरम्, विशाखापट्टनम्, खड्का, जंजीरा, पूना पंढरपुर, बार्शी, महाबलेश्वर, वाई, शोलापुर, सतारा																													
अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	०
	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२१	३०	३९	४८	५७	६	१५	२४	३३	४२	५१	०	९	१८	२६	३५	४४	५३	२	११	२०	८
	०	०	०	०	०	०	०	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	५६
१ वृषभ	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	०
	२९	३८	४७	५६	५	१४	२३	३२	४२	५२	३	१३	२३	३४	४४	५४	५	१५	२६	३६	४६	५७	७	१७	२८	३८	४८	५९	९	२०	१०
	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२२
२ मिथुन	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१	१७	१७	१७	१७	०
	३०	४०	५१	१	११	२२	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	५०	१	१२	२३	३४	४५	५७	८	१९	३०	४१	५२	४	१५	२६	३७	४८	११
	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	१०
३ कर्क	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	०
	५९	११	२२	३३	४४	५५	६	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	११
	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४ सिंह	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५८	९	१९	३०	४०	५१	१	१२	२२	३३	४३	५४	४	१५	२६	३६	४७	५७	८	१८	२९	३९	१०
	०	०	०	०	०	०	०	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	३२
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	०
	५०	०	११	२१	३२	४२	५३	४	१४	२५	३५	४६	५६	७	१७	२८	३८	४९	५९	१०	२०	३१	४२	५२	३	१३	२४	३४	४५	५५	१०
	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	३२

अक्षांशाः १८ पलभा ३।५३ उदयमानानि २४०।२६८।३११।३३५।३३०।३१६

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	०
	६	१६	२७	३७	४८	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	११
तुला	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	०
	३३	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४५	५७	८	१९	३०	४१	५२	४	१५	२६	३७	४८	५९	११	२२	३३	४४	५५	११
वृश्चिक	०	०	०	०	०	०	०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	१०
८	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	०
	६	१८	२९	४०	५१	२	१३	२५	३५	४५	५६	६	१६	२७	३७	४७	५८	८	१९	२९	३९	५०	०	१०	२१	३१	४१	५२	२	१३	१०
धन	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	२२	४४	६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	२	२४	४६	८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२२
९	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	०
	२३	३३	४४	५४	४	१५	२५	३६	४४	५३	२	११	२०	२९	३८	४७	५६	५	१४	२३	३२	४१	५०	५८	७	१६	२५	३४	४३	५२	८
मकर	२६	४८	१०	३२	५४	१६	३८	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	४२	५६
१०	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
	१	१०	१९	२८	३७	४६	५५	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८
कुम्भ	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	३	०
	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८
मीन	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

अक्षांशः १९ — अलीबाग, अहमदनगर, कल्याण, धोंड, बम्बई, माथेरान, श्रीगोंडा, नादड़े, गोपालपुर, बस्तर,

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२	२९	ग.
० मेष	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	०
	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	०	९	१८	२७	३६	४५	५४	३	११	२०	२९	३८	४७	५६	५	१३	२२	३१	४०	४९	५८	७	१६	८
	३९	३३	२७	२१	१५	९	३	५७	४९	४१	३३	२५	१७	९	१	५३	४५	३७	२९	२१	१३	५	५७	४९	४१	३३	२५	१७	९	१	५२
१ वृषभ	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	०
	२४	३३	४२	५१	०	९	१८	२८	३७	४७	५६	८	१८	२८	३९	४९	५९	१०	२०	३०	४१	५१	१	१२	२२	३२	४३	५३	३	१४	१०
	५३	४५	३७	२९	२१	१३	५	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	२०
२ मिथुन	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१
	२४	३४	४५	५५	५	१६	२६	३६	४८	५९	१०	२१	३२	४४	५५	६	१७	२८	४०	५१	२	१३	२४	३६	५८	४७	९	२०	३२	४३	११
	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	१२
३ कर्क	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	०
	५४	५	१६	२८	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	१०	३२	२१	४३	५४	५	१६	११
	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	१	५	९	१३	१७	२१	२५	२९	३३	३७	४१	४५	४९	५३	५७	१	९	५	१३	१७	२१	२५	४
४ सिंह	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१६	२७	३८	४८	५९	१०	२०	३१	४१	५२	३	१३	२४	३५	४५	५६	६	१७	[illegible]	३८	१०
	२९	३३	३७	४१	४५	४९	५३	५७	३५	१३	५१	२९	७	४५	२३	१	३९	१७	५५	३३	११	४९	२७	५	४३	२१	५९	३७	१५	५३	३८
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	०
	४६	०	१०	२१	३२	४२	५३	३	१४	२५	३५	४६	५७	७	१८	२९	३९	५०	०	११	२२	३२	४३	५४	४	१५	२५	३६	४७	५७	१०
	३१	९	४७	२५	३	४१	१९	५७	३५	१३	५१	२९	७	४५	२३	१	३९	१७	५५	३३	११	४९	२७	५	४३	२१	५९	३७	१५	५३	३८

अक्षांशाः १९ पलभा ४।८ उदयमानानि—२३७।२६६।३१०।३३६।३३२।३१९

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	०
	८	१९	२९	४०	५१	१	१२	२२	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	४	३५	४६	५७	८	२०	३१	४२	५३	४	१५	२६	११
	३१	९	४७	२५	३	४१	१९	५७	१	५	९	१३	१७	२१	२५	२९	३३	३७	४१	४५	४९	५३	५७	१	५	९	१३	१७	२१	२५	४
७ वृश्चिक	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	०
	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	३९	५०	२	१३	२४	३५	४६	५८	९	२०	३१	४२	५४	५	१६	२७	३८	५०	१	११
	२९	३३	३७	४१	४५	४९	५३	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	१२
८ धन	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	०
	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	३०	४१	५१	१	१२	२२	३२	४२	५३	३	१४	२४	३४	४५	५५	५	१६	२६	३६	४७	५७	७	१८	१०
	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	२०
९ मकर	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	०
	२८	३८	४९	५९	९	२०	३०	४०	४९	५८	७	१६	२५	३४	४३	५१	०	९	१८	२७	३६	४५	५३	२	११	२०	२९	३८	४७	५६	८
	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	४९	४१	३३	२५	१७	९	१	५३	४५	३७	२९	२१	१३	५	५७	४९	४१	३३	२५	१७	९	[illegible]	५२
१० कुम्भ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
	४	१३	२२	३१	४०	४९	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२५	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	४४	५२	०	७
	५३	४५	३७	२९	२१	१३	५	५७	५१	४५	३९	३३	२७	२१	१५	९	३	५७	५१	४५	३९	३३	२७	२१	१५	९	३	५७	५१	४५	५४
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	०
	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४१	४९	५७	७
	३९	३३	२७	२१	१५	९	३	५७	५१	४५	३९	३३	२७	२१	१५	९	३	५७	५१	४५	३९	३३	२७	२१	१५	९	३	५७	५१	४५	५४

अक्षांशः २० — कटक, पुरी, टमशर, चालीसगांव, नाशीक, मनमाड, एलोरा

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	I.
०	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	०
मेष	४	११	१९	२७	३५	४३	५१	५८	७	१६	२५	३४	४३	५१	०	९	१८	२७	३६	४४	५३	२	११	२०	२९	३७	४६	५५	४	१३	८
	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	२७
१	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	०
वृषभ	२२	३०	३९	४८	५७	६	१५	२३	३४	४४	५४	५	१५	२५	३६	४६	५६	६	१७	२७	३७	४८	५८	८	१९	२९	३९	४९	०	१०	१०
	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	१८
२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	०
मिथुन	२०	३१	४१	५१	२	१२	२२	३२	४४	५५	६	१७	२९	४०	५१	२	१४	२५	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४३	५५	६	१७	२८	४०	११
	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	९	२३	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१४
३	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	०
कर्क	५१	२	१३	२४	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	१२	२३	३४	४५	५	७	१८	२९	४०	५१	३	१४	११
	१७	३१	४५	५९	१३	२७	४१	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	६
४	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२५	३६	७	५७	८	१९	२९	४०	५१	२	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३८	१०
	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	३७	१९	१	४३	२५	७	४९	३१	१३	५५	३७	१९	१	४३	२५	७	४९	३१	१३	५५	३७	१९	४२
५	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	०
कन्या	४९	५९	१०	२१	३१	४२	५३	३	१४	२५	३६	४७	५७	८	९	[illegible]	४०	५०	१	१२	२३	३३	४४	५५	५	१६	२७	३७	४८	५९	१०
	१	४३	२५	७	४९	३१	१३	५५	३७	१९	१	४३	२५	७	४९	३१	१३	५५	३७	१९	१	४३	२५	७	४९	३१	१३	५५	३७	१९	४२

अक्षांशाः २०   पलभा ४।२२   उदयमानानि २३५।२६५।३०९।३३७।३३३।३२१

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	०
तुला	१०	२०	३१	४२	५२	३	१४	२४	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	१८	२९	११
	१	४३	२५	७	४९	३१	१३	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	६
७	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	०
वृश्चिक	४०	५१	२	१३	२४	३५	४६	५७	९	२०	३१	४२	५४	५	१६	२७	३९	५०	१	१२	२३	३५	४६	५७	८	२०	३१	४२	५३	५	११
	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	९	२३	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१४
८	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	०
धन	१६	२७	३८	४९	१	१२	२३	३४	४५	५५	५	१६	२६	३६	४७	५७	७	१७	२८	३८	४८	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	११	२१	१०
	१७	३१	४५	५९	१३	२७	४१	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	१८
९	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	०
मकर	३१	४२	५२	२	१३	२३	३३	४३	५२	१	१०	१९	२८	३६	४५	५४	३	१२	२१	२९	३८	४७	५६	५	१४	२२	३१	४०	४९	५८	८
	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५०
१०	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
कुम्भ	७	१५	२४	३३	४२	५१	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५५	३	११	१९	२७	३५	४२	५०	५८	६	१४	२२	२९	३७	४५	५३	१	७
	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५०
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	०
मीन	९	१६	२४	३२	४०	४८	५६	३	११	१९	२७	३५	४३	५०	५८	६	१४	२२	३०	३७	४५	५३	१	९	१७	२४	३२	४०	४८	५६	७
	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५०

अक्षांशः २१ सूरत, नागपुर, भुसावल, प्रभासपाटण, जलगांव, जूनागढ़, अमरावती, एलीचपुर, वांसदा, मांगरोल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	०
	१	९	१७	२४	३२	४०	४८	५५	४	१३	२२	३०	३९	४८	५७	६	१४	२३	३२	४१	४९	५८	७	१६	२४	३३	४२	५१	५९	८	८
	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	४६
१ वृषभ	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	०
	१७	२६	३५	४३	५२	१	१०	१८	२९	३९	४९	५९	१०	२०	३०	४१	५१	१	११	२२	३२	४२	५२	३	१३	२३	३३	४४	५४	४	१०
	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	१६
२ मिथुन	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	०
	१५	२५	३५	४५	५६	६	१६	२६	३८	४९	०	११	२३	३४	४५	५७	८	१९	३०	४२	५३	४	१५	२७	३८	४९	०	१२	२३	३४	११
	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	१६
३ कर्क	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	०
	४६	५७	८	१९	३१	४२	५३	४	१६	१७	३८	४९	०	११	२३	३४	४५	५६	७	१८	३०	४१	५२	३	१४	२५	३७	४८	५९	१०	११
	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	१०
४ सिंह	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
	२१	३२	४४	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३३	४४	५५	६	१७	२७	३८	४९	०	११	२१	३२	४३	५४	५	१५	२६	३७	१०
	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	४०	२८	१६	४	५२	४०	२८	१६	४	५२	४०	२८	१६	४	५२	४०	२८	१६	४	५२	४०	२८	४८
५ कन्या	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	०
	४८	५९	९	२०	३१	४२	५३	३	१४	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४१	५१	२	१३	२४	३५	४५	५६	७	१८	२९	३९	५०	१	१०
	१६	४	५२	४०	२८	१६	४	५२	४०	२८	१६	४	५२	४०	२८	१६	४	५२	४०	२८	१६	४	५२	४०	२८	१६	४	५२	४०	२८	४८

अक्षांशाः २१ पलभा ४।३६।२२ उदयमानानि २३२।२६३।३०८।३३८।३३५।३२४

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग
६ तुला	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	९
	१२	२३	३३	४४	५५	६	१७	२७	३९	५०	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	३०	४१	५३	४	१५	२६	३७	४८	०	११	२२	३३	११
	१६	४	५२	४०	२८	१६	४	५	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	१०
७ वृश्चिक	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	०
	४४	५५	७	१८	२९	४०	५१	२	१४	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३३	४४	५५	६	१८	२९	४०	५१	३	१४	२५	३६	४८	५९	१०	११
	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	१६
८ धन	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	०
	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५१	१	११	२१	३२	४२	५२	३	१३	२३	३३	४४	५४	४	१४	२५	३५	४५	५५	६	१६	२६	१०
	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	१६
९ मकर	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	०
	३७	४७	५७	७	१८	२८	३८	४८	५७	६	१५	२३	३२	४१	५०	५९	७	१६	२५	३४	४२	५१	०	९	१७	२६	३५	४४	५२	१	८
	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	३८	२४	१०	५६	४२	२८	१४	०	४६	३२	१८	४	५०	३६	२२	८	५४	४०	२६	१२	५८	४४	४६
१० कुम्भ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
	१०	१९	२८	३६	४५	५४	३	११	१९	२७	३५	४२	५०	५८	६	१३	२१	२९	३६	४४	५२	०	७	१५	२३	३१	३८	४६	५४	२	७
	३०	१६	२	४८	३४	२०	६	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	०
	९	१७	२५	३२	४०	४८	५६	३	११	१९	२७	३४	४२	५०	५८	५	१३	२१	२८	३६	४४	५२	५९	७	१५	२३	३०	३८	४६	५४	७
	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४

अक्षांशः २२ — इटारसी, पंचमढ़ी, बिलासपुर, भरुच, बड़ौदा, पेटलाद, जम्बुसर, पालीताणा, पोरबंदर, भावनगर, चटगाँव, राजकोट, अमरेली,

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	०
	०	८	१६	२४	३१	३९	४७	५४	३	१२	२०	२९	३८	४७	५५	४	१३	२१	३०	३९	४७	५६	५	१४	२२	३१	४०	४८	५७	६	८
	५७	३९	२१	३	४५	२७	९	५१	३३	१५	५७	३९	२१	३	४५	२७	९	५१	३३	१५	५७	३९	२१	३	४५	२७	९	५१	३३	१५	४२
१ वृषभ	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	०
	१४	२३	३२	४१	४९	५८	७	१५	२६	३६	४६	५६	७	१७	२७	३७	४८	५८	८	१९	२९	३९	४९	०	१०	२०	३०	४१	५१	[illegible]	१०
	५७	३९	२१	३	४५	२७	९	११	७	२३	३९	५	११	२७	४३	५९	१५	३१	४७	३	१९	३५	५१	७	२३	३९	५५	११	२७	४३	१६
२ मिथुन	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	०
	११	२२	३२	४२	५३	३	१३	२३	३४	४६	५७	८	२०	३१	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	९	२०	३१	११
	५९	१५	३१	४७	३	१९	३५	५१	७	२३	३९	५५	११	२७	४३	५९	१५	३१	४७	३	१९	३५	५१	७	२३	३९	५५	११	२७	४३	१६
३ कर्क	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	०
	४२	५४	५	१६	२८	३९	५०	१	१३	२४	३५	४६	५८	९	२०	३१	४२	५४	५	१६	२७	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	८	११
	५९	१५	३१	४७	३	१९	३५	५१	[illegible]	१९	३३	४७	१	१५	[illegible]	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	५९	१४
४ सिंह	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
	२०	३१	४२	५३	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४३	५४	५	१६	२९	३८	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५३	४	१५	२६	३७	१०
	१३	२७	४१	५१	९	२३	३९	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	५०
५ कन्या	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	०
	४८	५८	९	२०	३१	४२	५३	३	१४	२५	३६	४७	५८	८	१९	३०	४२	५२	३	१३	२४	३५	४६	५७	८	१८	२९	४०	५१	२	१०
	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	५०

अक्षांशाः २२ पलभा ४।५०।५३ उदयमानानि २३१।२६१।३०८।३३८।३३७।३२५

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३४ १३ १	३४ २३ ५१	३४ ३४ ४१	३४ ४५ ३१	३४ ५६ २१	३५ ७ ११	३५ १८ १	३५ २८ ५१	३५ ४० ५	३५ ५१ १६	३६ २ ३३	३६ १३ ४७	३६ २५ १	३६ ३६ १५	३६ ४७ २९	३६ ५८ ४३	३७ ९ ५७	३७ २१ ११	३७ ३२ २५	३७ ४३ ३९	३७ ५४ ५३	३८ ६ ७	३८ १७ २१	३८ २८ ३५	३८ ३९ ४९	३८ ५१ ३	३९ २ १७	३९ १३ ३१	३९ २४ ४५	३९ ३५ ५९	० ११ १४
७ वृश्चिक	३९ ४७ १३	३९ ५८ २७	४० ९ ४१	४० २० ५५	४० ३२ ९	४० ४३ २३	४० ५४ ३७	४१ ५ ५१	४१ १७ ७	४१ २८ २३	४१ ३९ ३९	४१ ५० ५५	४२ २ ११	४२ १३ २७	४२ २४ ४३	४२ ३५ ५९	४२ ४७ ५१	४२ ५८ ३१	४३ ९ ४७	४३ २१ ३	४३ ३२ १९	४३ ४३ ३५	४३ ५४ ५१	४४ ६ ७	४४ १७ २३	४४ २८ ३९	४४ ३९ ५५	४४ ५१ ११	४५ २ २७	४५ १३ ४३	० ११ १६
८ धन	४५ २४ ५९	४५ ३६ १५	४५ ४७ ३१	४५ ५८ ४७	४६ १० ३	४६ २१ १९	४६ ३२ ३५	४६ ४३ ५१	४६ ५४ ७	४७ ४ २३	४७ १४ ३९	४७ २४ ५५	४७ ३५ ११	४७ ४५ २७	४७ ५५ ४३	४८ ५ ५९	४८ १६ १५	४८ २६ ३१	४८ ३६ ४७	४८ ४७ ३	४८ ५७ १९	४९ ७ ३५	४९ १७ ५१	४९ २८ ७	४९ ३८ २३	४९ ४८ ३९	४९ ५८ ५५	५० ९ ११	५० १९ २७	५० २९ ४३	० १० १६
९ मकर	५० ३९ ५९	५० ४९ १५	५० ५९ ३१	५१ १० ४७	५१ २१ ३	५१ ३१ १९	५१ ४१ ३५	५१ ५१ ५१	५२ ० ३३	५२ ९ १५	५२ १७ ५७	५२ २६ ३९	५२ ३५ २१	५२ ४४ ३	५२ ५२ ४५	५३ १ २७	५३ १० ९	५३ १८ ५१	५३ २७ ३३	५३ ३६ १५	५३ ४४ ५७	५३ ५३ ३९	५४ २ २१	५४ ११ ३	५४ १९ ४५	५४ २८ २७	५४ ३७ ९	५४ ४५ ५१	५४ ५४ ३३	५५ ३ १५	० ८ ४२
१० कुम्भ	५५ ११ ५७	५५ २० ३९	५५ २९ २१	५५ ३८ ३	५५ ४६ ४५	५५ ५५ २७	५६ ४ ९	५६ १२ ५१	५६ २० ३३	५६ २८ १५	५६ ३५ ५७	५६ ४३ ३९	५६ ५१ २१	५६ ५९ ३	५७ ६ ४५	५७ १४ २७	५७ २२ ९	५७ २९ ५१	५७ ३७ ३३	५७ ४५ १५	५७ ५२ ५७	५८ ० ३९	५८ ८ २१	५८ १६ ३	५८ २३ ४५	५८ ३१ २७	५८ ३९ ९	५८ ४६ ५१	५८ ५४ ३३	५९ २ १५	० ७ ४२
११ मीन	५९ ९ ५७	५९ १७ ३९	५९ २५ २१	५९ ३३ ३	५९ ४० ४५	५९ ४८ २७	५९ ५६ ९	० ३ ५१	० ११ ३३	० १९ १५	० २६ ५७	० ३४ ३९	० ४२ २१	० ५० ३	० ५७ ४५	१ ५ २७	१ १३ ९	१ २० ५१	१ २८ ३३	१ ३६ १५	१ ४३ ५७	१ ५१ ३९	१ ५९ २१	२ ७ ३	२ १४ ४५	२ २२ २७	२ ३० ९	२ ३७ ५१	२ ४५ ३३	२ ५३ १५	० ७ ४२

अक्षांशाः २३ — उज्जैन, इन्दोर, विरमगाम, मोरबी, मांडवा, अंजार (कच्छ), कलकत्ता, जबलपुर, डाकोर, दाहोद, धागंध्रा, नडीयाद, भोपाल.

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	०
	५८	६	१३	२१	२९	३६	४४	५१	०	९	१७	२५	३४	४३	५२	०	९	१८	२६	३५	४४	५२	१	९	१८	२७	३५	४४	५३	१	८
	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	४४	३८
१ वृषभ	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	०
	१०	१८	२७	३६	४४	५३	२	१०	२१	३१	४१	५१	२	१२	२२	३२	४३	५३	३	१४	२४	३४	४४	५५	५	१५	२५	३६	४६	५६	१०
	२२	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	१६
२ मिथुन	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	०
	६	१७	२७	३७	४८	५८	८	१८	३०	४१	५२	३	१५	२६	३७	४८	०	११	२२	३४	४५	५६	७	१९	३०	४१	५२	४	१५	२६	११
	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	१६
३ कर्क	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	०
	३७	४९	०	११	२३	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२३	३५	४६	५७	८	२०	३१	४२	५४	५	११
	५६	१२	२८	४४	०	१५	३२	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	१८
४ सिंह	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
	१६	२८	३९	५०	१	१३	२४	३५	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	४	२५	३६	१०
	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	५६
कन्या	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३४	०
	४७	५८	९	२०	३१	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१५	२५	३६	४७	५८	९	२०	३१	४२	५३	४	१०
	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	५६

अक्षांशः २३ पलभा ५।५।३८ उदयमानानि २२८।२५९।३०८।३३८।३२९।३२८

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	०
	१५	३६	३७	४८	५९	९	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	३९	५०	२	१३	२४	३६	४७	५८	१०	२१	३२	४३	५५	६	१७	२९	४०	११
	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	१८
७ वृश्चिक	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	०
	५१	३	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२२	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०	५२	३	१४	२६	३७	४८	५९	११	२२	३३	४४	५६	७	१८	११
	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	१६
८ धन	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	०
	२१	४१	५२	३	१५	२	३७	४८	५९	९	१९	२९	४०	५०	०	१०	२१	३१	४१	५२	२	१२	२२	३३	४३	५३	३	१४	२४	३४	१०
	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	१६
९ मकर	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	०
	४४	५५	५	१५	२६	३६	४६	५६	७	१४	२२	३१	३९	४८	५७	५	१४	२३	३१	४०	४९	५७	६	१४	२३	३२	४०	४९	५८	६	८
	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	४४	३८
१० कुम्भ	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
	१५	२४	३२	४१	४९	५८	७	१५	२३	३१	३८	४६	५३	१	९	१६	२४	३१	३९	४७	५४	२	९	१७	२५	३२	४०	४७	५५	३	७
	२२	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	४८	१२	२४	०	३६
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	०
	१०	१८	२५	३३	४१	४८	५६	३	११	१९	२६	३४	४१	४९	५७	४	१२	१९	२७	३५	४२	५०	५७	५	१३	२०	२८	३५	४३	५१	७
	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६

अक्षांशः २४ पालनपुर, पाटन, नीमच, रतलाम, मुर्शिदाबाद, गिरीडीह, झरिया, रामगढ़, हजारीबाग, कानपुर, पालामऊ, महेसाणा, ढाका, नारायणगंज।

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	०
	५६	३	११	१८	२६	३३	४१	४८	५७	५	१४	२३	३१	४०	४८	५७	५	१४	२२	३१	४०	४८	५७	५	१४	२२	३१	४०	४८	५७	८
	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१९	५३	२७	१	३५	९	४३	१७	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	४९	२३	५७	३१	५	३९	१३	३४
१ वृषभ	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	०
	५	१४	२२	३१	४०	४८	५७	५	१५	२६	३६	४६	५६	६	१७	२७	३७	४७	५७	८	१८	२८	३८	४८	५९	९	१९	२९	३९	५०	१०
	४७	२१	५५	२९	३	३७	११	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	१२
२ मिथुन	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	०
	२	१०	२०	३०	४१	५१	१	११	२३	३४	४५	५७	८	१९	३१	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	९	२१	११
	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२०
३ कर्क	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	०
	३२	४३	५५	६	१७	२९	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	५९	११	२२	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	४	१६	२७	३९	५०	१	११
	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	७	२९	५१	१३	३५	५७	१९	४१	३	२५	४७	९	३१	५३	१५	३७	५९	२१	४३	५	२७	४९	२२
४ सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
	१३	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	१	१२	२३	३४	४५	५६	७	१८	२९	४०	५१	२	१३	२४	३५	११
	११	३३	५५	१७	३९	१	२३	४५	४७	४९	५१	५३	५५	५७	५९	१	३	५	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	२९	२
५ कन्या	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	०
	४६	५७	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२०	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	४९	०	११	२२	३३	४४	५५	६	११
	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५१	५३	५५	५७	५९	१	३	५	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	२९	२

अक्षांशाः २४ पलभा ५।२०।३१ उदयमानानि २२५।२५७।३०६।३४०।३४१।३३१

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	०
	१७	२८	३९	५०	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	२०	३१	४२	५४	५	१७	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४४	११
	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	७	२९	५१	१३	३५	५७	१९	४१	३	२५	४७	९	३१	५३	१५	३७	५९	२१	४३	५	२७	४९	२२
७ वृश्चिक	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	०
	५६	७	१८	३०	४१	५३	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२३	३५	४६	५७	९	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	३९	५१	२	१३	२५	११
	११	३३	५५	१७	३९	१	२३	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५	२०
८ धन	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	०
	३६	४७	५९	१०	२१	३३	४४	५५	५	१६	२६	३६	४६	५६	७	१७	२७	३७	४७	५८	८	१८	२८	३८	४९	५९	९	१९	२९	४०	१०
	२५	४५	५	२५	४५	५	२५	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	५७	९	१२
९ मकर	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	०
	५०	०	१०	२०	३१	४१	५१	१	१०	१८	२७	३६	४४	५३	१	१०	१८	२७	३५	४४	५३	१	१०	१८	२७	३५	४४	५३	१	१०	८
	२१	३३	४५	५७	९	२१	३३	४५	१९	५३	२७	१	३५	९	४३	१९	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	४९	२३	५७	३१	५	३९	१३	३४
१० कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
	१८	२७	३५	४४	५३	१	१०	१८	२६	३३	४१	४८	५६	३	११	१८	२६	३३	४१	४८	५६	३	११	१८	२६	३३	४१	४८	५६	३	७
	४७	१	५५	२९	३	३७	११	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	३०
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	०
	११	१८	२६	३३	४१	४८	५६	३	११	१८	२६	३३	४१	४८	५६	३	११	१८	२६	३३	४१	४८	५६	३	११	१८	२६	३३	४१	४८	७
	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	३०

अक्षांशः २५	आबू ; उदयपुर, कराँची, काशी, इलाहाबाद, झाँसी, मिर्जापुर, जमालपुर, मुंगेर, मोकामा मालदा, कोटा, जालोर, बुंदी, सिलहट,																													
अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	०
मेष	५३	१	८	१६	२३	३०	३८	४५	५४	२	११	१९	२७	३६	४४	५३	१	१०	१८	२६	३५	४३	५२	०	९	१७	२५	३४	४२	५१	८
	१४	१८	४२	६	३०	५४	१८	४२	८	३४	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	२६
१	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	०
वृषभ	५९	८	१६	२४	३३	४१	५०	५८	९	१९	२९	३९	५०	०	१०	२१	३१	४१	५२	२	१२	२२	३३	४३	५३	४	१४	२४	३५	४५	१०
	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	१८
२	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	०
मिथुन	५५	५	१६	२६	३६	४७	५७	७	१८	३०	४१	५२	३	१५	२६	३७	४८	०	११	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९	४१	५२	३	१४	११
	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	१४
३	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	०
कर्क	२६	३७	४९	०	१२	२३	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५१	२	१४	२५	३७	४-	०	११	२३	३४	४६	५७	११
	४	१८	३२	४६	०	१४	२८	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	३०
४	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
सिंह	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	२९	४०	५१	३	१४	२५	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	५	१६	२७	३८	५०	१	१२	२३	३४	११
	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	८
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	०
कन्या	४५	५६	८	१९	३०	४१	५२	३	१४	२५	३७	४८	५९	१०	२१	३२	४३	५५	६	१७	२८	३९	५०	१	१२	२४	३५	४६	५७	८	११
	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	८

अक्षांशाः २५   पलभा ५।३५।४२   उदयमानानि २२२।२५३।३०९।३३७।३४५।३३४

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	०
	१९	३०	४२	५३	४	१५	२६	३७	४९	०	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	११
	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	३०
७ वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	०
	२	१३	२५	३६	४८	५९	११	२२	३३	४५	५६	७	१८	३०	४१	५२	३	१५	२६	३७	४८	५९	११	२२	३३	४४	५६	७	१८	२९	११
	१२	४२	१२	४२	१२	४२	१२	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	१४
८ धन	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	०
	४१	५२	३	१४	२६	३७	४८	५९	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२२	३२	४२	५३	३	१३	२३	३४	४४	५४	५	१५	२५	३६	४६	१०
	४	१८	३२	४६	०	१४	२८	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	१८
९ मकर	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	०
	५६	६	१७	२७	३७	४८	५८	८	१७	२५	३३	४२	५०	५९	७	१६	२४	३३	४१	४९	५८	६	१५	२३	३२	४०	४८	५७	५	१४	८
	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	८	३४	०	२	५२	१८	४४	१०	६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	२६
१० कुंभ	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
	२२	३१	३९	४७	५६	४	१३	२१	२९	३६	४३	५१	५८	६	१३	२०	२८	३५	४३	५०	५७	५	१२	२०	२७	३४	४२	४९	५७	४	७
	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	६	३०	५४	१८	४२	६	३०	५४	१८	४२	६	३०	५४	१८	४२	६	३०	५४	१८	४२	६	३०	२४
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	०
	११	१९	२६	३४	४१	४८	५६	३	११	१८	२५	३३	४०	४८	५५	२	१०	१७	२५	३२	३९	४७	५४	२	९	१६	२४	३१	३९	४६	७
	५४	१८	४२	६	३०	५४	१८	४२	६	३०	५४	१८	४२	६	३०	५४	१८	४२	६	३०	५४	१८	४२	६	३०	५४	१८	४२	६	३०	२४

अक्षांशः २६ — आजमगढ़, गाजीपुर, फतेहपुर, रायबरेली, दरभंगा, पटना, पूर्णिया, बक्सर, कूचबिहार, शिलांग, लश्कर, अजमेर, सवाईमाधोपुर, सुलतानपुर

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	[illegible]
० मेष	२	२	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	०
	५२	५९	७	१४	२१	२९	३६	४३	५२	०	८	१७	२५	३४	४२	५१	५९	८	१६	२४	३३	४१	५०	४८	७	१५	२३	३२	४०	४९	८
	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	२६
१ वृषभ	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	०
	५७	६	१४	२२	३१	३९	४८	५६	६	१६	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५९	९	१९	२९	३९	१०
	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	८
२ मिथुन	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	०
	४९	५९	१०	२०	३०	४०	५०	०	१२	२३	३४	४६	५७	९	२०	३१	४३	५४	६	१७	२८	४०	५१	३	१४	२५	३७	४८	०	११	११
	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	२४
३ कर्क	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	०
	२२	३४	४५	५७	८	१९	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१	३	१४	२६	३७	४९	०	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	११
	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	३०
४ सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	०
	७	१८	३०	४१	५३	४	१६	२७	३८	५०	१	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९	३०	४२	५३	४	१५	२६	३८	४९	०	११	२२	३४	११
	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१२
५ कन्या	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	०
	४५	५६	७	१८	३०	४२	५२	३	१४	२६	३७	४८	५९	१०	२१	३३	४४	५५	६	१८	२९	४०	५१	२	१४	२५	३६	४७	५८	१०	११
	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१२

अक्षांशाः २६ षलभा ५।५१।७ उदयमानानि २२०।२५३।३०४।३४२।३४५।३३६

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	०
	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	३९	५१	२	४	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४५	५६	८	१९	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१	११
	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	३०
७ वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	०
	३	१४	२६	३७	४९	०	१२	२४	३६	४७	५८	१०	२१	३३	४	५५	७	१८	३०	४१	५२	४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२४	३५	११
	१०	४०	१०	४०	१०	४०	१०	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४	२८	२४
८ धन	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	०
	४६	५८	९	२१	३२	४३	५५	६	१६	२६	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५८	९	१९	२९	३९	४९	१०
	५२	१६	४०	४	२८	५२	१६	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	८
९ मकर	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	०
	५९	९	२०	३०	४०	५०	०	१०	१९	२७	३५	४४	५२	१	९	१८	२६	३५	४३	५१	०	८	१७	२५	३४	४२	५०	५९	७	१६	८
	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	६	३२	५८	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	२६
१० कुम्भ	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
	२४	३३	४१	४९	५८	६	१५	२३	३१	३८	४५	५३	०	७	१५	२२	२९	३७	४४	५१	५९	६	१३	२१	२८	३५	४३	५०	५७	५	७
	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	०
	१२	१९	२७	३४	४१	४९	५६	३	११	१८	२५	३३	४०	४७	५५	२	९	१७	२४	३१	३९	४६	५३	१	८	१५	२३	३०	३७	४५	७
	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०

अक्षांशाः २७ जयपुर, इटावा, उन्नाव, कन्नौज, अयोध्या, आगरा, गोरखपुर, देवरिया, लखनऊ, मोतीहारी, सिलिगुरी, जेसलमेर, धौलपुर, सिक्किम, अमलेखगंज, धनकुटा, मथुरा, डिब्रूगढ़ फिरोजपुर, हरदोई

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	०
	४९	५७	४	११	१८	२६	३३	४०	४८	५७	५	१३	२२	३०	३८	४७	५५	३	१२	२०	२८	३७	४५	५३	२	१०	१८	२७	३५	४३	८
	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	२०
१ वृषभ	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	०
	५२	०	८	१७	२५	३३	४२	५०	०	१०	२०	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	१०
	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	९
२ मिथुन	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	०
	४२	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	५	१६	२७	३९	५०	२	१३	२५	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	११
	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	३	२९	५५	२१	४७	१३	३९	५	३१	५७	२३	४९	१५	४१	७	३३	५९	२५	५१	१७	४३	९	२६
३ कर्क	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	०
	१६	२८	३९	५०	२	१३	२५	३६	४८	५९	११	२३	३४	४६	५७	९	२१	३२	४४	५५	७	१९	३०	४२	५३	५	१७	२८	४०	५१	११
	३५	१	२७	५३	१९	४५	११	३७	१३	४९	२५	१	३७	१३	४९	२५	१	३७	१३	४९	२५	१	३७	१३	४९	२५	१	३७	१३	४९	३६
४ सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	०
	३	१५	२६	३८	४९	१	१३	२४	३५	४७	५८	९	२१	३२	४३	५५	६	१७	२८	४०	५१	२	१४	२५	३६	४८	५९	१०	२१	३३	११
	२५	१	३७	१३	४९	२५	१	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	१८
५ कन्या	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	०
	४४	५५	७	१८	२९	४१	५२	३	१४	२६	३७	४८	०	११	२२	३४	४५	५६	७	१९	३०	४१	५३	४	१५	२७	३८	४९	०	१२	११
	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	१८

अक्षांशाः २७ पलभा ६।७ उदयमानानि २१७।२५०।३०३।३४३।३४८।३३९

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	०
	२३	३४	४६	५७	८	२०	३१	४२	५४	५	१७	२९	४०	५२	३	१५	२७	३८	५०	१	१३	२५	३६	४८	५९	११	२३	३४	४६	५७	११
	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	१३	४९	२५	१	३७	१३	४९	२५	१	३७	१३	४९	२५	१	३७	१३	४९	२५	१	३७	१३	४९	३६
७ वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	०
	९	२१	३२	४४	५५	७	१९	३०	४२	५३	४	१६	२७	३९	५०	२	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	११
	२५	१	३७	१३	४९	२५	१	३७	३	२९	५५	२१	४७	१३	३९	५	३१	५७	२३	४९	१५	४१	७	३३	५९	२५	५१	१७	४३	९	२६
८ धन	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	१०	५०	५०	५०	०
	५३	५	१६	२७	३९	५०	२	१३	२३	३३	४३	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	१०
	३५	१	२७	५३	१९	४५	११	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	६
९ मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	०
	५	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२४	३३	४१	४९	५८	६	१४	२३	३१	३९	४८	५६	४	१३	२१	२९	३८	४६	५४	३	११	१९	८
	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५७	२०
१० कुंभ	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
	२८	३९	४४	५३	१	९	१८	२६	३३	४१	४८	५५	२	१०	१७	२४	३१	३८	४६	५३	०	७	१५	२२	२९	३६	४४	५१	५८	५	७
	१७	३७	५७	१७	३७	५७	१७	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	१४
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	०
	१२	२०	२७	३४	४१	४९	५६	३	१०	१८	२५	३२	३९	४७	५४	१	८	१५	२३	३०	३७	४४	५२	५९	६	१३	२१	२८	३५	४२	७
	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	१४

अक्षांशः २८ अलीगढ़, बरेली, बुलन्दशहर, वृन्दावन, हरदोई, लोहारू, पटौदी, पाटण, बीकानेर, रामगढ़ काठमाण्डू पाटण (नेपाल), पोखरा, गोरखा

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	०
	४८	५५	२	९	१७	२४	३१	३८	४६	५३	३	११	१९	२८	३६	४४	५२	१	९	१७	२६	३४	४२	५०	५९	७	१५	२३	३२	४०	८
	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	५१	७	२३	३९	५५	११	२७	४३	५९	१५	३१	४७	३	१९	३५	५१	७	२३	३९	५५	११	२७	१६
१ वृषभ	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	०
	४८	५६	५	१३	२१	३०	३८	४६	५	६	१६	२६	३६	४	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	१७	३७	४७	५७	७	१७	२८	१०
	४३	५९	१५	३१	४७	३	१९	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	३	४
२ मिथुन	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	०
	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	०	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	६	१७	२९	४०	५२	३	१४	२६	३७	४९	०	११
	७	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	२८
३ कर्क	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	०
	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१९	३०	४२	५४	५	१७	१९	४०	५२	४	१५	२७	३९	५०	२	१४	२५	३७	४९	११
	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	१५	४०
४ सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	०
	०	१२	२४	३५	४७	५९	१०	२२	३३	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	४	१६	२७	३८	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	९	२१	३२	११
	५५	३५	१५	५५	३५	१५	२५	३५	५७	१९	४१	३	२५	४७	९	३१	५३	१५	३७	५९	२१	४३	५	२७	४९	११	३३	५५	१७	३९	२२
५ कन्या	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	०
	४४	५५	६	१८	२९	४०	५२	३	१४	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४५	५७	८	१९	३१	४२	५४	५	१६	२८	३९	५०	२	१३	११
	१	२३	४५	७	२९	५१	१३	३५	५७	१९	४१	३	२५	४७	९	३१	५३	१५	३७	५९	२१	४३	५	२७	४९	११	३३	५५	१७	३९	२२

अक्षांशः २८ पलभा ६।२२।४८ उदयमानानि—२१५।२४८।३०२।३४४।३५०।३४१

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
६	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७
तुला	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९	३१	४२	५४	६
	१	२३	४५	७	२९	५१	१३	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	१५
७	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२
वृश्चिक	१२	२४	३६	४७	५९	११	२२	३४	४६	५७	८	२०	३१	४३	५४
	५५	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१
८	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८
धन	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	२८	३८	४८	५८	८	१८	२९
	१९	४७	२५	४३	११	३९	७	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	३
९	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३
मकर	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	२८	३७	४५	५३	१	१०	१८
	७	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	११	७	२३	३९	५५	११	२७
१०	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७
कुम्भ	३०	३८	४७	५५	३	१२	२०	२८	३५	४२	५०	५७	४	११	१८
	४३	५९	१५	३१	४७	३	१९	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०
मीन	१३	२०	२७	३४	४२	४९	५६	३	१०	१७	२५	३२	३९	४६	५३
	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५

अंश	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	०
तुला	१७	२९	४१	५२	४	१६	२७	३९	५१	२	१४	२६	३७	४९	१	११
	५५	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	१५	५५	३५	१५	४०
७	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	०
वृश्चिक	६	१७	२९	४०	५२	३	१५	२६	३८	४९	०	१२	२३	३५	४६	११
	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	२८
८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५१	०
धन	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	०	१०
	७	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	३	४
९	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	०
मकर	२६	३४	४३	५१	५९	८	१६	२४	३२	४१	४९	५७	५	१४	२२	८
	४३	५९	१५	३१	४७	३	१९	३५	५१	७	२३	३९	५५	११	२७	१६
१०	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
कुम्भ	२५	३३	४०	४७	५४	१	८	१६	२३	३०	३७	४५	५२	५९	६	७
	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	१०
११	१	१	२	१	१	१	२	१	१	२	२	२	२	२	२	०
मीन	०	८	१५	२२	२९	३६	४३	५१	५८	५	१२	१९	२६	३४	४१	७
	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	१०

अक्षांशः २९ गाजियाबाद, टनकपुर, नैनीताल, पीलीभीत, मुजफ्फरनगर (उ० प्र०) मेरठ, गुड़गांव रोहतक, दिल्ली, जौलागिरि, सिलघड़ी, मुक्तिनाथ

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	०
	४७	५४	१	९	१६	२३	३०	३७	४५	५४	२	१०	१८	२७	३५	४३	५१	०	८	१६	२५	३३	४१	४९	५८	६	१४	२२	३१	३९	८
	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	५०	६	२२	३८	५४	१०	२६	४२	५८	१४	३०	४६	२	१८	३४	५०	६	२२	३८	५४	१०	२६	१६
१ वृषभ	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	०
	४७	५५	४	१२	२०	२९	३७	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२७	१०
	४२	५८	१४	३०	४६	२	१८	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	४
२ मिथुन	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	०
	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५९	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५१	२	१३	२५	३६	४८	५९	११
	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	२	३०	५८	२६	५४	२२	५०	१८	४६	१४	४२	१०	३८	६	३४	२	३०	५८	२६	५४	२२	५०	२८
३ कर्क	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	०
	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	६	१८	२९	४१	५३	४	१६	२८	३९	५१	३	१४	२६	३८	४९	१	१३	२४	३६	४८	११
	१८	४६	१४	४२	१०	३८	६	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	४०
४ सिंह	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	०
	५९	११	२३	३४	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	२९	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९	१	१२	२३	३५	४६	५८	९	२०	३२	११
	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	२४
५ कन्या	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	०
	४३	५५	६	१७	२९	४०	५२	३	१४	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४६	५७	८	२०	३१	४३	५४	५	१७	२८	४०	५१	२	१४	११
	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	५८	२२	२४

अक्षांशाः २९ पलभा ६।२९।४ उदयमानानि २१४।२४८।३०२।३४४।३५०।३४२

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	०
	२५	३७	४८	५९	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३२	४३	५५	७	१८	३०	४२	५३	५	१७	२८	४०	५२	३	१५	२७	३८	५०	२	११
तुला	४६	१०	३४	५८	२२	४६	१०	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	१४	४०
७	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	०
	१३	२५	३७	४८	०	१२	२३	३५	४७	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३६	४७	११
वृश्चिक	५४	३४	१४	५४	३४	१४	५४	३४	२	३०	५८	२६	५४	२२	५०	१८	४६	१४	४२	१०	३८	६	३४	२	३०	५८	२६	५४	२२	५०	२८
८	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	०
	५९	१०	२२	३३	४५	५६	८	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	१	१०
धन	१८	४६	१४	४२	१०	३८	६	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	४
९	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	०
	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	२९	३८	४६	५४	२	११	१९	२७	३५	४४	५२	०	९	१७	२५	३३	४२	५०	५८	६	१५	२३	८
मकर	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	५०	६	२२	३८	५४	१०	२६	४२	५८	१४	३०	४६	२	१८	३४	५०	६	२२	३८	५४	१०	२६	१६
१०	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	०
	३१	३९	४८	५६	४	१३	२१	२९	३६	४३	५०	५८	५	१२	१९	२६	३३	४०	४८	५५	२	९	१६	२३	३०	३७	४५	५२	५९	६	७
कुम्भ	४२	५८	१४	३०	४६	२	१८	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	८
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	०
	१३	२०	२७	३५	४२	४९	५६	३	१०	१७	२४	३२	३९	४६	५३	०	७	१४	२२	२९	३६	४३	५०	५७	४	११	१९	२६	३३	४०	७
मीन	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	८

अक्षांशाः ३० अल्मोडा, सहारनपुर, हरिद्वार, पटियाला, फाजिल्का, भटिंडा, शाहाबाद, मुल्तान,

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	७
मेष	४३	५०	५७	४	११	१८	२५	३२	४०	४८	५६	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	७	१५	२३	३१	८
	४३	४१	३९	३७	३५	३३	३१	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	८
१	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	०
वृषभ	३९	४७	५५	३	१२	२०	२८	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	१०
	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	५
२	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	०
मिथुन	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४८	५९	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	६	१७	२९	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	११
	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	१	३३	५	३७	९	४१	१३	४५	१७	४९	२१	५३	२५	५७	२९	१	३३	५	३७	९	४१	१३	३२
३	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	०
कर्क	१	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३४	४६	५७	९	२१	३३	४५	५६	८	२०	३२	४४	५५	७	१९	३१	४३	५४	६	१८	३०	४२	११
	४५	१७	४९	२१	५३	२५	५७	२९	१७	५	५३	४१	२९	१७	५	५३	४१	२९	१७	५	५३	४१	२९	१७	५	५३	४१	२९	१७	५	४८
४	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	०
सिंह	५३	५	१७	२९	४१	५२	४	१६	२८	३९	५१	२	१४	२५	३७	४९	०	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३३	४४	५६	७	१९	३०	११
	५३	४१	२९	१७	५	५३	४१	२९	३	३७	११	४५	१९	५३	२७	१	३५	९	४३	१७	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	४९	२३	५७	३४
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	०
कन्या	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१	३	१५	२६	३८	४९	१	१२	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४५	५६	८	२०	३१	४३	५४	६	१७	११
	३१	५	३९	१३	४७	२१	५५	२९	३	३७	११	४५	१९	५३	२७	१	३५	९	४३	१७	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	४९	२३	५७	३४

अक्षांशाः ३०   पलभा ६।५५।४१   उदयमानानि २०९।२४४।३००।३४६।३५४।३४७

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग
६ तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	०
	२९	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	२	१४	२५	३७	४९	१	१३	२४	३६	४८	०	१२	२३	३५	४७	५९	११	२२	३४	४६	५८	१०	११
	३१	५	३९	१३	४७	२१	५५	२९	१७	५	५३	४१	२९	१७	५	५३	४१	२९	१७	५	५३	४१	२९	१७	५	५३	४१	२९	१७	५	४८
७ वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	०
	२१	३३	४५	५७	९	२०	३२	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५१	२	१४	२५	३७	४९	०	१२	२३	३५	४६	५८	११
	५३	४१	२९	१७	५	५३	४१	२९	१	३३	५	३७	९	४१	१३	४५	१७	४९	२१	५३	२५	५७	२९	१	३३	५	३७	९	४१	१३	३२
८ धन	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	०
	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	१०
	४५	१७	४९	२१	५३	२५	५७	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	०
९ मकर	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	०
	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	३८	४६	५४	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	५	१३	२१	२९	८
	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	८
१० कुम्भ	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	०
	३७	४५	५३	१	१०	१८	२६	३४	४१	४८	५५	२	९	१६	२३	३०	३७	४४	५१	५८	५	१२	१८	२५	३२	३९	४६	५३	०	७	६
	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	२७	२५	२३	२१	१९	१७	१५	१३	११	९	७	५	३	१	५९	५७	५५	५३	५१	४९	४७	४५	५८
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	०
	१४	२१	२८	३५	४२	४९	५६	३	१०	१७	२४	३१	३८	४५	५२	५९	६	२१	२०	२७	३४	४१	४७	५४	१	८	१५	२२	२९	३६	६
	४३	४१	३९	३७	३५	३३	३१	२९	२७	२५	२३	२१	१९	१७	१५	१३	११	९	७	५	३	१	५९	५७	५५	५३	५१	४९	४७	४५	५८

अक्षांशः ३१ ‍ ‍ ‍ ‍ ‍ ‍ ‍ ‍ फिरोजपुर

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	२ ४१ २२	२ ४८ १४	२ ५५ ६	३ १ ५८	३ ८ ५०	३ १५ ४२	३ २२ ३४	३ २९ २६	३ ३७ ३०	३ ४५ ३४	३ ५३ ३८	४ १ ४२	४ ९ ४६	४ १७ ५०	४ २५ ५४	४ ३३ ५८	४ ४२ २	४ ५० ६	४ ५८ १०	५ ६ १४	५ १४ १८	५ २२ २२	५ ३० २६	५ ३८ ३०	५ ४६ ३४	५ ५४ ३८	६ २ ४२	६ १० ४६	६ १८ ५०	६ २६ ५४	० ८ ४
१ वृषभ	६ ३४ ५८	६ ४३ २	६ ५१ ६	६ ५९ १०	७ ७ १४	७ १५ १८	७ २३ २२	७ ३१ २६	७ ४१ २४	७ ५१ २२	८ १ २०	८ ११ १८	८ २१ १६	८ ३१ १४	८ ४१ १२	८ ५१ १०	९ १ ८	९ ११ ६	९ २१ ४	९ ३१ २	९ ४१ ०	९ ५० ५८	१० ० ५६	१० १० ५४	१० २० ५२	१० ३० ५०	१० ४० ४८	१० ५० ४६	११ ० ४४	११ १० ४२	० ९ ५८
२ मिथुन	११ २० ४०	११ ३० ३८	११ ४० ३६	११ ५० ३४	१२ ० ३२	१२ १० ३०	१२ २० २८	१२ ३० २६	१२ ४२ ०	१२ ५३ ३४	१३ ५ ८	१३ १६ ४२	१३ २८ १६	१३ ३९ ५०	१३ ५१ २४	१४ २ ५८	१४ १४ ३२	१४ २६ ६	१४ ३७ ४०	१४ ४९ १४	१५ ० ४८	१५ १२ २२	१५ २३ ५६	१५ ३५ ३०	१५ ४७ ४	१५ ५८ ३८	१६ १० १२	१६ २१ ४६	१६ ३३ २०	१६ ४४ ५४	० ११ ३४
३ कर्क	१६ ५६ २८	१७ ८ २	१७ १९ ३६	१७ ३१ १०	१७ ४२ ४४	१७ ५४ १८	१८ ५ ५२	१८ १७ २६	१८ २९ १८	१८ ४१ १०	१८ ५३ २	१९ ४ ५४	१९ १६ ४६	१९ २८ ३८	१९ ४० ३०	१९ ५२ २२	२० ४ १४	२० १६ ६	२० २७ ५८	२० ३९ ५०	२० ५१ ४२	२१ ३ ३४	२१ १५ २६	२१ २७ १८	२१ ३९ १०	२१ ५१ २	२२ २ ५४	२२ १४ ४६	२२ २६ ३८	२२ ३८ ३०	० ११ ५२
४ सिंह	२२ ५० २२	२३ २ १४	२३ १४ ६	२३ २५ ५८	२३ ३७ ५०	२३ ४९ ४२	२४ १ ३४	२४ १३ २६	२४ २५ ६	२४ ३६ ४६	२४ ४८ २६	२५ ० ६	२५ ११ ४६	२५ २३ २६	२५ ३५ ६	२५ ४६ ४६	२५ ५८ २६	२६ १० ६	२६ २१ ४६	२६ ३३ २६	२६ ४५ ६	२६ ५६ ४६	२७ ८ २६	२७ २० ६	२७ ३१ ४६	२७ ४३ २६	२७ ५५ ६	२८ ६ ४६	२८ १८ २६	२८ ३० ६	० ११ ४०
५ कन्या	२८ ४१ ४६	२८ ५३ २६	२९ ५ ६	२९ १६ ४६	२९ २८ २६	२९ ४० ६	२९ ५१ ४६	३० ३ २६	३० १५ ६	३० २६ ४६	३० ३८ २६	३० ५० ६	३१ १ ४६	३१ १३ २६	३१ २५ ६	३१ ३६ ४६	३१ ४८ २६	३२ ० ६	३२ ११ ४६	३२ २३ २६	३२ ३५ ६	३२ ४६ ४६	३२ ५८ २६	३३ १० ६	३३ २१ ४६	३३ ३३ २६	३३ ४५ ६	३३ ५६ ४६	३४ ८ २६	३४ २० ६	० ११ ४०

अक्षांशाः ३१ पलभा ७।२।१८ उदयमानानि २०६।२४२।२९९।३४७।३५६।३५०

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	०
	३१	४३	५५	६	१८	३०	४१	५३	५	१७	२९	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३८	५०	२	१४	११
	४६	२६	६	४६	२६	६	४६	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	५२
७ वृश्चिक	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	०
	२६	३८	५०	१	१३	२५	३७	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४५	५६	८	१९	३१	४२	५४	६	१७	२९	४०	५२	३	११
	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	०	३४	८	४२	१६	५०	२४	५८	३२	६	४०	१४	४८	२२	५६	३०	४	३८	१२	४६	२०	५४	३४
८ धन	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	०
	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५५	५	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	६
	२८	२	३६	१०	४४	१८	५२	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	५८
९ मकर	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	०
	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४३	५१	५९	७	१५	१३	२१	३१	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	८
	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	३०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	४
१० कुम्भ	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	०
	४०	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	४४	५१	५८	४	११	१८	२५	३२	३९	४६	५२	५९	६	१३	२०	२७	३४	४१	४७	५४	१	८	६
	५८	२	६	१०	१४	१८	२२	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	५२
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	०
	१५	२२	२९	३५	४२	४९	५६	३	१०	१७	२४	३०	३७	४४	५१	५८	५	१२	१८	२५	३२	३९	४६	५३	०	७	१३	२०	२७	३४	६
	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	५२

अक्षांशः ३२ — कांगड़ा, गुरुदासपुर, धर्मशाला, सुलतानपुर (पंजाब) होशियारपुर, चम्बा, मन्डी. गुजरानवाला डेराइस्माइलखाँ, वजीराबाद, स्यालकोट, लद्दाख.

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	०
	३९	४६	५३	०	७	१३	२०	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	८
	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	७
१ वृषभ	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	०
	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	९
	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	५८
२ मिथुन	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	०
	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३७	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४५	५६	८	१९	३१	४३	५४	६	१७	२९	४०	११
	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	५८	३२	६	४०	१४	४८	२२	५६	३०	४	३८	१२	४६	२०	५४	२८	२	३६	१०	४४	१८	५२	३६
३ कर्क	१६	१७	१७	१७	१७	७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	०
	५२	४	१५	२७	३८	५०	२	१३	२५	३७	४९	१	१३	२५	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३५	११
	२६	०	३४	८	४२	१६	५०	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५६
४ सिंह	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	०
	४७	५९	११	२३	३५	४७	५९	११	२३	३४	४६	५८	१०	२१	३३	४५	५७	८	२०	३२	४३	५५	७	१९	३०	४२	५४	६	१७	२९	११
	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	४५
५ कन्या	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	०
	४१	५३	४	१६	२८	३९	५१	३	१५	२६	३८	५०	२	१३	२५	३७	४९	०	१२	२४	३५	४७	५९	११	२२	३४	४६	५८	९	२१	११
	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	४५

अक्षांशाः ३२ पलभा ७।२९।५३ उदयमानानि २०४।२४०।२९९।३४७।३५८।३५२

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	०
	३३	४५	५६	८	२०	३१	४३	५५	७	१९	३१	४३	५५	७	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१८	३०	४२	५४	६	१७	११
	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५६
७ वृश्चिक	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	०
	२९	४१	५३	५	१७	२९	४१	५३	४	१६	२८	३९	५१	२	१४	२५	३७	४९	०	१२	२३	३५	४६	५८	१०	२१	३३	४४	५६	७	११
	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	५८	३२	६	४०	१४	४८	२२	५६	३०	४	३८	१२	४६	२०	५४	२८	२	३६	१०	४४	१८	५२	३४
८ धन	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	०
	१९	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	४९	५९	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	६
	२६	०	३४	८	४२	१६	५०	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	५८
९ मकर	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	०
	२९	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	४७	५५	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२७	३५	८
	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	०
१० कुम्भ	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	०
	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	४६	५३	५९	६	१३	२०	२७	३३	४०	४७	५४	१	७	१४	२१	२८	३५	४१	४८	५५	२	९	६
	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	०
	१५	२२	२९	३६	४३	४९	५६	३	१०	१७	२३	३०	३७	४४	५१	५७	४	११	१८	२५	३१	३८	४५	५२	५९	५	१२	१९	२६	३३	६
	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	१६	२४	१२	०	४८

अक्षांशा: ३३ किस्तवाड, जंस्कर, नवशेरा, मीरपुर, गुजरात (प. पा.)

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	॥
०	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	०
मेष	३७	४४	५०	५७	४	१०	१७	२४	३२	४०	४८	५५	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	७	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	७
	२७	९	५१	३३	१५	५७	३९	२१	१५	९	३	५७	५१	४५	३९	३३	२७	२१	१५	९	३	५७	५१	४५	३९	३३	२७	२१	१५	९	५४
१	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	१०	११	०
वृषभ	३६	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	३१	४१	५१	१	११	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	४९	५९	९
	३	५७	५१	४५	३९	३३	२७	२१	१७	१३	९	५	१	५७	५३	४९	४५	४१	३७	३३	२९	२५	२१	१७	१३	९	५	१	५७	५३	५६
२	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	०
मिथुन	९	१९	२९	३९	४९	५९	९	१९	३०	४२	५४	५	१७	२८	४०	५२	३	१५	२६	३८	५०	१	१३	२४	३६	४८	५९	११	२२	३४	११
	४९	४५	४१	३७	३३	२९	२५	२१	५७	३३	९	४५	२१	५७	३३	९	४५	२१	५७	३३	९	४५	२१	५७	३३	९	४५	२१	५७	३३	३६
३	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	०
कर्क	४६	५७	९	२०	३२	४४	५५	७	१९	३१	४३	५५	७	५९	३१	४३	५५	७	१९	३१	४३	५५	७	१९	३१	४३	५५	८	२०	३२	१२
	९	४५	२१	५७	३३	९	४५	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५१	५३	५५	५७	५९	१	३	५	२
४	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	०
सिंह	४४	५६	८	२०	३२	४४	५६	८	२०	३२	४३	५५	७	१९	३	४३	५४	६	१८	३०	४२	५४	५	१७	२९	४१	५३	५	१६	२८	११
	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	५०
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	०
कन्या	४०	५२	४	१६	२७	३९	५१	३	१५	२७	३८	५०	२	१४	२६	३८	४९	१	१३	२५	३७	४९	०	१२	२४	३६	४८	०	११	२३	११
	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	११	१	५१	४१	५०

अक्षांशाः ३३ पलभा ७।४७।३१ उदयमानानि २०१।२३७।२९८।३४८।३६१।३५५

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	०
	३५	४७	५९	११	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५९	११	२३	१२
तुला	३१	२१	११	१	५१	४१	३१	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५१	५३	५५	५७	५९	१	३	५	२
	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	०
७	३५	४७	५९	११	२३	३५	४७	५९	१०	२२	३४	४५	५७	८	२०	३२	४३	५५	६	१८	३०	४१	५३	४	१६	२८	३९	५१	२	१४	११
वृश्चिक	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	५७	३३	९	४५	२१	५७	३३	९	४५	२१	५७	३३	९	४५	२१	५७	३३	९	४५	२१	५७	३३	३६
	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	०
८	२६	३७	४९	०	१२	२४	३५	४७	५७	७	१७	२७	३७	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१५	२५	९
धन	९	४५	२१	५७	३३	९	४५	२१	१७	१३	९	५	१	५७	५३	४९	४५	४१	३७	३३	२९	२५	२१	१७	१३	९	५	१	५७	५३	५६
	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	०
९	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५३	१	९	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	७
मकर	४९	४५	४१	३७	३३	२९	२५	२१	१५	९	३	५७	५१	४५	३९	३३	२७	२१	१५	९	३	५७	५१	४५	३९	३३	२७	२१	१५	९	५४
	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	०
१०	४७	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	४९	५५	२	९	१५	२२	२९	३५	४२	४९	५६	२	९	१६	२२	२९	३६	४२	४९	५६	३	९	६
कुंभ	३	५७	५१	४५	३९	३३	२७	२१	३	४५	२७	९	५१	३३	१५	५७	३९	२१	३	४५	२७	९	५१	३३	१५	५७	३९	२१	३	४५	४२
	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	०
११	१६	२३	२९	३६	४३	४९	५६	३	१०	१६	२३	३०	३६	४३	५०	५६	३	१०	१७	२३	३०	३७	४३	५०	५७	३	१०	१७	२४	३०	६
मीन	२७	९	५१	३३	१५	५७	३९	२१	३	४५	२७	९	५१	३३	१५	५७	३९	२१	३	४५	२७	९	५१	३३	१५	५७	३९	२१	३	४५	४२

अक्षांशः ३४	पूंछ, बारामूला, मुजफ्फराबाद, श्रीनगर (का.) बुलार, रावलपिण्डी, मरी, तक्षशिला, अटक, काबुल																													
अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	२ ३५ ६	२ ४१ ४२	२ ४८ १८	२ ५४ ५४	३ १ ३०	३ ८ ६	३ १४ ४२	३ २१ १८	३ २९ ८	३ ३६ ५८	३ ४४ ४८	३ ५२ ३८	४ ० २८	४ ८ १८	४ १६ ८	४ २३ ५८	४ ३१ ४८	४ ३९ ३८	४ ४७ २८	४ ५५ १८	५ ३ ८	५ १० ५८	५ १८ ४८	५ २६ ३८	५ ३४ २८	५ ४२ १८	५ ५० ८	५ ५७ ५८	६ ५ ४८	६ १३ ३८	० ७ ५०
१ वृषभ	६ २१ २८	६ २९ १८	६ ३७ ८	६ ४४ ५८	६ ५२ ४८	७ ० ३८	७ ८ २८	७ १६ १८	७ २६ १०	७ ३६ २	७ ४५ ५४	७ ५५ ४६	८ ५ ३८	८ १५ ३०	८ २५ २२	८ ३५ १४	८ ४५ ६	८ ५४ ५८	९ ४ ५०	९ १४ ४२	९ २४ ३४	९ ३४ २६	९ ४४ १८	९ ५४ १०	१० ४ २	१० १३ ५४	१० २३ ४६	१० ३३ ३८	१० ४३ ३०	१० ५३ २२	० ६ ५२
२ मिथुन	११ ३ १४	११ १३ ६	११ २२ ५८	११ ३२ ५०	११ ४२ ४२	११ ५२ ३४	१२ २ २६	१२ १२ १८	१२ २३ ५८	१२ ३५ ३८	१२ ४७ १८	१२ ५८ ५८	१३ १० ३८	१३ २२ १८	१३ ३३ ५८	१३ ४५ ३८	१३ ५७ १८	१४ ८ ५८	१४ २० ३८	१४ ३२ १८	१४ ४३ ५८	१४ ५५ ३८	१५ ७ १८	१५ १८ ५८	१५ ३० ३८	१५ ४२ १८	१५ ५३ ५८	१६ ५ ३८	१६ १७ १८	१६ २८ ५८	० ११ ४०
३ कर्क	१६ ४० ३८	१६ ५२ १८	१७ ३ ५८	१७ १५ ३८	१७ २७ १८	१७ ३८ ५८	१७ ५० ३८	१८ २ १८	१८ १४ २४	१८ २६ ३०	१८ ३८ ३६	१८ ५० ४२	१९ २ ४८	१९ १४ ५४	१९ २७ ०	१९ ३९ ६	१९ ५१ १२	२० ३ १८	२० १५ २४	२० २७ ३०	२० ३९ ३६	२० ५१ ४२	२१ ३ ४८	२१ १५ ५४	२१ २८ ०	२१ ४० ६	२१ ५२ १२	२२ ४ १८	२२ १६ २४	२२ २८ ३०	० १२ ६
४ सिंह	२२ ४० ३६	२२ ५२ ४२	२३ ४ ४८	२३ १६ ५४	२३ २९ ०	२३ ४१ ६	२३ ५३ १२	२४ ५ १८	२४ १७ १४	२४ २९ १०	२४ ४१ ६	२४ ५३ २	२५ ४ ५८	२५ १६ ५४	२५ २८ ५०	२५ ४० ४६	२५ ५२ ४२	२६ ४ ३८	२६ १६ ३४	२६ २८ ३०	२६ ४० २६	२६ ५२ २२	२७ ४ १८	२७ १६ १४	२७ २८ १०	२७ ४० ६	२७ ५२ २	२८ ३ ५८	२८ १५ ५४	२८ २७ ५०	० ११ ५६
५ कन्या	२८ ३९ ४६	२८ ५१ ४२	२९ ३ ३८	२९ १५ ३४	२९ २७ ३०	२९ ३९ २६	२९ ५१ २२	३० ३ १८	३० १५ १४	३० २७ १०	३० ३९ ६	३० ५१ २	३१ २ ५८	३१ १४ ५४	३१ २६ ५०	३१ ३८ ४६	३१ ५० ४२	३२ २ ३८	३२ १४ ३४	३२ २६ ३०	३२ ३८ २६	३२ ५० २२	३३ २ १८	३३ १४ १४	३३ २६ १०	३३ ३८ ६	३३ ५० २	३४ १ ५८	३४ १३ ५४	३४ २५ ५०	० ११ ५६

अक्षांशाः ३४ पलभा ८।५।३८ उदयमानानि १९८।२३५।२९६।३५०।३६३।३५८

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	०
	३७	४९	१	१३	२५	३७	४९	१	१३	२५	३७	४९	१	१३	२६	३८	५०	२	१४	२६	३८	५०	२	१४	२७	३९	५१	३	१५	२७	१२
	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	६
७ वृश्चिक	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	०
	३९	५१	३	१५	२८	४०	५२	४	१६	२७	३९	५०	२	१४	२५	३७	४९	०	१२	२४	३५	४७	५९	१०	२२	३४	४५	५७	९	२०	११
	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२८	३८	१८	५८	३८	१८	१८	३८	१८	५८	३८	१८	५८	३८	१८	५८	३८	१८	५८	३८	१८	५८	४०
८ धन	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	०
	३२	४४	५५	७	१९	३०	४२	५४	४	१४	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५१	१	११	२१	३१	९
	३८	८	५८	३८	१८	५८	३८	१८	१०	२	५४	४६	३८	२०	२२	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	१०	२	५४	४६	३८	३०	२२	१२
९ मकर	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	०
	४१	५१	०	१०	२०	३०	४०	५०	५८	५	१३	२१	२९	३७	४५	५२	०	८	१६	२४	३२	३९	४७	५५	३	११	१९	२६	३४	४२	७
	१४	६	५८	५०	४२	३४	२६	१८	८	५८	४८	३८	२८	१८	८	५८	४८	३८	२८	१८	८	५८	४८	३८	२८	१८	८	५८	४८	३८	५०
१० कुम्भ	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	०
	५०	५७	६	१३	२०	२९	३७	४५	५१	५८	५	११	१८	२४	३१	३८	४४	५१	५७	४	११	१७	२४	३०	३७	४४	५०	५७	३	१०	६
	२८	१८	८	५८	४८	३८	२८	१८	५४	३०	६	४२	१८	५४	३०	६	४२	१८	५४	३०	६	४२	१८	५४	३०	६	४२	१८	५४	३०	३६
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	०
	१७	२३	३०	३६	४३	५०	५६	३	९	१६	२३	२९	३६	४२	४९	५६	२	९	१५	२२	२९	३५	४२	४८	५५	२	८	१५	२१	२८	६
	६	४२	१८	५४	३०	६	४२	१८	५४	३०	६	४२	१८	५४	३०	६	४२	१८	५४	३०	६	४२	१८	५४	३०	६	४२	१८	५४	३०	३६

अक्षांशाः ३५ पलभा ८।२४।७ उदयमानानि १९६।२३२।२९५।३५१।३६६।३६० बाल्टिस्तान, नंगा पर्वत लेह।

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	२ ३३ ३२	२ ४० ४	२ ४६ ३६	२ ५३ ८	२ ५९ ४०	३ ६ १२	३ १२ ४४	३ १९ १६	३ २७ ०	३ ३४ ४४	३ ४२ २८	३ ५० १२	३ ५७ ५६	४ ५ ४०	४ १३ २४	४ २१ ८	४ २८ ५२	४ ३६ ३६	४ ४४ २०	४ ५२ ४	४ ५९ ४८	५ ७ ३२	५ १५ १६	५ २३ ०	५ ३० ४४	५ ३८ २८	५ ४६ १२	५ ५३ ५६	६ १ ४०	६ ९ २४	० ७ ४४
१ वृषभ	६ १७ ८	६ २४ ५२	६ ३२ ३६	६ ४० २०	६ ४८ ४	६ ५५ ४८	७ ३ ३२	७ ११ १६	७ २१ ६	७ ३० ५६	७ ४० ४६	७ ५० ३६	८ ० २६	८ १० १६	८ २० ६	८ २९ ५६	८ ३९ ४६	८ ४९ ३६	८ ५९ २६	९ ९ १६	९ १९ ६	९ २८ ५६	९ ३८ ४६	९ ४८ ३६	९ ५८ २६	१० ८ १६	१० १८ ६	१० २७ ५६	१० ३७ ४६	१० ४७ ३६	० ९ ५०
२ मिथुन	१० ५७ २६	११ ७ १६	११ १७ ६	११ २६ ५६	११ ३६ ४६	११ ४६ ३६	११ ५६ २६	१२ ६ १६	१२ १७ ५८	१२ २९ ४०	१२ ४१ २२	१२ ५३ ४	१३ ४ ४६	१३ १६ २८	१३ २८ १०	१३ ३९ ५२	१३ ५१ ३४	१४ ३ १६	१४ १४ ५८	१४ २६ ४०	१४ ३८ २२	१४ ५० ४	१५ १ ४६	१५ १३ २८	१५ २५ १०	१५ ३६ ५२	१५ ४८ ३४	१६ ० १६	१६ ११ ५८	१६ २३ ४०	० ११ ४२
३ कर्क	१६ ३५ २२	१६ ४७ ४	१६ ५८ ४६	१७ १० २८	१७ २२ १०	१७ ३३ ५२	१७ ४५ ३४	१७ ५७ १६	१८ ९ २८	१८ २१ ४०	१८ ३३ ५२	१८ ४६ ४	१८ ५८ १६	१९ १० २८	१९ २२ ४०	१९ ३४ ५२	१९ ४७ ४	१९ ५९ १६	२० ११ २८	२० २३ ४०	२० ३५ ५२	२० ४८ ४	२१ ० १६	२१ १२ २८	२१ २४ ४०	२१ ३६ ५२	२१ ४९ ४	२२ १ १६	२२ १३ २८	२२ २५ ४०	० १२ १२
४ सिंह	२२ ३७ ५२	२२ ५० ४	२३ २ १६	२३ १४ २८	२३ २६ ४०	२३ ३८ ५२	२३ ५१ ४	२४ ३ १६	२४ १५ १६	२४ २७ १६	२४ ३९ १६	२४ ५१ १६	२५ ३ १६	२५ १५ १६	२५ २७ १६	२५ ३९ १६	२५ ५१ १६	२६ ३ १६	२६ १५ १६	२६ २७ १६	२६ ३९ १६	२६ ५१ १६	२७ ३ १६	२७ १५ १६	२७ २७ १६	२७ ३९ १६	२७ ५१ १६	२८ ३ १६	२८ १५ १६	२८ २७ १६	० १२ ०
५ कन्या	२८ ३९ १६	२८ ५१ १६	२९ ३ १६	२९ १५ १६	२९ २७ १६	२९ ३९ १६	२९ ५१ १६	३० ३ १६	३० १५ १६	३० २७ १६	३० ३९ १६	३० ५१ १६	३१ ३ १६	३१ १५ १६	३१ २७ १६	३१ ३९ १६	३१ ५१ १६	३२ ३ १६	३२ १५ १६	३२ २७ १६	३२ ३९ १६	३२ ५१ १६	३३ ३ १६	३३ १५ १६	३३ २७ १६	३३ ३९ १६	३३ ५१ १६	३४ ३ १६	३४ १५ १६	३४ २७ १६	० १२ ०

अक्षांशाः ३५ पलभा ८।२४।७ उदयमानानि १९६।२३२।२९५।३५१।३६६।३६०, बाल्टिस्तान,नंगापर्वत,लेह

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	०
तुला	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५२	४	१६	२८	४०	५३	५	१७	२९	४१	५४	६	१८	३०	४२	५५	७	१९	३१	१२
	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	१२
७	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	०
वृश्चिक	४३	५६	८	२०	३२	४४	५७	९	२०	३२	४४	५६	७	१९	३१	४२	५४	६	१७	२९	४१	५३	४	१६	२८	३९	५१	३	१४	२६	११
	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	४२
८	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	०
धन	३८	५०	१	१३	२५	३६	४८	०	१०	१९	२९	३९	४९	५९	९	१८	२८	३८	४८	५८	८	१७	२७	३७	४७	५७	७	१६	२६	३६	९
	२२	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	६	५६	४६	३६	२६	१६	६	५६	४६	३६	२६	१६	६	५६	४६	३६	२६	१६	६	५६	४६	३६	५०
९	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	०
मकर	४६	५६	६	१५	२५	३५	४५	५५	३	१०	१८	२६	३३	४१	४९	५७	४	१२	२०	२८	३५	४३	५१	५९	६	१४	२२	२९	३७	४५	७
	२६	१६	६	५६	४६	३६	२६	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	४४
१०	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	०
कुंभ	५३	०	८	१६	२४	३१	३९	४७	५३	०	६	१३	१९	२६	३३	३९	४६	५२	५९	५	१२	१८	२५	३१	३८	४४	५१	५७	४	११	६
	८	५२	३६	२०	४	४८	३२	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	०
मीन	१७	२४	३०	३७	४३	५०	५६	३	९	१६	२२	२९	३५	४२	४९	५५	२	८	१५	२१	२८	३४	४१	४७	५४	०	७	१३	२०	२७	६
	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२

अक्षांशाः ३६ पलभा ८।४३।५ उदयमानानि १९३।२२९।२९४।३५२।३६९।३६३

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
० मेष	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४
	३१	३७	४४	५०	५६	३	९	१६	२३	३१	३९	४६	५४	२	९
	११	३७	३	२९	५५	२१	४७	१३	५१	२९	७	४५	२३	१	३९
१ वृषभ	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८
	११	१९	२७	३४	४२	४९	५७	५	१५	२४	३४	४४	५४	४	१३
	४७	२५	३	४१	१९	५७	३५	१३	१	४९	३७	२५	१३	१	४९
२ मिथुन	१०	११	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३
	५०	०	१०	२०	२९	३९	४९	५९	१०	२२	३४	४६	५७	९	२१
	३७	२५	१३	१	४९	३७	२५	१३	५७	४१	२५	९	५३	३७	२१
३ कर्क	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९
	२९	४०	५२	४	१६	२७	३९	५१	३	१५	२८	४०	५२	५	१७
	५	४९	३३	१७	१	४५	२९	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९
४ सिंह	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५
	३४	४६	५८	११	२३	३५	४७	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४
	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५
५ कन्या	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१
	३८	५०	२	१४	२६	३९	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७
	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५

अंश	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	०
	१७	२४	३२	४०	४७	५५	३	१०	१८	२५	३३	४१	४८	५६	४	७
	१७	५५	३३	११	४९	२७	५	४३	२१	५९	३७	१५	५३	३१	९	३८
१ वृषभ	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	०
	२३	३३	४३	५३	२	१२	२२	३२	४२	५१	१	११	२१	३१	४०	९
	३७	२५	१३	१	४९	३७	२५	१३	१	४९	३७	२५	१३	१	४९	४८
२ मिथुन	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	०
	३३	४४	५६	८	२०	३१	४३	५५	६	१८	३०	४२	५३	५	१७	११
	५	४९	३३	१७	१	४५	२९	१३	५७	४१	२५	९	५३	३७	२१	४४
३ कर्क	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	०
	२९	४१	५४	६	१८	३१	४३	५५	८	२०	३२	४४	५७	९	२१	१२
	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	१८
४ सिंह	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	०
	३६	४९	१	१३	२५	३७	४९	१	१३	२५	३८	५०	२	१४	२६	१२
	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	६
५ कन्या	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	०
	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४१	५३	५	१७	२९	१२
	१	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२५	६

अक्षांशाः ३६ पलभा ८।४३।५ उदयमानानि १९३।२२९।२९४।३५२।३६९।३६३

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	०
	४१	५३	५	१७	२९	४२	५४	६	१८	३०	४३	५५	७	२०	३२	४४	५६	९	२१	३३	४६	५८	१०	२३	३५	४७	५९	१२	२४	३६	१२
	३१	३७	४३	४९	५५	१	७	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	१८
७ वृश्चिक	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	०
	४९	१	१३	२६	३८	५०	२	१५	२६	३८	५०	२	१३	२५	३७	४९	०	१२	२४	३६	४७	५९	११	२२	३४	४६	५८	९	२१	३३	११
	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	१७	४१	२५	९	५३	३७	२१	५	४९	३३	१७	१	४५	२९	१३	५७	४१	२५	९	५३	३७	२१	४४
८ धन	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	०
	४५	५६	८	२०	३२	४३	५५	७	१७	२६	३६	४६	५६	६	१५	२५	३५	४५	५५	४	१४	२४	३४	४४	५३	३	१३	२३	३३	४२	९
	५	४९	३३	१७	१	४५	२९	१३	१	४९	३७	२५	१३	१	४९	३७	२५	१३	१	४९	३७	२५	१३	१	४९	३७	२५	१३	१	४९	४८
९ मकर	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	०
	५२	२	१२	२२	३१	४१	५१	१	८	१७	२४	३१	३९	४७	५४	२	९	१७	२५	३२	४०	४८	५५	३	१०	१८	२६	३३	४१	४९	७
	३७	२५	१३	१	४९	३७	२५	१३	५१	२९	७	४५	२३	१	३९	१७	५५	३३	११	४९	२७	५	४३	२१	५९	३७	१५	५३	३१	९	३८
१० कुम्भ	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	०
	५६	४	१२	१९	२७	३४	४२	५०	५६	३	९	१५	२२	२९	३६	४२	४९	५५	१	८	१४	२१	२७	३४	४०	४७	५३	५९	६	१२	६
	४७	२५	३	४१	१९	५७	३५	१३	३९	५	३१	५७	२३	४९	१५	४१	७	३३	५९	२५	५१	१७	४३	९	३५	१	२७	५३	१९	४५	२६
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	०
	१९	२५	३२	३८	४४	५१	५७	३	९	१६	२२	२८	३५	४१	४८	५४	१	७	१३	२०	२६	३३	३९	४६	५२	५९	५	११	१८	२४	६
	११	३७	३	२९	५५	२१	४७	१३	३९	५	३१	५७	२३	४९	१५	४१	७	३३	५९	२५	५१	१७	४३	९	३५	१	२७	५३	१९	४५	२६

अक्षांशः ३८ पलभा ९।२२।३० उदयमानानि १८७।२२४।२९१।३५५।३७४।३६९

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
०	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	०
मेष	२६	३२	३८	४५	५१	५७	३	१०	१७	२५	३२	३९	४७	५४	२	९	१७	२४	३२	३९	४७	५४	२	९	१७	२४	३१	३९	४६	५४	७
	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	२८
१	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	०
वृषभ	१	९	१६	२४	३१	३९	४६	५४	३	१३	२३	३२	४२	५२	२	११	२१	३१	४०	५०	०	९	१९	२९	३९	४८	५८	८	१७	२७	९
	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	४९	३१	१३	५५	३७	१९	१	४३	२५	७	४९	३१	१३	५५	३७	१९	१	४३	२५	७	४९	३१	४२
२	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	०
मिथुन	३७	४६	५६	६	१६	२५	३५	४५	५६	८	२०	३२	४४	५६	७	१९	३१	४३	५५	७	१८	३०	४२	५४	६	१८	२९	४१	५३	५	११
	१३	५५	३७	१९	१	४३	२५	७	५७	४७	३७	२७	१७	७	५७	४७	३७	२७	१७	७	५७	४७	३७	२७	१७	७	५७	४७	३७	२७	५०
३	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२२	२२	०
कर्क	१७	२९	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	५	१७	२९	४२	५४	७	१९	३२	४४	५७	९	२२	३४	४७	५९	१२	२४	३६	४९	१	१४	१२
	१७	७	५७	४७	३७	२७	१७	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	२८
४	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	०
सिंह	२६	३९	५१	४	१६	२९	४१	५४	६	१८	३१	४३	५५	७	२०	३२	४४	५७	९	२१	३४	४६	५८	१०	२३	३५	४७	०	१२	२४	१२
	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१८
५	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	०
कन्या	३७	४९	१	१३	२६	३८	५०	३	१५	२७	४०	५२	४	१६	२९	४१	५३	६	१८	३०	४३	५५	७	१९	३२	४४	५६	९	२१	३३	१२
	५१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१८

अक्षांशः ३८ पलभा ९।२२।३० उदयमानानि १८७।२२४।२९१।३५५।३७४।३६६

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	०
	४६	५८	१०	२२	३५	४७	५९	११	२४	३७	४९	१	१४	२६	३९	५१	४	१६	२९	४१	५४	६	१९	३१	४४	५६	८	२१	३३	४६	१२
	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	२८
७ वृश्चिक	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	०
	५८	११	२३	३६	४८	१	१३	२६	३७	४९	१	१३	२५	३७	४८	०	१२	२४	३६	४८	५९	११	२३	३५	४७	५९	१०	२२	३४	४६	११
	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	५७	४७	३७	२७	१७	७	५७	४७	३७	२७	१७	७	५७	४७	३७	२७	१७	७	५७	४७	३७	२७	५०
८ धन	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	०
	५८	१०	२१	३३	४५	५७	९	२१	३०	४०	५०	५९	९	१९	२९	३८	४८	५८	७	१७	२७	३६	४६	५६	६	१५	२५	३५	४४	५४	९
	१७	७	५७	४७	३७	२७	१७	७	४९	३१	१३	५५	३७	१९	१	४३	२५	७	४९	३१	१३	५५	३७	१९	१	४३	२५	७	४९	३१	४२
९ मकर	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	०
	४	१३	२३	३३	४३	५२	२	१२	१९	२७	३४	४१	४९	५६	४	११	१९	२६	३४	४१	४९	५६	४	११	१९	२६	३३	४१	४८	५६	७
	१३	५५	३७	१९	१	४३	२५	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	३५	३	३१	५९	२७	५५	२३	२८
१० कुंभ	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	०
	३	११	१८	२६	३३	४१	४८	५६	२	८	१४	२१	२७	३३	३९	४५	५२	५८	४	१०	१७	२३	२९	३५	४२	४८	५४	०	७	१३	६
	५१	१९	४७	१५	४३	११	३९	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	१४
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	०
	१९	२५	३१	३८	४४	५०	५६	३	९	१५	२१	२८	३४	४०	४६	५२	५९	५	११	१७	२४	३०	३६	४२	४९	५५	१	७	१४	२०	६
	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	१४

अक्षांशाः ४० पलभा १०।४।९ उदयमानानि १८०।२१८।२८९।३५७।३८०।३७६

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	०
	२१	२७	३३	३९	४५	५१	५७	३	१०	१७	२४	३२	३९	४६	५३	१	८	१५	२२	३०	३७	४४	५२	५९	६	१३	२१	२८	३५	४२	७
	०	०	०	०	०	०	०	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	१६	३२	४८	४	२०	३६	५२	१६
१ वृषभ	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	०
	५०	५७	४	११	१९	२६	३३	४१	५०	०	९	१९	२९	३८	४८	५८	७	१७	२६	३६	४६	५५	५	१५	२४	३४	४४	५३	३	१२	९
	८	२४	४०	५६	१२	२८	४४	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३८
२ मिथुन	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	०
	२२	३२	४१	५१	१	१०	२०	३०	४१	५३	५	१७	२९	४१	५३	५	१७	२९	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	३९	५१	११
	३४	१२	५०	२८	६	४४	२२	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	५४	४८	५४
३ कर्क	१५	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	०
	३	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३९	५२	५	१७	३०	४३	५५	८	२१	३३	४६	५९	११	२४	३७	४९	२	१५	२७	४०	५३	५	१२
	४२	३६	३०	२४	१८	१२	६	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	४०
४ सिंह	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	०
	१८	३१	४३	५६	९	२१	३४	४७	५९	१२	२४	३७	४९	२	१४	२७	३९	५२	४	१७	२९	४२	५५	७	२०	३२	४५	५७	१०	२२	१२
	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	३२
५ कन्या	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	०
	३५	४७	०	१२	२५	३७	५०	३	१५	२८	४०	५३	५	१८	३०	४३	५५	८	२०	३३	४५	५८	११	२३	३६	४८	१	१३	२६	३८	१२
	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	३२

अक्षांशाः ४० पलभा १०।४१९ उदयमानानि १८०।२१८।२८६।३५७।३८०।३७६

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	·५	ग.
६ तुला	३४ ११ १६	३५ ३ ४८	३५ १६ २०	३५ २८ ५२	३५ ४१ २४	३५ ५३ ५६	३६ ६ २८	३६ १९ ०	३६ ३१ ४०	३६ ४४ २०	३६ ५७ ०	३७ ९ ४०	३७ २२ २०	३७ ३५ ०	३७ ४७ ४०	३८ ० २०	३८ १३ ०	३८ २५ ४०	३८ ३८ २०	३८ ५१ ०	३९ ३ ४०	३९ १६ २०	३९ २९ ०	३९ ४१ ४०	३९ ५४ २०	४० ७ ०	४० १९ ४०	४० ३२ २०	४० ४५ ०	४० ५७ ४०	० १२ ४०
७ वृश्चिक	४१ १० २०	४१ २३ ०	४१ ३५ ४०	४१ ४८ २०	४२ १ ०	४२ १३ ४०	४२ २६ २०	४२ ३९ ०	४२ ५० ५४	४३ २ ४८	४३ १४ ४२	४३ २६ ३६	४३ ३८ ३०	४३ ५० २४	४४ २ १८	४४ १४ १२	४४ २६ ६	४४ ३८ ०	४४ ४९ ५४	४५ १ ४८	४५ १३ ४२	४५ २५ ३६	४५ ३७ ३०	४५ ४९ २४	४६ १ १८	४६ १३ १२	४६ २५ ६	४६ ३७ ०	४६ ४८ ५४	४७ ० ४८	० १२ ५४
८ धन	४७ १२ ४२	४७ २४ ३६	४७ ३६ ३०	४७ ४८ २४	४८ ० १८	४८ १२ १२	४८ २४ ६	४८ ३६ ०	४८ ४५ ३८	४८ ५५ १६	४९ ४ ५४	४९ १४ ३२	४९ २४ १०	४९ ३३ ४८	४९ ४३ २६	४९ ५३ ४	५० २ ४२	५० १२ २०	५० २१ ५८	५० ३१ ३६	५० ४१ १४	५० ५० ५२	५१ ० ३०	५१ १० ८	५१ १९ ४६	५१ २९ २४	५१ ३९ २	५१ ४८ ४०	५१ ५८ १८	५२ ७ ५६	० ९ ३८
९ मकर	५२ १७ ३४	५२ २७ १२	५२ ३६ ५०	५२ ४६ २८	५२ ५६ ६	५३ ५ ४४	५३ १५ २२	५३ २५ ०	५३ ३२ १६	५३ ३९ ३२	५३ ४६ ४८	५३ ५४ ४	५४ १ २०	५४ ८ ३६	५४ १५ ५२	५४ २३ ८	५४ ३० २४	५४ ३७ ४०	५४ ४४ ५६	५४ ५२ १२	५४ ५९ २८	५५ ६ ४४	५५ १४ ०	५५ २१ १६	५५ २८ ३२	५५ ३५ ४८	५५ ४३ ४	५५ ५० २०	५५ ५७ ३६	५६ ४ ५२	० ७ १६
१० कुम्भ	५६ १२ ८	५६ १९ २४	५६ २६ ४०	५६ ३३ ५६	५६ ४१ १२	५६ ४८ २८	५६ ५५ ४४	५७ ३ ०	५७ ९ ०	५७ १५ ०	५७ २१ ०	५७ २७ ०	५७ ३३ ०	५७ ३९ ०	५७ ४५ ०	५७ ५१ ०	५७ ५७ ०	५८ ३ ०	५८ ९ ०	५८ १५ ०	५८ २१ ०	५८ २७ ०	५८ ३३ ०	५८ ३९ ०	५८ ४५ ०	५८ ५१ ०	५८ ५७ ०	५९ ३ ०	५९ ९ ०	५९ १५ ०	० ६ ०
११ मीन	५९ २१ ०	५९ २७ ०	५९ ३३ ०	५९ ३९ ०	५९ ४५ ०	५९ ५१ ०	५९ ५७ ०	० ३ ०	० ९ ०	० १५ ०	० २१ ०	० २७ ०	० ३३ ०	० ३९ ०	० ४५ ०	० ५१ ०	० ५७ ०	१ ३ ०	१ ९ ०	१ १५ ०	१ २१ ०	१ २७ ०	१ ३३ ०	१ ३९ ०	१ ४५ ०	१ ५१ ०	१ ५७ ०	२ ३ ०	२ ९ ०	२ १५ ०	० ६ ०

अक्षांशः ४२ पलभा १०।४८।१८ उदयमानानी १७३।२११।२८६।३६०।३८७।३८३

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	०
	१५	२१	२७	३२	३८	४४	५०	५५	२	९	१६	२४	३१	३८	४५	५२	५९	६	१३	२०	२७	३४	४१	४८	५५	२	९	१६	२३	३०	७
	३१	१७	३	४९	३५	२१	७	५३	५५	५७	५९	१	३	५	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	२
१ वृषभ	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	०
	३७	४४	५१	५८	५	१२	१९	२६	३६	४५	५५	५	१४	२४	३३	४३	५२	२	११	२१	३०	४०	४९	५९	८	१८	२८	३७	४७	५६	९
	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५१	५३	२५	५७	२९	१	३३	५	३७	९	४१	१३	४५	१७	४९	२१	५३	२५	५७	२९	१	३३	५	३७	३२
२ मिथुन	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	०
	६	१५	२५	३४	४४	५३	३	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२४	३६	१२
	९	४१	१३	४५	१७	४९	२१	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	०
३ कर्क	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	०
	४८	०	१२	२४	३६	४८	०	१२	२५	३८	५१	४	१७	३०	४३	५६	८	२१	३४	४७	०	१३	२६	३९	५२	५	१७	३०	४३	५६	१२
	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	४७	४१	३५	२९	२३	१७	११	५	५९	५३	४७	४१	३५	२९	२३	१७	११	५	५९	५३	४७	४१	५४
४ सिंह	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	०
	९	२२	३५	४८	१	१४	२६	३९	५२	५	१८	३०	४३	५६	९	२	३४	४७	०	१३	२५	३८	५१	४	१६	२९	४२	५५	७	२०	१२
	३५	२९	२३	१७	११	५	५९	५३	३९	२५	११	५७	४३	२९	१५	१	४७	३३	१९	५	५१	३७	२३	९	५५	४१	२७	१३	५९	४५	४६
५ कन्या	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	०
	३३	४६	५९	११	२४	३७	५०	२	१५	२८	४१	५३	६	१९	३२	४५	५७	१०	२३	३६	४८	१	१४	२७	३९	५२	५	१८	३०	४३	१२
	३१	१७	३	४९	३५	२१	७	५३	३९	२५	११	५७	४३	२९	१५	१	४७	३३	१९	५	५१	३७	२३	९	५५	४१	२७	१३	५९	४५	४६

अक्षांशा: ४२ पलभा १०।४८।१८ उदयमानानि १७३।२११।२८६।३६०।३८७।३८३

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३४	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	०
तुला	५६	९	२२	३४	४७	०	१३	२५	३८	५१	४	१७	३०	४३	५६	९	२१	३४	४७	०	१३	२६	३९	५२	५	१८	३०	४३	५६	९	१२
	३१	१७	३	४९	३५	२१	७	५३	४७	४१	३५	२९	२३	१७	११	५	५९	५३	४७	४१	३५	२९	२३	१७	११	५	५९	५३	४७	४१	५४
७	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	०
वृश्चिक	२२	३५	४८	१	१४	२७	३९	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	१२
	३५	२९	२३	१७	११	५	५९	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	०
८	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	०
धन	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	२	११	२१	३१	४०	५०	५९	९	१८	२८	३७	४७	५६	६	१५	२५	३४	४४	५४	३	१३	२२	९
	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	२५	५७	२९	१	३३	५	३७	९	४१	१३	४५	१७	४९	२१	५३	२५	५७	२९	१	३३	५	३७	३२
९	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	०
मकर	३२	४१	५१	०	१०	१९	२९	३८	४५	५२	५९	७	१४	२१	२८	३५	४२	४९	५६	३	१०	१७	२४	३१	३८	४५	५२	५९	६	१३	७
	९	४१	१३	४५	१७	४९	२१	५३	५५	५७	५९	१	३	५	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	२
१०	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	०
कुम्भ	२०	२७	३४	४१	४८	५५	२	९	१५	२१	२७	३२	३८	४४	५०	५६	१	७	१३	१९	२४	३०	३६	४१	४७	५३	५९	५	१०	१६	५
	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५१	५३	३९	२५	११	५७	४३	२९	१५	१	४७	३३	१९	५	५१	३७	२३	९	५५	४१	२७	१३	५९	४५	४६
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	०
मीन	२२	२८	३४	३९	४५	५१	५७	२	८	१४	२०	२५	३१	३७	४३	४९	५४	०	६	१२	१७	२३	२९	३५	४०	४६	५२	५८	३	९	५
	३१	१७	३	४९	३५	२१	७	५३	३९	२५	११	५७	४३	२९	१५	१	४७	३३	१९	५	५१	३७	२३	९	५५	४१	२७	१३	५९	४५	४६

अक्षांशाः ४४ पलभा ११।३५।२४ उदयमानानि १६५।२०५।२८२।३६४।३९३।३९१

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	०
	९	१४	२०	३५	३१	३६	४२	४७	५४	१	८	१५	२१	२८	३५	४२	४९	५६	२	९	१६	२३	३०	३७	४३	५०	५७	४	११	१८	६
	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५०
१ वृषभ	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	०
	२४	३१	३८	४५	५२	५९	५	१२	२२	३१	४०	५०	५९	९	१८	२७	३७	४६	५६	५	१४	२४	३३	४३	५२	१	११	२०	३०	३९	९
	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	९	३३	५७	२१	४५	९	३३	५७	२१	४५	९	३३	५७	२१	४५	९	३३	५७	२१	४५	९	३३	२४
२ मिथुन	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	०
	४८	५८	७	१७	२६	३६	४५	५४	६	१९	३१	४३	५५	७	१९	३१	४३	५६	८	२०	३२	४४	५६	८	२१	३३	४५	५७	९	२१	१२
	५७	२१	४५	९	३३	५७	२१	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	८
३ कर्क	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	०
	३३	४५	५८	१०	२२	३४	४६	५८	११	२४	३८	५१	४	१७	३०	४३	५६	९	२२	३५	४९	२	१५	२८	४१	५४	७	२०	३३	४६	१३
	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	४५	५१	५७	३	९	१५	२१	२७	३३	३९	४५	५१	५७	३	९	१५	२१	२७	३३	३९	४५	५१	५७	६
४ सिंह	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	०
	०	१३	२६	३९	५२	५	१८	३१	४४	५७	१०	२३	३६	४९	२	१६	२९	४२	५५	८	२१	३४	४७	०	१३	२६	३९	५२	५	१८	१३
	३	९	१५	२१	२७	३३	३९	४५	४७	४९	५१	५३	५५	५७	५९	१	३	५	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	२९	२
५ कन्या	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	०
	३१	४४	५७	१०	२३	३६	४९	२	१५	२८	४१	५४	७	२०	३३	४७	०	१३	२६	३९	५२	५	१८	३१	४४	५७	१०	२३	३६	४९	१३
	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	४७	४९	५१	५३	५५	५७	९	१	३	५	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	२९	२

अक्षांशः ४४ पलभा ११।३५।२४ उदयमानानि—१६५।२०५।२८२।३६४।३९३।३९१

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	०
	२	१५	२८	४१	५४	७	२०	३३	४६	५९	१३	२६	३९	५२	५	१८	३१	४४	५७	१०	२४	३७	५०	३	१६	२९	४२	५५	८	२१	१३
	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५	५१	५७	३	९	१५	२१	२७	३३	३९	४५	५१	५७	३	९	१५	२१	२७	३३	३९	४५	५१	५७	६
७ वृश्चिक	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	०
	३५	४८	१	१४	२७	४०	५३	६	१८	३१	४३	५५	७	१९	३१	४३	५५	८	२०	३२	४४	५६	८	२०	३२	४५	५७	९	२१	३३	१२
	३	९	१५	२१	२७	३३	३९	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	८
८ धन	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	०
	४५	५७	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२०	२९	३८	४८	५७	७	१६	२५	३५	४४	५४	३	१२	२२	३१	४१	५०	५९	९	१८	२८	३७	९
	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	४५	९	३३	५७	२१	४५	९	३३	५७	२१	४५	९	३३	५७	२१	४५	९	३३	५७	२१	४५	९	३३	२४
९ मकर	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	०
	४६	५६	५	१५	२४	३३	४३	५२	५९	६	१३	२०	२६	३३	४०	४७	५४	१	७	१४	२१	२८	३५	४२	४८	५५	२	९	१६	२३	६
	५७	२१	४५	९	३३	५७	२१	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	३५	२५	१५	५	५०
१० कुम्भ	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	०
	२९	३६	४३	५०	५७	४	१०	१७	२३	२८	३४	३९	४५	५०	५६	१	७	१२	१८	२३	२९	३४	४०	४५	५१	५६	२	७	१३	१८	५
	५५	४५	३५	२५	१५	५	५५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	३०
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	०
	२४	२९	३५	४०	४६	५१	५७	२	८	१३	१९	२४	३०	३५	४१	४६	५२	५७	३	८	१४	१९	२५	३०	३६	४१	४७	५२	५८	३	५
	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	१५	४५	३०

अक्षांशः ४६ पलभा १२।२१।३७ उदयमानानि १५७।१९७।२७९।३६७।४०१।३९९

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	०
	२	८	१३	१८	२३	२९	३४	३९	४६	५२	५९	५	१२	१९	२५	३२	३८	४५	५१	५८	४	११	१८	२४	३१	३७	४४	५०	५७	४	६
	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	११	४५	१९	५३	२७	१	३५	९	४३	१७	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	४९	२३	५७	३१	५	३४
१ वृषभ	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	०
	१०	१७	२३	३०	३६	४३	५०	५६	५	१५	२४	३३	४३	५२	१	११	२०	२९	३८	४८	५७	६	१६	२५	३४	४४	५३	२	११	२१	९
	३९	१३	४७	२१	५५	२९	३	३७	११	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	१८
२ मिथुन	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	०
	३०	३९	४९	५८	७	१७	२६	३५	४७	०	१२	२४	३६	४९	१	१३	२५	३७	५०	२	१४	२६	३९	५१	३	१५	२८	४०	५२	४	१२
	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	१४
३ कर्क	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	०
	१६	२९	४१	५३	५	१८	३०	४२	५५	९	२२	३६	४९	२	१६	२९	४२	५६	९	२३	३६	४९	३	१६	२९	४३	५६	९	२३	३६	१३
	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	५९	२१	४३	५	२७	४९	११	३३	५५	१७	३९	१	२३	४५	७	२९	५१	१३	३५	५७	१९	४१	२२
४ सिंह	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२८	२८	०
	५०	३	१६	३०	४३	५६	१०	२३	३६	५०	३	१६	३०	४३	५६	१०	२३	३६	४९	३	१६	२९	४३	५६	९	२३	३६	४९	२	१६	१३
	३	२५	४७	९	३१	५३	१५	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	१८
५ कन्या	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	०
	२९	४२	५६	९	२२	३६	४९	२	१५	२९	४२	५५	९	२२	३५	४९	२	१५	२८	४२	५५	८	२२	३५	४८	२	१५	२८	४१	५५	१३
	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	१८

अक्षांशाः ४६ पलभा १२।२५।३७ उदयमानानि १५७।१९७।२७९।३६७।४०१।३९९

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	०
	८	२१	३५	४८	१	१५	२८	४१	५५	८	२२	३५	४८	१	१५	२८	४१	५५	८	२२	३५	४८	२	१५	२८	४३	५५	८	२२	३५	१३
	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५९	२१	४३	५	२७	४९	११	३३	५५	१७	३९	१	२३	४५	७	२९	५१	१३	३५	५७	१९	४१	२२
७ वृश्चिक	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	०
	४९	२	१५	२९	४२	५५	९	२२	३४	४७	५९	११	२३	३६	४८	०	१२	२४	३७	४९	१	१३	२६	३८	५०	२	१५	२७	३९	५१	१२
	३	२५	४७	९	३१	५३	१५	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	१४
८ धन	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	०
	३	१६	२८	४०	५२	५	१७	२९	३८	४८	५७	९	१६	२५	३४	४४	५३	२	११	२१	३०	३९	४९	५८	७	१७	२६	३५	४४	५४	९
	५९	१३	२७	४२	५५	९	२३	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	५५	१३	१८
९ मकर	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	०
	३	१२	२२	३१	४०	५०	५९	८	१५	२१	२८	३४	४१	४८	५४	१	७	१४	२०	२७	३३	४०	४७	५३	०	६	१३	१९	२६	३३	६
	३१	४९	७	२५	४३	१	१९	३७	११	४५	१९	५३	२७	१	३५	९	४३	१७	५१	२५	५९	३३	७	४१	१५	४९	२३	५७	३१	५	३४
१० कुम्भ	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	०
	३९	४६	५२	५९	५	१२	१९	२५	३०	३६	४१	४६	५१	५७	२	७	१२	१७	२३	२७	३३	३८	४४	४९	५४	५९	५	१०	१५	२०	५
	३९	१३	४७	२१	५५	२९	३	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	१४
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०
	२५	३१	३६	४१	४६	५२	५७	२	७	१३	१८	२३	२८	३४	३९	४४	४९	५४	०	५	१०	१५	२१	२६	३१	३६	४२	४७	५२	५७	५
	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	५१	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	१४

अक्षांशाः ४८ पलभा १३।१९।३७ उदयमानानि १४८।१८९।२७६।३७०।४०९।४०८

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	०
	५५	०	५	१०	१५	२०	२५	३०	३६	४३	४९	५५	१	८	१४	२०	२७	३३	३९	४६	५२	५८	४	११	१७	२३	३०	३६	४२	४९	६
	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	१८
१ वृषभ	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	०
	५५	१	७	१४	२०	२६	३३	३९	४८	५७	७	१६	२५	३४	४३	५३	२	११	२०	२९	३९	४८	५७	६	१५	२५	३४	४३	५२	१	९
	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	१२
२ मिथुन	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	०
	११	२०	२९	३८	४७	५७	६	१५	२७	४०	५२	४	१७	२९	४१	५४	६	१८	३१	४३	५५	८	२०	३२	४५	५७	९	२२	३४	४६	१२
	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	२०
३ कर्क	१४	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	०
	५९	११	२३	३६	४८	०	१३	२५	३९	५२	६	२०	३३	४७	०	१४	२८	४१	५५	९	२२	३६	४९	३	१७	३०	४४	५८	११	२५	१३
	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	६	४४	२२	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	३८
४ सिंह	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२८	२८	०
	३९	५२	६	१९	३३	४७	०	१४	२८	४१	५५	८	२२	३६	४९	३	१६	३०	४४	५७	११	२४	३८	५२	५	१९	३२	४६	०	१३	१३
	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	३६
५ कन्या	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३५	०
	२७	४०	५४	८	२१	३५	४८	२	१६	२९	४३	५६	१०	२४	३७	५१	४	१८	३२	४५	५९	१२	२६	४०	५३	७	२०	३४	४८	१	१३
	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	३६

अक्षांशाः ४८ पलभा १३।१९।३७ उदयमानानि १४८।१८९।२७६।३७०।४०९।४०८

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग
६ तुला	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	०
	१५	२८	४२	५६	९	२३	३६	५०	४	१७	३१	४५	५८	१२	२५	३९	५३	६	२०	३४	४७	१	१४	२८	४२	५५	९	२३	३६	५०	१३
	१६	५२	२८	४	४०	६	५२	२८	६	४४	२२	०	३८	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	३८
७ वृश्चिक	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	०
	४	१७	३१	४४	५८	१२	२५	३९	५१	४	१६	२८	४१	५३	५	१८	३०	४२	५५	७	१९	३२	४४	५६	९	२१	३३	४६	५८	१०	१२
	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४८	२०
८ धन	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	०
	२३	३५	४७	०	१२	२४	३७	४९	५८	७	१७	२६	३५	४४	५३	३	१२	२१	३०	३९	४९	५८	७	१६	२५	३५	४४	५३	२	११	९
	८	२८	४८	८	२८	४८	८	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	१२
९ मकर	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	०
	२१	३०	३९	४८	५७	७	१६	२५	३१	३८	४४	५०	५६	३	९	१५	२२	२८	३४	४१	४७	५३	५९	६	१२	१८	२५	३१	३७	४४	६
	४	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	१८
१० कुम्भ	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	०
	५०	५६	२	९	१५	२१	२८	३४	३९	४४	४९	५४	५९	४	९	१३	१८	२३	२८	३३	३८	४३	४८	५३	५८	३	८	१३	१८	२३	४
	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०
	२७	३२	३७	४२	४७	५२	५७	२	७	१२	१७	२२	२७	३२	३७	४१	४६	५१	५६	१	६	११	१६	२१	२६	३१	३६	४१	४६	५१	४
	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६

अक्षांशाः ५० पलभा १४।१८।३ उदयमानानि १४०।१७७।२७०।३७६।४२१।४१६

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	०
	४९	५४	५९	३	८	१३	१७	२२	२८	३४	४०	४५	५१	५७	३	९	१५	२१	२७	३३	३९	४४	५०	५६	२	८	१४	२०	२६	३२	५
	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	१४	८	२	५६	५०	४४	३८	३२	३६	२०	१४	८	२	५६	५०	४४	३८	३२	२६	२०	१४	८	५४
१ वृषभ	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	०
	३८	४३	४९	५५	१	७	१३	१९	२८	३७	४६	५५	४	१३	२२	३१	४०	४९	५८	७	१६	२५	३४	४३	५२	१	१०	१९	२८	३७	९
	२	५६	५०	४४	३८	३२	२६	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२२	२०	०
२ मिथुन	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	०
	४६	५५	४	१३	२२	३१	४०	४९	१	१४	२६	३९	५२	४	१७	२९	४२	५४	७	१९	३२	४४	५७	९	२२	३४	४७	०	१२	२५	१२
	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३२
३ कर्क	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२१	२१	०
	३७	५०	२	१५	२७	४०	५२	५	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४९	३	१७	३१	४६	०	१४	१४
	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६	५८	०	२	४	२
४ सिंह	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	०
	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१५	२९	४३	५७	११	१३
	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	५२
५ कन्या	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३५	०
	२५	३९	५३	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	११	२५	३९	५३	७	१३
	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	२०	१२	४	५६	४८	४०	३२	२४	५२

अक्षांशाः ५० पलभा १४।१८।३ उदयमानानि १९३।२२९।२९४।३५२।३६९।३६३

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४२	०
	२१	३५	४९	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३६	५३	७	१४
तुला	१६	८	०	५२	४४	३६	२८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	४२	५४	५६	५८	०	२	४	२
७	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	०
	२१	३५	४९	३	१७	३१	४५	५९	११	२४	३६	४९	२	१४	२७	३९	५२	४	१७	२९	४२	५४	७	१९	३२	४४	५७	१०	२२	३५	१२
वृश्चिक	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३२
८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	०
	४७	०	१२	२५	३७	५०	२	१५	२४	३३	४२	५१	०	९	१८	२७	३६	४५	५४	३	१२	२१	३०	३९	४८	५७	६	१५	२४	३३	९
धन	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	१०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	०
९	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	०
	४२	५१	०	९	१८	२७	३६	४५	५१	५७	३	८	१४	२०	२६	३२	३८	४४	५०	५६	२	७	१३	१९	२५	३१	३७	४३	४९	५५	५
मकर	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	१४	८	२	५६	५०	४४	३८	३२	२६	२०	१४	८	२	५६	५०	४४	३८	३२	२६	२०	१४	८	५४
१०	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
	१	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४७	५१	५६	१	५	१०	१५	१९	२४	२९	३३	३८	४३	४७	५२	५७	१	६	११	१५	२०	२५	४
कुम्भ	२	५९	५०	४४	३८	३२	२६	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०
	२९	३४	३९	४३	४८	५३	५७	२	७	११	१६	२१	२५	३०	३५	३९	४४	४९	५३	५८	३	७	१२	१७	२१	२६	३१	३५	४०	४५	४
मीन	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०	२०	०	४०

अक्षांशः ५२ पलभा १५।२१।३२ उदयमानानि १३०।१६९।२६४।३८२।४२९।४२६

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	०
	४१	४६	५०	५४	०	४	८	१२	१७	२३	२९	३४	४०	४५	५१	५७	२	८	१४	१९	२५	३१	३६	४२	४७	५३	५९	४	१०	१६	५
	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	८	५६	३४	१२	५०	२८	६	३८
१ वृषभ	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	०
	२१	२७	३३	३८	४४	४९	५५	१	९	१८	२७	३६	४५	५३	२	११	२०	२९	३७	४६	५५	४	१३	२१	३०	३९	४८	५७	५	१४	८
	४४	२२	०	३८	१६	५४	३२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	४८
२ मिथुन	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	०
	२३	३२	४१	४९	५८	७	१६	२५	३७	५०	३	१६	२८	४१	५४	७	१९	३२	४५	५७	१०	२३	३६	४८	१	१४	२७	३९	५२	५	१२
	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८	२	४६	३०	१४	५८	४२	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८	४४
३ कर्क	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२१	०
	१८	३०	४३	५६	८	२१	३४	४७	१	१५	३०	४४	५८	१२	२७	४१	५५	१०	२४	३८	५३	७	२१	३५	५०	४	१८	३३	४७	१	१४
	२	४६	३०	१४	५८	४२	२६	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	१८
४ सिंह	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२८	०
	१६	३०	४४	५८	१३	२७	४१	५६	१०	२४	३८	५३	७	२१	३५	४९	३	१८	३२	४६	०	१४	२९	४३	५७	११	२५	४०	५४	८	१४
	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	१२
५ कन्या	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३५	३५	०
	२२	३६	५१	५	१९	३३	४७	२	१६	३०	४४	५८	१३	२७	४१	५५	९	२४	३८	५२	६	२०	३५	४९	३	१७	३१	४६	०	१४	१४
	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	१२

अक्षांशाः ५२ पलभा १५।२१।३२ उदयमानानि १३०।१६९।२६४।३८२।४२६।४२६

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
६ तुला	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८
	२८	४२	५७	११	२५	३९	५३	८	२२	३६	५१	५	१९	३३	४८
	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६
७ वृश्चिक	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५
	३७	५१	५	१९	३४	४८	२	१७	२९	४२	५५	८	२०	३३	४६
	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८
८ धन	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१
	१०	२२	३५	४८	०	१३	२६	३९	४७	५६	५	१४	२३	३१	४०
	२	४६	३०	१४	५८	४२	२६	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६
९ मकर	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५
	१	१०	१९	२७	३६	४५	५४	३	८	१४	२०	२५	३१	३६	४१
	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६
१० कुम्भ	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८
	१२	१८	२४	२९	३५	४०	४६	५२	५६	०	५	९	१३	१८	२२
	४४	२२	०	३८	१६	५४	३२	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०
	३१	३६	४०	४४	४९	५३	५७	२	६	१०	१५	१९	२३	२८	३२
	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०

अंश	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४२	४२	७
	२	१६	३१	४५	५९	१४	२८	४२	५६	११	२५	३९	५४	८	२२	१४
	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	१८
७ वृश्चिक	४५	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	७
	५९	११	२४	३७	४९	२	१५	२८	४०	५३	६	१९	३१	४४	५७	१२
	२	४६	३०	१४	५८	४२	२६	१०	५४	३८	२२	६	५०	३४	१८	४५
८ धन	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	०
	४९	५८	७	१५	२४	३३	४२	५१	५९	८	१७	२६	३५	४३	५२	८
	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	४८
९ मकर	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	०
	४८	५३	५९	५	१०	१६	२२	२७	३३	३८	४४	५०	५५	१	७	५
	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	५०	२८	६	३८
१० कुम्भ	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
	२६	३१	३५	३९	४४	४८	५२	५७	१	५	१०	१४	१८	२३	२७	४
	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	२०
११ मीन	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	०
	३४	४१	४५	४९	५४	५८	२	७	११	१५	२०	२४	२८	३३	३७	४
	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	५०	१०	३०	२०

अक्षांशाः ५४	पलभा १६।३१।१										उदयमानानि ११८।१५७।२५८।३८८।४४१।४३८																				
अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	०
	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	५९	५	१०	१५	२०	२६	३१	३६	४१	४७	५२	५७	२	८	१३	१८	२३	२८	३४	३९	४४	४९	५५	५
	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	१४
१ वृषभ	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	०
	०	५	१०	१६	२१	२६	३१	३६	४५	५४	२	११	१९	२८	३७	४५	५४	२	११	२०	२८	३७	४५	५४	३	११	२०	२८	३७	४६	८
	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	३६
२ मिथुन	७	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	०
	५४	३	११	२०	२९	३७	४६	५४	७	२०	३३	४६	५९	१२	२५	३८	५१	५४	१७	३०	४३	५६	८	२१	३४	४७	०	१३	२६	३९	१२
	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	५६
३ कर्क	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	०
	५२	५	१८	३१	४४	५७	१०	२२	३७	५२	७	२१	३६	५१	५	२०	३५	४९	४	१९	३४	४८	३	१८	३२	४७	२	१६	३१	४६	१४
	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	२२	४२
४ सिंह	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२८	०
	१	१५	३०	४५	५९	१४	२९	४३	५८	१३	२७	४२	५६	११	२६	४०	५५	९	२४	३९	५३	८	२२	३७	५२	६	२१	३५	५०	५	१४
	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	३६
५ कन्या	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३५	३५	०
	१९	३४	४८	३	१८	३२	४७	१	१६	३१	४५	०	१४	२९	४४	५८	१३	२७	४२	५७	११	२६	४०	५५	१०	२४	३९	५३	८	२३	१४
	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	३६

अक्षांशाः ५४ पलभा १६।३१।११ उदयमानानि—११८।१५७।२५८।३८८।४४१।४३८

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	०
	३७	५२	६	२१	३६	५०	५	१९	३४	४९	४	१८	३३	४८	२	१७	३२	४६	१	१६	३१	४५	०	१५	२९	४४	५९	१३	२८	४३	१४
	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	२२	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	४०	२२	४२
७ वृश्चिक	४२	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	०
	५८	१२	२७	४२	५६	११	२६	४०	५३	६	१९	३२	४५	५८	११	२४	३७	५०	३	१६	२९	४२	५४	७	२०	३३	४६	५९	१२	२५	१२
	४	४६	२८	१०	५२	३४	१६	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	५६
८ धन	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	०
	३८	५१	४	१७	३०	४३	५६	८	१७	२६	३४	४३	५१	०	९	१७	२६	३४	४३	५२	०	९	१७	२६	३५	४३	५२	०	९	१८	८
	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	३४	१०	३६
९ मकर	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	०
	२६	३५	४३	५२	१	९	१८	२६	३२	३७	४२	४७	५३	५८	३	८	१४	१९	२४	२९	३५	४०	४५	५०	५५	१	६	११	१६	२२	५
	४६	२२	५८	३४	१०	४६	२२	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	१४
१० कुम्भ	५७	५८	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
	२७	३२	३७	४३	४८	५३	५८	३	७	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	२	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३
	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	५६
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	०
	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	१	५	९	१३	१७	२१	२५	२९	३३	३७	४१	४५	४९	५३	५७	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३
	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	५६

अक्षांशः ५६ पलभा १७।४७।२८ उदयमानानि १०६।१४४।२४९।३९७।४५४।४५०

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	०
	२३	२६	३०	३३	३७	४०	४४	४७	५२	५७	२	६	११	१६	२१	२६	३०	३५	४०	४५	५०	५४	५९	४	९	१४	१८	२३	२८	३३	४
	२	३४	६	३८	१०	४२	१४	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	३४	२२	४८
१ वृषभ	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	७	७	०
	३८	४२	४७	५२	५७	[illegible]	६	११	२०	२८	३६	४४	५३	१	९	१८	२६	३४	४३	५१	५९	७	१६	२४	३२	४१	४९	५७	६	१४	८
	१०	५८	४६	३४	२२	१०	५८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	१८
२ मिथुन	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	०
	२२	३०	३९	४७	५५	४	१२	२०	३४	४७	०	१३	२६	४०	५३	६	१९	३३	४६	५९	१२	२६	३९	५२	५	१८	३२	४५	५८	११	१३
	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	१४
३ कर्क	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	२०	२०	२०	०
	२५	३८	५१	४	१८	३१	४४	५७	१२	२८	४३	५८	१३	२८	४३	५८	१३	२९	४४	५९	१४	२९	४४	५९	१५	३०	४५	०	१५	३०	१५
	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	८
४ सिंह	२०	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२८	०
	४५	०	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१५
	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	०
५ कन्या	२८	२८	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	०
	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	४६	१	१६	३१	१५
	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४६	०

अक्षांशाः ५६ पलभा १७।४७।२८ उदयमानानि १०६।१४४।२४९।३९७।४५४।४५०

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६ तुला	३५ ४६ ४६	३६ १ ४६	३६ १६ ४६	३६ ३१ ४६	३६ ४६ ४६	३७ १ ४६	३७ १६ ४६	३७ ३१ ४६	३७ ४७ ५४	३८ २ २	३८ १७ १०	३८ ३२ १८	३८ ४७ २६	३९ २ ३४	३९ १७ ४२	३९ ३२ ५०	३९ ४७ ५८	४० ३ ६	४० १८ १४	४० ३३ २२	४० ४८ ३०	४१ ३ ३८	४१ १८ ४६	४१ ३३ ५४	४१ ४९ २	४२ ४ १०	४२ १९ १८	४२ ३४ २६	४२ ४९ ३४	४३ ४ ४२	० १५ ८
७ वृश्चिक	४३ १९ ५०	४३ ३४ ५८	४३ ५० ६	४४ ५ १४	४४ २० २२	४४ ३५ ३०	४४ ५० ३८	४५ ५ ४६	४५ १९ ०	४५ ३२ १४	४५ ४५ २८	४५ ५८ ४२	४६ ११ ५६	४६ २५ १०	४६ ३८ २४	४६ ५१ ३८	४७ ४ ५२	४७ १८ ६	४७ ३१ २०	४७ ४४ ३४	४७ ५७ ४८	४८ ११ २	४८ २४ १६	४८ ३७ ३०	४८ ५० ४४	४८ ३ ५८	४९ १७ १२	४९ ३० २६	४९ ४३ ४०	४९ ५६ ५४	० १३ १४
८ धन	५० १० ८	५० २३ २२	५० ३६ ३६	५० ४९ ५०	५१ ३ ४	५१ १६ १८	५१ २९ ३२	५१ ४२ ४६	५१ ५१ ४	५१ ५६ २२	५२ ७ ४०	५२ १५ ५८	५२ २० १६	५२ ३२ ३४	५२ ४० ५२	५२ ४९ १०	५२ ५७ २८	५३ ५ ४६	५३ १४ ४	५३ २२ २२	५३ ३० ४०	५३ ३८ ५८	५३ ४७ १६	५३ ५५ ३४	५४ ३ ५२	५४ १२ १०	५४ २० २८	५४ २८ ४६	५४ ३७ ४	५४ ४५ २२	० ८ १८
९ मकर	५४ ५३ ४०	५५ १ ५८	५५ १० १६	५५ १८ ३४	५५ २६ ५२	५५ ३५ १०	५५ ४३ २८	५५ ५१ ४६	५५ ५६ ३४	५६ १ २२	५६ ६ १०	५६ १० ५८	५६ १५ ४६	५६ २० ३४	५६ २५ २२	५६ ३० १०	५६ ३४ ५८	५६ ३९ ४६	५६ ४४ ३४	५६ ४९ २२	५६ ५४ १०	५६ ५८ ५८	५७ ३ ४६	५७ ८ ३४	५७ १३ २२	५७ १८ १०	५७ २३ ५८	५७ २७ ४६	५७ ३२ ३४	५७ ३७ २२	० ४ ४८
१० कुम्भ	५७ ४२ १०	५७ ४६ ५८	५७ ५१ ४६	५७ ५६ ३४	५८ १ २२	५८ ६ १०	५८ १० ५८	५८ १५ ४६	५८ १९ १८	५८ २२ ५०	५८ २६ २२	५८ २९ ५४	५८ ३३ २६	५८ ३६ ५८	५८ ४० ३०	५८ ४४ २	५८ ४७ ३४	५८ ५१ ६	५८ ५४ ३८	५८ ५८ १०	५९ १ ४२	५९ ५ १४	५९ ८ ४६	५९ १२ १८	५९ १५ ५०	५९ १९ २२	५९ २२ ५४	५९ २६ २६	५९ २९ ५८	५९ ३३ ३०	० ३ ३२
११ मीन	५९ ३७ २	५९ ४० ३४	५९ ४४ ६	५९ ४७ ३८	५९ ५१ १०	५९ ५४ ४२	५९ ५८ १४	० १ ४६	० ५ १८	० ८ ५०	० १२ २२	० १५ ५४	० १९ २६	० २२ ५८	० २६ ३०	० ३० २	० ३३ ३४	० ३७ ६	० ४० ३८	० ४४ १०	० ४७ ४२	० ५१ १४	० ५४ ४६	० ५८ १८	१ १ ५०	१ ५ २२	१ ८ ५४	१ १२ २६	१ १५ ५८	१ १९ ३०	० ३ ३२

अक्षांशाः ५८ पलभा १९।१२ उदयमानानि ९२।१२७।२४१।४०५।४७१।४६४

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	०
	१२	१५	१८	२१	२४	२७	३०	३३	३७	४२	४६	५०	५४	५८	३	७	११	१५	२०	२४	२८	३२	३७	४१	४५	४९	५३	५८	२	६	४
	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	४६	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	१४
१ वृषभ	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	०
	१०	१५	१९	२३	२७	३२	३६	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३३	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	८
	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६	५८	०	२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	२
२ मिथुन	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	०
	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	५५	८	२२	३५	४९	२	१६	२९	४३	५६	१०	२३	३७	५०	४	१७	३१	४४	५८	११	२५	३८	१३
	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	३	३२	२	३२	३०
३ कर्क	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	०
	५२	५	१९	३२	४६	५९	१३	२६	४२	५७	१३	२९	४५	०	१६	३२	४७	३	१९	३४	५०	६	२२	३७	५३	९	२४	४०	५६	११	१५
	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	१४	५६	३८	२०	२	४४	२६	८	५०	३२	१४	५६	३८	२०	२	४४	२६	८	५०	३२	१४	५६	४२
४ सिंह	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	०
	२७	४३	५९	१४	३०	४६	१	१७	३३	४८	३	१९	३४	५०	५	२१	३६	५२	७	२३	३८	५४	९	२५	४०	५५	११	२६	४२	५७	१५
	३८	२०	२	४४	२६	८	५०	३२	०	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	८	३६	४	३२	०	२८	५६	२४	५२	२०	४८	२८
५ कन्या	२८	२८	२८	२८	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	०
	१३	२८	४४	५९	१५	३०	४६	१	१७	३२	४७	३	१८	३४	४९	५	२०	३६	५१	७	२२	३८	५३	९	२४	३९	५५	१०	२६	४१	१५
	१६	४४	१२	४०	८	३६	४	३२	०	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	८	३६	४	३२	०	२८	५६	२४	५२	२०	४८	२८

अक्षांशाः ५८— पलभा १९।१२ उदयमानानि ९२।१२७।२४१।४०५।४७१।४६४

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३५	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४३	४३	०
तुला	५७	१२	२८	४३	५९	१४	३०	४५	१	१६	३२	४८	४	१९	३५	५१	६	२२	३८	५३	९	२५	४१	५६	१२	२८	४३	५९	१५	३०	१५
	१६	४४	१२	४०	८	३६	४	३२	१४	५६	३८	२०	२	४४	२६	८	५०	३२	१४	५६	३८	२०	२	४४	२६	८	५०	३२	१४	५६	४२
७	४३	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	०
वृश्चिक	४६	२	१८	३३	४९	५	२०	३६	५०	३	१७	३०	४४	५७	११	२४	३८	५१	५	१८	३२	४५	५९	१२	२६	३९	५३	६	२०	३३	१३
	३८	२०	२	४४	२६	८	५०	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	३०
८	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	०
धन	४७	०	१४	२७	४१	५४	८	२१	२९	३७	४५	५३	१	९	१७	२५	३३	४१	४९	५७	५	१४	२२	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	८
	२	३२	२	३२	२	३२	२	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६	५८	०	२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	२
९	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	०
मकर	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	२६	३१	३५	३९	४३	४७	५२	५६	०	४	९	१३	१७	२१	२६	३०	३४	३८	४२	४७	५१	५५	४
	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	४६	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	१४
१०	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
कुंभ	५९	४	८	१२	१६	२१	२५	२९	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५१	५४	५७	०	३	६	९	१२	१५	१८	२१	२४	२७	३०	३३	३७	३
	५४	८	२२	३६	५०	४	१८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	०
मीन	४०	४३	४६	४९	५२	५५	५८	१	४	७	१०	१३	१६	१९	२३	२६	२९	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५६	५९	२	५	९	३
	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४

अक्षांशाः ६० पलभा २०।४७ उदयमानानि ७६।१०९।२२८।४१८।४८९।४८०

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
० मेष	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	०
	५९	२	४	७	९	१२	१४	१७	२०	२४	२८	३१	३५	३९	४२	४६	४९	५३	५७	०	४	८	११	१५	१९	२२	२६	२९	३३	३७	३
	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	३८
१ वृषभ	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	०
	४०	४४	४८	५१	५५	५९	२	६	१३	२१	२९	३६	४४	५१	५९	७	१४	२२	२९	३७	४५	५२	०	७	१५	२३	३०	३८	४५	५३	७
	५०	२८	६	४४	२२	०	३८	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	३६
२ मिथुन	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	०
	१	८	१६	२३	३१	३९	४६	५४	८	२२	३६	५०	३	१७	३१	४५	५९	१३	२७	४१	५५	९	२३	३७	५१	५	१९	३२	४६	०	१३
	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	५२
३ कर्क	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	०
	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	८	२४	४१	५७	१३	३०	४६	२	१८	३५	५१	७	२४	४०	५६	१३	२९	४५	१	१८	३४	५०	१६
	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१८
४ सिंह	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	०
	७	२३	३९	५६	१२	२८	४४	१	१७	३३	४९	५	२१	३७	५३	९	२५	४१	५७	१३	२९	४५	१	१७	३३	४९	५	२१	३७	५३	१६
	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	०
५ कन्या	२८	२८	२८	२८	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	०
	९	२५	४१	५७	१३	२९	४५	१	१७	३३	४९	५	२१	३७	५३	९	२५	४१	५७	१३	२९	४५	१	१७	३३	४९	५	२१	३७	५३	१६
	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	०

अक्षांशाः ६०   पलभा २०।४७   उदयमानानि ७६।१०९।२२८।४१८।४-९।४८०

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ग.
६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	०
तुला	९	२५	४१	५७	१३	२९	४५	१	१७	३३	५०	६	२२	३९	५५	११	२७	४४	०	१६	३३	४९	५	२२	३८	५४	१०	२७	४३	५९	१६
	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	३४	५२	१८
७	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५१	५१	०
वृश्चिक	१६	३२	४८	५	२१	३७	५३	१०	२४	३८	५२	६	१९	३३	४७	१	१५	२९	४३	५७	११	२५	३९	५३	७	२१	३५	४८	२	१६	१३
	१०	२८	४६	४	२२	४०	५८	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	८	४	०	५६	५२	४८	५६
८	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५५	०
धन	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	१५	२३	३१	३८	४६	५३	१	९	१६	२४	३१	३९	४७	५४	२	९	१७	२५	३२	४०	४७	५५	७
	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५२	२८	३६
९	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	०
मकर	३	१०	१८	२५	३३	४१	४८	५६	५९	१३	७	१०	१४	१८	२१	२५	२८	३२	३६	३९	४३	४७	५०	५४	५८	१	५	८	१२	१६	३
	४	४०	१६	५२	२८	४	४०	१६	५४	३२	१०	४८	२६	४	४२	२०	५८	३६	१४	५२	३०	८	४६	२४	२	४०	१८	५६	३४	१२	३८
१०	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०
कुंभ	१९	२३	२७	३०	३४	३८	४१	४५	४७	५०	५२	५५	५७	०	३	५	८	१०	१३	१५	१८	२०	२३	२५	२८	३०	३३	३५	३८	४१	२
	५०	२८	६	४४	२२	०	३८	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२
११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मीन	४३	४६	४८	५१	५३	५६	५८	१	३	६	८	११	१३	१६	१९	२१	२४	२६	२९	३१	३४	३६	३९	४१	४४	४६	४९	५१	५४	५७	२
	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	०	३२

अथ क्रान्ति सारिणी २२ मार्च से २३ सितंबर तक उत्तरा क्रान्ति और २४ सितंबर से २१ मार्च तक दक्षिणा क्रान्ति रहेगी ।

तारीख	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१
जनवरी	२३ द	२३	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२०	२०	२०	२०	२०	१९	१९	१९	१९	१८	१८	१८	१८	१७	१७
	५	१	५६	४९	४४	३६	३०	२२	१३	५	५८	४९	४०	३०	१८	७	५७	४३	३२	२१	७	५४	४१	१५	१२	५७	४२	२१	१०	१७	४०
फरवरी	१७	१७	१६	१६	१६	१५	१५	१५	१४	१४	१४	१४	१३	१३	१३	१२	१२	११	११	११	१०	१०	१०	९	९	९	८	८			
	२४	३	४८	३०	१३	५५	३७	२०	५९	४५	२१	२	४१	२१	२	४०	१९	५९	४०	१६	५५	३३	२२	५०	२८	६	४४	२०			
मार्च	७	७	७	६	६	६	५	५	४	४	४	३	३	२	२	२	१	१	०	०	० द	० उ	०	१	१	१	२	२	३	३	३
	५८	३६	१३	४९	२५	३	४१	१७	५३	३२	८	४३	२०	५६	३३	८	४४	२१	५५	३३	११	१५	३८	३	२७	५१	१७	३८	१	२४	४७
एप्रैल	४	४	४	५	५	६	६	६	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१४	१४	
	१०	३३	५९	२४	४८	११	३४	५७	१९	४२	४	२६	४८	१०	३१	५३	१४	३५	५५	१४	३५	५५	१७	३७	५७	१६	३५	५६	१५	३३	
मई	१४	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१
	५१	१०	२८	४५	३	२०	३७	५३	९	२४	४०	५५	१२	२७	४०	५६	१०	२५	३६	५०	२	१५	२७	३९	५०	१	११	२१	३१	४०	४९
जून	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	
	५७	४	१२	२०	२७	३३	४०	४६	५१	५७	१	५	१०	१४	१६	२०	२३	२५	२६	२७	२८	२८	२७	२६	२५	२३	२१	१९	१७	१३	
जुलै	२३	२३	२३	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२०	२०	२०	२०	२०	१९	१९	१९	१९	१८	१८	१८
	१०	७	३	५८	५३	४६	४०	३५	२७	२०	१४	५	५७	४९	४०	३०	२०	१०	०	५०	३९	२७	१५	३	५१	३८	२५	११	५७	४३	२९
अगस्त	१८	१७	१७	१७	१७	१६	१६	१६	१६	१५	१५	१५	१४	१४	१४	१३	१३	१३	१३	१२	१२	१२	११	११	११	१०	१०	९	९	९	८
	१३	५६	४३	२७	१२	५६	४०	२३	५	४८	३१	१३	५५	३७	१९	५९	४०	२२	३	४३	२४	४	४४	२३	३	४२	२१	५९	३९	१७	५६
सितम्बर	८	८	७	७	७	६	६	५	५	५	४	४	४	३	३	२	२	२	१	१	१	०	० उ	० द	०	०	१	१	२	२	
	३४	१२	५१	२८	६	४३	२२	५६	३६	१४	५२	२९	५	४४	२०	५६	३२	११	४७	२४	०	३६	१५	११	३३	५८	२१	४४	८	३१	
अक्तूबर	२	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१३	१३	१३
	५३	१७	४१	४	२७	५१	१३	३६	५९	२२	४५	७	३०	५२	१५	३६	५७	२०	४२	४	२६	४६	९	२८	५०	११	३१	५१	१०	३१	५१
नवम्बर	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	
	११	३०	४९	८	२६	४४	३	२२	४०	५७	१४	३१	४७	३	१८	३५	५०	५	१९	३१	४७	०	११	२४	३६	४८	०	१२	२३	३१	
दिसम्बर	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३ द
	४३	५१	०	९	१८	२५	३३	३९	४६	५२	५६	१	६	११	१५	१८	२१	२३	२५	२६	२६	२७	२७	२६	२५	२४	२२	२०	१७	१४	०

क्रान्त्यंश

चरसारिणी

अक्षांश	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
१	० ४	० ८	० १३	० १७	० २१	० २५	० २९	० ३४	० ३८	० ४२	० ४७	० ५१	० ५५	१ ०	१ ४	१ ९	१ १३	१ १८	१ २२	१ २७	१ ३२	१ ३७	१ ४२	१ ४७
२	० ८	० १७	० २५	० ३४	० ४२	० ५०	० ५९	१ ८	१ १६	१ २५	१ ३३	१ ४२	१ ५१	२ ०	२ ९	२ १८	२ २७	२ ३७	२ ४५	२ ५५	३ ४	३ १४	३ २४	३ ३४
३	० १३	० २५	० ३८	० ५०	१ ३	१ १६	१ २८	१ ४१	१ ५४	२ ७	२ २०	२ ३३	२ ४६	३ ०	३ १३	३ २७	३ ४०	३ ५५	४ ८	४ २२	४ ३७	४ ५१	५ ६	५ २१
४	० १७	० ३४	० ५०	१ ७	१ २४	१ ४१	१ ५८	२ १२	२ २९	२ ४८	३ ५	३ २४	३ ४२	४ ०	४ १८	४ ३६	४ ५४	५ १२	५ ३१	५ ५०	६ ९	६ २९	६ ४८	७ ८
५	० २१	० ४२	१ ३	१ २४	१ ४५	२ ७	२ २८	२ ५०	३ १०	३ ३२	३ ५४	४ १६	४ ३८	५ ०	५ २३	५ ४५	६ ७	६ ३१	६ ५४	७ १९	७ ४२	८ ६	८ ३१	८ ५६
६	० २५	० ५०	१ १६	१ ४१	२ ६	२ ३२	२ ५७	३ २३	३ ४९	४ १५	४ ४२	५ ७	५ ३४	६ ०	६ ४७	६ ५४	७ २२	७ ५०	८ १८	८ ४६	९ १५	९ ४४	१० १४	११ ४७
७	० २९	० ५९	१ २८	१ ५८	२ २९	२ ५७	३ २७	३ ५७	४ २७	४ ५८	५ २८	५ ५९	६ ३०	७ १	७ ३२	८ ४	८ ३६	९ ९	९ ४२	१० १५	१० ४८	११ २२	११ ५७	१२ ३२
८	० ३४	१ ७	१ ४१	२ १५	२ ४९	३ २३	३ ५६	४ ३१	५ ६	५ ४१	६ १६	६ ५१	७ २६	८ २	८ ३८	९ १४	९ ५१	१० २८	११ ६	११ ४४	१२ २२	१३ [illegible]	१३ ४१	१४ २१
९	० ३८	१ १६	१ ५४	२ ३३	३ ११	३ ४९	४ २७	५ ६	५ ४५	६ २४	७ ४	७ ४३	८ २३	९ ३	९ ४४	१० २५	११ ६	११ ४८	१२ ३०	१३ १३	१३ ५६	१४ ४१	१५ २५	१६ ११
१०	० ४२	१ २५	२ ७	२ ५०	३ ३२	४ १५	४ ५८	५ ४१	६ २४	७ ८	७ ५१	८ ३६	९ २०	१० ५	१० ५०	११ ३६	१२ २३	१३ ८	१३ ५५	१४ ४३	१५ ३१	१६ २०	१७ १०	१८ १
११	० ४७	१ ३४	२ २०	३ ७	३ ५४	४ ४०	५ २८	६ १६	७ ३	७ ५१	८ ४०	९ २९	१० १७	११ ७	११ ५६	१२ ४७	१३ ३८	१४ २९	१५ २७	१६ १४	१७ ७	१८ १	१८ ५६	१९ ५२
१२	० ५१	१ ४२	२ ३३	३ २४	४ १६	५ ९	५ ५९	६ ५०	७ ४३	८ ३६	९ २८	१० २१	११ १५	१२ ९	१३ ३	१३ ५९	१४ ५४	१५ २०	१६ ४७	१७ ४५	१८ ४३	१९ ४२	२० ४२	२१ ४३
१३	० ५५	१ ५१	२ ४६	३ ४२	४ ३८	५ ३४	६ ३०	७ २०	८ २३	९ २०	१० १७	११ १५	१२ १३	१३ १२	१४ ११	१५ ११	१६ ११	१७ [illegible]	१८ १४	१९ १७	२० २०	२१ २५	२२ ३०	२३ ३६
१४	१ ०	२ ०	३ ०	४ ०	५ ०	६ ०	७ १	८ २	९ ३	१० ५	११ ७	१२ ९	१३ १२	१४ १५	१५ १९	१६ २४	१७ २९	१८ ३४	१९ ४२	२० २०	२१ ४८	२३ ८	२४ ८	२५ ३०
१५	१ ४	२ ९	३ १३	४ १७	५ २१	६ २७	७ ३१	८ ३८	९ ४४	१० ५०	११ ५७	१३ ४	१४ १०	१५ १९	१६ २७	१७ ३८	१८ ४८	१९ ५९	२१ १०	२२ २४	२३ ३५	२४ [illegible]	२६ ७	२७ २४

क्रान्त्यंश **चरसारिणी**

अक्षांश	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
१६	१	२	३	४	५	६	८	९	१०	११	१२	१३	१५	१६	१७	१८	२०	२१	२२	२३	२५	२६	२७	२९
	९	१८	२७	३६	४४	५४	४	१४	२५	३६	४७	५९	१०	२४	३६	५२	७	२३	४०	५७	१७	३७	५८	२०
१७	१	२	३	४	६	७	८	९	११	१२	१३	१४	१६	१७	१९	२०	२१	२२	२४	२५	२६	२८	२९	३१
	१३	२७	४०	५४	८	२२	३६	५१	६	२०	३८	५४	११	२९	४८	७	२७	४८	१०	३३	५८	२३	५०	१८
१८	१	२	३	५	६	७	९	१०	११	१३	१४	१५	१७	१८	१८	२१	२२	२४	२५	२७	२८	३०	३१	३३
	१८	३६	५१	१२	३१	५०	९	२८	४८	८	२९	५०	२२	३४	५९	२३	४८	१४	४३	१०	४१	१०	४३	१६
१९	१	२	४	५	६	८	९	११	१२	१३	१५	१६	१८	१९	२१	२२	२४	२५	२७	२८	३०	३१	३३	३५
	२३	४५	८	३१	५४	१८	३७	६	३०	५५	२१	४७	१४	४२	११	४०	१०	४२	१४	४८	२३	५९	३७	१६
२०	१	२	४	५	७	८	१०	११	१३	१४	१६	१७	१९	२०	२२	२३	२५	२७	२८	३०	३२	३३	३५	३७
	२३	५५	२२	५०	१६	४६	१५	४४	१३	४३	१४	४५	२७	५०	२३	५७	३३	१०	४१	२७	८	४९	३३	१८
२१	१	३	४	६	७	९	१०	१२	१३	१५	१७	१८	२०	२१	२३	२५	२६	२८	३०	३२	३३	३५	३७	३९
	३२	४	३६	९	४२	१५	४८	२२	५७	३१	७	४३	२०	५९	३७	१७	५८	१४	२३	८	५४	४१	३१	२२
२२	१	३	४	६	८	९	११	१३	१३	१६	१७	१९	२१	२३	२४	२६	२८	३०	३१	३३	३५	३७	३९	४१
	३७	१४	५१	२९	६	४४	२२	१	४०	२०	५९	४२	२५	८	५२	३७	२३	११	५९	४९	४२	३५	३०	२७
२३	१	३	५	६	८	१०	११	१३	१५	१७	१८	२०	२२	२४	२६	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३
	४२	२४	६	४८	३२	१४	५७	४१	२५	१०	५६	४२	३०	१८	६	५६	५०	४३	३०	३३	३१	३०	४१	३४
२४	१	३	५	७	८	१०	१२	१४	१६	१८	१९	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३७	३९	४१	४३	४५
	४७	३४	२१	८	५६	४४	३२	२१	११	१	५२	४३	३६	३०	२४	२०	१८	१६	१६	१८	२२	४७	३४	५४
२५	१	३	५	७	९	११	१३	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३९	४१	४३	४५	४७
	५२	४४	३६	२८	२१	१४	८	५९	५७	५२	४८	४५	४३	४२	४३	४४	४७	५२	५७	५	१५	२६	४०	५६
२६	१	३	५	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१	२३	२५	२७	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४३	४५	४७	५०
	५७	५४	५२	४९	३७	४५	४४	४३	४३	४४	४६	४८	५२	५६	२	९	१८	२८	४०	५४	१३	२८	४८	१०
२७	२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२७	२९	३१	३३	३५	३७	४०	४२	४५	४७	४९	५२
	२	५	७	१०	१३	७	२१	२६	३१	३७	४४	५२	२	१२	२३	३६	५१	६	२५	४५	७	३२	५८	२७
२८	२	४	६	८	१०	१२	१४	१७	१९	२१	२३	२५	२८	३०	३२	३५	३७	३९	४२	४४	४७	४९	५२	५४
	८	१२	२३	१३	४०	४९	५८	८	१९	३१	४४	५७	१२	२८	४६	५	२५	४८	१२	३८	६	३८	११	४७
२९	२	४	६	८	११	१३	१५	१७	२०	२२	२४	२७	२९	३१	३४	३६	३९	४१	४४	४६	४९	५१	५४	५७
	१३	२६	४०	५३	७	२२	३७	५२	९	२६	४४	४	२५	४८	१०	३५	२	२७	१	३३	८	४६	२७	९
३०	२	४	६	९	११	१३	१६	१८	२१	२३	२५	२८	३०	३३	३५	३८	४०	४३	४५	४८	५१	५३	५६	५९
	१९	३७	५६	१५	३५	५५	१६	३७	०	२२	४६	१२	३९	६	३६	७	४०	१५	५२	३१	१३	५७	४५	३५
३१	२	४	७	९	१२	१४	१६	१९	२१	२४	२६	२९	३१	३४	३७	३९	४२	४५	४७	५०	५३	५६	५९	६२
	२४	५९	१३	३७	२	२९	५५	२३	५०	२१	५०	२१	५४	२७	४	४१	२१	२	४६	२८	२०	१२	६	४
३२	२	५	७	१०	१२	१५	१७	२०	२२	२५	२७	३०	३३	३५	३८	४१	४४	४६	४९	५२	५५	५८	६१	६४
	३०	०	३०	१	३२	४	३६	७	४३	१७	५४	३२	१०	४७	३३	१६	३	५२	४२	३५	३०	३०	३१	३७

क्रान्त्यंश	चरसारिणी																						
	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
३३	२	५	७	१०	१३	१५	१८	२०	२३	२६	२८	३१	३४	३७	४०	४२	४५	४८	५१	५४	५७	६०	६३	६७
	३६	१२	४६	२५	२	३९	१६	५७	३७	१८	५९	४४	२९	१६	५	५६	४८	४४	४०	४१	४४	५१	५३	१३
३४	२	५	८	१०	१३	१६	१९	२१	२४	२७	३०	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५६	६०	६३	६६	६९
	४२	२४	५	४९	३२	१६	१	४५	३२	१९	६	५८	४९	४४	३९	३६	३६	३७	४३	५१	१	१५	३३	५४
३५	२	५	८	११	१४	१६	१९	२२	२५	२८	३१	३४	३७	४०	४३	४६	४९	५२	५५	५८	६२	६५	६९	७२
	४८	३६	२५	१४	१	५३	४४	३५	२४	२२	१७	१४	१३	१३	१५	१९	२७	३६	४४	४	२२	४४	१०	४०
३६	२	५	८	११	१४	१७	२०	२३	२६	२९	३२	३५	३८	४१	४४	४८	५१	५४	५७	६१	६४	६८	७१	७५
	५४	४९	४४	३५	३५	३१	२८	२७	२६	२७	२९	३२	३७	४५	५०	६	२०	३७	५७	२०	४७	१७	५१	३०
३७	३	६	९	१२	१५	१८	२१	२४	२७	३०	३३	३६	४०	४३	४६	४९	५३	५६	६०	६३	६७	७०	७४	७८
	१	२	३	५	६	१०	१४	१९	२५	३३	४१	५२	५	१९	३६	५५	१७	४१	७	४०	१५	५४	३९	२४
३८	३	६	९	१२	१५	१८	२२	२५	२८	३१	३४	३८	४१	४४	४८	५१	५५	५८	६२	६६	६९	७३	७७	८१
	८	१५	२३	३२	४१	४७	१	१३	२६	४१	५६	१४	३४	५४	२०	४७	१७	४९	२५	५	४८	३६	२८	२५
३९	३	६	९	१३	१६	१९	२२	२६	२९	३२	३६	३९	४२	४६	५०	५३	५७	६०	६४	६८	७२	७६	८०	८४
	१४	२९	४४	०	१५	३२	५०	८	२९	५०	१४	३९	५	३६	८	४२	२०	५८	४६	३४	२१	२३	२१	३२
४०	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२७	३०	३४	३७	४१	४४	४८	५१	५५	५९	६३	६७	७१	७५	७९	८३	८७
	२१	४३	५	२७	४७	१४	३८	४	३३	२	३३	६	४१	१८	५८	४१	२८	१७	१०	६	१०	१६	२८	४५
४१	३	६	१०	१३	१७	२०	२४	२८	३१	३५	३८	४२	४६	४९	५३	५७	६१	६५	६९	७३	७७	८२	८६	९१
	२९	५७	२५	५६	२७	५६	३०	४	३९	१६	५५	३५	१६	५८	५३	४४	३९	३८	४०	४७	५८	१५	३७	५
४२	३	७	१०	१४	१८	२१	२५	२९	३२	३६	४०	४४	४७	५१	५५	५९	६३	६८	७२	७६	८०	८५	८९	९४
	३६	१२	४९	२६	०	४३	२३	५	४८	३१	१९	६	५९	५४	५१	५१	५५	४	१५	३१	५३	२०	५३	३२
४३	३	७	११	१४	१८	२२	२६	३०	३३	३७	४१	४५	४९	५३	५७	६२	६६	७०	७४	७९	८३	८८	९३	९८
	४४	२८	१२	५७	४३	२७	१८	७	५८	५१	५६	४४	४४	४७	५३	२	१६	३३	५५	२२	५४	३२	१६	७
४४	३	७	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	६४	६८	७३	७७	८२	८७	९१	९६	[illegible]
	५२	४४	३४	२९	२३	१८	१४	१०	१२	१०	१७	२३	३२	४०	५७	१८	४१	९	४१	१९	२	५२	४८	
४५	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४९	५३	५७	६२	६६	७१	७५	८०	८५	९०	९५	[illegible]	[illegible]
	०	०	१	२	५	४	१०	१९	२७	३७	४७	५	२४	४५	१०	४०	१३	५१	३४	२३	१८	१९		
४६	४	८	१२	१६	२०	२५	२९	३३	३७	४२	४६	५०	५५	५९	६४	६९	७३	७९	८३	८८	९३	९८	[illegible]	[illegible]
	९	१७	२७	३७	४८	०	१३	२८	४६	५	२७	५२	२१	५०	२६	६	५०	३९	३३	३४	४१	५६		
४७	४	८	१२	१७	२१	२५	३०	३४	३९	४३	४८	५२	५७	६२	६६	७१	७६	८१	८६	९१	९७	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	१८	३५	५३	१२	३२	५१	१६	४०	७	३६	८	४२	१७	२	४८	३८	३३	३४	४१	५०	१४			
४८	४	८	१३	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४५	४९	५४	५९	६४	६९	७४	७९	८४	८९	९५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	२७	५३	२१	४९	१८	३९	२१	५५	३०	१०	५२	३७	२६	१८	१५	१७	२४	३६	५६	२२				
४९	४	९	१३	१८	२३	२७	३२	३७	४२	४६	५१	५६	६१	६६	७१	७७	८२	८७	९३	९८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
	३६	१३	५०	२७	५	४७	२९	१३	०	४९	४१	३७	३६	४०	४९	३	१०	४८	६०	५८				

अक्षांश	क्रान्त्यांश					चरसारिणी						
अक्षांश	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
५०	४ ४६	९ ३२	१४ १९	१९ ७	२३ ५६	२८ ४७	३३ ३९	३८ ३४	४३ ३१	४८ ३१	५३ ३५	५८ ४२
५१	४ ५६	९ ५३	१४ ५१	१९ ४९	२४ ४९	२९ ५०	३४ ५३	४० ०	४५ ७	५० १८	५५ ३३	६० ५२
५२	५ ७	१० १५	१५ २३	२० ३२	२५ ४३	३० ५४	३६ १०	४१ २७	४६ ४७	५२ ७	५७ ३७	६३ १
५३	५ १८	१० ३७	१५ ५७	२१ १८	२६ ४०	३२ ४	३७ ३१	४२ ५६	४८ ३२	५४ ८	५९ ४८	६५ ३२
५४	५ ३०	११ १	१६ ३३	२२ ४	२७ ४०	३३ १६	३८ ५५	४४ ३७	५० ५२	५६ ११	६२ ४	६८ २
५५	५ ४३	११ २६	१७ १०	२२ ५६	२८ ४३	३४ ३१	४० २४	४६ १८	५२ १८	५८ २०	६४ २८	७० ४१
५६	५ ५६	११ ५२	१७ ५०	२३ ४८	२९ ४९	३५ ५१	४१ ५७	४८ ७	५४ १९	६० ३५	६७ ०	७३ २८
५७	६ १०	१२ २०	१८ ३१	२४ ४४	३० ५६	३७ १०	४३ ३६	५० १	५६ २८	६३ १	६९ ४०	७६ २५
५८	६ २४	१२ ४९	१९ १५	२५ ४२	३२ १२	३८ ४४	४५ १७	५१ ५९	५८ ४४	६५ ३४	७२ ३०	७९ २६
५९	६ ४०	१३ २०	२० १	२६ ४४	३३ २९	४० १८	४७ १०	५४ ६	६१ ६	६८ १६	७५ ३०	८२ ५२
६०	६ ५६	१३ ५२	२० ५०	२७ ५०	३४ ४६	४१ ५७	४९ ७	५६ २१	६३ ४१	७१ ६	७८ ४२	८६ २५
६१	७ १३	१४ २७	२१ ४२	२८ ५९	३६ १९	४३ ४३	५१ ११	५८ ४६	६६ १९	७४ १२	८२ ५	९० १२
६२	७ ३२	१५ ४	२२ ३८	३० १७	३७ ५०	४५ ३६	५३ २४	६१ १६	६९ १५	७७ २१	८५ ४६	९४ ७
६३	७ ५१	१५ ४३	२३ ३७	३१ ३३	३९ ३२	४७ ३७	५५ ४७	६४ २	७२ २६	८० ५९	८९ ४२	९८ १९
६४	८ १२	१६ २५	२४ ४०	३२ ५८	४१ २०	४९ ४६	५८ ११	६६ ५९	७५ ४८	८४ ४६	९३ ५५	१०३ २१
६५	८ ३५	१७ ११	२५ ४९	३४ ३०	४३ १५	५२ ४	६१ ४	७० १०	७९ २५	८८ ५२	९८ ३३	१०८ २४
६६	८ ५९	१८ ०	२७ २	३६ ९	४५ २०	५४ ३७	६४ १	७३ ३६	८३ २१	९३ १९	१०३ ३३	११४ ४

	क्रान्त्यांश					चरसारिणी						
अक्षांश	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
५०	६३ ५३	६९ ९	७४ २९	७९ ५६	८५ २८	९१ ४	९६ ५४	१०२ ५०	१०८ ५४	११५ ८	१२१ ३३	१२८ ११
५१	६६ १६	७१ ४४	७७ १७	८२ ५७	८८ ४४	९४ ३७	१०० ३९	१०६ ४७	११३ ११	११९ ४३	१२६ २७	१३३ २५
५२	६८ ४५	७४ २६	८० १४	८६ ८	९२ ६	९८ १९	१०४ ३६	१११ ४	११७ ४३	१२४ ३४	१३१ ३८	१३८ ५८
५३	७१ २२	७७ १७	८३ १९	८९ २८	९५ ४५	१०२ १०	१०८ ४६	११५ ३२	१२२ ३०	१२९ ४१	१३७ ८	१४४ ५२
५४	७४ ७	८० १७	८६ ३४	९३ ०	९९ ३२	१०६ १६	११३ ९	१२० १५	१२७ ३४	१३५ ९	१४३ ०	१५१ १०
५५	७६ ५९	८३ ३६	९० ०	९६ ४२	१०३ ३३	११० ३५	११७ ४९	१२५ १७	१३२ ५९	१४० ५८	१४९ १६	१५८ ५६
५६	८० ४	८६ ४६	९३ ३८	१०० ३८	१०८ ३९	११५ ११	१२२ ४७	१३० ३८	१३८ ४५	१४७ ११	१५६ ०	१६५ १३
५७	८३ १८	९० १९	९७ २६	१०४ ४९	११७ १०	१२० ५	१२८ ५	१३६ २१	१४४ ५६	१५३ ५४	१६३ १६	१७३ ७
५८	८६ ४४	९४ ४	१०१ ३४	१०९ १६	११७ १०	१२५ १९	१३३ ४५	१४२ ३२	१५१ ३६	१६१ ८	१७१ ९	१८१ ४६
५९	९० २३	९८ ४	१०५ ५६	११३ ५६	१२२ २०	१३० ५६	१३९ ५९	१४९ ८	१५८ ५०	१६९ १	१७९ ४७	१९१ १५
६०	९४ १७	१०२ २०	११० ३७	११९ ५	१२७ ५४	१३७ ०	१४८ २७	१५६ १९	१६६ ४१	११७ ३९	१८९ १८	२०१ ५०
६१	९८ ११	१०६ ५५	११५ ३८	१२४ ३६	१३३ ५४	१४३ ३३	१५३ ३७	१६४ ७	१७५ १९	१८७ १०	१९९ ५४	२१३ ४५
६२	१०२ ५६	१११ ५१	१२१ ३	१३० ३२	१४० २४	१५० ४०	१६१ २६	१७२ ४७	१८४ ५२	१९७ ४९	२११ ५३	२२७ २७
६३	१०७ ४६	११७ ११	१२६ ५५	१३७ ०	१४७ २९	१५८ २९	१७० ४	१८२ २१	१९२ ३२	२०९ ५१	२२५ ४०	२४३ ३७
६४	११२ ५७	१२२ ५८	१३३ १८	१४४ २	१५५ १६	१६७ ६	१७९ ३८	१९३ ४	२०७ ३८	२२३ ४३	२४१ ५८	२६३ ३७
६५	११८ ४२	१२९ १७	१४० १४	१५१ ४७	१६३ ५२	१७६ ४०	१९० २३	२०५ १४	२२१ ३७	२४० ११	२६२ ११	२८९ १९
६६	१२४ ५६	१३६ १३	१४७ ५७	१६० ३२	१७३ २८	१८७ २८	२०२ ३६	२१९ १९	२३८ १५	२६० ३८	२८९ ४४	३५४ ४०

वेलान्तर सारिणी (दिसम्बर ता० २६ से एप्रैल ता० १६ तक तथा जून ता० १५ से सितम्बर ता० २ तक फल धन रहेगा इससे भिन्न समय में ऋण रहेगा)

तारीख	जनवरी	फरवरी	मार्च	एप्रैल	मई	जून	जुलै	अगस्त	सितम्बर	अक्तूबर	नवम्बर	दिसम्बर
१	+३ ७	+१३ ३१	+१२ ३८	+४ १५	-२ ४९	-२ २९	+३ २९	+ १८	+० ९	-९ ५८	-१६ २०	-११ १९
२	३ ३५	१३ ४१	१२ २७	३ ५७	२ ५६	२ २०	३ ४१	६ १४	+० ०	१० १७	१६ २२	१० ५७
३	४ ४	१३ ४७	१२ १४	३ ३८	३ २	२ १२	३ ५२	६ ११	-० १९	१० ३६	१६ २३	१० ३३
४	४ ३३	१३ ५३	१२ ३	३ २१	३ १०	२ १	४ ५	६ ५	० ३८	१० ५४	१६ २३	१० १२
५	४ ५९	१४ ०	११ ५१	३ ४	३ १७	१ ५२	४ १५	६ २	० ५६	११ १३	१६ २२	९ ४७
६	५ २५	१४ ६	११ ३७	२ ४४	३ २१	१ ४०	४ २६	५ ५६	१ १७	११ ३२	१६ २२	९ २२
७	५ ५३	१४ १०	११ २३	२ २६	३ २४	१ २९	४ ३६	५ ५०	१ ३८	११ ४९	१६ १९	८ ५६
८	६ १९	१४ १३	११ ९	२ १२	३ ३१	१ १७	४ ४६	५ ४२	१ ५८	१२ ६	१६ १५	८ ३३
९	६ ४५	१४ १७	१० ५५	१ ५५	३ ३४	१ ८	४ ५५	५ ३५	२ १८	१२ २२	१६ १३	८ ६
१०	७ ११	१४ १८	१० ४०	१ ४०	३ ३८	० ५५	५ ३	५ २८	२ ३९	१२ ४०	१६ ८	७ ३९
११	७ ३५	१४ २१	१० २४	१ २२	३ ४०	० ४३	५ १३	५ १८	३ १	१२ ५६	१६ २	७ १२
१२	७ ५९	१४ २०	१० ७	१ ८	३ ४२	० ३१	५ २२	५ ९	३ २१	१३ १३	१५ ५६	६ ४५
१३	८ २३	१४ १९	९ ५२	० ५१	३ ४३	० २०	५ २९	४ ५९	३ ४१	१३ २७	१५ ४९	६ १७
१४	८ ४५	१४ १६	९ ३७	० ३३	३ ४५	-० ७	५ ३७	४ ४९	४ ३	१३ ४३	१५ ४२	५ ४९
१५	९ ७	१४ १७	९ २०	० २२	३ ४४	+० ६	५ ४३	४ ३७	४ २४	१३ ५६	१५ ३२	५ २०
१६	९ २०	१४ १३	९ ५	+० ५	३ ४५	० १८	५ ५०	४ २६	४ ४४	१४ १०	१५ ३३	४ ५२
१७	९ ५०	१४ ११	८ ४८	-० १०	३ ४४	० ३०	५ ५६	४ १५	५ ७	१४ २२	१५ १३	४ २२
१८	१० ११	१४ ८	८ २७	० २४	३ ४२	० ४५	६ २	४ २	५ २८	१४ ३५	१५ १	३ ५४
१९	१० २९	१४ २	८ ११	० ३७	३ ४०	० ५७	६ ६	३ ४९	५ ५१	१४ ४७	१४ ५८	३ २४
२०	१० ४८	१३ ५६	७ ५३	० ५१	३ ३८	१ १०	६ ९	३ ३५	६ ११	१४ ५९	१४ ३६	२ ५५
२१	११ ६	१३ ५१	७ ३५	१ ४	३ ३४	१ २२	६ १४	३ २०	६ ३०	१५ ८	१४ २२	२ २४
२२	११ २३	१३ ४३	७ १७	१ १८	३ ३३	१ ३६	६ १७	३ ६	६ ५४	१५ १९	१४ ७	१ ५५
२३	११ ३९	१३ ३७	६ ५८	१ २९	३ २८	१ ५०	६ १९	२ ५१	७ १६	१५ २८	१३ ५२	१ २५
२४	११ ५५	१३ २९	६ ४१	१ ४१	३ २३	२ १	६ २०	२ ३६	७ ३६	१५ ३८	१३ ३५	० ५५
२५	१२ ११	१३ २०	६ २४	१ ५०	३ १८	२ १३	६ २३	२ २१	७ ५६	१५ ४५	१३ १७	-० २५
२६	१२ २४	१३ १०	६ ४	२ ४	३ १२	२ २७	६ २४	२ ३	८ १७	१५ ५२	१३ १	+० ५
२७	१२ ३७	१३ ०	५ ४५	२ १४	३ ५	२ ४०	६ २५	१ ४८	८ ३८	१५ ५९	१२ ४२	० ३५
२८	१२ ४८	+१२ ४९	५ २८	२ २३	३ १	२ ५१	६ २४	१ ३१	८ ५८	१६ ५	१२ २२	१ ५
२९	१३ १		५ ८	२ ३२	२ ५३	३ ६	६ २३	१ १२	९ १८	१६ ८	१२ २	१ ३४
३०	१३ १२		४ ५२	-२ ४१	२ ४५	+३ १७	६ २२	० ५६	-९ ३८	१६ १४	-११ ४१	२ ४
३१	+१३ २२		+४ ३३		-२ ३७		+६ २०	+० ३७		-१६ १७		+२ ३३

भारत के प्रमुख नगरों के अक्षांश रेखांश एवं रेखान्तर समय

नगर	अक्षांश अंश	कला	रेखांश अंश	कला	रेखांतर मि.	से.
अकलकोट	१७	३२	७६	१३	-२५	८
अंकलेश्वर	२१	३९	७२	५९	-३८	४
अकोला	२०	४२	७७	२	-२१	५२
अजमेर	२६	२७	७४	४२	-३१	१२
अजन्ता (है.)	२०	३३	७५	४८	-२६	४८
,, (म.प्र.)	२०	२०	७७	१०	-२१	२०
अमरावती	२०	५६	७७	४८	-१८	४८
अमृतसर	३१	३७	७४	५५	-३०	२०
अयोध्या	२६	४८	८२	१४	-१	४
अनाइमुडी पहाड़ियाँ	१०	२४	७६	४०	-२३	२०
अरकोणम्	१३	५	७९	४३	-११	८
अर्काट	१२	५६	७९	२४	-१२	२४
अल्वर	२७	३४	७६	३८	-२३	२८
अलीगढ़	२७	५४	७८	६	-१७	३६
अलीपुर (प.बं.)	२२	३२	८८	२४	+२३	३६
अलीपुरा (म.)	२५	१०	७९	२२	-१२	३२
अल्मोड़ा	२९	३७	७९	४०	-११	२०
असाई (है.)	२०	१५	७५	५८	-२६	८
अहमदनगर	१९	५	७४	४८	-३०	४८
अहमदाबाद	२३	२	७२	३७	-३९	३२
अहरौरा	२४	५९	८२	२	-१	५२
आगरा	२७	१०	७८	५	-१७	४०
आजमगढ़	२६	३	८३	१३	+२	५२
आदिलाबाद	१९	३७	७८	३०	-१६	०
आबू (राज.)	२४	४०	७२	४५	-३९	०
आसनसोल	२३	४२	८७	१	+१८	४
अगरतला (त्रि.)	२३	५०	९१	२३	+३५	३२
अंजार (कच्छ)	२३	७	७०	१	-४९	५६
अंबाजी (गु.)	२४	२२	७२	५६	-३८	१६
अनंतपुर (आं.)	१४	४१	७७	३९	-१९	२४
आनन्द (गु.)	२२	३५	७२	५८	-३८	८
अमरेली	२१	३६	७१	१२	-४५	१२
इगतपुरी	१९	४२	७३	३५	-३५	४०
इटारसी	२२	३०	७७	५५	-१८	२०
इटावा	२६	४७	७९	२	-१३	५२
इन्द्रगढ (रा.)	२५	४४	७६	१२	-२५	१२
इन्दौर	२२	४४	७५	५४	-२६	२४
इरोड (मद्रास)	११	२०	७७	४६	-१८	५६
ईडर	२३	५०	७३	२	-३७	५२
इंफल (आ.)	२४	४४	९३	५८	+४५	५२
इलाहाबाद	२५	२८	८१	५४	-२	२४
इस्लामाबाद(का.)	३३	४३	७५	१७	-२८	५२
उज्जैन	२३	९	७५	४३	-२७	८
उटकमंड	११	२४	७६	४४	-२३	४
उडमलपेठ	१०	३६	७९	१९	-१२	४४
उडीपी	१३	१८	७४	४०	-३१	२०
उदयपुर (त्रि.)	२३	३१	९१	२१	+३५	२४
उदयपुर (रा.)	२४	४२	७३	३३	-३५	४८
ऊँझा (उ. गु.)	२३	४७	७२	२४	-४०	२४
उदयगिरि (आं.)	१४	५२	७९	१९	-१२	४४
उस्मानाबाद	१८	८	७६	६	-२५	३६
एकलिंगाजी (रा.)	२४	४३	७३	४३	-३५	८
एन्नुर (मद्रा.)	१३	१४	८०	२२	-८	३२
एलोरा	२०	२	७५	१३	-२९	८
एल्लोर (आं.)	१६	४२	८१	६	-५	२४

नगर	अक्षांश		रेखांश		रेखांतर	
	अंश	कला	अंश	कला	मि.	से.
ओखाबंदर	२२	१५	६९	१०	−५३	२०
औंध (सता.)	१७	३३	७४	२३	−३२	२८
औरंगाबाद	१९	५३	७५	२३	−२८	२८
अंबाला (पंजाब)	३०	२१	७६	५२	−२२	३२
उन्नाव	२६	४८	८०	४३	− ७	८
कटक (उड़ीसा)	२०	२८	८५	५४	+१३	३६
कटनी (M.P.)	२३	४७	८०	२७	− ८	१२
कण्णनूर (मद्रास)	११	५२	७५	२५	−२८	२०
कनारक(उड़ीसा)	१९	५३	८६	८	+१४	३२
कन्नौज (उ.प्र.)	२७	३	७९	५८	−१०	८
कर्नाटिक(म.)	१२	०	८०	०	−१०	०
कर्णूल (आंध्र)	१५	५०	७८	५	−१७	४०
कलकत्ता	२२	३४	८८	२४	+२३	३६
करनाल (पंजाब)	२९	४२	७७	२	−२१	५२
कल्याण (महा.)	१९	१४	७३	१०	−३७	२०
कानपुर (उ.प्र.)	२६	२८	८०	२४	− ८	२४
कामेटशिखर(उ.)	३०	५६	७९	३६	−११	३६
कालीकट	११	१५	७५	४९	−२६	४४
केपकामोरिन अंतरीप (मद्रास)	८	४	७७	३६	−१९	३६
कारवार	१४	४८	७४	८	−३३	२८
कांजीवरम्(मद्रा.)	१२	५०	७९	४५	−११	०
किशनगंज (बि.)	२६	१०	८८	०	+२२	०
किशनगढ(राज.)	२६	३५	७४	५६	−३०	१६
कुचबिहार(प.बं.)	२६	२०	८९	२९	+२७	५६
कुडप्पा (आंध्र)	१४	२८	७८	४९	−१४	४४
कुनुर (मद्रास)	११	२०	७६	५०	−२२	४०
कुंभकोनम्,,	१०	५८	७९	२५	−१२	२०
कृष्णनगर(प.बं.)	२३	२४	८८	३३	+२४	१२
कुशलगढ़(राज.)	२३	८	७४	२७	−३२	१२
केसरीआजी ,,	२४	५	७३	४०	−३५	२०
कोकोनाड़ा(आं.)	१६	५७	८२	१५	− १	०
कोचीन	९	५८	७६	१७	−२४	५२
कोटा (राज)	२५	१०	७५	५२	−२६	३२
कोट्टयम(कोचीन)	९	३६	७६	३४	−२३	४४
कोडैकनाल (म.)	१०	१३	७७	३२	−१९	५२
कोयंबतूर(मद्रास)	११	०	७७	०	−२२	०
कोल्हापुर	१६	४२	७४	१६	−३२	५६
कोल्लुर (मद्रास)	१३	४३	७४	१३	−३३	८
कोलार (मैसूर)	१३	९	७८	११	−१७	१६
कांगडा (पंजाब)	३२	५	७६	१८	−२४	४८
खडकी (पूना)	१८	१३	७३	५४	−३४	२४
खंडवा (म. प्र.)	२१	५०	७६	२३	−२४	२८
खड्गपुर (प.बं.)	२२	२०	८७	१९	+१९	१६
खंभात (गु.)	२२	१९	७२	३८	−३९	२८
खाराघोडा ,,	२३	१०	७१	४२	−४३	१२
खेड़ा ,,	२२	४५	७२	४०	−३९	२०
गया (बिहार).	२४	४९	८५	१	+१०	४
गदग	१५	२५	७५	४२	−२७	१२
गढ़वाल	३०	१५	७९	३०	−१२	०
ग्वालियर	२६	१४	७८	१०	−१७	२०
गाजीयाबाद	२८	४०	७७	२८	−२०	८
गाजीपुर(उ.प्र.)	२५	३४	८३	३५	+ ४	२०
गंगापुर (रा.)	२६	२९	७६	४५	−२३	०
गुंटुर (आंध्र)	१६	१८	८०	२९	− ८	४
गिरसप्पाप्रपात	१४	१८	७४	५५	−३०	२०
गिरीडीह(बिहार)	२४	१०	८६	२१	+१५	२४

नगर	अक्षांश अंश	अक्षांश कला	रेखांश अंश	रेखांश कला	रेखांतर मि.	रेखांतर से.
गुड़गाँव (पंजाब)	२८	३७	७७	४	−२१	४४
गुर्दासपुर ,,	३२	३	७५	२७	−२८	१२
गुल्बर्गा (हैदरा.)	१७	१६	७६	५४	−२२	२४
गूटी (आंध्र)	१५	७	७७	४१	−१६	१६
गोवा	१५	३०	७३	५७	−३४	१२
गोधरा	२२	४५	७३	४०	−३५	२०
गोपालपुर(उड़ी.)	१९	१६	८४	५७	+ ९	४८
गोरखपुर (उ.प्र.)	२६	४५	८३	२४	+ ३	३६
गोलपारा (आ.)	२६	११	९०	४१	+ ३२	४४
गोंडल (सौराष्ट्र)	२१	५५	७०	५२	−४६	३२
गोंडा (उ. प्र.)	२७	२८	८२	१	− १	५६
गोंदिया (म.प्र.)	२१	२८	८०	२९	− ८	४
गोहाटी(आसाम)	२६	११	९१	४७	+ ३७	८
गंजम (उड़ीसा)	१९	२२	८५	६	+ १०	२४
घोघरा (उ. प्र.)	२७	३०	८१	२०	− ४	४०
चम्बल	२४	४८	७५	२०	−२८	४०
चालीसगाँव	२०	३३	७५	१०	−२९	२०
चांदा (म० प्र०)	१९	५७	७९	२१	−१२	३६
चंडीगढ (पंजाब)	३०	४४	७६	२५	−२४	२०
चिदम्बरम् (म.)	११	२४	७९	४४	−११	४
चित्तोड़गढ (रा.)	२४	५४	७४	४२	−३१	१२
चिट्टूर (आंध्र)	१३	१३	७९	८	−१३	२८
चेरापूंजी (आ.)	२५	१७	९१	४७	+ ३७	८
छिंदवाडा (म.)	२२	३	७८	५९	−१४	४
छत्तीसगड ,,	२१	३०	८२	०	− २	०
छोटा उदयपुर(गु.	२२	१८	७४	८	−३३	२८
छपरा (बिहार)	२५	४७	८४	४१	+ ८	४४
छोटा नागपुर(बि.	२३	०	८५	०	+ १०	०
जमशेदपुर (बि.)	२२	५०	८६	१०	+ १४	४०
जम्मू (काश्मीर)	३२	४४	७४	५४	−३०	२४
जबलपुर (म.प्र.)	२३	१०	७९	५९	−१०	४
जमालपुर (बि.)	२५	१९	८६	३२	+ १६	८
जयपुर (आसाम)	२७	१५	९२	२६	+ ३९	४४
जयपुर (राज)	२६	५५	७५	५२	−२६	३२
जलगाँव	२१	५	७५	४०	−२७	२०
जलपाईगुरी(बं.)	२६	३२	८८	४६	+ २५	४
जालंधर (पंजाब)	३१	१९	७५	१८	−२८	४८
जसवंतनगर(उ.)	२६	५१	७८	५५	−१४	२०
जामनगर (गुज.)	२२	२७	७०	५	−४९	४०
जावरा (म. प्र.)	२३	३८	७५	७	−२९	३२
जालोर (राज.)	२५	२२	७२	५८	−३८	८
जूनागढ़(सौराष्ट्र)	२१	३१	७०	३६	−४७	३६
जैसलमेर (राज.)	२६	५५	७०	५७	−४६	१२
जोधपुर ,,	२६	१८	७३	४	−३७	४४
जोगिंदरनगर(पं.)	३१	५०	७६	४५	−२३	०
जौनपुर (उ.प्र.)	२५	४६	८२	४४	+ ०	५६
झरिया (बिहार)	२३	५०	८६	३३	+ १६	१२
झालवाड(राज.)	२४	३६	७४	९	−३३	२४
झालोद (गुज.)	२३	७	७४	८	−३३	२८
झांसी (उ. प्र.)	२५	२७	७८	३७	−१५	३२
झाबुआ (म.प्र.)	२२	४५	७४	३८	−३१	२८
टनकपुर (उ.प्र.)	२९	१०	८०	१८	− ८	४८
टुमकूर (मैसूर)	१३	२०	७७	८	−२१	२८
टोंक (राज.)	२६	११	७५	५०	−२६	४०
टूंडला (उ. प्र)	२७	१३	७८	१३	−१७	८
टेहरी (टीकमगढ़)	२४	४५	७८	५३	−१४	२८
डांगा (गुज.)	२४	१४	७२	१३	−४१	८
डिब्रूगढ़ (आ.)	२७	२९	९४	५८	+ ४९	५२

नगर	अक्षांश		रेखांश		रेखांतर	
	अंश	कला	अंश	कला	मि.	से.
डूँगरपुर (राज.)	२३	५०	७३	५०	−३४	४०
डुम्मस (गुज.)	२१	६	७२	४१	−३९	१६
दुर्ग (म. प्र.)	२१	११	८१	१७	− ४	५२
डोंगरगढ ,,	२१	१२	८०	५०	− ६	४०
तलेगाँव (पूना)	१८	४२	७३	४०	−३५	२०
तांजोर (मद्रास)	१०	४७	७९	८	−१३	२८
तिरुचिरापल्ली	१०	५०	७८	४६	−१४	५६
तिरुपति (आंध्र)	१३	४०	७९	२०	−१२	४०
तिरुमंगलम् (म.)	९	४९	७८	१	−१७	५६
तिरुवल्लूर ,,	१३	९	७९	५७	−१०	१२
तूतीकोरिन ,,	८	४५	७८	११	−१७	१६
तेजपुर (आ.)	२६	३७	९२	५०	+४१	२०
त्रिपुरा (बंगाल)	२३	४५	९१	३०	+३६	०
त्रिवेन्द्रम	८	२९	७६	५९	−२२	४
त्रिनेवल्ली	८	४३	७७	५७	−१८	१२
त्रिचूर	१०	३०	७६	१५	−२५	०
थाणा (महा.)	१९	१२	७३	२	−३७	५२
थानेसर (पंजाब)	२९	५८	७६	५६	−२२	१६
दमण (गुजरात)	२०	२५	७२	५३	−३८	२८
दरभंगा (बिहार)	२६	१०	८५	५१	+१३	२४
दहाणुं (गुज.)	१९	५९	७२	४३	−३९	८
दार्जिलिंग (प बं.)	२७	३	८८	१८	+२३	१२
दाहोद	२२	५०	७४	१६	−३२	५६
दिल्ली	२८	३८	७७	१२	−२१	१२
दावनगिरी (मै.)	१४	३१	७५	५८	−२६	८
द्वारका (गुज.)	२२	१४	६९	१	−५३	५६
देवगढ़बारीआ	२२	४२	७३	५३	−३४	२८
देवगढ़ (उड़ीसा)	२१	३२	८४	४५	+९	४
देवचाली	१९	५६	७३	५०	−३४	४०

नगर	अक्षांश		रेखांश		रेखांतर	
	अंश	कला	अंश	कला	मि.	से.
देवास (म. प्र.)	२२	५८	७६	६	−२५	३६
देहरादून	३०	१९	७८	४	−१७	४४
दौलताबाद	१९	५७	७५	१५	−२९	०
धनबाद (बिहार)	२३	४७	८६	२४	+१५	३६
धनुष्कोडि (म.)	९	१०	७९	२८	−१२	८
धर्मशाला (पंजाब)	३२	१६	७६	२३	−२४	२८
धार (म. प्र.)	२२	३५	७५	२०	−२८	४०
धारवार (महा.)	१५	२७	७५	५	−२९	४०
धरमपुर (गुज.)	२०	३२	७३	१३	−३७	८
धांड (पूना)	१८	३२	७४	४०	−३१	२०
धौलपुर (राज.)	२६	४२	७७	५३	−१८	२८
धांगध्रा (सौराष्ट्र)	२२	५९	७१	३१	−४३	५६
नडीआद	२२	४१	७२	५५	−३८	२०
नरसिंहपुर (आं.)	२०	३८	८५	७	+१०	२८
नरसिंहगढ़ (म.)	२३	४१	७७	५	−२१	४०
नवसारी (गुज.)	२१	७	७२	५५	−३८	२०
नवलगढ़	२७	५१	७५	१६	−२८	५६
नलीआ (कच्छ)	२३	१६	६८	४९	−५४	४४
नसीराबाद (रा.)	२६	१८	७४	४६	−३०	५६
नागपुर (म.प्र.)	२१	९	७९	९	−१३	२४
नागोर (राज.)	२७	११	७३	४२	−३५	१२
नाथद्वारा ,,	२४	५६	७३	४८	−३४	४८
नागरकोईल	८	११	७७	२९	−२०	४
नागा पहाडियाँ	२६	०	९४	२०	+४७	२०
नानपारा (उ.प्र.)	२७	५२	८१	३३	− ३	४८
नालंदा (बिहार)	२५	९	८५	२४	+११	३६
नासिक	२०	२	७३	५०	−३४	४०
निजामाबाद	१८	४०	७८	१०	−१७	२०
निमच (राज.)	२४	२७	७४	५२	−३०	३२

नगर	अक्षांश		रेखांश		रेखांतर	
	अंश	कला	अंश	कला	मि.	से
नीलगिरि (आं.)	२१	२७	८६	४६	+१७	१६
निलगिरि पहा.	११	२४	७६	४७	−२२	५२
नेल्लोर (आंध्र)	१४	२७	८०	०	−१०	०
नैनीताल (उ.प्र.)	२६	२३	७६	३०	−१२	०
नैहाटी (प. बं.)	२२	५४	८८	२८	+२३	५२
पंचगीनी	१७	५४	७३	४६	−३४	४४
पंजीम	१५	३०	७३	५५	−३४	२०
पंचमढी (म.प्र.)	२२	३०	७८	२२	−१६	३२
पनवेल (कोलाबा)	१६	०	७३	७	−३७	३२
पन्ना (विं. प्र.)	२४	४३	८०	१२	− ६	१२
पटना (बिहार)	२५	३७	८५	१३	+१०	५२
पटकई (आसाम)	२७	०	६५	३०	+५२	०
पठाणकोट (पं.)	३२	१७	७५	४२	−२७	१२
पंढरपुर	१७	४१	७५	२३	−२८	२८
प्रतापगढ़ (राज.)	२४	२	७४	४५	−३१	०
प्रतापगढ़ (उ.प्र.)	२५	५३	८१	५८	− २	८
पटियाला (पं.)	३०	२०	७६	२५	−२४	२०
पटौडी (पं.)	२८	१८	७६	४८	−२२	४८
परली (वैजनाथ)	१८	५१	७६	३२	−२३	५२
पल्लावरम् (म.)	१२	५८	८०	१३	− ६	८
पलनी ,,	१०	०	७७	०	−२२	०
पलासी (प.बं.)	२३	४७	८८	१७	+२३	८
प्रयाग (उ. प्र.)	२५	३०	८१	५६	− २	१६
पाटण (उ. गु.)	२३	५२	७२	१०	−४१	२०
पाटण (सतारा)	१७	२२	७३	५३	−३४	२८
पानीपत (पंजाब)	२९	२३	७७	१	−२१	५६
प्रांतीज (उ. गु.)	२३	२६	७२	५१	−३८	३६
पारसनाथ (बि.)	२४	०	८६	११	+१४	४४
पालनपुर (गुज.)	२४	१२	७२	२८	−४०	८

नगर	अक्षांश		रेखांश		रेखांतर	
	अंश	कला	अंश	कला	मि.	से.
पालघाट (म.)	१०	४६	७६	४२	−२३	१२
पालमकोट्टा ,,	८	४३	७७	४६	−१८	५६
पालीताना (गुज.)	२१	३१	७१	५०	−४२	४०
पालामऊ (बि.)	२३	५२	८४	१७	+ ७	८
पाली (राज.)	२५	३६	७३	२५	−३६	२०
पावागढ़ (गुज.)	२२	३०	७३	३२	−३५	५२
पांडिचेरी (म.)	११	५६	७९	५३	−१०	२८
पोथापुरम् (आं.)	१७	४	८२	१२	− १	१२
पीलानी (राज.)	२८	२२	७५	३५	−२७	४०
पीरमीड (म.)	९	३०	७७	२	−२१	५२
पीलीभीत (उ.प्र.)	२८	३८	७५	५१	−२६	३६
पुरुलिया (बि.)	२३	२०	८६	२५	+१५	४०
पुरी जगन्नाथ	१९	४८	८५	५२	+१३	२८
पूना	१८	३०	७३	५५	−३४	२०
पूर्निया (बिहार)	२५	४९	८७	३१	+२०	४
पूलिकट (मद्रास)	१३	२५	८०	२१	− ८	३६
पेटलाद (गुज.)	२२	२९	७२	५०	−३८	४०
पैठण (हैदरा.)	१९	२९	७५	२६	−२८	१६
पोन्नानी (म.)	१०	४७	७५	५८	−२६	८
पोर्टब्लेइर (अंड.)	११	४१	९२	४३	+४०	५२
पोरबंदर (गुज.)	२१	३७	६९	४९	−५०	४४
फतेहगढ (उ.प्र.)	२७	२३	७९	४०	−११	२०
फतेहपुर ,,	२५	५५	८०	५२	− ६	३२
फतेपुर (राज)	२८	०	७५	२	−२९	५२
फतेहाबाद (पं)	२९	३१	७५	२०	−२८	४०
फरुखाबाद (उ.)	२७	२४	७९	३७	−११	३२
फालना (राज.)	२५	५	७२	५९	−३८	४
फिरोजाबाद (उ.)	२७	९	७८	२४	−१६	२४
फिरोजपुर (पं)	३०	५५	७४	४०	−३१	२०

नगर	अक्षांश अंश	अक्षांश कला	रेखांश अंश	रेखांश कला	रेखांतर मि.	रेखांतर से.
फैजाबाद (उ.)	२६	४७	८२	१२	− १	१२
बक्सर (बिहार)	२५	३४	८४	१	+ ६	४
बडनेरा (म.प्र.)	२०	५२	७७	४६	−१८	५६
बडौदा	२२	१८	७३	१६	−३६	५६
बद्रीनाथ	३०	४४	७९	३२	−११	५२
बम्बई	१८	५५	७२	५०	−३८	४०
बर्दवान (प.बं.)	२३	१६	८७	५४	+२१	३६
बरेली (उ.प्र.)	२८	२२	७९	२७	−१२	१२
बलरामपुर ,,	२७	२४	८२	१०	− १	२०
बांकुरा (प. बं.)	२३	१४	८७	५	+१८	२०
बागलकोट	१६	११	७५	४२	−२७	१२
बांदा (उ.प्र.)	२५	२८	८०	१२	− ९	१२
बारडोली(सुरत)	२१	७	७३	७	−३७	३२
बाराबांकी(उ.प्र.)	२६	५५	८१	१०	− ५	२०
बालाघाट(म प्र.)	२१	४८	८०	१२	− ९	१२
बालासोर (ओ)	२१	३०	८६	५६	+१७	४४
ब्यावर (राज.)	२६	६	७४	१९	−३२	४४
बारामुला (का.)	३४	१०	७४	३०	−३२	०
बाल्टीस्तान ,,	३५	३०	७६	०	−२६	०
बालेश्वर (ओ.)	२१	३०	८६	५४	+१७	३६
बांकीपुर(बिहार)	२५	४०	८५	१२	+१०	४८
बांसवाडा (राज.)	२३	३०	७४	२४	−३२	२४
बीकानेर ,,	२८	१	७३	२२	−३६	३२
बीजनोर (उ.प्र)	२९	२७	७८	३०	−१६	०
बीजापुर	१६	५०	७५	४७	−२६	५२
बुद्धगया(बिहार)	२४	४१	८५	२	+१०	८
बीलीमोरा (गु.)	२०	४६	७२	५८	−३८	८
बुडगाम (कां.)	१६	५४	७४	३६	−३१	३६
बुंदी (राज.)	२५	२७	७५	४१	−२७	१६
बुंदेलखण्ड	२४	४०	८०	०	−१०	०
बुरहानपुर (म.)	२१	१७	७६	१६	−२४	५६
बुलन्दशहर (उ.)	२८	२४	७७	५४	−१८	२४
बेतूल (म. प्र.)	२१	५१	७७	५८	−१८	८
बेंगलोर (मैसूर)	१२	५८	७७	३८	−१९	२८
बेलगाँव	१५	५२	७४	३४	−३१	४४
बेल्लारी (मैसूर)	१५	९	७६	५७	−२२	१२
बोरसद (गु.)	२२	२७	७२	५४	−३८	२४
भंडारा (म.प्र.)	२९	९	७९	३९	−११	२४
भरतपुर (राज.)	२७	१५	७७	३०	−२०	०
भड़ौच (गुज.)	२१	४१	७३	०	−३८	०
भद्रावती (मैसूर)	१३	५२	७५,	४०	−२७	२०
भाटींडा (पू.पं.)	३०	११	७४	५७	−३०	१२
भागलपुर (बि.)	२५	१५	८७	२	+१८	८
भाटपारा (प.बं.)	२२	५४	८८	२५	+२३	४०
भावनगर (गुज.)	२१	४६	७२	९	−४१	२४
भीलसा (म.प्र.)	२३	३२	७७	५१	−१८	३६
भीलवाडा (रा.)	२५	२१	७४	३८	−३१	१८
भीलोड़ा (गु.)	२४	१	७२	१	−४१	५६
भीवंडी (थाणा)	१९	२०	७३	५	−३७	४०
भीवानी (उ.प्र.)	२८	४८	७६	९	−२५	२४
भुवनेश्वर (ओ.)	२०	१५	८५	४५	+१३	०
भुसावल	२१	२	७५	४७	−२९	५२
भुज (कच्छ)	२३	१५	६९	४०	−५१	२०
भोपाल (म.प्र.)	२३	१६	७७	३६	−१९	३६
मउ (उ. प्र.)	२५	५७	८३	३४	+ ४	१६
मंडसोर (राज.)	२४	४	७५	५	−२९	४०
मंडी(हिमाचल)	३१	४०	७६	५५	−२२	२०
मछलीपट्टण(आं.	१६	९	८१	८	− ५	२८

नगर	उ. अक्षांश अंश	कला	पू. रेखांश अंश	कला	रेखांतर मि.	से.
मथुरा (उ. प्र.)	२७	२८	७७	४१	−१९	१६
मदुरै (मद्रास)	९	५८	७८	१०	−१७	२०
मद्रास	१३	४	८०	१७	− ८	५२
मनमाड़	२०	१५	७४	२९	−३२	४
मरकारा (कुर्ग.)	१२	२५	७५	४३	−२७	८
मन्नरगुडी (म.)	१०	४०	७९	२९	−१२	४
मर्ता	२६	३९	७४	६	−३३	३६
मसूरी (उ.प्र.)	३०	२७	७८	६	−१७	३६
महुधा (गुज.)	२२	४९	७२	५६	−३८	१६
महेबूबनगर	१६	४२	७७	५८	−१८	८
महाबलेश्वर	१७	५८	७३	४८	−३४	४८
महेमदाबाद (गु.)	२२	५०	७२	४५	−३९	०
महेसाना (गु.)	२३	३६	७२	२५	−४०	२०
महू (म. प्र.)	२२	३४	७५	४७	−२६	५२
मांडवी (कच्छ)	२२	५१	६९	२०	−५२	४०
मांडल (गुज.)	२३	१७	७१	५८	−४२	८
माणसा (गुज.)	२३	२६	७२	४०	−३९	२०
मालवण (कोंकण)	१६	३	७३	३०	−३६	०
मालेगाँव	२०	३३	७४	३०	−३२	०
माथेरान	१८	५९	७३	१८	−३६	४८
मायावरम् (म.)	११	६	७९	४२	−११	१२
मानसर (नाग.)	२१	२२	७९	१७	−१२	५२
मारवाड़ (राज.)	२५	३	७३	३६	−३५	३६
मावली (राज.)						
माल्डा (पं. बं.)	२५	३	८८	९	+२२	३६
मीरत (उ. प्र.)	२९	१	७७	४२	−१९	१२
मीरज (म.)	१६	४९	७४	३८	−३१	२८
मिरजापुर (उ.प्र.	२५	१०	८२	३७	+ ०	२८
मीरपुर (कश्मीर)	३३	१२	७३	५१	−३४	३६
मुधोल (कर्णाटक)	१६	२०	७५	१७	−२८	५२

नगर	उ. अक्षांश अंश	कला	पू. रेखांश अंश	कला	रेखांतर मि.	से.
मुगलसराय (उ.प्र.	२५	१७	८३	११	+ २	४४
मुजफ्फरनगर ,,	२९	२८	७७	४५	−१९	४
मुर्शिदाबाद (प.बं.	२४	११	८८	१८	+२३	१२
मुरादाबाद (उ.प्र.	२८	५१	७८	४९	−१४	४४
मुंगेर (बिहार)	२५	२३	८६	३०	+१६	०
मुजफ्फराबाद (का.	३४	२४	७३	२२	−३६	३२
मेंगलोर (द.भा.)	१२	५२	७४	५३	−३०	२८
मेरठ (उ. प्र.)	२९	१	७७	४५	−१९	०
मैमनसिंह (बं.)	२४	४६	९०	२७	+३१	४८
मैसूर	१२	१८	७६	४२	−२३	१२
मोकामा (बिहार)	२५	२४	८५	५५	+१३	४०
मैनपुरी (उ. प्र.)	२७	१३	७९	२	−१३	५२
मोंघीर (बिहार)	२५	२३	८६	२७	+१५	४८
मोड़ासा (गुज.)	२३	२८	७३	१८	−३६	४८
मोतीहारी (बि.)	२६	४०	८५	५७	+१३	४८
मोरबी (सौराष्ट्र)	२२	५०	७०	५४	−४६	२४
मोरार (म. प्र.)	२६	१३	७८	१४	−२७	४
मंडला ,,	२२	४३	८०	३५	− ७	४०
मंडी (हिमाचल)	३१	४२	७६	५८	−२२	८
मंचेरीयल (आं.)	१८	५१	७९	५	−१३	४०
यरवडा (पूना)	१८	३३	७३	५३	−३४	२८
यवतमाल (म.प्र.)	२०	२३	७८	११	−१७	१६
रतलाम (म.प्र.)	२३	३१	७५	७	−२९	३२
रत्नागिरि	१७	८	७३	१९	−३६	४४
रांची (बिहार)	२३	२३	८५	२३	+११	३२
राजमहेन्द्री (आं.)	१७	०	८१	४८	− २	४८
राजनंदगाँव (म.)	२१	५	८१	५	− ५	४०
राजपीपला (गु.)	२१	५५	७३	२६	−३९	१६
राजकोट (गुज.)	२२	१८	७०	५९	+४६	४
रानीखेत (उ.प्र.)	२९	४०	७९	३२	−११	५२

नगर	उ. अक्षांश अंश	कला	पू. रेखांश अंश	कला	रेखांतर मि.	से.
रानीगंज (प.बं.)	२३	३७	८७	६	+१८	२४
रामगढ़ (बिहार)	२३	३८	८५	३४	+१२	१६
रामटेक (म.प्र.)	२१	२४	७९	२०	-१२	४०
रामदुर्ग	१५	५६	७५	१८	-२८	४८
रामपुर (उ प्र.)	२८	४८	७९	५	-१३	४०
रामगिरि-उदयगिरि (म.)	१९	४	८३	५५	+ ५	४०
रामेश्वरम् ,,	९	१७	७९	२२	-१२	३२
रायगढ़ (म.प्र.)	२१	५४	८३	२६	+ ३	४४
रायचूर (हैदरा.)	१६	१२	७७	२१	-२०	३६
रायपुर (म.प्र.)	२१	१५	८१	४१	- ३	१६
रायबरेली (उ.प्र.)	२६	१४	८१	१६	- ४	५६
रेवाड़ी	२८	१२	७६	३६	-२३	३६
राधनपुर	२३	५०	७१	३९	-४३	२४
रोहतक (पं.)	२८	५४	७६	३८	-२३	२८
रोहिलखंड (उ.प्र.	२८	३०	७९	०	-१४	०
रंगपुर (प. बं.)	२५	४५	८९	१८	+२७	१२
लखनऊ (उ.प्र.)	२६	५५	८०	५९	- ६	४
लखीमपुर ,,	२७	५७	८०	४९	- ६	४४
लछमनगढ़ (रा.)	२७	५०	७५	४	-२९	४४
लद्दाख (कश्मीर)	३२	०	८०	०	-१०	०
ललितपुर (उ.प्र.)	२४	२२	७८	२८	-१६	८
लश्कर (म. प्र.)	२६	१०	७८	१[illegible]	-१७	२०
ल्हासा (तिब्बत)	२९	४०	९१	८	+३४	३२
लालबाग (प.बं.)	२४	१३	८८	१९	+२३	१६
लींबडी (सौ.)	२२	३४	७१	५३	-४२	२८
लुनावाडा (गु.)	२३	८	७३	३७	-३५	३२
लुधीयाना (पं.)	३०	५६	७५	५२	-२६	३२
लेह (कश्मीर)	३४	१०	७७	४०	-१९	२०
लोनावाला (पूना)	१८	४४	७३	२४	-३६	२४
लोहारु (पू.पं.)	२८	१६	७५	४५	-२७	०
वड़नगर (उ.गु.)	२३	४६	७२	३७	-३१	१२
वढ़वाण (सौराष्ट्र)	२२	४३	७१	४३	-४१	८
वृन्दावन (उ.प्र.)	२७	३३	७७	४४	-१९	४
वर्धा (म. प्र.)	२०	४५	७८	३९	-१५	२४
वन ,,	२३	३	७८	५७	-१४	१२
वरोरा ,,	२०	१४	७९	१	-१३	५६
वलसाड (गुज.)	२०	३७	७२	५६	-३८	१६
वाडासीनोर (गु.)	२२	५७	७३	१९	-३६	४४
वांकानेर (गु.)	२२	३३	७१	०	-४६	०
वाल्टेर	१७	४३	८३	२३	+ ३	३२
विजयदुर्ग	१६	२६	७३	२६	-३६	१६
विजयनगर (म.)	१५	२०	७६	३०	-२४	०
विजयवाडा (आं.	१६	३१	८०	३९	- ७	२४
विजयानगरम् ,,	१८	७	८३	२७	+ ३	४८
वीजापुर (उ.गु.)	२३	३४	७२	४५	-३९	०
विल्लूपुरम् (म.)	११	५७	७९	३२	-११	५२
विलासपुर	२२	५	८२	१३	- १	८
विशाखापट्टणम्	१७	४२	८३	२०	+ ३	२०
विरमगाम (गु.)	२३	८	७२	७	-४१	३२
विसनगर ,,	२३	४२	७२	३२	-३९	५२
वेल्लोर (आं.)	१२	५५	७९	११	-१३	१६
शाहाबाद (पं.)	३०	१०	७६	५५	-२२	२०
शाहजहाँपुर (उ.)	२७	५४	७९	५७	-१०	१२
शाहाबाद ,,	२७	३०	८०	५	- ९	४०
शिकारपुर (मै.)	१४	१६	७५	२४	-२८	२४
शिलाँग (आ.)	२५	३४	९१	५६	+३७	४४
शीहोर (गुज.)	२१	४२	७१	५७	-४२	१२
शिवपुरी (म.प्र.)	२५	२६	७७	३९	-१९	२४
श्रीकाकुलम् (आं.	१८	१८	८३	५७	+ ५	४८

नगर	उ. अक्षांश अंश	कला	पू. रेखांश अंश	कला	रेखांतर मि.	से.
श्रीगंगानगर(रा.	२९	५६	७३	५२	−३४	३२
श्रीरंगपट्टम(मै.)	१२	२६	७६	४३	−२३	८
श्रीनगर (का.)	३४	६	७४	५१	+३०	३६
श्रीरंगम् (मद्रा.)	१०	५२	७८	४४	−१५	४
सतना	२४	३४	८०	५५	− ६	२०
सतारा (महा.)	१७	४२	७४	२	−३३	५२
संबलपुर (उड़ी.)	२१	२८	८३	५९	+ ५	५६
सवाईमाधोपुर(रा.	२५	५८	७६	२०	−२४	४०
सांभर (राज.)	२६	५४	७५	१५	−२९	०
सागर (म. प्र.)	२३	५०	७८	५०	−१४	४०
सांगली (महा.)	१६	५२	७४	३६	−३१	३६
सहारनपुर(उ.प्र.	२९	५८	७७	२३	−२०	२८
सालेम (मद्रा.)	११	३९	७८	१२	−१७	१२
सावंतवाडी(म.)	१५	५४	७३	५२	−३४	३२
सावरकुंडला(सौ.	२१	२०	७१	१८	−४४	४८
सायला (गुज.)	२२	३२	७१	२९	−४४	४
सिकन्द्राबाद(आं.	१७	२७	७८	३३	−१५	४८
सीतापुर (उ.प्र.)	२७	३६	८०	४०	− ७	२०
सीमला (उ.प्र.)	३१	६	७७	१०	−२१	२०
सिलीगुड़ी(प.बं.	२६	४२	८८	२५	+२३	४०
सिरोही (राज.)	२४	५३	७२	५४	−३८	२४
सिलहट (आ.)	२४	५३	९१	५५	+३७	४०
सुरत (गुज.)	२१	१२	७२	५२	−३८	३२
सुल्तानपुर(उ.प्र.	२६	१६	८२	७	− १	३२
सोनपुर (उड़ी.)	२०	५१	८३	५५	+ ५	४०
सोनगढ़ (सौ.)	२१	४३	७१	५३	−४२	२८
सोलन (हिमा.)	३०	५५	७७	९	−२१	२४
सोलापुर (महा.)	१७	४०	७५	५६	−२६	१६
सोमनाथ (सौ.)	२१	४	७०	२६	−४८	१६
हरिद्वार (उ.प्र.)	२९	५८	७८	१३	−१७	८

नगर	उ. अक्षांश अंश	कला	पू. रेखांश अंश	कला	रेखांतर मि.	से.
हरदा (म. प्र.)	२२	२१	७७	६	−२१	१६
हरसुद „	२२	५	७६	४४	−२३	४
हजारीबाग (बि.)	२३	५९	८५	२५	+११	४०
हरदोई (उ.प्र.)	२७	२३	८०	१०	− ९	२०
हरपनहल्ली (मै.)	१४	४७	७५	५८	−२६	८
हरिहर (मै.)	१४	३१	७५	५२	−२६	३२
हाजीपुर (उ.प्र.)	२५	४१	८५	१४	+१०	५६
हाथरस „	२७	३६	७८	६	−१७	३६
हापूर „	२८	४५	७७	४६	−१८	५६
हालोल (गुज.)	२२	३०	७३	२८	−३६	८
हावड़ा (प. बं)	२२	३५	८८	२३	+२३	३२
हासन (मैसुर)	१३	१	७६	१०	−२५	२०
हीसार (पंजाब)	२९	१०	७५	४६	−२६	५६
हिंगोली	१९	४३	७७	११	−२१	१६
हिंमतनगर(गुज.)	२३	३५	७२	५८	−३८	८
हुबली	१५	२०	७५	१२	−२९	१२
हैदराबाद	१७	२०	७८	३०	−१६	०
हौशीयारपुर(पं.)	३१	३२	७५	५७	−२६	१२
होशंगाबाद(म प्र.	२२	४६	७७	४५	−१९	०

नेपाल

दोलखा	२७	४०	८६	५	+१४	२०
ओखल्ढूँगा	२७	२०	८६	३२	+१६	८
धरान	२६	४६	८७	९	+१८	३६
विराटनगर	२६	२८	८७	१६	+१९	४
जनकपुर	२६	४४	८५	५२	+१३	२८
वीरगंज(रक्सौल)	२७	५	८५	०	+१०	०
दांग	२८	७	८२	१८	− ०	४८
दलेख	२८	१२	८१	४०	− ३	२०
अछाम	२८	५९	८१	१६	− ४	५६

नगर	उ. अक्षांश अंश	कला	पू. रेखांश अंश	कला	रेखांतर मि.	से.
काठमाण्डू	२७	४२	८५	१७	+११	८
पोखरा	२८	१७	८३	५८	+ ५	५२
धोलागिरि	२९	११	८३	०	+ २	००
अमलेखगंज	२७	१५	८५	०	+१०	००
धानकूटा	२७	००	८७	१९	+१९	१६
गोरखा	२७	५५	८४	३०	+ ८	००
मुक्तिनाथ	२८	५४	८३	४९	+ ५	१६
पाटण	२७	३८	८५	१३	+१०	५२
अमलेखगंज	२७	१५	८५	०	+१०	०
भाटगाँव	२७	३६	८५	२२	+११	२८
एवरेस्ट (सागरमाथा)	२८	५	८६	५८	+१७	५२
पाल्पा	२०	५४	८३	२५	+ ३	४०
खलियान्त	२८	२४	८२	१५	− १	०
सिलगढ़ी	२९	१२	८१	६	− ५	३६

विदेशों के प्रमुख नगरों के अक्षांश, रेखांश, एवं रेखान्तर

प० पाकिस्तान

नगर	उ. अक्षांश अंश	कला	पू. रेखांश अंश	कला	रेखांतर मि.	से.
अटक	३३	५३	७२	१७	−१०	५२
खलिपुर	२९	२३	७०	५७	−१६	१२
करांची	२४	५१	६७	४	−३१	४४
कलात	२५	२१	६४	३	−४३	४८
गुजरात	३२	३६	७४	५	− ३	४०
गुजरानवाला	३२	१०	७४	१४	− ३	४
बियारत	३०	३७	६७	४८	−२८	४८
डेराइस्माइलखाँ	३१	५१	७०	५६	−१६	१६
तक्षशिला	३३	४०	७२	५०	− ८	४०
नासिराबाद	२८	२४	६८	२८	−२६	८
पेशावर	३४	२	७१	३७	−१३	३२
बहावलपुर	२८	२४	७१	४७	−१२	५२
बोलनघाटी	२९	४०	६७	३६	−२९	३६
मरी	३३	५५	७३	२७	− ६	१२
मान्ट गोमरी	३०	५८	७३	२१	− ६	३६
मुल्तान	३०	१२	७१	३१	−१३	५६
रावलपिंडी	३३	३७	७३	६	− ७	३६
लायलपुर	३१	४४	७३	५	− ७	४०
लाहौर	३१	३७	७४	२६	− २	१६
वजिराबाद	३२	२७	७४	१०	− ३	२०
शिकारपुर	२७	५७	६८	४०	−२५	२०
सक्खर	२७	४२	६८	५५	−२४	२०
सतलज सरघोधा	२८	२५	७२	०	−१२	०
स्यालकोट	३२	३१	७४	३६	− १	३६
हड़प्पा	३०	३५	७२	५८	− ८	८
हैदराबाद	२५	२५	६८	३८	−२५	२८

पूर्वी पाकिस्तान

नगर	उ. अक्षांश अंश	कला	पू. रेखांश अंश	कला	रेखांतर मि.	से.
चटगाँव	२२	२१	९१	५३	+ ७	३२
ढाका	२३	४३	९०	२६	+ १	४४
नारायणगंज	२३	२७	९७	३२	+३०	८
नोआखली	२२	४८	९१	६	+ ४	२४
फरीदपुर	२३	३६	८९	५३	− ०	२८

नगर	उ. अक्षांश अंश	कला	पू. रेखांश अंश	कला	रेखांतर मि.	से.
बोगरा	२४	५०	८९	२३	− २	२८
मीमेनसींग	२४	४५	९०	२५	+ १	४०
चितागोंग	२२	२०	८१	५	+ ४	२०
खुल्ना	२२	५०	८९	३५	+ १	२०
कोमील्ला	२३	२८	९१	१२	+ १	४८
सीलहट	२४	५४	९१	५२	+ ७	२८
रंगपुर	२५	४५	८९	१५	+ ३	०
दिनजपुर	२५	३७	८८	३८	− ५	२८

तिब्बत

नगर	उ. अक्षांश अंश	कला	पू. रेखांश अंश	कला	रेखांतर मि.	से.
अल्टीनटाघ	३८	४०	९०	०	+३०	०
काराकोरम्	३६	१०	७५	०	−३०	०
कुनलुन पहाड़	३६	०	८५	०	+१०	०
गर्टोक	३१	४५	८०	२१	− ८	३६
चंबी	२७	२७	८८	५८	+२५	५२
लसा	२९	३०	९१	५	+३४	२०

भूटान राज्य

नगर	उ. अक्षांश अंश	कला	पू. रेखांश अंश	कला	रेखांतर मि.	से.
पुनाखा	२७	३२	८९	५३	+२९	३२
घीरंगजंग	२७	२४	९२	१८	+३९	१२

बलुचिस्तान

नगर	उ. अक्षांश अंश	कला	पू. रेखांश अंश	कला	रेखांतर मि.	से.
चमन	३०	५६	६६	२६	−३४	१६
क्वेटा	३०	१४	६७	१	−३१	५६

मलाया (सिंगापुर)

नगर	उ. अक्षांश अंश	कला	पू. रेखांश अंश	कला	रेखांतर मि.	से.
कुआल्लिम्पुर	३	७	१०१	४०	−४३	२०
मलाका	२	१०	१०२	१५	−४१	०
सींगापुर	१	१७	१०३	४७	−३४	५२

अफगानिस्तान

नगर	उ. अक्षांश अंश	कला	पू. रेखांश अंश	कला	रेखांतर मि.	से.
कंदहार	३१	३७	६५	४०	− ७	२०
काबुल	३४	३०	६९	१८	+ ७	१२
जलालाबाद	३४	२४	७०	२८	+११	५२
गजनी	३३	३४	६८	१७	+ ३	८

लंका

नगर	उ. अक्षांश अंश	कला	पू. रेखांश अंश	कला	रेखांतर मि.	से.
अनुराधापुर	८	२२	८०	२३	− ८	२८
कोलम्बो	६	५६	७९	५६	−१०	१६
कंकेशन्तुराई	९	५१	८०	५	− ९	४०
त्रिंकोमाली	८	३३	८१	१५	− ५	०
बांदरावेला	६	५२	८०	५८	− ६	८
रत्नपुरा	६	४२	८०	२४	− ८	२४

ब्रह्मदेश

नगर	उ. अक्षांश अंश	कला	पू. रेखांश अंश	कला	रेखांतर मि.	से.
अमरपुरा	२१	५५	९६	४	− ५	४४
आक्याब	२०	८	९२	५२	−१८	३२
आराकानयोमा	२०	०	९४	२०	−१२	४०
करेन्निराज्य	१९	०	९७	३०	− ०	०
चांगीन	१८	१९	९५	१५	− ९	०
जोबीनचोक	१८	१४	९५	४०	− ७	२०
टोंगु	१८	५६	९६	२७	− ४	१२
थोटन	१६	५३	९५	३१	− ७	५६
निग्रेस	१६	२	९४	१३	−१३	८
पकोक्कू	२१	४२	९५	७	− ९	३२
पेगू	१७	२०	९६	२९	− ४	४
प्रोम	१८	४७	९५	२०	− ८	४०

नगर	उ. अक्षांश अंश	कला	पू. रेखांश अंश	कला	रेखांतर मि.	से.
मौंगमिट	२३	४	९६	४५	−३	०
मौलमिन	१६	२५	९७	३८	+०	३२
मांडले	२१	५९	९६	८	−५	२८
रंगून	१६	४५	९६	१३	−५	८
लाशियो	२२	५८	९८	५१	+५	२४
लेपडान	१७	४८	९५	४८	−६	४८
बुन्थो	२३	५६	९५	४५	−७	०

पूर्वी-अफ्रिका

नगर		अक्षांश अंश	कला	पू. रेखांश अंश	कला	रेखांतर मि.	से.
कंपाला (यु.)	उ.	०	१८	३२	३५	−४९	४०
जिंजा ,,	उ.	०	२५	३३	१३	−४७	८
बुगोन्डो ,,	उ	१	३७	३३	१६	−४६	५६
किसुमु (के.)	द.	०	६	३४	४४	−४१	४
नैरोबी ,,	द.	१	१८	३६	५२	−३२	३२
एल्डोरेट ,,	उ.	०	३०	३५	१७	−३८	५२
नकुए ,,	द.	०	१६	३६	४	−३५	४४
मोम्बासा ,,	द.	४	०	३९	४०	−२१	२०
मालीन्डी ,,	द.	३	१३	४०	७	−१९	३२
लामु ,,	द.	२	१६	४०	५४	−१६	२४
टांगा (टां.)	द.	५	५	३९	६	−२३	३६
दारेसलाम ,,	द.	६	५०	३९	१७	−२२	५२
म्वान्झा ,,	द.	२	३०	३२	५६	−४८	१६
मोशी ,,	द.	३	२१	३७	२०	−३०	४०
लीन्डी ,,	द.	१०	०	३९	४१	−२१	१६
जंगबार ,,	द.	७	५८	३९	३८	−२१	२८

दक्षिणी-अफ्रिका

नगर		अक्षांश अंश	कला	पू. रेखांश अंश	कला	रेखांतर मि.	से.
ओरेंज	द.	२८	१५	२७	०	−१२	०
केमरुन	उ.	५	३०	१३	०	−६८	०
केपटाउन	द.	३३	५६	१८	२५	−४६	२०
केप ओफ गुड होप	द.	३४	२२	१८	२८	−४६	८
जोहानीसबर्ग	द.	२६	१३	२८	५	−७	४०
जंजीबारद्विप	द.	५	०	३८	३०	+३४	०
ट्रान्सवाल	द.	२५	१०	२९	०	−४	०
टांगानिका	द.	७	०	३०	०	−०	०
ट्रिपोली	उ.	३२	४५	१३	१५	−६७	०
डरबन	द.	२९	५२	३१	१	+४	४
नाताल	द.	२९	०	३०	३०	+२	०
पीटर्सबर्ग	द.	२३	४०	२९	३०	−२	०
पिटरमेरिटसबर्ग	द.	२९	३६	३०	२३	+१	३३
प्रीटोरीआ	द.	२५	४५	२८	१४	−७	४
पूर्वी लंडन	द.	३३	२	२७	५४	−८	२४
पोर्टसुडान	द.	१९	३८	३६	८	+२४	३२
फ्रिटाउन	द.	८	३०	१३	१०	−६७	२०
बेल्जियनकोंगो	द.	७	०	१३	०	−६८	०
माडागास्कर	द.	२०	०	४६	०	+६४	०
लीयोपोल्डवील	उ.	४	२०	१५	१८	−५८	४८
विक्टोरियाझील	उ.	१	०	३३	०	+१२	२०
सोमाल्यिा	उ.	५	०	४५	०	+६०	०
स्टेनलेप्रपात	द.	०	०	२५	२०	+१६	४०
मोजम्बिक	द.	१५	२	४०	४८	+४३	१२

विश्व के प्रमुख देशों के स्टॉडर्ड समय के रेखांश एवं उनके मुख्य नगरों के रेखांश अक्षांश तथा रेखान्तर समय यहाँ दिये जाते हैं। इनका उपयोग करने के पूर्व समर टाईम का विचार एवं उसके परिवर्तन के समय का परिचय इसके अन्त में दिया जायगा उसका ध्यान रखना आवश्यक होगा।

रेखांश ० स्टॉ. समयान्तर ०

ग्रिनवीच, ग्रेटब्रिटेन, फ्रान्स, स्पेन, जिब्राल्टर. पोर्तुगल, मोरोस्को, अल्जेरिया, स्कॉटलेण्ड, इग्लेण्ड, पश्चिम में वेल्स आदि प्रांत, उत्तरी आयरलेण्ड रिपब्लिक आयर्लेंड, दक्षिण आयर्लेंड, पोर्टुगल, फ्रेंच गीनी, घाना

	उ. अक्षांश		प. रेखांश		अं.	मि.
लंडन	५५	५७	३	१२	−१२	४८
मान्चेस्टर	५३	३०	२	१२	− ८	४८
लीवरपुल	५२	२५	२	५९	−११	५६
केम्ब्रीज	५२	१३	पू.०	७	+ ०	१८
ऑक्सफर्ड	५१	४६	१	१५	− ५	०
ग्रिनवीच	५१	३०	०	०	०	०
बर्विंगहाम	५२	२९	१	५२	− ७	२८
एडीनबर्ग	५५	५७	३	१२	−१२	४८
ग्लासगो	५५	५२	४	१५	−१७	०
प्लीमाउथ	५०	२०	४	१०	−१६	४०
लिस्बन	३८	४०	९	१०	−३६	४०
पेरीस	४८	५०	पू. २	२०	+ ९	२०
डब्लीन	५३	२१	६	१६	−२५	४
बकींगहाम	५२	०	१	०	− ४	०
उर्वी	५२	५८	१	२५	− ५	४०
मारसेल्स	४३	१८	पू.५	२४	+२१	३६

पूर्व रेखांश १५ स्टॉ. समयान्तर घं. १ मि. ०

नोर्वे, स्वीडन, डेन्मार्क, प्रशिया, नेधरलेन्ड (होलेंड) स्पेन, पोलेन्ड, जर्मनी, ऑस्ट्रीया, हंगरी, जेकोस्लेवीया, सिसिली, स्वीट्झरलेन्ड, इटली, ट्यूनिसिया, युगोस्लावीया, पश्चिम लीबीया, नाइजिरीया, लिथुआनीया, बेल्जियम, डान्झींग।

	उ. अक्षांश		पू रेखांश		अं.	मि.
बर्गन	६०	२५	५	३	−३९	४८
ओस्लो	५९	५४	१०	५०	−१६	४०
स्टोकहोम	५९	१५	१८	०	+१२	०
रीगा (लेटवीया)	५६	५७	२४	९	+३६	३६
कोपन हेगन	५५	४१	१२	३२	− ९	५२
कोनिग्सबर्ग	५४	५२	२०	३२	+२२	८
एम्स्टर्डम	५२	२२	४	५३	−४०	२८
जिब्राल्टर	३६	८	५	१९	−३८	४४
माड्रीड	४०	२४	३	४२	−४५	१२
विल्ना	५४	४	२५	३	+४०	१२
पोसीं	५२	१२	२१	०	+२४	०
वर्लिन	५२	३२	१३	२५	− ६	२०
लीपझीग	५१	२०	१२	२३	−१०	२८
म्युनिच	४८	८	११	३५	−१३	४०
लक्षमबर्ग	४९	३८	६	५	−३५	४०
हामबर्ग	५३	३५	१०	०	−२०	०
बुडापेस्ट	४७	२९	१९	३	+१६	१२
वियेना	४८	१२	१६	२२	+ ५	२८

	उ. अक्षांश		पू. रेखांश		अं.	मि.
प्रेम	५०	५	१४	२५	− २	२०
जिनेवा	४६	१३	६	७	−३५	३२
बर्न	४६	५५	७	३०	−३०	०
जिनोआ	४४	२४	८	५७	−२४	१२
मिलान	४५	२७	९	१०	−२३	२०
रोम	४१	५५	१२	२८	−१०	८
नेपल्स	४०	५१	१६	२६	+ ५	४४
वेनीस	४५	२६	१२	२०	−१०	४०
ट्युनीश	३६	४९	१०	१०	−१९	२०
वेलग्रेड	४५	५०	२०	३०	+२२	०
ट्रीपोली	३२	४५	१३	१५	− ७	०
काउनास	५४	५४	२३	५४	+३५	३६
एन्टवर्प	५१	१३	४	२४	−४२	२४
ब्रूसेल्स	५०	५२	४	२२	−४२	३२
नामुर	५०	२८	४	५३	−४०	२८
डान्झीग	५४	३०	१९	२०	+१७	२०

पूर्वरेखांश ३० स्टॉ. समयान्तर
घं. २ मि. ०

रूमानिया, बल्गेरिया, टर्की, ग्रीस, इसराइल, (पेलेस्टाईन) सुदान, इजिप्त, इस्तंबुल, साइप्रस, लेबानोन, सीरीया, जोरडन पूर्व लीबिया, दक्षिण अफ्रिका के प्रदेश, उत्तर दक्षिण रोडेशिया,

	उ. अक्षांश		पू. रेखांश		अं.	मि.
बुकारेष्ट	४४	२५	२६	७	−१५	३२
सोफिया	४२	४१	२३	४६	−२४	५६
अंकारा	३९	५७	३४	५४	+११	३६
इस्तम्बुल (कोन्स्टेन्टीनोपल)	४१	१	२९	०	− ४	०
गेली पोली	४०	२५	२९	३९	− १	२४
एथेन्स	३७	५९	२३	२०	−२६	४०
क्रीट	३५	१	२५	०	−२०	०
जाफा	३२	५	३५	०	+२०	०
जरुसलेम	३१	४६	३५	१२	+२०	४८
ट्रीपोली	३४	२६	३५	५०	+२३	२०
दमास्कस	३३	३०	३६	१५	+२५	०
केरो	३०	१	३१	१५	+ ५	०
सुदान	१९	१०	३७	०	+२८	०
एलेक्झान्ड्रीया	३६	३९	३६	१	+२४	४
खार्टूम	१५	३५	३२	३५	+१०	२०
लेबनोन	३३	५०	३५	२५	+२१	४०
नीकोशिया	३५	१५	३३	२५	+१३	४०

पूर्व रेखांश ४५ स्टॉ. समयान्तर
घं. ३ मि. ०

पश्चिमी एशिया के पूर्व रेखांश ४० से पश्चिमी प्रदेश, इराक, यमन, अरबस्तान का दक्षिण मार्ग तथा रण प्रदेश, एडन, इथियोपिया सोमालीलेन्ड, पूर्वी अफ्रिका के ब्रिटिश संस्थान. फ्रेंच एवं ब्रिटिश द्वीपसमुह, लीथुएवीया, हिन्दमहासागर के द्वीप,

	उ. अक्षांश		पू. रेखांश		अं.	मि.
लेलीनग्रांड	५९	५७	३०	२०	−५८	४०
मोस्को	५५	४५	३७	३७	−२९	३२
नोवागोरोड	५८	३३	३१	२	−५५	५२
सेवास्टोपोल	४४	३७	३३	३५	−४५	४०
युक्रेन	५०	२६	३०	३०	−५८	०
खारकोव	४९	५८	३६	११	−३५	१६
बगदाद	३३	२०	४४	२७	− २	१२

मोसूल	३६ २०	४३ ५	– ७ ४०
बसरा	३० २८	४७ ५१	+ ११ २४
करबला	३२ ३५	४४ ७	– ३ ३२
एडन	१२ ४५	४५ ४	+ ० १६
मक्का	२१ २५	३९ ५४	–२० २४
मदीना	२४ ३३	३९ ५३	–२० २८
सोकोट्रा	१२ ३	५० ०	+२०
कुवैत	२९ २१	४८ ०	+१२ ०

पूर्व रेखांश ५२।३० स्टॉ. समयान्तर
घं. ३ मि. ३०

इरान

	उ. अक्षांश	पू. रेखांश	अं. मि.
अस्तराबाद	३६ ५२	४५ ३०	–२८ ०
तेहरान	३५ ४१	५१ २५	– ४ २०
इस्पहान	३२ ३७	५१ ३८	– ३ २८
बुशायर	२८ ५९	५० ४६	– ६ ५६
सिराझ	२९ ३८	५२ ३१	+ ० ४

पूर्व रेखांश ६० स्टॉ. समयान्तर
घं. ४ मि. ०

रशिया (पूर्व रेखांश ४० से ५२ । ३० तक), मॉरिशस्, रियूनियन. एमिरेन्टी, सिसीलीज्, पूर्व अरब—

	उ. अक्षांश	पू. रेखांश	अं. मि.
स्टेलीनग्रेड	४८ ४७	४४ २५	–६२ २०
ज्योर्जिया-टीफलिस	४१ ४४	४५ ०	–६० ०
बंदर बाटुम	४१ ३५	४१ ३२	–७३ ५२
अस्तराखान	४६ १५	४८ ४	–४७ ४४
गोरकी	५६ १५	४३ ५८	–६४ ८
मस्कत बंदर	२३ ३०	५७ ०	–१२ ०
पोर्टलुई	द. २० ९	५७ २९	–१९ ४

पूर्व रेखांश ६७-३० स्टॉ. समयान्तर
घं. ४ मि. ३०

अफगानिस्तान, बलुचिस्तान।

	उ. अक्षांश	पू रेखांश	अं. मि.
काबुल	३४ ३३	६९ १०	+ ६ ४०

पूर्व रेखांश ७३।३० स्टॉ. समयान्तर
घं. ४ मि. ५४

मार्लदिव	उ. ५ ३०	पू. ७३	० – २ ०

पूर्व रेखांश ७५।० स्टॉ. समयान्तर
घं. ५ मि. ०

सायबेरिया (पूर्व रेखांश ६७।३० से पश्चिम भाग) रशिया (पूर्व रेखांश ५२।३० से पूर्व भाग) चॅगोज आर्किपेलगो, पश्चिम पाकिस्तान, (इसके शहर पहले दिये गये हैं)।

	उ. अक्षांश	पू. रेखांश	अं. मि.
बुखारा	३९ ५२	६४ १०	–४३ २०
समरकंद	३९ ४०	६७ ५	–३१ ४०
आस्खाबाद	३८ १	५७ ५२	–६८ ३२
सेन्टपोल	द. ३८ ४३	७७ ३५	+१० २०

पूर्वरेखांश ८२।३० स्टॉ. समयान्तर
घं. ५ मि. ३०

भारत, (काश्मीर, आसाम, बंगाल आदि) नेपाळ, सिलोन (लंका), भुतान, सिक्किम, लखदीव इनके नगरों के रेखांश आदि पहले दे दिये हैं।

पूर्व रेखांश ९०।० स्टॉ. समयान्तर
घं. ६ मि. ०

सायबेरिया (पूर्व रेखांश ६७।३० से ८२। ३० पर्यन्त) पूर्व पाकिस्तान, पश्चिम चीन का रण प्रदेश, शिकियांग, तिब्बत।

	उ. अक्षांश		पू. रेखांश		अं.	मि.
ताशकंद	४१	३०	६९	२०	−८२	४०
स्टालीनाबाद	३८	४०	६८	५२	−८४	३२

तिब्बत तथा पूर्व पाकिस्तान के नगरों के रेखांश अक्षांश पहले दे दिये हैं।

पूर्व रेखांश ९७।३० स्टॉ. समयान्तर घं. ६ मि. ३०

ब्रह्मदेश, अण्डमान, निकोबार, कोकोज बेट, उत्तर मलाया, उत्तर सुमात्रा।

	उ. अक्षांश		पू. रेखांश		अं.	मि.
पोर्ट ब्लेयर	११	४१	९२	४३	−१९	८
कार	९	१५	९२	४५	−१९	०

शेष नगर पहले दिये हैं।

पूर्व रेखांश १०५ स्टॉ. समयान्तर घं. ७ मि. ०

सायबेरिया (पूर्व रेखांश ८२।३० से ९७।३० तक) हैनान बेट तथा पकोई (चीन) फ्रेंच इण्डोचायना, स्याम, दक्षिण सुमात्रा, बेंगकोक, खिस्टमसबेट, चीन (चुकींग से शाझे तक यांगशेग्यांग नदी के ऊपर का भाग)।

	उ. अक्षांश		पू. रेखांश		अं.	मि.
चुंगकींग	२९	३२	१०६	५०	+ ७	२०
बेंगकोक	१३	४२	१००	३०	−१८	०
हनोई	२१	२	१०५	५२	+ ३	२८
साईगोन	१०	४९	१०६	४१	+ ६	४४
पेनांग	५	२५	१००	१४	−१९	४
लाओस	१९	०	१०४	०	− ४	०
पखोई	२१	३०	१०९	५	+१६	२०
कम्बोडीया	११	३०	१०४	५५	− ०	२०

पूर्व रेखांश ११२।३० स्टॉ. समयान्तर घं. ७ मि. ३०

मलाया, सिंगापुर, जावा, मदुरा, डच बॉर्नियो, लाम्बोक, बाली टापु।

मलाया, सिंगापुर का परिचय पहले दिया गया है।

	उ. अक्षांश		पू. रेखांश		अं.	मि.
मलका	२	१०	१०२	१४	−४१	४
जावा	७	३०	११०	०	−१०	०
जोगजाकर्ता	७	५७	११०	२०	− ८	४०
वाण्डुंग	६	५०	१०७	४०	−१९	२०
सींगापुर	१	१७	१०३	५१	−३४	३६

पूर्व रेखांश १२० स्टॉ. समयान्तर घं. ८।०

सायबेरिया (पूर्व रेखांश ९७।३० से ११२।३० तक तक प्रदेश)। फार्मोसा-चीन फिलीपाईन द्वीप समूह, पश्चिम ऑस्ट्रेलिया, इण्डोनेशियन द्वीप समूह, पूर्व मोंगोलीया, फ्लोरिस, टिमोर, सेलेब्स, सुम्बावा, केल्गार्डी, ब्रिटीश उत्तरी बार्नियो।

	उ. अक्षांश		पू. रेखांश		अं.	मि.
पेकींग	३९	५१	११६	२२	−१४	३२
हौंगकौंग	२२	१२	११४	१२	−२३	१२
शंघाई	३१	१६	१२१	३०	+ ६	०
सुलु	६	५	१२१	०	+ ४	०
सारवाक-कूचिंग	१	३०	११०	२०	−३८	४०
मक्काउ	२२	११	११३	३४	−२५	४४
मनीला	१४	४०	१२१	२	+ ४	८
पार्ट आर्थर	द.३८	५०	१२१	१५	+ ५	०
पर्थ प. आस्ट्रेलिया	द.३१	५७	११५	५२	−१६	३२

पूर्व रेखांश १२७।३० स्टॉ. समयान्तर घं. ८।३०

उत्तर दक्षिण कोरिया, इन्डोनेशियन द्वीप।

पूर्व रेखांश १३५ स्टॉ. समयान्तर घं. ९।०

सायबेरिया (पूर्व रेखांश ११२।३० से १२७।३०) पूर्व मांचूरिया, जापान, केरोलीन द्वीप (पू. रे. १४८ के पश्चिम भाग के) क्युरील द्वीप, डचन्युगिनी, सारवालिन (उत्तर अक्षांश ५० से दक्षिण का भाग), कुरील (उत्तर अक्षांश ४४ से उत्तर का भाग), मर्यानाज।

	उ.अक्षांश		पू.अक्षांश		अं.	मि.
चागचुन	४३	५२	१२५	१५	−३६	०
टोकीयो	३५	४०	१३९	४५	+१६	०
योकोहामा	३५	२५	१३९	३६	+१८	२४
कोबे	३४	४१	१३५	१२	+ ०	४८
ओसाका	३४	४०	१३५	२५	+ १	४०
क्युसु	३२	३०	१३१	०	−१६	०
नागासाको	३२	४७	१२९	५२	−२०	३२
होन्सु	३७	०	१३६	०	+१६	०
नागोया	३५	७	१३६	५६	+ ७	४४

पूर्व रेखांश १४२।३० स्टॉ. समयान्तर
घं. ९।३०

डच न्यूगिनी (पश्चिम भाग दक्षिण अक्षांश ० से ६ तक, पूर्व रेखांश १३१ से १४१ तक), मध्य आस्ट्रेलिया, दक्षिण आस्ट्रेलिया।

	द. अक्षांश		पू. रेखांश		अं.	मि.
डारवीन	१२	३०	१३१	०	−४६	०
ब्रोकनहील	३२	०	१४१	३०	− ४	०
एडीलेड	३५	५७	१३८	३८	−१५	२८

पूर्व रेखांश १५० स्टॉ. समयान्तर
घं. १०।०

सायबेरिया (पूर्व रेखांश १२७।३० से १४२।३० तक), सेरवालीन रशियन द्वीप उत्तर अक्षांश ५० से उत्तरी भाग, केरोलीन (१४८ पू. रेखांश से पूर्व के द्वीप समूह) तास्मानिया, व्हिक्टोरिया, न्यू साउथवेल्स (ब्रोकनहिल को छोड़कर), क्वीन्सलेन्ड, ब्रिटिश न्यूगिनी, ॲडमिरल्टी तथा मार्शल द्वीप, बिस्मार्क, पूर्व ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण न्यू गिनी (आस्ट्रेलियन भाग), गवाम।

	उ. अक्षांश		पू. रेखांश		अं.	मि.
व्लाडीवोस्टोक	४३	७	१३१	५५	−७२	२०
गवाम	१३	२७	१४४	४५	−२१	०

	द. अक्षांश		पू. रेखांश		अं.	मि.
ब्रिसमेन	२७	३०	१५३	०	+१२	०
सिडनी	३३	५२	१५१	१२	+ ४	४८
केनबेरा	३५	१७	१४९	१८	− २	४८
मेलबॉर्न	३७	५०	१४४	५९	−२०	४
पोर्टएलिजबेथ	२	५७	१४७	०	−१२	०
पोर्टमोरेस्बी	९	२४	१४७	१७	−१०	५२

पूर्व रेखांश १६५ स्टॉ. समयान्तर
घं. ११।०

सायबेरिया (पूर्व रेखांश १४२।३० से १५७।३० तक) न्यू कॅलेडोनिया, शान्ताक्रूझ द्वीपें, सोलेमन द्वीपें, न्यू हाब्रायडिज।

पूर्व रेखांश १७२।३० स्टॉ. समयान्तर
घं. ११।३०

नॉरफोक तथा नौरू द्वीपें।

पूर्व रेखांश १८० स्टॉ. समयान्तर घं. १२

सायबेरिया (पू. रेखांश १५७।३० से १७२।३०) कामचाटका द्वीप कल्प, फिजी द्वीप, गिल्बर्ट तथा एलिस् द्वीपे, उत्तर दक्षिण न्युजिलेण्ड।

वेलिंग्टन द. ४१।१६ पू. रे. १४१।४७ अं. घं. २।३२।५२ ऋ.

पूर्व रेखांश १८३।४५ स्टॉ. समयान्तर
घं. १२।१५

चाथाम द्वीप (ब्रि.)

पूर्व रेखांश १८५ स्टॉ. समयान्तर
घं. १२।२०

टोंगा-फ्रेंडली द्वीप।

पूर्व रेखांश १९५ स्टॉ. समयान्तर घं. १३

सायबेरिया (पूर्व रेखांश १७२।३० से पूर्व भाग) रेंगल द्वीप।

ग्रिनवीच से पश्चिम रेखांश वाले प्रमुख देश-नगरों के अक्षांश, रेखांश, समयान्तर एवं रेखान्तर समय—

समयान्तर—

घं. मि.	
०।२३	सेंट हेलेना।
०।४०	सिएरा लेऑन (ब्रिटिश पश्चिम अफ्रिका)।
०।४५	लायबेरिया, निग्रो रिपब्लिक।
०।५७	एसेन्सियन द्वीप।
१। ०	आइसलेन्ड, स्पेनीश द्वीप समूह, पश्चिम अफ्रिका के आटलांटिक द्वीप समूह, पोर्टुगीज तथा फ्रेंच गिनी, केनेरी द्वीप समूह, गॅम्बिया।
१।३०	दक्षिण ज्योर्जिया, सेन्डवीच (ब्रि.) द्वीप।
२। ०	स्कोरेस्बी साउंड प्रांत (ग्रीनलेन्ड), फर्नान्डो नोरोन्हा द्वीप, ट्रिनीडाड द्वीप (दक्षिण आटलांटिक)।
३। ०	पूर्व ब्राजिल, ग्रीनलेंड (स्कोरेस्बी साउंड प्रान्त के अतिरिक्त), ब्राजीलरीओडीजनीरो द. अ. २२।५५ पू. रे. ४३।३० अं. मि. ६ ऋ. ब्युनोस एरीस (आर्जेन्टीना) द. अ. ३४।३५ प. रे. ५८।१५ अं. मि. ५३ धन।
३।३०	उरुग्वे, लेब्रेडोर, न्युफाउन्डलेन्ड।
३।४५	ब्रिटिश गियाना-ज्योर्जटाउन उ. अ. ६ । ५० प. रे. ५८ । १२ अं. मि. ७।४८ धन।
४। ०	केनेडा का भाग (क्वीबेक तथा उत्तर पश्चिम टेरीटरीज पश्चिम रेखांश ६८ के पूर्व का भाग), ग्रीनलेन्ड (केनेडा तरफ का उत्तर भाग). न्यू ब्रुन्सविक, नोव्हा स्कोशिया, प्रिन्स एडवर्ड द्वीप, पॉर्टोरिको, बर्म्यूडा, बाबाडोज, ग्रनेडा, टिनिडाड फ्रेंच गियाना, ब्राजिल मध्यभाग, अर्जेंटिना, चीलि (सेन्टीआगो द. अ. ३५।२५ प. रे. ७०।३० रे. अं. मि. ४२ धन फॉकलेन्ड द्वीप, पाराग्वे, बोलिवीया, पुएरटोरीको।
४।३०	वेनेझुएला, कुराको द्वीप, काराकास उ. अ. १०।३० प. रे. ६६। ५२ अं. मि. २।३२ ऋण।

५। ० केनेडा का पूर्व भाग (क्वीबेक तथा ऑंटारीयो पश्चिम रेखांश ६८ से ९०, उत्तर पश्चिम टेरीटरीज पश्चिम रेखांश ६८ से ८५) ओटावा उ. अक्षांश ४५।२७ प. रे ७५।४२ रे. अं. मि. २।४८ धन ।· मोन्ट्रीअल उ. अ. ४५।३१ प रे. ७३।३४ रे. अं. मि. ५।४४ ऋ. संयुक्त राज्य अमेरिका का पूर्व भाग माइन, वेरमोन्ट, कोनेकटोकट, डेलवेर, फ्लोरीडा, ज्योर्जिया, मेसेच्युसेटस्, न्यू हेम्सायर, न्युजर्सी, न्युयोर्क-प्रांत (नगर उ. अ. ४०।४३ प. रे. ७४।० रे. अं मि. ४ ऋण) देल्वारे, मिचीगन-डिट्राइट उ. अ. ४२।२१ प. रे. ८३।३ अं. मि. ३२।१२ धन। ओहियो—क्लीव-लेन्ड उ. अ. ४१।३२ प. रे. ८१।३० अं. मि. २६ धन। उत्तर केरोलीना, पेन्सीलेनीया—फीलाडेल्फिया उ. अ. ३९।५७ प. रे. ७५।१० अं. मि. ०। ४० धन। रोड द्वीप, दक्षिण केरोलीना, वर्मोंट।

समयान्तर—

घं. मि.

५। ० वर्जिनीया, पश्चिम वर्जिया, मेरीलेन्ड-कोलम्बिया (वोशिंगटन उ. अ. ३८।५५ प. रे. ७७।४ अं. मि. ८।१६ धन, बॉल्टि मोर उ. अ ३९।१८ प. रे. ७६।३७ अं. मि. ६।२८ ध. ज्योर्ज टाउन उ. अ. ३८।५४ प. रे. ७७।० अं. मि ८।० धन), बहामा, क्यूबा, हायटी, कोलंबिया, जमेका, पनामा, नहर (उ.अ. ९ से ९।३० प. रे. ७९।३० से ८०) पोरू ब्राजिल का पश्चिम भाग, चीली।

६। ० केनेडा मध्यभाग (ओटारियो पश्चिम रेखांश ९० के पश्चिम, मैनिटोबा, उत्तर पश्चिम टेरिटरीज प. रेखांश ८५ से १०२) सास्का चेवानका अग्निकोण भाग संयुक्तराज्य अमेरिका का मध्यभाग, आलबामा, खारकांसार, इलीनोइस (शीकागो उ. अ ४२।० प. रे. ८७।४० अं. मि. ६।२० ऋण। स्प्रींग फिल्ड उ. अ ३९।५१ प. रे. ८९।४५ अं. मि. १।० ऋण) इन्डियाना आयोवा, मीसुरी केन्सास उ. अ. ३९।५ प. रे. ९४।३५ अं. मि. १८।२० धन। पू. नोब्रास्का, डाकोटा, केन्टुकी, ओकला होमा, टेनीसी. आरकांसास. टेकसास, लुइसीयाना (न्यु ओर्लि-यन्स उ. अ. ३०।० प. रे ९०।१ अं. मि. ०।४ धन मीनी-

सोटा मीसीसीपी, वीस्कोन्सीन ग्वाटेमाला, डाकोटा (उत्तर तथा दक्षिण का पूर्व भाग) मेकसीको (दक्षिण लोअर कॅलिफॉर्निया को छोड़कर शेष भाग) मेकसीको उ. अ. १९।२७ प. रे. ९९।१५ अं. मि. ३७।० धन। ब्रिटिश होन्डुरास, साल्वाडोर कोस्टारिका, निकारागुआ, इकडोद्वीप।

७। ० केनेडा का पर्वत प्रदेश (उत्तर पश्चिम टेरीटरीज पश्चिम रेखांश १०२ से १२०) आल्बर्टा अग्निकोण के अतिरिक्त प्रदेश, सास्का चेवान, संयुक्त राज्य अमेरिका के पर्वत प्रदेश, कोलोरेडो इडाहो. मान्टेना, एरिज़ोना, न्यु मेकसीको, मेकसीको (६ घंटे में दर्शित के अतिरिक्त) सोनोरा, सीनो लोआ, नायारिट, यूटा, व्योमींग।

८। ० केनेडा (ब्रिटिश कोलंबिया, उत्तर पश्चिम टेरीटरीज पश्चिम रेखांश १२० के पश्चिम), ओरीगोन, वोशिंग्टन, क्रोश साउंड डगलास, जूनो, कोट चीकोन, पीटर्सबर्ग, लोअर केलिफॉर्निया (लोसएंजलीस उ. अ. ३४।३ प. रे. ११८।१७ अं. मि. ६।५२ ऋ।) सानफ्रान्सीस्को उ. अ. ३७।४८ प. रे. १२२।२५ अं. मि. ९।४० धन।

९। ० यूकोन, अलास्का का उत्तर किनारा।

१०। ० अलास्का (प. रेखांश १४१ से १६२ तक) प्रिंस विलियम साउंड, हवाईनद्वीप (होनोलुलु उ. अ. २१।२७ प. रे. १५८।० अं. मि. ३२ धन) सोसायीटी, क्रिस्टमस तथा फेनींगद्वीप।

१०। ३० दक्षिण पेसिफिक द्वीपें।

११। ० अलास्का का दक्षिण पश्चिम तट, पश्चिम पेसिफिक द्वीपें,।

११। २० नीयू (सेवेज) द्वीपें।

विश्व के विभिन्न देशों के समय परिवर्तन का परिचय

१—जब तक नवीन परिवर्तन नहीं होता तब तक ग्रेट ब्रिटिश तथा आस पास के टापुओं में ता० २० अप्रैल की मध्यरात्रि से ३ अक्टूबर की रात के दो बजे तक ग्रीनवीच के समय से घड़ी का समय एक घण्टा आगे रहेगा।

२—सोवियत (रूस) युनियन ने ता० १६-६-१९३० से राब्रेत के समय में घड़ियों का समय एक घण्टा आगे रक्खा है।

३—केनिया-युगान्डा में निम्नलिखित दिनों में ग्रीनवीच के समय से अपना समय कितना बदला उसका विवरण निम्नलिखित है :—

ता० ४-१२-१९०७ से ता० ३१-१२-३६ तक में + घं० २ मि० ३०

ता० १-१-१९३७ से ता० ३१-७-४२ तक में + घं० २ मि० ४५

ता० १-८-१९४२ से अभी तक + घं० ३ मि० ०

४ इसी प्रकार टांगानिका में :—

ता० ४-१२-१९०७ से ता० १४-५-१९२५ तक में + घं. २।३०

ता० १५-५-१९२५ से ता० ३१-१२-१९३६ तक में + घं. ३।०

ता० १-१-१९३७ से ता० ३१-७-१९४२ तक में + घं. २।४५

ता० १-८-१९४२ से अभी तक + घं. ३।२

५—झाँझी बार (जंग बार)

ता० ४-१२-१९०७ से ता० ३१-१२-३६ तक में + घं. २।३०

ता० १-१-१९३७ से ता० ३१-७-४२ तक में + घं. २।४५

ता० १-८-१९४२ से ता० ३१-१-४६ तक में + घं. ३।०

ता० १-२-१९४६ से ता० ३१-१२-४७ तक में + घं. २।४५

ता० १-१-१९४८ से अभी तक + घं. ३।०

६—बेलजियम—लक्षमबर्ग में निर्णय के अनुसार एप्रील से अक्तूबर तक एक घण्टा घड़ी आगे चलती है। सामान्य व्यवहार में ग्रीनवीच समय काम में लेते हैं।

७—फ्रान्स कोर्सिका इत्यादि युरोप के टापुओं में मार्च के अन्तिम शनिवार से अथवा वह इस्टर के पहले आता हो तो इस्टर के बाद के शनिवार से अक्टूबर के पहले शनिवार तक घड़ी एक घण्टा आगे रक्खी जाती है। व्यवहार में ग्रीनवीच समय लिया जाता है।

८—केनेडा तथा पूर्व (U.S.A), चीन, फार्मोसा, इन्डोचायना, कोरीया मडागास्कर, फिलीपाइन, पश्चिम आफ्रिका इत्यादि प्रदेशों में समर समय की तारीख प्रतिवर्ष निश्चित की जाती है।

९—गोल्ड कोस्ट (घाना रिपब्लिक) कौलोनी में १ सितम्बर से ३१ दिसम्बर तक + घं. ० मि० २०।

१०—सीयेरालीयोन में ता० ३१ मई से ३१ अगस्त तक + घं. १।०

११—न्यु फाउन्डलेन्ड में मई के दूसरे रविवार की मध्यरात्रि से अक्तूबर के प्रथम रविवार की मध्यरात्रि तक में—घं० २ मि० ३०

१२—फ्रान्स गियाना में सितम्बर के तीसरे रविवार से मार्च के तीसरे रविवार तक में—घं० ३ मि०—०

१३—क्यूबा में जून के प्रथम शनिवार की मध्य रात्रि से सितम्बर के प्रथम शनिवार की मध्यरात्रि तक में—घं० ४ मि० ।

१४—आर्जेन्टाइना, बारबेडोझ, बरमूडा, ओस्ट्रेलिया, साइप्रस, आइसलेन्ड आदि में तारीखें वर्ष भर के लिये नियत की जाती हैं ।

भारत के स्टॉन्डर्ड टाईम के परिवर्तन

द्वितीय महायुद्ध के समय सरकार ने वर्तमान स्टॉ. टा. को एक घंटा ता० १-९-४२ से ता० १४-१०-१९४५ तक आगे रक्खा था । अर्थात् ग्रीनहवीच से ५।३० की जगह ६।३० घंटा अधिक माना गया था । जिससे प्रत्येक घड़ी एक घंटा फास्ट रहती थी । उसके बाद से पूर्ववत् समय चल रहा है ।

उसी समय कलकत्ते में (पूरे बंगाल में) ता० १-१०-४१ से ता० १५-५-४२ तक तथा १-९-४२ से ता० १-९-४७ तक एक घंटा आगे समय रक्खा गया था । कलकत्ता के लिये ग्रीनहवीच से ५।३० की जगह ६।३० घंटे अधिक माने गये थे । जिससे प्रत्येक घड़ी एक घंटा फास्ट चलती थी । बीच में ता० १५-५-४२ से ता० १-९-४२ तक केवल ३॥ मास के लिये समय पुराना माना गया था और उसके बाद पश्चिम बंगाल में पुराना समय (५।३०) ही चल रहा है ।

बिहार तथा आसाम के समय में भी परिवर्तन किया गया था । वह इस प्रकार है ।

आसाम में ता० १-११-४१ तथा बिहार में ता० १-१२-४१ से ता० १५-५-४२ तक और ता० १-९-४२ से ता० १५-१०-४५ तक एक घंटा अधिक माना गया था । जिससे घड़ी एक घंटा फास्ट चलती थी । और ग्रीनहवीच से ५।३० की जगह ६।३० घंटा अधिक था ।

पाकिस्तान

भारतविभाजन के बाद पश्चिम पाकिस्तान ने ता० १-१०-५१ से ५।३० की जगह ४।३० (रेखांश ६७।३०) मानकर एक घंटा घड़ी का टाईम कम

रक्खा था, परन्तु उसको बदलकर ता० १-५-५४ से ४।३०. की जगह ५ (रेखांश ७५) माना है। जिससे इसके पूर्व समय से घड़ी आधा घण्टा आगे चलती है।

पूर्वी पाकिस्तान ने ता० १-१०-५१ से ५।३० की जगह ६ घंटे (रेखांश ९०) माना है। जिससे भारत की घड़ी आधा घंटा आगे चलती है।

इन देशों का इष्ट काल बनाते समय पूरा ध्यान रखना होगा। अन्यथा इष्टकाल अशुद्ध होगा।

कभी २ देशों के स्टॉ. टा. बदलते रहते हैं। अतः इसका भी ध्यान रखना चाहिये। स्टॉ. टा. बदलने की सूचना उन २ देशों की वेधशाला अथवा सरकार देती है।

स्थानिक समय—सूर्य जब मध्याकाश में आता है तब दिन में १२ बजते हैं। उससे दिनार्ध काल पहले सूर्योदय होता है और दिनार्ध काल बाद सूर्यास्त होता है। सूर्योदय तथा सूर्यास्त का साधन दिनमान से किया जाता है। दिनमान में ५ का भाग देने से स्थानिक सूर्यास्त घंटे मिनट में आता है। और उस अस्त काल को १२ में घटाने से स्थानिक सूर्योदय काल बनता है। जैसे काशी का दिनमान घट्यादि २७।५७ है। उसमें ५ का भाग देने से घंटा ५ मिनिट ३५ यह काशी का स्थानिक सूर्यास्त हुआ। इसे १२ में घटाने से ६।३५ स्थानिक सूर्योदय समय हुआ। अभी भी बहुत से पंचागों में स्थानिक समय का व्यवहार किया जाता है। इसीको लोकल टाईम भी कहते हैं। यह प्रत्येक स्थान का भिन्न २ रहता है।

स्टॉण्डर्ड टाईम—कार्य की सरलता के लिये स्टॉण्डर्ड टाइम नियत किया गया है। किसी एक स्थान के रेखांश का स्थानिक समय उस प्रदेश में सर्वत्र काम में लाने पर उसे उस प्रदेश का स्टॉण्डर्ड टाईम कहा जाता है। जैसे ८२। ३० रेखांश का स्थानिक समय सारे भारत के लिये स्टॉण्डर्ड टाईम मान कर रेल डाक इत्यादि का व्यवहार किया जाता है।

ऐसा न करने पर रेल डाक इत्यादि का व्यवहार नहीं चल सकता। क्योंकि प्रत्येक स्थान का स्थानिक (लोकल) समय भिन्न २ रहने से एक स्थान की घड़ी में १२ बजते होंगे तब दूसरे स्थान में १२ से अधिक कम बजता होगा। ऐसी दशा में १२ बजे मिलने वाली गाड़ी चुक जाने का पूरा संभव रहता है जैसे और कार्य में भी बाधा पड़ती है। अतः स्टॉण्डर्ड टाईम का आरंभ किया गया है। यह समय ग्रीनवीच से ५।३० घण्टे आगे माना गया है। अधिकतर प्रत्येक

देश के मध्य स्थान का स्थानिक समय उस देश का स्टॉडर्ड समय मान लिया जाता है। और उसी से सारा व्यवहार किया जाता है।

ग्रीनहीच से ८२।३० रेखांश का स्थानिक समय भारत के लिये स्टॉडर्ड टाईम ता०–१–१–१९०६ से मान लिया गया है। इसके पहले मद्रास के स्थानिक समय को भारत के लिये स्टॉडर्ड टाईम माना गया था। परन्तु इससे विशेष सुविधा न थी। अतः पूर्वोक्त दूसरा स्थान नियत किया गया है।

स्थानिक तथा स्टॉडर्ड टाईम का अन्तर

प्रत्येक स्थान का मध्याह्न स्थानिक समय से १२ बजे होता है। उस समय स्टॉडर्ड टाईम से (रेल्वे डाक इत्यादि के समय से) चलने वाली घड़ी में १२ बजने में कुछ अधिक या कम समय होगा। उसी को स्थानिक तथा स्टॉडर्ड टाईम का अन्तर कहते हैं। इसका साधन इस प्रकार करना चाहिये।

इष्ट स्थान के रेखांश तथा ८२।३० के अन्तर को ४ से गुणने पर दोनों समय का मिनिटादि अन्तर आयेगा। वह इष्ट देश के रेखांश ८२।३० से कम या अधिक रहने पर ऋण या धन माना जाता है। इसका साधन कर अक्षांश रेखांश वाले कोष्ठक में धन ऋण चिन्ह लगाकर तीसरी पंक्ति में दिया गया है। ऋण चिन्ह वाले अन्तर को स्टॉ. टा. में घटाने से तथा धन चिह्न वाले अंतर को स्टॉ-टाईम में जोड़ने से स्थानिक (लोकल) समय होता है।—यह चिन्ह ऋण तथा + यह चिन्ह धन का द्योतक है।

रेखांश :—प्राचीन काल में भारत वर्ष का मध्य स्थान उज्जयिनी मानकर उसी स्थान से ग्रह गणित के साधन की प्रथा थी। उज्जयिनी और उत्तर एवं दक्षिण ध्रुव पर जाने वाली दक्षिणोत्तर रेखा को भारत की मध्यरेखा मानते थे। और उससे अपना स्थान जितने योजन पूर्व या पश्चिम पड़ता था। उन योजनों पर से देशान्तर संस्कार लाने की विधि ग्रन्थों में मिलती है। और प्रमुख नगरों के अन्तर योजन भी लिखे हुए मिलते हैं। परन्तु इस रीति के अनुसार भारत के बाहर के देशों का गणित करने में बाधा पड़ती थी। अतः अन्य मार्ग का सहारा अब लिया जाने लगा है।

इस समय आधुनिक विद्वान दो देशों के पूर्वा पर अन्तर को जानने के लिये रेखांशों का उपयोग करते हैं। इसके लिये ग्रीनवीच को प्रारंभ स्थान मान कर मानचित्र (नक्शे) में खड़ी (दक्षिणोत्तर) रेखाओं का अङ्कन किया जाता है। ये रेखायें दस दस अंश के अन्तर पर प्रायः रक्खी जाती हैं। इन

रेखाओं के द्वारा रेखांश का ज्ञान किया जाता है। भूगोल के दो भाग मानकर ग्रीनवीच से पूर्व में १८० अंश एवं पश्चिम में १८० अंश चित्रित रहते हैं। रेखांशों का उपयोग गणित के लिये महत्त्व का है। दो स्थानों के पूर्वापर अन्तर को जानने के लिये उनके रेखांशों का अन्तर करें। उस अंशात्मक अन्तर को चार से गुणने पर मिनिटादि समय आता है। और अंशात्मक अन्तर को दश से गुणने पर पलादि समय बनता है। गणित एवं व्यवहार की सुविधा के लिये प्रत्येक देश के मध्य स्थान नियत कर दिये हैं। यदि देश अधिक बड़ा (अमेरिका, रूस आदि) है तब उसके दो तीन मध्य स्थान माने गये हैं। और ग्रीनवीच से उनका समयान्तर अधिकतर घण्टे मिनिट में दिया जाता है। मैंने पाठकों की सुविधा के लिये उस अन्तरको अंश कला में भी दिया है। ग्रीनवीच से पश्चिम देशों का अन्तर केवल घण्टे मिनिट में दिया है। उसे अंशात्मक बनाना अभीष्ट हो तो उसे १५ से गुण देने पर अंश कला बन जायगा। जैसे अपने देश का अन्तर घं० ५।३० हैं। अतः १५ (५।३०)=७५।४५०=८२।३०' अंशादि हुआ। इसी प्रकार अंशादि अन्तर को १५ से भागने पर घंटा मिनिट बनेंगे।

अक्षांश—उत्तरी अथवा दक्षिणी ध्रुव से ९० अंश के अन्तर पर निरक्षदेश है। उससे उत्तर तथा दक्षिण स्थान को दिखाने के लिए तिरछी रेखाओं द्वारा अक्षांश का अंकन मानचित्र में किया गया है। अक्षांशों के अन्तर द्वारा दोनों देशों का दक्षिणोत्तर अन्तर जाना जाता है। निरक्षदेश पर गई हुई रेखा को विषुवद्वृत्त रेखा कहते हैं। उससे उत्तर देशों के अक्षांश उत्तर तथा दक्षिण देशों के अक्षांश दक्षिण रहते हैं।

क्रान्ति सारिणीः—इस सारिणी में बाएँ तरफ अंग्रेजी महीनों के नाम तथा ऊपर तारीख का निर्देश किया गया है। जिस दिन की क्रान्ति जानना हो उस दिन की तारीख तथा मास के सामने वाले कोष्टक में इष्ट दिन की क्रान्ति रहेगी। जैसे ता० ३–६–५४ के दिन जून मास की ३ तारीख के सामने कोष्टक में २२।१२ क्रान्ति है। यही इस दिन की क्रान्ति होगी। क्रान्ति दक्षिण तथा उत्तर रहती है। कोष्ठकों में जहाँ से 'द' अक्षर लिखा होगा वहाँ से पुनः 'द' अक्षर तक दक्षिणा क्रान्ति। तथा 'उ' अक्षर से पुनः 'उ' अक्षर तक उतरा क्रान्ति रहेगी। अर्थात् ता० २४ सितम्बर से ता० २१ मार्च तक दक्षिणा क्रान्ति रहेगी। तथा ता० २२ मार्च से ता० २३ सितम्बर तक उत्तरा क्रान्ति रहेगी। यह अंशादि रहती है।

चर सारिणीः—दो देशों का दक्षिणोत्तर अन्तर जानने के लिये इसका उपयोग किया जाता है। इसके द्वारा दोनों देशों का चर लाकर उनका अन्तर

करने से दोनों देशों का दक्षिणोत्तर अन्तर आता है। यह समय मिनिटादि दिया गया है। सारिणी में इष्ट दिन की क्रान्ति ऊपर में तथा बाएँ तरफ अक्षांश दिये गये हैं। इष्ट क्रान्ति तथा अक्षांश के संमुख कोष्टक में उस दिन का मिनिटादि चर प्राप्त होगा। जैसे १२ क्रान्ति के दिन २५ अक्षांश का चर २२।४५ मिनिटादि होगा। इसी प्रकार अन्यत्र भी जानना चाहिये।

इसके साधन में प्रयास है। क्योंकि अक्षांश तथा क्रान्ति सदा पूरे-पूरे न होकर अधिकतर सावयव रहते हैं। यथा काशी के अक्षांश २५।२० दक्षिणा क्रान्ति १४।४६ (ता० ३।११।५४)।

चर साधन की विस्तृत सोदाहरण रीति विदेश की कुण्डली साधन में देंगे। यहाँ सरलता के लिये संक्षेप में चरसाधन दिखया जाता है।

२५ अ. १५ क्रां. सं. चर मि. २८।४३
२५ अ. १४ क्रां. सं. चर मि. २६।४२
अन्तर मि. = २। १

क्रां. क.
(२।१) ४६ / ६० = ६८।४६ / ६० = १।३९

२५ अ. १४ क्रां. सं. चर मि. २६।४२
अनुपातसे प्राप्त फल मि. १।३९
(१)२५अ. १४।४९क्रां. सं चर. मि. २८।२१

२६ अ. १५ क्रां. सं. चर मि. ३०।२
„ १४ क्रां. सं. चर मि. २७।५६
अन्तर मि. = २। ६

(२।६) ४९ / ६० = १०२।२४ / ६० = १।४२

२६ अ. १४ क्रां. सं. चर मि. २७।५६
अनुपात से प्राप्त फल मि. १।४२
(२)२६अ. १४।४९क्रां.सं.चर.मि.२९।३८

(२)२६अ.१४।४९क्रां.सं.चर मि.२९।३८
(१)२५अ.१४।४९क्रां.सं.चर मि.२८।२१
अन्तर मि. = १।१७

अ.क.
(१।१७) २० / ६० = ०।२६ = ०

(१)२५अ.१४।४९क्रां.सं.चर मि.२८।२१
अनुपात से प्राप्त फल + ०।२६
२५ अक्षांश १४।४९ क्रांति संबंधि चर मि. २८।४७

अर्थात् ता० ३।११।५४ के दिन काशी का चर मि. २८।४७ हुआ।

बेलान्तर सारिणीः—इसके द्वारा मध्यम सूर्योदय से स्पष्ट सूर्योदय बनाया जाता है। सारिणी में ऊपर की ओर तारीख तथा बाएँ तरफ मासों के नाम दिये गये हैं। इष्ट दिन की तारीख तथा मास के सम्मुख कोष्टक द्वारा इष्ट दिन का बेलान्तर सिद्ध होगा। इसके धन ऋण का संकेत सारिणी में दिया गया है।

इष्ट स्थान के स्पष्ट सूर्योदय साधन के लिये कोष्ठक

उत्तरा क्रान्ति		दक्षिणा क्रान्ति	
उत्तर अक्षांश	दक्षिण अक्षांश	उत्तर अक्षांश	दक्षिण अक्षांश
उदय के लिये चर.मि—ऋण	उदय के लिये चर.मि + धन	उदय के लिये चर.मि + धन	उदय के लिये चर.मि—ऋण
अस्त के लिये चर.मि + धन	अस्त के लिये चर.मि—ऋण	अस्त के लिये चर.मि—ऋण	अस्त के लिये चर.मि + धन

६ घण्टे में उपरोक्त चर संस्कार करके वेलान्तर संस्कार धन या ऋण हो तो उसमें धन या ऋण करने से स्थानिक स्पष्ट सूर्योदयास्त होगा। उसमें रेखान्तर मिनिट धन हो तो ऋण और ऋण हो तो धन करने से स्पष्ट सूर्योदयास्त का स्टॉ० टाईम होगा।

उदाहरणः—ता० ३-११-५४ के दिन काशी का स्पष्ट सूर्योदय साधन करना है। उत्तर अक्षांश २५।२० दक्षिणा क्रान्ति १४।४९ चर मिनिट २८।४७। वेलान्तर मिनिट १६।२३ ऋण। रेखान्तर मि० २ धन।

६ + ०।२९ = ६।२९। ६।२९ − ०।१६ = ६।१३। ६।१३ = यह काशी का स्थानिक स्पष्ट सूर्योदय हुआ। ६।१३ − ०।२ = ६।११ सू० उ० स्टॉ-टा० ६ − ०।२९ = ५।३१॥ ५।३१ − ०।१६ = ५।१५ यह काशी का स्थानिक स्पष्ट सूर्यास्त हुआ। ५।१५ − ०।२ = ५।१३ = सू. अ. स्टॉ. टा। क्रान्ति तथा चरादि सारिणी पर से क्रान्ति तथा चरादि लेने में सूक्ष्मता का ध्यान रखने से सूर्योदयास्त अधिक स्पष्ट आता है। पहले किरण वक्रीभवन का संस्कार उदय में २ मिनट ऋण तथा अस्त में दो मिनट धन करते थे। अभी भी कहीं-कहीं यह प्रथा प्रचलित है। २० अक्षांश तक किरणवक्रीभवन मि० २ है, ३० तक २½, ४० तक २¾, ५० तक ३¼, ५५ तक ३½ तथा ६० तक ४ मिनिट है। इसका संस्कार अभीष्ट हो तो उपरोक्त मिनिट देशानुसार उदयास्त में क्रम से ऋण धन करें। अर्थात् उदय में ऋण एवं अस्त में धन करें।

बम्बई के स्पष्ट सूर्योदयास्त साधन का उदारणः—ता० ३-११-५४। उत्तर अक्षांश १८।५७। द. क्रान्तिः १४।४९ चर मिनिट २१।११ वेलान्तर मि. १६।२३ ऋण। रेखान्तर मि. ३९ ऋण।

६ + ०।२१ = ६।२१॥६।२१ – ०।१६ = ६।५ स्थानिक स्पष्ट सूर्योदय। ६।५ + ०।३६ = ६।४४ स्टॉ. टा. सू. उ.।

६ – ०।२१ = ५।३९॥५।३९ – ०।१६ = ५।२३ स्थानिक स्पष्ट सूर्यास्त। ५।२३ + ०।३६ = ६।२ = सू. अ. स्टॉ. टा.।

कलकत्ते के स्पष्ट सूर्योदयास्त साधन का उदाहरणः—ता० ३–११–५४ उत्तर अक्षांश २२।३४। द. क्रान्तिः १४।४६ चर मि. २४।५२ वेलान्तर मि. १६।२३ ऋण। रेखान्तर मि. २३ धन।

६ + ०।२५ = ६।२५॥६।२५ – ०।१६ = ६।९ स्थानिक स्पष्ट सूर्योदय। ६।९ – ०।२३ = ५।४६ सू. उ. स्टॉ. टा.।

६ – (०।२५) = ५।३५।५।३५ – ०।१६ = ५।१९ स्थानिक स्प. सू. अ.। ५।१९ – ०।२३ = ४।५६ सू. अ. स्टॉ. टा.।

रंगून के सूर्योदयास्त साधन का उदाहरण :—ता० ३–११–५४ उत्तर अक्षांश १६।४८। द. क्रान्ति १४।४९। चर मि. १७।३६। वेलान्तर मि. १६।२३ ऋण। रेखान्तर मि. ५ ऋण।

६ + ०।१७ = ६।१७। ६।१७ – ०।१६ = ६।१ स्थानिक स्पष्ट सूर्योदय। ६।१ + ०।५ = ६।६सू. उ. स्टॉ. टा.।

६ – ०।१७ = ५।४३। ५।४३ – ०।१६=५।२७ स्थानिक स्पष्ट सूर्यास्त। ५।२७ + ०।५ = ५।३२ सू. अ. स्टॉ. टा.।

डरबन (दक्षिण अफ्रिका) के स्पष्ट सूर्योदयास्त का साधन :—ता० ३-११-५४। दक्षिण अक्षांश २९।५२। दक्षिणा क्रान्तिः १४।४९। चर मि. ३५।३६ वेलान्तर मि. १६।२३ ऋण। रेखान्तर मि. ४ धन।

६ – ०।३५ = ५।२५। ५।२५ – ०।१६ = ५।९ स्थानिक स्पष्ट सूर्योदय। ५।९ – ०।४ = ५।५ सू. उ. स्टॉ टा.।

६ + ०।३५ = ६।३५। ६।३५ – ०।१६ = ६।१९ स्थानिक स्पष्ट सूर्यास्त। ६।१९ – ०।४ = ६।१५ सू. अ. स्टॉ. टा.।

कुछ देशों के रेखांश अक्षांश तथा रेखान्तर मिनट दी गई हैं। उन सब विदेशों के अक्षांश रेखांश तथा रे. अं. मि. के देने से विशेष विस्तार का भय था। अतः समस्त विश्व के देशों का ग्रीनहीच समयान्तर का कोष्टक दिया गया है। जिसके द्वारा उस देश के प्रदेशों को रेखान्तर मिनिट जानी जा सकेगी। तथा अक्षांश रेखांश मानचित्र (नक्शे) से लेना होगा।

जिस देश के किसी स्थान की रेखान्तर मिनिट का साधन करना हो उस देश के ग्रीनह्वीच से दिये गये समय को १५ से गुणने पर उस देश के स्टॉ. टा. वाले स्थान के रेखांश होंगे। उन रेखांशों तथा अभीष्ट स्थान के रेखांशो का अन्तर करके ४ से गुणने पर पूर्ववत् रेखान्तर मिनिट होगी। अर्थात् नियत रेखांश अभीष्ट रेखांश से अधिक या कम हो तो कमशः रेखान्तर मिनिट धन या ऋण होंगी। उसके बाद उपरोक्त रीती के अनुसार सूर्योदयास्त साधन करना चाहिए।

दिनमान साधन

दिनमान साधन में कोष्ठक द्वारा अधिक सरलता रहेगी। अतः कोष्ठक नीचे दिया जाता है।

उत्तरा क्रान्ति		दक्षिणा क्रान्ति	
उत्तर अक्षांश	दक्षिण अक्षांश	उत्तर अक्षांश	दक्षिण अक्षांश
क.६+चरमिनिट =दिनार्ध	क.६—चरमिनिट =दिनार्ध	क. ६—चरमिनिट =दिनार्ध	क.६ + चरमिनिट =दिनार्ध

कोष्टक द्वारा चरमि. का क. ६ में संस्कार स्पष्ट है। इस संस्कार द्वारा घंटा मिनट में दिनार्ध आयेगा। उसको अढाई से गुणने पर घट्यात्मक दिनार्ध होगा। दिनार्ध को ३० में घटाने से रात्र्यर्ध होगा। और दिनार्ध तथा रात्र्यर्ध को द्विगुणित करने पर दिनमान तथा रात्रि मान सिद्ध होगा।

उदाहरणः—काशी दक्षिणा क्रान्ति १४।४९। चरमि.२८।४३॥ ६—०।२९= ५।३१ दिनार्ध घंटा मिनिट। (५।३१) (२।३०) = १३।४७।३० घट्यादि दिनार्ध हुआ। ३०—(१३।४७।३०)=१६।१२।३० घट्यादि रात्र्यर्ध। (१३।४७।३०) २=२७।३५ दिनमान। (१६।१२।३०) २=३२।२५ रात्रिमान

प्रकारान्तर से दिनमान साधन

जिस देश का दिनमान साधन करना हो उस देश की लग्न सारिणी पर से अभीष्ट दिन के सूर्य की राशि अंश द्वारा कोष्ठकस्थ फल लेकर रख लें। तथा सूर्य में ६ राशि मिलाकर उस पर से भी लग्न सारिणी द्वारा कोष्ठकस्थ फल लें। दूसरे फल में पहले फल का घटाने से दिनमान घट्यादि होगा।

उदाहरणः—काशी अक्षांश २५।२० सूर्य ६।१६। प्रथम फल ३७।२१ द्वितीय फल (५।१)-(३७।२१)=२७।४० दिनमान हुआ।

दिनमान पर से सूर्योदयास्त साधन

दिनमान पर से सूर्योदयास्त का साधन स्थानिक समय के विवेचन में किया गया है। तथापि अभ्यासी के अभ्यासार्थ लिख रहा हूँ।

दिनमान में ५ का भाग देने से मध्यम सूर्यास्त समय लब्ध होगा। उसको १२ में घटाने से मध्यम सूर्योदय शेष रहेगा। इसमें वेलान्तर का संस्कार (धन या ऋण) करने से स्पष्ट स्थानिक सूर्यास्तोदय समय होगा। तदन्तर रेखान्तर मिनिट धन होतो ऋण तथा ऋण हो तो धन करने से सूर्यास्तोदय समय स्टॉ. टा. का होगा।

काशी दिनमान २७।३५ वेलान्तर १६।२३ ऋण। रेखान्तर मि. २ धन। २७।३५ में ५ से भागने पर ५।३१ मध्यम सूर्यास्त। १२-५।३१=६।२९ मध्यम सूर्योदय। ५।३१-०।१६=५।१५ स्थानिक स्पष्ट सूर्यास्त। ५।१५-०।२=५।१३ सूर्यास्त स्टॉ. टा.।

६।२९-०।१६=६।१३ स्पष्ट स्थानिक सूर्योदय। ६।१३- ०।२=६।११ सूर्योदय स्टॉ. टा.।

दिनमान पर से सूर्योदयास्त साधन में विशेष प्रपंच नहीं रहता। अतः इसके द्वारा सूर्योदयास्त साधन सुगम होगा।

देशान्तर साधनः—देशान्तर दो प्रकार का होता है। पूर्वापर तथा दक्षिणोत्तर। पूर्वापर रेखांशों के अन्तर द्वारा लाया जाता है। अभीष्ट तथा अपने नगर के रेखांशों के अन्तर को ४ से गुणने पर मिनिटादि होगा। अपने नगर से अभीष्ट नगर पूर्व रहने से धन तथा पश्चिम रहने से ऋण होता है।

दक्षिणोत्तर अन्तर चर से साधा जाता है। जिस तारीख का जन्म हो उस तारीख पर से क्रान्ति सारिणी द्वारा क्रान्ति लेनी चाहिये। तथा अक्षांश सारिणी पर से अभीष्ट तथा अपने नगर के अक्षांश जानकर चर सारिणी द्वारा अक्षांश तथा क्रान्ति पर से अपने २ नगरों का चर लाकर दोनों का अन्तर चरान्तर होगा। इसका धन ऋण इस प्रकार होगा।

(१) अपने नगर के अक्षांश से अभीष्ट नगर के अक्षांश अधिक तथा उत्तरा क्रान्ति हो तो चरान्तर धन अन्यथा ऋण होगा।

(२) अपने नगर के अक्षांश से अभीष्ट नगर के अक्षांश कम तथा दक्षिणा क्रान्ति हो तो धन चरान्तर होगा। अन्यथा ऋण होगा।

पूर्वापर देशान्तर तथा चरान्तर दोनों धन या ऋण हो तो योग करने पर धन या ऋण स्पष्ट देशान्तर होगा।

यदि एक धन तथा अन्य ऋण हो तो दोनों का अन्तर करना चाहिये। इस परिस्थिति में धनमान अधिक होगा तो स्पष्ट संस्कार धन होगा। तथा ऋण मान अधिक होगा तो स्पष्ट संस्कार ऋण होगा। इसीको स्पष्ट देशांतर कहते हैं।

उदाहरण :—बम्बई ता० २७–१०–५४ जन्म समय स्टॉ. टा. १० प्रातः अक्षांशाः १८।५७ रेखांशाः ७२।५० दक्षिणा क्रान्तिः १२।३१ चर मिनिट १६।४७।

काशी से बम्बई का स्पष्टदेशान्तर साधन करना है। अतः काशी अक्षांशाः २५।२० रेखांशाः ८३।० चर मिनिट २२।४५।

काशी से बम्बई पश्चिम है। अतः रेखांशान्तर (८३।०)—(७२।५०) = १०।१० को ४ से गुणने पर देशान्तर मिनिट ४०।४० ऋण हुई। पूर्वोक्त नियमानुसार दक्षिणा क्रान्ति होने के कारण तथा काशी के अक्षांश से बम्बई के अक्षांश कम होने से चरान्तर मिनिट (२२।४५)—(१६।४७) = ५।५८ धन होगी।

देशान्तर मिनिट ४०।४० ऋण हैं। तथा चरान्तर मिनिट ५।५८ धन हैं। अतः दोनों का अन्तर (४०।४०)–(५।५८)=३४।४२ मिनिट ऋण काशी से बम्बई का स्पष्ट देशान्तर हुआ। इसको अढाई से गुणने पर (३४।४२) (२।३०)=१।२६।४५ घट्यादि स्पष्ट देशान्तर ऋण हुआ।

स्पष्ट देशान्तर द्वारा अभीष्ट नगर का इष्ट काल साधनः—बम्बई में स्टॉ. टा. १० बजे प्रातः जन्म हुआ है। तथा काशी में सूर्योदय समय स्टॉ. टा. ६।७ यह है अतः जन्म समय तथा सूर्योदय के १०–(६।७)=३।५३ अन्तर को अढाई से गुणने पर घट्यादि ९।४२।३० काशी का इष्ट काल हुआ इसमें स्पष्टदेशान्तर घटाने से (९।४२।३०)– (१।२६।४५)= ८।१५।४५ घट्यादि बम्बई का इष्ट काल हुआ।

उसी दिन काशी से कलकत्ते का स्पष्ट देशान्तर साधन करना अभीष्ट हो तो इस प्रकार करना चाहिये। कलकत्ता अक्षांश २२।३५ रेखांश ८८।२१ चर मिनट १९।४२।

काशी तथा कलकत्ता के रेखाशों के अन्तर (८८।२१)-(८३।०)=५।२१ को ४ से गुणने पर मिनिटादि देशान्तर २१।२४ धन हुआ। क्योंकि काशी से कलकत्ता पूर्व में है। दोनों नगरों का चरान्तर (२२।४५)-(१६।४२)= ३।३ मिनिट पूर्वोक्त नियमानुसार धन हुई। देशान्तर के तथा चरान्तर के धन होने से दोनों का योग (२१।२४)+(३।३) = २४।२७ मिनिटादि धन स्पष्ट देशान्तर काशी से कलकत्ते का सिद्ध हुआ। इसको अढाई से गुणने पर (२४।२७) (२।३०)=१।१।७।३० घट्यादि स्पष्ट देशान्तर हुआ।

यदि उसी दिन स्टॉ. टा. १० बजे किसी का जन्म हो तो पूर्व साधित काशी के इष्ट में स्पष्ट देशान्तर जोड़ने से (९।४२।३०)+(१।१।७)= (१०।४३।३७) घट्यादि कलकत्ते का इष्ट काल हुआ। इसी प्रकार अन्य देशों का भी साधन करना चाहिये। परन्तु यह इष्टकाल साधन केवल भारत, लंका, नेपाल भूतान सिक्किम के लिये उपयुक्त है। अन्य देशो के लिये भिन्न प्रकार से होगा। क्योंकि अन्य देशों के स्टॉ. टा भिन्न हैं।

विदेश का देशान्तर साधन

यदि दोनों देश एक ही अक्षांश (उत्तर या दक्षिण[१]) वाले हों तो उपरोक्त नियमानुसार देशान्तर साधन करना चाहिये। यदि दोनों देश भिन्न २ अक्षांश वाले हों तो दोनो देशों के चर का योग करना चाहिए। वही चरान्तर होगा।

उत्तर अक्षांशवाले देश से दक्षिण अक्षांश वाले देश का देशान्तर लाने के लिये कोष्टकः—

उत्तरा क्रान्ति		दक्षिणा क्रान्ति	
अपने स्थानसे पूर्व	अपने स्थानसे पश्चिम	अपने स्थानसे पूर्व	अपने स्थानसे पश्चिम
पूर्वा पर देशान्तर —चर योग ऋण	पूर्वा पर देशान्तर +चर योग धन	पूर्वा पर देशान्तर +चर योग धन	पूर्वा पर देशान्तर —चर योग ऋण

कोष्टक के अनुसार पूर्वापर देशान्तर तथा चर का संस्कार करने से स्पष्ट देशान्तर होगा और उसे (स्पष्ट देशान्तर) अपने स्थान से अभीष्ट स्थान पूर्व हो तो धन तथा पश्चिम हो तो ऋण समझना चाहिये।

१—दक्षिण अक्षांश-वाले देश में चरान्तर के धन ऋण का क्रम पूर्वोक्त नियम (१), (२) से विपरीत जानना चाहिये।

काशी से डरबन के स्पष्ट देशान्तर का उदाहरणः—ता०३-११ ५४ काशी अक्षांश २५।१८ (उत्तर) रेखांश ८३।० पूर्व चर मिनट २८।४७ द. क्रांति १४।४९ । डरबन अक्षांश २९।५२ (दक्षिण)। रेखांश ३१ पूर्व। चरमि ३५।३६ ।

काशी से डरबन् पश्चिम है तथा उसके अक्षांश दक्षिण हैं। (८३।०)-(३१।०) = ५२।० रेखांशान्तर । (५२।०)४ = २०८।० = देशान्तर मिनिट। (२८।४७)+ (३५।३६)=६४।२३ चरयोगमि. । (२०८।०)-(६४।२३)= १४३।३७=स्पष्ट देशान्तर मि. ऋण। क.२ मि. २३ से. ३७ ऋण=स्पष्ट देशान्तर । (२।२३।३७) (२।३०)=५।५९।२।३० घट्यादि स्पष्ट देशान्तर ऋण ।

अपने स्थान से इष्ट स्थान के तिथ्यादि साधन

[1]अपने स्थान के तिथि, नक्षत्र. योगादि की घटियों में स्पष्ट देशन्तर (घन या ऋण) का संस्कार करने से इष्ट स्थान के तिथ्यादि होंगे ।

ग्रह चालन

अभीष्ट देश के भयात, भभोग, सूर्यादि ग्रहों का साधन अपने स्थानीय इष्ट काल तथा ग्रह पंक्ति पर से करना चाहिये। इसके लिये देशान्तर की आवश्यकता नहीं है। केवल लग्न तथा दशम लग्न का साधन अभीष्ट देशके इष्ट काल पर से करना चाहिये।

विदेश की कुण्डली का गणित

विदेश की कुण्डली के निर्माण में अनेक बाधाएँ हैं। वहाँ का पञ्चाङ्ग सूर्योदय सूर्यास्त आदि हमारे पास नहीं रहते हैं। हमें अपने देश-नगर के पञ्चाङ्ग से दूसरे देश की कुण्डली का निर्माण करना है। इसके लिये हमें विदेशीय जन्म

१—यहाँ अपना स्थान से पञ्चाङ्ग जिस स्थान का है उस स्थान को समझना चाहिये।

स्थान के अक्षांश रेखांश रेखान्तर मि० एवं उस देश का ग्रीनवीच मे समयान्तर इस पुस्तक के द्वारा जान लेना चाहिये। यदि संयोग से जन्म स्थान के अक्षांश रेखांश इस पुस्तक में न दिये हों तो मानचित्र (नक्से) आदि से जान लेना चाहिये। प्रत्येक देश का ग्रीनवीच मे समयान्तर इस पुस्तक में दिया है। इसके बाद जन्म दिन की क्रान्ति पञ्चाङ्ग से अथवा इस पुस्तक में दी हुई क्रान्ति सारिणी से जानकर एकत्र रख लें। और वेलान्तर सारिणी से वेलान्तर संस्कार की मिनिट सेकन्ड जान लें। इसके बाद गणित करना प्रारंभ करें।

उदाहरण :—ता० ६–३–७१ प्रातः १०।१७ लंडन में किसी का जन्म हुआ। उपर लिखे क्रम के अनुसार गणित की सामग्री नीचे दी जाती है।

लंडन अक्षांश ५१।३२ प. रेखांश ०।५ रेखान्तर मि० ०।२० ऋण, दक्षिणा क्रान्तिः ६।३ वेलान्तर मि० ११।३७ धन (पुस्तक के आधार पर)। अब सर्व प्रथम चर का साधन किया जाता है।

लंडन का चर साधन :—अक्षांश तथा क्रान्ति पर से चर साधन त्रैराशिक से करना चाहिये। पहले अक्षांश के अंश तथा क्रान्ति के अंश से कोष्ठकस्थ चर मिनिटादि ग्रहण करें। (सारिणी में अक्षांश बायें तरफ और क्रांति उपर लिखी रहती है। अतः अक्षांश तथा क्रान्ति के सम्मुख कोष्ठक से फल लेना चाहिये)। उसके बाद क्रान्ति के अंश में एक अंश बढ़ाकर उसी अक्षांश के अंश पर से फल चरमिनिटादि लें। इन दोनों फलों का अन्तर कर उस अन्तर से क्रान्ति कला को गुण दें और गुणन फल में ६० का भाग देकर लब्ध फल को प्रथम प्राप्त चरमिनिटादि में जोड़ दें। ये अक्षांश के केवल अंश तथा पूरी क्रान्ति से प्राप्त चर मिनिट होंगी। इसी प्रकार अक्षांश के अंश में एक मिलाकर उस पर से ऊपर लिखे अनुसार पूरी क्रान्ति पर से चर मिनिट प्राप्त करें। इसके बाद अभीष्ट अक्षांश तथा एक अधिक अभीष्ट अक्षांश से प्राप्त चर मिनिटों का अन्तर कर उस से अक्षांश की कला को गुणकर ६० का भाग दें। लब्ध फल को प्रथम अक्षांश के फल (चरमिनिट) में जोड़ देने से अभीष्ट अक्षांश कला तथा क्रान्ति से सिद्ध चरमिनिट प्राप्त होंगी।

जैसे अक्षांश ५१।३२ और दक्षिणा क्रान्ति ६।३ है। इस पर से ऊपर लिखे नियमानुसार चर साधन किया जाता है।

५१ अक्षांश ७ क्रांति सम्बन्धि चर मिनिट ३४।५३
५१ अक्षांश ६ क्रांति सम्बन्धि चर मिनिट २९।५०

अन्तर मिनिट=५।३

(५।३)३ क्रां. क. / ६० = १५।९ / ६० = ०।१५

५१ अक्षांश ६ क्रांति सम्बन्धि चरमि. २९।५०
अनुपात से प्राप्त फल +०।१५
(१) ५१ अक्षांश ६।३ क्रान्ति सं. चरमि = ३०।५

५२ अक्षांश ७ क्रान्ति सं. चरमि. ३६।१०
५२ अक्षांश ६ क्रान्ति सं. चरमि.—३०।५४
अन्तर मि.=५ ।१६

(५।१६) ३ क्रां. क / ६० = १५।४८ / ६० = ०।१६

५२अ.६क्रां.सं.चरमि.३०।५४
अनुपात से प्राप्त फल+ ०।१६
(२)५२ अ.६।३क्रां.सं.चरमि.३१।१०

(२) ३१।१० अ. क
(१) ३०। ५
अन्तर १। ५

(१।५)३२ / ६० = ३४।४० / ६० = ०।३५

(१)५१ अक्षांश ६।३ क्रांति सं. चरमि. ३०।५
अनुपात से प्राप्त फल +०।३५
५१।३२ अक्षांश ६।३ क्रांति सं. चरमि.=३०।४०

लंडन चरमि. ३४।४०

सूर्योदय इष्टकाल एवं लग्न साधन

भाग २ पृष्ठ १३५ पर लिखे सूर्योदय साधन के नियमानुसार इष्ट स्थान का सूर्योदय साधन करें।

६
+।३०।४० चरमिनिट
६ ।३०।४०
+ ११।३७ बेलान्तर
६ ।४२।१७
+ ०।२० रेखान्तर मि.
६ ।४२।३७ स्टॉ. सा. सू. उ.

इष्ट स्थान का स्टॉ. टा. सूर्योदय घं. ६।४२।३७ पर हुआ। इस पर से जन्म समय का इष्ट काल का साधन भाग १ पृष्ठ १६ पर दिये हुए नियमानुसार करने पर इष्ट घटी ८।१३।२७।३० प्राप्त हुई। भाग २ पृष्ठ १ पर लिखी हुई रीति के अनुसार ५२ अक्षांश की सारिणी से इष्ट ८।१३।२७ सूर्य १०।२१ द्वारा लग्न सिद्ध हुआ। इसके बाद जो ग्रह जिस राशि पर है। उसे उस उस राशि पर रखने से जन्माङ्ग चक्र बन जायगा।

स्पष्ट देशान्तर

देशान्तर दो प्रकार का होता है। यह पहले भाग २ पृष्ठ १३८ पर लिखा जा चुका है। इसमें पञ्चाङ्ग जिस देश-नगर का है। उस स्थान का चर साधन आवश्यक होता है। अतः इसका साधन ऊपर लिखी रीति के अनुसार किया जाता है। यदि पञ्चाङ्ग काशी का है तब अक्षांश २५।२० एवं पूर्व दर्शित दक्षिणा क्रान्ति ६।३ पर से चरसाधन किया जाता है।

काशीका चर साधन

२५ अ. ७क्रान्ति सं. चरमि. १३।८
,, ६ क्रान्ति सं. चरमि. ११।१४
अन्तर मि.= १ ।५४

(१।५४) ३ क्रां. क / ६० = ३।१६२ / ६० = ५।४२ / ६० = ०।६

२५ अक्षांश ६ क्रांति सं. चरमि. ११।१४
अनुपात से प्राप्त फल + ०। ६

(१) २५ अक्षांश ६।३ क्रांति सं. चर मि.=११।२०

(१।५९) ३ क्रां. क. / ६० = ५।५७ / ६० = ०।६

(२) २६ अक्षांश ६।३ क्रांति सं. चर मि. ११।५१
(१) २५ अक्षांश ६।३ क्रांति सं. चर मि. ११।२०
अन्तर मि. ०।३१

(१) २५ अक्षांश ६।३ क्रांति सं. चर मि. ११।२०
अनुपात से प्राप्तफल मि.+ ०।१०
२५।२० अ. ६।३ क्रांति सं. चर मि. ११।३०
काशी चर मि. ११।३०

२६ अक्षांश ७ क्रांति सं. चर मि. १३।४४
२६ अक्षांश ६ क्रांति सं. चर मि. ११।४५
अन्तर मि. १।५९

२६ अ. ६ क्रां. सं. चर मि. ११।४५
अनुपात से प्राप्तफल+ ०। ६

(२) २६ अ. ६।३ क्रां. सं. चर मि. ११।५१

(०।३१) २० / ६० = ०।१०

दक्षिणोत्तर संस्कार साधन :—

दोनों स्थान उत्तर अक्षांश के हैं। अतः दोनों देशों का चरान्तर करना चाहिये। यथा (३०।४०)−(११।३०)=१९।१० चरान्तर भाग २ पृष्ठ १३८ पर दिये हुए नियमानुसार ऋण हुआ। यह दक्षिणोत्तर संस्कार कहलाता है।

पूर्वापर देशान्तर संस्कार का साधन :—इसके साधन में सावधानी रखनी चाहिये यदि दोनों स्थानों के रेखांश ग्रीनवीच से पूर्व अथवा पश्चिम हों तो अन्तर और एक ग्रीनवीच से पूर्व तथा अन्य के ग्रीनवीच से पश्चिम हों तो योग करना चाहिये। यहाँ लंडन ग्रीनवीच से पश्चिम है। और काशी पूर्व में है। अतः दोनों ग्रीनवीच से भिन्न दिशा के रहने के कारण रेखांशों का योग करना चाहिये। और उस अन्तर को १० से गुणने पर देशान्तर पल होंगे। यथा काशी पू. रेखांश ८३।० + लंडन पश्चिम रेखांश ०।५ = ८३।५ रेखांशयोग। १० (८३।५) = पल ८३०।५० = घटी १३।५०।५०। यह काशी से लंडन पश्चिम रहने से ऋण रहेगा।

स्पष्ट देशान्तर साधन :—चरान्तर मि० १९।१० के पल ४७।५५ भी ऋण हैं। अतः पूर्वापर देशान्तर तथा चरान्तर का योग स्पष्ट देशान्तर घटी = (१३।५०।५०)+(०।४७।५५) = घटी १४।३८।४५ ऋणात्मिका हुई। इसके संस्कार का नियम भाग २ पृष्ठ १४० पर देखें। अर्थात् उस दिन काशी के सूर्योदय के बाद घ. १४।३८।४५ इतनी घटी पर लंडन मे सूर्योदय हुआ। इस घटी पल के संस्कार को घण्टे मिनिट में भी जान

सकते हैं। रेखांश योग ८३।५ में १५ का भाग देने से घं० ५।३२।२० हुए! इनमें चरान्तर मि० जोड़ने से (घं ५।३२। २०) + (०।१९।१०)=घं ५।५१।३० स्पष्ट देशान्तर हुआ।

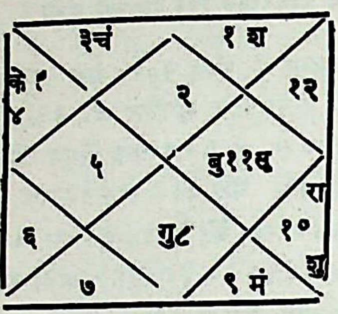
पंचाङ्ग साधन :—ता०६-३-७१ के दिन काशी पञ्चाङ्ग में संवत् २०२७ शक १८९२ फाल्गुन शुक्ल १० शनिवार घ० ४३।४६ आर्द्रा ३३।५६ (पूर्व दिन मृगशिर घ० ३२।३१ आयु २५।४४ तैत्तिल १३।४३ स्पष्ट सूर्य १०।२१। १९।४७ स्प. ग. ६०।९ चन्द्र मिथुन राशि भाग २ पृष्ठ १४१ पर दिये हुए नियमानुसार काशी के तिथ्यादि घटी पल में स्पष्ट देशान्तर के ऋण रहने से उसे घटाने पर लंडन के तिथ्यादि की घटी पल बनेगी। जैसे तिथि (घ०४३।४६) (घ०१४।३९) = १० तिथि घ० २९।७। आर्द्रा (घ० ३३।५६) – (१४।३९)=आर्द्रा घ० १९।१७। आयु. योग (घ० २५।४४)–(१४।३९) = आयु. योग घ. ११।५। तैत्तिल करण की घ. १३।४३ से स्पष्ट देशान्तर अधिक है। अतः जातक के जन्म समय में तैत्तिल करण समाप्त होकर गर करण का आरंभ हो चुका था। इस तरह लंडन का पञ्चाङ्ग बनाना चाहिये।

भयात-भभोग साधनः—इसके साधन में ध्यान रखना चाहिये। अर्थात् जैसे आर्द्रा की घटीपल में स्पष्ट देशान्तर घटाया है। वैसे ही गत नक्षत्र मृगशिर की घटी पल में भी स्पष्ट देशान्तर घटीपल घटाकर भयात भभोग बनाने के नियमानुसार जातक के जन्मकालिन भयात भभोग बना लेना चाहिये। यथा मृगशिर (घ. ३२।३१)–घ. (१४।३९)=मृगशिर घ. १७।५२ लंडन का उक्त नक्षत्रमान हुआ। इस पर से पूर्व दर्शित नियमानुसार भभोगः ६०–(१७।५२)=४२।८ इसमें आर्द्रा का मान जोड़ने से आर्द्रा भयोग = (४२।८) + (१९।१७) =६१।२५। भयात =(४२।८) + (इष्ट घ. ८।१३)=५०।२१ हुआ। अथवा लंडन के इष्टकाल में स्पष्टदेशान्तर का विपरीत संस्कार करने से काशी का इष्ट काल होगा। उस पर से काशी के नक्षत्रमान द्वारा भयात भभोग साधन करना चाहिये। जैसे लंडन इष्टकाल (घ. ८।१३) + (स्प.दे. अं. घ. १४।३९) = घ. २२।५२ यह काशी के सूर्योदय से इष्टकाल हुआ। यहाँ यह ध्यान रखना चाहिये कि काशी में सूर्योदय पहले हुआ। और लंडन में बाद में हुआ। अतःकाशी के सूर्योदय से जन्म समय तकका इष्ट काल लंडन के सूर्योदय की दृष्टि से अधिक है।

ग्रह साधनः—काशी के सूर्योदय से लाये गये इष्ट काल पर से पंचाङ्गस्थ ग्रह पंक्ति द्वारा ग्रह स्पष्ट करना चाहिये। अर्थात् पंचाङ्ग जिस नगर का हो उस नगर के सूर्योदय से बने इष्ट काल द्वारा भयात-भयोग ग्रह स्पष्ट करना चाहिये। इनके लिए जन्म स्थान के सूर्योदय से बने इष्टकाल की आवश्यकता नहीं है। जन्मभूमि के इष्टकाल से लग्न दशम लग्न का साधन करना चाहिये।

ता० ६-३-७१ शनिवार के दिन लंडन के स्टॉ. टा. १०।१७ समयानुसार बने इष्टकाल आदि नीचे दिये जाते है।

अथ जन्माङ्गम्



इष्टकाल, लग्न तथा सूर्यादि स्पष्ट ग्रह

इष्ट	ल	सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा
८	१	१०	२	८	१०	७	६	०	६
१३	२१	२१	१७	१	२५	१४	६	२४	२८
२७	४३	४२	३६	१४	६	४६	५२	३	५६

विदेश की कुण्डली साधन का दूसरा उदाहरण

ता० ६–३–७१ मंगलवार के दिन रात्रि ६।३० पर डरबन में जन्म। डरबन (दक्षिण आफ्रिका) दक्षिण अक्षांश २६।५२ पूर्व रेखांश ३१।० रेखान्तर मि० ४।० धन। दक्षिणा क्रान्ति ४।५३। वेलान्तर मि. १०।५५ धन। गणित करने का क्रम पूर्ववत् समझें।

डरबन चर साधन :—

२९ अक्षांश ५ क्रांति सम्बन्धि चर मि. ११।७
२९ अक्षांश ४ क्रांति सम्बन्धि चर मि. ८।५३

अन्तर मि. = २।१४

क्रां. क.

(२।१४) ५३ / ६० = ११८।२२ / ६० = १।५८

२९ अक्षांश ४ क्रांति संबन्धि चर मि. ८।५३
अनुपात से प्राप्त फल + १।५८

(१) २९ अक्षांश ४।५३ क्रांतिसं. चरमि. १०।५१

३० अक्षांश ५ क्रांति सं. चर मि. ११।३५
३० अक्षांश ४ क्रांति सं. चर मि. ९।१५

अन्तर मि. = २।२०

क्रां. क.

(२।२०) ५३ / ६० = १२३।४० / ६० = २।४

३० अक्षांश ४ क्रांति सं. चर मि. ९।१५
अनुपात से प्राप्त फल + २। ४

(२) ३० अक्षांश ४।५३ क्रांतिसं. चरमि. ११।१९

(२) ११।१९
(१) १०।५१

अन्तर ०।२८

(०।२८) ५२ अ. क. / ६० = २४।१६ / ६० = ०।२४

(१) २९ अक्षांश ४।५३ क्रांतिसं. चरमि. १०।५१
अनुपात से प्राप्त फल मि. + ०।२४

२९।५२ अक्षांश ४।५३ क्रान्तिसं. चरमि = ११।१५

डरबन चर मि. ११।१५

सूर्योदय इष्टकाल एवं लग्न साधन

भाग २ पृष्ठ १३५ पर लिखे सूर्योदय साधन के नियमानुसार इष्ट स्थानका सूर्योदय साधन करें।

६
−११।१५ चर मि.
५।४८।४५
+१०।५५ वेलान्तर
५।५६।४०
− ४। ० रेखान्तर
५।५५।४० स्टॉ. टा. सू. उ.

डरबन में ता० ६–३–७१ के दिन सूर्योदय स्टॉ. टा ५।५५।४० पर हुआ। इस पर से भाग १ पृष्ठ १६ पर लिखे नियमानुसार रात में ९।३० समय का इष्टकाल घ. ३८।५५। ५० हुआ। उक्त दिन सूर्य १०।२५ है। अतः ३० अक्षांश की सारिणी द्वारा भाग १ पृष्ठ ६६ पर दिये दक्षिण अक्षांश के लग्न साधन के नियमानुसार लग्न ७।० वृश्चिक प्राप्त हुआ। पूर्ववत् जन्माङ्ग चक्र में ग्रहों का न्यास करने से जातक की जन्म कुण्डली बन जायगी।

स्पष्ट देशान्तर साधन के लिए काशी का चर साधन :—

२५ अ. ५ क्रांति सं. चरमि. ६।२१
,, ४ क्रांति सं. चरमि. −१।५३
अन्तर मि. =१।५३

$\frac{(१।५३)\ ५३\ \text{क्रां. क.}}{६०} = \frac{६६।४६}{६०} = १।४०$

२५ अ. ४ क्रांति सं. चरमि. ७।२८
अनुपात से प्राप्त फल मि. + १।४०
(१) २५ अक्षांश ४।५३ क्रांति चरमि. ९।८

२६ अक्षांश ५ क्रांति सं. चरमि. ६।३७
,, ,, ४ क्रांति स. चरमि. ७।४६
अन्तर मि. १।४८

$\frac{(१।४८)\ ५३\ \text{क्रां. क.}}{६०} = \frac{११५।२४}{६०} = १।५५$

२६ अक्षांश ४ क्रांति सं. चरमि. ७।४६
अनुपात से प्राप्त फल मि. + १।५५
(२) २६ अ. ४।५३ क्रांति सं. चरमि. ६।४४

(२) ६।४४
(१) ९।८
अतन्र०।३६

$\frac{(०।३६)\ २०\ \text{अ. क}}{६०} = \frac{१२}{६०} = ०।१२$

(१) २५ अ. ४।५३ क्रां. सं. चरमि. ६।८
अनुपात से प्राप्त फल मि. + ०।१२
२५।२० अ ४।५३ क्रां. सं. चरमि. ६।२०

काशी चर मि. ६।२०

दक्षिणोत्तर संस्कार साधन :—डरबन के दक्षिण अक्षांश हैं। और काशी के उत्तर अक्षांश है। अतः भाग २ पृष्ठ १४० पर लिखे नियमानुसार दोनों देशों के चर का योग = (११।१५) + (६।२०) = मि. २०।३५ यह दक्षिणोत्तर (चरयोग) संस्कार कहलाता है।

पूर्वापर देशान्तर साधन :—यहाँ दोनों नगर पूर्व रेखांश के हैं। अतः दोनों नगरों के रेखांशों का अन्तर करना चाहिये। काशी रेखांश (८३।०) − डरबन रेखांश (३१।०) = ५२।० रेखांशान्तर।

(५२।०) १० = पल ५२० = घ. ८।४० = पूर्वापर देशान्तर घटी। अथवा

$\frac{(५२।०)}{१५}$ = घं. ३ मि. २८ = पूर्वापर देशांतर के घंटे मिनिट।

स्पष्ट देशान्तर साधन :— इसके साधन के लिये भाग २ पृष्ठ १४६ पर दिये गये कोष्टक का उपयोग करना चाहिये। कोष्ठकानुसार स्पष्टदेशान्तर = घं. ३ मि. २८ पूर्वापर दे. अं.-घं. ०।२०।३५ चरयोग = घं. ३।७।२५ ऋण। स्पष्ट-देशान्तर घटीपल ७।४८।३२।३० ऋण।

डरबन की इष्ट घटी ३८।५५।५० इसमें स्पष्ट देशान्तर घटी ७।४८।३२।३० जोड़ने से काशी के सूर्योदय से इष्टकाल घ. ४६।४४।४२।३०।

पंचाङ्ग साधन :—ता. ९-३-७१ के दिन काशी के पंचाङ्ग में संवत् २०२७ शक १८९२ फाल्गुन शुक्ल १३ मंगल घ. ५१।३७ आश्लेषा घ. ४५।३४ अतिगंड घ. २२।२२ कौलव १६।४३ चन्द्र सिंह ४५।३४ उपरान्त। दूसरे दिन मघा. घ ५१।२६ यहाँ पर भी स्पष्ट देशान्तर घटीपल घटाने से डरबन का पंचाङ्गः—

फा. शु. १३ मंगल घ. ४३।४८ आश्लेषा घ. ३७।४५ अतिग घ. १४।३३ तात्कालिक तैतिलकरण चन्द्र सिंह राशि—

भयात भयोग साधनः—काशी इष्ट घ. ४६।४५—आश्लेषा घ. ४५। ३४=१।११ मघा भयात। ६०—(४५।३४)=१४।२६ इसमें मघा का मान जोड़ने से मघा भभोग घ. ६५।५२। ग्रह स्पष्ट भी काशी के इष्टकाल एवं काशी के पञ्चाङ्ग की पंक्ति द्वारा करना चाहिये।

विशेषः—कभी ऐसी भी परिस्थिति आती है कि स्पष्ट देशान्तर के घटी पल से अपने पञ्चाङ्ग में तिथ्यादि के घटी पल कम रहें तब विषम परिस्थिति उत्पन्न हो जाती है। उस समय विवेक से काम करना चाहिये। इसके लिये एक कल्पित उदाहरण देकर विचार किया जाता है। कल्पना किया कि जातक का जन्म लंडन में हुआ। और स्पष्ट देशान्तर घटी १५ ऋण है। एवं जन्म दिन भाग १ पृष्ठ १३ पर दिये हुए पंचाङ्ग में श्रावण कृष्ण ५ शुक्रवार का है। इस दिन तिथि तथा नक्षत्र का मान स्पष्ट देशान्तर से कम है। इस मान में स्पष्ट देशान्तर नहीं घट सकेगा। इस स्थिति में सर्व प्रथम उदय काल में जो तिथि आदि हैं उनसे आगे के तिथि नक्षत्रादि का भोगमान लाना चाहिये। उस भोग मान में उदयकालिक तिथि नक्षत्रादि का मान जोड़ कर योगफल में स्पष्ट देशान्तर घटाने से शेष घटी पल सूर्योदय कालिक तिथि नक्षत्रादि से आगे के तिथि नक्षत्रादि के मान होंगे। जैसे ५ शुक्रवार घ. ६।२ है। अतः षष्ठी का भोग मान साधना है। ६०—(६।२)=५३।५८ इसमें षष्ठी घ. १।२५ मिलाने से षष्ठी भोग घ. ५५।२३ हुई। षष्ठी भोग (घ. ५५।२३) + पंचमी (घ. ६।२)= योग घटी ६१।२५। योग (घ. ६१।२५)—(स्प. दे. अँ. घ. १५।०) षष्ठी

घ. ४६।२५। अर्थात् जातक के जन्म दिन लंडन में षष्ठी घ. ४६।२१ शुक्रवार रहेगा। यह स्मरण रहे कि तिथि बदल गई परन्तु वार शुक्र ही रहेगा। ५ शुक्रवार के दिन पूर्वाभाद्रपद घ. १४।२५ है। यह स्पष्ट देशान्तर घ. १५ से कम है। अतः उत्तराभाद्रपद का भोग जानना है। ६०–(१४।२५)= ४५।३५ इसमें उत्तराभाद्रपद के मान घ. ११।४१ को मिलाने से उ. भा. भोग घ. ५७।१६ हुआ। इसमें पूर्वाभाद्रपद का मान घ. १४।२५ मिलाकर योग घ. ७१।४१ में स्पष्ट देशान्तर घ. १५ घटाने से उ. भा. घ. ५६।४१ षष्ठी शुक्र के दिन लंडन में रहेगा।

उस दिन शोभन योग घ. २१।२० है। इसमें स्प. दे. अं. घ. १५ घटाने से शोभन योग घ. ६।२० लंडन में रहेगी।

तात्कालिक करण इष्टकाल के अनुसार जानना चाहिये। इसके जानने के लिये भाग १ पृष्ठ ३ पर विवरण दिया है। प्रकृत कल्पित उदाहरण में यदि इष्ट षष्ठी के पूर्वार्ध में पड़ता है तो गर करण और उत्तरार्ध में पड़न से वणिज करण रहेगा। भयात भभोग का साधन तो पंचाङ्ग जिस नगर का है उस नगर के इष्ट काल से लाया जा सकता है। और इसका साधन ऊपर में दिखा दिया है।

इस प्रकार की अनेक परिस्थितियाँ गणित करते समय आ सकती हैं। वहाँ अभ्यासी सुज्ञजन तदनुकुल कार्य करेंगे।

जन्म पत्रिका लिखने का क्रम

श्री गणेशाय नमः॥ स जयति सिंधुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम्। वासरमणिरिव तमसां राशीन्नाशयतु विघ्नानाम्॥ १॥ स्वस्ति श्रीमन्नृपति-विक्रमार्कराज्यसमयातीत संवत् १९७६ वर्षे श्रीमद्भूपतिशालिवाहनकृतशाके १८४१ प्रवर्तमाने प्रजापतिनामसंवत्सरे दक्षिणायनगते श्रीसूर्ये वर्णतौ महामाङ्गल्यफलप्रदे मासोत्तमे श्रावणे मासे कृष्णे पक्षे १२ तिथौ घट्यः २४।४१ गुरुवासरे मृगशिरसि नक्षत्रे घट्यः ४७।५ ध्रुवयोगे घट्यः २९।१२ तात्कालिके तैतिलकरणे वृषमराशि-स्थिते चन्द्रे राशिनवमांशे मकराद्ये कन्याख्ये बुधदैवत्ये शुक्रराश्यधिपतौ सर्पयोनौ

देवगणे वैश्यवर्णे मृगवर्गे पूर्वभागयुक्तायां भूमिहंसके मध्यनाडीस्थिते श्रीफणीश्वरचक्रे कर्कसङ्क्रान्तेर्गतांशाः ७ क. १६. वि. ३५ श्रीमन्मार्तण्डमण्डलार्धोदयाद्गतघट्यः १६ पलानि ३० एतत्समये तुलालग्नवहमानायां शुभवेलायां विप्रज्ञातौ श्रीयुतशेठ-शिवलालात्मजपरमानन्दवोरा इत्येषां गृहे अखण्डसौभाग्यवतीभार्यायाः अञ्जुदेव्याः कुक्षौ पुत्ररत्नजन्म। तदभिधानं मृगशिरोनक्षत्रस्य २ चरणानुगतं वकाराक्षरे ओ-स्वरोपरि जन्मनाम। परं मातृपित्रोरुल्लापने यथारुचि (वृद्धिशंकर) देयम्। घाताख्यं मार्गशीर्षमासः ५।१०।१५ तिथयः शनिवासरः हस्तनक्षत्रं सुकर्मायोगः शकुनिकरणम् ४ प्रहरः ५ चन्द्र इति। शुभं भवतु। कल्याणमस्तु।

इसके बाद नीचे यदि ग्रह स्पष्ट किये हों तो उन्हें गति आदि के साथ लिखें। और बाद में जन्माङ्ग चक्र एवं राशिचक्र (देखो पृ. ३७) रखना चाहिये। ग्रह स्पष्ट न किये हों तो जन्माङ्गचक्र तथा राशिचक्र लिखें। यदि जन्मपत्रिका बड़ी हो तो उदाहरण क्रम में जैसे जैसे चक्रादि कोष्ठक दिये हैं वैसे ही क्रमशः लिखने चाहिये।

भारतीय कुंडली विज्ञान भाग ३

वर्ष गणित साधन प्रकरण

अथ वर्ष प्रवेश गणितः—

जातक के जन्म समय में सूर्य जिस राशि अंश कलादि पर होगा उसी राशि अंश कलादि पर पुनः जब सूर्य आता है तब जन्म से एक सौर वर्ष पूर्ण होता है ! इसी प्रकार जब २ सूर्य भ्रमण द्वारा जन्म के सूर्य की राश्यादि के समान होगा तब २ उसके आयुष्य का एक २ वर्ष पूर्ण होता जायगा। उस समय के लग्न तथा ग्रह पर से निर्मित कुंडली द्वारा मनुष्य के वर्तमान वर्ष का शुभाशुभ देखा जाता है। इस पद्धति को ताजक कहते हैं। इस पद्धति का प्रारम्भ यवन राज्य में शक १२०० के अनन्तर हुआ है ऐसा विद्वानों का मत है। ताजक शब्द के असंस्कृत होने के कारण इस पद्धति पर विदेशी प्रभाव पड़ा है यह निर्विवाद है। कुछ विद्वानों ने ताजक को तार्तीयक रूप में संस्कृत किया है। ताजक को ताजिक भी कहते हैं।

वर्ष प्रवेश गणित के लिये ताजिक[1] भूषण पद्धति, दैवज्ञालंकृति[2], ताजिक[3] तंत्रसार, ताजिक[4] नीलकंठी प्रभृति अनेक ग्रन्थ बने हैं। तथापि ताजिकनीलकंठी का प्रचार विशेष है। इसमें सौर वर्ष का मान ३६५।१५।३१।३० ग्रहण किया गया है। यह प्राचीन सूर्यसिद्धान्त का है। वर्तमान सूर्यसिद्धान्त का इससे भिन्न ३६५।१५।३१।३१।२४ यह मान[5] है।

१—पार्थपुर ग्रामस्थ ढुंढिरामात्मज गणेश कृत। शक १४८०। २—तेजसिंह कृत सन् १३००। ३—समरसिंह कृत, शक १३५६ के आसन्न। ४—नीलकंठ दैवज्ञकृत, शक १५०९। ५—पाश्चात्य मत से वर्षमान ३६५।१५।२२।५७।३० यह है। अतः यहाँ के कतिपय विद्वान् इस मान के अनुसार निर्मित सारिणी द्वारा वर्ष प्रवेश का साधन करते हैं। नवीन सारिणी पर से वर्ष प्रवेश अभीष्ट हो तो नवीन सारिणी नीचे दी जाती है।

	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	४	२	१	६	५	३	२	१
घटी	१५	३०	४६	१	१६	३२	४७	३	१८	३३	७	४१	१५	४९	२२	५६	३०	४
पल	२२	४५	८	३१	५४	१७	४०	३	२६	४९	३९	२८	१८	७	५७	४७	३६	२६
वि.	५७	५५	५२	५०	४७	४५	४२	४०	३७	३५	१०	४५	२०	५५	३०	५	४०	१५

वर्ष प्रवेश साधनः—एक वर्ष के मान (३६५।१५।३१।३०) को गत वर्ष संख्या से गुणने पर गतवर्ष के दिनादि होंगे। दिन संख्या में ७ से भागने पर शेष वारादि होगा। परन्तु ३६५ में ७ का भाग देकर शेष १ तथा १५।३१।३० को गतवर्ष से गुणने पर सरलता रहती है। अतः इसी (१।१५।३१।३०) को गत वर्ष से गुणने की प्रथा प्रचलित है। तदनुसार गुणन के परिश्रम को दूर करने के लिये सारिणी दी गयी है। उसमें से गत वर्ष संबंधि वारादि सरलता से मिल जाते हैं। उनमें जन्म समय के वार तथा इष्ट घटी पल मिलाने से वर्ष प्रवेश समय के वार तथा इष्ट घटी पल होंगे। इस इष्ट तथा जन्म के सूर्य से साधित लग्न वर्ष प्रवेश का लग्न होगा।

दूसरी विधि—

गताः समाः पादयुताः प्रकृतिघ्नसमागणात्
खवेदाप्तघटीयुक्ता जन्मवारादिसंयुताः।
अब्दप्रवेशो वारादिस्सप्ततष्टेऽत्र निर्दिशेत्॥

गतवर्षसंख्या में अपना चतुर्थांश मिलाने से वारादि फल होगा। तथा गत वर्ष सख्या को २१ से गुणकर ४० का भाग देने से लब्ध फल घटयादि होगा। इन दोनों के योग में जन्म वारादि* (वार. इष्ट घटी पल) मिलाने से वर्ष प्रवेश के वारादि होंगे।

उदाहरणः—जन्म संवत् १९६५ शक १८३० श्रावण शुक्ल १५ बुधवार। इष्ट घ० ४५।१५ सूर्यः ३।२६।४४।४० लग्न १।६।

प्रथम रीति द्वारा। २०११–१९६५=४६ गतवर्ष। (१।१५।३१।३०)× ४६ =४६।६९०।१४२६।१३८०=५७।५४।९। वार में ७ से भागने पर शेष १। ५४।९ वारादि हुआ। १।५४।९ वारादि में जन्म के वार तथा इष्ट घटी पल ४।४५।१५ मिलाने से वर्ष प्रवेश वारादि*६।३९।२४।

दूसरी रीती द्वारा। गतवर्ष ४६ इसका चतुर्थांश ११।३०।

*—वार की संख्या रविवार से गिननी चाहिये। रविवार से १, सोम से २ इत्यादि।

वर्ष प्रवेश सारिणी

गतवर्ष	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४	०	६	१	२	३	४	६
घटी	१५	३१	४६	२	१७	३३	४८	४	१९	३५	५०	६	२१	३७	५२	८
पल	३१	३	३४	६	३७	०	४०	१२	४३	१५	४६	२८	४९	२१	५२	२४
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
गतवर्ष	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२
वा.	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	०	०	१	२	४	५
घ.	२३	३९	५४	१०	२६	४१	५७	१२	२८	४३	५९	१४	३०	४५	१	१६
प.	५५	२७	५८	३०	१	३३	४	३६	७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८
वि.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
गतवर्ष	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८
वा.	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४
घ.	३२	४७	३	१८	३४	४९	५	२१	३६	५२	७	२३	३८	५४	९	२५
प.	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२
वि.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
गतवर्ष	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४
वा.	५	६	१	२	३	४	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३
घ.	४०	५६	११	२७	४२	५८	१३	२९	४४	०	१५	३१	४७	२	१८	३३
प.	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०	१	३३	४	३६
वि.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
गतवर्ष	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
वा.	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२
घ.	४९	४	२०	३५	५१	६	२२	३७	५३	८	२४	३९	५५	१०	२६	४२
प.	७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०
वि.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
गतवर्ष	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६
वा.	३	५	६	०	१	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१
घ.	५७	१३	२८	४४	५९	१५	३०	४६	१	१७	३२	४८	३	१९	३४	५०
प.	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४
वि.	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०

४६ + ११।३० = ५७।३० वारादिफल। ४६ × २१ = ९६६ इसमें ४० का भाग देने पर २४।९ घट्यादि फल। (५७ । ३०) + (०।२४।९) = ५७।५४।९

वारादि । ५७ इसमें ७ का भाग देने पर शेष १।५४।९ वारादि (१।५४।६) + (४।४५।१५) = ६।३६।२४ वर्ष प्रवेश वारादि ।

वार ६ से शुक्रवार हुआ । यथा ३६।२४ वर्ष प्रवेश की इष्ट घटी पल हुई । इस इष्ट (३६।२४) तथा जन्म के सूर्य ३।२६ द्वारा साधित लग्न ११।२२ वर्ष प्रवेश लग्न हुआ ।

वर्ष प्रवेश तिथिसाधन

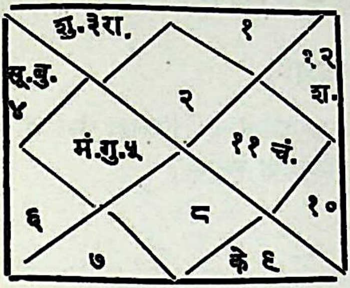
शिवघ्नोऽब्दः खखाद्रीन्दुलवाढ्यः खाग्नि शेषितः ।
जन्मतिथ्यन्वितस्तत्र तिथावब्दप्रवेशनम् ॥

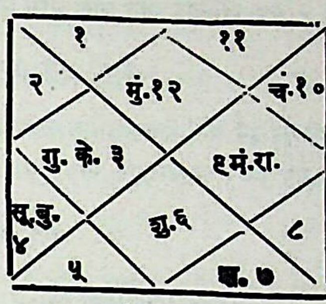
गत वर्ष संख्याको ११ से गुणकर १७० से भागने पर लब्ध फल को ११ से गुणित गत वर्ष में मिला दें । और योग फल में ३० से भाग देकर शेष में जन्म. तिथि (शुक्ल प्रतिपदा से गिनकर) संख्या मिला देनी चाहिये । यदि योग ३० से अधिक हो तो ३० का भाग देकर शेष तिथि (शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से गिनकर) वर्ष प्रवेश की तिथि होगी ।

उदाहरणः—गत वर्ष ४६॥४६×११ = ५०६ में १७० का भाग देने पर लब्ध २।५८॥५०६ + २।५८=५०८।५८ ॥ ५०८ इसमें ३० का भाग देने पर शेष २८।५८ इसमें जन्म तिथि १५ मिलाने पर २८।५८ + १५=४३।५८ ॥ ४३ यह ३० से अधिक है, अतः ३० से भागने पर शेष १३।५८ यह वर्ष प्रवेश तिथि हुई । अर्थात् शुक्ल १४ के दिन वर्ष प्रवेश हुआ । इस प्रकार वर्ष प्रवेश की तिथि सर्वत्र नहीं मिलती । कभी-कभी एक दो तिथि का अन्तर पड़ जाता है । यह अन्तर तिथि के क्षय वृद्धि के कारण पड़ता है । अतः जन्म के सूर्य के राशि अंशादि जिस दिन मिलेंगे वही वर्ष प्रवेश की तिथि मानी जायगी । इसी प्रकार कभी-कभी वर्ष प्रवेश वार में भी एक वार के अन्तर का सम्भव रहता है । अतः यहाँ पर भी सूर्य ही प्रधान मानना चाहिये । वार न मिले तो एक वार घटा बढ़ा देना चाहिये ।

इस प्रकार उदाहृत जातक का वर्ष प्रवेश संवत् २०११ शक १८७६ श्रावण शुक्ल १४ शुक्रवार से दिन इष्ट ३६।२४ पर हुआ । अर्थात् इस दिन ४७ वें वर्ष का प्रारम्भ हुआ तथा ४६ वर्ष गत हुए ।

जन्म लग्न **वर्ष लग्न**





ल.
११
२२
३३
५७

जातक का जन्म अमदाबाद (गुजरात) का है। अतः ग्रह तथा लग्नादि साधन उसी स्थान के संबंध से किया गया है। ग्रह तथा लग्नादि भाव जन्म की तरह स्पष्ट करने चाहिये।

वर्ष प्रवेश कालिक स्पष्ट ग्रह

र.	च	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	रा.
३	९	८	३	२	९	६	८
२६	१७	११	१९	२६	११	१२	२९
४४	१५	१७	४७	२६	३१	९	३४
२२	३९	१०	४४	१५	४३	५२	२७

वर्ष में भी चलित नवमांश आदि का साधन करना चाहिए। यहाँ पर विस्तार के भय से द्वादश भाव चलित तथा नवमांशादि नहीं दिए हैं।

मुंथा विचार

स्वजन्मलग्नात्प्रतिवर्षमेकैकराशिभोगान्मुथहा क्रमोऽतः।
स्वजन्मलग्नं रवितष्टयातं गताब्दयुक्तं भमुथैहा स्यात्॥

मुंथहा को जन्मलग्न माना जा सकता है। अर्थात् जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथहा होती है। और प्रति वर्ष एक २ राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्मलग्न जोड़ने से मुंथहा की वर्तमान राशि होगी। यदि १२ से अधिक हो तो १२ का भाग देकर शेष मुंथहा की राशि होगी। मुंथहा जिस राशि में हो उसी राशि में ग्रहों की तरह वर्ष लग्न चक्र में रखनी चाहिये। इस से भी फल विचार किया जाता है।

उदाहरणः—गत वर्ष ४६ जन्म लग्न १।६॥ ४६+१।६ = ४७।६॥४७ यह १२ से अधिक है, अतः १२ से भागने पर शेष ११।६ मुंथहा हुई। अर्थात् मुंथहा मीन राशि पर है। यह वर्षारंभ की मुंथहा होगी। मुंथहा की दैनिक गति

५ कला है तथा मासिक गति २ अंश ३० कला रहती है। अतः मासिक कुंडली के लिये २/३० अंशादि गति प्रति मास में बढ़ाने से प्रति मास की मुंथहा होगी।

ग्रहों का बल विचार

ग्रहों का हर्ष बल, पंचवर्गी बल तथा बृहद्द्वादशवर्गी बल निकाला जाता है। यहाँ पर हर्ष बल तथा पंचवर्गी बल का साधन दिखाया जायगा।

हर्ष बल

नंदत्रिषड्लग्नभवर्क्षपुत्रा व्यया इनाद्धर्षपदं स्वभोच्चे।

त्रिभं त्रिभं लग्नभतः क्रमेण स्त्रीणां नृणां रात्रिदिने च तेषाम्॥

हर्ष बल ५ माना जाता है। अतः जो ग्रह हर्षित होगा उसका ५ बल मिलेगा। हर्षस्थान चार हैं।

प्रथम हर्षस्थान :—वर्ष कुंडली में लग्न से ९ स्थान में सूर्य, ३ में चन्द्र, ६ में मंगल, १ में बुध, ११ में गुरु, ५ में शुक्र तथा १२ में शनि हर्षित होते हैं।

द्वितीय हर्षस्थान :—प्रत्येक ग्रह अपनी राशि तथा उच्च राशि में हर्षित होते हैं।

तृतीय हर्षस्थान :—लग्न से तृतीय (१ से ३) तथा सप्तम से नवम (७ से ९) स्थान में स्त्री ग्रह हर्षित होते हैं। और चतुर्थ से षष्ठ (४ से ६) तथा दशम से द्वादश (१० से १२) स्थान में पुरुष ग्रह हर्षित होते हैं। चन्द्र, बुध, शुक्र तथा शनि स्त्री ग्रह हैं। और सूर्य, मंगल तथा गुरु पुरुष ग्रह हैं।

चतुर्थ हर्षस्थान :—दिन में वर्ष प्रवेश हो तो पुरुष ग्रह तथा रात्रि में वर्ष प्रवेश हो तो स्त्री ग्रह हर्षित होते हैं।

इन चार स्थानों से प्राप्त बल के योग को हर्ष बल कहते हैं।

उदाहरण :—सूर्य वर्ष लग्न से ९ में नहीं है, अतः प्रथम बल नहीं मिला। सूर्य स्वराशि या उच्च राशि में नहीं है, अतः दूसरा बल नहीं मिला। सूर्य ५ में है, अतः तीसरा बल मिला। और रात्रि में वर्ष प्रवेश होने के कारण पुरुष ग्रह सूर्य को बल नहीं मिला। यहाँ सूर्य को चार स्थानों में केवल एक स्थान का ही बल मिला। अतः सूर्य का हर्ष बल ५ हुआ। इस प्रकार अन्य ग्रहों का भी समझना चाहिये। पूर्वोक्त नियमानुसार प्राप्त हर्ष बल नीचे कोष्ठक में दिया जाता है।

अथ हर्षबलम्

र.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	ग्र.
०	०	०	०	०	०	०	१
०	०	०	०	०	०	५	२
५	०	५	०	५	५	५	३
०	५	०	५	०	५	५	४
५	५	५	५	५	१०	१५	यो.

ग्रहमैत्री

ताजिक मैत्री जातक मैत्री से भिन्न होती है। इसमें तात्कालिक परिस्थितवश मित्रामित्र बदलते रहते हैं। अपने से ३।५।९।११ इन स्थानों में रहनेवाला दूसरा ग्रह मित्र होता है। अपने स्थान से २।६।८।१२ इन स्थानों में रहने वाला अन्यग्रह सम तथा १।४।७।१० इन स्थानों में रहने वाला शत्रु होता है।

उदाहरणः—सूर्य से ३ शुक्र है। अतः शुक्र सूर्य का मित्र होगा। सूर्य से ६ में मंगल तथा १२ में गुरु है। अतः मंगल तथा गुरु सूर्य के सम है। और सूर्य के साथ रहने वाला बुध, चतुर्थ शनि तथा सप्तम चंद्र ये सूर्य के शत्रु हैं। इस प्रकार अन्य ग्रहों का भी समझना चाहिए।

मैत्री चक्र

मित्र	सम	शत्रु
३	२	१
५	६	४
९	८	७
११	१२	१०

प्रकृत उदाहरण के अनुसार मित्रामित्र का चक्र

र.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	ग्र.
शु.	श.	श.	शु.	श.	चं. र. बु.	मं. बृ.	मित्र
मं. बृ.	मं. बृ.	चं. र. बु.	मं. बृ.	र. बु. चं.	श.	शु.	सम
बु. श. चं.	र. बु. श.	बृ. शु.	बु. श. चं.	श. मं.	मं. बृ.	र. बु. चं.	शत्रु

पंच वर्गीबल

ग्रह बल, उच्चबल, हद्दाबल, द्रेष्काणबल तथा नवमांशबल के संयोग से पञ्चवर्गी बल बनता है। उसका पृथक् पृथक् साधन किया जाता है।

गृहबल—वर्ष कुण्डली में जो ग्रह अपनी राशि में होगा उसका ३०।० बल मित्र राशि में २२।३० समराशि में १५।० तथा शत्रुराशि में ७।३० बल मिलता है।

पंचवर्गी बल कोष्ठक

	स्व गृह बल	हद्दा बल	द्रेष्काण बल	नवमांश बल
अपने घर में	३०।०	१५।०	१०।०	५।०
मित्र घर में	२२।३०	११।१५	७।३०	३।४५
सम घर में	१५।०	७।३०	५।०	२।३०
शत्रु घर में	७।३०	३।४५	२।३०	१।१५

उदाहरण :—सूर्य वर्ष कुण्डली में चन्द्र के घर में हैं। चन्द्र सूर्य का शत्रु है। अतः शत्रु घर में सूर्य को ७।३० बल मिला।

उच्च बल :—जिस ग्रह का उच्चबल लाना हो उस ग्रह में उसकी नीच राशि तथा अंश घटा देना चाहिए। यदि शेष ६ से अधिक हो तो उसे १२ में घटाकर शेष राशि अंश के अंश बनाकर उसमें ९ का भाग देने से उच्चबल आता है।

ग्रहों का उच्च नीच चक्र

सू.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	
०	१	९	५	३	११	६	उच्च
१०	३	२८	१५	५	२७	२०	
६	७	३	११	९	५	०	नीच
१०	३	२८	१५	५	२७	२०	

उदाहरण :—सूर्य ३।२६।४४।२२ में उसका नीच ६।१० घटाने से शेष ९।१६। ४४।२२ यह हुआ। सूर्य का शेष ६ राशि से अधिक है उसे १२ में घटाने से १२–(९। १६।४४।२२)=२।१३।१५।३८ अंशादि ७३। १५।३८ में ९ का भाग देने से लब्ध ८।८।२४ फल सूर्य का उच्च बल हुआ। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का भी साधना चाहिये।

हद्दाबल :—प्रत्येक राशि के ५ भाग माने गये हैं, परन्तु वे एक समान नहीं है। और वे खंड १२ राशियों के भिन्न हैं। उनका स्पष्टीकरण कोष्टक में किया गया है।

अथात्र हद्दाचक्रमिदम् ।

मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मो.	रा.
६	८	६	७	६	७	६	७	१२	७	७	१२	अं.
बृ.	शु.	बु.	मं.	बृ.	बु.	श.	मं.	बृ.	बु.	शु.	शु.	स्वा.
६	६	६	६	५	१०	८	४	५	७	६	४	अं.
शु.	बु.	शु.	शु.	शु.	शु.	बु.	शु.	शु	बृ.	बु.	बृ.	स्वा.
८	८	५	६	७	४	७	८	४	८	७	३	अं.
बु.	बृ.	बृ.	बु.	श.	.	बृ.	बु.	बु.	शु.	बृ.	बु.	स्वा.
५	५	७	७	६	७	७	५	५	४	५	९	अं.
मं.	श.	मं.	बृ	बु.	मं.	शु	गु.	मं.	श.	मं.	मं.	स्वा.
५	३	६	४	६	२	२	६	४	४	५	२	अं.
श.	मं.	श.	श.	मं.	श.	मं.	श.	श.	मं.	श.	श	स्वा.

कोष्ठक में मेष राशि के पाँच खण्ड ६,६,८,५,५, ये हैं। इनमें पहले खण्ड के ६ अंश का स्वामी गुरु, दूसरे खण्ड के ६ अंश का स्वामी शुक्र, तीसरे खण्ड के ८ अंश का स्वामी बुध, चौथे खण्ड के ५ अंश का स्वामी मंगल तथा छठवें खण्ड के ५ अंश का स्वामी शनि है। इसी प्रकार अन्य राशि के खण्डों के स्वामी समझ लेने चाहिये।

उदाहरण :—सूर्य ३।२६।४४।२२ है। यह कर्क राशि के पाँचवे खण्ड में है। इसका स्वामी शनि है। अतः सूर्य शनि की हद्दा में शत्रु क्षेत्री हुआ। इसका बल ३।४५ यह है। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का भी समझें।

द्रेष्काण बल

आद्याः कुजाद्या रवितोऽपि मध्यमाः।
सिताच्तृतीयाः क्रियतो दृक्काणपाः॥

जन्म के षड्वर्ग के अन्तर्गत द्रेष्काण से यह द्रेष्काण भिन्न है। अर्थात् एक राशि के तीसरे भाग को द्रेष्काण कहते हैं; परन्तु उनके खण्ड स्वामी जन्म के द्रेष्काण से भिन्न होते हैं। यहाँ पर मेषादि १२ राशियों के प्रथम खण्ड (१–१० अंश) के स्वामी मंगल प्रभृति ग्रह होंगे। दूसरे खण्ड (११–२० अंश) के स्वामी रवि प्रभृति ग्रह होंगे। तथा मेषादि राशियों के तीसरे खण्ड (२१-३० अंश) के स्वामी शुक्र प्रभृति ग्रह होंगे। इसका स्पष्टीकरण कोष्ठक में दिया गया है।

द्रेष्काणमिदम्

राशयः	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मो.
प्र. द्रे. स्वा. १–१०	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	र.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.
द्वि. द्रे. स्वा. ११–२०	र.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	र.	चं.	मं.	बु.	बृ.
तृ. द्रे. स्वा. २१–३०	शु.	श.	र.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.	र.	चं.	मं.

सूर्य ३।२६।४४।२२। यह कर्क के तीसरे खण्ड में चन्द्र के द्रेष्काण में पड़ा। चन्द्र सूर्य का शत्रु स्थान है। अतः सूर्य का द्रेष्काणबल २।३० हुआ। द्रेष्काण को ही दृक्काण कहते हैं। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का भी समझना चाहिए।

नवमांशबल :—नवमांश की गणना जन्म की तरह ही होती है। इसके बल का विवेचन कोष्ठक में पहले दिया गया है।

उदाहरण:—सूर्य ३।२६।४४।२२ है। यह कर्क के अन्तिम नवमांश मीन में समक्षेत्र का है। अतः सूर्य का नवमांशबल २।३० प्राप्त हुआ। इसी प्रकार अन्य ग्रहों का भी समझना चाहिये।

प्रकृत उदाहरण के अनुसार पंचवर्गी बल बोधक चक्र दिया जाता है। उससे इस विषय का ज्ञान सरलता से हो जायगा। ५ स्थानों से प्राप्तबल के योग में ४ का भाग देने से विंशोपक बल होता है। उसमें ५ विंशोपकबल से अल्प बलवाला ग्रह हीनवीर्य, ५ से अधिक बलवाला मध्यवीर्य तथा १० से अधिक बलवाला ग्रह बली कहलाता है!

पंचवर्गी बल बोधक चक्र

	सूर्य			चंद्र			मंगल			बुध			गुरु			शुक्र			शनि		
गृहबल	७	३०		७	३०		७	३०		७	३०		१५	०		२२	३०		१५	०	
उच्चबल	८	८	२४	८	१५	४	१४	४८	३४	१३	५१	५८	१९	२	५५	१	४३	८	१६	७	४
हद्दाबल	३	४५		११	५५		३	४५		७	३०		११	५५		१५	०		११	५५	
द्रेष्काणब.	२	३०		५	०		५	०		१०	०		५	०		१०	०		१०	०	
नवांशबल	२	३०		१	१५		२	३०		२	३०		२	३०		१	१५		५	०	
सर्वबल	२४	२३	२४	३३	५५	४	३३	३३	३४	४१	२१	५८	५३	२७	५५	५०	२८	८	६१	२	४
४सेभाजि॰	६	५	५१	८	२८	४६	८	२३	२३	१०	२०	३०	१३	२१	५९	१२	३७	२	१५	१५	४
बल भेद	मध्यबली			मध्यबली			मध्यबली			बली			बली			बली			बली		

दृष्टि साधनः—अपने स्थान से ६।५ स्थान पर प्रत्यक्ष स्नेह देने वाली ४५ कलात्मक दृष्टि रहती है। यह सर्वकार्य को साधने वाली मेलापक दृष्टि कहलाती है। अपनी राशि से ३।११ वी राशि पर गुप्त स्नेह वाली तथा कार्य को सिद्ध करने वाली दृष्टि रहती है। यह दृष्टि ३ री राशि पर ४० कला तथा ११ वीं राशि पर १० कला की रहती है। अपनी राशि से ४।१० वी राशि पर गुप्त शत्रु भाव वाली १५ कला की दृष्टि रहती है। एक दूसरे से सप्तम राशि पर तथा एक साथ रहने वाले ग्रह की पूर्ण ६० कला की प्रत्यक्ष वैर वाली दृष्टि रहती है। ये अन्तिम की तीन दृष्टियां क्षुत् दृष्टियां कहलाती है तथा कार्य का नाश करने वाली एवं कलहादि को उत्पन्न करती हैं। परन्तु दोनों ग्रहों का अन्तर १२ अंश से अल्प रहने पर दृष्टि का फलाफल होता है। अन्यथा कम प्रभाव पड़ता है।

दोनों ग्रहों के राश्यन्तर पर से दृष्टि जानने के लिये चक्र दिया गया है। अपने से ९ वा ५ स्थान पर ४५ कला की दृष्टि रहती है। अपने से ९ वी वा ५ वी राशि का अन्तर ८ वा ४ होगा। अतः ८ तथा ४ राशि के नीचे ४५ कला दृष्टि लिखी गई है। इसी प्रकार अन्य भी दृष्टियाँ समझनी चाहिये।

दृष्टि चक्र

राशि शेष संख्या	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
दृष्टि कला	०	४०	१५	४५	०	६०	०	४५	१५	१०	०	६०

प्रकृत उदाहरण के अनुसार ग्रहों का दृष्टि चक्र

र.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु.	श.
०	०	०	०	०	०	०
४५	४०	१५	४५	१५	६०	०

त्रिराशि पति

त्रिराशिपाः सूर्यसितार्किशुक्रा दिने निशीज्येन्दुबुधक्षमाजाः।
मेषाच्चतुर्णां हरिभाद्विलोमं नित्यं परेज्वार्किकुजेज्यचन्द्राः॥

दिन में वर्ष प्रवेश हो तो मेषादि लग्नों के स्वामी तथा रात्रि में वर्ष प्रवेश हो तो मेषादि लग्नों के स्वामी कोष्ठक में दिये गये हैं।

त्रिराशि पति का कोष्टक

राशि	मे. १	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	मी. १२
दिवा पति	र.	शु.	श.	शु	बृ.	चं.	बु.	मं	श.	मं.	बृ.	चं.
रात्रि पति	बृ.	चं.	बु.	मं.	र.	शु.	श.	शु.	श.	मं.	बृ.	चं.

प्रकृत उदाहरण में वर्ष लग्न १२ है तथा वर्ष प्रवेश रात में हुआ है। अतः त्रिराशिपति चन्द्र हुआ।

इस कोष्ठक में धनु से चार राशियों के त्रिराशि पति समान हैं। मेष राशि का दिन में सूर्य रात्रि में गुरु है। वृषभ राशि का दिन में शुक्र रात्रि में चन्द्र है। इसी प्रकार अन्य राशियों का भी त्रिराशिपति समझना चाहिये।

पंचेश विचार

जन्मलग्नपतिरब्दलग्नपो मुंथहाधिप इतस्त्रिराशिपः।
सूर्यराशिपतिरह्नि चन्द्रभाधीश्वरो निशि विमृश्य पञ्चकम्॥

पंचाधिकारी पाँच होते हैं। जन्म लग्न स्वामी, वर्ष लग्न स्वामी मुंथहा स्वामी, त्रिराशिपति, दिन में जन्म हो तो सूर्य जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी, और रात्रि में जन्म हो तो चन्द्र जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी। ये पांच ग्रह पंचाधिकारी माने जाते हैं।

प्रकृत उदाहरण में जन्म लग्न पति शुक्र, वर्ष लग्न पति गुरु, मुंथहाधिपति गुरु, त्रिराशिपति पूर्वसाधित चन्द्र, रात्रि में वर्ष प्रवेश है, अतः चन्द्र राशि पति शनि ये पांच पंचाधिकारी।

प्रकृत उदाहरण के अनुसार पंचाधिकारी

जन्म लग्न पति	वर्ष ल: पति	मुंथेश	त्रिराशि पति	राशिपति
शुक्र	गुरु	गुरु	चन्द्र	शनि

वर्षेश निर्णय

बलीय एषां तनुमीक्षमाणस्स वर्षपो लग्नमनीक्षमाणः।
नैवाब्दपो दृष्ट्यतिरेकतः स्याद्बलस्य साम्ये विदुरेवमार्याः॥
दृगादिसाम्येऽप्यथ निर्बलत्वे वर्षाधिपः स्यान्मुथहेश्वरस्तु।
पंचापि नो चेत्तनुमीक्षमाणा वीर्याधिकोऽब्दस्य विभुर्विचिन्त्यः॥

उपरोक्त पंचाधिकारियों में जो सब से अधिक बलवान् होकर लग्न को देखता हो वह वर्षेश कहलाता है। यदि बली होने पर भी लग्न को न देखता हो तो वर्षेश नहीं होगा। समान बली ग्रहों में जो लग्न को अधिक दृष्टि से देखता हो वह वर्षेश होगा। लग्न को देखने वाले ग्रहों का बल अल्प हो तो मुंथेश (मुंथा की राशि का स्वामी) वर्षेश होगा। यदि पंचाधिकारी में कोई भी ग्रह लग्न को न देखता हो तो जो ग्रह सब से बली होगा वही वर्षेश माना जायगा।

वर्षेश निर्णय में दूसरा मतः—बल की समता रहने पर दिन में रविराशिपति तथा रात्रि में चन्द्र राशिपति वर्षेश किसी के मत से होते हैं। अथवा पूर्वोक्त नियमानुसार यदि चन्द्र वर्षेश हुआ और वह पंचाधिकारियों में से किसी से इत्थशाल करता हो तो जिससे इत्थशाल किया हो वह वर्षेश होगा। यदि इत्थशाल नहीं करता हो तो चन्द्र राशि स्वामी वर्षेश होगा।

प्रकृत उदाहरण में पंचाधिकारियों में शनि विशेष बलवान् है, परन्तु उस की दृष्टि लग्न पर नहीं है। अतः वर्षेश नहीं होगा। तदनन्तर गुरु बलवान् है, अतः गुरु वर्षेश होगा।

दीप्तांश विचार

सूर्यादि ग्रह अपने से नियत अंश के अन्दर रहने वाले ग्रह को अपना तेज देते हैं। इसी को दीप्तांश कहते है। जैसे सूर्य अपने से अधिष्ठित अंश से आगे १५ अंश के भीतर रहने वाले ग्रह को अपना तेज देता है। वैसे अन्य ग्रह भी। इसका स्पष्टीकरण कोष्ठक में दिया गया है।

दीप्तांश चक्र

र.	चं.	मं.	बु.	बृ.	शु	श.	ग्रह
१५	१२	८	७	९	७	९	दीप्तांश

इत्थशाल योग

शीघ्रगति ग्रह से मन्दगति ग्रह आगे हो, दोनों के अंशान्तर १२ से कम या दीप्तांश के अन्दर हो और परस्पर देखते हों तो इत्थशाल योग होता है। यह एक राशि में स्थित दोनों से अथवा भिन्न राशि स्थित ग्रहों से भी होता है। केवल उपर निर्दिष्ट स्थिति रहनी चाहिये। इत्थशाल को ही मुथशिल योग कहते हैं। यह शुभ है।

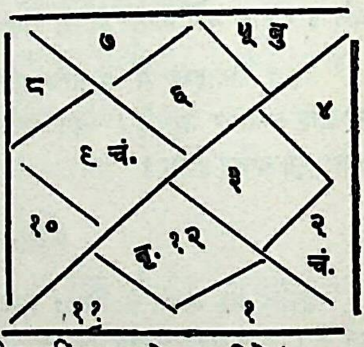
मूसरिफ योग

इत्थशाल योग की विपरीत स्थिति को मूसरिफ योग कहते हैं। अर्थात् मन्दगति ग्रह से शीघ्रगति ग्रह आगे हो तथा अन्य स्थिति सब इत्थशाल की हो तो मूसरिफ योग होता है। यह अशुभ है। इसी को ईशराफ भी कहते हैं।

नक्त योग

यदि लग्नाधीश तथा कार्याधीश में दृष्टि संबंध न हो। ऐसी दशा में कोई अन्य शीघ्रगति ग्रह लग्नाधीश तथा कार्याधीश से दृष्टि संबंध करता हो तो वह शीघ्रगतिग्रह अल्पांश वाले का तेज अधिकांश वाले को देता है। इस तरह अन्य ग्रह द्वारा संबंध कराने पर नक्त योग बनता है।

नक्त योग के स्पष्टीकरण के लिये उदाहरण।



स्त्री लाभ का प्रश्न है। लग्नेश बुध तथा सप्तमेश गुरु का दृष्टि संबंध नहीं है। परन्तु चन्द्र से दोनों का दृष्टि संबंध है। अतः चन्द्र द्वारा लग्नाधीश कार्याधीश का संबंध होने से नक्त योग हुआ। अतः स्त्री की प्राप्ति अन्य द्वारा होगी। चन्द्र ८।८ वा १।८ बुध ४।२० गुरु ११।१२ इस योग में दीप्तांश का ध्यान रखना चहिये। तथा अन्य ग्रह लग्नाधीश से शीघ्र गति वाला होना चाहिये।

सहम विचार

पृच्छक (प्रश्नकर्ता) अपने जीवन के संबंध में अनेक प्रकार के प्रश्न करते हैं उनका उत्तर देने में विचार करना पड़ता है। अतः शास्त्रकारों ने ऐसे विचित्र प्रश्नों का उत्तर सरलता तथा उपयुक्त रीति से देने के लिये एक नया मार्ग प्रशस्त कर दिया है। जिससे बिना किसी संशय के प्रश्नकर्ता के प्रश्न का समुचित उत्तर मिल जाता है। वह है सहम। इसी मार्ग का पाश्चात्यों

ने भी कुछ अंशों में अनुसरण किया है। उन्होंने भाग्य नामक (The star of fortune) एक अन्य ग्रह का साधन कर फल विचार किया है। यह हमारे यहाँ पुण्य सहम से प्रसिद्ध है। सहम संख्या के विषय में हमारे यहाँ अनेक मत हैं। किसी के मत से ३२ वा ३६ है। यवनाचार्य के मत से ५०, समरसिंह के मत से ४८ तथा अन्य आचार्य इससे भी अधिक मानते हैं। अस्तु। यहाँ पर कुछ उपयोगी सहमों का साधन प्रकार दिया जाता है।

पुण्य सहम—दिन में वर्ष प्रवेश हो तो स्पष्ट चन्द्र में स्पष्ट सूर्य को को घटाकर उसमें स्पष्ट लग्न जोड़ने से राश्यात्मक पुण्य सहम होगा।

जिसमें घटाया जाता है वह वियोज्य तथा जिसको घटाया जाता है वह वियोजक कहलाता है। यदि लग्न वियोजक की राशि से वियोज्य की राशि के अन्तर्गत आ पड़े तो एक अंक को वियोज्य वियोजक के अन्तर में नहीं जोड़ना चाहिये। यदि न पड़े तो अन्तर में एक अंक जोड़ना चाहिये। यही प्रकार सर्वत्र अन्तर में जोड़ने के विषय में समझना चाहिये।

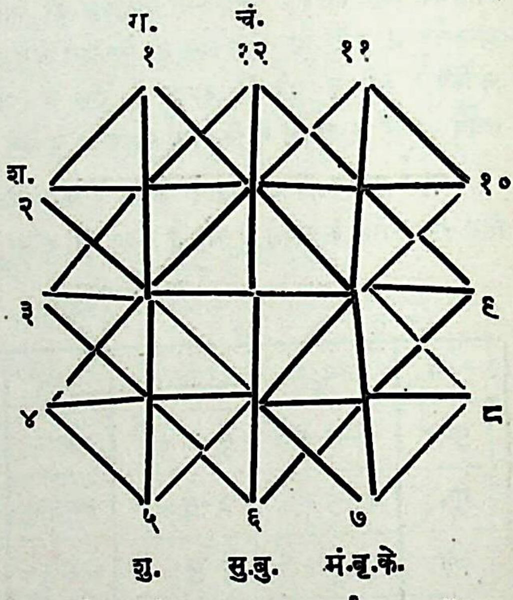
सहम साधन की सरलता के लिये कोष्टक दिया जाता है। सहम साधन में दिन तथा रात्रि के संबंध से भेद है। वह भी अलग २ दिया गया है।

सहम कोष्टक

सहम	दिन में	रात्रि में	सहम	दिन में	रात्रि में
पुण्य	चं–सु + ल	सू–चं + ल	संतान	गु–बु + ल	बु–गु + ल
गुरु	सू–चं + ल	चं–सू + ल	व्यापार	मं–बु + ल	मं–बु + ल
यश	गु–पु + ल	पु–गु + ल	शत्रु	मं–श + ल	श–मं + ल
भ्राता	गु–श + ल	गु–श + ल	बन्धन	पु–श + ल	श–पु + ल
विवाह	शु–श + ल	शु–श + ल	गौरव	गु–चं + सू	गु–चं + सू
कार्य.सि.	श–सू+सू.प	श–चं+चं.प	तात	श–सू + ल	सू–श + ल
माता.जल	चं–शु + ल	शु–चं + ल	धन	द्वि–द्विप.+ल	द्वि–द्विप.+ल
पुत्र	गु–चं + ल	गु–चं + ल	अन्य स्त्री	शु–सू + ल	शु–सू + ल
विदेश	धर्म–ध प+ल	धर्म–ध प+ल	मृत्यु	अष्टम–चं+श	अष्टम–चं+श

उदाहरणः—वर्ष प्रवेश रात्रि में हैं। अतः रात्रि में पुण्य सहम साधन करने के लिए सू–चं + ल करना चाहिये। तदनुसार (३।२६।४४।२२)–(६।-१७।१५।३९)+ (११।२२।३३।५७) = ६।६।२८।४३ + ११।२२।३३।५७ = ६।२।२।४० यहाँ चन्द्र से सूर्य तक के अन्तर में लग्न पड़ता है। अतः एक अंक नहीं जोड़ा जायगा। इसलिये पुण्य सहम ६।२।२।४० राश्यादि हुआ। इसी प्रकार अन्य सहम का भी साधन करना चाहिए। सहम की जो राशि हो उसी राशि में सहम वर्ष कुण्डली में ग्रह की तरह रख कर फलाफल विचार किया जाता है।

त्रिपताकि चक्र



अभीष्ट वर्ष में शारीरिक अरिष्ट जानने के लिए इस चक्र की कल्पना की गई है। इस चक्र की रचना इस प्रकार की जाती है। खड़ी तथा तिरछी तीन २ रेखाएँ खींचकर खड़ी तथा तिरछी रेखाओं के अग्र को मिलाने वाली अन्य रेखा खींचने से निर्दिष्ट चक्र बनता है। इसमें मध्य रेखा के ऊर्ध्व भाग पर वर्ष लग्न को रखकर अन्य रेखाओं के अग्र पर अन्य राशियों को क्रम से रखनी चाहिये। तदनन्तर गतवर्ष संख्या में एक जोड़कर ९ से भागने पर शेष राशि तुल्य स्थान अपनी राशि से जन्म के चन्द्र को आगे बढ़ा कर त्रिपताकि चक्र में रखना चाहिये। इसी प्रकार एकाधिक गत वर्ष संख्या में ४ का भाग देने से शेष संख्यातुल्य स्थान अपनी राशि (जन्म कुण्डली में जिस राशि में जो ग्रह है उस राशि) से जन्म के ग्रह आगे बढ़ा कर त्रिपताकि चक्र में रखने चाहिये। इस प्रकार जन्म के ग्रह इस चक्र में रखने से त्रिपताकि चक्र बनता है। राहु केतु को आगे न बढ़ाकर पीछे हटाना चाहिये।

उदाहरणः—गत वर्ष ४६ में एक मिलाया तब ४७ हुये। उसमें ९ का भाग देने पर शेष २ प्राप्त हुआ। जन्म कुण्डली में चन्द्र ११ पर है उसे

अपने स्थान से २ स्थान आगे बढ़ाया तब १२ का चन्द्र हुआ। और ४७ को ४ से भागने पर शेष ३ रहा। चन्द्र को छोड़ ओर ग्रहों को ३ स्थान आगे बढ़ाने से जन्म के ४ राशि के सूर्य बुध ६ राशि में ३ राशि का शुक्र ५ राशि में, ३ राशि का राहु १ राशि में,५ राशि के मंगल गुरु ७ राशि में, १२ राशि का शनि २ राशि में तथा ९ राशि का केतु ७ राशि में त्रिपताकि चक्र मं रखने चाहिये।

त्रिपताकि चक्र का उपयोग—इस चक्र में चन्द्र जिन रेखाओं के अग्र में है उन रेखाओं के दूसरे अग्र में रहने वाले ग्रह से उसका वेध होता है। यहाँ पर चन्द्र का वेध सूर्य, बुध से हो रहा है। वेध कर्ता शुभाशुभ ग्रहों के अनुसार फल का विचार किया गया है।

मुद्दादशा

जन्म की तरह वर्ष में भी दशा का विचार किया जाता है। यह वार्षिकी दशा वर्ष में ही समाप्त हो जाती है। इसको मुद्दादशा कहते है। इसका साधन इस प्रकार करना चाहिये। जन्म की अश्विन्यादि से गत संख्या को गत वर्ष में जोड़ कर तथा दो घटाकर ९ से भागने पर शेष संख्यक दशा आ, चं, कु, रा, जी, श, बु, के, शु, (सूर्य. चन्द्र, मंगल, राहु, गुरु शनि, बुध, केतु, शुक्र) के क्रम से समझनी चाहिये। और उसके गत गम्य काल का साधन वर्षारंभ कालिक भयात भभोग पर से करना चाहिये तदनन्तर जन्म की विंशोत्तरी दशा की तरह इसका भी संकलन करना चाहिये। मुद्दादशा के सूर्य प्रभृति ग्रहों के मासादि का कोष्ठक दिया जाता है। उससे उनका भोग काल स्पष्ट हो जायगा।

मुद्दादशा चक्र

र.	चं.	मं.	रा.	बृ.	श.	बु.	के.	शु.	ग्र.
०	१	०	१	१	१	१	०	२	मा.
१८	०	२१	२४	१८	२७	२१	२१	०	दि.

उदाहरण:—गतवर्ष ४६। जन्म नक्षत्र धनिष्ठा अश्विनी से २३ वा है। ४६ + २३ = ६९। ६९−२ = ६७ ॥ ६७ में ९ का भाग देने पर शेष ४ हैं। सूर्य से चौथी दशा राहु की है। अतः वर्षारम्भ में प्रथम राहु की दशा रहेगी।

दशा का भुक्त भोग्य काल साधनः—वर्ष प्रवेश कालिक श्रवण नक्षत्र का भयात घ. ३५।४७ भभोग घ. ६०।८ भयात के पल २१४७ को दशा के दिन ५४ से गुणने पर ११५९३८ में भभोग के पल ३६०८ का भाग देने से लब्ध दिनादि ३२।८ अर्थात् मासादि १।२।८ राहु का भुक्त हुआ। इसको मासादि १।२४ में घटाने से ०।२१।५२ मासादि राहु का भोग्य हुआ।

प्राचीन लोग मुद्दादशा का भुक्त भोग्य नहीं लाते हैं। परन्तु यह प्रकार स्थूल माना जायगा। सूक्ष्म के लिये पूर्वोक्त प्रकार से मुद्दादशा का भुक्त भोग्य लाना चाहिये। वास्तव में यह भी स्थूल हैं। क्योंकि एक वर्ष के दिनादि ३६५। १५।३१ इत्यादि होते हैं। परन्तु मुद्दादशा में एक वर्ष ३६० दिन का मान कर दशा का साधन किया जाता है। अतः सूक्ष्मार्थी सूक्ष्म मार्ग का अनुसरण करे।

मुद्दादशा का संकलन

रा. भो.	गु.	श.	बु.	के.	शु.	सू.	चं.	मं.	रा. भु.	
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	व.
०	१	१	१	०	२	०	१	०	१	मा.
२१	१८	२७	२१	२१	०	१८	०	२१	२	दि.
५२	०	०	०	०	०	०	०	०	८	घ.

२०११	—	—	—	—	—	२०११	—	—	—	२०११
३	४	६	८	९	१०	०	१	२	२	३
२६	१८	६	३	२४	२५	१५	३	३	२४	२६
४४	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३६	४४
२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२

पात्ययिनी दशा

यह दशा मुद्दादशा से सूक्ष्म तथा फलादेश के लिये विशेष महत्व की है। इसका साधन भी कुछ कठिन है। इसमें सूर्यादि सात ग्रह तथा लग्न की दशा रहती है। इसके साधन के लिये सर्व प्रथम कम अंश (राशि छोड़ कर केवल

अंश) तदनन्तर उत्तरोत्तर अधिक अंश वाले ग्रह को रखना चाहिए। इस क्रम को हीनांश कहते हैं। और प्रथम अंशादि के नीचे वर्तमान कोष्टक के उन्हीं अंशादि को रखना चाहिए। उसके बाद पहले के अंशादि को दूसरे के अंशादि में घटा कर शेष को दूसरे के नीचे रखना चाहिए। दूसरे के अंशादि तीसरे के अंशादि में घटाकर शेष अंशादि को तीसरे के नीचे रखना चाहिए। इस प्रकार अन्त तक करना चाहिए। इसे पात्यंश कहते हैं। इन सब का योग अन्तिम हीनांश के बराबर होगा। यदि नहीं होता तो गणित अशुद्ध माना जाता है। अन्तिम हीनांश की विकला से वर्ष के दिनादि ३६५।१५।३१।३० की विकला ७८८९५८९० में भाग देना चाहिए। फल घट्यात्मक होगा उसके दिनादि बनाकर उससे प्रत्येक ग्रह के पात्यंश को गुणने से तत्तद् ग्रहों के दशा दिनादि होगें।

पात्यायिनी दशा

मं.	शु.	श.	चं.	बु.	ल.	बृ.	र.	ग्र.
११	११	१२	१७	१६	२२	२६	२६	हीनांशाः
१७	३१	९	१५	४७	३३	२६	४४	
१०	४३	५२	३९	४४	५७	१५	२२	
११	०	०	५	२	२	३	०	पात्यंशाः
१७	१४	३८	५	३२	४६	५२	१८	
१०	३३	९	४७	५	१३	१८	७	
१५४	३	८	६९	३४	३७	५२	४	दि.
१४	१८	४१	३९	३८	५१	५४	७	घ.
३६	५१	२३	२	२८	३७	४६	३५	प.
४०	०	०	२०	२०	४०	०	४०	वि.
ता. १४-१-५५ घ. ५४।०।४०	ता. १८-१-५५ घ. १२।५१।४०	ता. २६-१-५५ घ. ५४।१४।४०	ता. ६-४-५५ घ. ३३।१७।०	ता. ११-५-५५ घ. ११।४५।२०	ता. १८-६-५५ घ. ३।२३।०	ता. ९-८-५५ घ. ५८।९।०	ता. १४-८-५५ घ. ५।४४।४०	तारीख घटी, पल, विपल

उदाहरणः—सूर्यादि स्पष्ट ग्रह तथा लग्न में सब से अल्प को प्रथम रख कर तदनन्तर उत्तरोत्तर अधिक अंशों का विन्यास किया जाता है। सबसे अल्पांश मंगल है। उसके बाद उससे उत्तरोत्तर अधिक अंश वाले ग्रहों का क्रम दशा कोष्टक में दिया है। ये हीनांश हुए। हीनांश दशा कोष्टक के प्रथम खण्ड में रक्खे हैं। दूसरे खण्डमें पात्यंश मंगल के नीचे मंगल के हीनांश रक्खे। शुक्र के नीचे मंगल के हीनांश ११।१७।१० को शुक्र के हीनांश ११।३१।४३ में घटा कर शेष ०।१४।३३ रक्खा। इस तरह आगे भी सब

पात्यंशों का योग अन्तिम सूर्य के हीनांश २६।४४।२२। के बराबर है। इसकी विकला ९६२६२ हुई। इनका वर्ष के दिनादि के विपल ७८८९५८९० में भाग देने लब्ध फल ८२० षष्ठ्यात्मक हुआ। इसके दिनादि १३।४० (यहाँ गणित की सरलता के लिए भाग में घटी लेकर आगे भाग नहीं दिया गया है। सूक्ष्मार्थी पलात्मक भी अवयव ला सकता है) हुआ। इससे प्रत्येक के पात्यंश को गुणने से उस उस ग्रह के दशा दिनादि होंगे। यथा—

$$
\begin{array}{r}
११ \mid १७ \mid १० \\
\times \quad १३ \mid ४० \\
\hline
१४३ \mid २२१ \mid १३० \\
\mid ४४० \mid ६८० \mid ४०० \\
\hline
१४३ \mid ६६१ \mid ८१० \mid ४००
\end{array}
$$

इसमें ६० से भाग देकर उपर चढ़ाने से दिनादि १५४।१४।३६।४० इस प्रकार अन्य ग्रहों की भी दशा दिनादि गणित द्वारा लानी चाहिए। दशा जोड़ने में तारीख का हिसाब अनुकूल रहेगा। क्योंकि एक वर्ष में तारीख से भी उतने ही करीब दिन होते हैं और सूर्य से ३६० ही दिन होंगे। अतः तारीख के अनुसार जोड़ा जाता है।

तारीख के हिसाब से जोड़ने में प्रत्येक महीने की तारीख संख्या ध्यान में रखनी चाहिए। महीनों की तारीख समान नहीं रहती। जनवरी, मार्च, मई जुलै, अगस्त, अक्तूबर, दिसम्बर ३१ दिन के एप्रिल, जून, सितंबर; नवंबर ३० दिन के फरवरी २८ दिन की रहती है। इसका विशेष विवरण प्रथम भाग मे दिया गया है। वर्षारंभ की तारीख १३-८-१९५४ तथा इष्ट घटी ३९।२४ में मंगल की दशा के दिन घटी पलादि जोड़कर दिन संख्या में मासारंभ के मास की पहली तारीख से जितने मास घट सके घटाकर शेष तारीख अशुद्ध मास (जो मास पूरा नहीं घटा है वह) की होगी। अर्थात् उस तारीख दिन मंगल की दशा उतर कर शुक्र की दशा प्रारंभ योग से आई हुई घटी पल पर होगा। जैसे वर्षारंभ की तारीख तथा घट्यादि=

ता० १३–८–५४ घ. ३९ २४
+१५४ +घ. १४।३६।४०
ता० १६७ घ. ५४।०।४०

१६७ में वर्षारंभ मास अगस्त से दिसम्बर तक की तारीख १५३ घटाने से शेष १४ जनवरी की तारीख हुई। अर्थात् ता० १४–१–५५ के दिन घ. ५४ प. ० वि. ४० पर मंगल की दशा उतर कर शुक्र की दशा का प्रारंभ हुआ। इसमें शुक्र के दशा दिनादि जोड़ने से शुक्र दशा की समाप्ति की तारीख आयेगी। यथा

ता. १४—१—५५ । घ. ५४ । ० । ४०
+ ३ +घ. १८ । ५१ । ०
ता. १७—१—५५ घ. ७२ । ५१ । ४०

यहाँ घटी ७२ है। इनमें ६० का भाग देकर लब्धि १ को तारीख १७ में मिलाने से ता. १८–१–५५। घ. १२।५१।४० तक शुक्र रहेगा। उसके बाद इसी तरह दशादिनादि मिलाने से प्रत्येक की समाप्ति की तारीख आती जायगी।

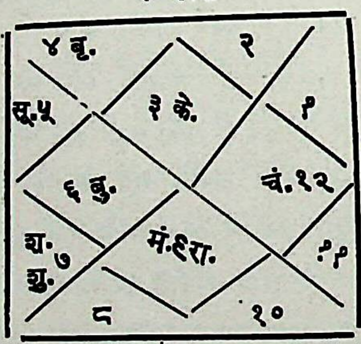
मास प्रवेश

एक वर्ष में १२ मास के प्रवेश कालीन १२ कुंडलीयाँ बनती है। उन पर से तत्तत् मास के फल विचार किया जाता है। उनमें प्रथम मास की कुंडली वर्षारंभ की ही कुण्डली रहती है। इसके बाद द्वितीयादि मास की कुण्डली साधन के लिये वर्षारंभ कालीन सूर्य में एक २ राशि बढ़ा कर उसे मासारंभ कालिक सूर्य समझना चाहिये। मासारंभ कालीक सूर्य के अंश पंचांगस्थ सूर्य के अंश के समान जिस दिन रहेगें उसदिन उस मास का प्रारंभ होगा। पंचांगस्थ प्रातः कालीन सूर्य की कला मासारंभ कालीन सूर्य की कला से अल्प हो तों उस दिन सूर्योदय के बाद मास प्रवेश होगा। यदि अधिक हो तो सूर्योदय के पहले मासारंभ होगा। इन दोनों सूर्यों की अन्तर विकला को ६० से गुण कर दैनिक सूर्य गति की विकला का भाग देने से घट्यात्मक फल आयेगा। यह फल इष्ट घटी होगी। मासारंभ कालिक सूर्य पंचांगस्थ सूर्य से अधिक है तब तो यही इष्ट रहेगा। यदि अल्प है तो इस इष्ट को ६० में घटा

कर शेष को पिछले दिन का इष्ट मानना चाहिये नूतन साधित इष्ट तथा मासारंभ कालिक सूर्य पर से लग्न सारिणी द्वारा साधित लग्न मास प्रवेश लग्न होगा। उसकी कुण्डली में उस दिन के ग्रहों का विन्यास करने पर मासप्रवेश की कुण्डली बनती है।

उदाहरणः—वर्ष प्रवेश कालिक सूर्य ३।२६।४४।२२ इसमें १ राशि मिलाने से द्वितीय मासारंभ कालिक सूर्य ४।२६।४४।२२। पंचांग में आश्विन कृष्ण प्रतिपदा के दिन प्रातः कालिक स्पष्ट सूर्य ४।२६।१।४ दोनों सूर्यों का अन्तर ४३।१८ कलात्मक हुआ। इसकी २५९८ विकला को ६० से गुणने पर गुणन फल १५५८८० में स्पष्ट गति ५८।२० की विकला ३५०० का भाग देने से घट्यात्मक फल ४४।३२ इष्ट घटी हुई। मासारंभ कालिक सूर्य प्रातः कालिक सूर्य से अधिक है। अतः लब्ध घटी ही इष्ट घटी हुई। इस इष्ट ४४।३२ तथा मासारंभ कालिक सूर्य ४।२६।४४।२२ पर से अहमदाबाद की लग्न सारिणी द्वारा लग्न २।३ मास प्रवेश का हुआ। तदनुसार मास प्रवेश कुण्डली इस प्रकार की होगी। इसी तरह अन्य मासों की कुण्डली बनानी चाहिये।

२ मास



दिन प्रवेश

मासारंभ की तरह दिन प्रवेश भी निकाला जाता है। सूर्य में एक २ अंश मिला कर मासारंभ की तरह गणित करने पर दिनारंभ की कुण्डली बनेगी।

॥ शम् ॥

❀ श्रीः ❀

पुराणमित्येव न साधु सर्वम् ।
न चापि साध्यं नवमित्यवद्यम् ।।

भारतीय कुण्डली विज्ञान

भाग ४

निरयन दशम लग्न सारिणी (अयनांश २३॥) उपकरण सांपातिककाल

अंश		०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
० मेष	घं.	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२
	मि.	२६	३०	३४	३८	४२	४५	४९	५३	५७	१	५	८	१२	१६	२०
	से.	५१	४२	३३	२०	७	५५	४४	३३	२२	१४	१	५६	४८	११	३४
१ वृषभ	घं.	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४
	मि.	२४	२८	३२	३६	४०	४५	४९	५३	५७	१	५	१०	१४	१८	२२
	से.	२७	३२	३८	४७	५४	२	११	२१	३२	४३	५३	७	२७	३४	४८
२ मिथुन	घं.	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६
	मि.	३१	३६	४०	४४	४९	५३	५७	२	६	१०	१५	१९	२३	२८	३२
	से.	४१	२	२३	४५	६	२७	९	११	३२	५४	१५	३६	५८	१९	४०
३ कर्क	घं.	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८
	मि.	४१	४५	४९	५४	५८	२	६	१०	१४	१९	२३	२७	३१	३५	३९
	से.	२५	३१	५२	६	१७	२८	३८	४९	५८	६	१४	२१	२८	३५	३८
४ सिंह	घं.	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०
	मि.	४३	४७	५१	५४	५८	२	६	१०	१४	१७	२१	२५	२९	३३	३६
	से.	१९	१२	४	५६	४७	३७	२७	१६	५	५३	४१	२८	१५	१	४६
५ कन्या	घं.	११	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१	१२	१२
	मि.	३६	३९	४३	४७	५०	५४	५८	१	५	९	१२	१६	२०	२३	२७
	से.	८	४८	२९	४	४९	३०	१०	५०	३०	१०	५१	३१	११	५२	३३

अंश		१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	घं.	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३
	मि.	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०
	से.	२९	२४	२०	१६	१२	१०	८	८	८	८	९	११	१४	१७	२२
१ वृषभ	घं.	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५
	मि.	२७	३१	३५	३९	४४	४८	५२	५७	१	५	९	१४	१८	२२	२७
	से.	३	१९	३५	५१	८	२५	४४	१	१९	४०	५९	१९	३९	५९	२०
२ मिथुन	घं.	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७
	मि.	३७	४१	४५	५०	५४	५७	२	७	११	१५	२०	२४	२८	३२	३७
	से.	१	२१	४१	१	२१	४०	५९	१७	३६	५३	१०	२५	४१	५७	१२
३ कर्क	घं.	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९
	मि.	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	११	१४	१९	२३	२७	३१	३५	३९
	से.	४२	४६	५०	५०	५१	५२	५२	५१	५१	४८	४४	४०	३६	३१	२६
४ सिंह	घं.	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	११	११	११
	मि.	४०	४४	४८	५१	५५	५९	२	६	१०	१४	१७	२१	२५	२८	३२
	से.	३१	१६	१	४४	२८	११	१४	३६	१८	०	४२	२४	१	४६	२८
५ कन्या	घं.	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३
	मि.	३१	३४	३८	४२	४५	४९	५३	५७	०	४	८	१२	१५	१९	२३
	से.	१४	५५	३६	१७	५९	४१	२३	५	४९	३२	१६	०	४६	३२	१३

निरयन दशम लग्न सारिणी (अयनांश २३॥) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
६ तुला	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	घं.
	२७	३०	३४	३८	४२	४५	४९	५३	५७	१	५	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	मि.
	०	४५	३३	२०	७	५५	४४	३३	२२	१३	५	५६	४८	४०	३४	२८	२४	२०	१६	१२	१०	८	७	८	८	९	११	१४	१८	२२	से.
७ वृश्चिक	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	२६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	घं.
	२४	२८	३२	३६	४०	४५	४९	५३	५७	१	५	१०	१४	१८	२२	७	३१	३५	३९	४४	४८	५२	५७	१	५	९	१४	१८	२२	२७	मि.
	२७	३२	३८	४५	५३	२	११	२२	३२	४२	५५	७	२०	३४	४८	३	१९	३५	५१	८	२५	४३	१	२१	४०	५९	१८	३९	५९	२०	से.
८ धन	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	घं.
	३१	३६	४०	४४	४९	५३	५७	२	६	९	१५	१९	२३	२८	३२	३७	४१	४५	५०	५४	५८	२	७	११	१५	२०	२४	२८	३२	३७	मि.
	४१	२	२३	४५	६	२७	४९	११	३२	५४	१५	३६	५८	१९	४०	०	२१	४१	१	२१	४०	५९	१७	३५	५२	९	२५	४२	५७	१२	से.
९ मकर	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	घं.
	४१	४५	४९	५४	५८	२	६	१०	१४	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५८	३	७	११	१५	१९	२२	२७	३१	३५	३९	मि.
	२४	३८	५१	३	१६	२८	३८	४८	५८	६	१४	२१	२८	३५	३८	४२	४६	४३	४०	५१	५२	५२	५१	४८	४७	४४	४०	३५	३१	२६	से.
१० कुम्भ	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	घं.
	४३	४७	५१	५४	५८	२	६	१०	१४	१८	२१	२५	२९	३३	३६	४०	४४	४८	५१	५५	५९	१	६	१०	१४	१७	२१	२५	२८	३२	मि.
	१८	२२	४	२६	४७	३६	२७	१५	५	५३	४१	२८	१५	६	५७	३२	१६	०	४४	२८	११	५४	३७	१९	१	४२	२४	५	४६	२८	से.
११ मीन	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	घं.
	३६	३९	४३	४७	५०	५४	५८	१	५	९	१२	१६	२०	२४	२९	३१	३४	३८	४२	४६	५०	५३	५७	०	४	८	१२	१५	१९	२३	मि.
	८	४८	२९	९	४९	३०	१०	५०	३०	१०	५१	३१	११	५२	३३	१४	५५	३६	१७	०	४१	२३	९	४९	३०	१६	०	४४	२८	१३	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश १९ (अयनांश ३।।) उपकरण सांपातिककाल

अंश		०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	घं.	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०
	मि.	१४	१७	२०	२४	२७	३०	३३	३६	४०	४३	४७	५०	५४	५७	०	४	७	११	१४	१८	२१	२५	२८	३२	३५	३९	४३	४६	५०	५४
	से.	१८	३३	४८	४	२१	३८	५६	१६	३६	५६	१७	३९	२	२७	५१	१७	४४	१२	४०	९	३९	१२	४४	१८	५३	२६	६	४५	२३	३
१ वृषभ	घं.	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२
	मि.	५७	१	५	८	१२	१६	२०	२४	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	११	१५	१९	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४९	५३
	से.	४५	२७	११	५६	४२	३०	१९	९	५९	५२	४५	३९	३६	३०	३१	३०	३१	३३	३६	४०	४५	५२	७	८	१७	२८	४०	५२	५	२०
२ मिथुन	घं.	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१
	मि.	५७	१	६	१०	१४	१९	२३	२७	३२	३६	४०	४५	४९	५४	५८	३	७	१२	१६	२०	२५	२९	३४	३८	४३	४७	५२	५६	१	५
	से.	३६	५२	९	२८	४७	२०	२८	५०	१२	३६	५९	२३	४८	१४	४०	७	३३	१	२९	५६	२५	५५	२४	५४	२३	५३	२२	५३	२४	५४
३ कर्क	घं.	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३
	मि.	१०	१४	१९	२३	२८	३२	३७	४१	४६	५०	५५	५९	४	८	१३	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४४	४८	५२	५७	२	६	१०	१५	१९
	से.	२४	५५	२५	५५	२५	५४	२६	५३	२४	५३	२२	५१	२०	५०	२०	४७	१५	४४	१०	३६	३	२८	५४	४९	४४	८	३१	५५	१९	४२
४ सिंह	घं.	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५
	मि.	२४	२८	३२	३७	४१	४५	५०	५४	५८	३	७	११	१६	२०	२४	२८	३३	३७	४१	४५	५०	५४	५८	२	७	११	१५	१९	२४	२८
	से.	५	२६	४७	८	२९	५०	१०	२७	४४	७	२६	४४	२	१९	३६	५३	१०	२६	४२	५७	१३	२८	४३	५७	११	२५	३९	५३	१०	२०
५ कन्या	घं.	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७
	मि.	३२	३६	४१	४५	४९	५३	५७	२	६	१०	१४	१८	२३	२७	३१	३५	४०	४४	४८	५२	५७	१	५	९	१४	१८	२२	२६	३१	३५
	से.	३४	४७	१	१४	२७	४०	५३	६	१९	३२	४६	५९	१२	२५	३९	५२	६	२०	३४	४८	२	१७	३२	४७	३	१८	३३	४८	७	२३

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश १९ (अयनांश २३॥) उपकरण सांपातिककाल

अंश		०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
६ तुला	घं.	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९
	मि.	३९	४३	४८	५२	५६	१	५	९	१४	१८	२२	२७	३१	३५	४०	४४	४९	५३	५७	२	६	११	१५	१९	२४	२८	३३	३७	४२	४६
	से.	४०	५८	१६	३४	५२	१२	३१	५०	१०	३०	५१	१२	३३	५४	१९	४१	४	२७	५२	१६	४१	६	३१	५६	२४	५१	१८	४५	१३	४१
७ वृश्चिक	घं.	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	१२
	मि.	५१	५५	०	४	९	१३	१८	२२	२७	३१	३६	४०	४५	४९	५४	५८	३	७	१२	१६	२१	२५	३०	३४	३९	४३	४७	५२	५६	१
	से.	९	३७	६	३५	४	३४	३	३३	३	३३	३	३४	४	३४	५	३५	६	३७	६	३६	६	३५	५	३५	२	३१	५९	२७	५४	२१
८ धन	घं.	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४
	मि.	५	१०	१४	१९	२३	२७	३२	३६	४०	४५	४९	५३	५८	२	६	१०	१५	१९	२३	२७	३१	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८
	से.	४७	११	३६	१	२५	४८	११	३४	५५	१३	३२	५०	८	२६	४०	५५	९	२२	३३	४४	५३	१	८	१५	२०	२४	२८	३२	३०	२९
९ मकर	घं.	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५
	मि.	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३५	३९	४३	४७	५१	५४	५८	२	५	९	१३	१६	२०	२४	२७	३१	३४	३८	४१	४५	४८	५२	५५	५९
	से.	२८	२४	२०	१६	८	२	५२	४२	३०	१८	५	४८	३२	१६	५६	३७	१६	५९	३१	७	४२	१६	४९	२२	५०	२०	४६	११	४२	८
१० कुम्भ	घं.	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७
	मि.	२	५	९	१२	१६	१९	२२	२६	२९	३२	३५	३९	४२	४५	४८	५२	५५	५८	१	४	८	११	१४	१७	२०	२३	२७	३०	३३	३६
	से.	३३	५७	२०	४३	४	२४	४४	४	२२	३८	५५	११	२७	४३	५५	९	२२	३५	४७	५९	१०	२१	३१	४२	५०	५९	८	१७	२५	३३
११ मीन	घं.	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८
	मि.	३९	४२	४५	४९	५२	५५	५८	१	४	७	१०	१४	१७	२०	२३	२६	२९	३२	३६	३९	४२	४५	४८	५१	५५	५८	१	४	७	११
	से.	४२	४६	५५	१	१२	१९	२७	३५	४१	४८	५७	०	११	२२	२७	३५	४३	५१	०	१०	१९	२९	४०	५१	१	१३	२५	३७	५०	४

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २१ (अयनांश २३॥) उपकरण सांपातिकक्काल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
० मेष	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	घं.
	१२	१६	१९	२२	२५	२८	३२	३५	३८	४१	४५	४८	५१	५५	५८	१	५	८	१२	१५	१९	२२	२६	२९	३३	३६	४१	४४	४७	५१	मि.
	५१	२	१४	२६	३९	५३	७	२१	४०	५६	१४	३३	५३	१३	३५	१७	२१	४५	१०	३६	३	३३	२	३१	५	५८	११	२५	२४	१	से.
१ वृषभ	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	घं.
	५४	५८	२	५	९	१३	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	११	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४०	४५	४९	मि.
	३९	२०	१५	५६	२७	१२	५८	४४	३५	२४	१६	९	२	५५	५४	५१	४९	४७	५२	५५	५८	३	८	१३	२५	३४	४४	५४	१०	२३	से.
२ मिथुन	२२	२२	२३	२३	२३	३२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	घं.
	५३	५७	२	६	१०	१५	१९	२३	२८	३२	३७	४१	४५	५०	५४	५९	३	६	१२	१७	२१	२६	३०	३५	३९	४४	४८	५३	५७	२	मि.
	३९	५५	१२	२९	४९	९	२९	४९	१४	३७	१	२५	५०	१५	४४	११	७	३८	३६	५	३५	५	३५	५	३८	१०	४१	१२	४	१७	से.
३ कर्क	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	घं.
	६	११	१५	२०	२४	२९	३४	३८	४३	४७	५२	५६	१	५	१०	१४	१९	२३	२८	३२	३७	४१	४६	५०	५५	५९	४	८	१२	१७	मि.
	४९	२२	५४	२६	५९	३१	४	३७	८	४०	१२	४४	१५	४६	१७	४७	१८	४९	१८	४७	१७	४६	१५	४४	११	३९	६	३३	५९	२५	से.
४ सिंह	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	घं.
	२१	२६	३०	३५	३९	४३	४८	५२	५७	१	५	१०	१४	१८	२३	२७	३१	३६	४०	४४	४९	५३	५७	२	६	१०	१५	१९	२३	२७	मि.
	५१	१६	४१	६	३०	५४	१८	४२	३	२५	४७	९	३०	५१	१२	३३	५३	१३	३२	५२	११	२९	४७	५	२४	४२	०	१८	३५	५२	से.
५ कन्या	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७	घं.
	३२	३६	४०	४५	४९	५३	५७	२	६	१०	१४	१९	२३	२७	३२	३६	४०	४५	४९	५३	५७	२	६	१०	१५	१९	२३	२८	३२	३६	मि.
	१०	२७	४४	१	१८	३५	५१	७	२५	४२	५९	१६	३३	५०	७	२४	४२	०	१७	३५	५३	१२	३१	५०	९	२८	४७	६	२७	४७	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २१ (अयनांश २३।।) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
६ तुला	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	घं.
	४१	४५	४९	५४	५८	२	७	११	१६	२०	२४	२९	३३	३८	४२	४७	५१	५५	०	४	९	१३	१८	२२	२७	३१	३६	४०	४५	४९	मि.
	८	२९	५०	११	३४	५६	१८	४०	६	३०	५४	१८	४३	८	३४	०	२६	५२	२०	४९	१७	४५	१४	४३	११	४१	११	४१	१२	४३	से.
७ वृश्चिक	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	१२	१२	घं.
	५४	५८	३	७	१२	१६	२१	२५	३०	३५	३९	४४	४८	५३	५७	२	६	११	१५	२०	२४	२९	३३	३८	४२	४७	५१	५६	०	५	मि.
	१४	४५	१७	४९	२०	५२	२४	५६	२८	१	३३	४	३८	१२	४३	५	४७	१९	५१	२२	५३	२४	५५	२६	५४	२३	५३	२३	४९	१७	से.
८ धन	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	घं.
	९	१४	१८	२२	२७	३१	३६	४०	४४	४९	५३	५७	२	६	१०	१४	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४८	५२	५६	०	४	८	१२	मि.
	४३	८	२४	४०	२३	४७	८	२९	५१	११	३०	४८	५	२२	३६	५१	४	१७	२५	३५	४४	५१	५८	५	६	९	९	९	८	६	से.
९ मकर	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	घं.
	१६	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४४	४६	५०	५४	५७	१	५	८	१२	१६	१९	२३	२६	३०	३३	३७	४०	४४	४७	५१	५४	५८	१	मि.
	२	५८	५२	४८	३५	२६	१५	४	४७	३२	१६	५८	३९	२०	५८	३६	१३	५०	२२	५५	२७	५७	२७	५७	२३	५०	१५	४१	२	२४	से.
१० कुंभ	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	घं.
	४	८	११	१४	१८	२१	२४	२७	३१	३४	३७	४०	४३	४७	५०	५३	५६	५९	२	६	९	१२	१५	१८	२१	२४	२७	३०	३३	३७	मि.
	५६	७	२७	४७	३	२०	३६	५२	६	२०	३३	४६	५८	१०	१९	२९	३९	४८	५६	४	१२	१९	२६	३३	३७	४२	४७	५४	५७	२	से.
११ मीन	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	घं.
	४०	४३	४६	४९	५२	५५	५८	१	४	७	१०	१३	१६	१९	२२	२६	२९	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५७	०	३	६	९	मि.
	६	१०	१४	१८	२१	२५	२८	३१	३५	३९	४३	४६	५०	५४	५८	३	७	११	१७	२३	२९	३५	४२	४९	५६	४	१२	२०	२९	४०	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २२ (अयनांश २३॥) उपरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
०	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	घं.
मेष	१२	१५	१८	२१	२४	२८	३१	३४	३७	४०	४४	४७	५०	५४	५७	०	४	७	१०	१४	१७	२१	२४	२८	३१	३५	३८	४२	४५	४९	मि.
	७	१७	२७	३८	४८	०	१२	२५	४०	५६	१२	२९	४६	६	२६	४६	७	३१	५४	९	३५	१२	४०	१०	४०	११	४३	१७	५२	२८	से.
१	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	घं.
वृषभ	५३	५६	०	४	७	११	१५	१९	२२	२६	३०	३४	३८	४२	४६	४९	५३	५७	१	५	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	३८	४३	४७	मि.
	५	४५	२४	६	४८	३२	१६	३	५०	३९	२९	२१	१३	८	३	५९	५७	५७	५७	५९	१	६	११	१९	२६	३५	४५	५७	९	२३	से.
२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	घं.
मिथुन	५१	५५	०	४	८	१३	१७	२१	२६	३०	३५	३९	४३	४८	५२	५७	१	६	१०	१५	१९	२४	२८	३३	३७	४०	४६	५१	५५	०	मि
	४७	५४	१०	२८	४७	७	२७	४९	१२	३६	१०	२४	४९	१६	४३	११	३९	७	३७	७	३७	८	३९	११	४२	१४	४७	२०	५३	२६	से.
३	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	घं.
कर्क	४	९	१४	१८	२३	२९	३२	३६	४१	४५	५०	५५	५९	४	८	१३	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४४	४९	५३	५८	२	७	११	१६	मि.
	५९	३३	६	३९	१३	४६	१९	५२	२५	५८	३१	६	३९	१२	४५	१७	४८	१९	५०	२१	५४	२४	५४	२४	५३	२२	५१	२०	४८	१६	से.
४	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	घं.
सिंह	२०	२५	२९	३३	३८	४२	४७	५१	५६	०	५	९	१३	१८	२२	२६	३१	३५	३९	४४	४८	५३	५७	१	६	१०	१४	१८	२३	२७	मि
	४४	१	२७	५३	२९	५३	१८	४२	१०	३४	५८	२१	४४	७	२९	५१	१३	३५	५६	१७	३९	०	२०	४०	१	२०	४०	५९	१८	३७	से.
५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७	घं.
कन्या	३१	३५	३९	४३	४९	५३	५७	२	६	१०	१५	१९	२३	२८	२३	३६	४१	४५	४९	५४	५८	२	७	११	१५	२०	२४	२८	३३	३७	मि.
	५८	१४	३३	५२	१३	३२	५१	१०	२९	४८	६	२५	४	६	२२	४१	१	२१	४१	०	२०	४०	१	२२	४३	४	[illegible]	४	९	३२	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २२ (अयनांश २३॥) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
६	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	घं.
तुला	४१	४६	५०	५५	५९	३	८	१२	१७	२१	२५	३०	३४	३९	४३	४८	५२	५७	१	६	१०	१५	१९	२४	२८	३३	३७	४२	४६	५१	मि.
	५२	१५	३८	२	२६	५१	१६	४१	५	३०	५६	२३	५०	१८	४६	१२	४०	९	३७	६	३६	६	३७	८	३८	९	४०	११	४२	१४	से.
७	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	१२	१२	घं.
वृश्चिक	५५	०	४	९	१३	१८	२३	२७	३२	३६	४१	४५	५०	५५	५९	४	८	१३	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४४	४९	५३	५८	२	७	मि.
	४८	२१	५३	२५	५९	३२	५	३८	११	४५	१८	५२	२६	०	३४	७	४०	१२	४४	१६	४८	१९	५२	२३	५२	२१	५१	२२	५०	१७	से.
८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	घं.
धन	११	१६	२०	२५	२९	३३	३८	४२	४६	५१	५५	५९	४	८	१२	१६	२१	२५	२९	३३	३७	४१	४५	४९	५४	५८	२	६	९	१३	मि.
	४४	११	३७	१	२३	४५	७	२९	४९	८	२६	४९	७	२४	३८	५०	३	१६	२६	३४	४२	४८	५३	५८	०	२	३	०	५७	५२	से.
९	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	घं.
मकर	१७	२१	२५	२९	३३	३७	४०	४४	४८	५२	५५	५९	३	६	१०	१३	१७	२१	२४	२८	३१	३५	३८	४२	४५	४८	५२	५५	५९	२	मि.
	४८	४३	३६	२९	१९	६	५३	३७	२०	१	४२	२३	४	४५	२१	५९	३४	९	४१	११	४१	८	३५	२	३०	५४	१८	३९	०	२०	से.
१०	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	घं.
कुम्भ	५	९	१२	१५	१९	२२	२५	२८	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५१	५४	५७	०	३	६	९	१२	१५	१८	२२	२५	२८	३१	३४	३७	मि.
	५४	१३	३२	४८	४	२०	३४	४८	०	१२	२४	३५	४५	५५	४	११	१८	२४	३०	३६	४३	५०	५५	५९	३	६	८	१०	१२	१५	से.
११	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	घं.
मीन	४०	४३	४६	४९	५२	५५	५८	१	४	७	१०	१३	१६	१९	२२	२५	२८	३१	३४	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५६	५९	२	५	८	मि.
	१९	२१	२३	२५	२७	२९	३१	३३	३५	३६	३७	३९	४२	४४	४६	४८	५०	५३	५६	०	४	९	१४	१९	२५	२८	३४	४२	५०	५९	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २३ (अयनांश २३॥) उपकरण सांपातिककाल

अंश		०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	घं.	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०
	मि.	११	१४	१७	२०	२३	२७	३०	३३	३६	३९	४३	४६	४९	५२	५६	५९	२	५	९	१२	१६	१९	२३	२६	३०	३३	३७	४०	४४	४७
	से.	२१	२९	३६	४३	५४	५	१५	२५	३९	५३	८	२३	३९	५५	१५	३४	५४	८	३७	९	२४	५०	१६	६	२	४२	१२	४२	३९	५४
१ वृषभ	घं.	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२
	मि.	५१	५५	५८	२	६	९	१३	१८	२१	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४१	४५
	से.	३०	७	४५	२३	६	४६	३३	१७	४	५२	४१	३२	२३	१४	११	६	३	०	१	२	५	८	१२	१६	२६	३४	४४	५४	७	२०
२ मिथुन	घं.	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
	मि.	४९	५३	५८	२	६	११	१५	१९	२४	२८	३२	३७	४१	४६	५०	५५	५९	४	८	१३	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४४	४९	५३	५८
	से.	३४	५०	७	२४	४३	३	२३	४३	८	३१	५५	२०	४६	८	४०	८	३७	६	३६	६	३७	९	४१	१३	४५	१८	५२	२६	५९	३५
३ कर्क	घं.	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३
	मि.	३	७	१२	१६	२१	२६	३०	३५	३९	४४	४८	५३	५८	२	७	११	१६	२०	२५	२९	३४	३९	४३	४८	५२	५७	१	६	१०	१५
	से.	७	४३	१७	५१	२६	१	३६	११	४४	१८	५३	२७	१	३५	१०	४३	१७	५१	२३	५५	२८	०	३२	४	३५	६	३५	४	३५	५
४ सिंह	घं.	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५
	मि.	१९	२४	२८	३३	३७	४२	४६	५०	५५	५९	४	८	१२	१७	२१	२६	३०	३४	३९	४३	४८	५२	[illegible]	१	५	९	१४	१८	२३	२७
	से.	३४	३	३२	१	२८	५५	२२	४९	१५	४१	६	३२	५७	२२	४६	१०	३४	५८	१९	४५	७	३०	५२	१४	३६	५८	१९	४०	२	२३
५ कन्या	घं.	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७
	मि.	३१	३६	४०	४४	४९	५३	५७	२	६	१०	१५	१९	२३	२८	३२	३६	४१	४६	५०	५४	५८	३	७	११	१६	२०	२५	२९	३३	३८
	से.	४४	५	२६	४७	९	२९	४९	९	३१	५२	१२	३३	५४	४२	३६	५७	१८	३९	२	२३	४५	८	३१	५४	१६	३९	२	२५	५०	१४

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २३ (अयनांश २३॥) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
६ तुला	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	घं.
	४२	४७	५१	५५	०	४	९	१३	१८	२२	२७	३१	३५	४०	४४	४९	५३	५८	२	७	११	१६	२१	२५	३०	३४	३९	४३	४८	५२	मि.
	३८	३	२८	५३	१८	४४	११	३८	६	३३	०	२६	५७	१५	५४	२४	५३	२२	५५	२६	५६	२८	०	३२	४	३३	१०	४७	१६	५०	से.
७ वृश्चिक	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	घं.
	५७	१	६	११	१५	२०	२४	२९	३३	३८	४३	४७	५२	५६	१	६	१०	१५	१९	२४	२८	३३	३७	४२	४६	५१	५५	०	४	९	मि.
	२४	५८	३२	६	४०	१५	४९	२३	४९	३३	८	४३	१७	५१	२४	०	३४	८	४१	१४	४७	१८	५१	२४	५३	२३	५३	२३	५२	१९	से.
८ धन	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	घ.
	१३	१८	२२	२७	३१	३५	४०	४४	४८	५३	५७	१	६	१०	१४	१८	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	११	१५	मि
	४७	१३	३८	३	२९	५३	१४	३५	५७	१७	३६	५३	१०	१७	४०	५३	५	१७	२५	३४	४१	४६	५२	५८	५७	५९	५९	५९	५४	५०	से.
९ मकर	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	घं.
	१९	२३	२७	३१	३५	३८	४२	४६	५०	५३	५७	१	४	९	१२	१५	१९	२३	२६	२९	३३	३६	४०	४३	४७	५०	५३	५७	०	३	मि.
	४४	३७	२९	२१	८	५६	४३	३०	१[illegible]	५३	३४	१४	५३	४३	७	४१	१४	७	१७	४७	१६	४४	१२	४०	०	२३	४६	९	२६	४५	से.
१० कुंभ	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	घं.
	७	१०	१३	१६	२०	२३	२६	२९	३२	३[illegible]	३९	[illegible]२	४५	४८	५१	५४	५७	१	४	७	१०	१३	१६	१९	२२	२५	२८	३१	३४	३७	मि.
	४	२०	३६	५२	५	१९	३२	४५	[illegible]२	६	१५	३	१२	२१	२६	५२	५७	२	७	२	१५	१९	२१	२३	२५	२७	२८	२९	३०	३१	से.
११ मीन	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	घं.
	४०	४३	४६	४९	५२	५५	५८		४	७	१०	१३	१६	१९	२२	२५	२८	३१	३४	३७	४०	४३	४६	४९	५२	५५	५८	२	५	८	मि.
	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३०	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३६	३८	४१	४४	४८	५२	५७	२	७	१३	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २५ (अयनांश २३॥) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
० मेष	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	घं.
	९	१२	१५	१९	२२	२५	२८	३१	३४	३७	४०	४४	४७	५०	५३	५७	०	३	६	१०	१३	१७	२०	२३	२७	३०	३४	३७	४१	४४	मि.
	४८	५२	५६	०	६	१३	२०	२७	३८	४७	५९	९	२१	३५	४९	६	२२	३८	५९	१८	३९	१	२५	४९	१४	४०	८	३६	२९	४०	से.
१ वृषभ	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	घं.
	४८	५१	५५	५८	२	६	१०	१३	१७	२१	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४७	५१	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३२	३६	४३	मि.
	१३	४५	२३	५१	३९	१९	०	४१	१६	१	४९	३६	२६	१६	९	३	५७	५१	३	२	२	५	८	११	१९	२६	३३	४०	५६	९	से.
२ मिथुन	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	घं.
	४५	४९	५३	५८	२	६	११	१५	१९	२४	२८	३३	३७	४१	४६	५०	५५	५९	४	९	१३	१८	२२	२७	३१	३६	४०	४५	५०	५४	मि.
	२२	३८	५२	८	३०	४९	९	२९	५४	१७	४१	७	३३	५९	२९	५७	२५	५३	२९	०	३२	४	३७	१०	४६	२१	५६	३१	७	४३	से.
३ कर्क	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	घं.
	५९	३	८	१३	१७	२२	२७	३१	३६	४०	४५	५०	५४	५९	३	८	१३	१७	२२	२६	३१	३६	४०	४५	४९	५४	५९	३	८	१२	मि.
	१९	५५	३२	९	४६	२३	०	३७	१४	५१	२८	५	४२	१९	५६	३०	९	४८	२२	५७	३३	९	४४	१९	५३	२७	२	३७	८	४१	से.
४ सिंह	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	घं.
	१७	२१	२६	३०	३५	३९	४४	४८	५३	५७	२	६	११	१५	२०	२४	२९	३४	३८	४२	४७	५१	५५	०	४	९	१३	१८	२२	२६	मि.
	१२	४६	१८	५०	२१	५२	२३	५४	२३	५३	१२	५२	२०	४८	१७	४५	१३	४१	८	३५	२	२८	५४	२०	४६	१२	३७	२	२८	५३	से.
५ कन्या	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७	घं.
	३१	३५	४०	४४	४८	५३	५७	२	६	११	१५	१९	२४	२८	३३	३७	४१	४६	५०	५५	५९	४	८	१२	१७	२१	२६	३०	३५	३९	मि.
	१८	४३	८	२३	५६	२३	४७	११	३९	२	२६	५१	१६	४१	६	३१	५७	२५	४७	१३	३९	५	३१	५७	२३	५२	२०	४८	१५	४३	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २५ (अयनांश २३।।) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
६ तुला	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	घं.
	४४	४८	५३	५७	२	६	११	१५	२०	२४	२९	३३	३८	४२	४७	५१	५६	०	५	१०	१४	१९	२३	२८	३३	३७	४२	४६	५१	५६	मि.
	११	३३	८	३०	६	३६	६	३६	८	३९	१०	४२	१४	४६	१९	५२	२५	५८	३३	७	४०	२६	५१	१६	३	३६	१४	४७	२७	४	से.
७ वृश्चिक	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	घं.
	०	५	९	१४	१९	२३	२८	३३	३७	४२	४६	५१	५६	०	५	९	१४	१९	२३	२८	३२	३७	४१	४६	५१	५५	०	४	९	१३	मि.
	४०	१७	५४	३१	८	४५	२३	१	३७	१४	५१	२८	४	४०	१७	५३	२९	५	४०	१५	४९	२२	५५	२८	०	३२	३	३४	३	३१	से.
८ धन	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	घं.
	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४४	४८	५३	५७	१	६	१०	१४	१८	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	१२	१५	१९	मि
	५९	२८	५४	२०	४३	७	३०	५३	११	३१	५०	६	१३	२०	५१	४	१५	२६	३३	४१	४८	५२	५५	५८	५८	१७	५६	५५	४६	४०	से.
९ मकर	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	घ.
	२३	२७	३१	३५	३८	४२	४६	५०	५३	५७	१	४	८	११	१५	१८	२२	२५	२९	३२	३६	३९	४२	४६	४९	५३	५६	५९	[illegible]	६	मि.
	३३	२४	१३	२	४८	३३	१८	३	४१	२१	०	३६	१२	४८	२०	५२	२१	५०	१९	४४	११	३६	५९	२२	४२	२	२१	४०	५४	१०	से.
१० कुम्भ	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	घं.
	९	१२	१५	१९	२२	२५	२८	३१	३४	३७	४०	४४	४७	५१	५३	५६	५९	२	५	८	११	१४	१७	२०	२३	२६	२९	३२	३५	३८	मि
	२५	३७	५०	३	१२	२२	३१	४०	४६	५२	५८	४	८	१२	१५	१७	२९	२१	२१	२१	२१	२०	१९	१८	१५	१३	१०	७	४	०	से.
११ मीन	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	घं.
	४०	४३	४६	४९	५२	५५	५८	१	४	७	१०	१३	१६	१९	२१	२४	२७	३०	३३	३६	३९	४२	४५	४८	५०	५४	५७	५८	३	६	मि.
	५७	५३	४९	४५	४१	३७	३२	२७	२४	१९	१५	११	७	३	५९	५६	५३	५०	४७	४४	४२	४१	३९	३७	३९	३९	४०	३९	४३	४६	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २६ (अयनांश २३॥) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
०	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	घं
मेष	९	१२	१५	१८	२१	२४	२७	३०	३३	३६	३९	४३	४६	४९	५२	५५	५९	२	५	८	१२	१५	१८	२२	२५	२९	३२	३६	३९	४३	मि.
	०	३	५	८	१२	१६	२१	२८	३५	४३	५१	१	११	२३	३६	५०	५	२२	३९	५६	१५	३५	५६	२०	४३	८	३४	२	३०	१	से.
१	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	घं.
वृषभ	४६	५०	५३	५७	०	४	८	११	१५	१९	२३	२६	३०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५७	१	६	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	३९	मि.
	३३	५	३६	५	५२	३१	११	५३	३५	१९	४	५२	४०	३०	२१	१३	७	५	४	५९	५९	०	२	७	१२	१९	२७	३७	४८	०	से.
२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	घं.
मिथुन	४३	४७	५१	५६	०	४	८	१३	१७	२२	२६	३०	३४	३९	४४	४८	५३	५७	२	६	११	१५	२०	२५	२९	३५	३८	४३	४९	५२	मि.
	१३	२७	४३	०	१८	३८	५८	२१	४३	७	३१	५७	२३	५१	१९	४८	१८	४९	२१	५३	२५	५९	३४	८	४३	१८	५४	३०	७	४४	से.
३	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	घं.
कर्क	५७	१	६	११	१५	२०	२५	२९	३४	३९	४३	४८	५२	५७	२	६	११	१६	२०	२५	३०	३४	३९	४३	४८	५३	५७	२	६	११	मि.
	२१	५९	३७	१५	५३	३२	१२	४९	२७	६	४२	२१	५९	३८	१७	५५	३३	१०	४८	२६	३	४०	१७	५४	३०	६	४२	१७	५२	२७	से.
४	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	घं.
सिंह	१६	२०	२५	२९	३४	३८	४३	४७	५२	५६	१	६	१०	१५	१९	२४	२८	३३	३७	४१	४६	५०	५५	५९	४	८	१३	१७	२२	२६	मि.
	२	३५	९	४३	१६	४९	२२	५४	२५	५८	३०	१	३१	२	३२	२	३१	२	३०	५९	२९	५७	२५	५३	२१	४९	१७	४४	११	३९	से.
५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७	७	घं
कन्या	३१	३५	४०	४४	४८	५३	५६	१	६	११	१५	२०	२४	२८	३३	३७	४२	४६	५१	५५	०	४	९	१३	१८	२२	२६	३१	३५	४०	मि.
	६	२३	०	२९	५३	२०	४७	४४	४०	७	३४	१	२८	५५	२२	४९	१७	४४	११	३९	७	३५	३	३१	०	२८	५६	२८	५८	२८	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २६ (अयनांश २३।।) उपकरण सांपातिककाल

	अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
६ तुला		७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	घं.
		४४	४९	५३	५८	३	७	१२	१६	२१	२५	३०	३४	३९	४३	४८	५३	५७	२	६	११	१६	२०	२५	२९	३४	३९	४३	४८	५३	५७	मि.
		५८	२८	५९	३०	२	३४	६	४१	११	४४	१७	५०	२४	५८	३३	८	४३	३८	५४	३०	६	४२	१९	५६	३४	११	४६	२६	४	४३	से.
७ वृश्चिक		१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	घं.
		२	६	११	१६	२०	२५	३०	३४	३९	४४	४८	५३	५८	२	७	११	१६	२१	२५	३०	३४	३९	४४	४८	५३	५७	२	६	११	१५	मि.
		२२	५९	३७	१४	५५	३३	११	४९	२८	५	४६	२३	१	३८	१४	५३	२९	५	४२	१८	५२	२६	०	३४	७	३९	११	४१	११	४२	से.
८ धन		१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	घं.
		२०	२४	२९	३३	३७	४२	४६	५१	५५	५९	४	८	१२	१६	२१	२५	२९	३३	३७	४१	४५	४९	५४	५८	२	५	९	१३	१७	२१	मि.
		९	३७	३	२७	५१	१७	४०	१	२२	४१	०	१६	३२	४९	०	१३	२४	३२	४१	४८	५२	५७	०	०	१	५९	५७	५२	४६	३९	से.
९ मकर		१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	घं.
		२५	२९	३३	३६	४०	४४	४८	५१	५५	५९	२	६	९	१३	१६	२०	२३	२७	३०	३४	३७	४१	४४	४७	५१	५४	५७	०	४	७	मि.
		३१	२०	९	५५	४१	२५	८	५३	३९	७	४४	२०	४५	१७	४८	२८	४०	१५	४२	१७	४१	३	२५	४५	४	२२	३९	५४	१०	२३	से.
१० कुंभ		१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	घं.
		१०	१३	१६	२०	२३	२६	२९	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५४	५७	०	२	५	८	११	१४	१७	२०	२३	२६	२९	३२	३५	३८	मि.
		३६	४८	४९	८	१७	२५	३३	३८	४४	४८	५२	५५	५९	५७	०	१	१	५९	५८	५६	५४	५१	४८	४४	४१	३७	३२	२७	२१	१५	से.
११ मीन		१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	घं.
		४१	४४	४६	४९	५२	५५	५८	१	४	७	१०	१२	१५	१८	२१	२४	२७	३०	३३	३६	३९	४२	४५	४८	५१	५४	५७	५९	२	६	मि.
		१	५	५८	५२	४५	३६	३३	२७	२०	१४	७	१	५५	५०	४४	३८	३४	२९	२४	१९	१५	१२	९	६	३	२	१	५८	५९	०	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २७ (उपकरण "३।।) सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
० मेष	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	घं.
	८	११	१४	१७	२०	२३	२६	२९	३२	३५	३८	४१	४५	४८	५१	५४	५७	१	४	७	१०	१४	१७	२०	२४	२७	३०	३४	३७	४१	मि.
	१३	१२	१२	१३	१५	१८	२०	२५	३१	३७	४४	५२	०	१०	२१	३३	४५	०	१५	३१	४८	८	२७	४९	१०	३३	५८	५५	५१	२०	से.
१ वृषभ	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	घं.
	४४	४८	५१	५५	५९	२	६	१०	१३	१७	२१	२४	२८	३२	३६	४०	४४	४८	५१	५५	५९	३	७	११	१६	२०	२४	२८	३२	३६	मि.
	४९	२०	५४	२९	४	४१	२१	१	४१	२४	८	५४	४१	२०	२०	१२	४	१	५७	५३	५२	५३	५४	५८	३	१०	१७	२७	३७	४८	से.
२ मिथुन	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	घं.
	४१	४५	४९	५३	५८	२	६	११	१५	१९	२४	२८	३३	३७	४२	४६	५१	५५	०	४	९	१३	१८	२३	२७	३२	३६	४१	४६	५०	मि.
	१	१६	३१	४८	६	२५	४५	७	३०	५४	१८	४४	१०	३८	७	३७	७	४१	११	४४	१७	५१	२५	१	३७	१३	५०	२७	४	४३	से.
३ कर्क	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३	घं.
	५५	०	४	९	१३	१८	२३	२७	३२	३७	४१	४६	५१	५५	०	५	९	१४	१९	२३	२८	३३	३७	४२	४६	५१	५६	०	५	१०	मि
	२०	१	३८	१८	५८	३६	१७	५७	३७	१६	५७	३६	१६	५६	३६	१६	५५	३५	१४	५३	३२	९	४८	२३	५९	३	२०	५७	३५	११	से.
४ सिंह	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	घं.
	१४	१९	२४	२८	३३	३७	४२	४६	५१	५६	०	५	९	१४	१८	२३	२७	३२	३६	४१	४५	५०	५४	५९	३	८	१२	१७	२१	२६	मि
	४८	२४	०	३५	१०	४५	२०	५४	२८	१	३५	८	४१	१३	४	१८	४९	२०	५२	२३	५४	१७	५४	२४	५५	२४	५४	२४	५३	२२	से.
५ कन्या	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७	७	घं.
	३०	३५	३९	४४	४८	५३	५७	२	६	११	१५	२०	२४	२९	३३	३८	४२	४७	५१	५६	०	५	९	१४	१८	२३	२७	३२	३६	४१	मि.
	५२	२१	५०	१९	४८	१७	४५	१४	४३	१२	४१	१०	३९	८	३७	६	३६	५	३५	५	३५	५	३५	६	३७	८	३९	११	४२	१४	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २७ (उपकरण २३॥) सांपातिक काल

अंश		०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
६ तुला	घं.	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८
	मि.	४५	५०	५४	५८	३	८	१३	१८	२२	२६	३१	३६	४०	४५	४९
	से.	४६	१९	५२	२५	५८	३२	५	४०	१५	५०	२५	०	३६	१०	४८
७ वृश्चिक	घं.	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११
	मि.	४	८	१३	१८	२२	२७	३२	३६	४१	४६	५०	५५	०	४	९
	से.	४	४४	२४	४	४४	२३	३	४२	२२	२	४२	२१	०	३८	१६
८ धन	घं.	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३
	मि.	२२	२६	३१	३५	४०	४४	४८	५३	५७	१	६	१०	१४	१८	२३
	से.	२१	४९	१६	४१	६	३०	५३	१४	३५	५४	१३	३०	४५	५८	१२
९ मकर	घं.	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५
	मि.	२७	३१	३५	३८	४२	४६	५०	५३	५७	०	४	८	११	१५	१८
	से.	३१	१९	६	५१	३६	१९	०	३९	१८	५६	३२	५	३८	९	४०
१० कुम्भ	घं.	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६
	मि.	११	१४	१८	२१	२४	२७	३०	३३	३६	३९	४२	४५	४८	५१	५४
	से.	५०	५९	८	१५	२३	३०	३५	३८	४२	४४	४७	४७	४८	४७	४६
११ मीन	घं.	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८
	मि.	४१	४४	४७	५०	५२	५५	५८	१	४	७	१०	१२	१५	१८	२१
	से.	२४	१६	८	०	५१	४३	३४	२६	१७	९	१	५२	४४	३६	२८

अंश		१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
६ तुला	घं.	८	८	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९
	मि.	५४	५८	३	८	१२	१७	२२	२६	३१	३६	४०	४५	५०	५४	५८
	से.	२५	२	३९	१७	५४	३२	११	४९	२७	६	४५	२६	०	३४	२३
७ वृश्चिक	घं.	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२
	मि.	१३	१८	२३	२७	३२	३६	४१	४६	५०	५५	५९	४	८	१३	१७
	से.	५४	३२	९	४७	२३	५९	३४	९	४३	१६	५९	२१	५१	२२	५२
८ धन	घं.	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४
	मि.	२७	३१	३५	३९	४३	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१५	१९	२३
	से.	२४	३५	४३	५१	५८	२	५	७	६	६	४	०	५४	४८	४०
९ मकर	घं.	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६
	मि.	२१	२५	२९	३२	३५	३९	४२	४५	४९	५२	५५	५९	२	५	८
	से.	५९	३६	१	२७	५०	१२	३३	५३	११	२९	४५	१	१४	२७	३९
१० कुम्भ	घं.	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७
	मि.	५७	०	३	६	९	१२	१५	१८	२१	२४	२७	२९	३३	३५	३८
	से.	४४	४२	३९	३६	३३	२९	२४	१९	१३	७	१	५४	४६	३९	३१
११ मीन	घं.	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९
	मि.	२४	२७	३०	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५६	५९	२	५
	से.	२१	१३	६	५९	५३	४७	४१	३७	३२	२७	२३	२०	१७	१५	१४

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २८ (अयनांश २३।।) उपकरण सांपातिककाल

अंश		०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	घं.	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०
	मि.	७	१०	१३	१६	१९	२२	२५	२८	३१	३४	३७	४०	४३	४६	५०	५३	५६	५९	२	६	९	१२	१५	१९	२२	२५	२९	३२	३६	३९
	से.	२३	२०	१९	१९	१८	१९	२०	२३	२६	२९	३४	४१	४८	५५	२	११	२४	३७	५०	४	२०	३७	५५	१५	३५	५६	२०	४५	१०	३७
१ वृषभ	घं.	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२
	मि.	४३	४६	५०	५३	५७	०	४	८	११	१५	१९	२२	२६	३०	३४	३८	४१	४५	४९	५३	५७	१	५	९	१३	१७	२२	२६	३०	३४
	से.	५	३५	७	३७	१६	४९	२८	९	४५	२६	१०	५४	३९	२८	१७	८	५९	५४	४९	४५	४३	४३	४४	४७	५१	५७	४	१२	२३	३४
२ मिथुन	घं.	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
	मि.	३८	४३	४७	५१	५५	०	४	८	१३	१७	२२	२६	३०	३५	३९	४४	४८	५३	५७	२	६	११	१६	४०	२५	३०	३४	३९	४४	४८
	से.	४६	०	१६	३३	५०	८	३०	५२	१४	३८	३	२९	५५	२४	५३	२३	५३	२५	५८	३२	६	४१	१६	४९	२९	६	४४	२२	०	३९
३ कर्क	घं.	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	३
	मि.	५३	५७	२	७	१२	१६	२१	२६	३०	३५	४०	४४	४९	५४	५८	३	८	१२	१७	२२	२६	३१	३६	४०	४५	५०	५४	५९	४	८
	से.	१८	५९	३९	१९	०	४१	२२	४	४५	२६	७	४७	२९	११	५३	३४	१५	५१	३७	१८	५९	३९	१९	५९	३९	१९	५८	३७	१६	५५
४ सिंह	घं.	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५
	मि.	१३	१८	२२	२७	३२	३६	४१	४५	५०	५४	५९	३	८	१२	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४४	४९	५४	५८	३	७	१२	१६	२१	२५
	से.	३२	१०	४८	३५	३	४०	१७	५३	२९	२६	२	३९	१५	५१	२७	२	३७	१२	४७	२२	११	२९	३	३६	१०	४४	१७	५०	२३	५६
५ कन्या	घं.	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७	७
	मि.	३०	३५	३९	४४	४८	५३	५७	२	६	११	१५	२०	२४	२९	३४	३८	४३	४७	५२	५६	१	५	१०	१५	१९	२४	२८	३३	३७	४२
	से.	२९	१	३४	७	३९	११	४४	१६	४९	२१	५३	२५	५७	३०	४	३७	९	४३	१६	४९	२२	५६	३०	४	३६	१४	४८	२२	१६	३४

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २८ (अयनांश २३॥) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
६	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	१०	घं.
	४६	५१	५५	०	४	९	१४	१८	२३	२७	३२	३७	४१	४६	५१	५५	०	५	९	१४	१९	२३	२८	३३	३७	४२	४७	५१	५६	१	मि.
तुला	३५	११	४६	२१	२२	३१	७	४३	१६	५५	३४	१०	४८	२६	४	४३	२३	७	४१	२१	१	४१	२१	१	४१	२२	३	४४	२५	६	से.
	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	घं.
७	५	१०	१५	१९	२४	२९	३३	३८	४३	४७	५२	५७	२	६	११	१६	२०	२५	२९	३४	३९	४३	४८	५२	५७	२	६	११	१५	२	मि
वृश्चिक	४९	३१	१२	५३	३४	१५	५६	३७	१८	५९	४०	२१	१	४१	२१	०	३७	१५	५३	३१	८	४४	१९	५४	२७	१	३४	७	३७	६	से.
	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	घं.
८	२४	२९	३३	३७	४२	४६	५१	५५	५९	४	८	१२	१७	२१	५	२९	३३	३७	४२	४६	५०	५४	५८	२	६	१०	१४	१८	२१	२४	मि.
धन	३५	४	३१	५८	२५	४६	९	३२	५१	१०	२७	४४	०	१७	३४	३८	४७	५५	३	८	१३	१५	१७	१५	१४	१०	७	४	५३	५४	से.
	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	घं.
९	२९	३३	३७	४०	४४	४८	५१	५५	५९	२	६	९	१३	१६	२०	२३	२७	३०	३४	३७	४०	४४	४७	५०	५३	५७	०	३	६	९	मि.
मकर	३२	२०	८	५५	३८	१५	५५	३३	११	४६	२१	५३	२५	५४	२३	५०	१७	४०	३	२५	४५	५	२२	३८	५५	९	२३	३४	४५	५५	से.
	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	घं.
१०	१३	१६	१९	२२	२५	२८	३१	३४	३७	४०	४३	४६	४९	५२	५५	५८	१	४	७	१०	१३	१५	१८	२१	२४	२७	३०	३३	३५	३८	मि.
कुम्भ	५	१३	२०	२५	३०	३४	३८	४०	४१	४२	४२	४१	४०	३७	३४	३०	२६	२१	१५	९	३	५६	४९	४१	३३	२५	१६	६	५७	४८	से.
	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	घं.
११	४१	४४	४७	५०	५२	५५	५८	१	४	७	९	१२	१५	१८	२१	२४	२६	२९	३२	३५	३८	४१	४४	४६	४९	५२	५५	५८	१	४	मि.
मीन	३८	२७	१४	७	५६	४६	३५	२५	१४	३	५२	४२	३२	२२	१२	२	५४	४५	३६	२७	१९	११	४	५७	५०	४४	३८	३४	३०	२६	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २९ (अयनांश २३।।) उपकरण सांपातिकक्काल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
० मेष	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२०	घं.
	६	९	१२	१५	१८	२१	२४	२७	३०	३३	३६	३९	४२	४६	४९	५२	५५	५८	१	५	८	११	१४	१८	२१	२४	२८	३१	३५	३८	मि.
	५०	४६	४३	४०	४०	३९	३९	३९	४१	४४	४८	५२	५७	२	१२	२१	३०	३९	५२	६	२१	३७	५३	९	३१	५१	१३	३५	१	२७	से.
१ वृषभ	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	घं.
	४१	४५	४८	५२	५५	५९	३	६	१०	१४	१७	२१	२५	२९	३२	३६	४०	४४	४८	५२	५६	०	४	८	१२	१६	२०	२४	२८	३३	मि.
	५४	२३	५३	२३	५८	३२	९	४६	२६	७	४८	३३	१८	३	५३	४४	३५	२६	२२	१८	१६	१५	१६	१७	२२	२७	३३	३९	५२	४	से.
२ मिथुन	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	घं.
	३७	४१	४५	४९	५४	५८	२	७	११	१६	२०	२४	२९	३३	३८	४२	४७	५१	५६	०	५	१०	१४	१९	२४	२८	३३	३७	४२	४७	मि.
	१५	२८	४३	५८	१८	३७	५८	१९	४२	६	३१	५७	२४	५१	२२	५२	२३	५४	२८	२	३७	१२	४८	२४	२	३९	१८	५७	३७	१७	से.
३ कर्क	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३	३	घं.
	५१	५६	१	५	१०	१५	२०	२४	२९	३४	३८	४३	४८	५२	५७	२	७	११	१६	२१	२५	३०	३५	३९	४४	४९	५४	५८	३	८	मि.
	५६	३७	१८	५९	४०	२२	४	४६	२९	१२	५३	३५	१७	५९	४३	२५	७	४२	२२	१३	५५	३७	१८	५९	४१	२२	२	४२	२३	३	से.
४ सिंह	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	घं.
	१२	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४५	४९	५४	५९	३	८	१२	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४४	४९	५४	५८	३	७	१२	१६	२१	२५	मि.
	४२	२२	१	४०	१७	५५	३३	१५	४८	२७	२	३९	१५	५१	२७	२	३७	१२	४७	२२	५६	२९	३	३७	१०	४४	१७	५०	२३	५६	से.
५ कन्या	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७	७	घं.
	३०	३५	३९	४४	४८	५३	५७	२	६	११	१५	२०	२४	२९	३४	३८	४३	४७	५२	५६	१	५	१०	१५	१९	२४	२८	३३	३७	४२	मि.
	२९	२	३४	९	३९	१५	४४	१७	४[illegible]	२१	५३	२५	५८	३०	४	३६	९	४१	१६	४९	२२	५६	३०	४	३८	१३	४७	२१	५८	३४	से.

निरयन लग्न सारिणी अक्षांश २६ (अयनांश २३॥) उपकरण सांपातिककाल

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	
६	७	७	७	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	१०	घं.
	४७	५१	५६	०	५	१०	१४	१९	२४	२८	३३	३८	४२	४६	५१	५६	१	५	१०	१५	२०	२४	२९	३४	३८	४३	४८	५२	५७	२	मि.
तुला	९	४५	२१	५७	३६	११	४८	२५	४	४२	२१	०	३९	३९	५७	३७	१७	५७	३८	१९	०	४१	२२	३	४६	२८	१०	५२	३४	१७	से.
७	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	घं.
	७	११	१६	२१	२५	३०	३५	३९	४४	४९	५४	५८	३	८	१२	१७	२२	२६	३१	३५	४०	४५	४९	५४	५८	३	८	१२	१७	२१	मि.
वृश्चिक	०	४२	२५	८	४९	३२	१४	५६	३७	१९	०	४२	२२	२	४३	२३	३	४३	१९	५७	३५	१२	४८	२४	५७	३२	५	३८	७	३७	से.
८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	घं.
	२६	३०	३५	३९	४३	४८	५२	५७	१	५	९	१४	१८	२२	२६	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९	३	७	११	१५	१९	२३	२७	मि.
धन	७	२९	३	४१	५४	१८	४१	४	२३	४२	५९	१६	३२	४८	५८	८	१८	२८	३२	३८	४२	४४	४५	४६	४१	३८	३३	२८	१६	६	से.
९	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	घं.
	३०	३४	३८	४२	५५	४९	५३	५६	०	४	७	११	१४	१८	२१	२४	२८	३१	३५	३८	४१	४५	४८	५१	५४	५८	१	४	७	१०	मि.
मकर	५५	४२	२८	१४	५३	३४	१३	५९	२६	१	३४	६	३७	८	३२	५८	२३	४८	९	१९	४६	६	२३	४०	५३	६	१९	३१	३६	४८	से.
१०	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	घं.
	१३	१७	२०	२३	२६	२९	३२	३५	३८	४१	४४	४७	५०	५३	५६	५९	१	४	७	१०	१३	१६	१९	२२	२४	२७	३०	३३	३६	३८	मि.
कुंभ	२६	३	८	१३	१६	१८	२०	२२	२२	२१	१९	१६	१४	१२	६	०	५५	५०	४२	३४	२७	१९	१०	२	५०	४०	३०	२०	९	५८	से.
११	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	घं.
	४१	४४	४७	५०	५३	५५	५८	१	४	७	९	१२	१५	१८	२१	२३	२६	२९	३२	३५	३७	४०	४३	४६	४९	५२	५५	५८	१	३	मि.
मीन	४७	३५	२४	१२	०	४८	३६	२४	१२	०	४८	३६	२५	१४	२	५१	४०	२९	१९	९	५९	५१	४२	३३	२५	१८	११	४	०	५५	से.

(घण्टे अथवा अंश) लघुरित्थ कोष्ठक

मि. क.	०	१	२	३	४	५	६	७
००		१.३८०२	१.०७९२	९०३१	७७८१	६८१२	६०२१	५३५१
१	३.१५८४	१.३७३०	१.०७५६	९००७	७७६३	६७९८	६००९	५३४१
२	२.८५७३	१.३६६०	१.०७२०	८९८३	७७४५	६७८४	५९९७	५३३०
३	२.६८१२	१.३५९०	१.०६८५	८९५९	७७२८	६७६९	५९८५	५३२०
४	२.५५६३	१.३५२२	१.०६४९	८९३५	७७१०	६७५५	५९७३	५३१०
५	२.४५९४	१.३४५४	१.०६१४	८९१२	७६९२	६७४१	५९६१	५३००
६	२.३८०२	१.३३८८	१.०५८०	८८८८	७६७४	६७२६	५९४९	५२८९
७	२.३१३३	१.३३२३	१.०५४६	८८६५	७६५७	६७१२	५९३७	५२७९
८	२.२५५३	१.३२५८	१.०५११	८८४२	७६३९	६६९८	५९२५	५२६९
९	२.२०४१	१.३१९५	१.०४७८	८८१९	७६२२	६६८४	५९१३	५२५९
१०	२.१५८४	१.३१३३	१.०४४४	८७९६	७६०४	६६७०	५९०२	५२४९
११	२.११७०	१.३०७१	१.०४११	८७७३	७५८७	६६५६	५८९०	५२३९
१२	२.०७९२	१.३०१०	१.०३७८	८७५१	७५७०	६६४२	५८७८	५२२९
१३	२.०४४४	१.२९५०	१.०३४५	८७२८	७५५२	६६२८	५८६६	५२१९
१४	२.०१२२	१.२८९१	१.०३१३	८७०६	७५३५	६६१४	५८५५	५२०९
१५	१.९८२३	१.२८३३	१.०२८०	८६८३	७५१८	६६००	५८४३	५१९९
१६	१.९५४२	१.२७७५	१.०२४८	८६६१	७५०१	६५८७	५८३२	५१८९
१७	१.९२७९	१.२७१९	१.०२१६	८६३९	७४८४	६५७३	५८२०	५१७९
१८	१.९०३१	१.२६६३	१.०१८४	८६१७	७४६७	६५५९	५८०९	५१६९
१९	१.८७९६	१.२६०७	१.०१५३	८५९५	७४५१	६५४६	५७९७	५१५९
२०	१.८५७३	१.२५५३	१.०१२२	८५७३	७४३४	६५३२	५७८६	५१४९
२१	१.८३६१	१.२४९९	१.००९१	८५५२	७४१७	६५१९	५७७४	५१३९
२२	१.८१५९	१.२४४५	१.००६१	८५३०	७४०१	६५०५	५७६३	५१२९
२३	१.७९६६	१.२३९३	१.००३०	८५०९	७३८४	६४९२	५७५२	५१२०
२४	१.७७८१	१.२३४१	१.००००	८४८७	७३६८	६४७८	५७४०	५११०
२५	१.७६०४	१.२२८९	०.९९७०	८४६६	७३५१	६४६५	५७२९	५१००
२६	१.७४३४	१.२२३९	०.९९४०	८४४५	७३३५	६४५१	५७१८	५०९०
२७	१.७२७०	१.२१८८	०.९९१०	८४२४	७३१८	६४३८	५७०६	५०८१
२८	१.७११२	१.२१३९	०.९८८१	८४०३	७३०२	६४२५	५६९५	५०७१
२९	१.६९६०	१.२०९०	०.९८५२	८३८२	७२८६	६४१२	५६८४	५०६१
३०	१.६८१२	१.२०४१	०.९८२३	८३६१	७२७०	६३९८	५६७३	५०५१
३१	१.६६७०	१.१९९३	०.९७९४	८३४१	७२५४	६३८५	५६६२	५०४२
३२	१.६५३२	१.१९४६	०.९७६५	८३२०	७२३८	६३७२	५६५१	५०३२
३३	१.६३९८	१.१८९९	०.९७३७	८३००	७२२२	६३५९	५६४०	५०२३
३४	१.६२६९	१.१८५२	०.९७०८	८२७९	७२०६	६३४६	५६२९	५०१३
३५	१.६१४३	१.१८०६	०.९६८०	८२५९	७१९०	६३३३	५६१८	५००३

३–७ कोष्ठकों में सभी संख्या दशमलव में समझें। जैसे ·९०३१ इत्यादि।

(घण्टे अथवा अंश) लघुरित्थ कोष्ठक

मि. क.	०	१	२	३	४	५	६	७
३६	१.६०२१	१.१७६१	०.९६५२	८२३९	७१७४	६३२०	५६०७	४९९४
३७	१.५९०२	१.१७१९	०.९६२५	८२१९	७१५९	६३०७	५५९६	४९८४
३८	१.५७८६	१.१६७१	०.९५९७	८१९९	७१४३	६२९४	५५८५	४९७५
३९	१.५६७३	१.१६२७	०.९५७०	८१७९	७१२८	६२८२	५५७४	४९६५
४०	१.५५६३	१.१५८४	०.९५४२	८१५९	७११२	६२६९	५५६३	४९५६
४१	१.५४५६	१.१५४०	०.९५१५	८१४०	७०९७	६२५६	५५५२	४९४७
४२	१.५३५१	१.१४९८	०.९४८८	८१२०	७०८१	६२४३	५५४१	४९३७
४३	१.५२४९	१.१४५५	०.९४६२	८१०१	७०६६	६२३१	५५३१	४९२८
४४	१.५१४९	१.१४१३	०.९४३५	८०८१	७०५०	६२१८	५५२०	४९१८
४५	१.५०५१	१.१३७२	०.९४०९	८०६२	७०३५	६२०५	५५०९	४९०४
४६	१.४९५६	१.१३३१	०.९३८३	८०४३	७०२०	६१९३	५४९८	४९००
४७	१.४८६३	१.१२९०	०.९३५६	८०२३	७००५	६१८०	५४८८	४८९०
४८	१.४७७१	१.१२४९	०.९३३०	८००४	६९९०	६१६८	५४७७	४८८१
४९	१.४६८२	१.१२०९	०.९३०५	७९८५	६९७५	६१५५	५४६६	४८७२
५०	१.४५९४	१.११७०	०.९२७९	७९६६	६९६०	६१४३	५४५६	४८६३
५१	१.४५०८	१.११३०	०.९२५४	७९४७	६९४५	६१३१	५४४५	४८५३
५२	१.४४२४	१.१०९१	०.९२२८	७९२९	६९३०	६११८	५४३५	४८४४
५३	१.४३४१	१.१०५३	०.९२०३	७९१०	६९१५	६१०६	५४२४	४८३५
५४	१.४२६०	१.१०१५	०.९१७८	७८९१	६९००	६०९४	५४१४	४८२६
५५	१.४१८०	१.०९७७	०.९१५३	७८७३	६८८५	६०८१	५४०३	४८१७
५६	१.४१०२	१.०९३९	०.९१२८	७८५४	६८७१	६०६९	५३९३	४८०८
५७	१.४०२५	१.०९०२	०.९१०४	७८३६	६८५६	६०५७	५३८२	४७९८
५८	१.३९४९	१.०८६५	०.९०७९	७८१८	६८४१	६०४५	५३७२	४७८९
५९	१.३८७५	१.०८२८	०.९०५५	७८००	६८२७	६०३३	५३६१	४७८०

यहाँ २ से आगे के कोष्ठकों में सभी संख्या दशमलव में समझें। '८२३९ इत्यादि।

(घण्टे अथवा अंश) लघुरित्थ कोष्ठक

सि. क.	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
००	४७७१	४२६०	३८०२	३३८८	३०१०	२६६३	२३४१	२०४१	१७६१
१	४७६२	४२५२	३७९५	३३८२	३००४	२६५७	२३३६	२०३६	१७५६
२	४७५३	४२४४	३७८८	३३७५	२९९८	२६५२	२३३०	२०३२	१७५२
३	४७४४	४२३६	३७८०	३३६८	२९९२	२६४६	२३२५	२०२७	१७४७
४	४७३५	४२२८	३७७३	३३६२	२९८६	२६४०	२३२०	२०२२	१७४३
५	४७२६	४२२०	३७६६	३३५५	२९८०	२६३५	२३१५	२०१७	१७३८
६	४७१७	४२१२	३७५९	३३४९	२९७४	२६२९	२३१०	२०१२	१७३४
७	४७०८	४२०४	३७५२	३३४२	२९६८	२६२४	२३०५	२००८	१७२९
८	४६९९	४१९६	३७४५	३३३६	२९६२	२६१८	२३००	२००३	१७२५
९	४६९०	४१८८	३७३७	३३२९	२९५६	२६१३	२२९५	१९९८	१७२०
१०	४६८२	४१८०	३७३०	३३२३	२९५०	२६०७	२२८९	१९९३	१७१६
११	४६७३	४१७२	३७२३	३३१६	२९४४	२६०२	२२८४	१९८८	१७११
१२	४६६४	४१६४	३७१६	३३१०	२९३८	२५९६	२२७९	१९८४	१७०७
१३	४६५५	४१५६	३७०९	३३०३	२९३३	२५९१	२२७४	१९७९	१७०२
१४	४६४६	४१४८	३७०२	३२९७	२९२७	२५८५	२२६९	१९७४	१६९८
१५	४६३८	४१४१	३६९५	३२९१	२९२१	२५८०	२२६४	१९६९	१६९४
१६	४६२९	४१३३	३६८८	३२८४	२९१५	२५७४	२२५९	१९६५	१६८९
१७	४६२०	४१२५	३६८१	३२७८	२९०९	२५६९	२२५४	१९६०	१६८५
१८	४६११	४११७	३६७४	३२७१	२९०३	२५६४	२२४९	१०५५	१६८०
१९	४६०३	४१०९	३६६७	३२६५	२८९७	२५५८	२२४४	१९५०	१६७६
२०	४५९४	४१०२	३६६०	३२५८	२८९१	२५५३	२२३९	१९४६	१६७१
२१	४५८५	४०९४	३६५३	३२५२	२८८५	२५४७	२२३४	१९४१	१६६७
२२	४५७७	४०८६	३६४६	३२४६	२८८०	२५४२	२२२९	१९३६	१६६३
२३	४५६८	४०७९	३६३९	३२३९	२८७४	२५३६	२२२४	१९३२	१६५८
२४	४५५९	४०७१	३६३२	३२३३	२८६८	२५३१	२२१८	१९२७	१६५४
२५	४५५१	४०६३	३६२५	३२२७	२८६२	२५२६	२२१३	१९२२	१६४९
२६	४५४२	४०५५	३६१८	३२२०	२८५६	२५२०	२२०८	१९१७	१६४५
२७	४५३४	४०४८	३६११	३२१४	२८५०	२५१५	२२०३	१९१३	१६४०
२८	४५२५	४०४०	३६०४	३२०८	२८४५	२५०९	२१९८	१९०८	१६३६
२९	४५१६	४०३२	३५९७	३२०१	२८३९	२५०४	२१९३	१९०३	१६३२
३०	४५०८	४०२५	३५९०	३१९५	२८३३	२४९९	२१८८	१८९९	१६२७
३१	४४९९	४०१७	३५८३	३१८९	२८२७	२४९३	२१८३	१८९४	१६२३
३२	४४९१	४०१०	३५७६	३१८३	२८२१	२४८८	२१७८	१८८९	१६१९
३३	४४८२	४००२	३५७०	३१७६	२८१६	२४८३	२१७३	१८८५	१६१४
३४	४४७४	३९९४	३५६३	३१७०	२८१०	२४७७	२१६८	१८८०	१६१५
३५	४४६६	३९८७	३५५६	३१६४	२८०४	२४७२	२१६४	१८७५	१६०५

इस कोष्ठक में सभी संख्या दशमलव में समझें। जैसे '४७७१ इत्यादि।

(घण्टे अथवा अंश) लघुरित्थ कोष्ठक

मि. क्र.	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
३६	४४५७	३९७९	३५४९	३१५७	२७१८	२४६७	२१५९	१८७१	१६०१
३७	४४४९	३९७२	३५४२	३१५१	२७९३	२४६१	२१५४	१८६६	१५९७
३८	४४४०	३९६४	३५३५	३१४५	३७८७	२४५६	२१४९	१८६२	१५९२
३९	४४३२	३९५७	३५२९	३१३९	२७८१	२४५१	२१४४	१८५७	१५८८
४०	४४२४	३९४९	३५२२	३१३३	२७७५	२४४५	२१३९	१८५२	१५८४
४१	४४१५	३९४२	३५१५	३१२६	२७७०	२४४०	२१३४	१८४८	१५७९
४२	४४०७	३९३४	३५०८	३१२०	२७६४	२४३५	२१२९	१८४३	१५७५
४३	४३९९	३९२७	३५०१	३११४	२७५८	२४३०	२१२४	१८३८	१५७१
४४	४३९०	३९१९	३४९५	३१०८	२७५३	२४२४	२११९	१८३४	१५६६
४५	४३८२	३९१२	३४८८	३१०२	२७४७	२४१९	२११४	१८२९	१५६२
४६	४३७४	३९०५	३४८१	३०९६	२७४१	२४१४	२१०९	१८२५	१५५८
४७	४३६५	३८९७	३४७५	३०८९	२७३६	२४०९	२१०४	१८२०	१५५३
४८	४३५७	३८९०	३४६८	३०८३	२७३०	२४०३	२०९९	१८१६	१५४९
४९	४३४९	३८८२	३४६१	३०७७	२७२४	२३९८	२०९५	१८११	१५४५
५०	४३४१	३८७५	३४५४	३०७१	२७१९	२३९३	२०९०	१८०६	१५४०
५१	४३३३	३८६८	३४४८	३०६५	२७१३	२३८८	२०८८	१८०२	१५३६
५२	४३२४	३८६०	३४४१	३३५९	२७०७	२३८२	२०८०	१७९७	१५३२
५३	३३१६	३८५३	३४३४	३०५३	२७०२	२३७७	२०७५	१७९३	१५२८
५४	४३०८	३८४६	३४२८	३०४७	२६९६	२३७२	२०७०	१७८८	१५२३
५५	४३००	३८३८	३४२१	३०४१	२६९१	२३६७	२०६५	१७८४	१५१९
५६	४२९२	३८३१	३४१५	३०३४	२६८५	२३६२	२०६१	१७७९	१५१५
५७	४२८४	३८२४	३४०८	३०२८	२६७९	२३५६	२०५६	१७७४	१५१०
५८	४२७६	३८१७	३४०१	३०२२	२६७४	२३५१	२०५१	१७७०	१५०६
५९	४२६८	३८०९	३३९५	३०१६	२६६८	२३४६	२०४६	१७६५	१५०२

इस कोष्ठक में सभी संख्या दशमल में समझें। जैसे ·४४५७ इत्यादि।

(घण्टे अथवा अंश) लघुरित्थ कोष्ठक

मि. क्र.	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३
००	१४९८	१२४९	१०१५	०७९२	०५८०	०३७८	०१८५
१	१४९३	१२४५	१०११	०७८८	०५७७	०३७५	०१८२
२	१४८९	१२४१	१००७	०७८५	०५७३	०३७१	०१७९
३	१४८५	१२३७	१००३	०७८१	०५७०	०३६८	०१७५
४	१४८१	१२३३	०९९९	०७७७	०५६६	०३६५	०१७२
५	१४७६	१२२९	०९९६	०७७४	०५६३	०३६१	०१६९
६	१४७२	१२२५	०९९२	०७७०	०५५९	०३५८	०१६६
७	१४६८	१२२१	०९८८	०७६६	०५५६	०३५५	०१६३
८	१४६४	१२१७	०९८४	०७६३	०५५२	०३५२	०१६०
९	१४६०	१२१३	०९८०	०७५९	०५४९	०३४८	०१५७
१०	१४५५	१२०९	०९७७	०७५६	०५४६	०३४५	०१५३
११	१४५१	१२०५	०९७३	०७५२	०५४२	०३४२	०१५०
१२	१४४७	१२०१	०९६९	०७४९	०५३९	०३३९	०१४७
१३	१४४३	११९७	०९६५	०७४५	०५३५	०३३५	०१४४
१४	१४३८	११९३	०९६२	०७४२	०५३२	०३३२	०१४१
१५	१४३४	११८९	०९५८	०७३८	०५२९	०३२९	०१३८
१६	१४३०	११८५	०९५४	०७३४	०५२५	०३२६	०१३५
१७	१४२६	११८२	०९५०	०७३१	०५२२	०३२२	०१३२
१८	१४२२	११७८	०९४७	०७२७	०५१८	०३१९	०१२९
१९	१४१७	११७४	०९४३	०७२४	०५१५	०३१६	०१२५
२०	१४१३	११७०	०९३९	०७२०	०५११	०३१३	०१२२
२१	१४०९	११६६	०९३५	०७१७	०५०८	०३०९	०११९
२२	१४०५	११६२	०९३२	०७१३	०५०५	०३०६	०११६
२३	१४०१	११५८	०९२८	०७०९	०५०१	०३०३	०११३
२४	१३९७	११५४	०९२४	०७०६	०४९८	०३००	०११०
२५	१३९३	११५०	०९२०	०७०२	०४९५	०२९६	०१०७
२६	१३८८	११४६	०९१७	०६९९	०४९१	०२९३	०१०४
२७	१३८४	११४२	०९१३	०६९५	०४८८	०२९०	०१०१
२८	१३८०	११३८	०९०९	०६९२	०४८५	०२८७	००९८
२९	१३७६	११३४	०९०५	०६८८	०४८१	०२८३	००९४
३०	१३७२	११३०	०९०२	०६८५	०४७८	०२८०	००९१
३१	१३६८	११२६	०८९८	०६८१	०४७४	०२७७	००८८
३२	१३६३	११२३	०८९४	०६७८	०४७१	०२७४	००८५
३३	१३५९	१११९	०८९१	०६७४	०४६८	०२७१	००८२
३४	१३५५	१११५	०८८७	०६७०	०४६४	०२६७	००७९
३५	१३५१	११११	०८८३	०६६७	०४६१	०२६४	००७६

इस कोष्ठक में सभी संख्या दशमलव में समझें। जैसे ·१४९८ इत्यादि।

(घण्टे अथवा अंश) लघुरित्थ कोष्ठक

सि. क्र.	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३
३६	१३४७	११०७	०८८०	०६६४	०४५८	०२६१	००७३
३७	१३४३	११०३	०८७६	०६६०	०४५४	०२५८	००७०
३८	१३३९	१०९९	०८७२	०६५६	०४५१	०२५५	००६७
३९	१३३५	१०९५	०८६८	०६५३	०४४८	०२५१	००६४
४०	१३३१	१०९२	०८६५	०६४९	०४४४	०२४८	००६१
४१	१३२७	१०८८	०८६१	०६४६	०४४१	०२४५	००५८
४२	१३२२	१०८४	०८५७	०६४२	०४३७	०२४२	००५५
४३	१३१८	१०८०	०८५४	०६३९	०४३४	०२३९	००५२
४४	१३१४	१०७६	०८५०	०६३५	०४३१	०२३५	००४८
४५	१३१०	१०७२	०८४६	०६३२	०४२८	०२३२	००४५
४६	१३०६	१०६८	०८४३	०६२९	०४२४	०२२९	००४२
४७	१३०२	१०६४	०८३९	०६२५	०४२१	०२२६	००३९
४८	१२९८	१०६१	०८३५	०६२१	०४१८	०२२३	००३६
४९	१२९४	१०५७	०८३२	०६१८	०४१४	०२२०	००३३
५०	१२९०	१०५३	०८२८	०६१४	०४११	०२१६	००३०
५१	१२८६	१०४९	०८२४	०६११	०४०८	०२१३	००२७
५२	१२८२	१०४५	०८२१	०६०८	०४०[illegible]	०२१०	००२४
५३	१२७८	१०४१	०८१७	०६०४	०४०१	०२०७	००२१
५४	१२७४	१०३७	०८१४	०६०१	०३९८	०२०४	००१८
५५	१२७०	१०३४	०८१०	०५९७	०३९४	०२०१	००१५
५६	१२६६	१०३०	०८०६	०५९४	०३९१	०१९७	००१२
५७	१२६१	१०२६	०८०३	०५९०	०३८८	०१९४	०००९
५८	१२५७	१०२२	०७९९	०५८७	०३८४	०१९१	०००६
५९	१२५३	१०१८	०७९५	०५८३	०३८१	०१८८	०००३

इस कोष्ठक में सभी संख्या दशम में समझें जैसे '१३४७ इत्यादि ।

विदेश में गणित का विकास होता जा रहा है। दिन प्रति दिन गणित सम्बन्धि भी नये नये आविष्कार होते जा रहें हैं। ज्यौतिष शास्त्र के गणित की सरलता के लिए अनेक सरल साधन तैयार किये गये हैं। इस दिशा में राफेल (Raphael) का कार्य प्रसंशनीय है। ग्रह साधन तथा लग्नादि द्वादश भाव साधन नयी पद्धति से दिखाया जायगा। ग्रह साधन के लिये लघुरित्थ कोष्ठक की आवश्यकता रहती है। इसलिए उसका कोष्ठक दिया गया है। उसमें ऊपर की ओर अंश अथवा घण्टे रहते हैं। और बाईं तरफ कला वा मिनिट रहती हैं। पंचाङ्ग में जिस समय के ग्रह स्पष्ट हों, उस समय से इष्ट समय तक के घंटे मिनिट पर से लघुरित्थ कोष्ठक द्वारा अंक लेना चाहिये। तथा ग्रह की दैनिक गति के अंश कला पर से भी कोष्टक द्वारा अंक लेकर दोनों का योग लघुरित्थ कोष्ठक के संमुख के अंश कला ग्रह का चालन होगा। यह चालन पंक्तिस्थ ग्रह (पंचांग के ग्रह) में धन या ऋण करने से इष्ट काल के ग्रह स्पष्ट होंगे। चालन का नियम ग्रह स्पष्टीकरण में दिया गया है।

उदाहरणः—ता० १३-११-५४ के दिन स्टॉ. टा. १।३० मध्याहन का सूर्य स्पष्ट करना है। काशी के स्पष्ट ग्रह सूर्योदय कालिक हैं। सूर्योदय स्टॉ० टा. ६।१७ है। सूर्योदय से इष्टकाल तक का अन्तर घं. ७ मि० १३ है। लघुरित्थ कोष्ठक में ७ घण्टे १३ मिनट के सन्मुख कोष्ठक में .५२१९ अंक है। सूर्य की स्पष्टा गति १ अंश ३८ विकला है। उस पर से १.३८०२ यह है। दोनों अंकों का योग १.९०२१ यह हुआ। इस योग के सम्मुख ० अंश १८ कला फल मिला। इस फल को प्रातः स्पष्ट सूर्य। ६।२६।३२।१ में मिलाया तब इष्टकालिन स्पष्ट सूर्य ६।२६।५०।१ सिद्ध हुआ। कोष्ठक पर से विकला सम्बन्धि फल अनुपात से लेने पर और सूक्ष्म स्पष्ट ग्रह होगा। इस प्रकार और ग्रह भी स्पष्ट करने चाहिये।

लग्न साधन की आधुनिक रीति

क्रांति वृत्त (राशि वृत्त) और क्षितिज वृत्त के संपात को लग्न कहते हैं। यह संपात बदलता रहता है। और २४ घंटे अर्थात् ६० घटी में १२ राशि का भ्रमण हो जाता है। अतः एक दिन में १२ लग्न उदय लेते हैं। सूर्योदय में सूर्य ही लग्न माना जाता है। और उसके बाद जैसे जैसे समय बढ़ता जाता है वैसे वैसे लग्न बदलता जाता है। प्राचीनकाल से अब तक ज्यौतिषी विद्वान् इसका साधन सूर्योदय से जन्म समय तक की साधित इष्ट घटी तथा तात्कालिक

(जन्म समय के) स्पष्ट सूर्य पर से करते आये हैं। परन्तु अब आधुनिक विद्वान् सूर्योदय से साधित इष्ट घटी न लेकर जन्म समय पर से ही लग्न का साधन करते हैं। इसके लिये सांपातिक काल की आवश्यकता रहती है।

सांपातिक काल :—विषुववृत्त तथा राशि वृत्त के संपात को वसंत (मेष) संपात कहते हैं। संपात से जन्म कालिक स्पष्ट सूर्य से साधित विषुव-काल को इष्टसांपातिक काल कहते हैं। यह नाक्षत्रकाल कहलाता है। इसको जानने के लिये प्रति ईस्वी वर्ष के प्रारंभ में ग्रीनविच की मध्यरात्रि का सांपातिक काल गणित से लाकर रक्खा रहता है। इसमें पूर्वापर रेखांश द्वारा संस्कार देकर अपने देश की मध्यरात्रि का बना दिया जाता है। वर्षारंभ के सांपातिकाल में इष्ट अंग्रेजी मास तथा तारीख संबन्धि सांपातिक काल जोड़ने से अभीष्ट तारीख के प्रारंभ का अर्थात् मध्यरात्रि का सांपातिक काल होगा। इसमें मध्यरात्रि से जन्म समय तक का स्थानिक समय (लोकल समय अर्थात् स्टॉंडर्ड समय में रेखान्तर मिनिट धन हो तो जोड़कर तथा ऋण हो तो घटाकर जो समय बनता है उसे स्थानिक समय कहते हैं) जोड़ने से इष्ट सांपातिक काल होता है। इसके द्वारा लग्न साधन किया जाता है।

लग्न साधन:—जिस स्थान का लग्न साधन करना अभीष्ट हो उस स्थान के अक्षांश की लग्न सारिणी में इष्ट सांपातिक काल जिस कोष्ठक में मिले उसके संमुख के राशि अंश अभीष्ट लग्न के होंगे। इष्ट सांपातिक काल से कम काल वाले कोष्ठक को इष्टसांपातिक काल में घटाकर शेष मिनिट सेकेन्ड की सेकन्ड बनाकर उन्हें ६० से गुण दें। उसके बाद इष्ट सांपातिक काल से कम तथा अधिक काल वाले कोष्ठकों के अन्तर की मिनिट सेकन्ड की सेकेन्ड बनाकर उनका गुणनफल में भाग दें। फल कला होंगी। शेष को ६० से गुणकर अन्तर सेकेन्ड का भाग देने से फल विकला होंगी। इन कला विकला को पूर्व साधित राशि अंश में जोड़ने से स्पष्ट लग्न की राशि अंश कला एवं विकला होंगी।

दशम लग्न साधन :—दशम लग्न सारिणी में इष्ट सांपातिक काल जिस कोष्ठक पर मिले उस कोष्ठक के सन्मुख में दशम लग्न के राशि अंश मिलेंगे। लग्न की तरह अनुपात द्वारा कला विकला का साधन करना चाहिये।

सांपातिक काल द्वारा लग्न साधन की कुछ सारिणियाँ दी गई हैं। दशम लग्न साधन के लिये एक पृथक सारिणी है। इनका उपयोग केवल सांपातिक काल द्वारा ही किया जा सकता है।

विशेष :—भारतीय तथा आधुनिक लग्न सारिणियाँ २३।। अयनांश संबंधि हैं। अतः इष्ट समय के अयनांश २३।। अंश से कम अधिक भी हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में इष्ट समय के अयनांश २३।। अंश से जितने कम हों उतना अन्तर सारिणी से साधित लग्न में जोड़ दें। और यदि इष्ट समय के अयनांश २३।। अंश से अधिक हों तो जितने अधिक हों उतना अन्तर लग्न सारिणी द्वारा साधित लग्न में घटा देना चाहिये।
इससे लग्न की स्पष्टता अधिक सूक्ष्म होगी।

उदाहरण :—ता० २२-२-७१ के दिन कलकत्ते में बालक का जन्म प्रातः स्टॉ. टा. ११।१ समय पर हुआ है। कलकत्ता अक्षांश २२।३२ पूर्व रेखांश ८८।२१ रेखान्तर मि. २३।२४।

पूर्व दर्शित नियमानुसार प्रथम इष्ट सांपातिक काल का साधन करना है।

इष्ट सांपातिक काल एवं लग्न साधन

घं ६।३६।५६ सन् १९७१ कोष्ठक (१)   (८८।२१)२ = से. ५८।५४ = से. ५९
  – ५८ रेखांश संस्कार को (२)   ३

घं ६।३८।५८   गणित से रेखांश संस्कार से ५९ आता है। एवं कोष्ठक द्वारा अनुपात से. ५८ प्राप्त होता है।
  २। २।१३ फरवरी मास को (३)
  १।२२।४८ तारीख २२ को (४)
११।२४।२४ स्थानिक जन्म समय   ११।१ जन्म समय स्टॉ. टा.
  १।४८।२४ घंटा संस्कार को (५)   + २३।२४ रेखान्तर मि.
  ३।५६ मिनिट संस्कार को (६)   ११।२४।२४ स्थानिम जन्म समय
२१।३०।१५।२० इष्ट सांपातिक काल
२१।२८।४१   अक्षांश २३ सारिणी से प्राप्त राशि १ अंश १०
  १।३४ शेष
    ९४ शेष सेकेन्ड   २१।३२।३२ राशि१अंश११
  ×६०   २१।२८।४१ राशि१अंश १०
२३१)५६४०(२४ कला   ०।३ ।५१ अन्तर
  ४६२   २३१ अन्तर सेकन्ड
  १०२०
  ९२४   २३१)५७६०(२५
  ९६   ४६२   स्पष्ट लग्न १।१०।२४।२५
  ×६०   ११४०
  ५७६०   ११५५

दशम लग्न साधन

२१।३०।१५।२० इष्ट सांपातिक काल
२१।२७।४० दशम लग्न सारिणी से प्राप्त राशि ६ अंश २६

२।३५ शेष
१५५ शेष सेकेन्ड
+६०

२३५)९३००(३९
७०५
२२५०
२११५
१३५

१३५
+६०
२३५)८१००(३४
७०५
१०५०
९४०
११०

२१।३१।३५ राशि ६ अंश २७
२१।२७।४० राशि ६ अंश २६
०। ३।५५ अन्तर
२३५ अन्तर सेकेन्ड

स्पष्ट दशम लग्न ६।२६।३९।३४

लग्न एवं दशम लग्न के द्वारा भाव साधन पूर्व दर्शित नियमानुसार करना चाहिये।

दक्षिण गोलार्ध का लग्न साधन

यदि जन्म स्थान दक्षिण गोलार्ध में हो तो इष्ट सांपातिक काल में १२ घंटे जोड़कर उसे इष्ट सांपातिक काल मानें। और उस पर से साधित स्पष्ट लग्न में ६ राशि जोड़ने अभीष्ट लग्न होगा।

ग्रिनवीच की मध्यरात्रि में वर्षारंभ का

सांपातिक काल कोष्ठक (१)

सन्	घं.	मि.	से.	सन्	घं.	मि.	से.	सन्	घं.	मि	से.	सन्	घं.	मि.	से.
१८८१	६	४३	५	१९११	६	३८	५	१९४१	६	४१	०	१९७१	६	३९	५६
८२	६	४२	८	१२	६	३७	७	४२	६	४०	३	७२	६	३८	५८
८३	६	४१	१०	१३	६	४०	६	४३	६	३९	६	७३	६	४२	०
८४	६	४०	१३	१४	६	३९	९	४४	६	३८	८	७४	६	४१	३
८५	६	४३	१२	१५	६	३८	१२	४५	६	४१	७	७५	६	४०	६
८६	६	४२	१५	१६	६	३७	१४	४६	६	४०	१०	७६	६	३९	८
८७	६	४१	१८	१७	६	४०	१३	४७	६	३९	१३	७७	६	४२	७
८८	६	४०	२१	१८	६	३९	१६	४८	६	३८	१५	७८	६	४१	१०
८९	६	४३	१९	१९	६	३८	१९	४९	६	४१	१४	७९	६	४०	१३
१८९०	६	४२	२२	१९२०	६	३७	२१	१९५०	६	४०	१७	१९८०	६	३९	१५
९१	६	४१	२४	२१	६	४०	२१	५१	६	३९	२०	८१	६	४२	१४
९२	६	४०	२७	२२	६	३९	२४	५२	६	३८	२२	८२	६	४१	१७
९३	६	४३	२७	२३	६	३८	२६	५३	६	४१	२१	८३	६	४०	२०
९४	६	४२	३०	२४	६	३७	२९	५४	६	४०	२४	८४	६	३९	२२
९५	६	४१	३३	२५	६	४०	२८	५५	६	३९	२७	८५	६	४२	२१
९६	६	४०	३५	२६	६	३९	३१	५६	६	३८	२९	८६	३	४१	२४
९७	६	४३	३४	२७	६	३८	३४	५७	६	४१	२८	८७	६	४०	२७
९८	६	४२	३७	२८	६	३७	३६	५८	६	४०	३१	८८	६	३९	२९
९९	६	४१	४०	२९	६	४०	३६	५९	६	३९	३४	८९	६	४२	२८
१९००	६	४०	४२	१९३०	६	३९	३९	१९६०	६	३८	३६	१९९०	६	४१	३१
१	६	३९	४५	३१	६	३८	४२	६१	६	४१	३५	९१	६	४०	३४
२	६	३८	४८	३२	६	३७	४४	६२	६	४०	३८	९२	६	३९	३६
३	६	३७	५१	३३	६	४०	४४	६३	६	३९	४१	९३	६	४२	३५
४	६	३६	५३	३४	६	३९	४७	६४	६	३८	४३	९४	६	४१	३८
५	६	३९	[illegible]	३५	६	३८	५०	६५	६	४१	४२	९५	६	४०	४२
६	६	३८	५५	३६	६	३७	५२	६६	६	४०	४५	९६	६	३९	४४
७	६	३७	५८	३७	६	४०	५१	६७	६	३९	४८	९७	६	४१	४३
८	६	३७	०	३८	६	३९	५४	६८	६	३८	५०	९८	६	४०	४६
९	६	३९	५९	३९	६	३८	५७	६९	६	४१	५०	९९	६	३९	४९
१९१०	६	३९	२	१९४०	६	३७	५९	१९७०	६	४०	५३	२०००	६	३८	५२

इसमें प्रति १ वर्ष में से. ५७.३८१ घटती रहती हैं। और प्रति चार वर्ष के बाद से. ७.०२६ बढ़ती रहती हैं।

रेखांश संस्कार कोष्ठक (२)

पूर्व रेखांश के लिये ऋण तथा पश्चिम रेखांश के लिये धन

रे.	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०	१००
से.	०	१	२	३	३	४	५	५	६	७	१३	२०	२६	३३	३९	४६	५३	५९	६६

रेखांश संस्कार साधन का एक सामान्य नियम यह है कि रेखांश को दो से गुण कर तीन का भाग देने से संस्कार फल आ जाता है। सूक्ष्म फल अभीष्ट हो तो एक रेखांश के संस्कार फल प्र. से. ३९.४२६ को अभीष्ट रेखांश से गुणने पर अभीष्ट संस्कार फल प्राप्त होगा।

मास संस्कार कोष्ठक (३)

मास	ज.	फ.	मा.	अ.	मई	जून	जु.	अ.	सि.	अ.	न.	दि.
घं.	०	२	३	५	७	९	११	१३	१५	१७	१९	२१
मि.	०	२	५२	५४	५३	५५	५३	५५	५८	५६	५८	५६
से.	०	१३	३७	५०	७	२१	३८	५०	४	२१	३४	५०

दिन संस्कार (तारीख) कोष्ठक (४)

तारीख	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
घं.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
मि.	०	३	७	११	१५	१९	२३	२७	३१	३५	३९	४३	४७	५१	५५	५९
से.	०	५७	५३	५०	४६	४३	३९	३६	३२	३०	२६	२३	१९	१६	१२	९
तारीख	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	
घं.	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२
मि.	३	७	१०	१४	१८	२२	२६	३०	३४	३८	४२	४६	५०	५४	५८	२
से.	५	२	५८	५५	५१	४८	४४	४१	३७	३४	३०	२७	२४	२१	१७	१४

प्रतिदिन की सांपातिक गति मि. ३ से. ५६.५६ मानी जाती है। इस एक दिन की गतिको अभीष्ट दिन से गुणने पर अभीष्ट दिन संबंधि सांपातिक गति

होगी। सरलता के लिये कोष्ठक दिया गया है। जिस वर्ष लीप इयर हो अर्थात् सन् की संख्या में ४ का भाग देने पर यदि निःशेष हो जाय तो उस वर्ष फरवरी की २८ तारीख के बाद किसी अभीष्ट तारीख का सांपातिक काल बनाने के लिये उस तारीख तक लाये सांपातिक काल में मि. ३ से. ५६ प्र. से. ३४ और मिला देना चाहिये।

घंटा संस्कार कोष्ठक (५)

घं.	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
मि.	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१
से.	९	१९	२९	३९	४९	५९	८	१८	२८	३८	४८	५८
प्र. से.	५१	४२	३४	२५	१६	८	५९	५०	४२	३३	२४	१६
घं.	**१३**	**१४**	**१५**	**१६**	**१७**	**१८**	**१९**	**२०**	**२१**	**२२**	**२३**	**२४**
मि.	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३	३
से.	८	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२६	३६	४६	५६
प्र. से.	७	५८	४९	४१	३२	२३	१५	६	५७	४९	४१	३३

मिनिट संस्कार कोष्ठक (६)

मि.	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	२०	३०	४०	५०
से.	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	३	४	६	८
प्र. से.	१०	२०	३०	३९	४९	५९	९	१९	२९	३९	१७	५६	३४	१३

सारिणी द्वारा विंशोत्तरी दशा साधन

गणित के प्रयास से बचने के लिये सारिणी का उपयोग किया जाता है। प्रथम भाग में गणित द्वारा दशा साधन दिखाया गया है। यहाँ सरलता से दशा साधन का क्रम दिखाया जायगा। दशा साधन में स्पष्ट चन्द्र की आवश्यकता रहती है। सारिणी (१) में ऊपर राशि तथा बांये तरफ अंश दिये हैं। अभीष्ट

स्पष्टचन्द्र की राशि अंश के सम्मुख कोष्ठक में लब्ध फल दशा का भुक्त वर्षादि होगा। जो दशा दो अंशों के भीतर समाप्त होती है उस दशा के दो मान एक कोष्ठक में ही दिये हैं। मेष राशि के १३ अंश २० कला पर केतु की दशा समाप्त होती है। अतः १३ अंश सम्बन्धि फल ६–६–२७ तथा उस दशा के समाप्ति के वर्ष ७ एक ही कोष्ठक में दिये हैं। इसका ध्यान दशा साधन में रखना चाहिये।

इस दूसरे संस्करण में कला विकला सम्बन्धि दशा फल के लिये एक विस्तृत सारिणी (२) दी है। इसमें प्रति कला विकला सम्बन्धि फल अनायास प्राप्त हो जाता है। इन सब फलों का योग दशा का भुक्तमान बन जाता है। इसे दशा वर्ष में घटाने से दशा का भोग्यमान प्राप्त होगा।

उदाहरण :—स्पष्ट चन्द्र १।२९।२५।४१ पर से दशा साधन ऊपर लिखे नियमानुसार सारिणी द्वारा किया जाता है। जातक का जन्म भौम दशा में हुआ है।

व. मा. दि. घ. प.
२ ।११।२१। ०। ० राशि १ अंश २९ सम्बन्धि फल
२।१८।४५। ० कला २५ सं. फल
२। ६। ९ विकला ४१ सं. फल
३ । २।११।५४।९ भौम भुक्त दशा वर्षादि

इसे भौम के दशा वर्ष सात (७) में घटाने से भोग्य दशा वर्षादि ३।९। १८।५।५१ प्राप्त हुए। इस प्रकार अन्य उदाहरणों का साधन करना चाहिये।

सारिणी द्वारा अष्टोत्तरी दशा साधन

सारिणी द्वारा अष्टोत्तरी दशा का साधन विंशोत्तरी दशा की तरह किया जाता है। केवल शनि की दशा में ध्यान रखना चाहिये। शनि की दशा में

पूर्वाषाढा, उत्तराषाढा, अभिजित् तथा श्रवण ये ४ नक्षत्र हैं। शनि की दशा में उक्त नक्षत्रांत कालिनचन्द्र दशासाधने के अवसर पर दिया गया है। उस पर से शनि दशा में नक्षत्र को जानकर उस नक्षत्र की कला विकला की सारिणी पर से कला विकला सम्बन्धि फल लेना चाहिये। और सब फलों का योग शनि दशा का भुक्त होगा।

उदाहरण :—चन्द्र १।२६।२५।४१। सारिणी में वृषभ राशि के २९ अंश सम्बन्धि शुक्रदशा का वर्षादि १६।११।२१ फल। १० कला तथा ५ कला का क्रमशः फल मासादि २।३।० तथा ०।१५।४५। इनका योग मासादि २।१८। ४५ और ४१ विकला सम्बन्धि दिनादिफल (२।६०)+(०।३।६)=२।६।६ सब का योग शुक्र दशा का भुक्त वर्षादि १७।२।१११५४।६। दशा वर्ष मान २१ में घटाने से भोग्य वर्षादि ३।९।१८।५।५१।

अष्टोत्तरी शनि दशा साधन :—चद्र ६।११।२१।५७। अभिजित् दशा साधन कोष्टक में ६।१०।५३।२० तक अभिजित् की दशा रहती है। इसके बाद श्रवण की दशा लगती है। अतः अभीष्ट चन्द्र तथा अभिजित् के अन्त-कालिन के चन्द्र की अन्तर कला ०।०।२८।३७ सम्बन्धि फल श्रवण के कोष्टक पर से लेना चाहिये। तदनुसार २८ कला सम्बन्धी फल मासादि (०।२४।६। २५)+(०।९।३८।३४)=१।३।४४।५६। तथा ३७ विकला सम्बन्धि फल दिनादि (०।३६।६)+(०।८।२६)=०।४४।३५। दोनों फलों का योग १।३।४४।५६ + ०।०।४४।३५=१।४।२६।३४ मासादि फल अभिजित के अन्तकालिन दशा वर्षादि ७।६ में जोड़ने से शनि भुक्त ७।७।४।२६।३४। इसको दशा वर्ष १० में घटाने से भोग्य वर्षादि २।४।२५।३०।२६ प्राप्त हुआ।

विंशोत्तरी दशा सारिणी (१)

अं.		मे. सिं. ध.				वृ. क. म.				मि. तु. कुं.				क. वृ. मी.		
		व.	मा.	दि.		व.	मा.	दि.		व.	मा.	दि.		व.	मा.	दि.
०		०	०	०		१	६	०		३	६	०		१२	०	०
१	के.	०	६	९	सू.	१	११	१२	मं.	४	०	९	बृ.	१३	२	१२
२		१	०	१८		२	४	२४		४	६	१८		१४	४	२४
३		१	६	२७		२	१०	६		५	०	२७		१५	७	६
३।२०														१६	०	०
४		२	१	६		३	३	१८		५	७	६	श.	०	११	१२
५		२	७	१५		३	९	०		६	१	१५		२	४	१५
६		३	१	२४		४	२	१२		६	७	२४		३	९	१८
६।४०										७	०	०				
७		३	८	९		४	७	२४	रा.	०	५	१२		५	२	२१
८		४	२	१२		५	१	६		१	९	१८		६	७	२४
९		४	८	२१		५	६	१८		३	१	२४		८	०	२७
१०		५	३	०		६	०	०		४	६	०		९	६	०
११		५	९	९	चं.	०	९	०		५	१०	६		१०	११	३
१२		६	३	१८		१	६	०		७	२	१२		१२	४	६
१३		६	९	२७		२	३	०		८	६	१८		१३	९	९
१३।२०		७	०	०												
१४	शु.	१	०	०		३	०	०		९	१०	२४		१५	२	१२
१५		२	६	०		३	९	०		११	३	०		१६	७	१५
१६		४	०	०		४	६	०		१२	७	६		१८	०	१८
१६।४०														१९	०	०
१७		५	६	०		५	३	०		१३	११	१२	बु.	०	५	३
१८		७	०	०		६	०	०		१५	३	१८		१	८	१२
१९		८	६	०		६	९	०		१६	७	२४		२	११	२१
२०		१०	०	०		७	६	०		१८	०	०		४	३	०
२१		११	६	०		८	३	०	बृ.	१	२	१२		५	६	९
२२		१३	०	०		९	०	०		२	४	२४		६	९	१८
२३		१४	६	०		९	९	०		३	७	६		८	०	२७
२३।२०						१०	०	०								
२४		१६	०	०	मं.	०	४	६		४	९	१८		९	४	६
२५		१७	६	०		०	१०	१५		६	०	०		१०	७	१५
२६		१९	०	०		१	४	२४		७	२	१२		११	१०	२४
२६।४०		२०	०	०												
२७	सू.	०	१	२४		१	११	३		८	४	२४		१३	२	३
२८		०	७	६		२	५	१२		९	७	६		१४	५	१२
२९		१	०	१८		२	११	२१		१०	९	१८		१५	८	२१
३०	सू.	१	६	०	मं.	३	६	०	बृ.	१२	०	०	बु.	१७	०	०

विंशोत्तरी दशा कला-विकला सारिणी

	सूर्य						चन्द्र						मंगल-केतु					
	कला			विकला			कला			विकला			कला			विकला		
	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.
१	०	२	४२	०	२	४२	०	४	३०	०	४	३०	०	३	९	०	३	९
२	०	५	२४	०	५	२४	०	९	०	०	९	०	०	६	१८	०	६	१८
३	०	८	६	०	८	६	०	१३	३०	०	१३	३०	०	९	२७	०	९	२७
४	०	१०	४८	०	१०	४८	०	१८	०	०	१८	०	०	१२	३६	०	१२	३६
५	०	१३	३०	०	१३	३०	०	२२	३०	०	२२	३०	०	१५	४५	०	१५	४५
६	०	१६	१२	०	१६	१२	०	२७	०	०	२७	०	०	१८	५४	०	१८	५४
७	०	१८	५४	०	१८	५४	१	१	३०	०	३१	३०	०	२२	३	०	२२	३
८	०	२१	३६	०	२१	३६	१	६	०	०	३६	०	०	२५	१२	०	२५	१२
९	०	२४	१८	०	२४	१८	१	१०	३०	०	४०	३०	०	२८	२१	०	२८	२१
१०	०	२७	०	०	२७	०	१	१५	०	०	४५	०	१	१	३०	०	३१	३०
११	०	२९	४२	०	२९	४२	१	१९	३०	०	४९	३०	१	४	३९	०	३४	३९
१२	१	२	२४	०	३२	२४	१	२४	०	०	५४	०	१	७	४८	०	३७	४८
१३	१	५	६	०	३५	६	१	२८	३०	०	५८	३०	१	१०	५७	०	४०	५७
१४	१	७	४८	०	३७	४८	२	३	०	१	३	०	१	१४	६	०	४४	६
१५	१	१०	३०	०	४०	३०	२	७	३०	१	७	३०	१	१७	१५	०	४७	१५
१६	१	१३	३२	०	४३	३२	२	१२	०	१	१२	०	१	२०	२४	०	५०	२४
१७	१	१५	५४	०	४५	५४	२	१६	३०	१	१६	३०	१	२३	३३	०	५३	३३
१८	१	१८	३६	०	४८	३६	२	२१	०	१	२१	०	१	२६	४२	०	५६	४२
१९	१	२१	१८	०	५१	१८	२	२५	३०	१	२५	३०	१	२९	५१	०	५९	५१
२०	१	२४	०	०	५४	०	३	०	०	१	३०	०	२	३	०	१	३	०
२१	१	२६	४२	०	५६	४२	३	४	३०	१	३४	३०	२	६	९	१	६	९
२२	१	२९	२४	०	५९	२४	३	९	०	१	३९	०	२	९	१८	१	९	१८
२३	२	२	६	१	२	६	३	१३	३०	१	४३	३०	२	१२	२७	१	१२	२७
२४	२	४	४८	१	४	४८	३	१८	०	१	४८	०	२	१५	३६	१	१५	३६
२५	२	७	३०	१	७	३०	३	२२	३०	१	५२	३०	२	१८	४५	१	१८	४५
२६	२	१०	१२	१	१०	१२	३	२७	०	१	५७	०	२	२१	५४	१	२१	५४
२७	२	१२	५४	१	१२	५४	४	१	३०	२	१	३०	२	२५	३	१	२५	३
२८	२	१५	३६	१	१५	३६	४	६	०	२	६	०	२	२८	१२	१	२८	१२
२९	२	१८	१८	१	१८	१८	४	१०	३०	२	१०	३०	३	१	२१	१	३१	२१
३०	२	२१	०	१	२१	०	४	१५	०	२	१५	०	३	४	३०	१	३४	३०

विंशोत्तरी दशा कला-विकला सारिणी

	सूर्य						चन्द्र						मंगल-केतु					
	कला			विकला			कला			विकला			कला			विकला		
	मा.	दि.	घ.	दि	घ	प.	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.
३१	२	२३	४२	१	२३	४२	४	१९	३०	२	१९	३०	३	७	३९	१	३७	३९
३२	२	२६	२४	१	२६	२४	४	२४	०	२	२४	०	३	१०	४८	१	४०	४८
३३	२	२९	६	१	२९	६	४	२८	३०	२	२८	३०	३	१३	५७	१	४३	५७
३४	३	१	४८	१	३१	४८	५	३	०	२	३३	०	३	१७	६	१	४७	६
३५	३	४	३०	१	३४	३०	५	७	३०	२	३७	३०	३	२०	१५	१	५०	१५
३६	३	७	१२	१	३७	१२	५	१२	०	२	४२	०	३	२३	२४	१	५३	२४
३७	३	९	५४	१	३९	५४	५	१६	३०	२	४६	३०	३	२६	३३	१	५६	३३
३८	३	१२	३६	१	४२	३६	५	२१	०	२	५१	०	३	२९	४२	१	५९	४२
३९	३	१५	१८	१	४५	१८	५	२५	३०	२	५५	३०	४	२	५१	२	२	५१
४०	३	१८	०	१	४८	०	६	०	०	३	०	०	४	६	०	२	६	०
४१	३	२०	४२	१	५०	४२	६	४	३०	३	४	३०	४	९	९	२	९	९
४२	३	२३	२४	१	५३	२४	६	९	०	३	९	०	४	१२	१८	२	१२	१८
४३	३	२६	६	१	५६	६	६	१३	३०	३	१३	३०	४	१५	२७	२	१५	२७
४४	३	२८	४८	१	५८	४८	६	१८	०	३	१८	०	४	१८	३६	२	१८	३६
४५	४	१	३०	२	१	३०	६	२२	३०	३	२२	३०	४	२१	४५	२	२१	४५
४६	४	४	१२	२	४	१२	६	२७	०	३	२७	०	४	२४	५४	२	२४	५४
४७	४	६	५४	२	६	५४	७	१	३०	३	३१	३०	४	२८	३	२	२८	३
४८	४	९	३६	२	९	३६	७	६	०	३	३६	०	५	१	१२	२	३१	१२
४९	४	१२	१८	२	१२	१८	७	१०	३०	३	४०	३०	५	४	२१	२	३४	२१
५०	४	१५	०	२	१५	०	७	१५	०	३	४५	०	५	७	३०	२	३७	३०
५१	४	१७	४२	२	१७	४२	७	१९	३०	३	४९	३०	५	१०	३९	२	४०	३९
५२	४	२०	२४	२	२०	२४	७	२४	०	३	५४	०	५	१३	४८	२	४३	४८
५३	४	२३	६	२	२३	६	७	२८	३०	३	५८	३०	५	१६	५७	२	४६	५७
५४	४	२५	४८	२	२५	४८	८	३	०	४	३	०	५	२०	६	२	५०	६
५५	४	२८	३०	२	२८	३०	८	७	३०	४	७	३०	५	२३	१५	२	५३	१५
५६	५	१	१२	२	३१	१२	८	१२	०	४	१२	०	५	२६	२४	२	५६	२४
५७	५	३	५४	२	३३	५४	८	१६	३०	४	१६	३०	५	२९	३३	२	५९	३३
५८	५	६	३६	२	३६	३६	८	२१	०	४	२१	०	६	२	४२	३	२	४२
५९	५	९	१८	२	३९	१८	८	२५	३०	४	२५	३०	६	५	५१	३	५	५१

विंशोत्तरी दशा कला-विकला सारिणी

	राहु						गुरु						शनि					
	कला			विकला			कला			विकला			कला			विकला		
	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.
१	०	८	६	०	८	६	०	७	१२	०	७	१२	०	८	३३	०	८	३३
२	०	१६	१२	०	१६	१२	०	१४	२४	०	१४	२४	०	१७	६	०	१७	६
३	०	२४	१८	०	२४	१८	०	२१	३६	०	२१	३६	०	२५	३९	०	२५	३९
४	१	२	२४	०	३२	२४	०	२८	४८	०	२८	४८	१	४	१२	०	३४	१२
५	१	१०	३०	०	४०	३०	१	६	०	०	३६	०	१	१२	४५	०	४२	४५
६	१	१८	३६	०	४८	३६	१	१३	१२	०	४३	१२	१	२१	१८	०	५१	१८
७	१	२६	४२	०	५६	४२	१	२०	२४	०	५०	२४	१	२९	५१	०	५९	५१
८	२	४	४८	१	४	४८	१	२७	३६	०	५७	३६	२	८	२४	१	८	२४
९	२	१२	५४	१	१२	५४	२	४	४८	१	४	४८	२	१६	५७	१	१६	५७
१०	२	२१	०	१	२१	०	२	१२	०	१	१२	०	२	२५	३०	१	२५	३०
११	२	२९	६	१	२९	६	२	१९	१२	१	१९	१२	३	४	३	१	३४	३
१२	३	७	१२	१	३७	१२	२	२६	२४	१	२६	२४	३	१२	३६	१	४२	३६
१३	३	१५	१८	१	४५	१८	३	३	३६	१	३३	३६	३	२१	९	१	५१	९
१४	३	२३	२४	१	५३	२४	३	१०	४८	१	४०	४८	३	२९	४२	१	५९	४२
१५	४	१	३०	२	१	३०	३	१८	०	१	४८	०	४	८	१५	२	८	१५
१६	४	९	३६	२	९	३६	३	२५	१२	१	५५	१२	४	१६	४८	२	१६	४८
१७	४	१७	४२	२	१७	४२	४	२	२४	२	२	२४	४	२५	२१	२	२५	२१
१८	४	२५	४८	२	२५	४८	४	९	३६	२	९	३६	५	३	५४	२	३३	५४
१९	५	३	५४	२	३३	५४	४	१६	४८	२	१६	४८	५	१२	२७	२	४२	२७
२०	५	१२	०	२	४२	०	४	२४	०	२	२४	०	५	२१	०	२	५१	०
२१	५	२०	६	२	५०	६	५	१	१२	२	३१	१२	५	२९	३३	२	५९	३३
२२	५	२८	१२	२	५८	१२	५	८	२४	२	३८	२४	६	८	६	३	८	६
२३	६	६	१८	३	६	१८	५	१५	३६	२	४५	३६	६	१६	३९	३	१६	३९
२४	६	१४	२४	३	१४	२४	५	२२	४८	२	५२	४८	६	२५	१२	३	२५	१२
२५	६	२२	३०	३	२२	३०	६	०	०	३	०	०	७	३	४५	३	३३	४५
२६	७	०	३६	३	३०	३६	६	७	१२	३	७	१२	७	१२	१८	३	४२	१८
२७	७	८	४२	३	३८	४२	६	१४	२४	३	१४	२४	७	२०	५१	३	५०	५१
२८	७	१६	४८	३	४६	४८	६	२१	३६	३	२१	३६	७	२९	२४	३	५९	२४
२९	७	२४	५४	३	५४	५४	६	२८	४८	३	२८	४८	८	७	५७	४	७	५७
३०	८	३	०	४	३	०	७	६	०	३	३६	०	८	१६	३०	४	१६	३०

विंशोत्तरी दशा कला-विकला सारिणी

	राहु						गुरु						शनि					
	कला			विकला			कला			विकला			कला			विकला		
	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	घ	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	घ.	दि.	घ.	प.
३१	८	११	६	४	११	६	७	१३	१२	३	४३	१२	८	२५	३	४	२५	३
३२	८	१९	१२	४	१९	१२	७	२०	२४	३	५०	२४	९	३	३६	४	३३	३६
३३	८	२७	१८	४	२७	१८	७	२७	३६	३	५७	३६	९	१२	९	४	४२	९
३४	९	५	२४	४	३५	२४	८	४	४८	४	४	४८	९	२०	४२	४	५०	४२
३५	९	१३	३०	४	४३	३०	८	१२	०	४	१२	०	९	२९	१५	४	५९	१५
३६	९	२१	३६	४	५१	३६	८	१९	१२	४	१९	१२	१०	७	४८	५	७	४८
३७	९	२९	४२	४	५९	४२	८	२६	२४	४	२६	२४	१०	१६	२१	५	१६	२१
३८	१०	७	४८	५	७	४८	९	३	३६	४	३३	३६	१०	२४	५४	५	२४	५४
३९	१०	१५	५४	५	१५	५४	९	१०	४८	४	४०	४८	११	३	२७	५	३३	२७
४०	१०	२४	०	५	२४	०	९	१८	०	४	४८	०	११	१२	०	५	४२	०
४१	११	२	६	५	३२	६	९	२५	१२	४	५५	१२	११	२०	३३	५	५०	३३
४२	११	१०	१२	५	४०	१२	१०	२	२४	५	२	२४	११	२९	६	५	५९	६
४३	११	१८	१८	५	४८	१८	१०	९	३६	५	९	३६	१२	७	३९	६	७	३९
४४	११	२६	२४	५	५६	२४	१०	१६	४८	५	१६	४८	१२	१६	१२	६	१६	१२
४५	१२	४	३०	६	४	३०	१०	२४	०	५	२४	०	१२	२४	४५	६	२४	४५
४६	१२	१२	३६	६	१२	३६	११	१	१२	५	३१	१२	१३	३	१८	६	३३	१८
४७	१२	२०	४२	६	२०	४२	११	८	२४	५	३८	२४	१३	११	५१	६	४१	५१
४८	१२	२८	४८	६	२८	४८	११	१५	३६	५	४५	३६	१३	२०	२४	६	५०	२४
४९	१३	६	५४	६	३६	५४	११	२२	४८	५	५२	४८	१३	२८	५७	६	५८	५७
५०	१३	१५	०	६	४५	०	१२	०	०	६	०	०	१४	७	३०	७	७	३०
५१	१३	२३	६	६	५३	६	१२	७	१२	६	७	१२	१४	१६	३	७	१६	३
५२	१४	१	१२	७	१	१२	१२	१४	२४	६	१४	२४	१४	२४	३६	७	२४	३६
५३	१४	९	१८	७	९	१८	१२	२१	३६	६	२१	३६	१५	३	९	७	३३	९
५४	१४	१७	२४	७	१७	२४	१२	२८	४८	६	२८	४८	१५	११	४२	७	४१	४२
५५	१४	२५	३०	७	२५	३०	१३	६	०	६	३६	०	१५	२०	१५	७	५०	१५
५६	१५	३	३६	७	३३	३६	१३	१३	१२	६	४३	१२	१५	२८	४८	७	५८	४८
५७	१५	११	४२	७	४१	४२	१३	२०	२४	६	५०	२४	१६	७	२१	८	७	२१
५८	१५	१९	४८	७	४९	४८	१३	२७	३६	६	५७	३६	१६	१५	५४	८	१५	५४
५९	१५	२७	५४	७	५७	५४	१४	८	४८	७	४	४८	१६	२४	२७	८	२४	२७

बिंशोत्तरी दशा कला-विकला सारिणी

	बुध		शुक्र			बुध		शुक्र	
	कला	विकला	कला	विकला		कला	विकला	कला	विकला
	मा. दि. घ.	दि. घ. प.	मा. दि.	दि. घ.		मा. दि. घ.	दि. घ. प.	मा. दि.	दि. घ.
१	० ७ ३९	० ७ ३९	० ९	० ९	३१	७ २७ ९	३ ५७ ९	९ ९	४ ३९
२	० १५ १८	० १५ १८	० १८	० १८	३२	८ ४ ४८	४ ४ ४८	९ १८	४ ४८
३	० २२ ५७	० २२ ५७	० २७	० २७	३३	८ १२ २७	४ १२ २७	९ २७	४ ५७
४	१ ० ३६	० ३० ३६	१ ६	० ३६	३४	८ २० ६	४ २० ६	१० ६	५ ६
५	१ ८ १५	० ३८ १५	१ १५	० ४५	३५	८ २७ ४५	४ २७ ४५	१० १५	५ १५
६	१ १५ ५४	० ४५ ५४	१ २४	० ५४	३६	९ ५ २४	४ ३५ २४	१० २४	५ २४
७	१ २३ ३३	० ५३ ३३	२ ३	१ ३	३७	९ १३ ३	४ ४३ ३	११ ३	५ ३३
८	२ १ १२	१ १ १२	२ १२	१ १२	३८	९ २० ४२	४ ५० ४२	११ १२	५ ४२
९	२ ८ ५१	१ ८ ५१	२ २१	१ २१	३९	९ २८ २१	४ ५८ २१	११ २१	५ ५१
१०	२ १६ ३०	१ १६ ३०	३ ०	१ ३०	४०	१० ६ ०	५ ६ ०	१२ ०	६ ०
११	२ २४ ९	१ २४ ९	३ ९	१ ३९	४१	१० १३ ३९	५ १३ ३९	१२ ९	६ ९
१२	३ १ ४८	१ ३१ ४८	३ १८	१ ४८	४२	१० २१ १८	५ २१ १८	१२ १८	६ १८
१३	३ ९ २७	१ ३९ २७	३ २७	१ ५७	४३	१० २८ ५७	५ २८ ५७	१२ २७	६ २७
१४	३ १७ ६	१ ४७ ६	४ ६	२ ६	४४	११ ६ ३६	५ ३६ ३६	१३ ६	६ ३६
१५	३ २४ ४५	१ ५४ ४५	४ १५	२ १५	४५	११ १४ १५	५ ४४ १५	१३ १५	६ ४५
१६	४ २ २४	२ २ २४	४ २४	२ २४	४६	११ २१ ५४	५ ५१ ५४	१३ २४	६ ५४
१७	४ १० ३	२ १० ३	५ ३	२ ३३	४७	११ २९ ३३	५ ५९ ३३	१४ ३	७ ३
१८	४ १७ ४२	२ १७ ४२	५ १२	२ ४२	४८	१२ ७ १२	६ ७ १२	१४ १२	७ १२
१९	४ २५ २१	२ २५ २१	५ २१	२ ५१	४९	१२ १४ ५१	६ १४ ५१	१४ २१	७ २१
२०	५ ३ ०	२ ३३ ०	६ ०	३ ०	५०	१२ २२ ३०	६ २२ ३०	१५ ०	७ ३०
२१	५ १० ३९	२ ४० ३९	६ ९	३ ९	५१	१३ ० ९	६ ३० ९	१५ ९	७ ३९
२२	५ १८ १८	२ ४८ १८	६ १८	३ १८	५२	१३ ७ ४८	६ ३७ ४८	१५ १८	७ ४८
२३	५ २५ ५७	२ ५५ ५७	६ २७	३ २७	५३	१३ १५ २७	६ ४५ २७	१५ २७	७ ५७
२४	६ ३ ३६	३ ३ ३६	७ ६	३ ३६	५४	१३ २३ ६	६ ५३ ६	१६ ६	८ ६
२५	६ ११ १५	३ ११ १५	७ १५	३ ४५	५५	१४ ० ४५	७ ० ४५	१६ १५	८ १५
२६	६ १८ ५४	३ १८ ५४	७ २४	३ ५४	५६	१४ ८ २४	७ ८ २४	१६ २४	८ २४
२७	६ २६ ३३	३ २६ ३३	८ ३	४ ३	५७	१४ १६ ३	७ १६ ३	१७ ३	८ ३३
२८	७ ४ १२	३ ३४ १२	८ १२	४ १२	५८	१४ २३ ४२	७ २३ ४२	१७ १२	८ ४२
२९	७ ११ ५१	३ ४१ ५१	८ २१	४ २१	५९	१५ १ २१	७ ३१ २१	१७ २१	८ ५१
३०	७ १९ ३०	३ ४९ ३०	९ ०	४ ३०					

अष्टोत्तरी दशा सारिणी

अं.	मेष					वृषभ					मिथुन					कर्क				
		व	मा.	दि.	घ.		व	मा.	दि.	घ.		व	मा.	दि.	घ.		व	मा.	दि.	घ.
०	रा.	६	०	०	०	शु.	१	९	०	०	शु.	१७	६	०	०	र.	२	७	१५	०
१		६	२	२१	०		२	३	९	०		१८	०	९	०		२	८	२५	३०
२		६	५	१२	०		२	९	१८	०		१८	६	१८	०		२	१०	६	०
३		६	८	३	०		३	३	२७	०		१९	०	२७	०		२	११	१६	३०
४		६	१०	२४	०		३	१०	६	०		१९	७	६	०		३	०	२७	०
५		७	१	१५	०		४	४	१५	०		२०	१	१५	०		३	२	७	३०
६		७	४	६	०		४	१०	२४	०		२०	७	२४	०		३	३	१८	०
६/४०												२१	०	०	०					
७		७	६	२७	०		५	५	३	०	र.	०	०	१३	३०		३	४	२८	३०
८		७	९	१८	०		५	११	१२	०		०	१	२४	०		३	६	९	०
९		८	०	९	०		६	५	२१	०		०	३	४	३०		३	७	१९	३०
१०		८	३	०	०		७	०	०	०		०	४	१५	०		३	९	०	०
११		८	५	२१	०		७	६	९	०		०	५	२५	३०		३	१०	१०	३०
१२		८	८	१२	०		८	०	१८	०		०	७	६	०		३	११	२१	०
१३		८	११	३	०		८	६	२७	०		०	८	१६	३०		४	१	१	३०
१४		९	१	२४	०		९	१	६	०		०	९	२७	०		४	२	१२	०
१५		९	४	१५	०		९	७	१५	०		०	११	७	३०		४	३	२२	३०
१६		९	७	६	०		१०	१	२४	०		१	०	१८	०		४	५	३	०
१७		९	९	२७	०		१०	८	३	०		१	१	२८	३०		४	६	१३	३०
१८		१०	०	१८	०		११	२	१२	०		१	३	९	०		४	७	२४	०
१९		१०	३	९	०		११	८	२[illegible]	०		१	४	१९	३०		४	९	४	३०
२०		१०	६	०	०		१२	३	०	०		१	६	०	०		४	१०	१५	०
२१		१०	८	२१	०		१२	९	९	०		१	७	१०	३०		४	११	२५	३०
२२		१०	११	१२	०		१३	३	१८	०		१	८	२१	०		५	१	६	०
२३		११	२	३	०		१३	९	२७	०		१	१०	१	३०		५	२	१६	३०
२४		११	४	२४	०		१४	४	६	०		१	११	१२	०		५	३	२७	०
२५		११	७	१५	०		१४	१०	१५	०		२	०	२२	३०		५	५	७	३०
२६		११	१०	६	०		१५	४	२४	०		२	२	३	०		५	६	१८	०
२६/४०		१२	०	०	०															
२७	शु.	०	२	३	०		१५	११	३	०		२	३	१३	३०		५	७	२८	३०
२८		०	८	१२	०		१६	५	१२	०		२	४	२४	०		५	९	९	०
२९		१	२	२१	०		१६	११	२१	०		२	६	४	३०		५	१०	१९	३०
३०	शु.	१	९	०	०	शु.	१७	६	०	०	र.	२	७	१५	०	र.	६	०	०	०

अष्टोत्तरी दशा सारिणी

अं.	सिंह				कन्या				तुला				वृश्चिक			
	व.	मा.	दि.	घ.	व.	मा.	दि.	घ	व.	मा.	दि.	घ.	व.	मा.	दि.	घ.
०	०	०	०	०	११	३	०	०	३	०	०	०	७	६	०	०
१	चं. ०	४	१५	०	चं. ११	७	१५	०	मं ३	१	२४	०	मं. ७	७	२४	०
२	०	९	०	०	१२	०	०	०	३	३	१८	०	७	९	१८	०
३	१	१	१५	०	१२	४	१५	०	३	५	१२	०	७	११	१२	०
३/३०													८	०	०	०
४	१	६	०	०	१२	९	०	०	३	७	६	०	बु. ०	३	१२	०
५	१	१०	१५	०	१३	१	१५	०	३	९	०	०	०	८	१५	०
६	२	३	०	०	१३	६	०	०	३	१०	२४	०	१	१	१८	०
७	२	७	१५	०	१३	१०	१५	०	४	०	१८	०	१	६	२१	०
८	३	०	०	०	१४	३	०	०	४	२	१२	०	१	११	२४	०
९	३	४	१५	०	१४	७	१५	०	४	४	६	०	२	४	२७	०
१०	३	९	०	०	१५	०	०	०	४	६	०	०	२	१०	०	०
११	४	१	१५	०	मं. ०	१	२४	०	४	७	२४	०	३	३	३	०
१२	४	६	०	०	०	३	१८	०	४	९	१८	०	३	८	६	०
१३	४	१०	१५	०	०	५	१२	०	४	११	१२	०	४	१	९	०
१४	५	३	०	०	०	७	६	०	५	१	६	०	४	६	१२	०
१५	५	७	१५	०	०	९	०	०	५	३	०	०	४	११	१५	०
१६	६	०	०	०	०	१०	२४	०	५	४	२४	०	५	४	१८	०
१७	६	४	१५	०	१	०	१८	०	५	६	१८	०	५	९	२१	०
१८	६	९	०	०	१	२	१२	०	५	८	१२	०	६	२	२४	०
१९	७	१	१५	०	१	४	६	०	५	१०	६	०	६	७	२७	०
२०	७	६	०	०	१	६	०	०	६	०	०	०	७	१	०	०
२१	७	१०	१५	०	१	७	२४	०	६	१	२४	०	७	६	३	०
२२	८	३	०	०	१	९	१८	०	६	३	१८	०	७	११	६	०
२३	८	७	१५	०	१	११	१२	०	६	५	१२	०	८	४	९	०
२४	९	०	०	०	२	१	६	०	६	७	६	०	८	९	१२	०
२५	९	४	१५	०	२	३	०	०	६	९	०	०	९	२	१५	०
२६	९	९	०	०	२	४	२४	०	६	१०	२४	०	९	७	१८	०
२७	१०	१	१५	०	२	६	१८	०	७	०	१८	०	१०	०	२१	०
२८	१०	६	०	०	२	८	१२	०	७	२	१२	०	१०	५	२४	०
२९	१०	१०	१५	०	२	१०	६	०	७	४	६	०	१०	१०	२७	०
३०	चं. ११	३	०	०	मं. ३	०	०	०	मं. ७	६	०	०	बु. ११	४	०	०

अष्टोत्तरी दशा सारिणी

अंश	धनु					मकर						कुंभ				मीन			
		व.	मा.	दि.	घ.		व	मा.	घ.	प.	वि.		व.	मा.	दि.		व	मा.	दि.
०	बु.	११	४	०	०	श.	३	४	०	०	०	बृ.	३	२	०	बृ.	१७	५	०
१		११	९	३	०		३	७	०	०	०		३	७	२१		१७	१०	२१
२		१२	२	६	०		३	१०	०	०	०		४	१	१२		१८	४	१२
३		१२	७	९	०		४	१	०	०	०		४	७	३		१८	१०	३
३ २०																	१९	०	०
४		१३	०	१२	०		४	४	०	०	०		५	०	२४	रा.	०	१	२४
५		१३	५	१५	०		४	७	०	०	०		५	६	१५		०	४	१५
६		१३	१०	१८	०		४/५	१०/०	०/०	०/०	०/०		६	०	६		०	७	६
७		१४	३	२१	०		५	२	११	३	९		६	५	२७		०	९	२७
८		१४	८	२४	०		५	९	१४	१२	३७		६	११	१८		१	०	१८
९		१५	१	२७	०		६	४	१७	२२	५		७	५	९		१	३	९
१०		१५	७	०	०		६	११	२०	३१	३३		७	११	०		१	६	०
११		१६	०	३	०		७/७	६/६	०/८	०/२	०/७		८	४	२१		१	८	२१
१२		१६	५	६	०		७	८	२०	२१	२४		८	१०	१२		१	११	१२
१३		१६	१०	९	०		७	११	२	४०	४१		९	४	३		२	२	३
१३ २०		१७	०	०	०														
१४	श.	०	१	१५	०		८	१	१४	५९	५८		९	९	२४		२	४	२४
१५		०	३	२२	३०		८	३	२७	१९	१५		१०	३	१५		२	७	१५
१६		०	६	०	०		८	६	९	३८	३२		१०	९	६		२	१०	६
१७		०	८	७	३०		८	८	२१	५७	४९		११	२	२७		३	०	२७
१८		०	१०	१५	०		८	११	४	१७	६		११	८	१८		३	३	१८
१९		१	०	२२	३०		९	१	१६	३६	२३		१२	२	९		३	६	९
२०		१	३	०	०		९	३	२८	५५	४०		१२	८	०		३	९	०
२१		१	५	७	३०		९	६	११	१४	५७		१३	१	२१		३	११	२१
२२		१	७	१५	०		९	८	२३	३४	१४		१३	७	१२		४	२	१२
२३		१	९	२२	३०		९	११	५	५३	३५		१४	१	३		४	५	३
२३ २०							१०	०	०	०	०								
२४		२	०	०	०	बृ.	०	३	२४	०	०		१४	६	२४		४	७	२४
२५		२	२	७	३०		०	९	१५	०	०		१५	०	१५		४	१०	१५
२६		२	४	१५	०		१	३	६	०	०		१५	६	६		५	१	६
२६ ४०		२	६	०	०														
२७		२	७	०	३०		१	८	२७	०	०		१५	११	२७		५	३	२७
२८		२	१०	०	०		२	२	१८	०	०		१६	५	१८		५	६	१८
२९		३	१	०	०		२	८	९	०	०		१६	११	९		५	९	९
३०	श.	३	४	०	०	बृ.	३	२	०	०	०	बृ.	१७	५	०	रा.	६	०	०

अष्टोत्तरी दशा कला सारिणी

कला	सूर्य				चन्द्र			मंगल			बुध			शनि पू.षा.			
	मा.	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	घ.	मा.	दि.	घ.	मा.	दि.	घ.	मा.	दि.	घ.	प.
१	०	०	४०	३०	०	२	१५	०	०	५४	०	२	३३	०	१	७	३०
२	०	१	२१	०	०	४	३०	०	१	४८	०	५	६	०	२	१५	०
३	०	२	१	३०	०	६	४५	०	२	४२	०	७	९	०	३	२२	३०
४	०	२	४२	०	०	९	०	०	३	३६	०	१०	१२	०	४	३०	०
५	०	३	२२	३०	०	११	१५	०	४	३०	०	१२	४५	०	५	३७	३०
६	०	४	३	०	०	१३	३०	०	५	२४	०	१५	१८	०	६	४५	०
७	०	४	४३	३०	०	१५	४५	०	६	१८	०	१७	५१	०	७	५२	३०
८	०	५	२४	०	०	१८	०	०	७	१२	०	२०	२४	०	९	०	०
९	०	६	४	३०	०	२०	१५	०	८	६	०	२२	५७	०	१०	७	३०
१०	०	६	४५	०	०	२२	३०	०	९	०	०	२५	३०	०	११	१५	०
२०	०	१३	३०	०	१	१५	०	०	१८	०	१	२१	०	०	२२	३०	०
३०	०	२०	१५	०	२	७	३०	०	२७	०	२	१६	३०	१	३	४५	०
४०	०	२७	०	०	३	०	०	१	६	०	३	१२	०	१	१५	०	०
५०	१	३	४५	०	३	२२	३०	१	१५	०	४	७	३०	१	२६	१५	०
६०	१	१०	३०	०	४	१५	०	१	२४	०	५	३	०	२	७	३०	०
७०	१	१७	१५	०	५	७	३०	२	३	०	५	२८	३०	२	१८	४५	०

कला	शनि, उ. षा.			शनि, अभि.				शनि श्रवण				गुरु			राहु			शुक्र		
	मा.	दि.	घ.	मा.	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	घ.	प.	मा.	दि.	घ.	मा.	दि.	घ.	मा.	दि.	घ.
१	०	१	३०	०	३	३३	९	०	१	१२	१९	०	२	५१	०	१	२१	०	३	९
२	०	३	०	०	७	६	१८	०	२	२४	३८	०	५	४२	०	२	४२	०	६	१८
३	०	४	३०	०	१०	३९	२८	०	३	३६	५७	०	८	३३	०	४	३	०	९	२७
४	०	६	०	०	१४	१२	३७	०	४	४९	१७	०	११	२४	०	५	२४	०	१२	३६
५	०	७	३०	०	१७	४५	४७	०	६	१	३६	०	१४	१५	०	६	४५	०	१५	४५
६	०	९	०	०	२१	१८	५६	०	७	१३	५५	०	१७	६	०	८	६	०	१८	५४
७	०	१०	३०	०	२४	५२	६	०	८	२६	१५	०	१९	५७	०	९	२७	०	२२	३
८	०	१२	०	०	२८	२५	१५	०	९	३८	३४	०	२२	४८	०	१०	४८	०	२५	१२
९	०	१३	३०	१	१	५८	२५	०	१०	५०	५३	०	२५	३९	०	१२	९	०	२८	२१
१०	०	१५	०	१	५	३१	३४	०	१२	३	१२	०	२८	३०	०	१३	३०	१	१	३०
२०	१	०	०	२	११	३	९	०	२४	६	२५	१	२७	०	०	२७	०	२	३	०
३०	१	१५	०	३	१६	३४	४४	१	६	९	३८	२	२५	३०	१	१०	३०	३	४	३०
४०	२	०	०	४	२२	६	१८	१	१८	१२	५१	३	२४	०	१	२४	०	४	६	०
५०	२	१५	०	५	२७	३७	५३	२	०	१६	४	४	२२	३०	२	७	३०	५	७	३०
६०	३	०	०	७	३	९	२८	२	१२	१९	१७	५	२१	०	२	२१	०	६	९	०
७०	३	१५	०	८	८	४१	३	२	२४	२२	३०	६	१९	३०	३	४	३०	७	१०	३०

अष्टोत्तरी दशा विकला सारिणी

विकला	सूर्य		चन्द्र			मंगल		बुध			शनि, पू.षा.			शनि, उ.षा			श. अभि.			शनि, श्रवण			गुरु			राहु			शुक्र		
	घ.	प.	दि.	घ.	प.	घ.	प.	दि.	घ.	प.	दि.	घ.	प.	दि.	घ.	प.	दि.	घ.	प.	दि.	घ.	प.	दि.	घ.	प.	दि.	घ.	प.	दि.	घ.	प.
१	०	४०	०	२	१५	०	५४	०	२	३३	०	१	७	०	१	३०	०	३	३३	०	१	१२	०	२	५१	०	१	२१	०	३	९
२	१	२१	०	४	३०	१	४८	०	५	६	०	२	१५	०	३	०	०	७	६	०	२	२४	०	५	४२	०	२	४२	०	६	१८
३	२	१	०	६	४५	२	४२	०	७	३९	०	३	२२	०	४	३०	०	१०	३९	०	३	३६	०	८	३३	०	४	३	०	९	२७
४	२	४२	०	९	०	३	३६	०	१०	१२	०	४	३०	०	६	०	०	१४	१२	०	४	४९	०	११	२४	०	५	२४	०	१२	३६
५	३	२२	०	११	१५	४	३०	०	१२	४५	०	५	३७	०	७	३०	०	१७	४५	०	६	१	०	१४	१५	०	६	४५	०	१५	४५
६	४	३	०	१३	३०	५	२४	०	१५	१८	०	६	४५	०	९	०	०	२१	१८	०	७	१३	०	१७	६	०	८	६	०	१८	५४
७	४	४३	०	१५	४५	६	१८	०	१७	५१	०	७	५२	०	१०	३०	०	२४	५२	०	८	२६	०	१९	५९	०	९	२७	०	२२	३
८	५	२४	०	१८	०	७	१२	०	२०	२४	०	९	०	०	१२	०	०	२८	२५	०	९	३८	०	२२	४८	०	१०	४८	०	२५	१२
९	६	४	०	२०	१५	८	६	०	२२	५७	०	१०	७	०	१३	३०	०	३१	५८	०	१०	५०	०	२५	३९	०	१२	९	०	२८	२१
१०	६	४५	०	२२	३०	९	०	०	२५	३०	०	१५	१५	०	१५	०	०	३५	३१	०	१२	३	०	२८	३०	०	१३	३०	०	३१	३०
२०	१३	३०	०	४५	०	१८	०	०	५१	०	०	२२	३०	०	३०	०	१	११	३	०	२४	६	०	५७	०	०	२७	०	१	३	०
३०	२०	१५	१	७	३०	२७	०	१	१६	३०	०	३३	४५	०	४५	०	१	४६	३४	०	३६	९	१	२५	३०	०	४०	३०	१	३४	३०
४०	२७	०	१	३०	०	३६	०	१	४२	०	०	४५	०	१	०	०	२	२२	६	०	४८	१२	१	५४	०	०	५४	०	२	६	०
५०	३३	४५	१	५२	३०	४५	०	२	७	३०	०	५६	१५	१	१५	०	२	५७	३७	१	०	१६	२	२२	३०	१	७	३०	२	३७	३०
६०	४०	३०	२	१५	०	५४	०	२	३३	०	१	७	३०	१	३०	०	३	३३	९	१	१२	१९	२	५	०	१	२१	०	३	९	०

पाश्चात्य मत में दशा तथा वर्ष विचार

पाश्चात्यों ने ग्रह भ्रमण पद्धति (Celestial Period) द्वारा भूत, वर्तमान तथा भविष्य का विचार किया है। यह भ्रमण प्रचलित ग्रह भ्रमण से भिन्न है। इसमें प्रत्येक ग्रह के १२ राशि भोग के वर्ष नियत किये हैं। तदनुसार ग्रह को चला कर फलाफल का विचार किया जाता है। उनका मत है कि जन्म में जो ग्रह जिस ग्रह से शुभ सम्बन्ध करता है वह जब २ भ्रमण द्वारा उससे शुभ सम्बन्ध करेगा तब २ अपने अनुरूप फल देता है। वैसे ही जन्म समय में जिससे अशुभ सम्बन्ध करता हैं उस ग्रह से भ्रमण द्वारा जब अशुभ संबंध करेगा तब अशुभ होते रहने की संभावना है। इनके मत से तृतीय (अंशान्तर ६०) तथा पंचम (अंशान्तर १२०) दृष्टि अतिशुभ मानी जाती है। इस दृष्टि का विशेष शुभ फल नियत अंशों के अन्तर पर ही अच्छा मिलता है। चतुर्थ (अंशान्तर ९०) तथा सप्तम (अंशान्तर १८०) दृष्टि अशुभ मानी जाती है। इस दृष्टि के सम्बन्ध से ग्रह अशुभ फल देता है। ग्रहों का परिभ्रमण काल नीचे दिया जाता है।

ग्रह	रवि	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	हर्षल	नेपच्युन
१२ राशि भ्रमणकाल	१९	४	१६	१०	१२	८	३०	१८	८४	१६८
वार्षिक गति	१९°	३ राशि	१६°	३६°	३०°	५°	१२°	२०°	४°।१७′	२°।९′
मासिक गति	१°।३५′	७°।३०′	१°।३५′	३°	२°।३०′	३°।४५′	१°	१°।४०′	२१′।३५″	१०′।४५″

जिस वर्ष का शुभाशुभ देखना हो उस वर्ष की कुण्डली बनानी चाहिये। उसमें लग्न स्थान में जन्म लग्न ही रहेगा और ग्रहों को परिभ्रमण रीति से गत वर्ष संख्या सम्बन्धि चालन द्वारा चलाकर रखने चाहिये। इस तरह वर्तमान वर्ष की कुण्डली बनेगी।

और उसमें मासिक गति का चालन देने से प्रतिमास की कुण्डली बनती जायगी। उस पर से फल विचार करना चाहिये।

गुरु जब पूर्वोक्त भ्रमण पद्धति द्वारा जन्म लग्न वा जन्म राशि से ५,९,११ इन स्थानों में मेष, मिथुन. कर्क, सिंह, तुला, धन, कुम्भ, तथा मीन राशि में रहे तब भाग्योदय, पदोन्नति, नये उद्योग का प्रारम्भ अथवा नये उद्योग की खोज, व्यापारीयों के साथ व्यवहार, गरम कपड़े का कार्य करना, आरोग्य के लिये यात्रा करना, धर्माचार्य तथा शिक्षितों के साथ सम्बन्ध, मान प्रतिष्ठा की वृद्धि ऐश्वर्य की प्राप्ति इत्यादि शुभ फल होते हैं।

जब गुरु ४, ६, ८, १२ इन स्थानों में आता है, तब समय अच्छा नहीं रहता। इनसे अतिरिक्त स्थानों में मध्यम फल समझना चाहिये।

इस शुभाशुभ योग के अवसर पर चन्द्र का विशेष ध्यान रक्खा जाता है। शुभ समय के प्रसंग में जब २ चन्द्र गुरु से शुभ संबंध करता है तब २ शुभफल की प्राप्ति होती है। इसी प्रकार अशुभ फल के प्रसंग में जब २ चन्द्र से गुरु का अशुभ सम्बन्ध होगा तब २ अशुभ फल अनुभव में आता है।

इसी प्रकार जब शनि जन्म राशि वा जन्म लग्न से भ्रमण पद्धति द्वारा ३, ५, ६, ७, ९, १०, ११ इन स्थानों में वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, धन, कुम्भ, अथवा मीन राशि का रहता है तब अभ्युदय होता है। और उस समय खेती में, खनिज पदार्थ में, भूमि खरीदने में घर बनवाने में, कूप निर्माण आदि कार्यों में अनुकूलता रहती है।

इस ग्रह भ्रमण पद्धति द्वारा अभीष्ट (भूत, वर्तमान, भविष्य) समय की कुण्डली बनाकर उस पर से ग्रहस्थिति के अनुसार फल विचार करने में अच्छी सहायता मिलती है।

॥ शम् ॥

अथ परिशिष्टे स्पष्टायुर्विचारः

निसर्गपैण्ड्यांशकरश्मिचक्रनक्षत्रदायाष्टकवर्गजानि ।
पराशराद्यैः कथितानि यानि संगृह्य तानि क्रमशः प्रवाच्म ॥

स्पष्टायुर्दाय का साधन प्रथम भाग में कर दिया है। उसी के सम्बन्ध में यहाँ विचार करना है। जातक पारिजात में ग्रन्थकार ने स्वयं लिखा है कि पराशर प्रभृति आचार्यों ने १ निसर्ग, २ पिण्ड, ३ अंशक, ४ रश्मि, ५ चक्र, ६ नक्षत्र, ७ दायज तथा ८ अष्टक वर्ग इन आयुर्दायों का साधन दिखाया है उन्हें मैं लिख रहा हूँ। तदनुसार इन भेदों का विवेचन करते हुए लिखते हैं कि

विलग्नपे बलोपेते शुभदृष्टेंऽशसंभवम् ।
रवौ पिण्डोद्भवं कुर्याच्चन्द्रे नैसर्गिकं क्रमात् ॥

लग्नेश बलवान् हो और उसे शुभग्रह देखते हों तो अंशायु का साधन करना चाहिये। सूर्य बलवान् हो तो पिण्डायु एवं चन्द्र बलवान् हो तो निसर्गज आयुर्दाय का साधन करना चाहिये। इन दोनों योगों में भी शुभ ग्रह की दृष्टि का होना आवश्यक है।

इन सब का विचार करने के बाद आचार्यों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि "सत्योपदेशो वरमत्र" सत्याचार्य के मतानुसार आयुर्दाय का साधन करना अच्छा होगा। और यही क्रम इस समय चल रहा है। आठ प्रकार के आयुर्दाय के विवेचन को पाठक गण जातक पारिजात आदि ग्रन्थों में देखें। यहाँ विस्तार के भय से नहीं दिया जा रहा है। यहाँ बहुसम्मत सत्याचार्य के मतानुसार अंशायु का विचार किया जायगा। श्री भट्टोत्पल ने बृहज्जातक के आयुर्दायाध्याय श्लो. १२ की व्याख्या के अन्त में अस्माकं सत्याचार्य मतमभिमतमिति लिखकर स्पष्ट कर दिया है कि सत्याचार्य मतानुसार आयुर्दाय का साधन करना चाहिये।

मध्यमायुर्दाय साधन तक तो कोई मतभेद नहीं है, परन्तु मध्यमायु को स्पष्ट करने में संशय उत्पन्न होता है। क्योंकि श्री वराहमिहिराचार्य ने लघुजातक में पहले ग्रहों के आयुर्दाय में वृद्धि का क्रम लिखकर बाद में ह्रास दिखाया है। भट्टोत्पल ने आयुर्दायाध्याय (बृ. जा.) के १२ श्लोक की व्याख्या में मध्यमायु को स्पष्ट करने का क्रम सप्रमाण स्पष्ट कर दिया है। उक्त श्लोक की

व्याख्या में लिखा है कि "यत्रापहानिः प्राप्ता तत्र सकृदेवापहानिं कृत्वा सकृदपि गुणना कार्या। किंत्वपहानौ कर्तव्यायां चक्रपातापहानिं कृत्वा ततः शत्रुक्षेत्रस्थ-स्यापहानिः सकृदेव कर्तव्या ततः सकृदेव गुणना कार्या। अत्र च भगवान् गार्गिः।

राशितुल्यांशसंख्यानि ग्रहोऽब्दानि प्रयच्छति।
लग्नञ्च सबलोऽन्यानि भुक्तराशिसमानि तु॥ १॥
मासाद्यानयनं कार्यमनुपातादतः परम्।
सर्वार्धत्रिचतुर्थांशान् वामं पञ्च चतुःसंमित्॥ २॥
हरन्ति पापाः स्वाद्यायासदर्धमितरे ग्रहाः।
व्ययाद्यङ्कापहानिस्तु कथितेयं तथा ध्रुवम्॥ ३॥
एकस्त्वेकर्क्षगेष्वेव करोति बलवान् ग्रहः।
शत्रुक्षेत्रगतस्त्र्यंशं नीचेऽर्द्धं सूर्यगस्तथा॥ ४॥
हन्ति स्वाद्यायाद्ध्विगौ न सितादित्यनन्दनौ।
न चावनिसुतस्त्र्यंशं शत्रुक्षेत्रगतस्तथा॥ ५॥
ध्रुवापहानिः कर्तव्या ततोऽन्यासु बह्वष्वपि।
प्राप्तास्वेकैव कर्तव्या या स्यात्तासु महत्तरा॥ ६॥
ततोऽपि गुणना कार्याऽप्येकैव महती सकृत्।
द्वाभ्यां वर्गोत्तमे स्वांशे स्वद्रेष्काणे स्वके गृहे॥ ७॥
त्रिभिर्वक्रगतस्याथ स्वोच्चराशिगतस्य च।
महत्त्वायो भवत्येवं शोध्यक्षेपकृतस्तु यः॥ ८॥

सारांश यह है कि प्रत्येक ग्रह अपने नवमांश राशि तुल्य वर्ष मध्यमायु में देता है। यदि लग्न सबल हो तो भुक्त राशि संख्यक और भी वर्ष देता है। और अंशों द्वारा अनुपात से मासादिमान लाना चाहिये। लग्न के अंशों को ६० से गुणकर उसमें लग्न की कला जोड़ दें। इस कलादि लग्न के भुक्त मान को अर्थात् लग्न के अंश कला विकला के कला विकला दो खण्ड बनाकर इनको १२ से गुणकर १८०० से भाग दें। लब्ध फल मास होंगे। शेष को ३० से गुणकर और उसमें विकला जोड़कर १८०० का भाग देने से लब्ध फल दिन होंगे। पुनः शेष को ६० से गुणकर १८०० से भागने पर लब्ध फल घटी होंगी। इस प्रकार पल भी शेष को ६० से गुणकर १८०० का भाग देकर ले आयें। इस लब्ध

मास, दिन, घटी पल फल को पूर्व साधित लग्न के आयु में जोड़ने से लग्न का स्पष्टायु[1] होगा।

लग्न और ग्रहों के बलवान् होने की परिभाषा प्रथम भाग में कर दी है। ग्रहों के आयुर्दाय के स्पष्टीकरण का क्रम यह है। पहले चक्रार्धहानि, उसके बाद ग्रह शत्रु क्षेत्रगत हो तो तृतीयांश हानि, परन्तु मङ्गल शत्रुक्षेत्री होने पर भी तृतीयांश हानि नहीं करता। ग्रह नीचराशिगत एवं अस्तंगत हो तो अर्धांश हानि, परन्तु शुक्र शनि अस्तंग होने पर भी अर्धांश हानि नहीं करते। यहाँ यह ध्यान रक्खें चक्रार्ध हानि में एकभाव में अनेक ग्रहों के रहने पर केवल बलवान एक ही ग्रह के आयुर्दाय की हानि होती है। एवं एक ग्रह के लिए अनेक हानि प्राप्त हो तो जो अधिक हानि होगी वही एक हानि करें। सब हानि नहीं करनी चाहिये। इसके बाद यदि ग्रह वर्गोत्तमी, स्वनवमांश स्वद्रेष्काण अथवा स्वराशि में हो तो निर्दिष्ट क्रम से साधित आयुर्दाय को द्विगुण करें। और यदि ग्रह वक्री या उच्चराशि का हो तो निर्दिष्ट क्रम से साधित आयु को त्रिगुणित करें। यहाँ पर यदि एक ही ग्रह को द्विगुण एवं त्रिगुण प्राप्त हो तो केवल त्रिगुण ही करें।

यहाँ पर मैंने मध्यमायु को स्पष्ट करने का क्रममात्र दिखाया है। इसके गणित का क्रम आदि प्रथमभाग में स्पष्टरूप से लिखा है। इसे वहीं देखें। और प्रथमभाग में साधित स्पष्टायु के साधन का क्रम इसके विपरीत है। अतः उस क्रम को गौण मानकर इसी को समुचित एवं सिद्धान्तरूप में समझें। अर्थात् मध्यमायु के स्पष्टीकरण में पहले क्रमप्राप्त हानि करनी चाहिये। उसके बाद यदि क्रमप्राप्त वृद्धि हो तो उसे करें। प्रथमभाग में लघुजातक में दर्शितक्रमानुसार पहले वृद्धि कर के बाद में ह्रास किया गया है वह गौण है।

॥ शुभम् ॥

---

१. अथवा लग्न के भुक्त अंशों की कला बनाकर कला में जोड़ दें प्रकार साधित लग्न की भुक्त कला विकला में केवल १५० का भाग देने से प्रथम फल मास होंगे। शेष को ३० से गुणकर १५० से भागने पर दिन होंगे। इस प्रकार आगे भी गणित करने से मासादि फल प्राप्त होगा।